SELF STUDY REPORT

for

ACCREDITATION

2016-17 to 2020-21

from

National Agricultural Education Accreditation Board
Indian Council of Agricultural Research
New Delhi

SUBMITTED BY

DEAN FACULTY OF AGRICULTURE
RAJMATA VIJAYARAJE SCINDIA KRISHI VISHWA VIDYALAYA
GWALIOR-474002 (M.P.)

RAJMATA VIJAYARAJE SCINDIA JI

Compiled By:

Office of the Dean
Faculty of Agriculture
Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishwa Vidyalaya
Gwalior 474002 (M.P.)

Preface

The Self Study Report of the University for Academic Session 2016-17 to 2020-21 is prepared to get accreditation of the University from National Agricultural Education Accreditation Board, Indian Council of Agricultural Research, New Delhi. It is a compilation of information provided by the Office of the Director Research Services, Director Instructions, Director Extension Services, The Registrar, The Comptroller, Director Farms, Dean Student Welfare and all the constituent Colleges of the University.

My grateful thanks are due to Prof. S.K. Rao, Vice Chancellor, RVSKVV, Gwalior for regulating education to meet quality expectations of the Council and providing unstinted support and guidance in preparation of the report.

The Self Study Report of the University is prepared as per the Guidelines for Accreditation of Higher Agricultural Education Institutions in India provided by National Agricultural Education Accreditation Board, Indian Council of Agricultural Research, New Delhi. All the sub-sub heads of nine sub heads of point 6.6 are covered in the report in reference to the University.

I would like to record my appreciation for the Director Research Services, Director Extension Services, Director Instructions, All Deans of constituents Colleges, Registrar and Comptroller of RVSKVV Gwalior without whose support the report would not have been structured. Meticuluos effort made by Dr. Akhilesh Singh, Nodal Officer (ICAR) and Technical Officer, Office of the Dean Faculty of Agriculture in compilation of the report are cherished.

At the end, I would like to thank one and all, who directly or indirectly helped us in preparation of the report.

Dean Faculty of Agriculture
Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishwa Vidyalaya
Gwalior

CONTENT

SELF STUDY REPORT

FOR

ACCREDITATION OF THE UNIVERSITY

(RVSKVV, GWALIOR)

6.6.1. UNIVERSITY GOVERNANCE

Hon'ble Governor of Madhya Pradesh is the Chancellor of the University, and Vice-Chancellor is the Academic Head and Chief Executive of the University, who is supported by the following authorities:

- *Board of Management*
- *Academic Council*
- *Administrative Council*

The University comprises of Faculty of Agriculture headed by Faculty Dean. The constituent colleges are headed by the respective Deans. Heads of the Departments are the key persons for teaching, research and extension of the respective discipline/department. Committee of Faculty of Agriculture and Extension Council are also constituted by Vishwa Vidyalaya.

Director Instructions, Director Research Services and Director Extension Services are responsible University authorities for Human Resource Development, Research and Extension activities, respectively. Registrar and Comptroller support the Vice-Chancellor in administration and financial matters. The organizational setup of the University is presented in the following flow chart.

Organizational Setup

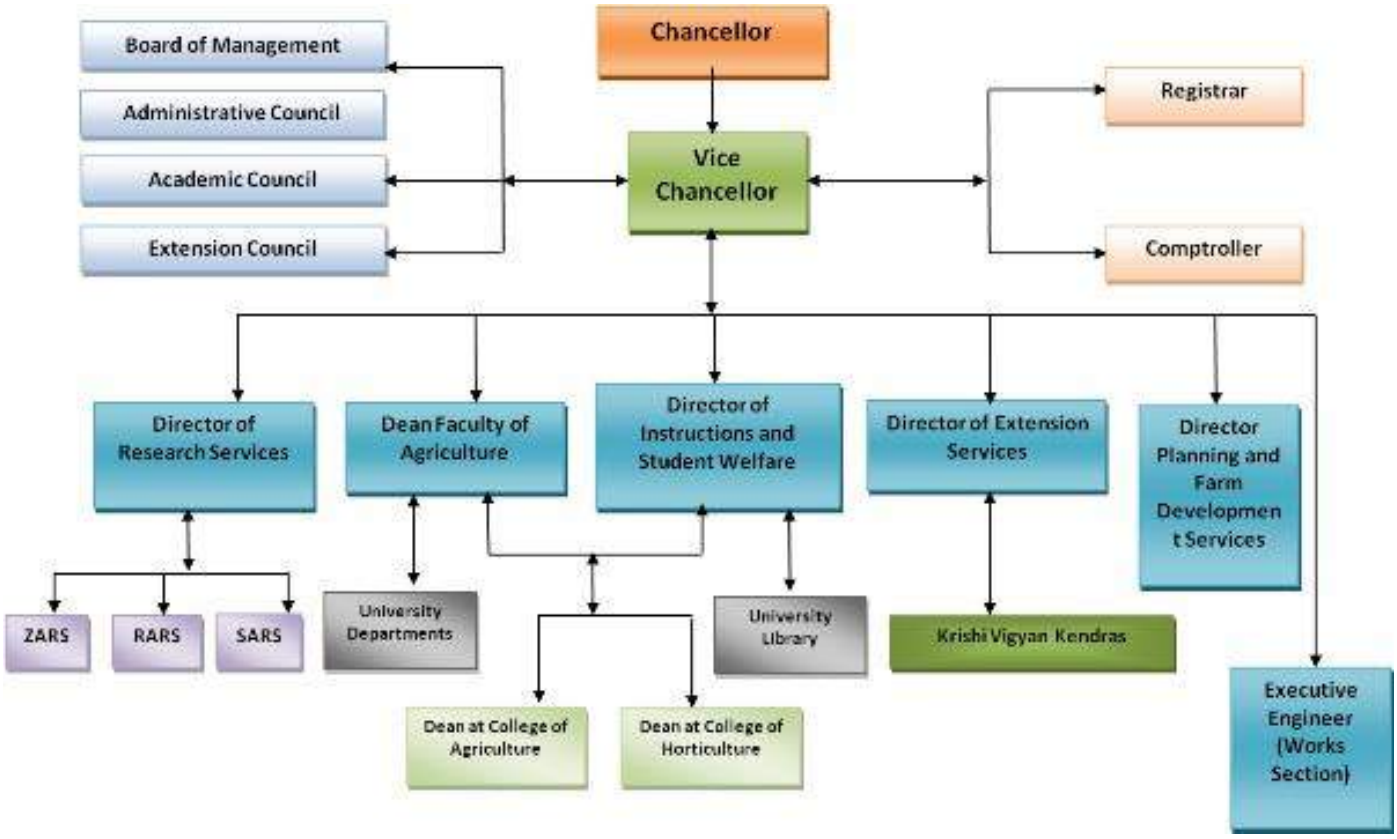

Area of Jurisdiction:

RVSKVV, Gwalior is responsible for Agricultural Education, Research and Extension activities in following 26 revenue districts of the state: Sheopur, Morena, Bhind, Gwalior, Shivpuri, Guna, Ashoknagar, Datia, Dewas, Shajapur, Agar Malwa, Ujjain, Indore, Dhar, Jhabua, Alirajpur, Ratlam, Mandsaur, Neemuch, Khargone, Badwani, Khandwa, Burhanpur, Bhopal, Sehore and Rajgarh.

The area under University jurisdiction is a part of the Deccan Plateau and comprises plateaus with mean elevation of 1600 feet above mean sea level; inter spread with the mountains of the Vindhya and Satpura ranges. The maximum height of 1350 m is recorded in Satpura range on the other hand 150 m height is found in Chambal Valley. The main river systems are the Betwa, Chambal, Narmada, Sindh and Tapti. Nearly one third of the state area is covered with tropical forest. The area contains three types of soils, varying from alluvial to medium and heavy black Vertisols with six agro climatic zones.

The geographical area of the state under the University jurisdiction is 137.16 lakh hectares out of this, 74.72 lakh hectares is under cultivation, 24.51 lakh hectares under Kharif and 36.45 lakh hectare under rabi fallow. Out of the total cultivated area,

49.42% is irrigated. However, the area under irrigation varies from as low as 18.85% in Jhabua district to as high as 75.63% in Datia district.

The economy of the area is primarily agriculture based. Nearly 75% population is engaged in agriculture. The Malwa region abounds in rich black cotton soil. The low lying areas of Gwalior and Bundelkhand have light soils, whereas the Narmada Valley is formed by deep rich alluvial deposits.

6.6.1.1. VISION, MISSION AND GOALS:

Vision:

- *To transform the Agricultural landscape of Madhya Pradesh by producing excellent dynamic and result oriented skilled human resource in modern Agriculture, thereby creating higher income, employment, gender equity, accessibility, sustainable production system and achieving social welfare for all.*

Mission:

- *To impart education, conduct research and extension activities for enhancing productivity, optimization of profit, sustainability of agriculture and allied sectors and improving rural livelihood in the state of Madhya Pradesh.*

Goals:

- *To serve as a centre of higher education in the field of agriculture and allied sciences.*
- *To conduct basic, strategic, applied and anticipatory research in the field of agriculture and allied sciences.*
- *To disseminate technologies to farmers, extension personnel and organizations engaged in agricultural development through various extension programmes.*
- *To produce and supply genuine seed and planting material to the farmers.*

6.6.1.2. Statutes and Regulations: Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishwa Vidyalaya, has been established by Govt. of Madhya Pradesh ordinance No. 4 of 2008 notified in the extraordinary Gazette No. 507 dated August 19, 2008 .

मध्यप्रदेश राजपत्र, दिनांक 12 जनवरी 2009 110

(चौबीस) ऐसे अध्यापन पदों को, जिनकी प्रस्थापना विद्या परिषद् द्वारा की जाए, राज्य सरकार के अनुमोदन से अनुमोदित करना;

(पच्चीस) विश्वविद्यालय में के किसी अध्यापन पद को, विद्या परिषद् से उसके संबंध में रिपोर्ट प्राप्त होने पर राज्य सरकार के अनुमोदन से समाप्त करना या निलम्बित करना;

(छब्बीस) विश्वविद्यालय की विभिन्न शाखाओं में के कर्मचारिवृन्द के सदस्य के नियोजन, वेतनमान तथा सेवा की शर्तें अधिकथित करना तथा उनका अनुपालन सुनिश्चित करना;

(सत्ताईस) अपनी शक्तियों में से कोई भी शक्ति कुलपति, कुलसचिव या विश्वविद्यालय के ऐसे अन्य अधिकारी को या अपने द्वारा नियुक्त की गई किसी समिति को, जिसे भी कि वह ठीक समझे, विनियम द्वारा प्रत्यायोजित करना; और

(अट्ठाईस) इस अधिनियम या परिनियमों के उपबन्धों से असंगत न होने वाली ऐसी अन्य शक्तियों का प्रयोग करना और ऐसे अन्य कर्तव्यों का पालन करना जो इस अधिनियम के प्रयोजनों को कार्यान्वित करने के लिए आवश्यक हों.

३०. (१) विद्या परिषद्, विश्वविद्यालय के विद्या संबंधी कार्यकलापों की भारसाधक होगी तथा उसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे, अर्थात् :— विद्या परिषद्,

(एक) कुलपति;

(दो) निदेशक, अनुसंधान सेवाएं;

(तीन) निदेशक, विस्तार सेवाएं;

(चार) निदेशक, शिक्षण तथा विद्यार्थी कल्याण;

(पांच) संकायों के संकायाध्यक्ष;

(छह) विश्वविद्यालय के प्रत्येक संकाय में से एक अध्यापक, जो कि परिनियमों द्वारा विहित की गई रीति में उनमें से निर्वाचित किए जाएंगे;

(सात) विश्वविद्यालय के कर्मचारी न होने वाले दो व्यक्ति जिन्हें विश्वविद्यालय द्वारा मान्य विषयों में अपने विशेष ज्ञान के कारण विद्या परिषद् द्वारा सहयोजित किया गया हो;

(२) विद्या परिषद् की सम्पूर्ण की सदस्य संख्या की कम से कम आधी संख्या से गणपूर्ति होगी :

परन्तु गणपूर्ति किसी भी समय चार से कम न होगी.

(३) विद्या परिषद् को किसी ऐसे विशिष्ट काम-काज को, जो विद्या परिषद् के समक्ष विचारार्थ आये, विशेषतया जो विशेष ज्ञान या अनुभव रखने वाले दो व्यक्तियों को सदस्य के रूप में सहयोजित करने की शक्ति होगी, इस प्रकार सहयोजित किये गये सदस्यों को, ऐसे काम-काज के, जिसके कि संबंध में वे सहयोजित किये जायें, सम्पादन के लिये विद्या परिषद् के सदस्यों के अधिकार होंगे.

(४) विद्या परिषद् के समस्त सदस्य, जो पदेन सदस्यों से तथा उपधारा (३) में निर्दिष्ट किये गये सदस्यों से भिन्न हैं, तीन वर्ष की अवधि के लिये पद धारण करेंगे.

विद्या परिषद् की शक्तियाँ और कर्तव्य.

३१. विद्या परिषद् — (क) इस अधिनियम तथा परिनियमों के उपबन्धों के अध्यधीन रहते हुए, विश्वविद्यालय के अध्यापन, अनुसंधान तथा विश्वविद्यालय की गतिविधि का सामान्यतः विनियमित करेगी और उन पर नियंत्रण रखेगी और उनका स्तर बनाये रखने एवं उपाधियां अधिप्रदान करने हेतु अपेक्षाओं की पूर्ति कराने के लिये उत्तरदायी होगी;

(ख) विश्वविद्यालय के बोर्ड को तथा अन्य प्राधिकारियों को विद्या संबंधी समस्त विषयों पर सलाह देगी;

(ग) ऐसी अन्य शक्तियों का प्रयोग करेगी तथा ऐसे अन्य कर्तव्यों का पालन करेगी जो इस अधिनियम द्वारा या उसके अधीन उसे प्रदत्त की जाएं या उस पर अधिरोपित किये जाएं.

संकाय.

३२. (१) विश्वविद्यालय में ऐसे संकाय होंगे जो परिनियमों द्वारा विहित किये जाएं.

(२) प्रत्येक संकाय में ऐसे सदस्य होंगे और उन्हें ऐसी शक्तियां होंगी और वे ऐसे कर्तव्यों का पालन करेंगे जो परिनियमों द्वारा विहित किये जाएं.

(३) प्रत्येक संकाय के लिये एक संकायाध्यक्ष होगा जो कुलाधिपति द्वारा ऐसी रीति में तथा ऐसे कालावधि के लिए नियुक्त किया जाएगा जो परिनियमों द्वारा विहित किया जाए.

अध्ययन-विभाग.

३३. (१) प्रत्येक संकाय में ऐसा अध्ययन-विभाग होगा जैसा परिनियमों द्वारा विहित किया जाए.

(२) प्रत्येक अध्ययन-विभाग के लिये एक विभागाध्यक्ष होगा.

(३) कुलपति, प्राध्यापकों में से एक को विभागाध्यक्ष के रूप में नामनिर्देशित करेगा और यदि कोई प्राध्यापक न हो तो संकाय का संकायाध्यक्ष ऐसे विभाग के अध्यक्ष के रूप में तब तक कार्य करेगा जब तक कि सम्यक रूप से अर्हित व्यक्ति उपलब्ध नहीं हो जाता.

(४) विभागाध्यक्ष की नियुक्ति के नियम तथा शर्तें, उसके कर्तव्य तथा कृत्य परिनियमों द्वारा विहित किए जाएंगे.

विश्वविद्यालय के अन्य प्राधिकारी.

३४. ऐसे अन्य प्राधिकारियों के, जो परिनियमों द्वारा विश्वविद्यालय के प्राधिकारी होना घोषित किए जाएं, गठन, उनकी शक्तियों तथा कर्तव्यों के लिये उपबंध परिनियमों द्वारा विहित की गई रीति में किए जाएंगे.

कृषि अनुसंधान केन्द्र तथा कृषिक ग्रामीण जीवन तथा विस्तार सेवाएं.

३५. (१) विश्वविद्यालय, समस्त संकायों में, मूल तथा अनुप्रायोगिक दोनों ही अनुसंधान के लिये केन्द्रीय या राज्य कृषि अनुसंधान केन्द्र, समुचित क्षेत्रीय तथा अन्य उपकेन्द्र, अपनी प्रादेशिक अधिकारिता के भीतर स्थापित करेगा और/या उन्हें बनाए रखेगा.

(२) विश्वविद्यालय कृषिक ग्रामीण जीवन तथा विस्तार सेवा भी चलाएगा जो इस अधिनियम तथा परिनियमों के उपबंधों के अध्यधीन रहते हुए, कृषकों तथा गृहणियों को उनकी सहायता करने, उनकी समस्याओं को हल करने के लिये उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराएगी और युवा व्यक्तियों में कृषिक जीवन के प्रति रुचि बढ़ाने की दृष्टि से समस्त आवश्यक उपाय करेगी.

अध्याय — पांच
विश्वविद्यालय निधि आदि.

विश्वविद्यालय निधि.

३६. (१) विश्वविद्यालय एक निधि स्थापित करेगा जो विश्वविद्यालय निधि कहलाएगी.

(२) निम्नलिखित विश्वविद्यालय निधि का भाग होंगे या उसमें संदत्त किए जाएंगे—

(क) केन्द्रीय या राज्य सरकार या किसी निगमित निकाय द्वारा दिया गया कोई उधार, अभिदाय या अनुदान;

6.6.1.3. University Statutory officers and their selection process:

S. No.	Name of the position (sanctioned)	Officer	Appointment	Tenure	Appointed/ Nominated
1.	Hon'ble Vice-Chancellor	Prof. S.K. Rao	26-10-2017	5	Appointed
2.	Dean, Faculty of Agriculture	Dr. D.H. Ranade	21-09-2020	3	Nominated
3.	Director Research Services	Dr. M. P. Jain	29-06-2019	3	Nominated
4.	Director Extension Services	Dr. S. N. Upadhyay	31-08-2019	3	Nominated
5.	Director Instructions & Student Welfare	Dr. A. K. Singh	31-05-2018	3	Nominated
6.	Registrar	Shri D.L. Kori	02-05-2017	3	Appointed
7.	Comptroller	Mr. Ajay Kumar Sharma	01-09-2020	3	Appointed
8.	Associate Director Research (Seed & Farm)	Dr. S.S. Tomar	14-02-2011	9	Appointed
9.	Dean, Student Welfare	Dr. S. P. S. Tomar	04-11-2008	12	Nominated
10.	Dean College of Agriculture, Gwalior	Dr. J. P. Dixit	28-08-2019	3	Nominated
11.	Dean College of Agriculture, Indore	Dr. A.K. Sharma	01-01-2021	3	Nominated
12.	RAK, Dean College of Agriculture, Sehore	Dr. H. D. Verma	26-08-2019	3	Nominated
13.	BM, Dean College of Agriculture, Khandwa	Dr. U. P. S. Bhadauria	05-09-2019	3	Nominated
14.	KNK, Dean College of Horticulture, Mandsaur	Dr. Mridula Billore	07-09-2020	3	Appointed
15.	IPRO	Mr. Y.M. Indapurkar	06-09-2008	12	Appointed

6.6.1.4. Decentralization of power

Vice-Chancellor:

- To sanction recurring and nonrecurring expenditure within the approved budget of the University provided he may re-appropriate amounts within the various units of appropriations.
- To countersign on own T.A. Bills subjects to the provisions of the University T.A. rules.
- To open account on behalf of the University in the Schedule Bank in accordance with subsection (3) of section 34 of the Act and to authorize any drawing and disbursing officer of the University to operate such an account.
- To grant leave as per delegation of powers for duties emoluments terms and conditions of service and powers and duties of officer of the University other than Chancellor and Vice-Chancellor.
- Vice-Chancellor in absence of the Chancellor preside any convocation of the University.
- Vice-Chancellor is the ex-officio member and chairman of the Board, Academic and Administrative Council.
- Vice-Chancellor has power to convene meetings of Board, Academic and Administrative Council.
- In any emergency, he may take action as deems necessary and at the earliest opportunity thereafter report his action to such officer, authority of body as would have in the ordinary course dealt with the matter.

Deans of Faculty

- Chairman of the faculty
- Administration and execution of faculty policy
- Implementation of statues and other regulation related to faculty
- Over all control on the staff working on teaching in the faculty
- Overall in-charge of teaching for Bachelor degrees offer by the faculty
- To perform duty of the Vice Chancellor in his absence

Registrar

- Official correspondence for the University
- Custodian of records, common seal and other property of the University
- Act as secretary in meeting of the Board, Academic council and any other bodies and committees and issue notice
- Preparation and finalization of annual report
- Official correspondence for Board, Academic Council and other bodies
- Administer statutes of the University with respect to admission of student
- Organize examination, evaluation of answer sheet and declaration of result of various degree programmes
- Issue certificates of various degree programmes

Comptroller

- Exercise general supervision over the funds of the University and shall advise the Board in regard to its financial policy subject to the control of the Board
- Manage the property and investment of the University

- Be responsible for seeing that all moneys are expended on the purpose for which they are granted or allotted and no expenditure not authorized in the budget, is incurred by the University
- Preparation of the financial estimate of the university
- Disburse payment to the employees

Director Research Services

- Planning and prosecution of research activities in the University
- Preparation and approval of research programmes
- Preparation and approval of annual budget of research activities
- Over all control on the staff working under research project
- Approval on publications related to research
- Correspondence on projects with agencies providing financial assistance

Director Extension Services

- Planning and prosecution of extension activities in the University
- Preparation and approval of extension programmes
- Preparation and approval of annual budget of extension activities
- Over all control on the staff working on extension activities
- Approval on publications related to extension
- Over all control of on campus and off campus educational work involving farmers and rural families

Director Instructions

- Over all in-charge of education at Master and Doctorate level
- To control uniform standard of teaching of examination of the university
- To improve teaching at the University level
- Arrange external examiner for various examination at Master and Doctorate level
- Permission to the staff to participate in various training programme for human resource development

Director of Farms

- Over all control on the University farms
- Planning, development and management of farms
- Preparation of annual budget proposal of the farms
- Sale of farm produce

Dean Student welfare

- To plan and organize all co and extracurricular activates of student
- Management of physical education activities, NCC and other alive activities
- Management of student hostel
- Maintenance of student discipline
- Supervise medical facility
- Arrangement of scholarship
- Communicate guardian of student

6.6.1.5. Supporting Units:

Maintenance cell: Following work is being carried out by Maintenance Cell

1. Computer System Maintenance department:

- Data Center of RVSKVV Maintain and administer computer networks and related computing environments, including computer hardware, systems software, applications software, and all configurations
- Website & Software support and maintenance, preparation of requirements, uploading of data on University Website: http://www.rvskvv.net.
- Lease line and BSNL line for Internet Maintenance & support
- Maintenance & support of CCTV cameras and keep the backup of video recorded.
- Telephone & Intercom system support with Plan, coordinates, and implements telephone security measures in order to protect data, software, and hardware.
- Cabling, instrument maintenance, intercom system configuration etc.
- Printer repairing & maintenance viz. analyze printer, purchasing of new printers, repairing of existing dot matrix, laser jet, desk jet printers

2. Electrical Maintenance department:

- In college campus including college building, boy's hostels, girls' hostel, staff quarter, canteen and mess.
- To provide uninterrupted electrical power supply
- Installation, testing, commissioning operation and maintenance of electrical lines, cable, panels, capacitor units, equipments etc.
- Internal electrification of distribution and utilization work.
- Operation & maintenance of 11/0.44 KV distribution transformer.
- Operation & maintenance of 250 KVA Diesel Generator set.
- Energy saving & energy audit management work.
- 24/7 hours duties of electrical staff.
- Electrical safety & electrical inspection work in the campus.
- A 75 KVA Diesel Genset as a standby is installed to take care of uninterrupted power supply to the entire campus including hostels and quarters.

3. Civil Maintenance department:

- Water supply to whole campus including college building, hostels, Admin block & staff quarters.
- Maintain the garden & landscape of the campus.
- Repairing & Maintain plumbing facility.
- Housekeeping & cleanliness in the campus.
- Repair & maintenance structural issues in buildings & roads.
- Cost estimate of material or labors to determine projects economical feasibility.
- Maintenance of Central Seminar Hall & Gymkhana
- Spacious parking facility is provided for all types of vehicles of staff and students.

SC/ST Cell:
The Scheduled Caste (SC) and Scheduled Tribes (ST) Cell in an institute promotes the special interests of students in the reserved category. It is expected to provide special inputs in areas where the students experience difficulties.

1. **Remedial/Co-Curricular Coaching:**

At RVSKVV, remedial/co-curricular classes are conducted in the following areas, depending upon the students' interest: ÿ Language classes for English, ÿ Skill workshops for use of the library, writing an assignment, making presentation in class, public speaking, job selection and job interviews, ÿ Coaching in basic subjects such as social research and field work recordings, and ÿ Orientation on scholarships available for higher studies.

2. **Grievance Redressal:**

The SC/ST/OBC/PWD students can approach the Section Officer/Liaison Officer of the Cell for redressal of any grievance(s) regarding academic, administrative or social problems. The Section Officer/Liaison Officer will meet the concerned students, understand their problem and take necessary action and/or render them necessary advice/help to resolve the matter.

Health Facilities: The colleges provide health care facility to the students by providing First-Aid and other basic facilities and when required a separate room is earmarked. Doctors are available on call whenever the need arises. Medical facility is also extended to the physical education department of the college at the time of matches like volleyball, cricket, table tennis etc.

Furthermore at the time of college outings first-aid facility is made available to the students. College health-service programs provide low-cost, primary medical care for the students on college campuses. Just as modern medicine has changed, so too has the scope of services provided by college health centers. Medical developments are allowed for most injuries and illnesses to be treated by ambulatory clinics, and this same trend is seen in most college health centers. These centers often provide care for acute illnesses and injuries on an outpatient basis, while also meeting the needs of students with continued and chronic illnesses and providing wellness education to the campus community.

Staffing: College health-service staffs vary widely in the range and level of services they provide. Once directed mainly by part-time medical doctors, most college health centers.

Services: The most common, and a primary focus of college health-service programs, is that of intervention and health, or wellness, education. Although all student health centers concern themselves with the immediate healing of ill students, most will also work to educate students about approaches to healthier lifestyles in order to prevent future illness or injury. Wellness themes exhibited on many college campuses are health and nutrition, stress management, eating disorder awareness, smoking cessation and prevention, time management, alcohol abuse prevention, strategies to avoid depression, and issues around sexually transmitted diseases and their prevention. Some colleges maintain twenty-four-hour care for students; however, most colleges maintain regular weekly hours during the academic year with a system for emergency assistance when needed.

- The quality education is the top most priority for which.
- It is necessary to improve the infrastructure and teaching capabilities of the faculty under HRD.
- The teachers, scientist and subject matter specialist of the university are allowed to obtain trainings from national and international institutions to update their knowledge.
- Faculty also participate in national and international seminars, symposia, conferences, workshops, group meetings, travelling workshops etc. in order to get acquainted with new technologies, innovative approaches and strengthen the linkages and coordination
- The colleges have well equipped laboratories, libraries, instructional farms, ARIS cells linked with global information system, class-room facilities and qualified faculty.
- Inter campus movement is also allowed to the students to conduct their research for utilizing the expertise and infrastructure facilities.

6.6.1.6. Technology Support: The Colleges have been made well equipped with latest technological support systems like internet, e-dias, LCD projectors, multimedia projectors, interactive boards, Laptops, Desktops, CCTV Cameras, *etc*. which have been immensely advantageous in numerous ways including preparation of good quality teaching materials for students and better convincing way of presentation of course contents in the class rooms. The modernized learning atmosphere empowers the students to develop better understanding of the course content to prepare themselves for various interviews and competitive examinations. The installation of Biometric attendance machine has been worthwhile in several ways.

Smart classroom facility: In order to produce the world class highly skilled Graduates in the present globalized scenario, the Smart classrooms are the need of the hour. From the means of communication to the building of smart cities, from bullet trains to digitalization of almost everything, when everything is technology driven, the psyche of the learners are ready to grab the knowledge when presented through the involvement of state-of –the art gadgets. The smart class rooms may be one of such means that will duly facilitate the bent of mind of the technology driven modern young generation that well absorbs the concepts when presented with the help of power point projector as the class room manager takes the help of the selected and important topics from the ocean of knowledge. In a smart class room, the learners are facilitated with the controlled environment with the installation of air conditioners thereby furnishing noiseless surroundings for better meditative concentration. Both the manner and matter of learning in a smart class room make a student ready to meet the ensuing challenges head on in the tough world of competition.

6.6.1.7. Institutional Data Base and Website Update: The conventional definition of data would include factual information (as measurements or statistics) used as a basis for

recording, characterization, reasoning, discussion or calculation. The Data for the purpose of these guidelines would include all those education, research and extension products necessary to validate the integrity of published or reported work. It would, therefore, potentially consist of much more than just information and observations written in a lab notebook as part of scientific inquiry but also the materials, the means and the products of that inquiry.

All data collected/generated from research, educational or allied activities conducted at the Institute and using RVSKVV, Gwalior resources shall belong to ICAR, including data generated from student education and research work or by consultants hired by Institute/ICAR. This shall imply retaining the data after the project is completed and the right to transfer data to third parties. Exceptions may be subject to restrictions stipulated in Institute/ICAR-approved agreements for collaborative research, sponsored research, contract research or contractual services rendered to third parties.

The PME Cell of the institute shall be the nodal unit in the institute to manage data from education, research and extension activities under various projects. The Director of the institute shall be the Competent Authority to implement these guidelines and take appropriate decisions as per the guiding principles.

6.6.1.8. Interdepartmental Linkages:

The university is currently adopting decentralized, participatory, adaptive and multifarious demand-supply side extension-research-academic approach by involving faculty of all the sectors i.e. research, teaching and extension to fulfil all the three mandates by integrated approach.

Public, private and civil society are involved in research and extension programmes and strengthening capacity of farmers, researchers and extension workers. Many research projects extension activities are under operation successfully to fulfill the objectives.

For utilization of facilities in research and teaching linkage between university/college are strengthened. International linkage are developed to establish the enterprises and infuse efficiency. International linkage for dual degree programme and admission of foreign students. Student and faculty exchange programme at international level has been established.

RVSKVV has signed MoU with Dalhousie University, Canada, Research Institute of Organic Agriculture, Fibl, Switzerland, Crops Research Institute for the Semi-Arid Tropics (hereinafter referred to as “ICRISAT”, Hyderbad, Wageningen University , Netherland, Borlaug Institute for south Asia (BISA), Jabalpur, CGIAR System Management Office, France, ICARDA 1000, Avenue Agropolis F-34394, France, International maize and wheat improvement centre (CIMMYT), Mexico.

further , there is collaboration between Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Scindia Krishi Vishwa Vidyalaya, Gwalior and different Institutes like Entrepreneurship

Development Institute of India, Ahmedabad, National Bank for Agriculture and Rural Development (NABARD), Mumbai, Bhabha Atomic Research Center, (BARC) Mumbai, Confederation of All India Traders (CAIT), New Delhi, Amity University, Gwalior National Bureau of Soil Survey (NBSS & LUP), Indian Meteorological Department , New Delhi, Indian Institute of Soil Science (ICAR) Nabi Bagh Berasia Road, Bhopal (PG Research), Indian Grassland and Fodder Research Institute(IGFRI), Jhansi, Agriculture Skill Council of India (ASCI) Ministry of Skill Development & Entrepreneurship, Guru gram, Haryana, National Programme Assistant UN Environment GEF Project, Biodiversity International India NASC Complex, DSP Marg New Delhi, Directorate of Maize Research, New Delhi, Directorate of Wheat Research, Karnal, ICAR-IIPR, Kanpur, FCI Aravali Gypsum & Minerals India Ltd. , Jodhpur, ICARDA, New Delhi, ICAR- National Research Centre for Grapes, Pune, Dream Hatcher Smart City Incubation Center, Gwalior, ICAR- Indian Institute of Horticulture Research, Bengaluru, Indian Institute of Vegetable Research, Varanasi, ICAR- National Research on Seed Spices, Ajmer, ICAR- Indian Institute of Soyabean Research, Indore, Kamatan Farm Tech Pvt Ltd, New Delhi, Dr B R Ambedkar University Mhow, IGKV, Raipur, Dr. Hari Singh Gour University, Sagar, JNKVV, Jabalpur etc.

6.6.1.9. Monitoring Mechanism: For governance of the Colleges teaching, research and extension different councils have been constituted to regulate the teaching research and extension.

The University has well organized system of monitoring and evaluation through their Directors and Deans and finally by Vice-Chancellor. For this purpose, Deans and Directors meet every month for effective Monitoring and Evaluation of the system. Further, a separate Project Monitoring & Evaluation (PME) cell has been constituted to monitor and evaluate research project.

The monitoring of KVKs is a regular feature of the Directorate of Extension for which three Joint Director, three Associate Professors and one Scientists have been engaged. Beside this Hon'ble Vice-Chancellor, Director Research Services, Director Extension Services and Dean (s) of the Colleges also visit KVKs for monitoring of mandatory activities. The Directorate make all the communication through email with KVKs thereby promptness in communication and information exchange is ensured.

The dean of each constituent college arranges a meeting with students of Bachelor, Master and Doctorate degree programme separately. Feedback pro forma is circulated amongst the out-going students regarding teaching-learning process. The meeting covers views of the students on improvement of teaching and learning

How to improve class room teaching?

- Why students are not interested to participate in the class?
- How to improve course curriculum?
- Quality of teacher according to students
- How to improve practical classes?
- Provision of Semester break

- Improvement in time table
- How to make class viable
- System of examination
- Facilities of library
- Separate classes for poor and extraordinary students
- Classes to improve command on English
- Other please specify

Co-curricular activities

- NCC
- NSS
- Coaching for competitive examination
- Carrier guidance
- Personality development
- Educational tour
- Other please specify

Extras curricular activities

- Sports activities and facilities
- Cultural activities and facilities
- Other regular competition
- Other please specify

Infrastructure

- Classroom facilities
- Hostel facilities
- Sports facilities
- Internet
- Other specify

Specific views of students to improve teaching and learning at Master and Doctorate degree level on point other than mentioned above

- Seminar
- Examination
- Curricular research
- Thesis
- Other specify
- *Other points related to teaching and learning may be included.*

6.6.1.10. Institute Quality Assurance Cell /PME Cell:

Prioritization, Monitoring and Evaluation Cell:

The PME Cell of the institute shall be the nodal unit in the institute to manage data from education, research and extension activities under various projects. The Director of the institute shall be the Competent Authority to implement these guidelines and take appropriate decisions as per the guiding principles.

About PME

i) To coordinate and synthesize the recommendations of QRT, RAC, IRC, Vision Documents of University and to recommend research priorities of the university (priority setting)

ii) Annual updating and presenting the report to the Hon'ble V.C of the university for assigning research projects.

iii) To coordinate and arrange for annual monitoring of each on-going project and evaluation of completed projects through internal and external experts.

iv) To coordinate and arrange for technology validation and/or impact assessment of successful technology claimed by scientist(s) through internal and external experts.

v) Regularly sensitizing and capacity building of research managers and scientists through training programmes.

vi) Maintaining information on publications, technologies developed, IPRs, consultancies, projects undertaken in the past 10 years and on-going projects.

Project Monitoring and Evaluation Committee (PMC)

Director	**Chairman**
All Heads of Divisions	**Members**
I/c PME Cell	**Member Secretary**

VISION AND MISSION OF THE ONGOING IDP-NAHEP

Vision:

Create a dynamic first stop agricultural education learner centre through RVSKVV IDP to strengthen the undergraduate system for addressing the skill needs of agri-entrepreneurship by designing successful entrepreneurship oriented professionals with an international outlook that are scholarly acclaimed, life enhancing, socially sensitive and environmentally responsible.

Mission:

To develop globally competent quality human resources with national and international outlook to lead the educational institutions, developmental organizations and agri - based industries through a network of all stakeholders for knowledge sharing and value addition for achieving acclaimed output.

Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishwa Vidyalaya (RVSKVV), Gwalior has been contributing immensely in the field of education while revolutionizing agriculture in Madhya Pradesh since its inception in the year 2008 and has made an indelible mark within a short spell of time. However, to develop globally competent quality human resources with national and international outlook RVSKVV IDP is planned to be implemented to face the ever changing agricultural scenario by strengthening the undergraduate education system for addressing the skill needs of entrepreneurships in agriculture relevant to the agro-eco region. The proposal focuses on improving the quality education in RVSKVV with emphasis on providing a conducive learning environment, developing relevant curriculum, modernization of classrooms, state of the art library, reforms in governance and capacity building of students and faculties. Development of a strong alumni network to work with mentor mentee system will be a priority. Project also aimsto lay emphasis on infusion of soft skills in students with an objective to train them as job providers by enabling them to opt for self-employment rather than to place their preferences toserve various agri-based industries, educational institutions andother development organizations. The project also envisages developing forward and backward linkages with the industries for mutual benefits. Such linkage shall provide internship opportunities for the students to gain vital hands-on experience in agribusiness and a platform to transform themselves into a successful new generation of agri-business leaders. The project has been designed with objective wise activity plan, quantifiable deliverables, and measurable indicators that can be monitored. The total outlay of the IDP project is Rs 2441.04 Lakhs.

6.6.1.11. Collaboration with Academic Institutions and Industry: Research and Extension type collaboration are currently in place with academic institutions and industry are given below:

INTER INSTITUTIONAL COLLABORATION:

The University has established close linkages with national and international research institutes/organizations for conducting collaborative research programmes at Post Graduate and Ph.D. levels. In these programmes, students complete their course work at the university and carry out their research at other institutions.

MOU Of UNIVERSITY (RVSKVV) WITH DIFFERENT INSTITUTIONS /UNIVERSITIES

S.No.	MOU	Effective Date
1.	Indian Institute of Soil Science (ICAR) Nabi Bagh Berasia Road, Bhopal (PG Research)	2015
2.	CPRI, Shimla (PG and Ph.D. Research)	13.05.2015
3.	Jiwaji University Gwalior (5 Years)	03.08.2015
4.	Directorate of Maize Research, New Delhi (PG Research)	26.07.2016
5.	Centre for Research & Industrial staff performance (CRISP), Bhopal.	10.10.2017
6.	Agriculture Skill Council of India (ASCI) Ministry of Skill Development & Entrepreneurship, Guru gram, Haryana	2017
7.	National Medicinal Plant Board (NMPB) Ministry of Ayush Govt. India, New Delhi	17.10.2017
8.	National Programme Assistant UN Environment GEF Project, Biodiversity International India NASC Complex, DSP Marg New Delhi	08.12.2017
9.	ICAR-IIPR, Kanpur	10.07.2019
10.	Bundelkhand University, Jhansi, UP	16.10.2017
11.	Dr B R Ambedkar University, Mhow	2017
12.	Dr. Hari Singh Gour University, Sagar	22.05.2018

13.	JNKVV, Jabalpur	23.05.2018
14.	IGKV, Raipur.	18.01.2018
15.	Amity University, Gwalior	17.09.2018
16.	Bhabha Atomic Research Center, (BARC) Mumbai	05.07.2019
17.	Kamatan Farm Tech Pvt Ltd, New Delhi	05.07.2019
18.	ICAR- National Research Centre for Grapes, Pune	10.09.2020
19.	Entrepreneurship Development Institute of India, Ahmedabad	09.01.2020
20.	Confederation of All India Traders (CAIT), New Delhi	09.01.2020
21.	National Bank for Agriculture and Rural Development (NABARD), Mumbai	09.01.2020
22.	Dream Hatcher Smart City Incubation Center, Gwalior	09.01.2020

University have some more proposals for the future collaboration details with road map are given below:

List of MOU Proposed (National)

S.No.	MOU	Correspondence Date
1	ICAR-CRIDA, Hyderabad	27.09.2019
2	ICAR- Indian Institute of Soyabean Research, Indore	28.02.2020
3	ICAR- Indian Institute of Horticulture Research, Bengaluru	04.02.2020
4	Indian Institute of Vegetable Research, Varanasi	04.02.2020
5	Central Arid Zone Research Institute (CAZRI), Jodhpur	04.02.2020
6	Indian Agriculture Research Institute Pusa, New Delhi	04.02.2020
7	ICAR- National Research on Seed Spices, Ajmer	13.03.2020

List of MOU Proposed (International)

S.No.	MOU	Correspondence Date
1	International maize and wheat improvement centre (CIMMYT), Mexico	27.09.2019
2	CGIAR System Management Office, France	06.09.2019
3	ICARDA 1000, Avenue Agropolis F-34394, France	27.09.2019
4	J.Wery (DDG) ICARDA1000, Avenue Agropolis F-34394, France	01.11.2019
5	Dr. Martin Kropff DG International maize and wheat improvement centre(CIMMYT), Mexico	01.11.2019

6.6.2. ACADEMIC SUPPORT

6.6.2.1. Academic Council: The Academic Council is vested with the responsibility of implementing and monitoring all the academic programmes. The council is headed by the Vice-Chancellor, as Chairperson and consists of Dean Faculty, Director Instructions, Director Research and Director Extension, University Head of Departments and Professors as members. The composition details are given below:

S. No.	NAME AND ADDRESS OF MEMBERS	OFFICIALS
1	Dr. S.K. Rao, Vice-Chancellor RVSKVV, Gwalior	**Chairman**
2	Dr. D.H. Ranade, Dean, Faculty of Agriculture RVSKVV, Gwalior	Member
3	Dr. M.P. Jain, Director, Research Services RVSKVV, Gwalior	Member
4	Dr. S.N. Upadhyay , Director, Extension Services RVSKVV, Gwalior	Member
5	Dr. A.K. Singh Director, Instructions and Dean, Student Welfare RVSKVV, Gwalior	Member
6	Dr. Rajpal Singh Former Professor and Head 278-A, Durgesh Vihar, J.K. Road, Bhopal-462041 (M.P.)	Member
7	Dr. C.V. Ratnam	Member
8	Dr. Reeti Singh HoD (Plant Pathology) College of Agriculture, Gwalior (M.P.)	Member
9	Shri D.L. Kori Registrar, RVSKVV, Gwalior	**Member Secretary**

The list of Academic Council Meeting held in last five years:

28	28th Acadmic council meeting	07.06.2016
29	29th Acadmic council meeting	13.09.2016
30	30th Acadmic council meeting	26.12.2016
31	31st Acadmic council meeting	09.03.2017
32	32nd Acadmic council meeting	17.05.2017
33	33rd Acadmic council meeting	19.06.2017
34	34th Acadmic council meeting	16.08.2017
35	35th Acadmic council meeting	24.08.2017
36	36th Acadmic council meeting	24.09.2017
37	37th Acadmic council meeting	19.12.2017
38	38th Acadmic council meeting	04.04.2018
39	39th Acadmic council meeting	21.06.2018
40	40th Acadmic council meeting	27.08.2018
41	41st Acadmic council meeting	28.09.2018
42	42nd Acadmic council meeting	28.12.2018
43	43rd Acadmic council meeting	12.02.2019
44	44th Acadmic council meeting	07.06.2019
45	45th Acadmic council meeting	21.10.2019
46	46th Acadmic council meeting	13.10.2020
47	47th Acadmic council meeting	31.10.2020
48	48th Acadmic council meeting	08.09.2020
49	49th Acadmic council meeting	12.10.2020
50	50th Acadmic council meeting	11.10.2020
51	51st Acadmic council meeting	10.12.2020

The Action Taken Report of Academic Council Meeting held in last five years are given below :

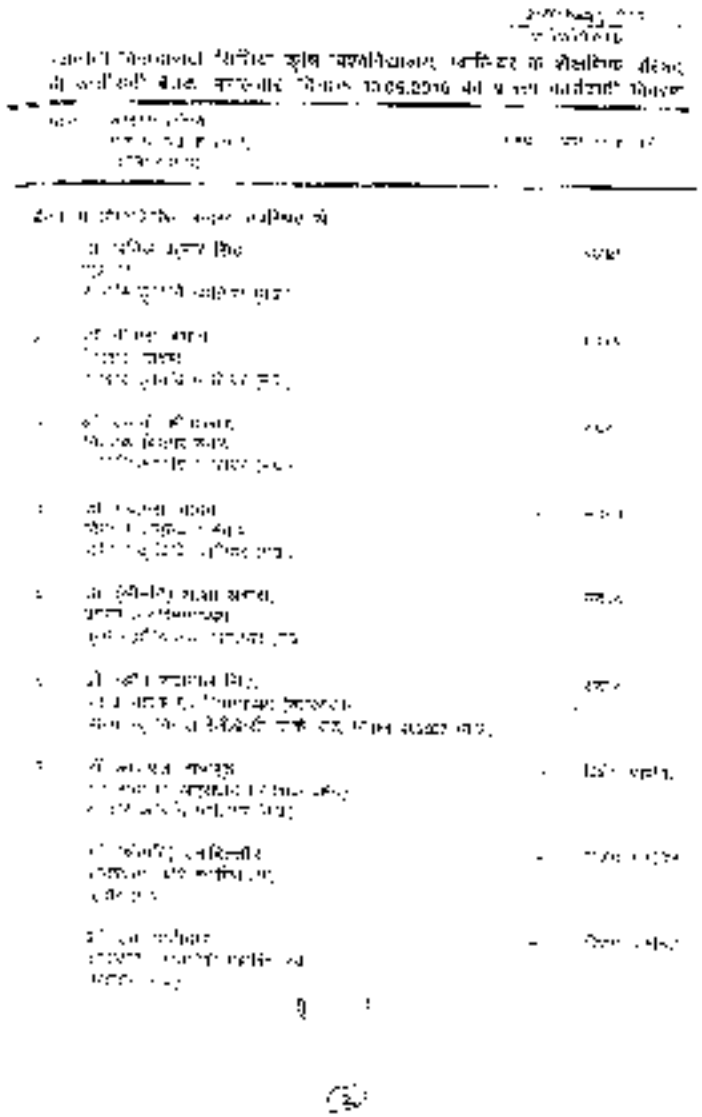

[illegible] महाविद्यालय ग्वालियर के चौथे सेमेस्टर में [illegible] एवं [illegible] सेमेस्टर की परीक्षा कराने की अनुमति बाबत्

श्री [illegible] तिवारी एवं [illegible] उपाध्याय (कृषि) [illegible]

[illegible]

यह उल्लेखनीय है कि [illegible]

[illegible]

(कार्यवाही कुलसचिव)

प्र.क्र. 9 [illegible] कुमार [illegible], बी.एससी. (कृषि), कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर को चतुर्थ वर्ष RAWE कार्यक्रम का [illegible] शैक्षणिक सत्र 2016–17 में कराने की अनुमति बाबत्।

श्री [illegible] कुमार [illegible] (कृषि) [illegible] कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर [illegible]

(5)

[illegible] RAWE [illegible]

[illegible]

(कार्यवाही अधिष्ठाता कृषि संकाय/कुलसचिव)

प्र.क्र. 10 भा.कृ.अ.प. पाँचवी अधिष्ठाता कमेटी की अनुशंसाओं अनुसार स्नातक उपाधि में READY कार्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2016–17 से प्रारंभ किये जाने एवं इस कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों की छात्रवृत्ति (Stipend) में वृद्धि बाबत्।

[illegible] 26.08.2016 द्वारा भा.कृ.अ.प. पाँचवी अधिष्ठाता कमेटी की अनुशंसाओं के अनुसार [illegible] READY [illegible] शैक्षणिक सत्र 2016–17 [illegible] छात्रवृत्ति (Stipend) [illegible] Rs 3000 [illegible] ICAR share & Rs 500 as state share per student per month and Rs [illegible] per student per month for the period of maximum six months will be paid by ICAR as [illegible] charges) [illegible]

[illegible]

(कार्यवाही कुलसचिव)

(6)

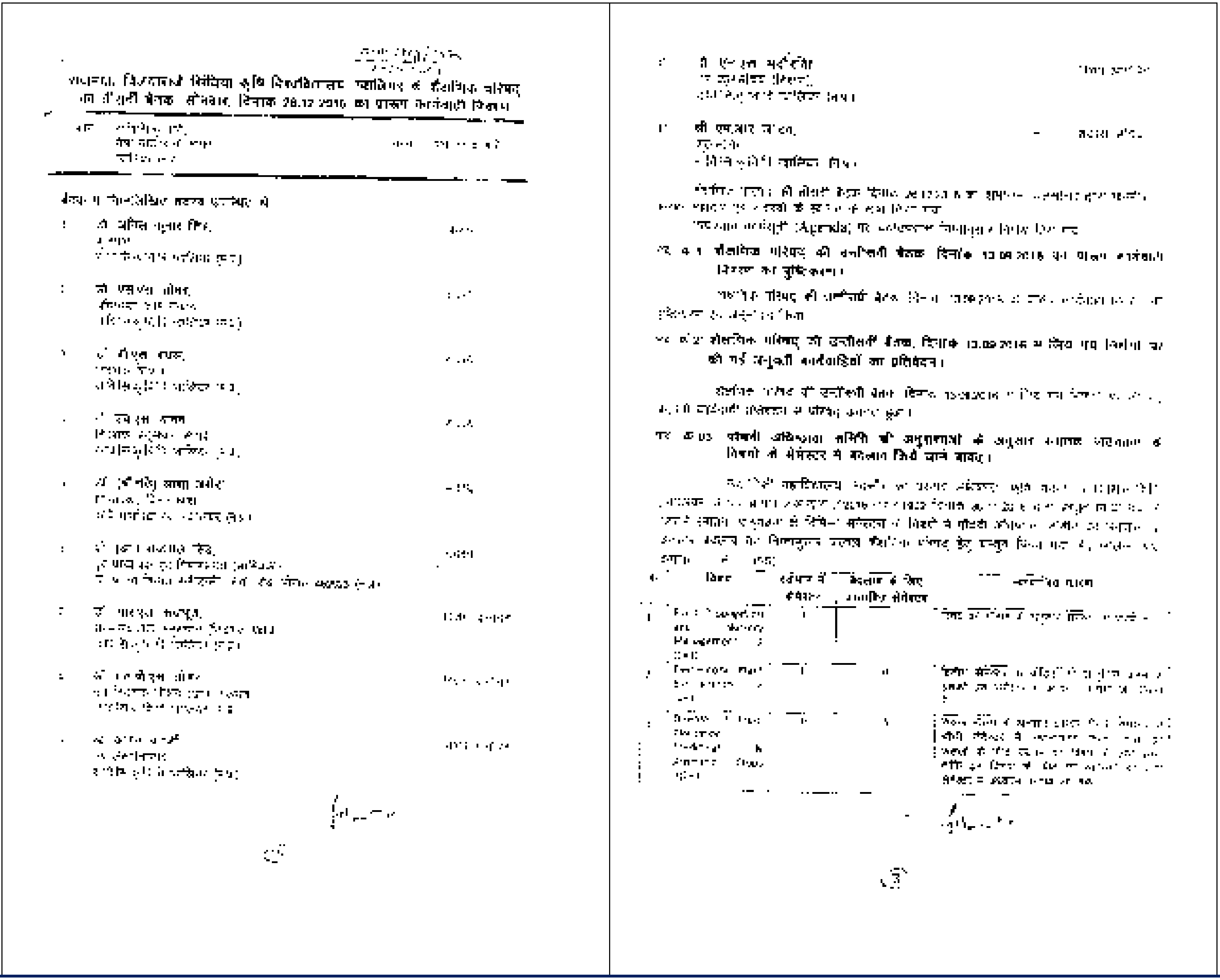

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर के शैक्षणिक परिषद की [illegible] बैठक सोमवार, दिनांक 26.12.2016 का कार्यवाही विवरण।

बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे

1. श्री अनिल कुमार सिंह, [illegible]
2. डॉ. [illegible]
3. डॉ. [illegible]
4. डॉ. [illegible]
5. डॉ. [illegible]
6. डॉ. [illegible]
7. डॉ. [illegible]
8. डॉ. [illegible]
9. डॉ. [illegible]

श्री एस.आर. [illegible] कुलसचिव

क्र. 4.1 शैक्षणिक परिषद की [illegible] बैठक दिनांक 13.09.2016 का कार्यवाही विवरण का पुष्टिकरण।

क्र. 4.2 शैक्षणिक परिषद की उन्तीसवीं बैठक, दिनांक 13.09.2016 में लिये गए निर्णयों पर की गई अनुवर्ती कार्यवाहियों का प्रतिवेदन।

क्र. 4.03 पांचवी अधिष्ठाता समिति की अनुशंसाओं के अनुसार [illegible] पाठ्यक्रम के विषयों को सेमेस्टर में बदलाव किये जाने बाबत्।

क्र.	विषय	सेमेस्टर में	बदलाव के लिए प्रस्तावित सेमेस्टर	अनुशंसित कारण
1	Farm [illegible] Management	[illegible]	[illegible]	[illegible]
2	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
3	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

[illegible] विश्वविद्यालय अन्तर्गत महाविद्यालयों में पर्यवेक्षक के नियमन की सीमा के साथ में परिवर्तन किया जाने बाबत।

[illegible] महाविद्यालय, ग्वालियर का प्रस्ताव [illegible] अधिनियम [illegible] क्रमांक/[illegible]/1902 दिनांक [illegible] 2006 [illegible] प्रस्तुत किया गया है। जिसमें विश्वविद्यालय अन्तर्गत महाविद्यालय में प्राचार्य के अलावा [illegible] किया जाना है जिनमें रिक्त पदों [illegible] है कि [illegible] की सीमा के हुई [illegible] की सीमा के आधार पर [illegible] प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्रस्ताव पर परिषद द्वारा विचार पूर्वक [illegible] में [illegible] प्रस्तुत किया जाए।

(कार्यवाही अधिकारी कृषि संकाय/विश्वविद्यालय)

पद क्र. 6 विश्वविद्यालय के उद्यानिकी विभाग, वानिकी विज्ञान एवं फल विज्ञान के Head of the Department बदला जाकर बनाये जाने बाबत।

[illegible] (उद्यान) कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर के [illegible] विभाग में एवं [illegible] वानिकी विज्ञान, फल विज्ञान [illegible] Head of the Department की [illegible] कृषि विश्वविद्यालय के पत्र क्रमांक/[illegible]/2016 [illegible] प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्रस्ताव पर परिषद द्वारा विचार किया गया कि इस [illegible] परिषद की अनुमति [illegible] है इसे अस्वीकार किया जाए।

(कार्यवाही अधिकारी कृषि संकाय)

पद क्र. 7 पी.एच.डी. कोर्स का शोध कार्य कृषि महाविद्यालय ग्वालियर के अतिरिक्त विश्वविद्यालय अन्तर्गत अन्य इकाईयों में किये जाने बाबत।

विश्वविद्यालय की [illegible] परिषद की [illegible] द्वारा पेश [illegible] कृषि महाविद्यालय [illegible] - [illegible] प्रस्तुत किया गया है। [illegible] विश्वविद्यालय की [illegible] प्रस्ताव पर [illegible] अधिनियम, [illegible] कृषि [illegible] अधिनियम के [illegible] विचार [illegible] कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर के [illegible] विचार किया जाए से [illegible] की आवश्यकता नहीं है। [illegible] प्रस्ताव पर [illegible] किया गया है [illegible]

(कार्यवाही अधिकारी कृषि संकाय)

[illegible]

[illegible] प्रस्तुत किया गया।

[illegible] Fundamentals of Power Electronics [illegible] प्रस्तुत किया गया।

[illegible] Electronics [illegible] प्रस्तुत किया गया।

[illegible] Communication Skills and Personality Development [illegible] प्रस्तुत किया गया।

उक्त प्रस्ताव पर परिषद सदस्यों ने चर्चा की एवं निर्णय लिया गया कि अधिनियम कृषि [illegible] की अध्यक्षता में एक भर्ती समिति का गठन की जाए जो नियमों अधिनियम [illegible] के अनुसार अनुभव [illegible] प्रस्तुत करेगी। इस अनुशंसा का परिषद [illegible] प्रस्तुत किया जाए।

(कार्यवाही अधिकारी)

पद क्र. 04. उद्यानिकी महाविद्यालय के Communication Skill and Personality Development विषय की विषयवस्तु को कृषि पाठ्यक्रम के समान किये जाने बाबत।

[illegible] महाविद्यालय, ग्वालियर का प्रस्ताव अधिनियम कृषि [illegible] क्रमांक/[illegible]/1902 दिनांक [illegible] 2016 द्वारा [illegible] प्रस्तुत किया गया है। अधिनियम उद्यानिकी महाविद्यालय [illegible] Communication Skill and Personality Development [illegible] इसे परिषद अनुमोदन [illegible] प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। [illegible] प्रस्ताव पर परिषद सदस्यों ने चर्चा की एवं निर्णय लिया गया कि अधिनियम कृषि [illegible] की अध्यक्षता में एक [illegible] समिति के अनुसार अनुभव [illegible] प्रस्तुत करेगी एवं इस अनुशंसा के परिषद [illegible] प्रस्तुत किया जाए।

(कार्यवाही अधिकारी)

(कार्यवाही कृ.अ.वि.)

वीडियोकॉन परिषद् में चर्चा के अन्य बिन्दु :-

- PG-Course (Intellectual Property and its Management in Agriculture) [illegible] 2016 [illegible] प्रारंभिक [illegible] पूर्व [illegible] I.P.R. [illegible] प्रस्तुत किया गया। [illegible] I.P.R. [illegible] विषय [illegible] इस पाठ्यक्रम को विस्तृत [illegible] I.P.R. [illegible]

(कार्यवाही कृ.अ.वि.)

कार्यवाही विवरण अनुमोदित

(डॉ. [illegible])
कार्यवाहक कुलसचिव

(डॉ. [illegible])
महाराजा विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय
ग्वालियर (म.प्र.)

(डॉ. [illegible])

[illegible] कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर से अवकाशप्राप्त विभाग के एम.एस.सी. एवं पी.एच.डी. विद्यार्थियों को अपने प्रयोग विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों, एवं अनुसंधान केन्द्रों पर कार्य करने की अनुमति बाबत।

[illegible] कृषि महाविद्यालय [illegible] के एम.एस.सी. एवं पी.एच.डी. [illegible] विज्ञान केन्द्र एवं अनुसंधान केन्द्र [illegible] दिया है। जिस अधिकांश कृषि महाविद्यालय [illegible] दिनांक [illegible] 2014 [illegible] के सदस्यों द्वारा [illegible] की गई है। जिसे [illegible] की अनुमति [illegible] के कारण कृषि महाविद्यालय [illegible] अनुमति [illegible] अनुमति होगी।

(कार्यवाही निदेशक विस्तार)

[illegible] विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में दिनांक [illegible] 2014 से [illegible] की अवधि में उत्तीर्ण पात्रित छात्रों को उपाधियाँ प्रदान करने हेतु अनुमोदन बाबत।

[illegible] से [illegible] की अवधि में [illegible] उत्तीर्ण छात्रों की उपाधियाँ प्रदान करने [illegible]

[illegible] (कृषि)	[illegible]
[illegible] (हार्टीकल्चर)	[illegible]
[illegible] (कृषि)	[illegible]
[illegible] (फिशरीज)	[illegible]
[illegible] (कुल)	[illegible]
[illegible] (हार्टीकल्चर)	[illegible]
योग	[illegible]

[illegible] अधिनियम 2005 की धारा [illegible] की उपधारा [illegible] के अनुसार [illegible] की अवधि [illegible]

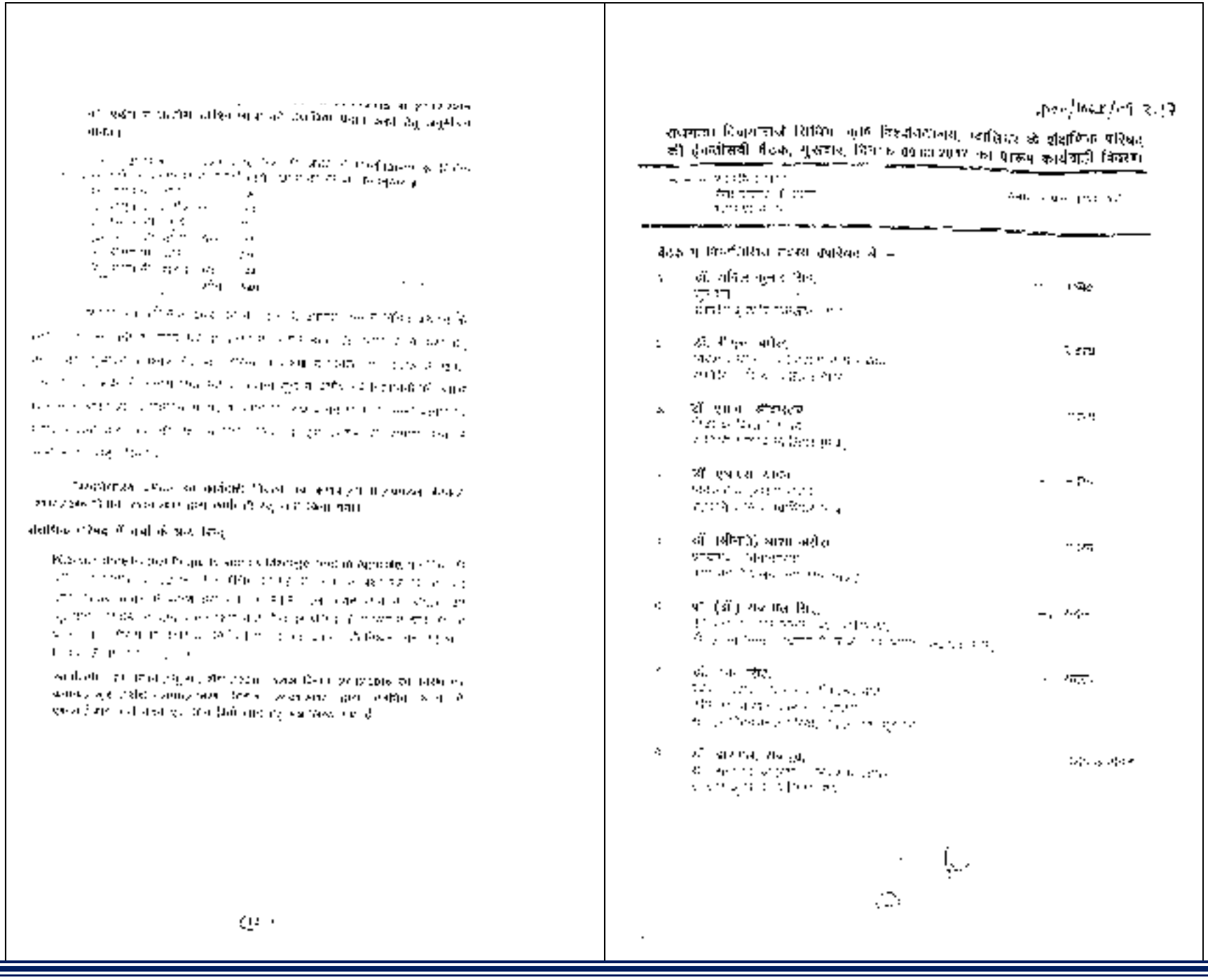

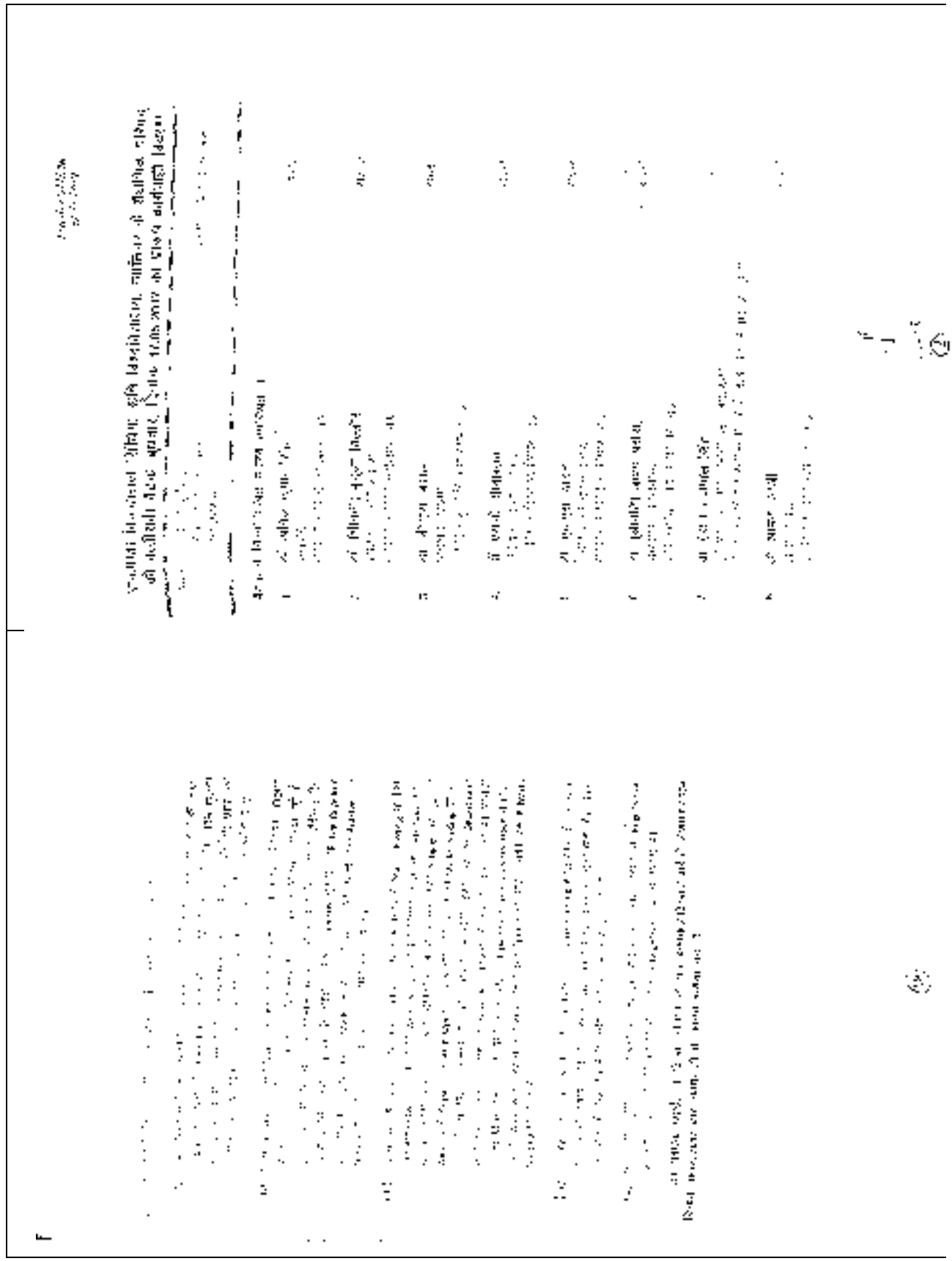

Item No. 7

ACADEMIC COUNCIL MEETING DATED 19.08.2017

[illegible]

[illegible]

[illegible]

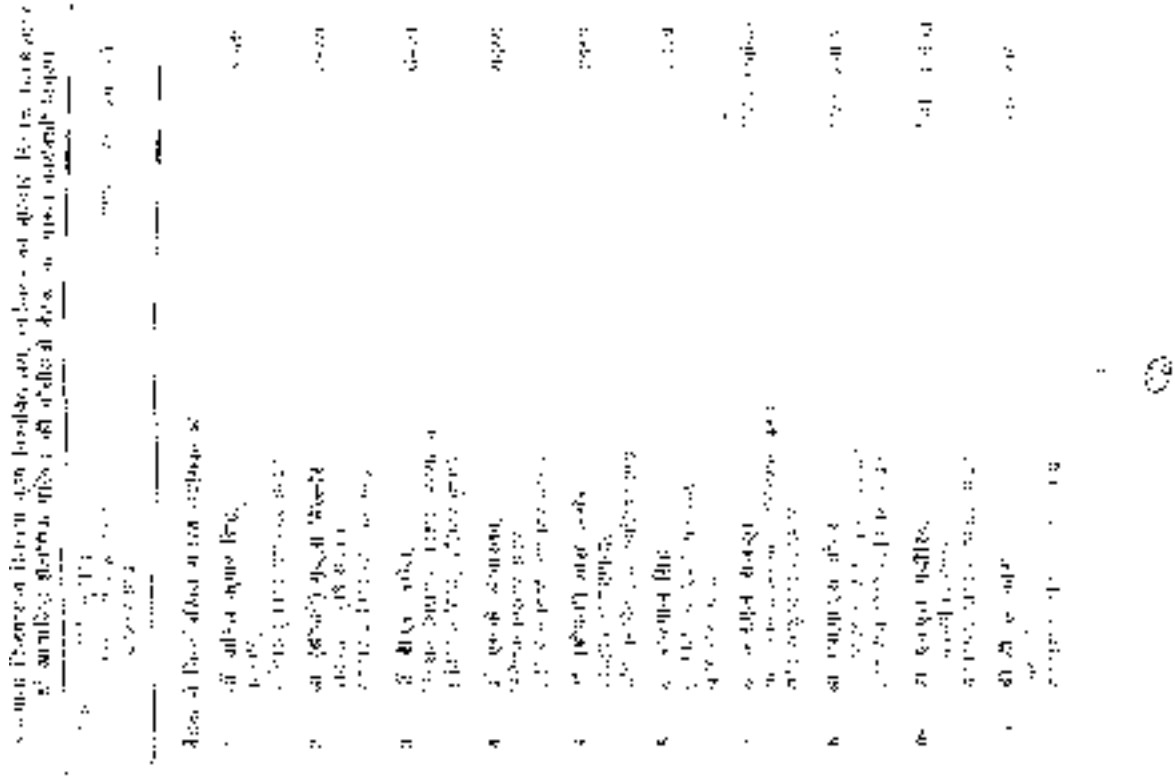

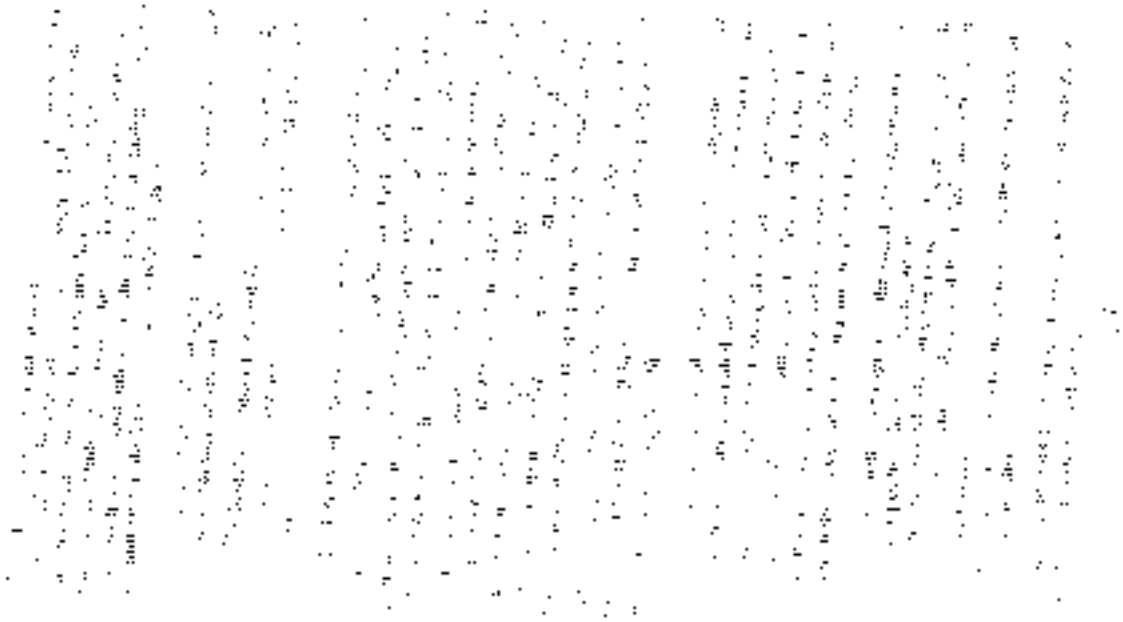

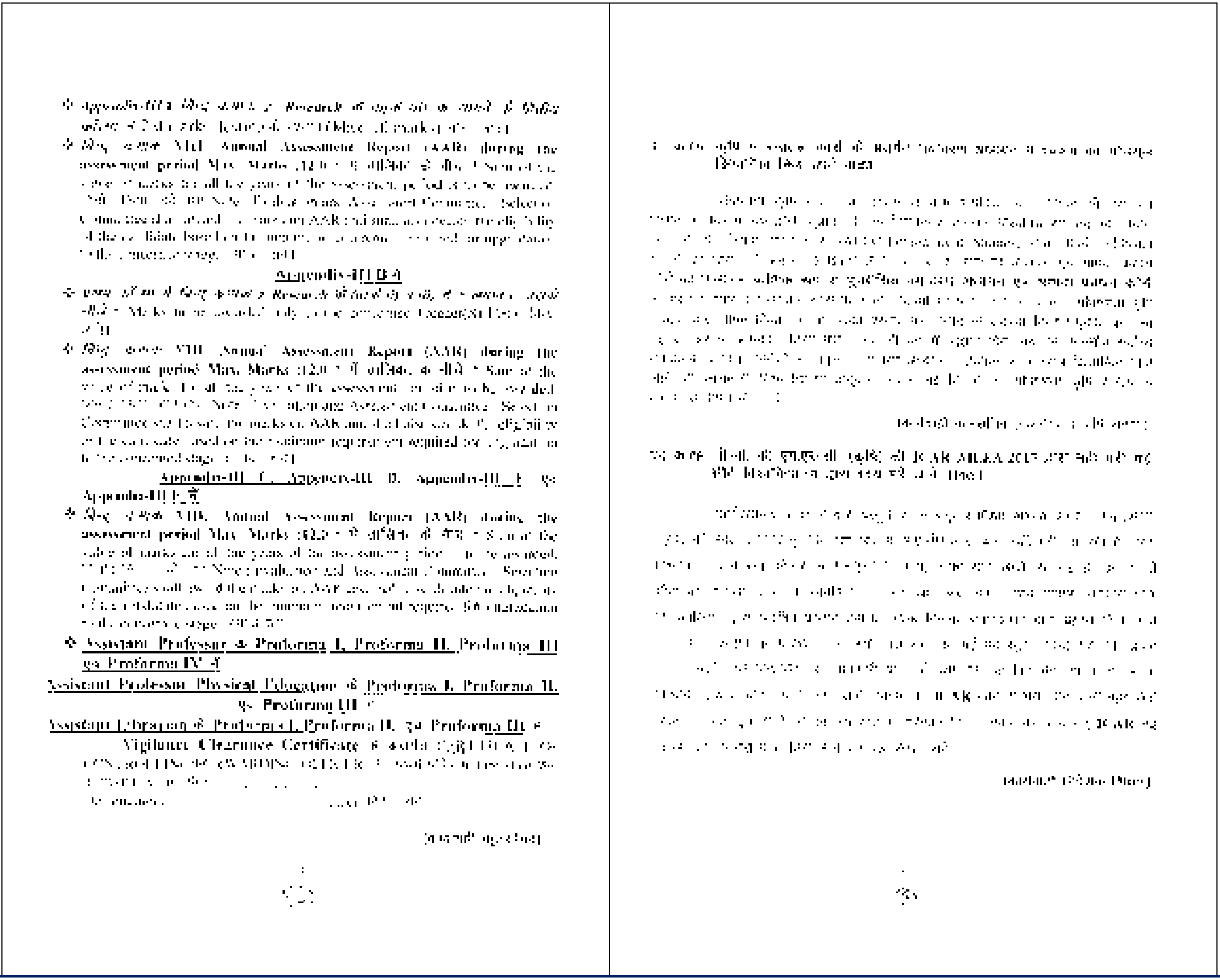

Annual Assessment Report (AAR) during the assessment period Max. Marks

Annual Assessment Report (AAR) during the assessment period Max. Marks

Appendix-III C, Appendix-III D, Appendix-III E

Annual Assessment Report (AAR) during the assessment period Max. Marks

Assistant Professor Proforma I, Proforma II, Proforma III Proforma IV

Assistant Professor Physical Education Proforma I, Proforma II, Proforma III

Assistant Librarian Proforma I, Proforma II, Proforma III

Vigilance Clearance Certificate

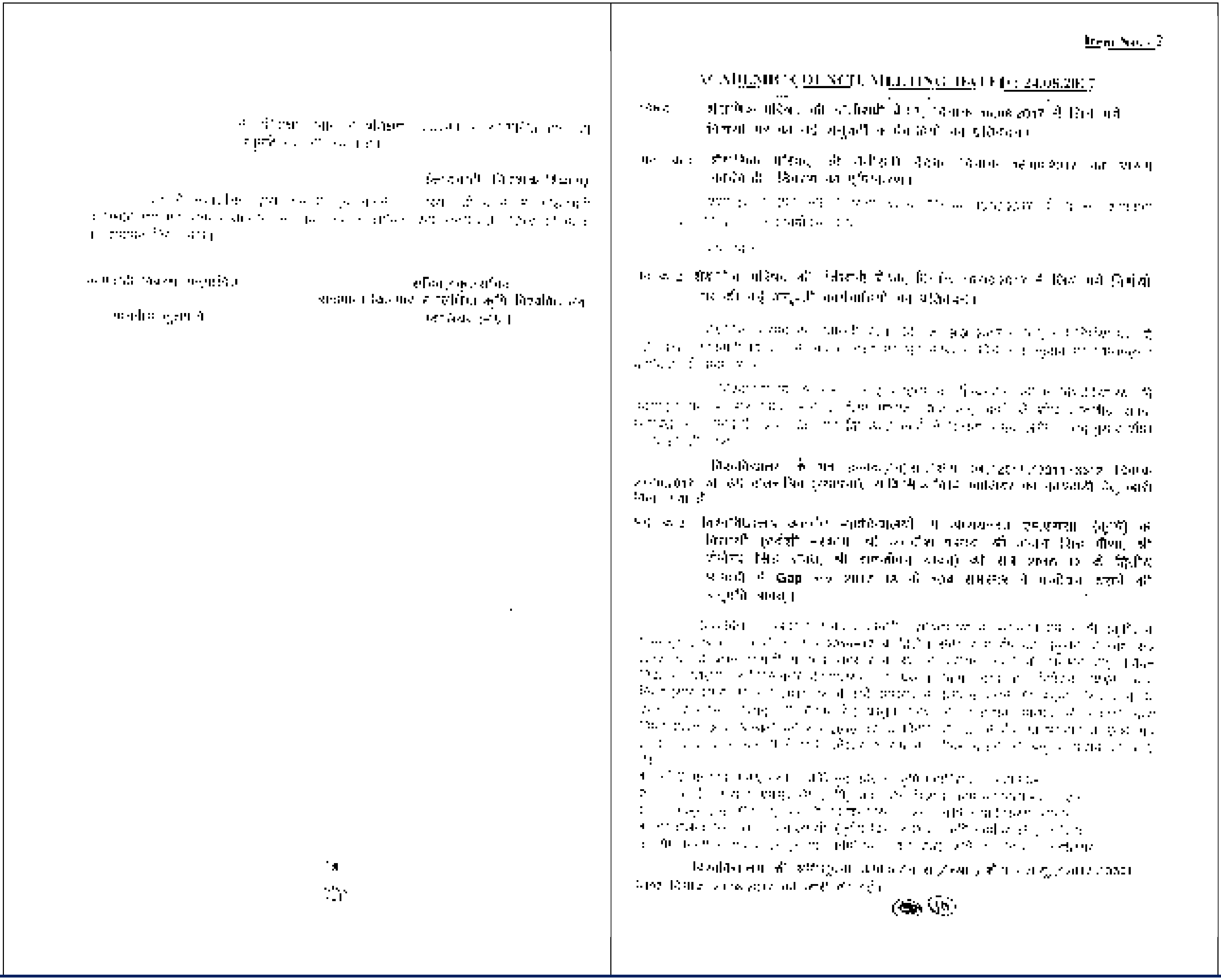

Item No. 2

[illegible]

[illegible] KAR AIEEA 2017 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Appendix-III [illegible]

[illegible] Research [illegible]

Appendix-IV [illegible] Research [illegible]

[illegible] VII Annual Assessment Report (AAR) during the assessment period Max. Marks [illegible]

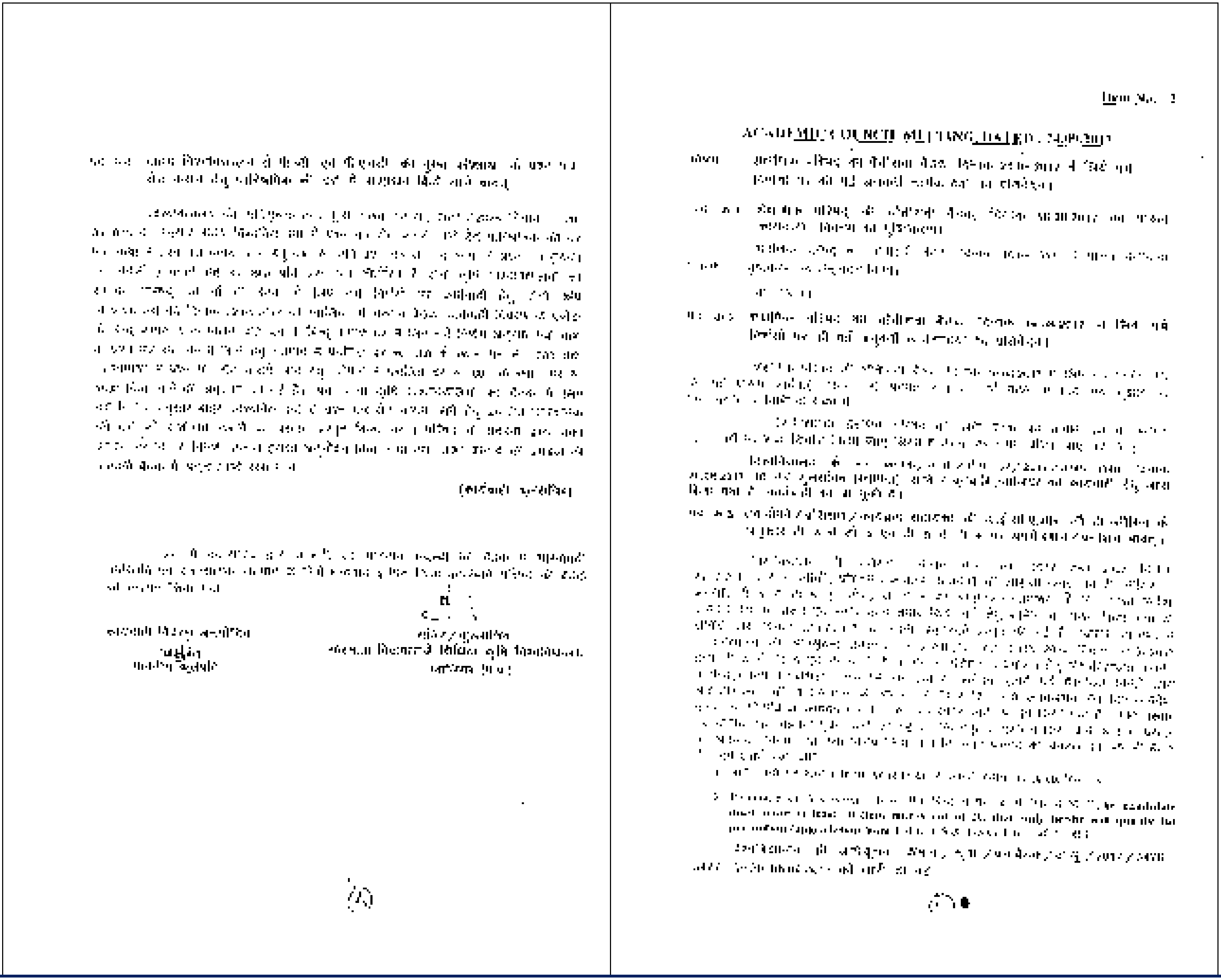

Item No. 2

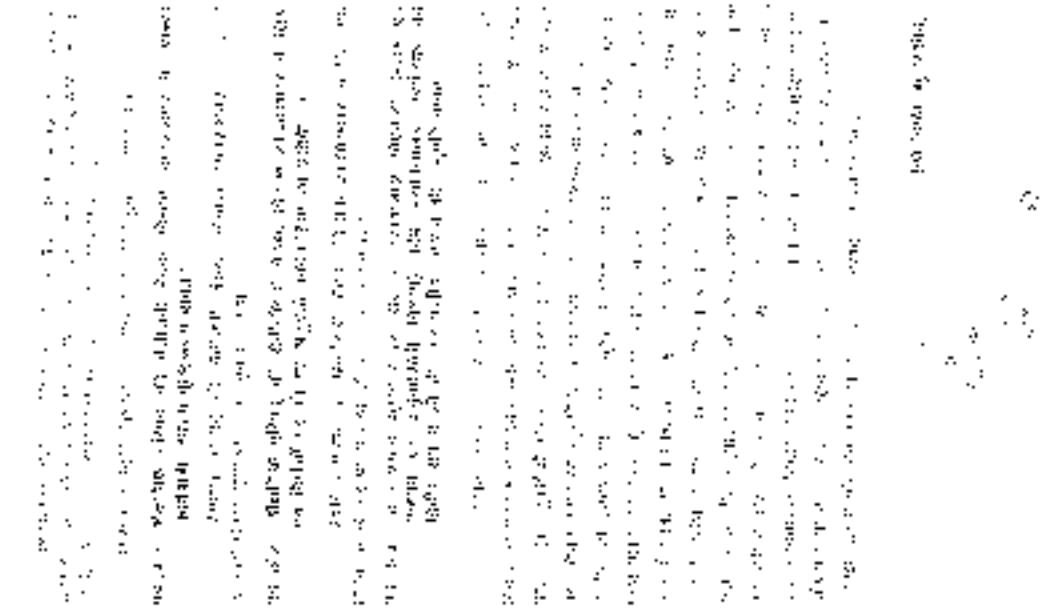

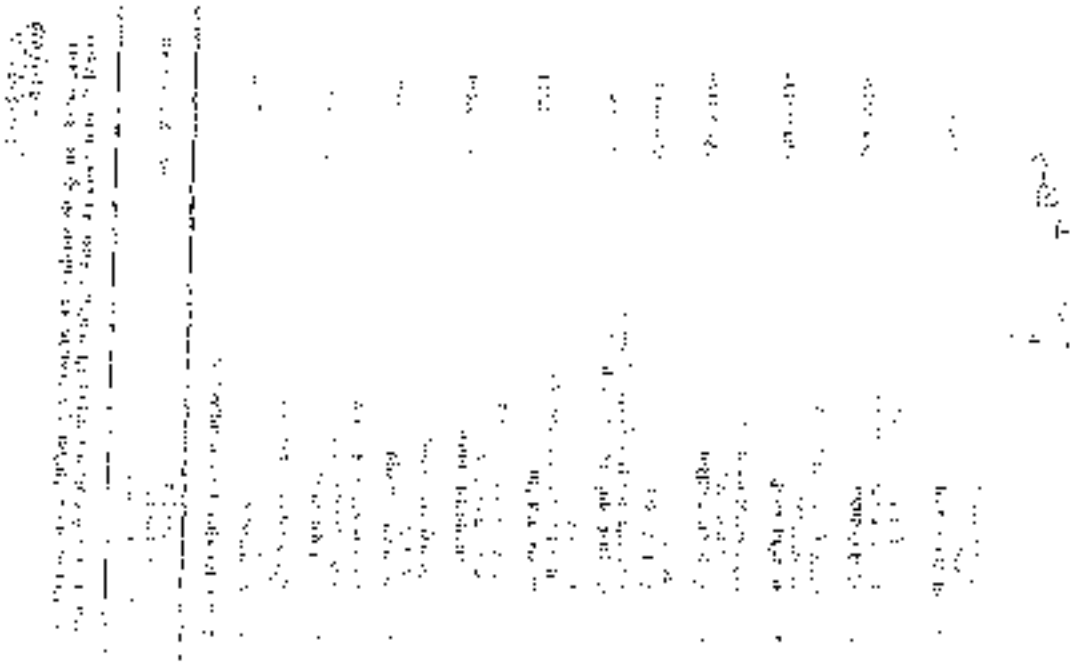

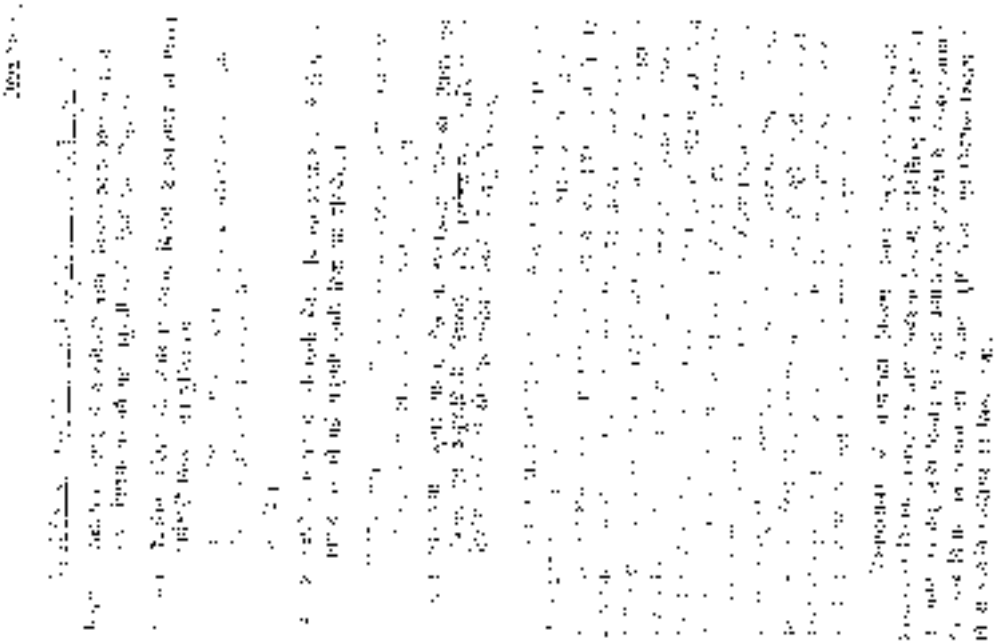

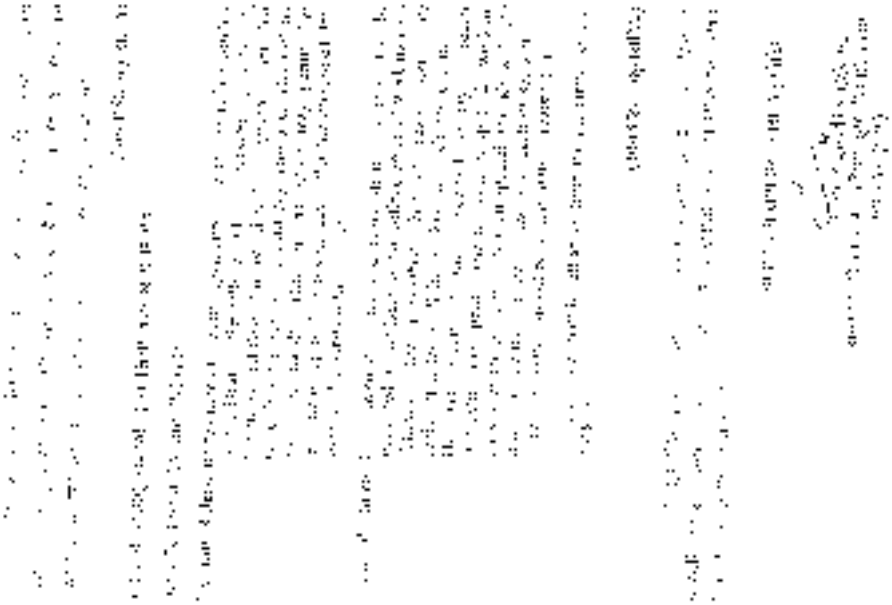

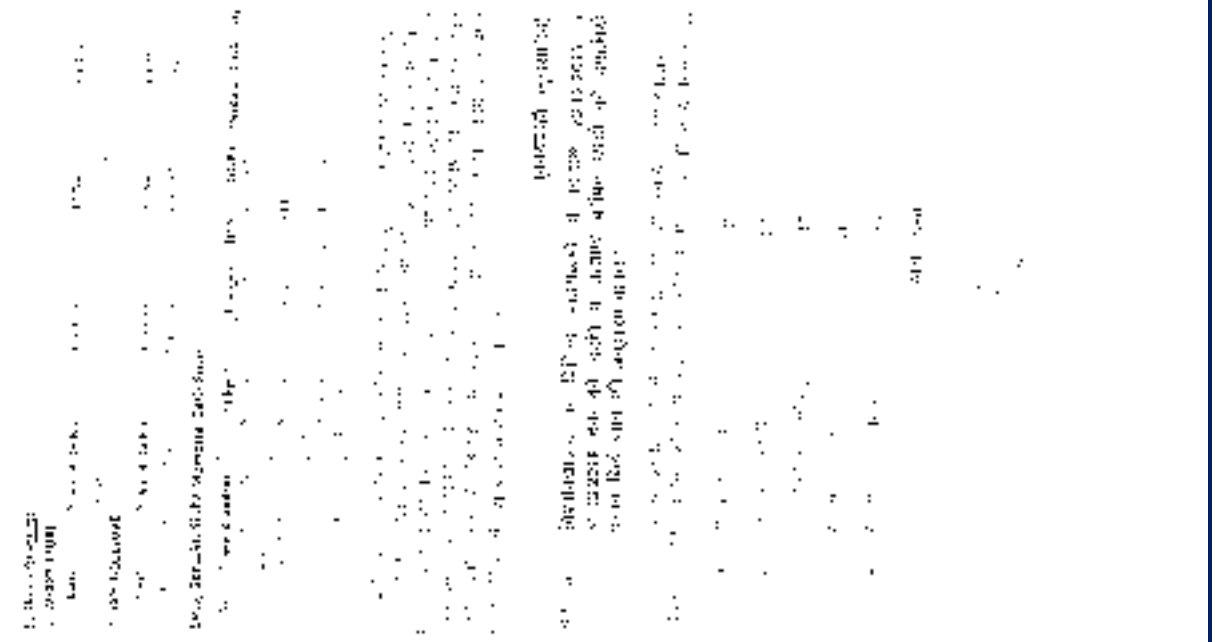

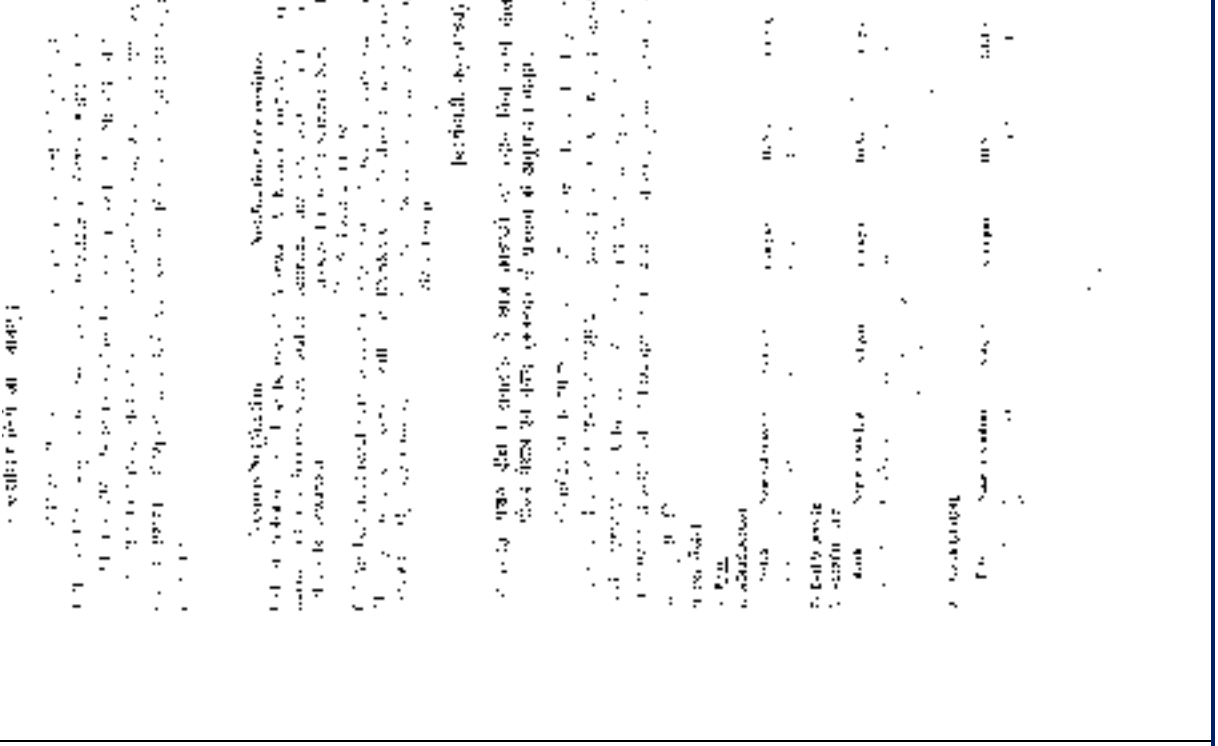

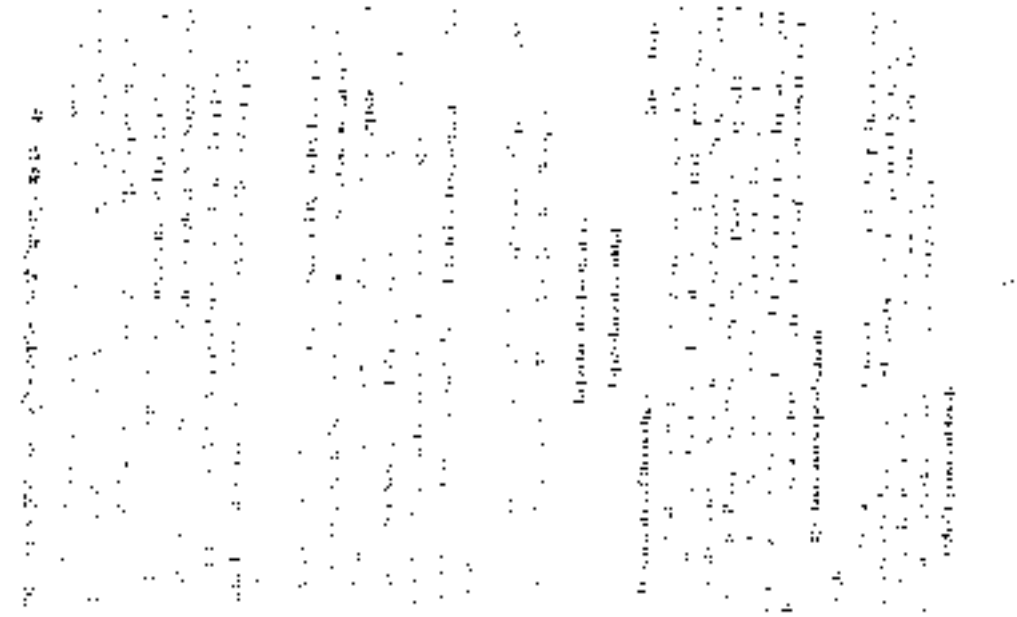

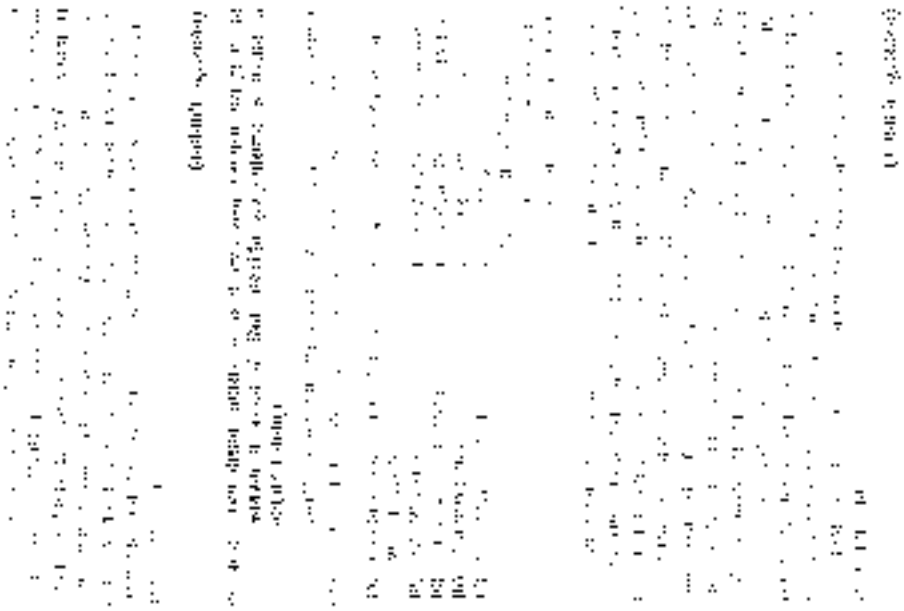

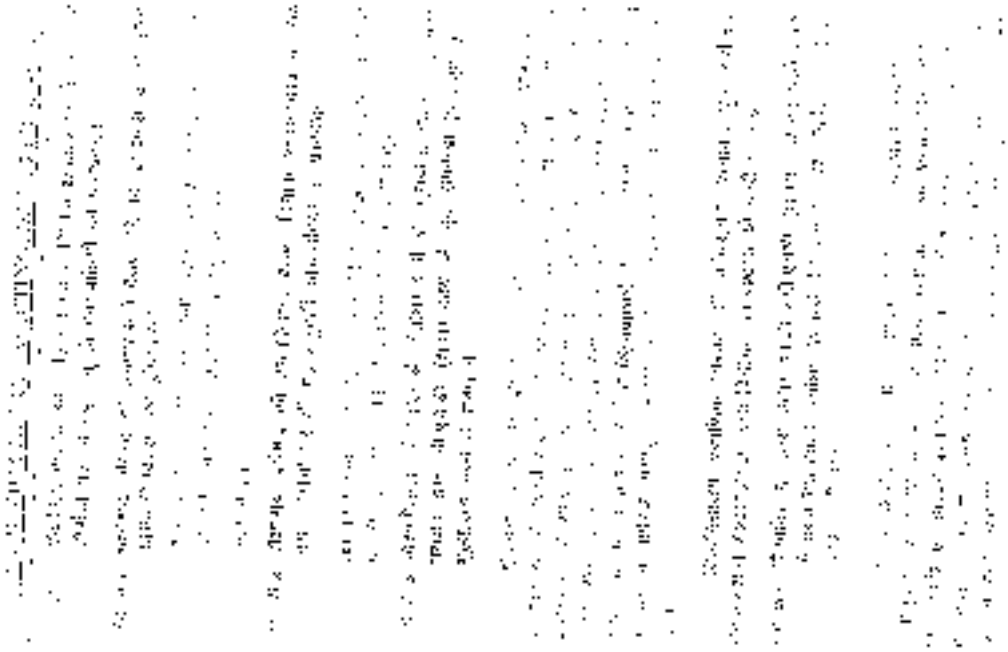

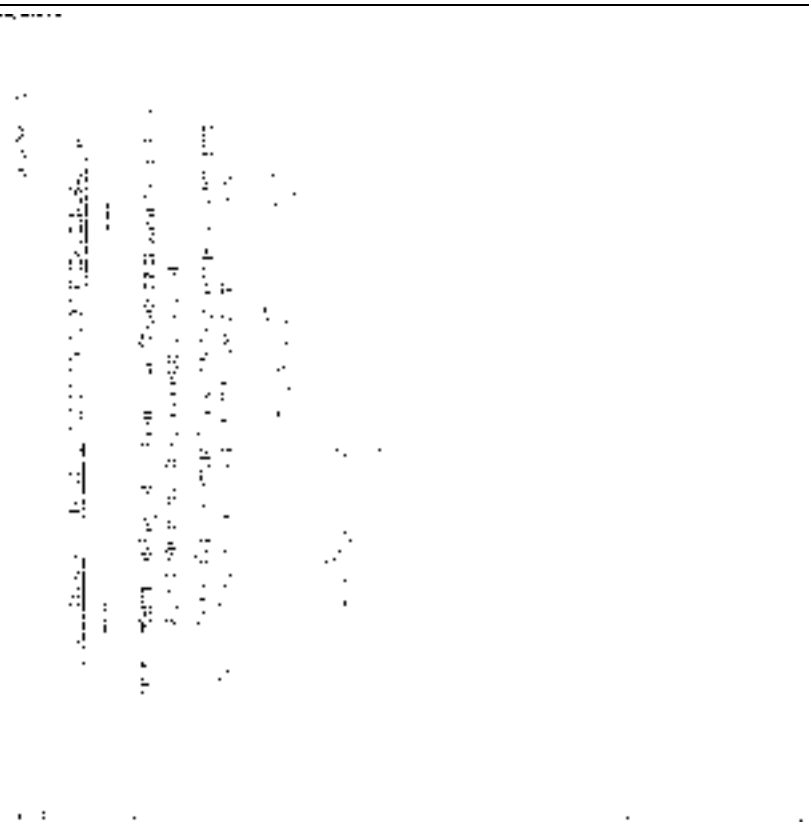

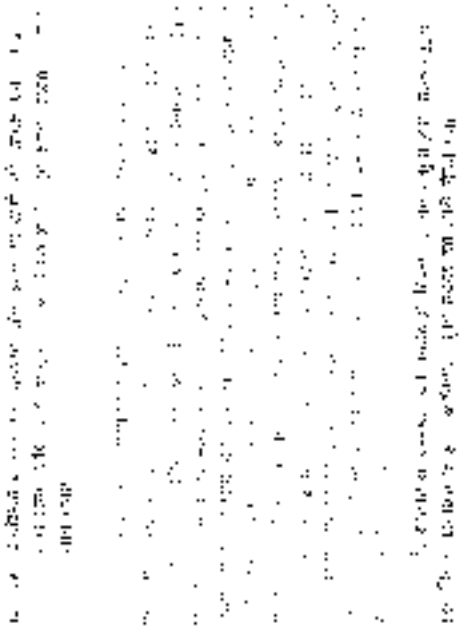

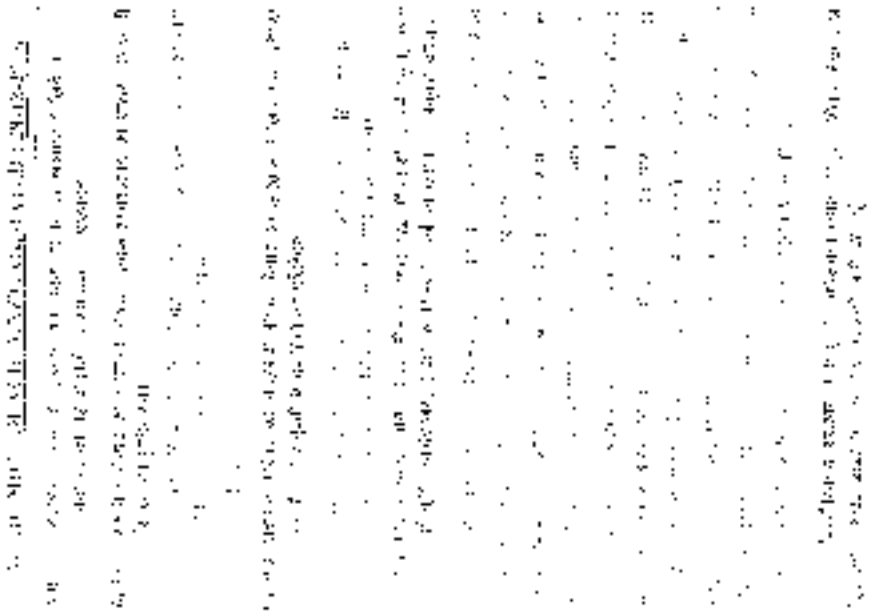

[illegible] शैक्षणिक परिषद् की [illegible] बैठक, दिनांक 12.02.2018 का प्रारूप कार्यवाही विवरण [illegible] रखा।

[illegible] 12.02.2018 [illegible] पुष्टिकरण [illegible] किया।

पद क्र.2: शैक्षणिक परिषद् की [illegible] बैठक, दिनांक 12.02.2018 में लिये गये निर्णयों पर की गई अनुपालन कार्यवाहियों का प्रतिवेदन।

[illegible]

(कार्यवाही-अवगत कृषि संकाय)

[illegible]

(कार्यवाही कुलसचिव/संकाय अधिकारी)

पद क्र.3: कृषि महाविद्यालय ग्वालियर में कुछ विभागों [illegible] किये जाने बाबत्।

[illegible]

(कार्यवाही: अवगत कृषि संकाय)

[illegible]

(कार्यवाहक कुलसचिव (विधान))

पद क्रमांक 8 Common question paper for midterm examination at the University level.

[illegible]

(कार्यवाहक कुलसचिव)

पद क्रमांक 9 Continuation of U.G. courses NSS/ NCC/ Physical Education and Yoga as per Fifth Dean's Committee Recommendations

[illegible] NSS/NCC Physical Education and Yoga [illegible]

[illegible]

(कार्यवाहक कुलसचिव)

[illegible]

पद क्रमांक 10 [illegible] Prevention of Academic Integrity and Prevalence of Plagiarism in Higher Educational Institutions [illegible]

[illegible]

(कार्यवाहक निदेशक विधान)

पद क्रमांक 11 एम.एस.सी. के 10वें सेमेस्टर की अनुमति दिये जाने बाबत्।

[illegible]

(कार्यवाहक कुलसचिव / निदेशक विधान)

पद क्रमांक 12 पीएच.डी. के 10वें सेमेस्टर की अनुमति दिये जाने बाबत्।

[illegible]

(कार्यवाहक कुलसचिव / निदेशक विधान)

[illegible]

[illegible]

Undergraduate academic rule 13.5(C) personally states that "There shall be no supplementary examination. However additional examination for the courses of final year only will be conducted for those outgoing students who have completed the course of fifth year. In that case, they will be enrolled to appear in the additional examination even if they are to clear for all courses of the preceding year. Student appearing in the additional examination shall have to pay fees as prescribed for a semester exemption fee of the said semester."

Modified Undergraduate academic rule 13.5(C): There shall be no supplementary examination. However additional examination will be conducted for only those students who have been promoted for registration in final year. Students appearing in the additional examination shall have to pay fee as prescribed for a semester exemption fee of the said semester.

[illegible]

(कार्यवाहक कुलसचिव)

पद क्र. 11. विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेशित छात्रों की मूल दस्तावेज वापस करने बाबत।

[illegible]

सहपठित नियम 15 :

[illegible]

(कार्यवाहक कुलसचिव)

पद क्र. 12. सत्र 2019-20 में विश्वविद्यालय के अधीन संचालित विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में लिए जाने वाले शुल्क बाबत।

[illegible]

[illegible] Fee Structure of Section A of [illegible] Serial No. 11 of Red Cross Corporation [illegible]

(कार्यवाहक कुलसचिव/अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय)

पद क्र. 13. स्नातकोत्तर एवं पी.एच.डी. में प्रवेश हेतु आयोजित की जाने वाली संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2019-20 के संबंध में।

[illegible] 2019-20 [illegible]

(कार्यवाहक कुलसचिव/निदेशक शिक्षण)

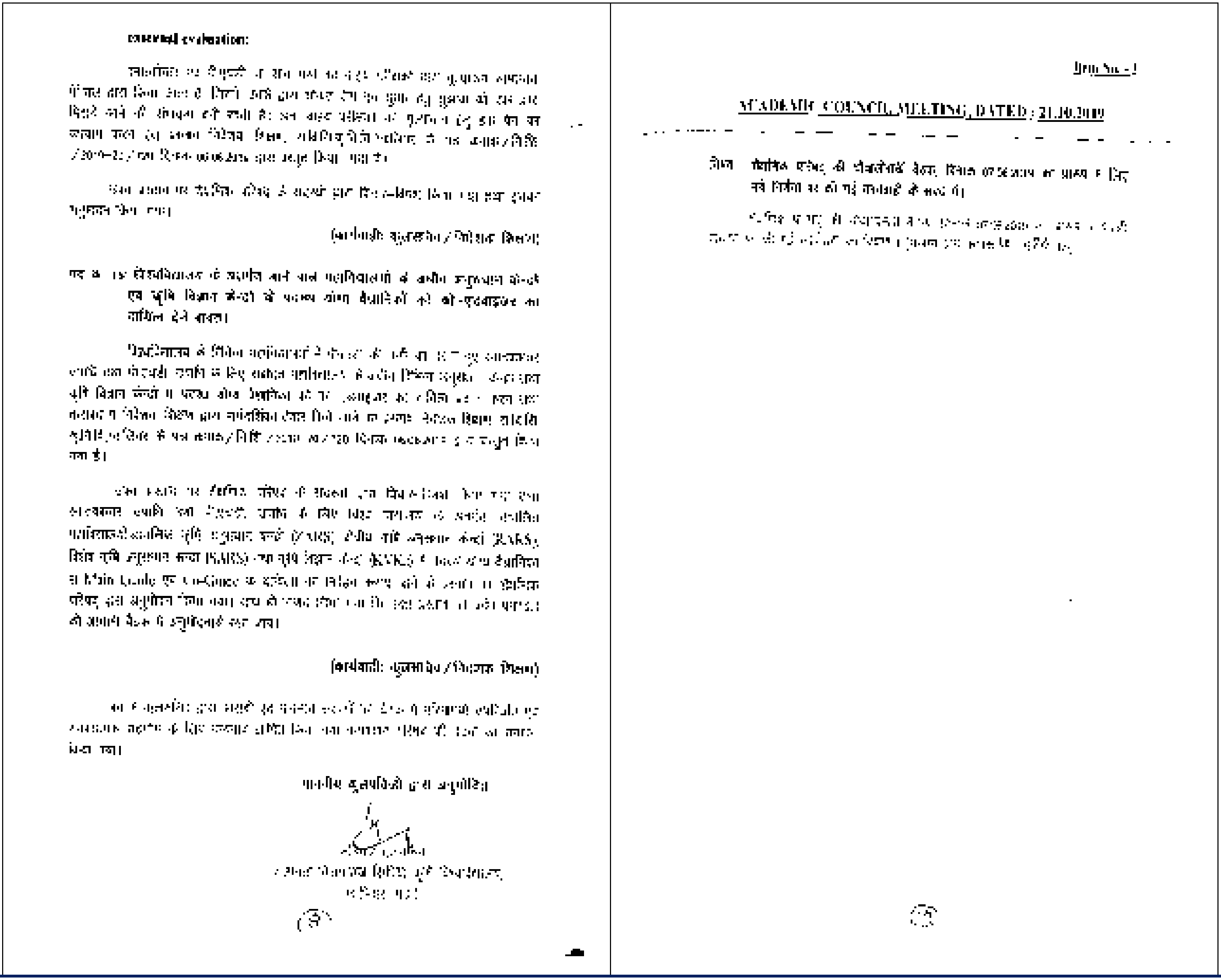

Item No.-1

ACADEMIC COUNCIL MEETING DATED : 21.10.2019

विषय : विद्यापरिषद की [illegible] बैठक दिनांक 07.06.2019 [illegible] एवं निर्णयों पर की गई कार्यवाही के संबंध में।

[illegible]

Internal evaluation:

[illegible]

[illegible]

(कार्यवाही: कुलसचिव/शैक्षणिक विभाग)

[illegible] कृषि विश्वविद्यालय के [illegible] महाविद्यालयों के [illegible] एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों के [illegible] वैज्ञानिकों को [illegible] शामिल किये जाने।

[illegible]

[illegible]

(कार्यवाही: कुलसचिव/शैक्षणिक विभाग)

[illegible]

माननीय कुलपति द्वारा अनुमोदित

[illegible]

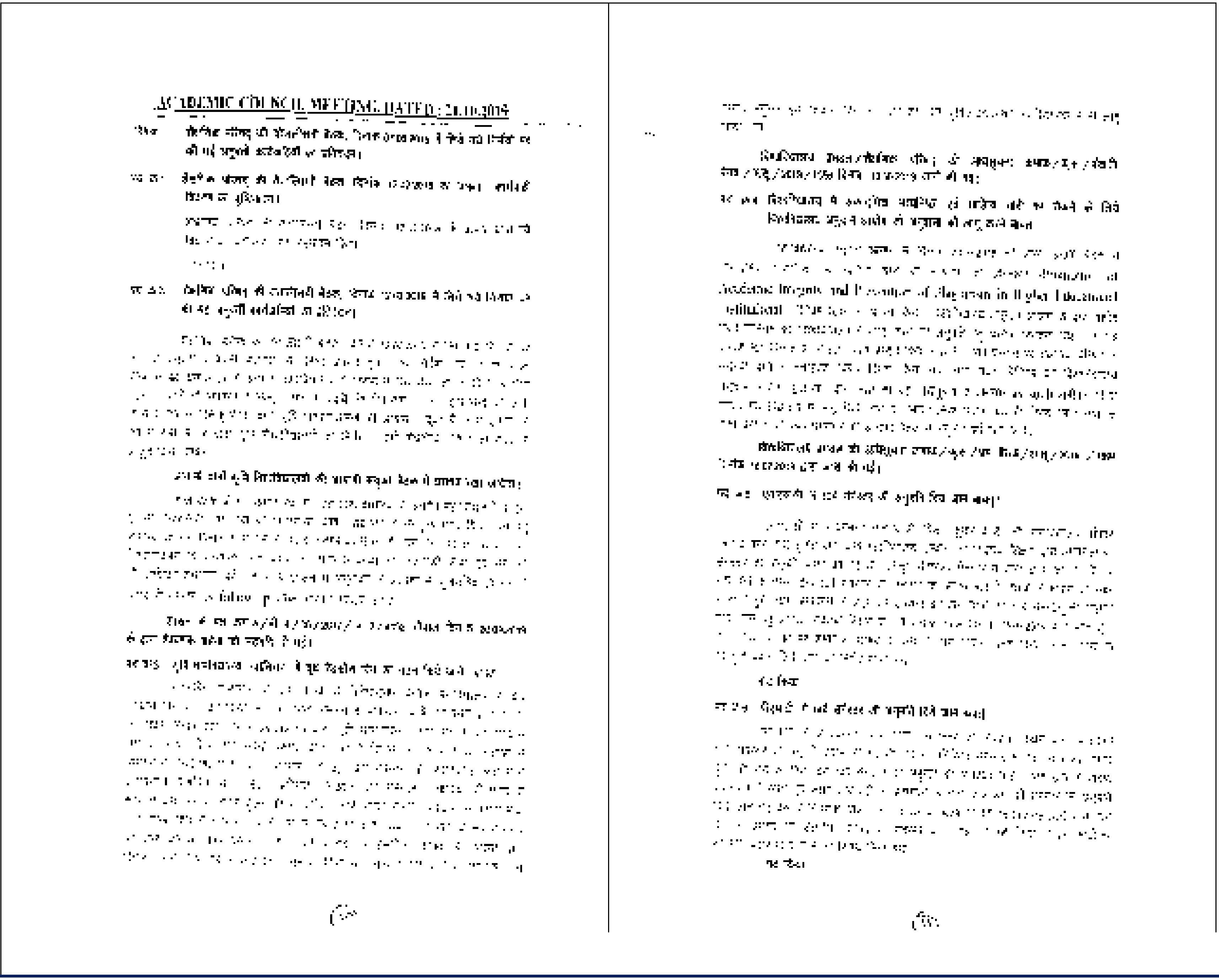

ACADEMIC COUNCIL MEETING DATED : [illegible]

[illegible]

Academic Integrity and Prevention of Plagiarism in Higher Educational Institutions [illegible]

[illegible] in connection on the postscript of Pro Hall, there must pass by the external evaluation.

[illegible]

विश्वविद्यालय प्रत्यक्ष की अधिसूचना क्रमांक/[illegible]/[illegible] दिनांक/[illegible]/2012/[illegible] दिनांक [illegible] द्वारा जारी की गई।

[illegible] विश्वविद्यालय के अधीन चलने वाले सभी महाविद्यालयों में अनिवार्य अनुपालन [illegible] हेतु [illegible] दिनांक [illegible] के पश्चात [illegible] वेबसाईट में डॉ-एडमिशन [illegible] प्रदर्शित करेंगे [illegible]।

[illegible] Video conferencing [illegible] KARS [illegible] KAKS [illegible] Main Office [illegible] Co-Guide [illegible]

विश्वविद्यालय प्रत्यक्ष का [illegible] दिनांक [illegible] के [illegible] विश्वविद्यालय [illegible] पर [illegible] [illegible] [illegible]

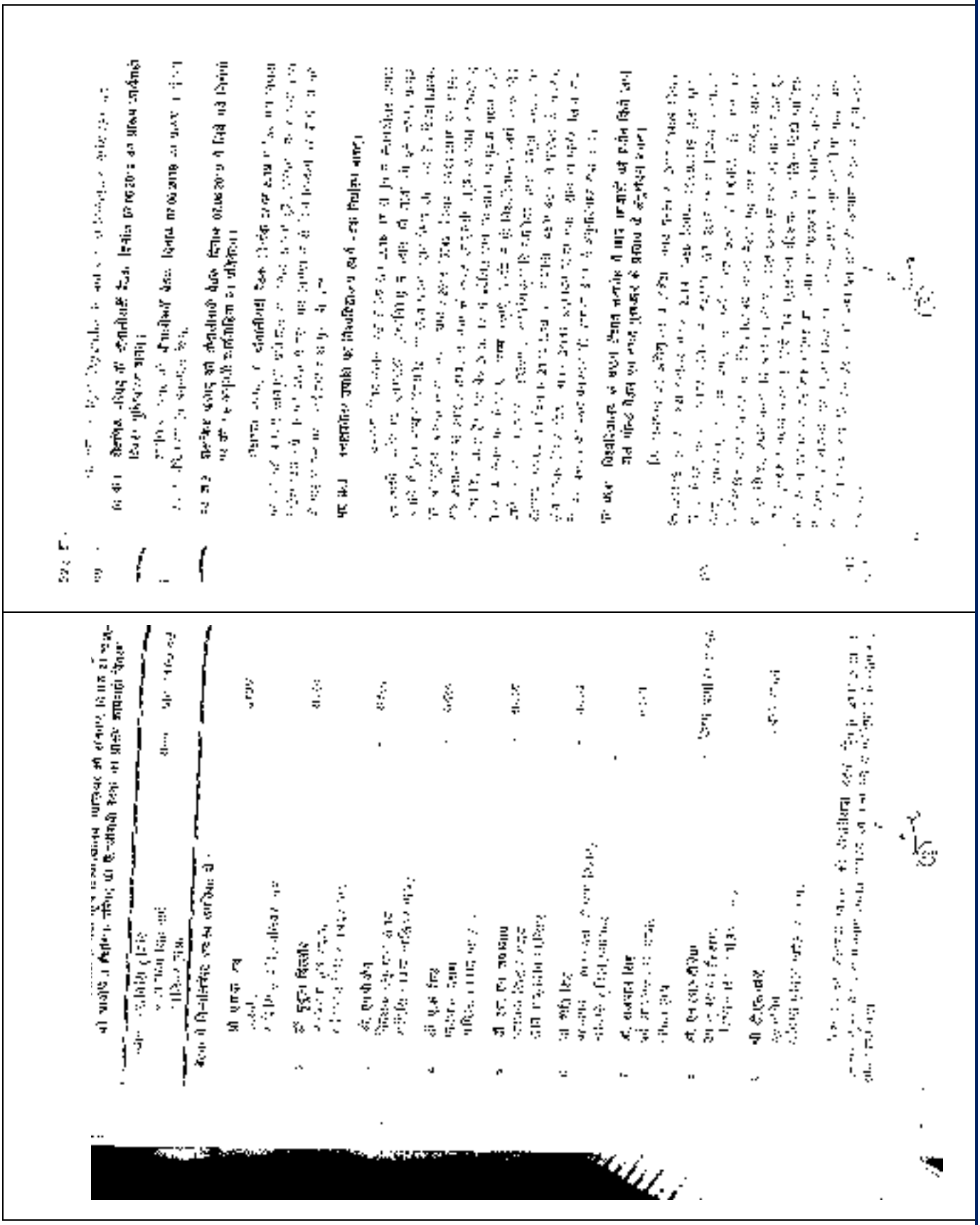

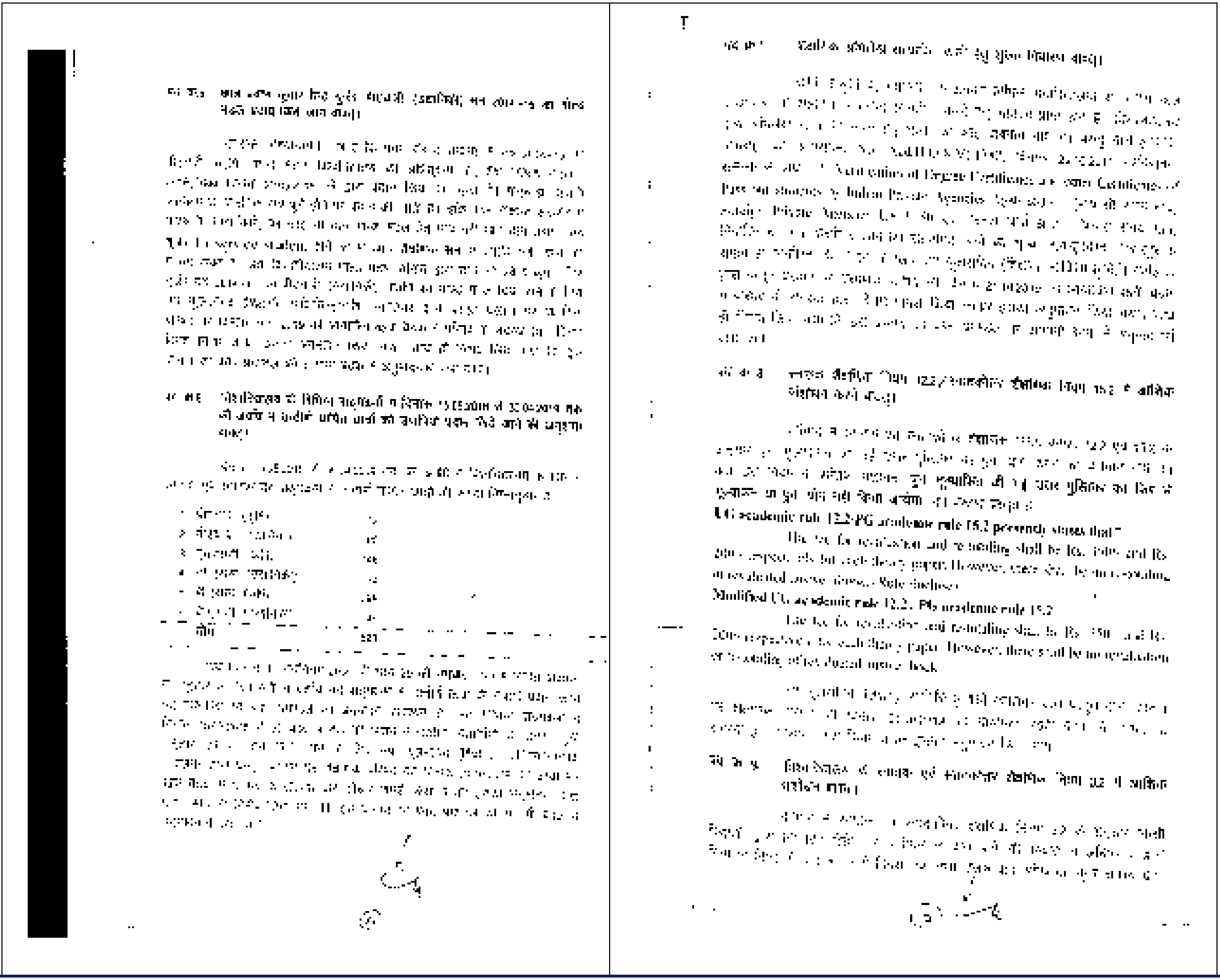

UG academic rule 12.2/PG academic rule 15.2 presently states that –

Modified UG academic rule 12.2, PG academic rule 15.2

[redacted]

Academic rule 3.2 presently states that

[illegible]

Modified Academic rule 3.2

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ACADEMIC COUNCIL MEETING, DATED : 13-01-2020

[illegible]

[illegible]

ACADEMIC COUNCIL MEETING, DATED : 13-01-2020

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

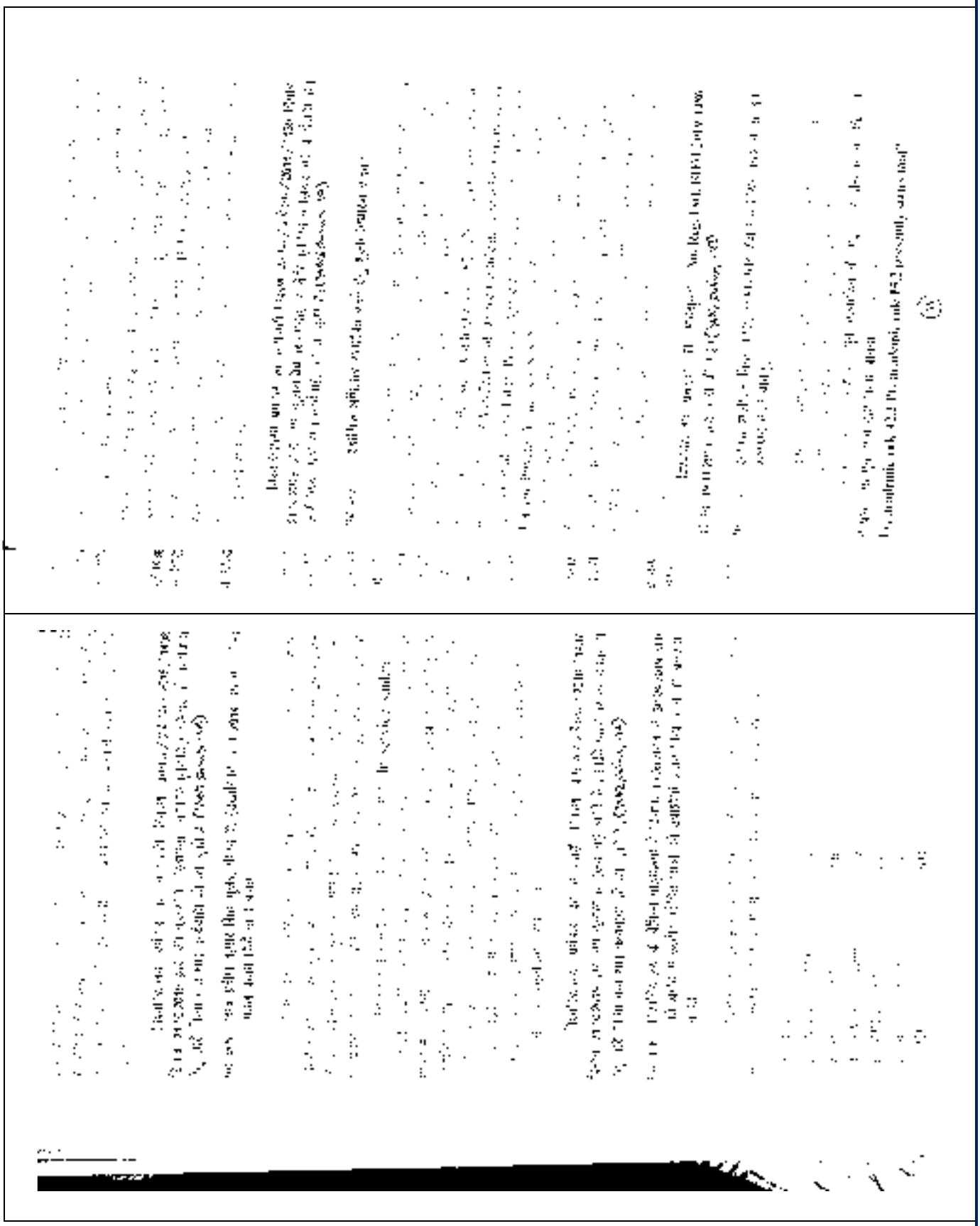

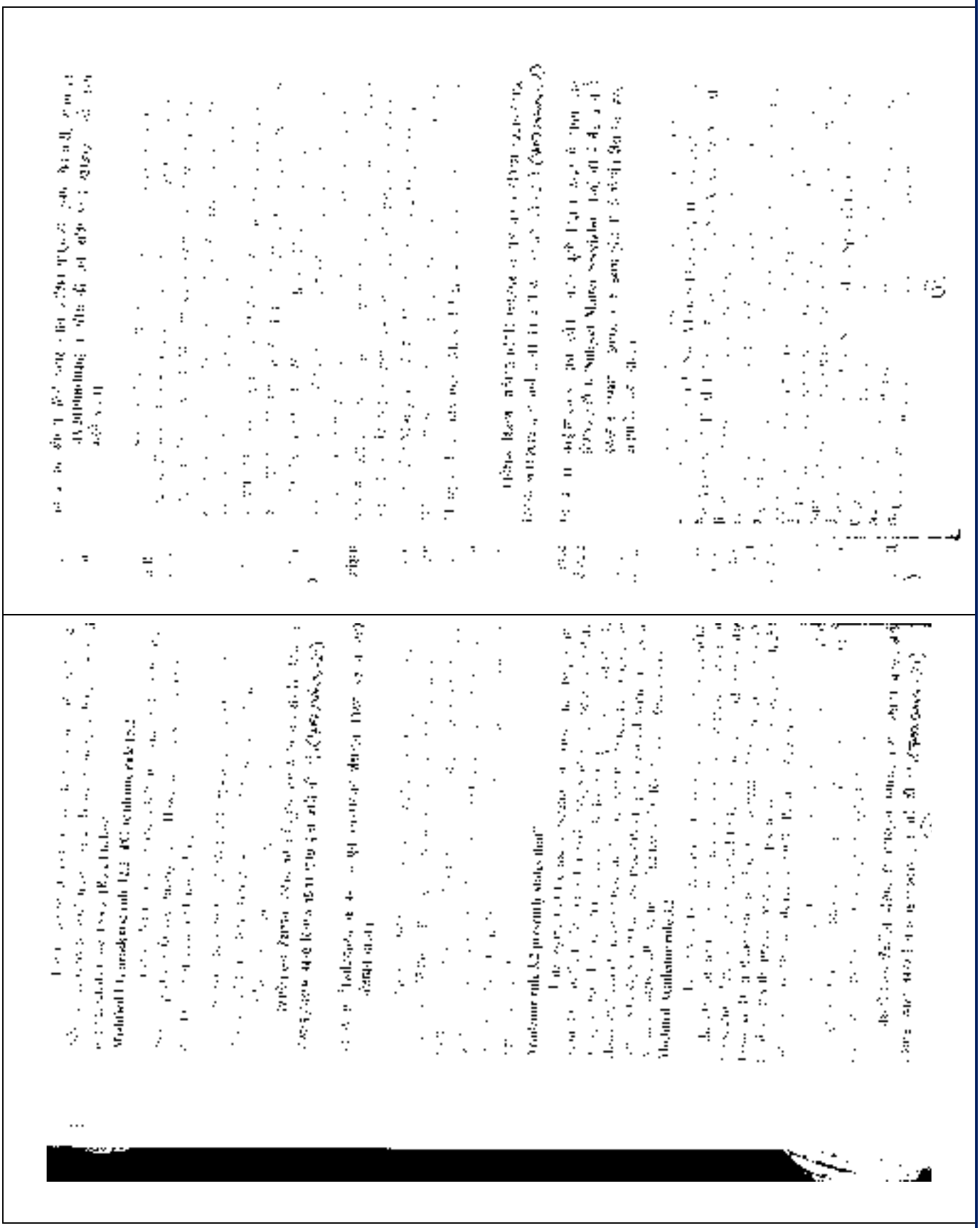

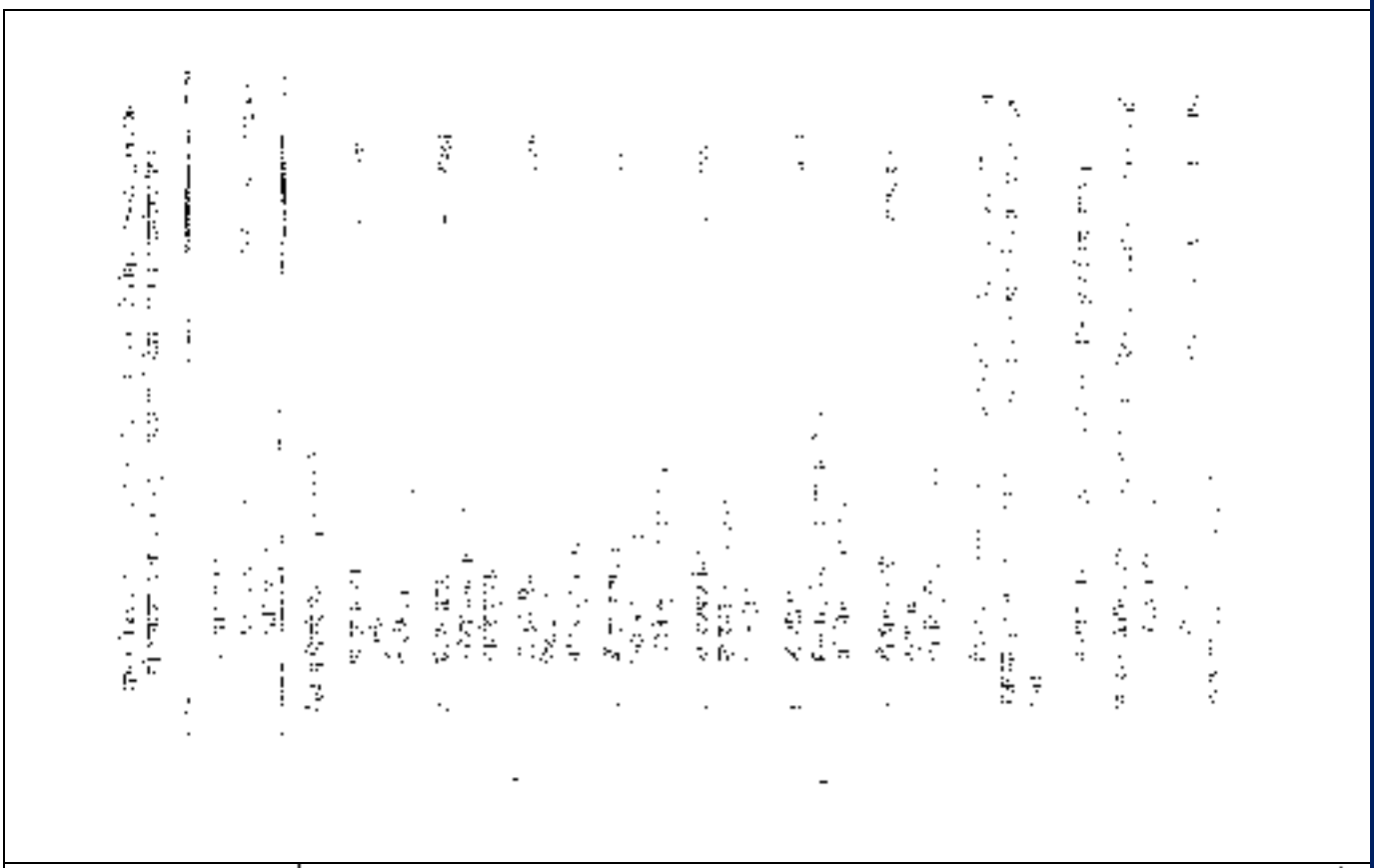

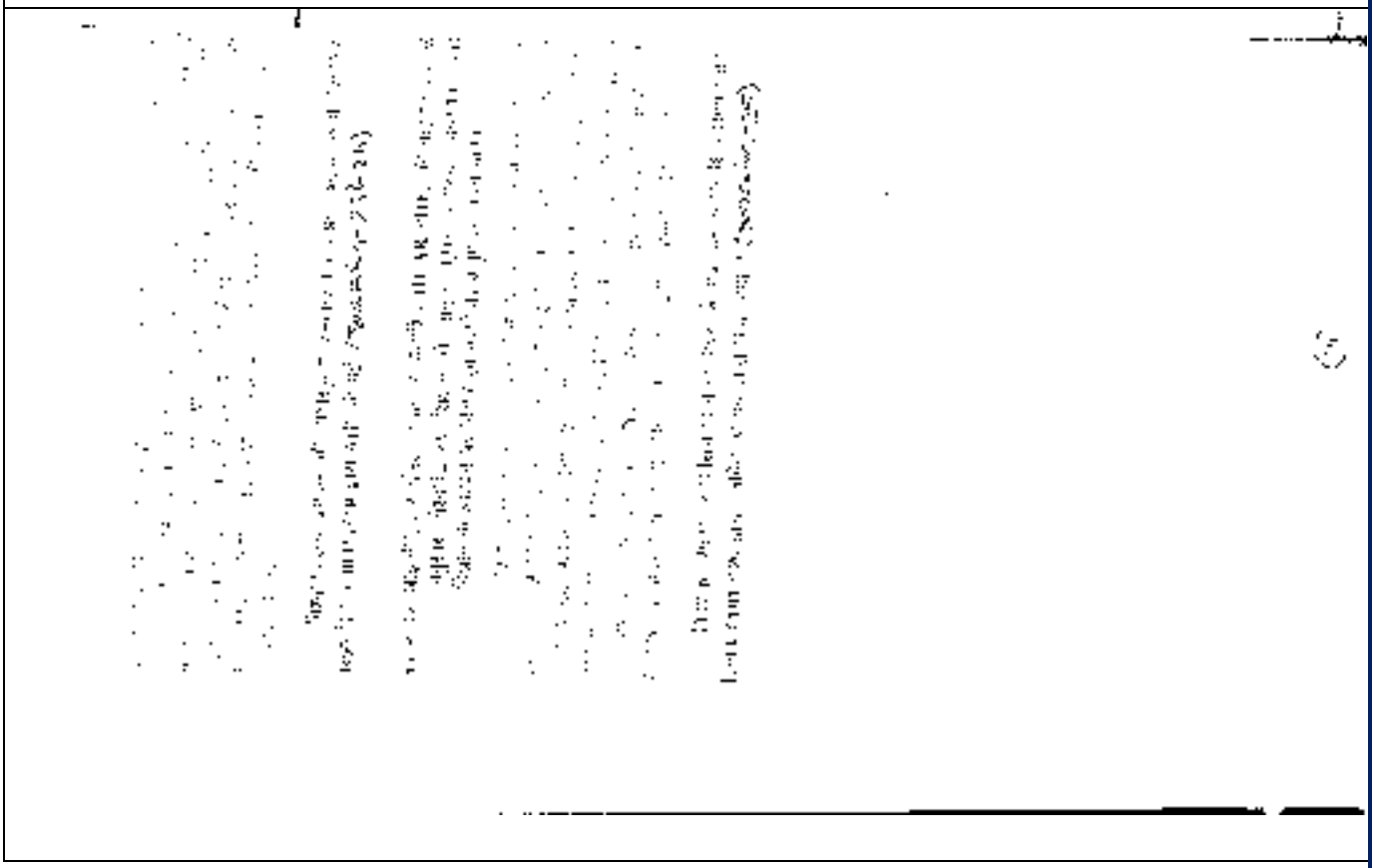

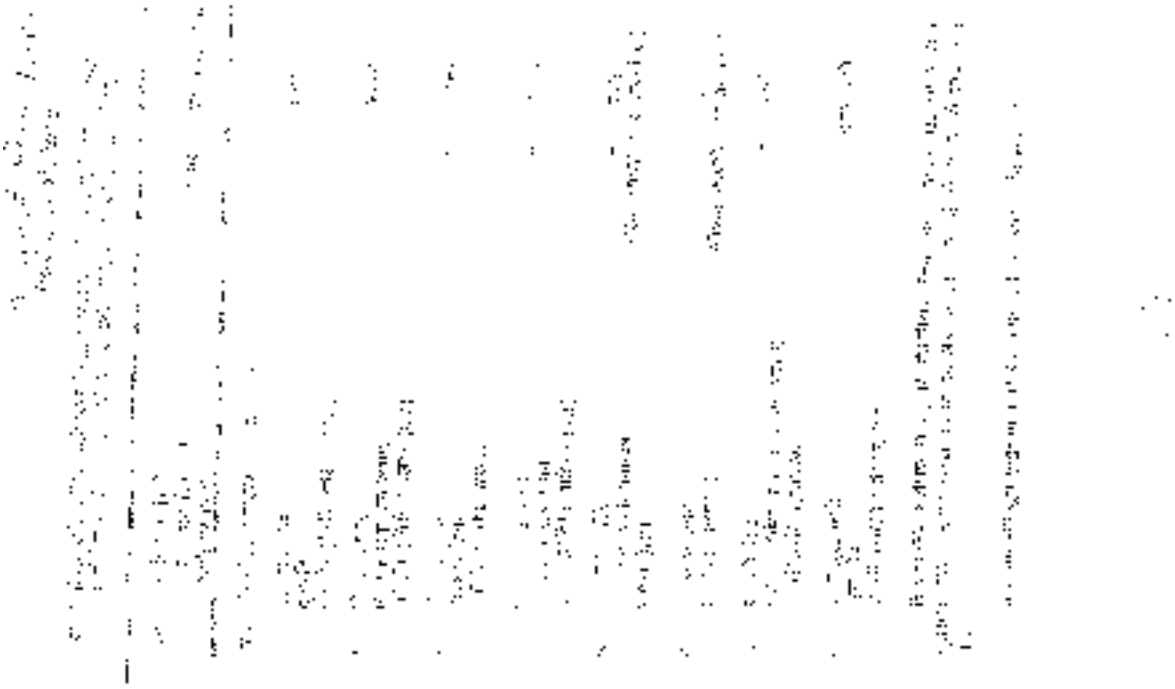

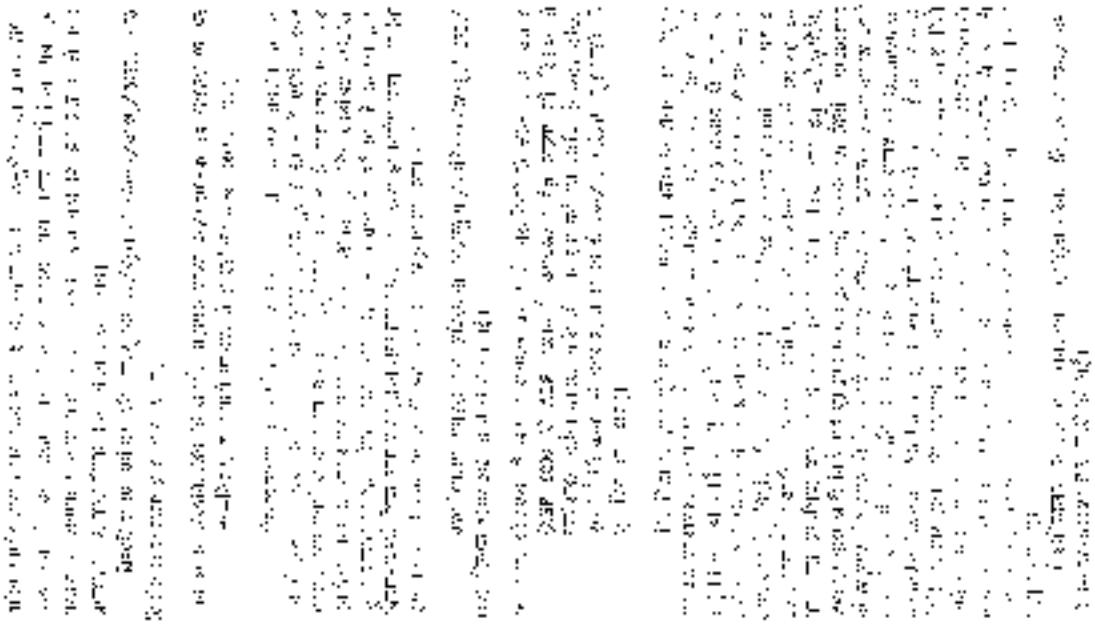

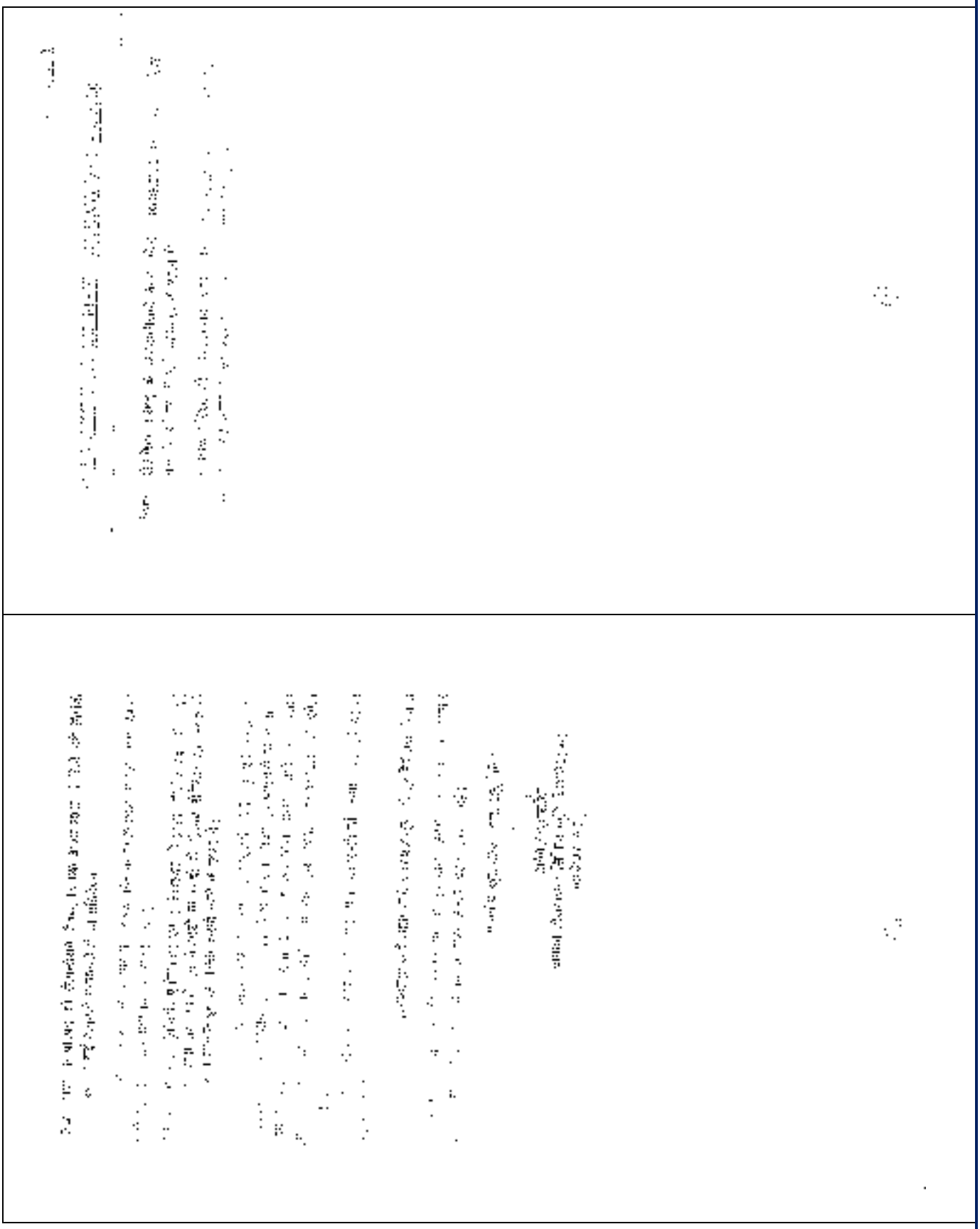

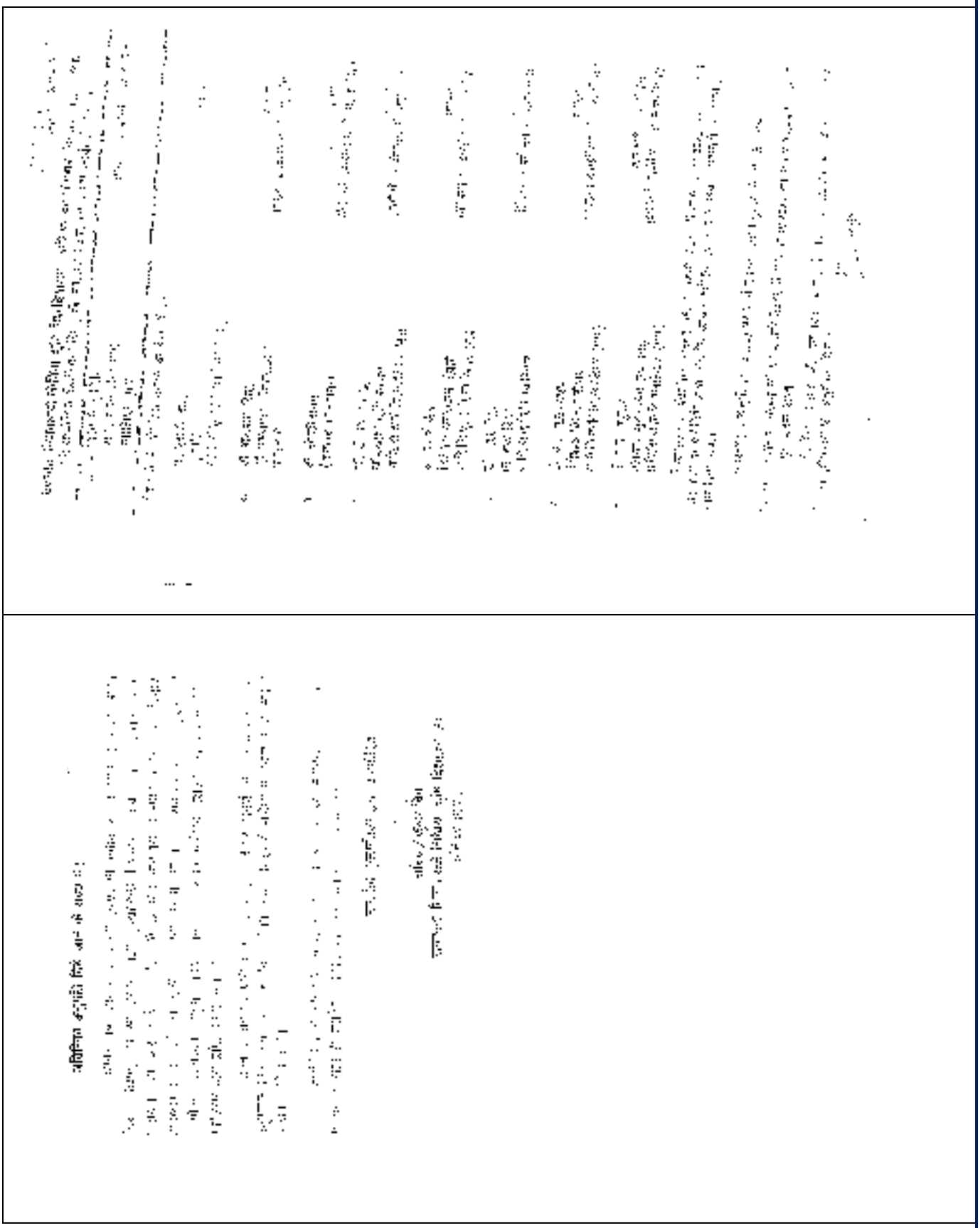

6.6.2.2. Innovation and Best Practices: Teaching-learning and Evaluation: The Teaching-Learning-Evaluation process in the University is given the meticulous attention as indicated below:

Preparing Clear Course Plans/Course Schedules: Prepared by the faculty, these are made available in the student of the University.

Academic Calendar and the detailed Syllabus and Regulations: published annually – these contain the curriculum, the method of teaching and evaluation, and the plans for co-curricular and extra-curricular activities, seminars, workshops, conferences, training programs, etc.

Use of *e*-resources and ICT: Every classroom and laboratory has LCD projectors and access to the campus intranet giving access to the repository of lectures by experts.

Encouragement of Cooperative learning through projects, presentations and online group work.

Conducting Orientation programmes for the first-year students familiarizes them with the opportunities available at the university and its expectations from them.

Internal assessment: 40% for it motivates the students to study continuously.

Student Feedback is collected on teaching and learning and is communicated by the Academic In-Charge of the Colleges and respective faculty members.

Faculty development programmes targeting the personal and professional growth of the faculty are organized every semester.

Providing Remedial Courses in language and communication skills are provided to students from vernacular medium.

Automation of the examination processes and timely declaration of results: Results have always been published within a month of the close of the examinations. 100% automation of the examination division, with an approved set of regulations and operating procedures, is in place.

6.6.2.3. Library: Library system of different constituent Colleges of Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishwa Vidyalaya, Gwalior continue to play the pivotal role in dissemination of information amongst the users.

Entire academic community continue to harness the benefits of this useful information system. Textbooks, Reference books, Competitive examination books, digital library e-books, scientific periodicals, theses, reports, encyclopedias, CDs relevant to teaching and research activities etc. have been stocked in the library of constituent Colleges of the University.

Books and Journals available:

S. No.	Particulars	No. of books
1.	Total No. of books available in different College Libraries of Vishwa Vidyalaya.	1,36,566
2.	New books purchased during 2019-20	9239
3.	*e*-Books	-

Central Library: The fund provided by ICAR has been utilized by the Central Library of the University. The much awaited and highly needed books on various subjects have been purchased. The basic infrastructural facility has been developed that has made the academic atmosphere of the libraries more conducive for the research scholars, students and teachers alike. The computerization of all the e-libraries of Vishwa Vidyalaya has made the functioning smoother now, therefore every user is assisted promptly. The e-library is fully functional connecting the local user through World Wide Web to the global scenario of knowledge. The good quality book cases keep study material safe and intact, and the comfortable furniture is a kind of great relief to the voracious readers. In central library there are 10341 total books in number, 9718 printed books, 139 e-books, 07 printed magazines, 1303 gifted books, 15 printed journals and 52 E-magazines available for the readers.

6.6.2.4. Center for Excellence/Advance Studies/Centre for Advanced Faculty Training: Clearly mention about the name, number and year of establishment, funding agency and outcome of Centre for Excellence/Advance Studies/Centre for Advanced Faculty Training.

- Centre of excellence in cotton (RKVY) at College of Agriculture, Khandwa

6.6.2.5. Incubation Center/Start up units/Venture capital: The National Bank for Agriculture and Rural Development, Mumbai has sanctioned grant assistance of Rs. 707.12 Lakh for setting up of Agri. Business Incubation Centre at Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishwa Vidyalaya, Gwalior. The Incubation Centre is set up as a Special Purpose Vehice (SPV) by incorporating it as a, "not for profit Section 8 Company" under the name,"Centre for Agribusiness Incubation and Entrepreneurship". The main objective of the Centre is to promote agri-startups and create the agripreneurial ecosystem in the Chambal region, Madhya Pradesh and also on Pan India basis.

6.6.2.6. Technology Enabled Learning Resources:

1ST STUDENTS AGRICULTURAL RESEARCH CONFERENCE (SARC)

"Cotyledon 2019"

1st Students Agricultural Research Conference (SARC) "Cotyledon 2019"was organized by Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishwa Vidyalaya, Gwalior from June 7-9 2019. The department wise presentations were held separately and a total of 125 PG and Ph.D students from different campus of the Vishwa Vidyalaya presented their thesis research work in the conference. Out of 125 58, 27, 20, 16 and 04 students were participated from Gwalior, Indore, Sehore Mandsur and Khandwa respectively.

The entire programme was nicely organized and students have shown their potentials and were discussing that it is a good initiative for the development of scientific and presentation skill among the students.

The presentations made by the students of respective department were evaluated by expert, head of the department and senior professors. The eminent experts were invited from different parts of the country. After the compilation of the result, 1st, 2nd and position holders of the respective department were hounerd with the certificate and memento during the closing ceremony on June 9, 2019.

6.6.2.7. Integrated Learning Systems (Experiential Learning): As per the recommendations of Fifth Dean's Committee the B.Sc. (Hons.) Agriculture/Horticulture graduates must have adequate hands on experience on different aspects of agriculture/horticulture. For this purpose, the experiential learning programme has been introduced in the final year that includes different aspects of Horticulture and Agriculture.

At present 19 ELP modules are being operated in the University. Out of these 04 modules are offered at College of Agriculture, Gwalior, 04 modules at College of Agricultural Indore, 04 at College of Agriculture, Sehore, 03 at College of Agricultural Khandwa and 04 at College of Horticulture, Mandsaur.

EL Modules	Support from	Manager	Students trained	Product developed	Revenue earned (Rs.)	% Share distributed to students
College of Agriculture, Gwalior (MP)						
PHM Unit (Deptt. of Horticulture)	ICAR	Dr. Rashmi Bajpai	12	Different processed products like Mango RTS, Chips, Papad, Aam Papad, pickles, Jam etc made and marketed by ELP students after getting the FSSAI Registration	10000-/	NA
Massive in vitro propagation of important horticulture and medicinal plants	ICAR	Dr. M.K. Tripathi	12	Plant materials of Banana, Guava and Lemon were prepared in the unit	NA	NA
Soil testing (Deptt. of Soil Science)	Non-ICAR	Dr. Shashi S. Yadav	09	Procedure of soil sampling, sample processing, testing of different physic-chemical parameters and how to give the recommendation	NA	NA

EL Modules	Support from	Manager	Students trained	Product developed	Revenue earned (Rs.)	% Share distributed to students
Nursery Management (Deptt. of Horticulture)	ICAR	Dr. P.K. S. Gurjar	13	Preparation of seedlings, Air layered plats of guava, pomegranate and lime etc.	NA	NA
College of Agriculture, Indore (MP)						
Mushroom cultivation and value addition	ICAR	Dr. R.K Singh	21	Spawn, pickles, mushroom powder and dry mushroom	1.06 lakh	-
Processing of fruit, vegetable and food crops	Non-ICAR	Dr. Swati Barche	15	Mix pickle Garlic chatni Turmeric Pickle Omega-3 chatni Chai Masala, Mukhwas, Chilli- Nimbu pickle. Till Laddu, Chocholate, Turmeric Powder	28,000	
Nursery and poly tech	Non-ICAR	Dr. N.K. Gupta	21	Plant multiplication Care and maintenance of plant	18,000	
Bio-fertilizer and Bio-pesticide Production	Non-ICAR	Dr. A.K. Sharma	24	Vermi compost + Raj Vijay-31 (Disease resistant organic manure)+ Pheromone trape	8000	
				Biofertilizer and Biopesticide	15658	
RAK, College of Agriculture, Sehore						
Turmeric and Pulses Processing Unit.	ICAR	Dr. S.A. Ali	Nil	Nil	Nil	Nil

EL Modules	Support from	Manager	Students trained	Product developed	Revenue earned (Rs.)	% Share distributed to students
Commercial Vegetable production unit	Non-ICAR	Dr. R.K. Jaisawal	30	Comm.Production of vegetables i.e .Onion, Tomato, Brinjal, Cauliflower and Fenugreek	0.15	Nil
Fruit and vegetable processing Unit	ICAR	Dr. Shalini Chakrobarty	10	processed products, prepared i.e.Red chilli powder Coriander powder,mixed pickles etc.	0.06	Nil
Mashroom cultivatiom Unit	Non-ICAR	Dr. Molly Saxena	11	Nil	Nil	Nil
BM, College of Agriculture Khandwa						
Organic Farming	ICAR	Dr. R.I. Sisodia	16	-	-	-
Mushroom cultivation	Non-ICAR	Dr. S.K. Arsia	16	-	-	-
Commercial Vegetable Production	Non-ICAR	Dr. K. C. Jain	16	-	7500	75%
KNK, College of Agriculture, Mandsaur						
Commercial Horticulture	ICAR	Dr. Priyamvada Sonkar	10	Seedlings of fruits	30,885/-	-
Protected Cultivation of High Value Horticultural Crops	ICAR	Dr. S.S. Kushwah	10	Cultivation of tomato, sponge gourd, radish and beetroot	18017.00	-
Floriculture and Landscape gardening	ICAR	Dr. Anuj Kumar	10	Nursery managements of ornamental plants, Commercial flower cultivation, Landscaping	52970/-	-

EL Modules	Support from	Manager	Students trained	Product developed	Revenue earned (Rs.)	% Share distributed to students
Processing of fruits and vegetables for value addition	Non-ICAR	Dr. S.K. Dwivedi	10	1. Preparation of Mixed Vegetable Pickles. 2. Aonla Supari, Candy, Preserve, RTS, Juice. 3.Tomato Ketchup & Whole tomato concentrate 4. Beal Candy, Jam, RTS, Squash. 5. Pineapple RTS and fresh juice. 6. Tamarind Candy and RTS. 7. Mango RTS and Mango based Jam. 8. Blended RTS from blending of pineapple + beal.	15524.00	-

6.6.2.8. Academic Industry Interface:

Agro-Industrial Attachment (AIA):

Technology and globalization are ushering an era of unprecedented change. The need and pressure for change and innovation is immense. To enrich the practical knowledge of the students, in-plant training shall be mandatory in the last semester for a period of up to 3 weeks. In this training, students will have to study a problem in industrial perspective and submit the reports to the college. Such in-plant trainings will provide an industrial exposure to the students as well as to develop their career in the high tech industrial requirements. In-Plant training is meant to correlate theory and actual practices in the industries. It is expected that sense of running an industry may be articulated in right way through this type of industrial attachment mode.

Objectives

1. To expose the students to Industrial environment, this cannot be simulated in the university.
2. To familiarize the students with various Materials, Machines, Processes, Products and their applications along with relevant aspects of shop management.
3.To make the students understand the psychology of the workers, and approach to problems along with the practices followed at factory
4. To understand the scope, functions and job responsibilities in various departments of an organization.
5. To expose various aspects of entrepreneurship during the programme period.

Placement

• Students shall be placed in Agro-and Cottage industries and Commodities Boards for three weeks.

• Industries include Seed/Sapling production, Pesticides-insecticides, Post harvest-processing-value addition, Agri-finance institutions, etc.

6.6.2.9. National Ranking (ICAR/MHRD): Mention about the rank of the University in last five years in the NIRF from ICAR/MHRD.

- **ICAR Ranking: University is ranked Number 10 amongst Agricultural Universities**.


INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH

Ranking of Agricultural Universities 2017

This is to certify that

Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishwavidyalaya, Gwalior

is ranked Number 10 amongst Agricultural Universities

6.6.3. RESEARCH SUPPORT

6.6.3.1. Research Council:

Present composition of the Research Council

1.	Dr. M. P. Jain, Director of Research Services, RVSKVV, Gwalior	Chairman
2.	Dr D. H. Ranade, Dean Faculty of Agriculture, RVSKVV, Gwalior	Member
3.	Dr S. N. Upadhyay, Director Extension Services, RVSKVV, Gwalior	Member
4.	Dr A. K. Singh Director Instructions, RVSKVV, Gwalior	Member
5.	Dr (Mrs.) Mridulla Billore, Dean, College of Horticulture, Mandsaur	Member
6.	Dr J.P.Dixit, Dean, College of Agriculture, Gwalior	Member
7.	Dr A.K. Sharma, Dean, College of Agriculture, Indore	Member
8.	Dr U.P.S.Bhadauria, Dean, College of Agriculture, Khandwa	Member
9.	Dr H. D. Verma, Dean, College of Agriculture, Sehore	Member
10.	Dr Y. P. Singh, Associate Director Research, ZARS, Morena	Member
11.	Dr I. S. Tomar, Associate Director Research, ZARS, Jhabua	Member
12.	Dr R. N. Sharma, I/c Librarian, RVSKVV, Gwalior	Member
13.	Dr Reeti Singh, Prof & Head, Plant Pathology, College of Agriculture, Gwalior	Member
14.	Dr Vashant Kumar Kandalkar, Prof & Head, Plant Breeding, College of Agriculture, Gwalior	Member
15.	Dr. S. S. Tomar, Associate Director Research (HQ), RVSKVV, Gwalior	Member Se

Dates of Meeting of Research Council: June 28, 2019

DIRECTORATE OF RESEARCH SERVICES

Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishwa Vidyalaya,

Raja Pancham Singh Marg, Gwalior (M.P.) - 474 002

Dr. B.S. Baghel
Director Research Services

Ph. No. 0751-2970509 (Tele-Fax)
Email-drsrvkvv@rediffmail.com

No. DRS/TO/2019/ 532 Dated 13-06-19

//NOTICE//

In reference of VV order No. Reg/Estt/2018/2793 dated 20.11.2018, the Research Council Meeting of the Vishwa Vidyalaya is scheduled on **28.06.2019 at 11.00 am** in Directorate of Research Services, RVSKVV, Gwalior. Hence, all the members of the research council are requested to attend the meeting on mentioned date and time.

a	Director of Research Services	Dr. B. S. Baghel	Chairman
b	Dean Faculty of Agriculture	Dr (Mrs.) Mridulla Billore	Member
c.	Director Extension Services	Dr R.N.S Banafer	Member
d	Director Instructions and Students Welfare	Dr A. K. Singh	Member
e	1. Dean, CoA, Gwalior 2. Dean, CoA, Sehore 3. Dean, CoA, Indore 4. Dean, CoA, Khandwa 5. Dean, CoH, Mandsaur	1. Dr M. P. Jain 2. Dr Rajesh Verma 3. Dr Ashok Krishna 4. Dr S.N Upadhayay 5. Dr S.N.Mishra	Member
f	1. Associate Director Research, ZARS, Morena 2. Associate Director Research, ZARS, Khargone 3. Associate Director Research, ZARS, Jhabua	1. Dr S. S. Tomar 2. Dr P. P. Shastry 3. Dr I. S. Tomar	Member
g	Librarian	Dr R. N. Sharma I/c Librarian	Member
h	Two Heads as nominated by Director of Research Services 1. Head, Soil Science & AC, CoA, Gwalior 2. Head, Plant Breeding and Genetics, CoA, Gwalior	1. Dr S. K. Verma 2. Dr V. S. Kandalkar	Member Member
i	Associate Director Research at HQ	Dr. S. S. Tomar,	Member Secretary

Director Research Services

End. No. DRS/TO/2019/ 533 Dated 13-06-19

CC for favour of information and necessary action to

1. The Dean Faculty of Agriculture, RVSKVV, Gwalior
2. The Director Extension Services/ Director Instructions, RVSKVV, Gwalior
3. The Dean, College of Agriculture/Horticulture, Gwalior/Indore/Sehore/Khandwa/Mandsaur
4. The Associate Director Research, ZARS, Morena/Khargone/ Jhabua
5. Person concerned.....
6. The P.S. to Hon'ble Vice Chancellor, R.V.S.K.V.V., Gwalior

Director Research Services

J.No 1283/2019-20/718-A
29-06-19

Proceeding of the Research Council Meeting

The first research council meeting of RVSKVV, Gwalior was held in the meeting hall of the Directorate of Research Services on June 28, 2019 at 11.00 AM. The Following members of the council was present in the meeting.

1.	Dr. B. S. Baghel, Director of Research Services, RVSKVV, Gwalior	Chairman
2.	Dr (Mrs.) Mridulla Billore Dean Faculty of Agriculture, RVSKVV, Gwalior	Member
3.	Dr R.N.S Banfer Director Extension Services, RVSKVV, Gwalior	Member
4.	Dr A. K. Singh Director Instructions, RVSKVV, Gwalior	Member
5.	Dr M. P. Jain, Dean, College of Agriculture, Gwalior	Member
6.	Dr Ashok Krishna, Dean, College of Agriculture, Gwalior	Member
7.	Dr S.N.Upadhayay, Dean, College of Agriculture, Gwalior	Member
8.	Dr S N Mishra, Dean, College of Horticulture, Mandsaur	Member
9.	Dr S. S. Tomar, Associate Director Research, ZARS, Morena	Member
10.	Dr I. S. Tomar, Associate Director Research, ZARS, Jhabua	Member
11.	Dr R. N. Sharma, I/c Librarian, RVSKVV, Gwalior	Member
12.	Dr V. S. Kandalkar Head, Plant Breeding and Genetics, College of Agriculture, Gwalior	Member
13.	Dr. S. S. Tomar, Associate Director Research (HQ), RVSKVV, Gwalior	Member Secretary

The meeting was chaired by Dr. B.S. Baghel, Director Research Services, RVSKVV, Gwalior. The meeting started with a welcome by Director Research Services. Following agenda were discussed in the meeting

S.No.	Agenda items	Decision Taken and Action to be taken
1.	Preparation of vision documents of Research 2050.	A committee already constituted for the preparation of vision documents of Research 2050.
2.	Compilation of zone wise all activities of Research/RARS/SARS and preparation of Annual report.	Annual Report (2018-19) may be published with Compilation of zone wise all activities of Research/RARS/SARS
3.	Publication of Research Accomplishment and Recommendations at Directorate level.	Published
4.	Establishment of biodiversity park at Sirsod for research purpose.	Collection and evaluation of germplam at biodiversity park at Sirsod for research purpose
5.	Establishment of Nutrient rich/Bio fortified crop park at Sirsod for research purpose.	**[Action: Incharge, Biodiversity Park, Sirsod & Incharge, SRS, Sirsod]**

6.	Registration of farmers varieties to protect them IPR.	Collect the information in prescribed format for registration of farmers varieties from Colleges/Research Stations/KVKs of the University and send to PPVFR. A IPR cell may be constituted in near future under the Chairmanship of Plant Breeder. **[Action: Deans of the College, ADR-ZARS, Incharge of the Research Station & SSH of the KVKs]**
7.	Profile of each ZARS/RARS/SARS.	Profile of each ZARS/RARS/SARS may be prepared with consultation with CRISP **[Action: ADR, Incharge of the station]**
8.	Establishment of State of art lab in biotech building for quality research.	Detail proposal may be submitted for Establishment of State of art lab in biotech building for quality research. **[Action: Incharge, Biotechnology Centre]**
9.	Strengthening of ZARS facilities for quality research.	Detail proposal may be submitted to Strengthening of ZARS facilities for quality research **[Action: ADR-ZARS]**
10.	Establishment of sugarcane research centre at Bagwai.	A committee may be constituted to assess the possibilities for sugarcane research at Bagwai **[Action: Dean, CoA, Gwalior]**
11.	Establishment of sesame research centre at Bhind.	Proposal may be submitted for Voluntary centre of AICRP on Sesame to ICAR **[Action: Incharge, SRS, Bhind]**
12.	Establishment of paddy research centre at Bagwai.	Proposal may be submitted for Establishment of paddy research centre at Bagwai **[Action: Dean, CoA, Gwalior]**
13.	Establishment of ravine rehabilitation research centre at Aisah, Morena.	Proposal may be submitted for Establishment of ravine rehabilitation research centre at Aisah, Morena **[Action: Dean, CoA, Gwalior]**
14.	Establishment of spices research centre at Jaora.	Proposal may be submitted for Establishment of spices research centre at Jaora **[Action: Dean, CoH, Mandsaur]**

15.	Establishment of centre of excellence for spices and medicinal and aromatic plants at CoH, Mandsaur.	Proposal may be submitted for Establishment of centre of excellence for spices and medicinal and aromatic plants at CoH, Mandsaur. **[Action: Dean, CoH, Mandsaur]**
16.	Approach for National and International MoU	Under Process

The meeting ended with a vote of thanks to the Chair

(Director Research Services) 29/6/19

CC to: 29-06-19

1. The Dean Faculty of Agriculture, RVSKVV, Gwalior
2. The Director Extension Services, RVSKVV, Gwalior
3. The Director Instructions, RVSKVV, Gwalior
4. The Associate Director Research, RVSKVV, Gwalior
5. The Registrar, RVSKVV, Gwalior
6. The Comptroller, RVSKVV, Gwalior
7. The Dean, College of Agriculture/Horticulture, Gwalior/Sehore/Indore/Khandwa/ Mandsaur
8. The Associate Director Research, ZARS, Morena/Khargone/ Jhabua
9. Person concerned.....
10. The P.S. to Hon'ble Vice Chancellor, R.V.S.K.V.V., Gwalior.

(Director Research Services) 29/6/19

6.6.3.2. **Directorate of Research:** Give brief information about the present establishment of the Directorate of Research, staff pattern, research coordination mechanism, research and seed production centres and contribution in academic programmes.

The Directorate of Research Services came into existence with the establishment of the University in August, 2008. This Directorate is serving as nodal office to coordinate location specific, strategic and anticipatory research focused on increasing the productivity, profitability, stability and sustainability of agricultural and allied sectors under the area jurisdiction of the University.

THE MANDATE

- Administration, planning, budgeting, monitoring, evaluation of research projects and programmes running at different centres of the university.
- Developing new research technologies and crop varieties for sustainable production, profitability and livelihood.
- Coordination of fundamental and applied research.
- Publication of research reports, highlights, research papers and research bulletins.
- Resource generation through consultancy processing cell.
- Maintenance breeding of varieties, production of nucleus, breeder and hybrid seed to enhance the productivity and profitability of crops in a sustainable manner to ensure food security.
- Strengthening of national and international linkages to improve the research quality and quantity
- Facilitating HRDs through national and international exposures, trainings and visits.

THE ADMINISTRATIVE JURISDICTION

The research network of the university spreads over six agro-climatic zones of Madhya Pradesh and covers 26 revenue districts. These agro-climatic zones are Gird, Malwa Plateau, Nimar Valley, Jhabua Hills, Vindhyan Plateau and Bundelkhand zones. Accordingly, five Zonal Agricultural Research stations, four Regional Agricultural Research Stations and five Special Research Stations have been operating to enhance the productivity and livelihood security of farming community (Table 1). Presently, 24 All India Coordinated Research Projects on crop improvement, natural resource management and horticulture are being run at different centres. Besides these, 7 plan, 12 non plan, 12 tribal sub plan, 05 Gramin Krishi Mausam Sewa [GKMS) projects and 02 FASAL projects are running with the financial aid of Govt. of India and that are the research strength of the university.

Table 1: Research stations of the university

Particulars	No.	Location and Establishment year
Zonal Agricultural Research Station	05	Indore (1924), Sehore (1952), Khargone (1964), Morena (1981) and Jhabua (1989)
Regional Agricultural Research Station	04	Gwalior (1916), Khandwa (1964) Ujjain (1989) and Mandsaur (1964)

Special Research Station	07	Enthkedi (1962), Joara (1964), Bagwai (1964), Badwah (1969), Bhind (2010), Sirsod (2011) and Aisah (2012)

The seed activities in the university are managed with the help of twenty-seven seed production farms. These farms are located in twenty-six districts and six agro-climatic zones of Madhya Pradesh. Currently, the university has a total of 1210.85 ha farm land. Out of the total farm land available with the university, only 65.01% (826.37 ha) is under cultivation. Out of the cultivated area, only 15.81 and 32.66 % is irrigated and partially irrigated, respectively. Rest of the farm area is under rainfed farming. The area under plantation crop is about 82.02 ha. Remaining farm area is under fallow or pastures land or occupied by road and buildings.

The instructional post graduate research, applied research, maintenance breeding of seed chain varieties, nucleus and breeder seed production, hybrid seed production, technological demonstrations and production of quality planting materials are the major activities of these farms.

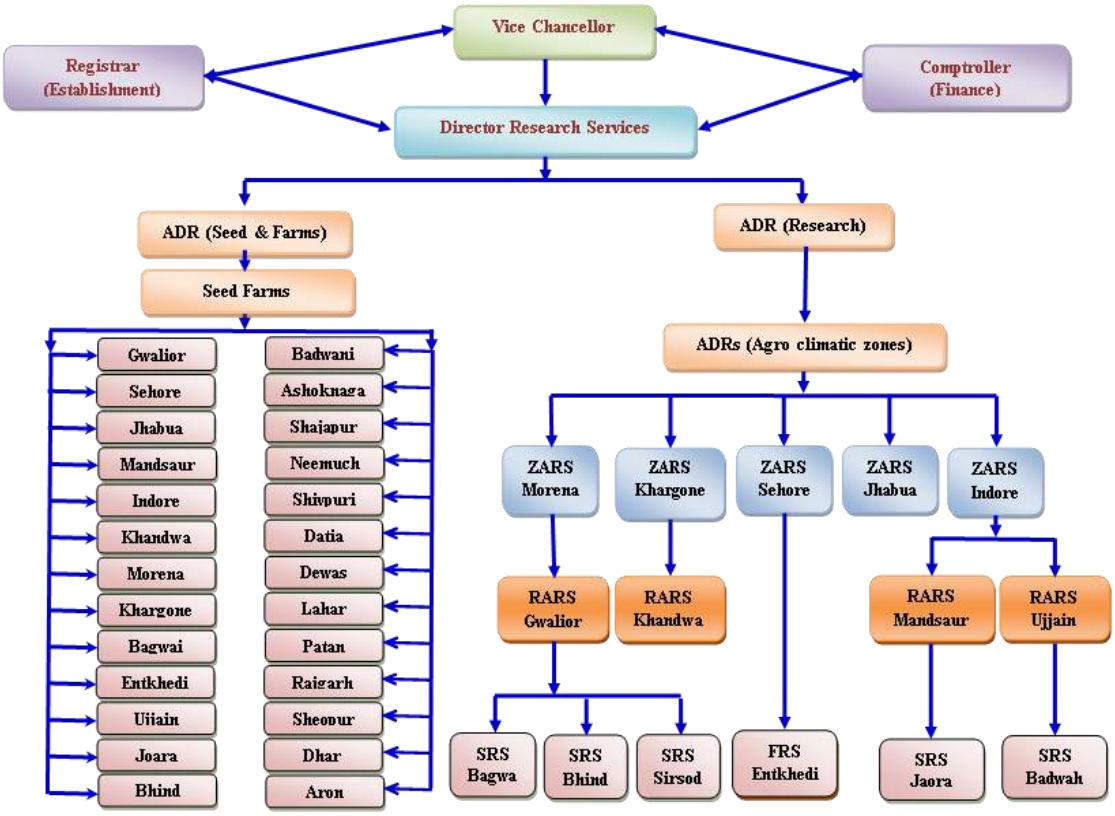

Present establishment of the Directorate of Research Services

S. No.	Name of Officer/ Employee	Designation/ Specialization	Contact Number, Email
1	Dr. M. P. Jain	Director Research Services	2970509 (O), +91-7999739619 (Mo.) Email:drsrvskvv@rediffmail.com
2	Dr. S.S. Tomar	Associate Director Research	2970508 (O), +91-9407589697 (Mo.) Email:sstomar61@rediffmail.com

3	Dr. H.P. Singh	Deputy Director Research (Ag.)	+91-9329751800 (Mo.) Email:hpmds@rediffmail.com
4	Dr. Girijesh Sharma	Scientist (Soil Science)	+ 91-9340699290 Email:girijesh_sharma@yahoo.com
5	Shri Dinesh Awasthi	Sr Technical officer	+91-9584709675
6	Dr. S. C. Srivastava	Technical Officer to DRS	+91-9424502755 (Mo.) Email: sharadrvskvv@gmail.com
7	Shri Parmesh Soni	Office Superintendent cum Accountant	+91-7024898888 Email:psonilhr@gmail.com
8	Mr. Gaurav Rajoria	Stenographer Grade III	+91-9691929893 Email: gauravrajnee@gamil.com
9	Mr. Purushottam Singh Sengar	P.S. to DRS/ Computer Operator	0751-2970509 (O), +91-9229573691 (Mo.) Email:purushottam_singh@rediffmail.com
10	Ms Megha Sharma	Assistant Grade III cum Steno typist	0751-2970508(O) 7047695436

6.6.3.3.	**Technology Developed and its Adoption:** Provide the list of approved technologies developed in last five years along with their adoption and coverage in the jurisdiction of the University.
	Annexure I
6.6.3.4.	**Research Publication:** Provide the list of research articles (NAAS ranking 5.00 or more) published in National and International Journals (only based on the work conducted in the University).
	Annexure II
6.6.3.5.	**Innovation and Best Practices:** What are the innovative efforts of the University that help in its excellence in research?
	Attached Annexure III
6.6.3.6.	**IPR Cell/ ITMU:** Whether the University is currently having functional Intellectual Property Right Cell in place. Mention the date of the meetings conducted by the Cell in last three years and what were the major recommendations. Is the University having Institute Technology Management Unit in place. Mention the date of the meetings conducted by the Unit in last three years and what were the major recommendations.
	Yet to be established
6.6.3.7.	**Central Instrumentation Unit:** Is there a Central Instrumentation Unit in place? What are the facilities available in the unit? : **No**
6.6.3.8.	**Global Support:** Global Support may assist Universities to organize and undertake activities outside of the Regions by providing a centralized location for administrative resources and a single point of contact for addressing related questions. Does the University maintains functional experts in a range of administrative areas to provide technical advice and guidance in the areas of exchange programmes, visa related issues, International MoUs, collaborative research etc.-List of MoU.
	• MoU of RVSKVV, Gwalior with **Research Institute for Organic Agriculture (FiBL), Ackerstrasse 113, Box 219, 5070 Frick, Switzerland** to work for "Collaborative, Teaching, Research and Extension Programme towards organic production". • MoU of RVSKVV, Gwalior with **International Crops Research Institute for the Semi-Arid Tropics (hereinafter referred to as "ICRISAT")** as "Partner Institution" for conducting the "multilocation testing of pigeonpea and chickpea".

6.6.4. EXTENSION SUPPORT

6.6.4.1. Extension Council: Present Composition of Extension Council-

S. No.	Name and Designation of Officers		
1.	Director Extension Services	:	**Chairman**
2.	Dean, Faculty of Agriculture	:	Member
3.	Director Research Services	:	Member
4.	Director Instructions and Student Welfare	:	Member
5.	Representative of Dean, College of Agriculture, Gwalior	:	Member
6.	Dean, College of Agriculture, Khandwa	:	Member
7.	Professor & Head, Department of Agricultural Extension and Communication, RVSKVV, Gwalior	:	Member
8.	Professor & Head, KVK Ujjain	:	Member
9.	Professor & Head, KVK Dhar	:	Member
10.	Joint Director Extension Services	:	**Member Secretary**

Date of Extension Council Meeting

Year	Date of Meeting
2016	Meeting of Extension Council was not organised
2017	
2018	
2019	25.11.2019
2020	15.12.2020

6.6.4.2: Directorate of Extension Services: Directorate of Extension Services has been established in August 2008 with the inception of the university. The Directorate has a key role in dissemination of latest agricultural and allied technologies in the jurisdiction of the university through a well-established network of KVKs. The Directorate is constantly affianced in dissemination of technologies emanating from research programmes of Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishwa Vidyalaya and other leading agricultural institutions of the country and abroad for the welfare of farming community through well trained extension scientists to minimize the existing technological gaps for enhancing productivity, profitability and sustainability of agricultural production systems and living standard of rural people.

The Directorate of Extension Services has been giving technical guidance to 27 Krishi Vigyan Kendras (KVKs) which come under the jurisdiction of RVSKVV, Gwalior that has been established with the financial support of ICAR. Out of these, 22 are under the direct

administrative control of the Directorate of Extension Services and five under NGOs/ ICAR institute.

The Directorate is committed to serve the farmers through network of Krishi Vigyan Kendras, which play a vital role in dissemination and transfer of recent emanated research technologies in agriculture, horticulture, livestock production and allied fields. The KVKs are assessing the technological needs of the farmers of the districts and revalidating the technology for adoption through On Farm Testing. The KVKs are disseminating technologies and strengthening the farmers through Frontline Demonstrations, Training Programmes for Farmers and Farm Women, Extension functionaries and Vocational Training Courses for Rural Youth and other regular Extension Activities in selected villages of the concerned district. Thus, they contribute in minimizing the gap between prevailing farmers' yield and production potential in specific area.

MISSION

Directorate of Extension Services is committed to serve farmers through a well organized network of scientists covering six agro-climatic zones of the state. The Directorate is engaged in transfer of agricultural and allied technologies, directly to the farmers. It also offers capacity building programmes to state extension functionaries, who own the responsibility of transferring agro-based technologies to farmers. The motto of the university is to reach the unreached through its well built extension system in Madhya Pradesh. The main objectives are:

- Transfer of technology and their assessment, application, refinement and feedback for the researcher.
- Up gradation of knowledge and skill of extension functionaries as well as farming community.
- Development and dissemination of technology through print and electronic media for mass communication.
- Catering the needs of farming community through single window system.
- Linkage with line departments and NGOs.
- Reviewing the activities of KVKs and technological backstopping of KVK scientist and help in formulating action plan.
- Popularization of low draft improved agricultural implements.

ROLE OF THE DIRECTORATE

- Assessment, refinement and transfer of proven agricultural and allied technologies.

- Providing feedback to the research system.
- Upgradation of knowledge and skill of extension functionaries as well as farming community.
- Dissemination of technologies through print and electronic media for mass access.
- Catering farmers' need through single window system.
- Establishing linkages and convergence with line departments.
- Reviewing KVK activities and technological backstopping of KVK scientists.

MAJOR ACTIVITIES OF THE DIRECTORATE

- Planning, implementation & monitoring of KVK Activities.
- Training programmes for extension personnel.
- Organize extension activities viz; KisanMela, Exhibition etc and interface with line departments.
- Technical backstopping
- Diagnostic team visits
- Co-ordination & linkages with KVKs and other stakeholders.
- Publication of literature and farmers Networking through Kisan Mobile Advisory Services (KMAS)
- Farmer-scientist interaction

ORGANIZATIONAL STRUCTURE OF DES

The Directorate of Extension Services (DES) is headed by the Director Extension Services. It functions on the recommendations of the Scientific Advisory Committee (SAC), university Board of Management (BOM) and guidelines received from Indian Council of Agricultural Research (ICAR)/State Govt. The flow chart given below provides detail organizational set up of the DES.

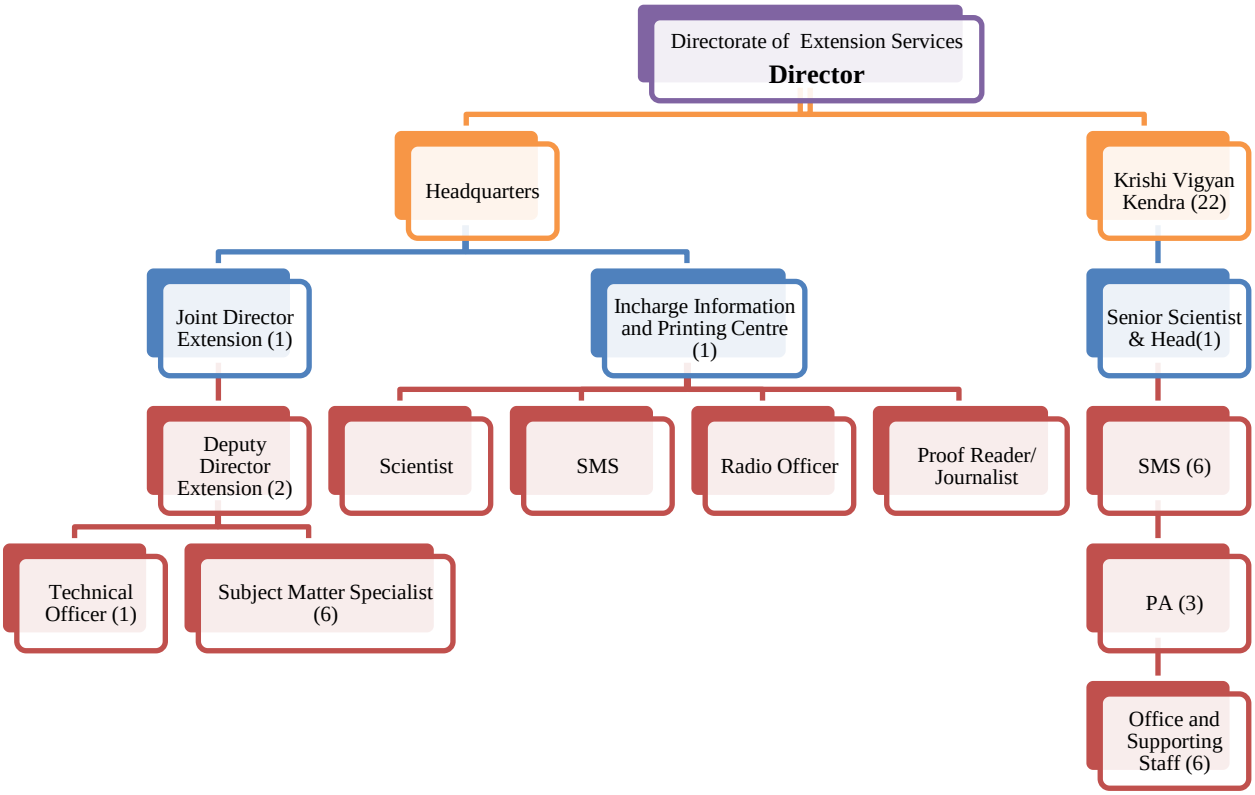

Present Establisjment of the Directorate of Extension Services

Designation	Posted	Remarks
Director Extenaion Services	01	-
Joint Director Extension Services	01	-
Deputy Director Extension Services	01	-
Subject Matter Specialists	05	Three SMS attached to various university units
Technical Officer	01	-
Subject Matter Specialists	01	Information and Printing Centre
Personal Secratary	01	Attached to DRS office
Programme Assstant	01	Information and Printing Centre, Attached to IPRO office
Stenographer Grade - III (Hindi)	02	-
Assistant Grade - III cum stenotypist	01	-
Assistant Grade - III	01	-
Driver cum Maechanic	02	-

Helper	02	Information and Printing Centre

KRISHI VIGYAN KENDRAS (KVKs)

Twenty-two Krishi Vigyan Kendras of RVSKVV are located at the districts of Agar-Malwa, Alirajpur, Ashok Nagar, Badwani, Bhind (Lahar), Datia, Dewas, Dhar, Manawar (Dhar-II), Guna (Aron), Gwalior, Jhabua, Khandwa, Khargone, Mandsaur, Morena, Neemuch, Rajgarh, Shajapur, Sheopur, Shivpuri and Ujjain. KVK Bhopal is working under administrative control of ICAR - CIAE and KVKs in districts Indore, Sehore, Ratlam and Burhanpur are working under the aegis of reputed NGOs, with technical backstopping of RVSKVV. Thus, at present a total of 27 KVKs are functioning under Directorate of Extension Services, RVSKVV, Gwalior. KVKs facilitate the process of assessment of technology through OFT, skill upgradation through training programmes, and technology dissemination through method and result demonstrations, KisanMelas, Seminars and mass campaigns etc.

AGRO-CLIMATIC ZONE WISE LOCATION OF KVKs

Agro-climatic Zone	Features	District / KVK's under the Zone
Gird Zone	Semi-arid climate, situated between 152-224msl, annual rainfall 566-977 mm and soils are Alluvial medium black, mixed red black and red yellow in colour.	Sheopur, Morena, Bhind, Gwalior, Shivpuri (Partial), Guna (Partial) and Ashok Nagar
Bundelkhand	High temperature, situated between 266-560msl, annual rainfall 750-1200mm with shallow clayey loam soil	Datia, Shivpuri (Partial)
Malwa Plateau	Semi-arid climate, situated between 450-675 msl , annual rainfall 800-1200mm, soil is medium to deep black (vertisol)	Neemuch, Mandsaur, Ujjain, Shajapur, Rajgarh, Dewas and Dhar (Partial), Manawar (Dhar II), Indore Ratlam and Agar-Malwa
Jhabua Hills	Undulated topography, situated between 450-700 msl, erratic rainfall (600-800mm) and shallow to medium skeletal gravely soil	Alirajpur, Jhabua and Dhar (Partial)
Nimar Valley	Hot and dry weather, situated between 450-700 msl, less annual rainfall (600-800mm),	Badwani, Khargone, Khandwa, Burhanpur

	soil is deep black clayey (vertisol)	
Vindhyan Plateau	Hot humid climate, undulated topography, situated between 350-600 msl, annual rainfall, 1000-1200mm and medium black soil.	Guna (Partial), Bhopal, Sehore

MANDATE OF KVKs

The major mandate of KVKs is the assessment, refinement and demonstration of technology/ products.

The major activities of KVKs are given below:

- Work as resource and knowledge centre of agricultural technologies for supporting initiatives of public, private and voluntary sector for improving the agricultural economy of the district.
- On farm testing for assessing the suitability of technology for various farming systems.
- Frontline demonstrations to establish production potentials of newly released technologies on farmers' fields and provide feedback.
- Training of farmers and farmwomen to upgrade their knowledge and skills in modern agricultural technologies and training of extension personnel to orient them in the frontier areas of technology development.
- Create awareness about frontier technologies through a number of extension activities *viz*: Farmer fair, Field day, Campaign, Ex-trainees meet, etc.
- KVKs are taking up the activities of producing quality seed and planting material for enhancing the productivity through increased seed replacement rate and use of quality planting material.

THRUST AREAS IDENTIFIED BY THE KVKs

- Enhancement crop productivity through, intensive vocational trainings of farmers, farm women and rural youth.
- Demonstrate and disseminate the integrated approach encompassing the feasible components of farming and related technologies targeting towards enhancing the farm family income.
- Crop diversification with suitable oilseed, pulse, fruit and vegetable cultivation.
- Testing of early maturing high yielding varieties of major crops on farmers' field.
- Awareness regarding different methods of water harvesting and conservation including construction of small water retention structures (Rain-Water harvesting)
- Soil fertility improvement for sustainable soil health.
- Integrated nutrient management in different crops.
- Popularization of resource conservation technologies.
- Post harvest value addition and entrepreneurship development for agricultural produce.
- Balanced feeding and reproduction of livestock and poultry.
- Clean milk production and processing of dairy products.
- Promotion of exotic and off-season cultivation of vegetables, medicinal and aromatic plants.
- Promotion of organic farming.
- Use of improved implements for drudgery reduction.
- Demonstrations of improved farm machinery among the farmers.
- Demonstrations on utilization of innovative traditional knowledge of the farmers.

KVKs IDENTIFIED AS CENTRE OF EXCELLENCE

S. No.	Name of KVKs	Specialization
1.	Agar -Malwa	Newly established KVK (2018)
2.	Alirajpur	Newly established KVK (2018)
3.	Aron (Guna)	Coriander Production Technology
4.	Ashok Nagar	Durum Wheat Production Technology
5.	Badwani	Chilli Production and Value addition of spices
6.	Datia	Natural Resource Management
7.	Dewas	Integrated Farming System
8.	Dhar	High tech vegetable cultivation

9.	Manawar (Dhar-II)	Newly established KVK (2019)
10.	Gwalior	• Hi tech Horticulture • Vermi-composting Technology
11.	Jhabua	Kadaknath rearing in Integrated Farming System
12.	Khandwa	Cotton Production Technology
13.	Khargone	Pomegranate & Watermelon Production Technology
14.	Lahar(Bhind)	Crop diversification
15.	Mandsaur	Seed spices
16.	Morena	• Apiculture • Conservation agriculture
17.	Neemuch	Garlic Processing Technology
18.	Rajgarh	Hi tech fruit nursery
19.	Shajapur	Mandarin Production Technology
20.	Sheopur	Management of soil & water resources & IFS
21.	Shivpuri	Mechanization in ground nut and Hi - tech tomato production
22.	Ujjain	Integrated Nutrient Management
23.	Bhopal	Farm mechanization
24.	Sehore	Integrated Farming System
25.	Ratlam	Dairy Management and Dairy Technology
26.	Indore	Organic Farming
27.	Burhanpur	Banana Production Technology

Extension Coordination Mechanism

A. Monitoring mechanism for Flagship programmes *viz*. KMA, NICRA, Tribal Sub Plan-Pulses, ARYA, Cluster Demonstrations, PPV&FRA, Skill Development, Seed hub, Mera Gaon Mera Gaurav:

- Directorate of Extension regularly monitors through Field visits, Review Meetings, Progress reports & SAC Meetings
- Progress is also reviewed by ICAR/ Officials from Ministry of Agriculture, Govt. of India, Hon'ble Vice-Chancellor through visits and meetings.
- Review and monitoring is done through checklist of various activities

- For monitoring of cluster demonstrations, monitoring teams involving Principal Scientist from concerned Colleges/Research Centers and Officials from Directorate are constituted.
- Seed Hub programme is monitored by a university level committee headed by Director Farm with the nodal officer. The programme is also monitored by IIPR Kanpur as Nodal Agency appointed by ICAR for Seed hub.

B. Monitoring mechanism for ARYA Project

ARYA Project is monitored as per the monitoring mechanism set by the ICAR in which zonal and district level committees are constituted involving all stakeholder for effective implementation of this flagship project.

C. Monitoring mechanism for TSP /Aspirational Districts

- ❑ Comptroller, RVSKVV, Gwalior directly monitors the progress as per specifications of Ministry of Finance in coordination with Directorate of Extension.
- ❑ The ATARI, Zone VII, Jabalpur also monitors these programmes.
- ❑ Overall Monitoring is done in supervision and Guidance of Hon'ble Vice Chancellor.
- ❑ Monitoring committee for Aspirational District programme is constituted at Directorate level

D. Financial monitoring mechanism for monthly expenditure statement

- ❑ Monthly monitoring mechanism is supervised by the Comptroller in close coordination with DES.
- ❑ The KVKs submit their actual expenditure on monthly basis.
- ❑ The online reporting process through IUMS is in progress.

E. Process of Authentication for publications of KVKs

- ❑ To maintain the quality, draft of Technical Booklets/ Bulletins/ Books etc. submitted to the DES has been referred to the experts through PME cell of the university and after incorporation of their suggestions the publication is authenticated by allotting the Accession number from DES.
- ❑ Leaflets/ Pamphlets/ Folders etc. are published after scrutiny by the concerned Dean of the college and experts nominated by PME cell.

F. Finalization of KMA Content

The contents for KMA are prepared by Scientists/SMS and programme coordinators based on the Recommendations of the Universities/ICAR institutes as per the requirements of prevailing agriculture situations in district and are finalized in consultation with the concerned Head of the Departments and Dean of the college and if required, University level experts nominated by DRS/DES are also consulted before sending SMS to the farmers under KMA.

6.6.4.3 Extension Planning and Technological Impact: Directorate of Extension Services organize annual review meetings every year to monitor the proposed AAP (Annual Action Plan) by its KVKs for making the programme more realistic and effective in resolving the issues of farming community of that particular district. The KVKs formulate their AAP every year based on participatory rural appraisal (PRA) surveys of their adopted villages. The AAP includes newer farming technologies developed and approved for a particular agro climatic zone. The KVKs are directed to organize OFTs (On Farm Testing) for assessment and refinement of technologies released from research stations for a particular agro ecological situation. The assessed and refined technologies are then taken up for conduction of FLDs (Front Line Demonstrations) for show casing the impact of technologies to farmers and extension functionaries trough organizing Field Days on the demonstration sites. KVKs are also advised to organize various training programmes including in service, farmers and vocational ones. Following technologies were popularized and adopted on larger scale in the districts of RVSKVV jurisdiction.

1. **Kadaknath Poultry Farming:** An Indian poultry breed, *Kadaknath* is native to Jhabua district of Madhya Pradesh. *Kadaknath* is famous for its black meat which is known for its meat quality, texture and flavor. The demand of Kadaknath bird is increasing day by day due to its excellent medicinal properties, high *protein* (21-24%) and low *fat content* (1.96-2.6 %). The Meat contains several essential amino acids, vitamins and minerals but due to high demand, slow growth, backyard rearing and higher mortality rate, it had started to extinct in Jhabua. The Directorate of Extension and Research services jointly made efforts during last five years for its scientific rearing and expansion of its farming in other nontraditional districts of Madhya Pradesh. These efforts have resulted in sizable expansion of its rearing by the farmers and un employed youths. A total of 2054 Kadaknaath Poultry Farming units have been established in 436 villages of Madhya Pradesh. In addition to this, it is rapidly spreading in other states like Chhattisgarh, Rajasthan, Maharastra, Punjab and Haryana.
2. **Apiculture:** Beekeeping is promoted in district Morena and other parts of M.P. in different cropping systems for exploring the pollination potential and production of honey and other bee by-products like wax, propollis, pollen etc. Honey bee contributes about 80% in pollination among the insect pollinators. The farmers get an extra income of Rs 6000 -8000/hive/ year through honey production. The technology has

been spread in more than 105 villages of district Morena where approximately 5600 farmers are actively maintaining 75000 bee colonies. An Integrated Bee Development Centre (IBDC) has been established at KVK Morena with financial support from National Bee Board functioning under Ministry of Agriculture and Cooperation, Govt. of India for promotion and entrepreneurship development through Bee keeping.

3. **Broad Bed and Furrow (BBF) Planting in Soybean:** Creation of furrows after every four/five rows help in conserving *in-situ* moisture and proper drainage of access water in medium to deep black soil. The higher availability of water to the crops results in increase in yield by 33.8 % and higher moisture in the soil at harvest in 15-30 cm soil depth. The BBF has horizontally spread in 74000 ha area of 378 villages of Madhya Pradesh.
4. **Balance animal feeding:** Balance feeding using locally available feeding ingredients viz. Pearl millet 18%,Wheat-20%, mustard oil cake-32%, Chana-Chuni-14%, Arhar chuni-12%, mineral and vitamin mixture-1%, salt-2% and limestone powder-1%. The feed is prepared to give 68-72% TDN and 14-16% DCP to dairy animals. Mineral and vitamin mixture are added to take to take care of dietary requirements and to reduce the incidences of anoestrus due to mineral deficiencies. More than three fourth of the farmers have adopted balanced feeding of dairy animals which has increased 9-12 per cent of milk yield.
5. **Area expansion in pigeon pea short duration variety ICPL 88039 and Pusa 992 (145-150 Days):** Long duration Pigeon pea variety which is severely affected by frost and hailstorm has been replaced with introduction of improved short duration variety of Pigeon pea ICPL-88039 with yield potential of 24.5 q/ha with no chances of losses due to frost and hailstorm. The area of pigeon pea has increased from 3000 ha to 21000 ha in district Morena after this intervention.
6. **Temperature tolerant variety RVW 4106 :** This variety was released from RVSKVV, Gwalior during 2012 tolerant to high temperature (above 30 ^{0}C) during reproductive phase of crop and 50 q/ha yield potential. The variety spread in 3.26 lac ha in the state of M.P. after KVK intervention.
7. **Short duration Chick Pea variety RVG 202** This variety was released from RVSKVV, Gwalior during 2014 with wilt & dry root rot resistance and also suitable for late sown conditions. The yield potential of the variety is 18-20 q/ha. The variety spread in 1.25 lac ha in the state of M.P. after KVK intervention.
8. **Nutritional literacy and security through Nutri Smart Village** The nutritional gardens have been established by the KVKs in 54 villages of all districts under the University's jurisdiction to improve nutritional literacy and security by adopting the concept of Nutri Smart Village with most malnourished population. These nutritional gardens provide nutritional security to the farmers and farm women by using backyard or unused area of rural household. They also provide healthy and pesticide free vegetables for the family round the year and contribute in family's income by selling of extra produce from nutrition garden.
9. **Azolla as a supplementary Animal feed:** Azolla's composition makes it one of the most economic and efficient feed substitutes for livestock and poultry, particularly as can be easily digested by livestock due to its high protein and low lignin content. Poultry chickens can be raised on a diet including fresh Azolla. It has high content in

proteins, essential amino acids, vitamins (vitamin A, vitamin B12, Beta Carotene), growth promoter intermediaries and minerals. It displays high rate of growth in water with natural ecological systems. Cultivating Azolla for livestock feed and its profitability when used as a livestock feed as protein source. Farmers which are using Azolla for their livestock as feed are satisfied with this new intervention as this reduces feed cost Rs 16.5/day/cow with increase milk yield 10-15% additional net return of Rs28.5/day/cow. Again after 4-5 days farmer can harvest 12 kg azolla per pit. In one lactation of cow Rs 4620 is saved from concentrate feed cost and Rs 7980 is additional income per cow . Total profit per cow by using azolla as a source of protein is Rs 12600, as a result majority of the livestock farmers are willing to start azolla production**.** The azolla technology has been spread in 402 villages where 1436 units were established under V.V jurisdiction.

10. **Ridge and furrow cultivation in soybean growing districts:** Ridge and furrow method of sowing is conserving *in-situ* moisture and proper drainage of access water in medium to deep black soil. The higher availability of water to the crops resulting in increase in yield by 35-40 % in erratic rainfall conditions. The Ridge and furrow technology became a very common practice among farmers of soybean growing districts.
11. **Mushroom Production Technology:** Mushroom production is an enterprise with low initial investment to improve the income of farmers and also for creation of employment in rural youth. It provides high economic return along with guarantee for improving protein and Vitamin D deficiency. The mushroom cultivation is rapidly gaining popularity in all districts of V.V. jurisdiction specially in districts like Gwalior Morena, Datia, Shivpuri and Bhind.

Other prominent technologies gaining popularity in V.V. Jurisdiction are

- Vermi compost Production
- Plastic mulching in vegetable production
- De-worming of calves
- Balanced use of fertilizer through STV based fertilizer application

6.6.4.4 Implementation of National Initiatives:

1. Rural Agricultural Work Experience (RAWE): The University has identified 09 KVKs for conduction of Rural Agricultural/ Horticultural Work Experience (RAWE/RHWE) under its student READY programme. The identified batches of final year Under Graduate students (Boys and Girls) are being placed in nearby villages of KVKs under the technical guidance of KVK scientists. The students placed under this programme directly work with the farmers and conduct agricultural practices in practical manner and conduct other important surveys as per RAWE course manual. During last five years, a total of 611 students have been placed under RAWE programme through KVKs.

2. **Farmers FIRST Project:** The Farmers FIRST as a concept of ICAR is developed as farmer in a centric role for research problem identification, prioritization and conduct of experiments and its management in farmers' conditions. The focus is on farmer's Farm, Innovations, Resources, Science and Technology (FIRST). Two terms 'enriching knowledge' and 'integrating technology' qualify the meaning of Farmer FIRST in Indian context. Enriching knowledge signifies the need for the research system as well as farmers to learn from each other in context of existing farm environment, perception of each other and interactions with the sub-systems established around. Technology integration is looked from the perspective that the scientific outputs coming out from the research institutions, many times do not fit as such in the farmers' conditions and thus, certain alterations and adaptations are required at field level for their acceptance, adoption and success. 'Farmer FIRST' programme aims at enhancing farmer-scientist interface for technology development and application. It will be achieved with focus on innovations, technology, feedback, multiple stakeholder's participation, multiple realities, multi method approaches, vulnerability and livelihood interventions.

The Farmers' FIRST Project is being implemented in RVSKVV since2016-17 in ZARS/KVK, Morena.

3. Mera Gaon Mera Gaurav (MGMG): The programme is being implemented by the University through its five constituent colleges *i.e.* College of Agriculture, Gwalior, Indore, Sehore, Khandwa and College of Horticulture, Mandsaur and three ZARS *viz;* Jhabua, Khargore and Morena. The V.V. units are organizing regular extension activities under MGMG in their identified villages through 41 teams of 159 scientists since 2015-16.

4. National Innovations on Climate Resilient Agriculture (NICRA): National Innovations on Climate Resilient Agriculture (NICRA) is a network project of the Indian Council of Agricultural Research (ICAR) launched in February, 2011. The project aims to enhance resilience of Indian agriculture to climate change and climate vulnerability through strategic research and technology demonstration. The research is on adaptation and mitigation covers crops, livestock, fisheries and natural resource management. The project consists of four components *viz*. Strategic Research, Technology Demonstration, Capacity Building and Sponsored/Competitive Grants.The project was formally launched by the Hon'ble Union Minister for Agriculture & Food Processing Industries Shri Sharad Pawarji on 2nd February 2011.

NICRA is being implemented by five KVKs under RVSKVV, Gwalior since 2011. Three KVKs namely Datia, Guna and Morena have implemented the project with its inception in 2011 whereas two more KVKs i.e. Jhabua and Ratlam were included in NICRA during 2015-16. KVK Datia was awarded as Best NICRA KVK twice during 2014 and 2019 for outstanding work in water conservation under technology demonstration component.

5. Attracting and Retaining Youth in Agriculture (ARYA): In order to create interest and confidence among rural youth in agriculture, there is need to make agriculture more profitable. Retaining youth in agriculture and making agriculture more profitable are thus, big challenges. There is a continuous increase in migration of rural youth to urban areas. On the other hand, small holdings are on the rise which posses challenge to food security for increasing population. Thus, it was felt to bring a comprehensive model for the development of rural youth in general and agricultural youth in particular. Thus, realizing the importance of rural youth in agricultural development especially from the point of view of food security of the country, ICAR has initiated a programme on "Attracting and Retaining of Youth in Agriculture (ARYA)" with following objectives;

1. To attract and empower the Youth in Rural Areas to take up various Agriculture, allied and service sector enterprises for sustainable income and gainful employment in selected districts.
2. To enable the Farm Youth to establish network groups to take up resource and capital intensive activities like processing, value addition and marketing.
3. To demonstrate functional linkage with different institutions and stakeholders for convergence of opportunities available under various schemes/program for sustainable development of youth.

KVK, Gwalior was selected for implementing ARYA project during 2016-1 in first phase and currently five KVKs under RVSKVV are implementing this project.

6. Cluster Front Line Demonstrations (CFLD) on Oilseed and Pulses

A. Pulses

Indian government imports large quantity of pulses to fulfill domestic requirement of pulses. In this regard, to sustain this production and consumption system, the Department of Agriculture, Cooperation and Farmers Welfare has sanctioned the project "Cluster Frontline Demonstrations on pulses from 2015-16'' to ICAR-ATARI, Jabalpur through National Food Security Mission. The basic strategy of the Mission is to promote and extend improved technologies, *i.e.,* seed, micro-nutrients, soil amendments, integrated pest management, farm machinery and implements, irrigation devices along with capacity building of farmers. This project was implemented by all KVKs under RVSKVV, Gwalior with main objective to boost the production and productivity of pulses through CFLDs with latest and specific technologies

B. Oilseed

Oil seed crops have ecological conditions in India, resulted in the production of 7.87 m tonnes of seed mustard in 2013-2014 and our productivity is 10.9kg/ha. It is now widely accepted fact that training to farmers and farm women increases the technical knowledge regarding package of practices. KVKs are playing a vital role across the rural economy in

distinguish field as animal husbandry, horticulture, plant protection and food processing. India is an important rape seed mustard growing country in the world, occupying largest area and has second position in production after China.

7. **Seed Hub Project:** The Government of India has launched Seed Hub Project during 2016-17 to promote indigenous production of pulses in India by creating 150 Seed Hubs in KVKs across the country. ICAR-IIPR, Kanpur is the nodal agency at National level. Four KVKs namely Datia, Dewas, Morena and Ujjain have been selected for implementation of Seed Hub project among KVKs under RVSKVV, Gwalior. Major crop like Black gram, Green gram, Pigeon pea, chick pea and fields pea are being taken up for seed production under the seed hub project.

8. Swatch Bharat Abhiyan: Swachchta Diwas and activities on keeping India clean are being regularly organized in all KrishiVigyan Kendras under 'Swachcha Bharat Abhiyan' in which farmers and farm women are conveyed the message of cleanliness through various lectures, performances and presentations.

9. International Soil Health Day: Krishi Vigyan Kendras celebrate International Soil Day regularly on 5th December, by organizing Kisan Sammelans and distributing Soil Health Cards to the farmers.

10. Jal Shakti Abhiyan: All the KVKs under RVSKVV, Gwalior organized Jal Shakti Abhiyan Mela at different blocks of the districts during 2019. The farmers and other stakeholders were motivated and made aware about proper water conservation strategies and use.

6.6.4.5 Innovation and Best Practices/Initiatives:

A. Initiatives of Directorate of Extension Services

1. Information and Printing Centre: This sub unit of DES has been established in the premises of the directorate during 2008 with the inception of university. Since then, the centre is engaged in regular publication of farmers' friendly literature, V.V. diary, calendar and other important publications as per need.

2. Agriculture Technology Information Centre (ATIC): The construction work of ATIC building has been completed and it is being furnished with cutting edge technological display and mechanisms of information delivery for the farmers and other stakeholders as a single window system.

3. Agricultural Technology Museum: The construction work of Agricultural Technology Museum building is already completed and the process of furnishing it is in process and the museum will be functioning soon.

4. Establishment of RVSABIC: During current financial year, the Directorate of Extension Services has got a project from NABARD for the establishment of Rajmata Vijayaraje Scindia Agri-business Incubation Centre (RVSABIC) to promote entrepreneurship in the field of agriculture.

5. Directorate of Extension Services Initiated "*Raj Vijay Fulwari*"- Directorate of Extension Services, RVSKVV, Gwalior (M.P.) has been regularly organizing "Raj Vijay Fulwari" at the University headquarters Gwalior during the month of January-February since last three years. This three-day exhibition cum sangosthi is providing a splendid display of exhibits of quality fruits, vegetables, variety of flowers and preserved fruit items. The exhibition is being recognized and visited by well-known personalities like Ministers, Vice-chancellors, Directors, Scientists, Entrepreneurs, achiever farmers and horticulture lovers since last three years.

The three days long exhibition is getting an overwhelming response of the exhibitors from 27 districts under RVSKVV, Gwalior and KVKs, academic institutions, industries, entrepreneurs and farmers from Gwalior and nearby districts. The participants get registered with their exhibits under various categories and are being awarded after proper evaluation by the expert panel.

6. Western Region Agricultural Fair (*Krishi Vijay* - 2020)

Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishwa Vidyalaya, Gwalior (M.P.) organized Western Region Agriculture Fair (Krishi Vijay-2020) at College of Agriculture Campus, Gwalior during **January 28-30, 2020** in collaboration with Directorate of Extension, Department of Agriculture, Cooperation & Farmers Welfare, Ministry of Agriculture Cooperation & Farmers Welfare, Government of India, New Delhi. The theme of the fair was Farmers' Empowerment through Agri-preneurial Ventures. The farmers' fair was inaugurated by Sh. Sachin Yadav, Hon'ble Minister, Department of Farmers Welfare and Agriculture Development, Govt. of Madhya Pradesh and Mr. Lakhan Singh Yadav, Hon'ble Minister, Department of Animal Husbandry, Govt. of Madhya Pradesh in gracious presence of Prof. S. K. Rao, Hon'ble Vice Chancellor, RVSKVV, Gwalior.

Sh. M. B. Ojha, Commissioner, Gwalior division and Prof. S. K. Rao, Hon'ble Vice Chancellor, RVSKVV, Gwalior were present as Chief guests during valedictory ceremony of the 03-days long grand farmers' event. Hon'ble Vice Chancellor acquainted the guests about the overwhelming response of the exhibitors from across the country.

More than 3600 farmers and agriculture professionals from western region states i.e. Madhya Pradesh, Rajasthan, Gujarat, Maharashtra, Chhattisgarh participated in the fair. The fair exhibit more than 100 stalls showcasing latest agricultural technologies from

various public and private sector organizations, NGOs, FPOs, SHGs, KVKs, Progressive framers etc. for updating the stakeholders of agriculture on most recent advancements.
The fair focused on latest technological attractions like IFS models, food processing and value addition, entrepreneurial ventures in agriculture and allied areas, crop diversification, water management technologies, Nutri-sensitive agriculture, climate resilient technologies, organic-*Paramparagat* farming, Hi-tech horticultural technologies, IPM, INM, Medicinal and Aromatic Plants and advancement in seed technology etc. Enough space was provided for sale counters of seed, planting materials, Bio-fertilizers and Bio-pesticides etc. Furthermore, a regular *Krishak Sangosthi* was organized on relevant subjects for the farmers with reputed experts in five sessions during the fair. The fair was a grand success.

7. National Webinar on Rehabilitation of Non-agriculture Migrant Labourers due to COVID -19 Pandemic: Challenges and Opportunities:

Directorate of Extension Services organised a National Webinar on Rehabilitation of Non-agriculture Migrant Labourers due to COVID-19 Pandemic: Challenges and Opportunities during June 19, 2020. A total number of six technical sessions were held during the webinar covering entire theme thoroughly. The experienced panel of the webinar includes, Prof. S. K. Rao, Vice Chancellor, RVSKVV Gwalior, Prof. Vijay Singh Tomar, Former Vice Chancellor and Board member, RVSKVV, Gwalior, Prof. P. K. Bisen, Vice Chancellor, JNKVV, Jabalpur, Dr Anupam Mishra, Director ICAR-ATARI Zone IX, Jabalpur, Dr. Yogesh Dwivedi, CEO FPO Federation Madhya Pradesh, Bhopal and Mr Sanjeev Raman, AGM, NABARD, Gwalior. The problems, suggestions and feedback of the migrant labourers, farmers and KVK scientists were also collected during live sessions of the webinar. About 1000 participants got registered for the webinar through online mode and gave their input on subject through You Tube live chat.

8. Raj Vijay Kitchen Garden Kit: The Directorate has launched a vegetable seed mini kit with the name of Raj Vijay Kitchen Garden Kit for promoting nutritional security among stakeholders. A large scale production of vegetable seed is being done for providing these mini kits to a larger number of clients.

9. *Raj Vijay Krishi Sandesh* (Weekly Online Programme): The Directorate has recently initiated a weekly online technical advisory programme for farmers, extension workers. Under this programme, one expert directly interacts with the farmers, extension workers on a topic of current importance/need through an online platform every week.

10. Review Workshop and Capacity Building programmes: Capacity building/ HRD programmes and workshops/ review workshops are regularly being organized for KVK scientists and extension workers from district line departments by the Directorate of Extension Services.

B. Initiatives of KVKs

1. **Kisan Mobile Advisory Services:** Kisan Mobile Advisory (KMA) is the easiest ICT tool working successfully for dissemination of latest information to the farmers and farm women since last eight years. This is a unique programme for making linkages between different stakeholders who are key players for making agriculture more productive. During the year 2019, a total of 1519 farm advisory were issued by the KVKs from which 1043704 beneficiaries directly benefited. In addition to this, KVKs also provided audio, video and photo based advisories to more than 45000 farmers and extension workers through WhatsApp.

Year wise Advisories and Beneficiaries KMA

Year	Number of Advisories	Number of Beneficiaries
2015-16	2248	560470
2016-17	1126	585766
2017-18	1409	1063722
2018-19	1291	1352832
2019-20	1519	1043704

2. **Identification of exposure visit spots**
3. **Rural Library**
4. **Input Dealer Meet**
5. **Transfer of technology through Whatsapp**
6. **Custom Hiring Centre**
7. **Agro-technological park and eco-tourism centre**
8. **Conducting online training and other activities in COVID pandemic situation**
9. **Production and supply of technological inputs**
10. **Publication of KVK News Letter**

6.6.4.6 Consultancy/Certification /Testing: The KVKs are continuously engaged in generating financial resources through commercial production of various inputs like seed, planting material, vermin-compost, poultry chicks, fish seed, value added products of fruits and vegetables etc. The KVK/DES scientists are also exploring the possibilities of resource generation through consultancy, certification and testing.

S. No.	Total Revenue generated (A)	Amount in Rs. Crores
	Consultancies	-
	Certification	-
	Testing	-
	Tuition fee	-
	Licensing	-
	Training	-

	Sale of inputs	-
	Commercialization of technologies	-
	Increase in Revolving Fund of KVKs through Miscellaneous sources	**1.145**
	Total (A)	

6.6.5. FACULTY AND STAFF DEVELOPMENT

6.6.5.1. Recruitment and Promotional Avenue:

The detailed recruitment procedure for faculty, technical, supporting and administrative staff:

1. The list of the vacant positions for faculty, technical, supporting and administrative staff of the university is prepared by the registrar office. The vacant positions are determined as per the sanctioned posts in University headquarter, college, KVKs, AICRP, Research projects (plan and non plan).
2. The list is then sent to state Government through Principal Secretary, Department of farmers' welfare and agricultural development, Bhopal for its approval and permission.
3. Once the approval is received from the state government, the posts are categorized as per the roaster process and guidelines of state government.
4. The qualification, eligibility proforma, score card based on ICAR, UGC, state government guidelines depending upon the posts are prepared by the competent committee.
5. The compiled list and the proforma are then submitted for its approval from academic council and board of management.
6. After the approval from the competent authority, the wide spread publicity for the filling of these posts are given through VV website, national news papers and application are invited.
7. After the last date of receiving application, the list of the eligible candidates is prepared by a competent committee inclusive of directors, head of the departments, external experts based on the essential and desirable qualifications and other criteria's.
8. A committee of the external experts (other than university) is then invited to final scrutiny and ranking based on the criteria laid in proforma.
9. The eligible and meritorious candidates are then invited for attending the interview before the selection board. The board is represented by external experts, board nominee, state nominee, ICAR nominee, Governor Nominee, registrar and representative of department of farmers' welfare and Agricultural Development, Bhopal.
10. Finally, the appointments letters are issued by the Registrar, RVSKVV and recruitment process is completed.

Recruitment of supporting and administrative staff:

Recently for the recruitment of supporting and administrative staff, the whole process was outsourced and the professional education board (PEB) Vyapam Madhya Pradesh was asked to get selected steno typist/computer database operator as per the vacancy in the RVSKVV. The exam was conducted by the PEB and the list of selected candidates based on their rank was provided to VV for further processing. Accordingly, the candidates are given offer letters from the RVSKVV and recruitment process is completed and they are posted during 2019-20 in the RVSKVV. (List and other relevant documents are attached)

Career advancement procedure

Similarly, career advancement procedure and its implementation for all categories shall be given.

For CAS, notification is issued by the Registrar for receiving the applications in the prescribed proforma for each round of CAS from the eligible Assistant Professor/Scientist/Subject Matter Specialist and Associate Professor/Senior Scientist who fulfill the requisite years of service in the particular stage/cadre and other eligibility criteria up to a particular date for up-gradation to the next higher grade. The screening process including eligibility, score card and ranking is completed by the external experts and further up-gradation to next stage is carried out through interview process wherever required (from garde pay 8000 to 9000 and 9000 to 10000). After getting the approval, the orders are issued on the recommendations of the Selection Committee, constituted under the provisions of section 5, 3 (B) (i) of the R.V.S.K.V.V., Statute 2014 and approval of Hon'ble Vice Chancellor, for upgradation on next higher scale under Career Advancement Scheme (for 15th Round of C.A.S.) for Teachers under the Faculty of Agriculture of the Vishwa Vidyalaya, for the Assistant Professors/Scientists are found eligible for upgradation from different Stages 2 to Stage 3 i.e. with a rise of A.G.P. from Rs. 7000- to Rs. 8000, from 8000 to 9000, from 9000 to 10000/- (with effect from the date of eligibility. RVSKVV has completed the CAS for 16th round recently.

OFFICE OF THE REGISTRAR
RAJMATA VIJAYARAJE SCINDIA KRISHI VISHWA VIDYALAYA
GWALIOR (M.P.) 474002

D.L. Kori
Registrar

Ph:- 0751-2970519 (O) 0751-2970522 (Fax)
E-mail- registrar.rvskvv09@gmail.com

No./Reg./Estt.1/16th CAS/2019/1301 Dated: 28.05.2019

//NOTIFICATION//

Applications are invited on the prescribed proforma from the Assistant Professor/Scientist/Subject Matter Specialist and Associate Professor/Senior Scientist (in duplicate), who fulfill the requisite years of service in the particular stage/cadre and other eligibility criteria up to **31.05.2019** for up-gradation to the next higher grade. Those who have not been upgraded in previous 15th round of CAS shall apply afresh. The applications complete in all respect duly verified and forwarded by the controlling officer along with option for discipline on the prescribed proforma (the specimen copy enclosed along with list of disciplines) must reach in the office of the Registrar, RVSKVV, Raja Pancham Singh Marg, Gwalior-474002 (M.P.) **through proper channel** latest by **31.07.2019 up to 05:30 p.m.** positively. If at any time it is noticed/found that the information supplied or entries made in the proforma is not correct, incomplete or in contradiction, the upgradation shall be liable to be summarily terminated/or shall be subject to disciplinary action. The applications received after **31.07.2019** will not be considered.

Enclosure: Form of option for disciplines, Proforma-I,
Declaration, Vigilance Clearance Certificate
& Annexure-I

FORM OF OPTION FOR DISCIPLINES

I, ... (Name of the Teacher)

..... (Designation) .....

(Place of posting) is submitting an application in response to notification No. Reg./Estt.1/16th CAS/2019/..... dated ..... for assessment for:

- Placement as Assistant Professor (A.G.P. Rs. 7000/-)
- Placement as Assistant Professor (A.G.P. Rs. 8000/-)
- Placement as Associate Professor (A.G.P. Rs. 9000/-)
- Placement as Professor (A.G.P. Rs. 10000/-)

(Strike off which are not applicable)

2. In accordance with the decision notified vide notification No. Reg./Estt.1/16th CAS/2019/.....dated....., I, ... (name of the teacher) hereby opt that my candidature for the above placement/upgradation may be considered in the Discipline as shown hereunder:

S.No.	Name of the Discipline

RAJMATA VIJAYARAJE SCINDIA KRISHI VISHWA VIDYALAYA, GWALIOR

No./Reg./Estt.I/CAS-15th Round/2019/**1299** Dated: 28.05.2019

ORDER

On the recommendations of the Selection Committee, constituted under the provisions of section 5, 3 (B) (i) of the R.V.S.K.V.V., Statute 2014 and approval of Hon'ble Vice Chancellor, for upgradation on next higher scale under Career Advancement Scheme (for 15th Round of C.A.S.) for Teachers under the Faculty of Agriculture of the Vishwa Vidyalaya, the following Assistant Professors/Scientists are found eligible for upgradation from Stage 2 to Stage 3 i.e. with a rise of A.G.P. from Rs. 7000/- (Seven Thousand only) to Rs. 8000/- (Eight Thousand only) in the pay scale of Rs. 15600-39100 /- with effect from the date as shown in the column - 4 against each:-

FACULTY OF AGRICULTURE:-

S. No.	Name of the Incumbent	Place of Posting	Date of Eligibility
1	2	3	4
	Discipline - Horticulture		
1	Sh. Manoj Kumar Kureel	CoA, Khandwa	13.02.2017
	Discipline - Soil Science		
2	Dr. Yogendra Kumar	KVK, Khandwa	02.06.2016
	Discipline - Plant Breeding & Genetics		
3	Dr. Ravendra Singh Sikarwar	CoA, Gwalior	08.08.2017

The above upgradation is against the post held by the incumbent at entry point in service under Vishwa Vidyalaya, which is upgraded for the purpose. This upgradation of post shall be personal to the incumbent. The incumbent shall be eligible for withdrawal of the arrears as per V.V. rules.

RAJMATA VIJAYARAJE SCINDIA KRISHI VISHWA VIDYALAYA, GWALIOR

No./Reg./Estt.I/CAS-15th Round/2018/ 2475 Dated: 03/10/18

ORDER

On the recommendations of the Selection Committee, constituted under the provisions of section 5, 3 (A) (ix) of the R.V.S.K.V.V., Statute 2014 and approval of Board of Management, R.V.S.K.V.V., the following Assistant Professors in the pay scale of Rs. 15600-39100+AGP 8000/- are upgraded to the post of Associate Professor (**CAS**) in the pay scale of Rs. 37400-67000 + AGP 9000/- with effect from the date as shown in the column No. 4 against each under Career Advancement Scheme:

FACULTY OF AGRICULTURE:-

S. No.	Name of the Incumbent	Place of Posting	Date of Eligibility
1	2	3	4
	Discipline - Plant Pathology		
1.	Dr. R.P. Patel	COH, Mandsaur	23.12.2016
	Discipline - Botany & Plant Physiology		
2.	Dr. O.P. Singh	COH, Mandsaur	22.12.2016

The above upgradation is against the post held by the incumbent at entry point in service under Vishwa Vidyalaya, which is upgraded for the purpose. This upgradation of post shall be personal to the incumbent. The incumbent shall be eligible for withdrawal of the arrears as per V.V. rules.

By the order of Hon'ble Vice Chancellor

How many staff has been recruited directly at the higher positions in the last five years?

The recruitment process for the filing of the higher positions initiated in 2015 for the posts of Director Research services, Director Extension services, director instructions and head of the departments. Even the intervi ew and selection process was completed for these posts, but recruitment process could not be initiated for the want of its approval by the university Board of management and the whole process was withheld. Thus during last five years, none of the staff could be recruited directly at the higher positions.

However, recently advertisement for the staff to be recruited at higher positions directly has been made and applications have been invited. The scrutiny process is completed in October 2021 and call letters would be issued and interview would be conducted very shortly.

RAJMATA VIJAYARAJE SCINDIA KRISHI VISHWA VIDYALAYA, GWALIOR

Applications on

Advt. for the posts of Directors
Last date – 26.7.2021

POSTS OF UNIVERSITY

S. No.	DISCIPLINE	PAY SCALE	UR	ST	SC	OBC	EWS	Total
A.	DIRECTORS OF UNIVERSITY							
	DIRECTOR RESEARCH SERVICES							
1.	Any Discipline of Agriculture	PB – 37400-67000 GP-10000/-	01	--	--	--	--	01
	DIRECTOR EXTENSION SERVICES							
2.	Any Discipline of Agriculture	PB – 37400-67000 GP-10000/-	01	--	--	--	--	01
	DIRECTOR INSTRUCTION & STUDENT WELFARE							
	culture	PB – 37400-67000 GP-10000/-	01	--	--	--	--	01

ectors are filled on tenure basis for three year duration or till the date of retirement of dy employed, which is earlier. Tenure of selected applicant may be extended up to roval of board of university, but it will not be exceed the date of retirement of employee original post.

RAJMATA VIJAYARAJE SCINDIA KRISHI VISHWA VIDYALAYA, GWALIOR

Applications on prescribed format are invited for filling vacancies under RVSKVV

Advt. For the posts of Deans

Last date – 26.7.2021

COLLEGE OF AGRICULTUR

S. No.	DISCIPLINE	PAY SCALE	UR	ST	SC	OBC	EWS	Total
A	DEAN of Colleges* (Agriculture/Horticulture)							
01	Any Discipline of Agriculture	PB – 37400-67000 GP-10000/-	01	01	01	01	--	04

NOTE: 1. The roster is as per M.P. Govt. (amended by MP GAD Memo No. F-07-53/2019/आ.उ./एक, dated 04.01.2020).

2. There shall be reservation of 33% vacancies in posts in favour of women as per provisions of Madhya Pradesh Civil Services (Mahilaon Ki Niyukti Hetu Vishesh Upbandh) Rules, 1997 (amended by MP GAD Memo No. C 3-8/2015/3/1 dated 19.11.2015).

RAJMATA VIJAYARAJE SCINDIA KRISHI VISHWA VIDYALAYA, GWALIOR

Applications on prescribed format are invited for filling vacancies under, RVSKVV

POSTS OF UNIVERSITY

S. No.	DISCIPLINE	PAY SCALE	UR	ST	SC	OBC	EWS	Total
A	PROFESSOR AND HEAD OF THE DEPARTMENT							
1.	Agronomy	PB – 37400-67000 GP-10000/-	--	--	01	--	--	01
2.	Entomology		--	--	--	01	--	01
3.	Plant Pathology		--	01	--	--	--	01
4.	Genetics & Plant Breeding		01	--	--	--	--	01
5.	Agricultural Economics		--	--	01	--	--	01
6.	Statistics & Social Sciences		01	--	--	--	--	01
7.	Agricultural Extension & Communication		--	--	--	01	--	01
8.	Agricultural Engineering		--	01	--	--	--	01
9.	Soil Science & Agril. Chemistry		--	--	--	--	01	01
10.	Plant Biotechnology		01	--	--	--	--	01
11.	Environmental Science							
1.	Any Discipline of Agriculture	PB – 37400-67000 GP-10000/-	--	--	--	01	--	01
C	VISHWA-VIDYALAYA LIBRARIAN							
1.	Library Science/Information Science	PB – 37400-67000 GP-10000/-	01	--	--	--	--	01

Advt. For the posts of 11 HoDs, Librarian

Last date – 26.7.2021

RAJMATA VIJAYARAJE SCINDIA KRISHI VISHWA VIDYALAYA,
Race Course Road, Opp. Mela Ground, Gwalior - 474002 (M.P.)

No. IPRO/Advt. No. 12th/2015/Reg./2968 Dated: 18.12.2015

ADVERTISEMENT

Applications are invited for filling up the vacancies of different post of University Head Quarter, College of Agriculture and K.N.K. College of Horticulture, Mandsaur under University. Format of blank application form with guidelines for filling up application form and details of vacancies, qualifications, other conditions for applicants etc. are available on the website *www.rvskvv.net* and can be downloaded and used. Applications along with D.D. of Rs. 600/- (for General/OBC candidates) and Rs. 300/- (for SC/ST candidates) in favour of **Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishwa Vidyalaya, Gwalior**, payable at **Gwalior** should reach the Registrar, Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishwa Vidyalaya, Race Course Road, Opp. Mela Ground, Gwalior - 474002 (M.P.) latest by **01st February, 2016.**

Advt. For the posts of Dean, Directors last date 1.2.2016

Registrar

कार्यालय कुलसचिव,
राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

क्र./कु.स./स्था./अ.सू./2019/1086 दिनांक 06/03/2019

//अधिसूचना//

विश्वविद्यालय प्रमंडल की 34वीं बैठक दिनांक 15.02.2019 के पद कमांक 15 में लिये गये निर्णय अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा जारी पूर्व अधिसूचना क्रमांक/कु.स./स्था./आ.सू./2013/1265 दिनांक 23.07.2013 को संशोधित कर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् की गाईडलाइन अनुसार विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालयों में स्वीकृत शिक्षकों एवं अन्य समकक्ष पदो पर चयन हेतु निर्धारित की गई संशोधित शैक्षणिक अर्हताऐं–2019 के प्रारूप (संलग्न) का गहन विचारोपरांत प्रबंध प्रमण्डल द्वारा अनुमोदन किया गया।

माननीय कुलपतिजी के आदेशानुसार,

(डी.एल. कोरी)
कुलसचिव

पृष्ठा.क्र./कु.स./स्था./अ.सू./2018/1087 दिनांक 06/03/2019
प्रतिलिपिः–सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु–

1. अधिष्ठाता कृषि संकाय, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
2. निदेशक शिक्षण, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
3. निदेशक अनुसंधान सेवायें, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
4. निदेशक विस्तार सेवायें, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
5. अधिष्ठाता, कृषि/उद्यानिकी महाविद्यालय, ग्वालियर/इंदौर/खंडवा/सीहोर/मंदसौर
6. लेखानियंत्रक, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
7. उप कुलसचिव (स्था./शिक्षण), रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
8. पोर्टल प्रभारी, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि.,ग्वालियर की और विश्वविद्यालय बेवसाइट पर अपलोड कराने बावत।
9. निज सचिव, माननीय कुलपतिजी, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
10. सुरक्षा नस्ती।

कुलसचिव

कार्यालय कुलसचिव,
राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय,
ग्वालियर (म.प्र.)

Ph- : 0751-2970519 (O) 0751-2970522 (Fax)
E-mail- registrar@gmail.com

क्र. / कु.स. / प्रम.बैठक / अ.सू. / 2017 / 3390 ग्वालियर, दिनांक: 30 अगस्त, 2017

/ / अधिसूचना / /

दिनांक 25.08.2017 को आयोजित विश्वविद्यालय प्रमण्डल की 28वीं बैठक में कार्यसूची में पद क्रमांक 03 पर प्रस्तुत सहायक प्राध्यापक एवं समकक्ष की विभिन्न अवस्थितियों (stages), सहायक प्राध्यापक एवं समकक्ष से सह प्राध्यापक एवं समकक्ष, सह प्राध्यापक एवं समकक्ष से प्राध्यापक एवं समकक्ष तथा सहायक ग्रंथपाल एवं क्रीडाधिकारी के पदों पर पदोन्नति हेतु ज.ने.कृ.वि.वि. जबलपुर की सी.ए.एस. गाईडलाइन के अनुरूप विश्वविद्यालय की समिति द्वारा तैयार की गई पुनरीक्षित सी.ए.एस. गाईडलाइन एवं स्कोर कार्ड का अनुमोदन किया गया। यह गाईडलाइन 01.01.2009 से प्रभावशील होगी।

तदानुसार विश्वविद्यालय में कार्यरत शिक्षकों / वैज्ञानिकों एवं समकक्ष को कैरियर एडवांसमेन्ट स्कीम (CAS) के अंतर्गत पदोन्नति का लाभ प्रदान किया जावेगा।

संलग्नः उपरोक्तानुसार ।

माननीय कुलपतिजी के आदेशानुसार
(डी.एल. कोरी) 30.8.2017
कुलसचिव

पृष्ठांकन. क्र. / कु.स. / प्रम.बैठक / अ.सू. / 2017 / 3391 ग्वालियर, दिनांक: 30 अगस्त, 2017

प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु:-

1. अधिष्ठाता कृषि संकाय, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
2. निदेशक शिक्षण / अनुसंधान सेवायें / विस्तार सेवायें / योजना एवं प्रक्षेत्र विकास, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
3. अधिष्ठाता, कृषि / उद्यानिकी महाविद्यालय, ग्वालियर / इन्दौर / खण्डवा / सीहोर / मंदसौर।
4. लेखानियंत्रक, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
5. सह संचालक अनुसंधान, आंचलिक कृषि अनुसंधान केन्द्र मुरैना / खरगोन / झाबुआ।
6. प्रभारी अधिकारी क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्र, (समस्त)
7. विभागाध्यक्ष, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर (समस्त)
8. वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र (समस्त)
9. उप कुलसचिव (स्था.), रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
10. पोर्टल प्रभारी, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर की ओर विश्वविद्यालय की वैबसाइट पर अपलोड कराने बाबत
11. निजसचिव, माननीय कुलपतिजी, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
12. सुरक्षा नस्ती।

30.8.2017
कुलसचिव

The recruitment for each category held in the University :

कार्यालय कुलसचिव,
राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय,
ग्वालियर (म.प्र.)

बी.एल. जोशी
कुलसचिव

Ph- : 0751-2970849 (O) 0751-2970822 (Fax)
E-mail- [illegible]

क्र. / कु.स. / स्था. / 2018 / 5345 दिनांक 05/12/018

प्रति,

निदेशक,
मध्यप्रदेश व्यावसायिक परीक्षा मण्डल
"चयन भवन" मेन रोड नं-1 बिनार पार्क (ईस्ट)
भोपाल 462011 (म.प्र.)

विषय: संयुक्त चयन परीक्षा के माध्यम से भर्ती करने की सहमति प्रदान करने विषयक।

विषयान्तर्गत निवेदन कर लेख है कि राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय मुख्यालय ग्वालियर एवं उसके अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्रों के तृतीय श्रेणी पद कंप्यूटर ऑपरेटर, शीघ्रलेखक श्रेणी-3, सहायक श्रेणी-3 (सह स्टेनोटायपिस्ट), वाहन चालक, कार्यालय अधीक्षक सह लेखापाल, कार्यक्रम सहायक (कम्प्यूटर), कनिष्ठ शीघ्रलेखक सह कम्प्यूटर ऑपरेटर, वाहन चालक सह मैकेनिक एवं चतुर्थ श्रेणी के पद मृत्य / चौकीदार के सीधी भर्ती रिक्त पदों की जानकारी आपके द्वारा निर्धारित परिशिष्ट 1 एवं परिशिष्ट 2 में तैयार कर प्रस्तुत की जा रही है।

कृपया जानकारी का अवलोकन कर संयुक्त चयन परीक्षा में सम्मिलित करने की सहमति प्रदान करने का कष्ट करें।

संलग्न:- परिशिष्ट 1 एवं 2 (पृष्ठ 15)

(माननीय कुलपतिजी द्वारा अनुमोदित)

कुलसचिव 3/12/18

पृष्ठा. क्र. / कु.स. / स्था. / 2018 / 5345 दिनांक 03/12/018
प्रतिलिपि : सूचनार्थ
1. श्री. राजेश वर्मा, संपर्क अधिकारी, रा.वि.सि.कृ.वि.वि., भोपाल।
2. निज सचिव, माननीय कुलपतिजी, रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर।

कुलसचिव 3/12/18

कार्यालय कुलसचिव,
राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय,
ग्वालियर (म.प्र.)

डी.एल. कोरी
कुलसचिव

Ph- : 0751-2970519 (O) 0751-2970522 (Fax)
E-mail- registrar.rvskvvv@gmail.com

क्र./कु.स./स्था./2018/5345 दिनांक 03/2/018

प्रति,

निदेशक,
राष्ट्रीय व्यावसायिक परीक्षा मण्डल
"चयन भवन" पैन रोड नं-5 दिनार हार्ल (ईस्ट)
भोपाल 462011 (म.प्र.)

विषय: संयुक्त चयन परीक्षा के माध्यम से भर्ती करने की सहमति प्रदान करने विषयक।

विषयान्तर्गत निवेदन कर लेख है कि राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय मुख्यालय ग्वालियर एवं उसके अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्रों के तृतीय श्रेणी पद फोटोग्राफर, शीघ्रलेखक श्रेणी-3, सहायक श्रेणी-3 (सह स्टेनोटायपिस्ट), वाहन चालक, कार्यालय अधीक्षक सह लेखापाल, कार्यक्रम सहायक (कम्प्यूटर), कनिष्ठ शीघ्रलेखक सह कम्प्यूटर ऑपरेटर, वाहन चालक सह मैकेनिक एवं चतुर्थ श्रेणी के पद भृत्य/चौकीदार के सीधी भर्ती रिक्त पदों की जानकारी आपके द्वारा निर्धारित परिशिष्ट 1 एवं परिशिष्ट 2 में तैयार कर प्रस्तुत की जा रही है।

कृपया जानकारी का अवलोकन कर संयुक्त चयन परीक्षा में सम्मिलित करने की सहमति प्रदान करने का कष्ट करें।

संलग्न:- परिशिष्ट 1 एवं 2 (पृष्ठ 13)
(माननीय कुलपतिजी द्वारा अनुमोदित)

कुलसचिव 3/2/18

पृष्ठा. क्र./कु.स./स्था./2018/5345 दिनांक 03/2/018
प्रतिलिपि :- सूचनार्थ
1. श्री राजेश वर्मा, सपर्क अधिकारी, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., भोपाल।
2. निज सचिव, माननीय कुलपतिजी, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।

कुलसचिव 3/2/18

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर में रिक्त पदों का विवरण — परिशिष्ट – 01

विश्वविद्यालय मुख्यालय, ग्वालियर

							अनारक्षित पद		आरक्षित पद										
									अनु. जाति		अनु. जनजाति		अन्य पि. वर्ग		दिव्यांग		भूतपूर्व सैनिक		
							पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
1	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	1	01		–		–		–	–				–	01
2	तकनीकी सेवा-3 (क्षेत्रीय)	[illegible]	[illegible]	5200-20200 ग्रेड पे 2800/-	*	–	1		–	–	–		–	–				–	01
	तकनीकी सेवा-3 (फिल्ड)	[illegible]	[illegible]	5200-20200 ग्रेड पे 2800/-	*	–	7	3	2	1	4	1	2	1	1	1	–		23
2	तकनीकी सेवा-3 (लेबोरेटरी)	[illegible]	[illegible]	5200-20200 ग्रेड पे 1900/-	**	–	8	4	3	2	4	2	1	1	2		–		29

*वांछनीय :- अर्ट एवं फोटोग्राफी के कार्य में पाँच वर्ष का अनुभव।

** (1) [illegible] (2) [illegible] (3) [illegible] (4) [illegible] (5) [illegible] (6) [illegible] (7) [illegible] (8) [illegible] (9) [illegible] (10) [illegible] (11) [illegible] (12) [illegible] (13) [illegible] (14) [illegible] (15) [illegible] (16) [illegible] (17) [illegible] (18) [illegible] (19) [illegible] (20) [illegible] (21) [illegible] (22) [illegible] (23) [illegible] (24) [illegible] (25) [illegible] (26) [illegible] (27) [illegible] (28) [illegible] (29) [illegible]

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर में रिक्त पदों का विवरण — परिशिष्ट - 01

स्थान – विश्वविद्यालय मुख्यालय, ग्वालियर

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
4	वाहन चालक	तृतीय	संविदा भर्ती	5200-20200+ ग्रे 1900/-	8	**	09	–	03	–	20	–	03	–	–	–	–	–	13

* (1) 1042 [illegible] के अतिरिक्त [illegible] पदों पर [illegible] परीक्षा उत्तीर्ण। [illegible] के कुशलित अभ्यर्थियों [illegible] है।
(2) अनुसूचित जनजाति हेतु [illegible] भर्ती परीक्षा [illegible]।

** वांछनीय: निजी वाहन/जीप अथवा कार चालन एवं मोटर-मेकेनिक एवं वाहन के रखरखाव का अनुभव।

5	भृत्य/ [illegible]	[illegible]	संविदा भर्ती	4440-7440+ ग्रे 1300/-	[illegible]	7	17	06	01	02	06	03	01	02	02	01			47

** वांछनीय: साइकिल/मोटर साइकिल चालन का अनुभव एवं टू व्हीलर का ड्राइविंग लाइसेंस।

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर परिशिष्ट – 01

स्थान – कृषि विज्ञान केन्द्रों में रिक्त पदों का विवरण

क्र.	पदनाम	सेवा समूह	वर्तमान वेतनमान		न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता	कार्यरत पदों की संख्या	आरक्षण का विवरण																						
									अनु. जाति		अनु. जनजाति		अन्य पि. वर्ग		विकलांग		पूर्वतः सैनिक												
									पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला												
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19											20
1	कार्यालय अधीक्षक एवं लेखापाल	तृतीय	सामान्य केन्द्रीय सेवा	5200-20200+ ग्रेड पे 2800/-	*	02	–	–	–	–	–				01		–												01

* (1) सरकार द्वारा अनुमोदित सोसायटी/ संस्था अथवा किसान द्वारा विभिन्न सोसायटी/ट्रस्ट/एन.जी.ओ./सीड
(2) दैनिक/पी.टी./संविदा द्वारा संचालित संस्था कार्यरत कर्मचारी का सीधे भी चयन किया जा सकता है जिसके पास लेखा संबंधी कार्य का अनुभव हो।

*वांछनीय : कम्प्यूटर पर कार्य करने का अनुभव।

2	कार्यालय सहायक (कम्प्यूटर)	तृतीय	सामान्य केन्द्रीय सेवा	5200-20200+ ग्रेड पे 2400	*	–	04	01	01	01	–	–	00	01	–	–	–	–											06

(a) Essential:

* BCA, B.Sc. or B.Sc (Agri), B.Tech (Agricultural Engineering) – 4 Years from any recognized University and two years experience in computer based data work

OR

MCA or B.Tech (Computer) or MBA, M.Sc, M.Sc (Agriculture), Business Analytics with PGDCA from any recognized University

(b) Desirable

(i) Typing in Computer Science.

(ii) Minimum score as decided by the RVSKVV.

Note: Recruitment Education, Terms & Conditions, Attributes, Stipend etc. as decided by RVSKVV from time to time with relevance to post concerned.

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर — परिशिष्ट – 01

स्थान – कृषि विज्ञान केन्द्रों में रिक्त पदों का विवरण

क्र.	पदनाम	श्रेणी समूह	पदों की संख्या	वेतनमान	न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता	बैक लॉग	अनारक्षित पद		आरक्षित पद											
									अनु. जाति		अनु. जनजाति		अन्य पि. वर्ग		भूतपूर्व सैनिक					कुल
							अपंग	महिला	अपंग	महिला	अपंग	महिला	अपंग	महिला	अपंग	महिला	अपंग	महिला		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	
1	जनिक टाइपिस्ट सह कम्प्यूटर आपरेटर	तृतीय	सामान्य (रिक्त नहीं)	5200-20200+ ग्रे. पे. 2800/-	–	–	06	01	01	01*	02	01	02	01	01	–	–	–	16	
2.	वाहन चालक सह मेकेनिक	तृतीय	सामान्य (रिक्त नहीं)	5200-20200+ ग्रे. पे. 1900/-	–	**	03	–	–	–	02	–	04	–	–		–		09	

* (1) [illegible] (2) [illegible] (3) [illegible] (4) [illegible] 100 शब्द प्रति मिनट की गति से [illegible]

(2) [illegible]

** वांछनीय जिनी [illegible] अथवा कार चालक एवं वाहन मिकेनिक एवं वाहन के रखरखाव का अनुभव।

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर — परिशिष्ट – 01

स्थान – कृषि विज्ञान केन्द्रों में रिक्त पदों का विवरण

क्र.	पदनाम	श्रेणी समूह	पदों की संख्या	वेतनमान	न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता	बैक लॉग	अनारक्षित पद		अनु. जाति		अनु. जनजाति		अन्य पि. वर्ग		भूतपूर्व सैनिक					कुल
							अपंग	महिला	अपंग	महिला	अपंग	महिला	अपंग	महिला	अपंग	महिला	अपंग	महिला		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	
4	कनिष्ठ सहायक / कुक		सामान्य (रिक्त नहीं)	4440-7440+ ग्रे. पे. 1300/-	स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण	4	11	05	04	02	00	03	03	02	01	01	–	–	35	

** वांछनीय साइकिल/मोटर साइकिल चालन का अनुभव एवं टू-व्हीलर का ड्राइविंग लाइसेंस।

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

स्थान – विश्वविद्यालय मुख्यालय, ग्वालियर
पद का नाम – फोटोग्राफर पदवार आरक्षण तालिका (प्रत्येक पद हेतु पृथक पृथक बना जावेगा) (परिशिष्ट 2)

क्र.	श्रेणी	नियत		विकलांग			मूलभूत शैक्षिक		योग
		पुरुष	महिला	श्रेणियां	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	अनारक्षित (UR)	Nil	Nil	दृष्टि					
				श्रवण					
				अस्थि					
2	अनुसूचित जाति (SC)	–	–	दृष्टि					
				श्रवण					
				अस्थि					
3	अनुसूचित जनजाति (ST)			दृष्टि					
				श्रवण					
				अस्थि					
4	अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	–	–	दृष्टि					
				श्रवण					
				अस्थि					
	योग–	00	00						

दिनांक

हस्ताक्षर

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

स्थान – विश्वविद्यालय मुख्यालय, ग्वालियर
पद का नाम – सीपीडब्लूडी श्रेणी-3 पदवार आरक्षण तालिका (प्रत्येक पद हेतु पृथक-पृथक बना जावेगा) (परिशिष्ट 2)

क्र.	श्रेणी	नियत		विकलांग			मूलभूत शैक्षिक		योग
		पुरुष	महिला	श्रेणियां	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	अनारक्षित (UR)	01	–	दृष्टि	01				
				श्रवण					
				अस्थि					
2	अनुसूचित जाति (SC)	–	01	दृष्टि	–	01			
				श्रवण					
				अस्थि					
3	अनुसूचित जनजाति (ST)			दृष्टि					
				श्रवण					
				अस्थि					
4	अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	–	–	दृष्टि					
				श्रवण					
				अस्थि					
	योग–	01	01		01	01			

दिनांक

हस्ताक्षर

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

स्थान – विश्वविद्यालय मुख्यालय, ग्वालियर

पद का नाम – सहायक श्रेणी–2 (स्टेनोटाइपिस्ट) पदवार आरक्षण तालिका (प्रत्येक पद हेतु पृथक–पृथक भरी जायेगी) (परिशिष्ट–2)

क्र.	श्रेणी	नियत		नियुक्तियां			भूतपूर्व सैनिक		योग
		पुरुष	महिला	वर्गवार	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	अनारक्षित (UR)	02	–	दृष्टि	01	–			
				श्रवण					
				अस्थि	01	–			
2	अनुसूचित जाति (SC)	–		दृष्टि					
				श्रवण					
				अस्थि					
3	अनुसूचित जनजाति (ST)	–		दृष्टि					
				श्रवण					
				अस्थि					
4	अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	–		दृष्टि					
				श्रवण					
				अस्थि					
	योग	02	00		02	00			

दिनांक

हस्ताक्षर

पदाधिकारी का नाम

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

स्थान – विश्वविद्यालय मुख्यालय, ग्वालियर

पद का नाम – वाहन चालक पदवार आरक्षण तालिका (प्रत्येक पद हेतु पृथक–पृथक भरी जायेगी) (परिशिष्ट–2)

क्र.	श्रेणी	नियत		नियुक्तियां			भूतपूर्व सैनिक		योग
		पुरुष	महिला	वर्गवार	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	अनारक्षित (UR)	08	08	दृष्टि					
				श्रवण					
				अस्थि					
2	अनुसूचित जाति (SC)	–	–	दृष्टि					
				श्रवण					
				अस्थि					
3	अनुसूचित जनजाति (ST)	–	–	दृष्टि					
				श्रवण					
				अस्थि					
4	अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	–		दृष्टि					
				श्रवण					
				अस्थि					
	योग–	08	00						

दिनांक

हस्ताक्षर

अधिकारी का नाम

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

स्थान – विश्वविद्यालय मुख्यालय, ग्वालियर

पद का नाम – मुख्य/वरिष्ठ पदाधार आरक्षण तालिका (प्रत्येक पद हेतु पृथक–पृथक पत्रक लगेगा) (परिशिष्ट-2)

क्र.	श्रेणी	नियत		विभागीय			पूर्वगामी रोस्टर		योग
		पुरुष	महिला	बिन्दु	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	अनारक्षित (UR)	01		दृष्टि					
				श्रवण	01				
				अस्थि					
2	अनुसूचित जाति (SC)		01	दृष्टि					
				श्रवण		01			
				अस्थि					
3	अनुसूचित जनजाति (ST)			दृष्टि					
				श्रवण					
				अस्थि					
4	अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	01		दृष्टि					
				श्रवण					
				अस्थि	01				
	योग–	02	01		02	01			

दिनांक

हस्ताक्षर

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

स्थान – कृषि विज्ञान केन्द्र

पद का नाम – कार्यालय अधीक्षक एवं लेखापाल पदाधार आरक्षण तालिका (प्रत्येक पद हेतु पृथक पृथक पत्रक लगेगा) (परिशिष्ट-2)

क्र.	श्रेणी	नियत		विभागीय			पूर्वगामी रोस्टर		योग
		पुरुष	महिला	बिन्दु	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	अनारक्षित (UR)			दृष्टि					
				श्रवण					
				अस्थि					
2	अनुसूचित जाति (SC)	01		दृष्टि					
				श्रवण	01				
				अस्थि					
3	अनुसूचित जनजाति (ST)			दृष्टि					
				श्रवण					
				अस्थि					
4	अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)			दृष्टि					
				श्रवण					
				अस्थि					
	योग–	01	00		01	–			

दिनांक

हस्ताक्षर

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

स्थान – कृषि विज्ञान केन्द्र
पद का नाम – कार्यक्रम सहायक (कम्प्यूटर) पदवार आरक्षण तालिका (प्रत्येक पद हेतु पृथक-पृथक बना जायेगा) (परिशिष्ट-2)

क्र.	श्रेणी	नियत		बिन्दुवार	विकलांग		पूर्वपूर्व सैनिक		योग
		अनारक्षित	महिला		अनारक्षित	महिला	अनारक्षित	महिला	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	अनारक्षित (UR)	Nil	Nil	बिन्दु					
				क्रमांक					
				अंकित					
2	अनुसूचित जाति (SC)	–	–	बिन्दु					
				क्रमांक					
				अंकित					
3	अनुसूचित जनजाति (ST)	–	–	बिन्दु					
				क्रमांक					
				अंकित					
4	अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	–	–	बिन्दु					
				क्रमांक					
				अंकित					
	योग–	00	00						

दिनांक

हस्ताक्षर
अधिकारी का पदनाम

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

स्थान – कृषि विज्ञान केन्द्र
पद का नाम – कनिष्ठ शोधसहायक सह कम्प्यूटर ऑपरेटर पदवार आरक्षण तालिका (प्रत्येक पद हेतु पृथक-पृथक बना जायेगा) (परिशिष्ट-2)

क्र.	श्रेणी	नियत		बिन्दुवार	विकलांग		पूर्वपूर्व सैनिक		योग
		अनारक्षित	महिला		अनारक्षित	महिला	अनारक्षित	महिला	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	अनारक्षित (UR)	01	–	बिन्दु	01	–			
				क्रमांक					
				अंकित					
2	अनुसूचित जाति (SC)		–	बिन्दु					
				क्रमांक					
				अंकित					
3	अनुसूचित जनजाति (ST)	–	–	बिन्दु					
				क्रमांक					
				अंकित					
4	अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	–	–	बिन्दु					
				क्रमांक					
				अंकित					
	योग–	01	00		01	–			

दिनांक

हस्ताक्षर
अधिकारी का पदनाम

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

स्थान – कृषि विज्ञान केन्द्र

(परिशिष्ट-7)

क्र.	श्रेणी	नियुक्ति		विकलांग			सेवानिवृत्त कर्मचारी		योग
		पुरुष	महिला	श्रेणी	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	अनारक्षित (UR)	Nil	Nil	दृष्टि					
				श्रवण					
				अस्थि					
2	अनुसूचित जाति (SC)	–	–	दृष्टि					
				श्रवण					
				अस्थि					
3	अनुसूचित जनजाति (ST)	–	–	दृष्टि					
				श्रवण					
				अस्थि					
4	अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	–	–	दृष्टि					
				श्रवण					
				अस्थि					
	योग –	00	00						

टिप्पणी

हस्ताक्षर

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

स्थान – कृषि विज्ञान केन्द्र

(परिशिष्ट-7)

क्र.	श्रेणी	नियुक्ति		विकलांग			सेवानिवृत्त कर्मचारी		योग
		पुरुष	महिला	श्रेणी	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	अनारक्षित (UR)	01	01	दृष्टि					
				श्रवण	01				
				अस्थि		01			
2	अनुसूचित जाति (SC)			दृष्टि					
				श्रवण					
				अस्थि					
3	अनुसूचित जनजाति (ST)	–	–	दृष्टि					
				श्रवण					
				अस्थि					
4	अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)			दृष्टि					
				श्रवण					
				अस्थि					
	योग –	01	01		01	01			

टिप्पणी

हस्ताक्षर

प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड

Professional Examination Board

"Chayan Bhawan", Saket Nagar Ext. 1, Chinar Park (East), Bhopal-462010

Fax no : +91-755 2573851-52, E-mail : vyapam@mp.nic.in, Website : vyapam.nic.in

क्रमांक/पी.ई.बी./5-4 1/10/ 3053 /2018 भोपाल, दिनांक 26/06/18

प्रति,

कुलपति,

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय,

ग्वालियर (म.प्र.).

विषय: समूह-ब के अन्तर्गत सहायक ग्रेड-III, सोयाबीन, ग्रेडर हाइस्कूल, डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं अन्य संबंधित पदों हेतु संयुक्त भर्ती परीक्षा-2018 का आयोजन ऑनलाईन पद्धति से कराना।

विषयान्तर्गत परीक्षा का आयोजन दिनांक 28 एवं 29 जुलाई 2018 का कार्यक्रमित किया गया है। शेष सहायक एवं ग्रेडर अनुसूचित जनजाति की रीक्ति भर्ती के उपरान्त शेष पदों की अद्यतन जानकारी प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड, भोपाल को भेजना चाहें।

विषयान्तर्गत परीक्षा दिनांक 28 एवं 29 जुलाई 2018 को सम्पन्न होने के उपरान्त परीक्षा परिणाम की तैयारी बोर्ड स्तर पर की जायेगी है। शेष शेष सहायक एवं ग्रेडर अनुसूचित जनजाति की रीक्ति भर्ती के उपरान्त शेष पदों की अद्यतन आरक्षण तालिका दिनांक 25.07.2018 तक कार्यालयीन समय में बोर्ड को उपलब्ध कराना जाना सुनिश्चित करें।

दिनांक 25.07.2018 तक अद्यतन आरक्षण तालिका पीईबी में प्राप्त नहीं होती है तो यह माना जायेगा की आपके द्वारा पूर्व में प्रेषित पदों की आरक्षण तालिका में कोई परिवर्तन नहीं होना है। इस स्थिति में पीईबी द्वारा आपके पूर्व में प्रेषित पदों की संख्या एवं आरक्षण तालिका अनुसार ही परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया जायेगा।

परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद किसी प्रकार विशेष परिस्थितियों के लिये संकोच विलम्ब उत्तरदायी होगा।

निदेशक
प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड
भोपाल

कार्यालय कुलसचिव,
राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय,
ग्वालियर (म.प्र.)

कुलसचिव

फोन : 0751-2970152 (फैक्स) 0751-2970152 (कार्य)
E-mail : registrar.rvskvv@gmail.com

क्र./कु.स./स्था./2018/5607 दिनांक 27/2/2018

प्रति,

नियंत्रक,
मध्यप्रदेश व्यावसायिक परीक्षा मण्डल
"चयन भवन" नेल्सन रोड नं.-1 बिलाल पार्क (ईस्ट)
भोपाल 462011 (म.प्र.)

विषय: संयुक्त चयन परीक्षा के माध्यम से भर्ती करने के संबंध में।
संदर्भ: विश्वविद्यालय पत्र क्रमांक/कु.स./स्था./2018/5364 दिनांक 03.02.2018

विषयान्तर्गत लेख है कि संदर्भित पत्र अनुसार राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर मुख्यालय एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों के तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों को संयुक्त चयन परीक्षा में सम्मिलित करने हेतु जानकारी प्रेषित की गई थी।

इस संबंध में डॉ. राजेश वर्मा, संपर्क अधिकारी से हुई दूरभाष पर चर्चा अनुसार म.प्र. शासन से विश्वविद्यालय मुख्यालय के सहायक श्रेणी-3 (सह स्टेनो टायपिस्ट) के स्वीकृत पद हेतु वेतनमान 3050-75-3950-80-4550 जो छठवें वेतनमान में 5200-20200-1900 ग्रेड पे की श्रेणी में आते हैं। वर्तमान में सहायक श्रेणी-3 (सह स्टेनो टायपिस्ट) के 29 पद रिक्त हैं, जिनका वेतनमान छठवें वेतनमान में 5200-20200+1900 ग्रेड पे निर्धारित किया गया है। तदानुसार आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

(माननीय कुलपतिजी द्वारा अनुमोदित)

कुलसचिव

पृष्ठा. क्र./कु.स./स्था./2018/5607 दिनांक 27/2/2018
प्रतिलिपि- सूचनार्थ हेतु-

1. डॉ. राजेश वर्मा, संपर्क अधिकारी, रा.वि.सि.कृ.वि.वि.के भोपाल।
2. निज सचिव, माननीय कुलपतिजी, रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर।

कुलसचिव

प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड
"चयन भवन", नेहरू रोड नं. 1, चिनार पार्क (ईस्ट), भोपाल-462011
Professional Examination Board
"Chayan Bhawan", Nehru Road No. 1, Chinar Park (East), Bhopal-462011
Phone : +91-755-2578831-02-03-04, Fax : +91-755-2550496 E-mail : vyapam@mp.nic.in, Website : www.peb.gov.in

क्रमांक / पी.ई.बी. / 5-4-1 / 731 / 2018 भोपाल, दिनांक 13/02/18

प्रति,
कुलपति
राजमाता विजयाराजे सिंधिया
कृषि विश्वविद्यालय
ग्वालियर (म.प्र.)

विषय:-समूह-4 के अन्तर्गत सहायक ग्रेड-03, स्टेनोग्राफर, स्टेनो टाइपिस्ट, डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं अन्य शासकीय पदों हेतु संयुक्त भर्ती परीक्षा-2018 आयोजन के संबंध में ।

उपरोक्त विषयान्तर्गत पी.ई.बी. द्वारा परीक्षा के आयोजन हेतु विभागों के प्रस्ताव के आधार पर नियम पुस्तिका तैयार की गई है । परीक्षा से संबंधित विभाग से आवश्यक दायित्व के परीक्षण, नियम की जांच उपरान्त नियम पुस्तिका में संशोधन एवं हस्ताक्षर प्राप्त किया जाना है । इस हेतु विभागों के नोडल अधिकारी की बैठक का आयोजन दिनांक 16.02.2018 को उपरान्त 03:00 बजे किया जा रहा है ।

कृपया उक्त कार्य को समय सीमा में सम्पन्न किये जाने हेतु परीक्षा के नोडल अधिकारी स्वयं की उपस्थिति (अनिवार्य) के साथ दिनांक 16.02.2018 को उपरान्त 03:00 बजे मण्डल कार्यालय उपस्थित होने का कष्ट करें ।

नियंत्रक
प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड,
भोपाल

16.2.18

कार्यालय कुलसचिव,
राजमाता विजयराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय,
ग्वालियर (म.प्र.)

डी.एल.कोरी
कुलसचिव

Ph.: 0751-2970518 (O) 0751-2970522 (Fax)
email: [illegible]

क्र./कु.स./स्था./पी.ई.टी./2018/[illegible] दिनांक: 05/02/2018

प्रति,

डॉ. राजेश वर्मा,
अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय इंदौर/संपर्क अधिकारी,
रा.वि.सि.कृ.वि.वि.,भोपाल

विषय: संयुक्त चयन परीक्षा के माध्यम से भर्ती किये जाने के संबंध में लाईजिंग करने बाबत्।

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि रा.वि.सि.कृ.वि.वि. ग्वालियर के विश्वविद्यालय मुख्यालय एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों के अंतर्गत आने वाले तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों की पूर्ति मध्यप्रदेश व्यावसायिक परीक्षा मण्डल (व्यापम) के माध्यम से कराये जाने का अनुमोदन प्रमण्डल द्वारा लिया गया है। अतः आपको मध्यप्रदेश व्यावसायिक परीक्षा मण्डल (व्यापम) भोपाल के माध्यम से उपरोक्तानुसार संवर्गों के रिक्त पदों के पूर्ति कराये जाने के संबंध में विश्वविद्यालय की ओर लाईजनिंग करने हेतु अधिकृत किया जाता है। अतः आप इस संबंध में समय-समय पर नियमित कार्यवाही की जाना सुनिश्चित करने का कष्ट करें, तथा की गई कार्यवाहियों से इस कार्यालय को अवगत कराने का कष्ट करें।

(माननीय कुलपतिजी द्वारा आदेशित)

5/2/18
(डी.एल.कोरी)
कुलसचिव

पृष्ठा. क्र./कु.स./स्था./पी.ई.टी./2018/[illegible] दिनांक: 05/02/18

प्रतिलिपि:-

1. उप कुलसचिव (स्थापना), रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
2. माननीय कुलपतिजी के निज सचिव, रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर।

कुलसचिव 5/2/18

पीईबी एग्जामिनेशन बोर्ड, भोपाल, भारत

भर्ती भवन, नए रोड नं. 1, विनोबा पुरी (ईस्ट), भोपाल - 462011

फोन नं. 0755-2550866, 02, 03, 04 फैक्स : 0755-2550488

ई-मेल : vyapam@nic.in, वेबसाईट : www.vyapam.nic.in

समूह-4 के अन्तर्गत सहायक ग्रेड-03, स्टेनोग्राफर, स्टेनो टाइपिस्ट, डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं अन्य समकक्ष पदों हेतु संयुक्त भर्ती परीक्षा-2018

विषय-सूची

पीईबी एग्जामिनेशन बोर्ड, भोपाल

"व्यापम भवन", नए रोड नं. 1, विनोबा पुरी, भोपाल - 462011

फोन नं. - +91-755-2558401-02-03-04, Fax: +91-755-2550488,

E-mail: vyapam@nic.in, Website: www.vyapam.nic.in, www.peb.mp.gov.in

समूह-4 के अन्तर्गत सहायक ग्रेड-03, स्टेनोग्राफर, स्टेनो टाइपिस्ट, डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं अन्य समकक्ष पदों हेतु संयुक्त भर्ती परीक्षा-2018

पीईबी एग्जामिनेशन बोर्ड

भर्ती की घोषणा तारीख	22-06-2018	ऑनलाईन आवेदन की प्रारंभ तिथि	09-07-2018
ऑनलाईन पत्र में संशोधन करने का अन्तिम तिथि	22-06-2018	ऑनलाईन पत्र का प्रस्तुतीकरण करने की अन्तिम तिथि	31-07-2018
परीक्षा दिनांक व वेन्यू	28, 29, 30 सितम्बर, 2018 ग्वालियर, रतलाम		

शुल्क

शुल्क जमा : ऑनलाईन पदों हेतु	अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिये	रु. 500/-
	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग व दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिये (केवल मध्य प्रदेश के मूल निवासियों के लिये)	रु. 250/-

नियमों हेतु - क्लिक करें

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य आवेदन विषय अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिये (केवल मध्य प्रदेश के मूल निवासी पदों के लिये)	कोई शुल्क नहीं

विज्ञापन प्रकाशन - विज्ञापन के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित अभ्यर्थियों हेतु ऑनलाईन आवेदन का पंजीयन शुल्क मात्र 250/- रुपये होगा। इसके अतिरिक्त 1 रुपये लेनदेन शुल्क के अलावा ॥ अतिरिक्त का भुगतान करने पर पंजीयन शुल्क 40/- रु. देय होगा।

ऑनलाईन परीक्षा पद्धति समय सारणी

परीक्षा दिनांक एवं वेन्यू	परीक्षा की पाली	अभ्यर्थियों का लिये रिपोर्टिंग समय	महत्वपूर्ण निर्देश पालन का समय	परीक्षा अवधि का समय
28, 29, 30 सितम्बर, 2018 ग्वालियर	प्रातः	प्रातः 7:00 से 8:00 बजे तक	08:50 से 09:00 बजे तक (10 मिनट)	प्रातः 09:00 से 11:00 बजे तक (2:00 घंटे)
	दोपहर	दोपहर 12:00 से 1:00 बजे तक	01:50 से 02:00 बजे तक (10 मिनट)	दोपहर 02:00 से 04:00 बजे तक (2:00 घंटे)

1. अभ्यर्थी को आवेदन पत्र भरना अनिवार्य है। पूर्व वर्ष की भर्ती/प्रतियोगिता के कारण अभ्यर्थियों (Candidate) द्वारा की गई [illegible]
2. कोई भी व्यक्ति अभ्यर्थियों से सीधे संपर्क/मुलाकात या चयन प्रक्रियाओं [illegible] नहीं करेगा। सभी जानकारी पीईबी की वेबसाईट www.peb.mp.gov.in पर उपलब्ध होगी।
3. परीक्षा की तारीख के समय एवं परीक्षा का स्थान अलग [illegible] अनुसूचित जनजाति अभ्यर्थियों [illegible]।
4. परीक्षार्थियों को परीक्षा का विवरण रिपोर्टिंग समय से परीक्षा केन्द्र में प्रवेश करने के पश्चात ही प्रदान किये जायेंगे। इसके पश्चात रिपोर्टिंग के बाद आने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा में सम्मिलित नहीं होंगे।
5. परीक्षा कक्ष में अभ्यर्थियों द्वारा केवल [illegible], ब्लैक पेन, एवं प्रवेश पत्र [illegible] ले जाना [illegible]।
6. [illegible] आवेदन पत्र में उल्लेख है। विभिन्न परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र [illegible] जारी किये जायेंगे। [illegible] प्रवेश पत्र का प्रारूप [illegible] किसी प्रकार [illegible] की जायेगी।
7. परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश पत्र [illegible] परीक्षा प्रारंभ के पश्चात परीक्षा केन्द्र में प्रवेश देना संभव नहीं [illegible] जिम्मेदार [illegible] प्रवेश प्रतिबंधित है।
8. [illegible] प्रवेश पत्र में 10 पंक्ति में अभ्यर्थियों [illegible] में [illegible] किया जायेगा।
9. [illegible] पदों के लिए अभ्यर्थियों का [illegible] के [illegible] में [illegible] अनिवार्य होगा।
10. किसी भी परिस्थिति में परीक्षा प्रारंभ होने के पश्चात [illegible] परीक्षा केन्द्र छोड़ने की अनुमति नहीं होगी।
11. [illegible] के लिये [illegible] किया जाना है। [illegible] Jurisdiction Dispute [illegible] की स्थिति (Disputes) [illegible] (Proceedings) होगी।
12. [illegible] के लिये [illegible] आयोग [illegible] अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं [illegible] अभ्यर्थियों के [illegible] पदों के लिये [illegible] [illegible] (केवल मध्य प्रदेश के मूल निवासी अभ्यर्थियों के लिये) [illegible] Index [illegible] [illegible]।
13. [illegible] के पद [illegible] होने की स्थिति में [illegible] हेतु [illegible] अनुसूचित जनजाति [illegible] [illegible] के अभ्यर्थियों [illegible] [illegible] हेतु [illegible] [illegible] विज्ञापन की [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]।

पोस्ट कोड- 54 सीधी भर्ती – सहायक ग्रेड-03 (गृह मंत्रालयाधीन) कुल 29 पद

क्र.	श्रेणी	नियत		बैकलॉग रिक्ति		योग	विवरण
		पुरुष	महिला	पुरुष	महिला		
1.	अनारक्षित (UR)	12	04	00	00	16	[illegible]
2.	अनुसूचित जाति (SC)	03	02	00	00	05	
3.	अनुसूचित जनजाति (ST)	04	02	00	00	06	
4.	अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	03	01	00	00	04	
	योग	22	09	00	00	29	

वेतनमान- 5200-20200+1900 ग्रेड पे

शैक्षणिक योग्यता - 1. अभ्यर्थियों ने हायर सेकेण्डरी परीक्षा (10+2) उत्तीर्ण की हो।
2. मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम्प्यूटर एप्लीकेशन में पदवी/डिप्लोमा धारक हो
3. मैप आई.टी. द्वारा जारी सी.सी.सी.टी. प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है।
4. हायर्ड [illegible] द्वारा मान्य [illegible] पर [illegible] हिन्दी [illegible] से 30 शब्द प्रतिमिनट की गति हो।

पोस्ट कोड- 55 सीधी भर्ती – वरिष्ठ प्रशासनिक पद कम्प्यूटर ऑपरेटर कुल 16 पद

क्र.	श्रेणी	नियत		बैकलॉग रिक्ति		योग	विवरण
		पुरुष	महिला	पुरुष	महिला		
1.	अनारक्षित (UR)	07	01	00	00	08	[illegible]
2.	अनुसूचित जाति (SC)	01	01	00	00	02	
3.	अनुसूचित जनजाति (ST)	02	01	00	00	03	
4.	अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	02	01	00	00	03	
	योग	12	04	00	00	16	

वेतनमान- 5200-20200+2800 ग्रेड पे

शैक्षणिक योग्यता - 1. अभ्यर्थियों ने हायर सेकेण्डरी परीक्षा (10+2) उत्तीर्ण की हो।
2. मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम्प्यूटर एप्लीकेशन में पदवी/डिप्लोमा धारक हो
3. मैप आई.टी. द्वारा जारी सी.सी.सी.टी. प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है।
4. हायर्ड [illegible] द्वारा मान्य [illegible] पर [illegible] हिन्दी/अंग्रेजी [illegible] से 100 शब्द प्रतिमिनट की गति हो।

कार्यालय – राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

कार्यालय - राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.) के पत्र क्रमांक/5364 [illegible], दिनांक 03.02.2018 के अनुसार रिक्त पदों की जानकारी निम्नानुसार है -

आरक्षण तालिका

पोस्ट कोड- 52 सीधी भर्ती – [illegible] पदों - 3 अंग्रेजी कुल 01 पद

क्र.	श्रेणी	नियत		बैकलॉग रिक्ति		योग	विवरण
		पुरुष	महिला	पुरुष	महिला		
1.	अनारक्षित (UR)	01	00	00	00	01	[illegible]
2.	अनुसूचित जाति (SC)	00	00	00	00	00	
3.	अनुसूचित जनजाति (ST)	00	00	00	00	00	
4.	अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	00	00	00	00	00	
	योग	01	00	00	00	01	

वेतनमान- 5200-20200+2800 ग्रेड पे

शैक्षणिक योग्यता - 1. अभ्यर्थियों ने हायर सेकेण्डरी परीक्षा (10+2) उत्तीर्ण की हो।
2. मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम्प्यूटर एप्लीकेशन में पदवी/डिप्लोमा धारक हो
3. मैप आई.टी. द्वारा जारी सी.सी.सी.टी. प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है।
4. हायर्ड [illegible] द्वारा मान्य [illegible] पर [illegible] हिन्दी/अंग्रेजी [illegible] से 100 शब्द प्रतिमिनट की गति हो।

पोस्ट कोड- 53 सीधी भर्ती – वैज्ञानिक सहायक - 3 हिन्दी कुल 23 पद

क्र.	श्रेणी	नियत		बैकलॉग रिक्ति		योग	विवरण
		पुरुष	महिला	पुरुष	महिला		
1.	अनारक्षित (UR)	08	00	00	00	08	[illegible]
2.	अनुसूचित जाति (SC)	00	00	00	00	00	
3.	अनुसूचित जनजाति (ST)	00	00	00	00	00	
4.	अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	02	01	00	00	03	
	योग	10	01	00	00	11	

वेतनमान- 5200-20200+2800 ग्रेड पे

शैक्षणिक योग्यता - 1. अभ्यर्थियों ने हायर सेकेण्डरी परीक्षा (10+2) उत्तीर्ण की हो।
2. मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम्प्यूटर एप्लीकेशन में पदवी/डिप्लोमा धारक हो
3. मैप आई.टी. द्वारा जारी सी.सी.सी.टी. प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है।
4. हायर्ड [illegible] द्वारा मान्य [illegible] पर [illegible] हिन्दी/अंग्रेजी [illegible] से 100 शब्द प्रतिमिनट की गति हो।

(14)

प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड, भोपाल

प्रशासन भवन, मेन रोड नं. 1, निकट पी.ई. (ईस्ट), भोपाल 462011
फोन नं. 0755-2518011, 12, फैक्स : 0755-2550038
ई-मेल : vyapam@nic.nic.in वेबसाईट : www.peb.mp.gov.in

क्रमांक/पीओ/कम्प्यूटर/6013/2018 भोपाल, दिनांक 19/12/18

प्रति,

अधिष्ठाता
राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय
ग्वालियर (म.प्र.)

विषय– समूह–4 के अंतर्गत सहायक वर्ग–3, शीघ्रलेखक व अन्य समकक्ष पदों हेतु संयुक्त भर्ती परीक्षा–2018 का परीक्षा परिणाम।

प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड द्वारा दिनांक 28 से 31 जुलाई एवं 15 दिसम्बर 2018 को आयोजित समूह–4 के अंतर्गत सहायक वर्ग–3, शीघ्रलेखक व अन्य समकक्ष पदों हेतु संयुक्त भर्ती परीक्षा 2018 का परीक्षा परिणाम दिनांक 12.12.2018 को जारी किया गया है। इसमें सम्मिलित अभ्यर्थी आपके कार्यालय की अंतर्गत रिक्त पदों (पद कोड 52 से 55) के परीक्षा परिणाम से संबंधित निम्नलिखित अभिलेख/जानकारी सीलबंद लिफाफे में पत्र के साथ संलग्न है :–

क्र.सं.	विवरण	संलग्न विवरण
1.	Softcopy of : (1) Application Form details of Merit Candidates. (2) Application Form details of Waiting Candidates (3) Result Data (xlsx) with Form No. and Address	कुल 01 सीलबंद डी.वी.डी.
2.	पदवार, श्रेणीवार व संवर्गवार प्रारूपिय सूची की हार्डकॉपी एक प्रति में	पृष्ठ क्र. 263–280
3.	पदवार, श्रेणीवार व संवर्गवार अभिलेखित 100 अभ्यर्थी तक की प्रतिभा सूची की हार्डकॉपी एक प्रति में।	पृष्ठ क्र. 2255–2577

2. उपरोक्तानुसार परीक्षा परिणाम अंतिम कथन एवं नियुक्ति की कार्यवाही हेतु पत्र के साथ संलग्न कर आदेश सहित प्रेषित है, जिसे प्राप्त कर कृपया पावती उपलब्ध कराने का कष्ट करें। इस परीक्षा परिणाम की परिणाम संक्षेपिका, विभागवार, पदवार, श्रेणीवार व संवर्गवार कुल पद, भरे गए पद, रिक्त रहे पद एवं कटऑफ अंकों की जानकारी पी.ई.बी. की वेबसाईट पर उपलब्ध है, जिसे आवश्यकतानुसार मुद्रित किया जा सकता है।

3. कृपया चयनित अभ्यर्थियों के समस्त दस्तावेज/अभिलेख, अभ्यर्थी की समस्त जानकारी, शैक्षणिक व अन्य अर्हता, ऑनलाईन आवेदन–पत्र में अभ्यर्थी द्वारा दिए गए आधार नंबर से आधार बायोमेट्रिक सत्यापन, अरेंज सत्यापन एवं मध्यप्रदेश शासन के नियमानुसार अन्य समस्त प्रकार की जाँच/परीक्षण उपरांत समस्त दृष्टिकोण से सही पाए जाने पर ही अंतिम चयन व नियुक्ति की कार्यवाही करने का कष्ट करें।

4. सभी अभ्यर्थियों के मोबाईल/दूरभाष नंबर एवं ई–मेल आईडी की आवश्यकता हो तो पी.ई.बी. परीक्षा परिणाम की संलग्न सॉफ्टकॉपी में उपलब्ध अभ्यर्थियों के नंबर पर एसएमएस/ऑनलाईन की जा सकती है अथवा अभ्यर्थियों के मोबाईल/दूरभाष नंबर एवं ई–मेल आईडी की जानकारी सीधे मुख्य कार्यपालन अधिकारी, प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड, प्लॉट नंबर 14 से 17, चतुर्थ तल, डी.डी. सिटी मॉल, कम्पीटेंट पार्क, अरेरा हिल्स, एम.पी. नगर जोन 1 के सामने, भोपाल (म.प्र.)–462011 से प्राप्त कर सकते हैं, जिसके लिए पी.ई.बी. द्वारा सहमति प्रदान की जाती है।

संलग्न : उपरोक्तानुसार एक सीलबंद लिफाफा।

नियंत्रक
प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड
भोपाल

26/12/18

रा.वि.सि.कृ.वि.वि. ग्वा.
प्राप्त क्रमांक 5212
दिनांक 21/12/18

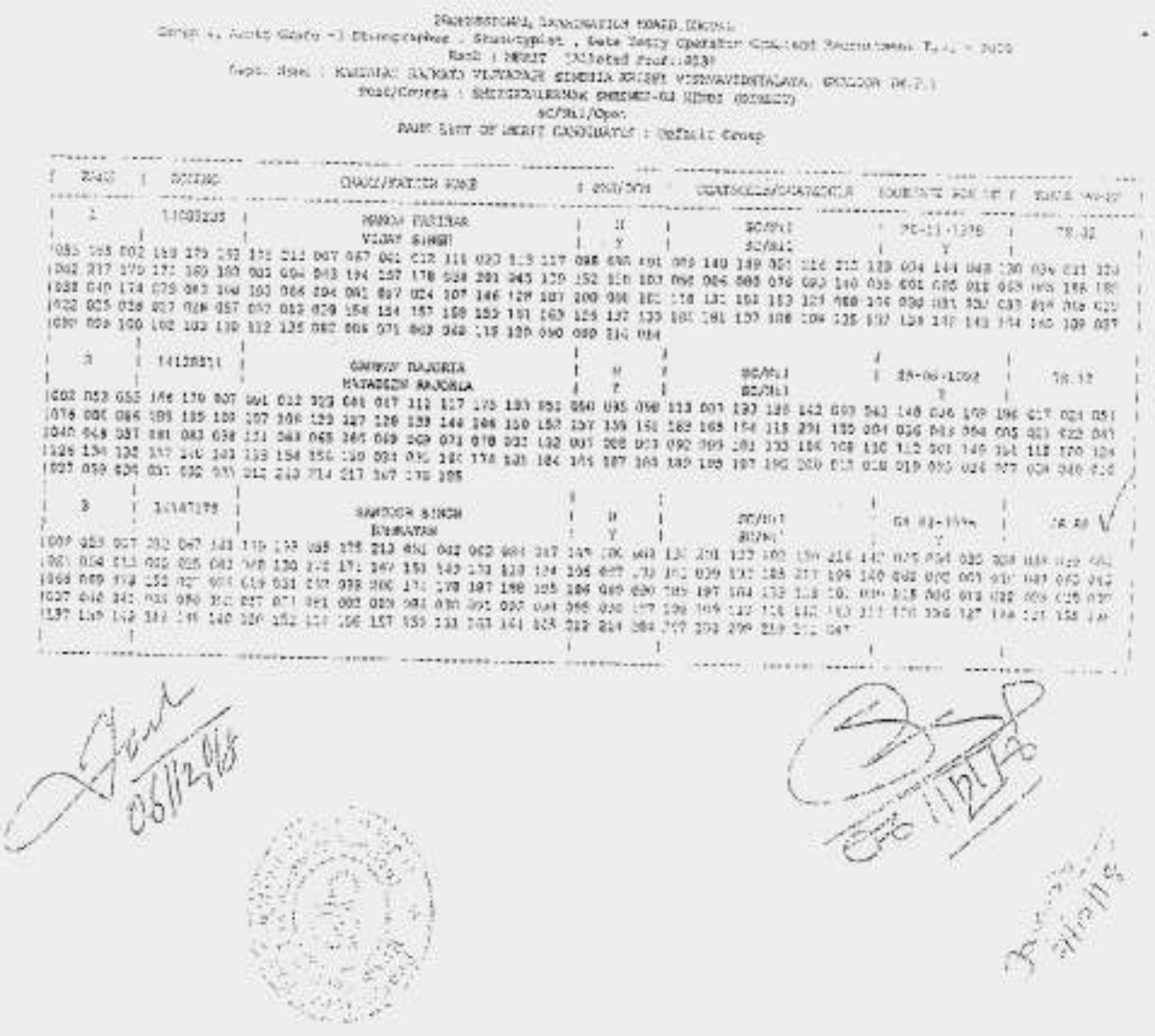

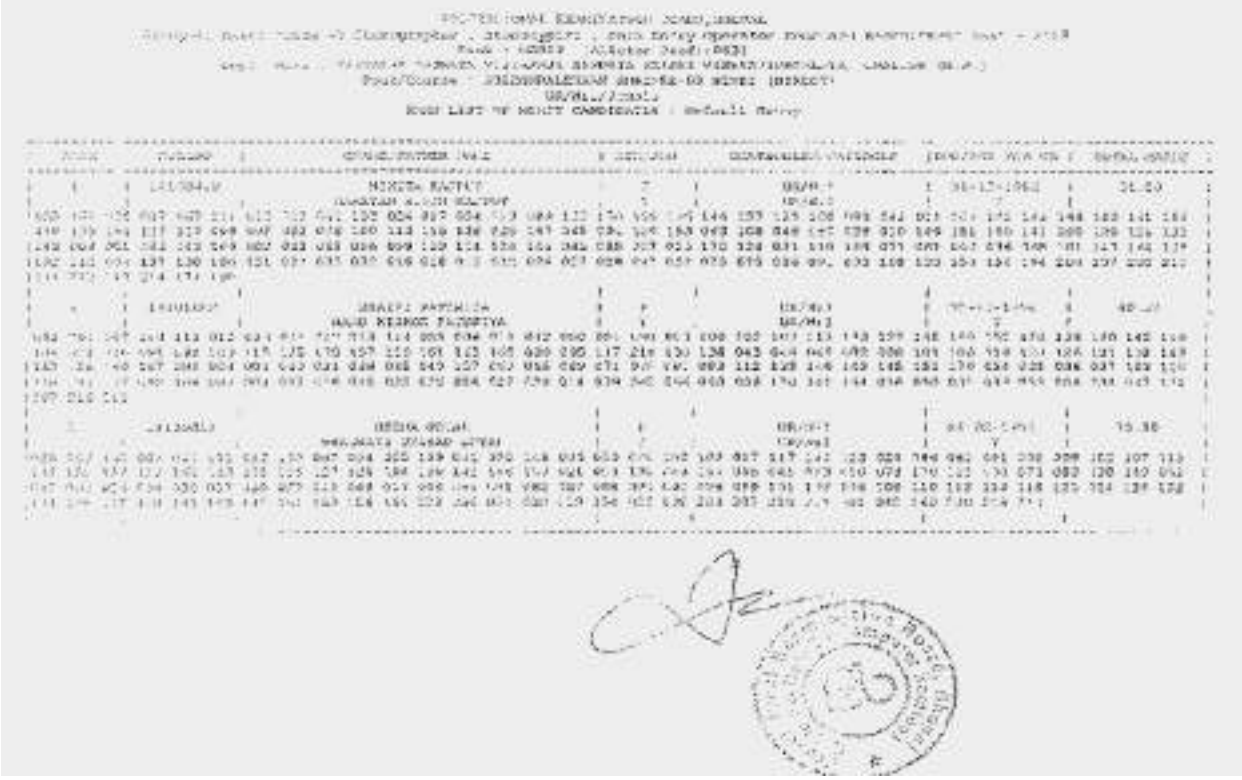

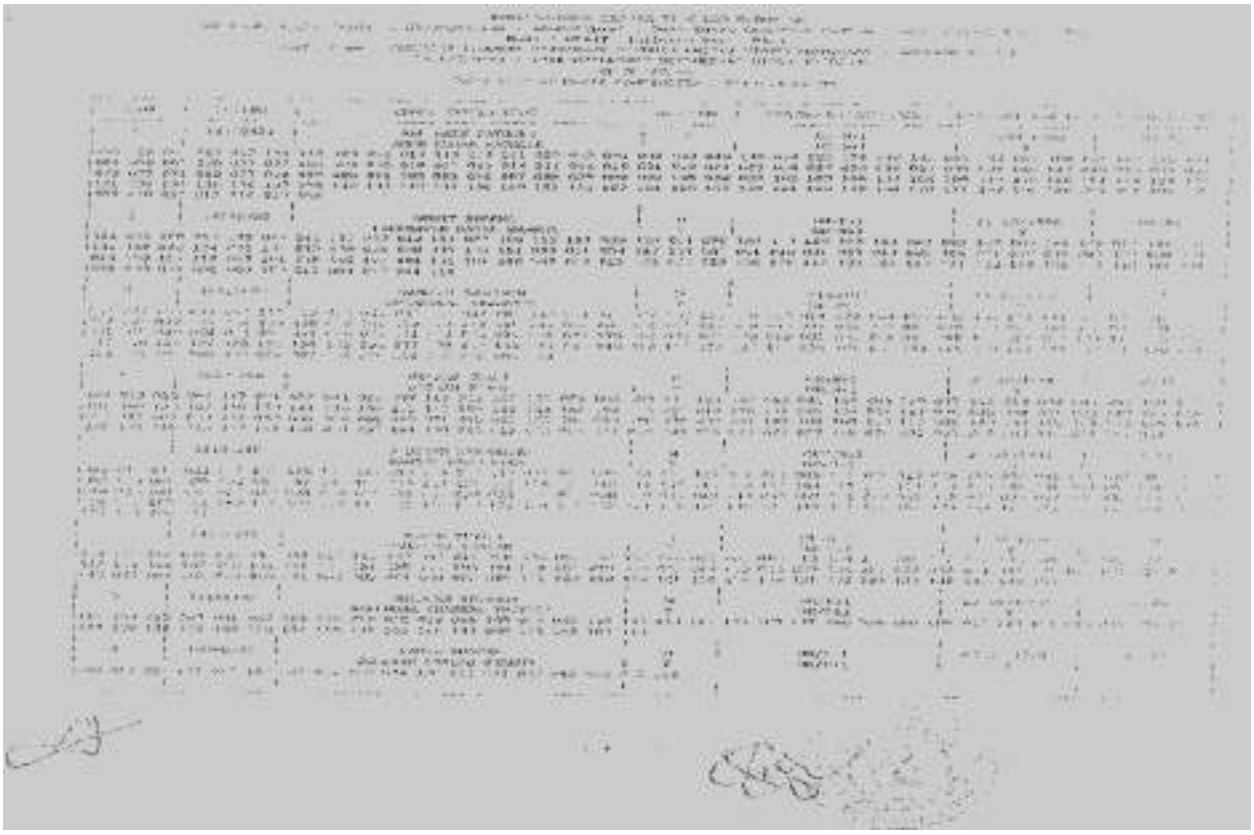

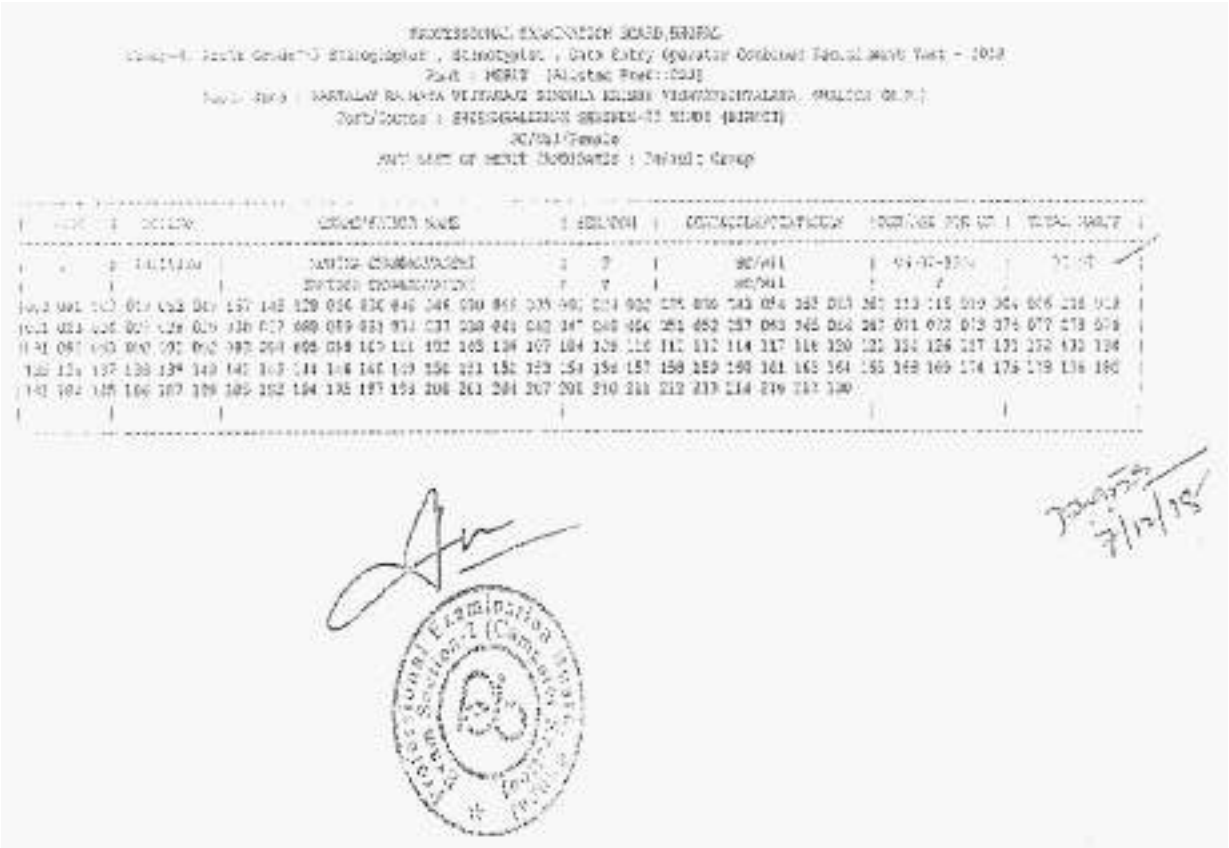

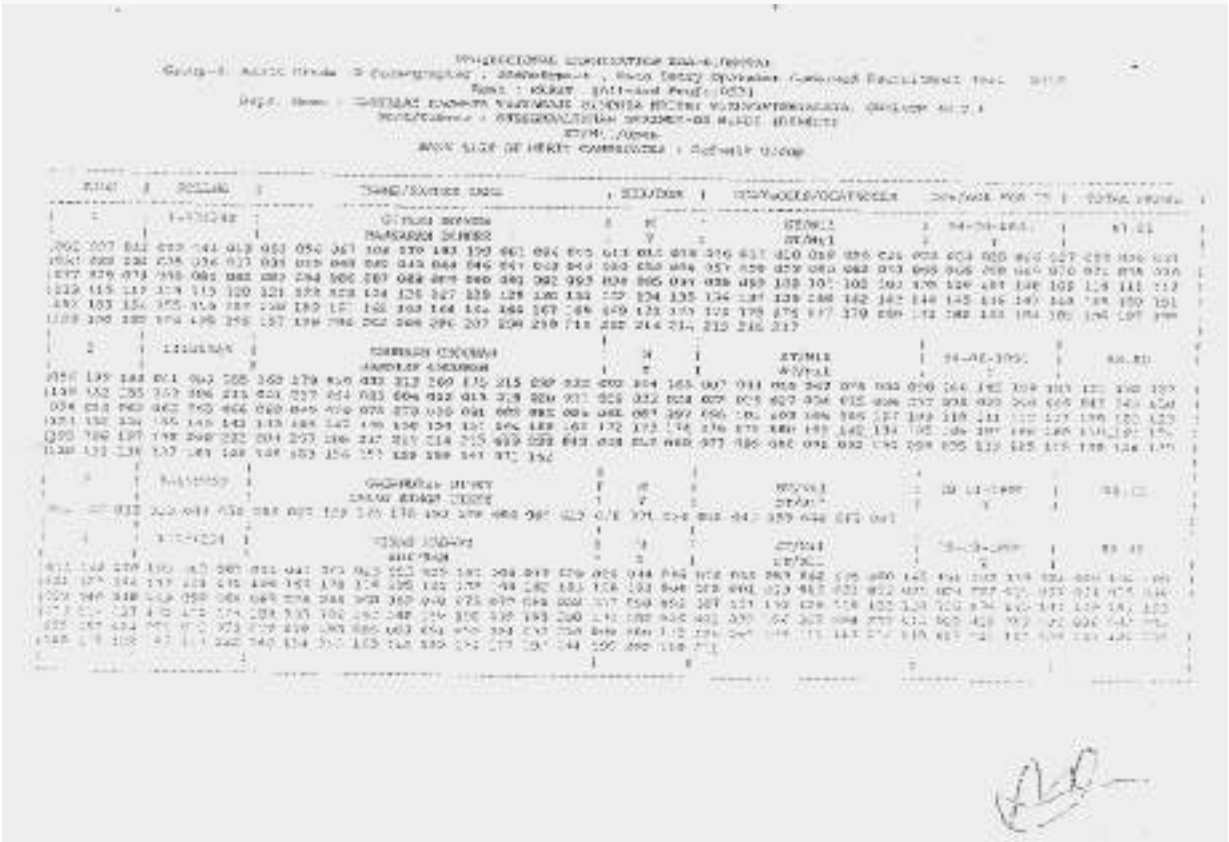

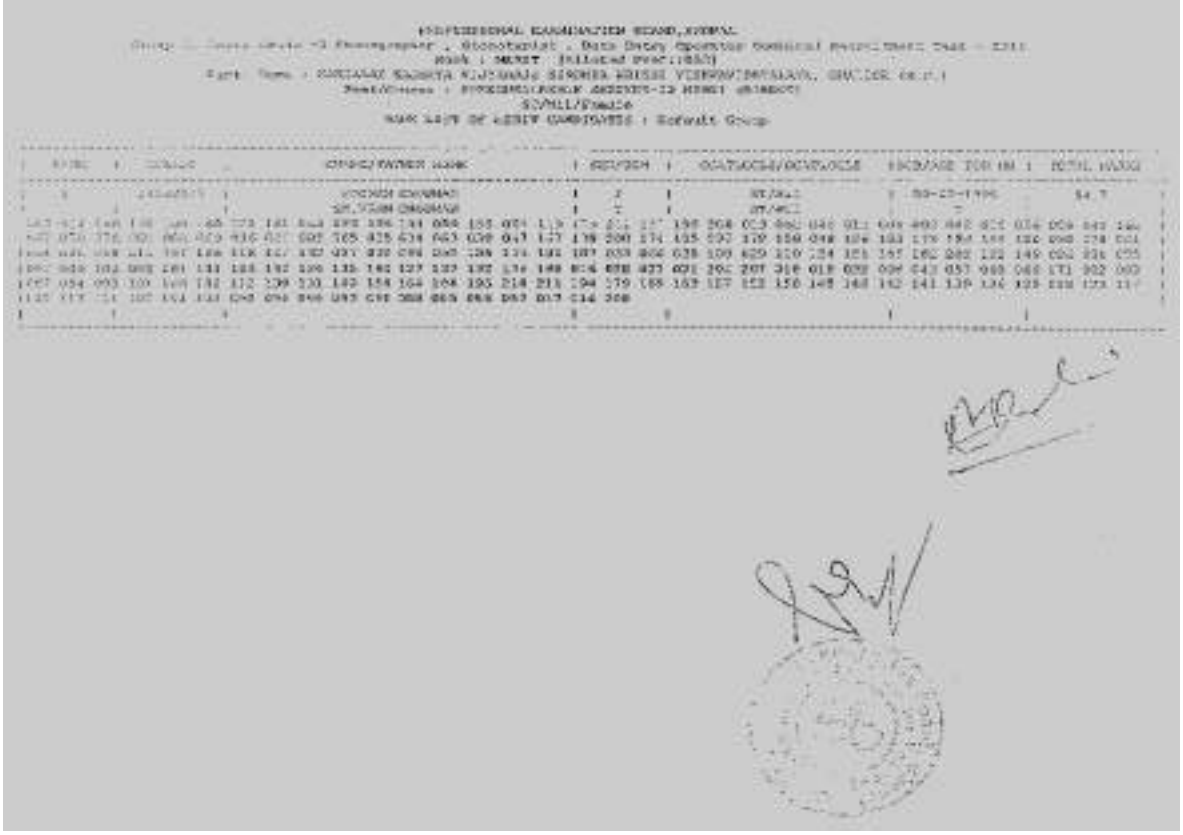

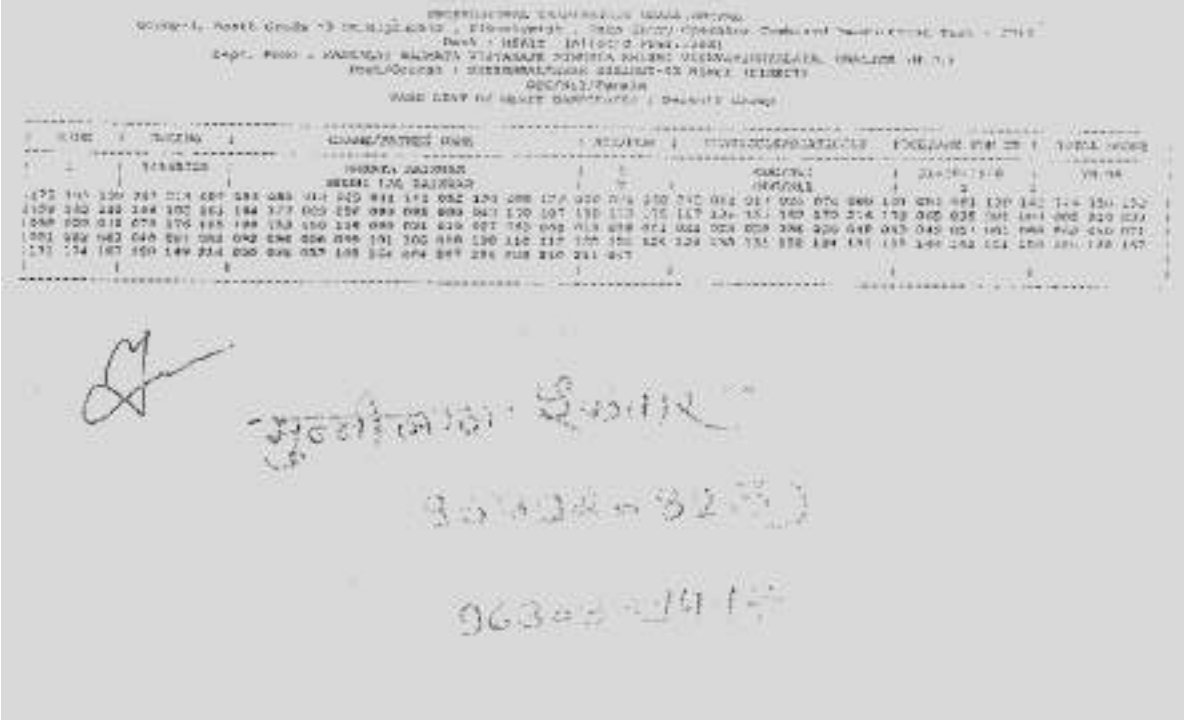

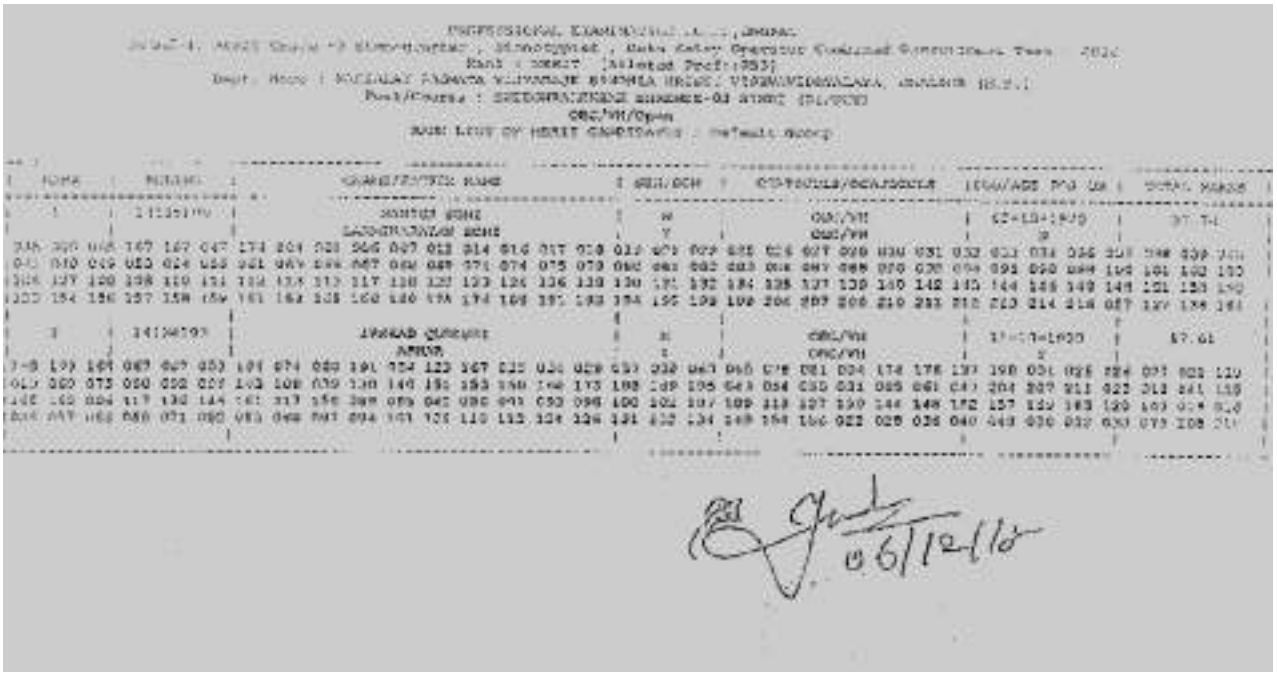

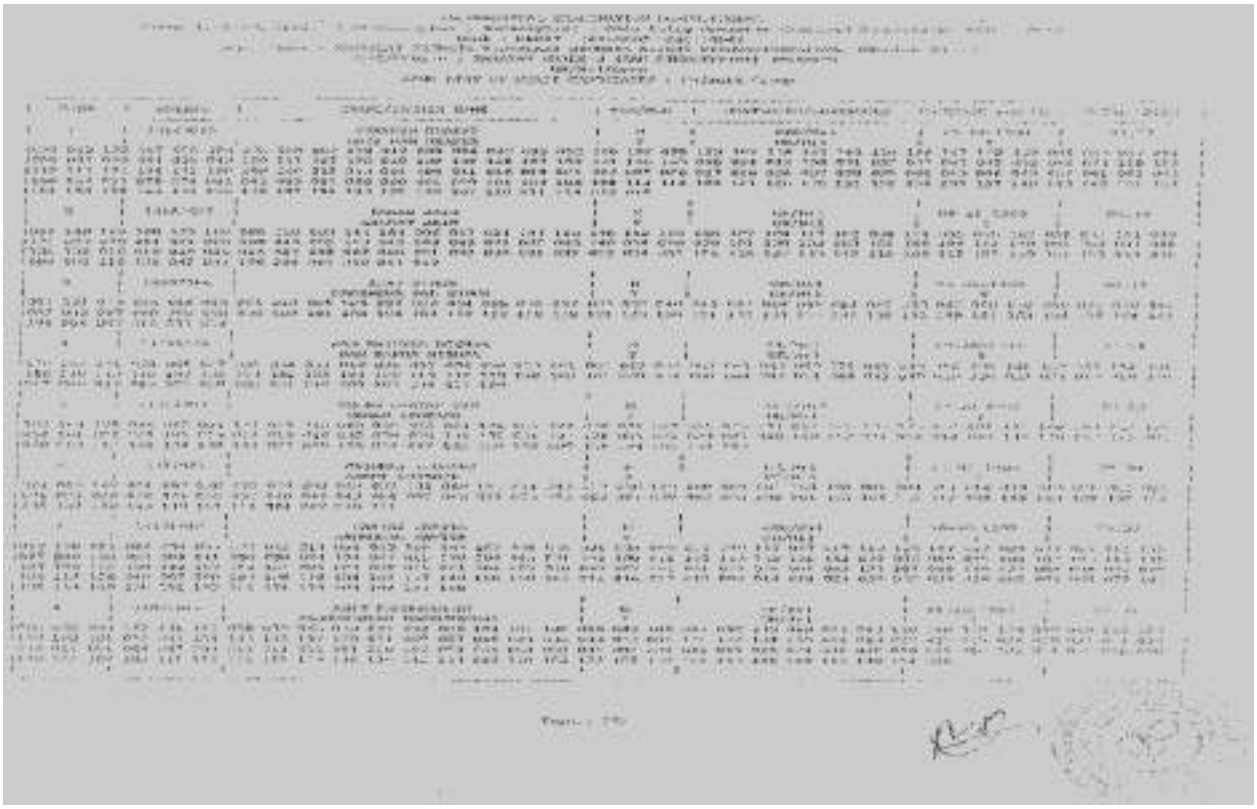

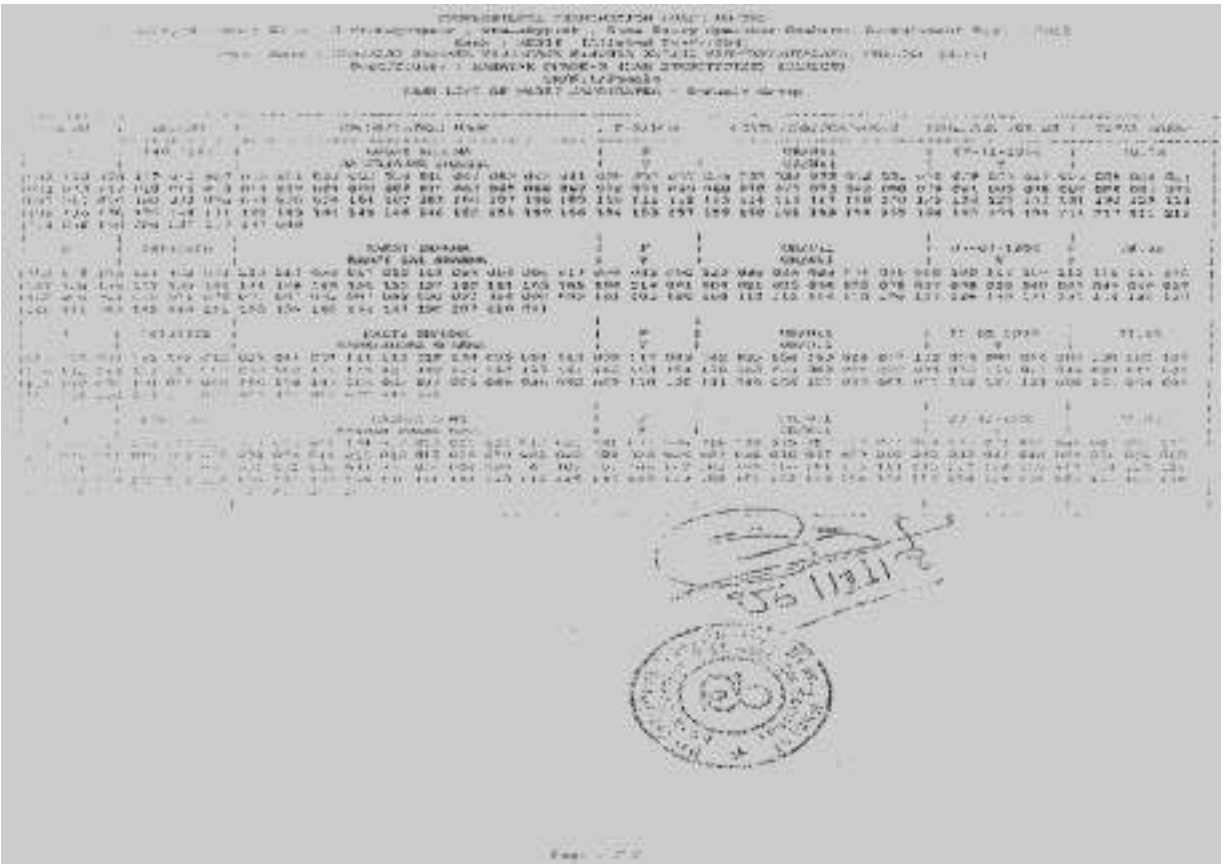

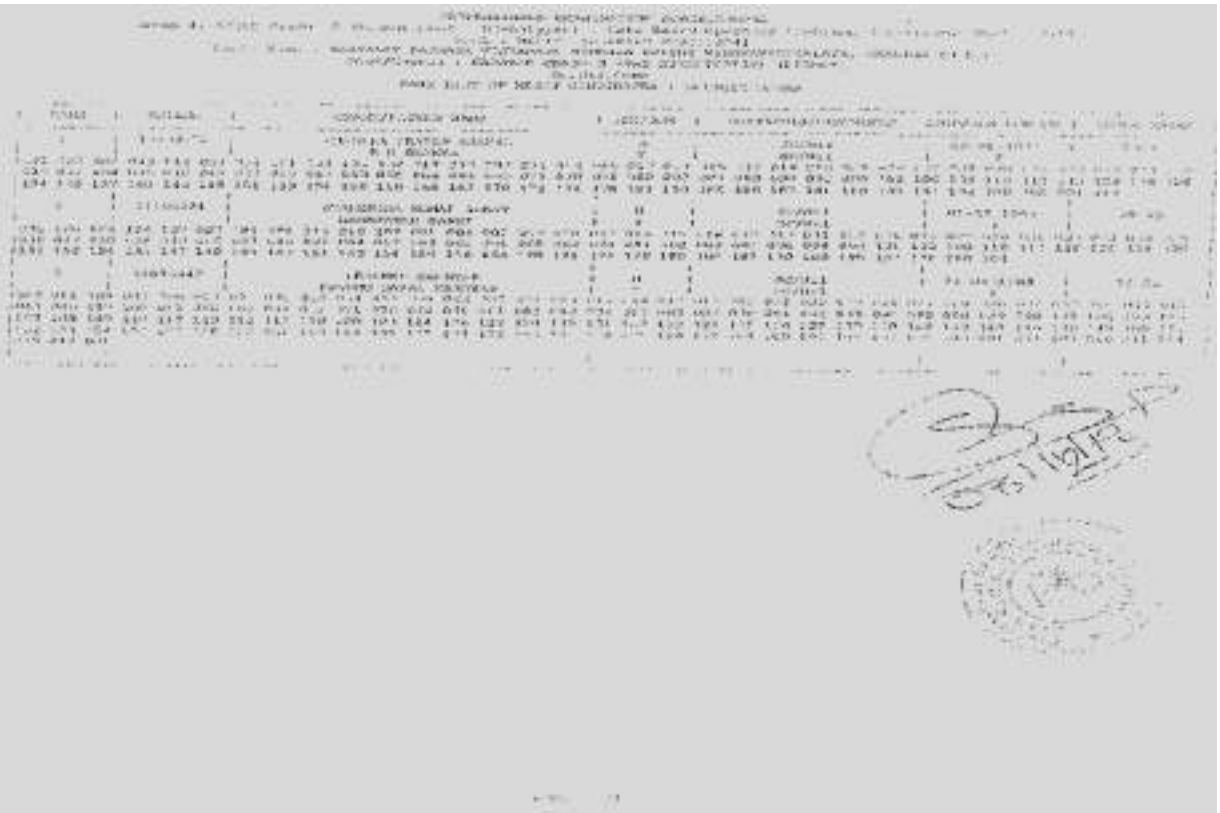

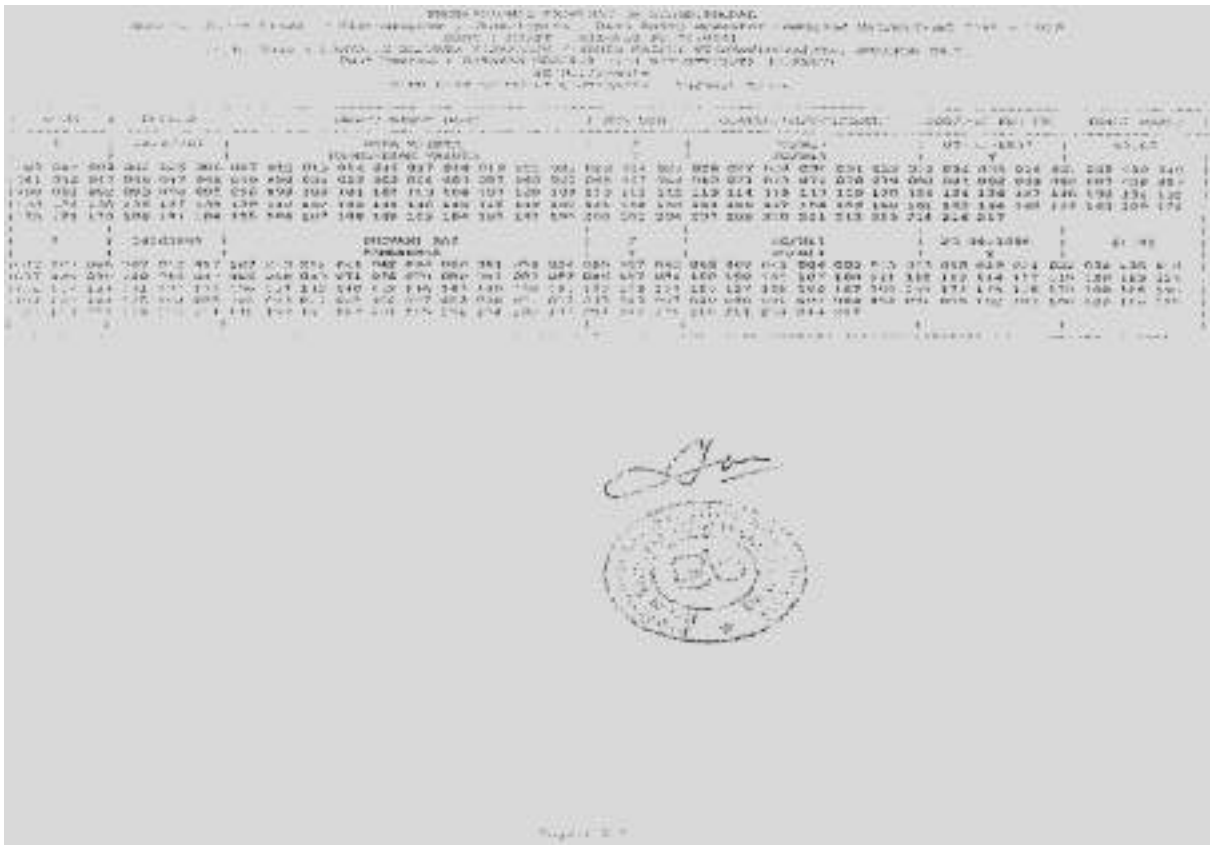

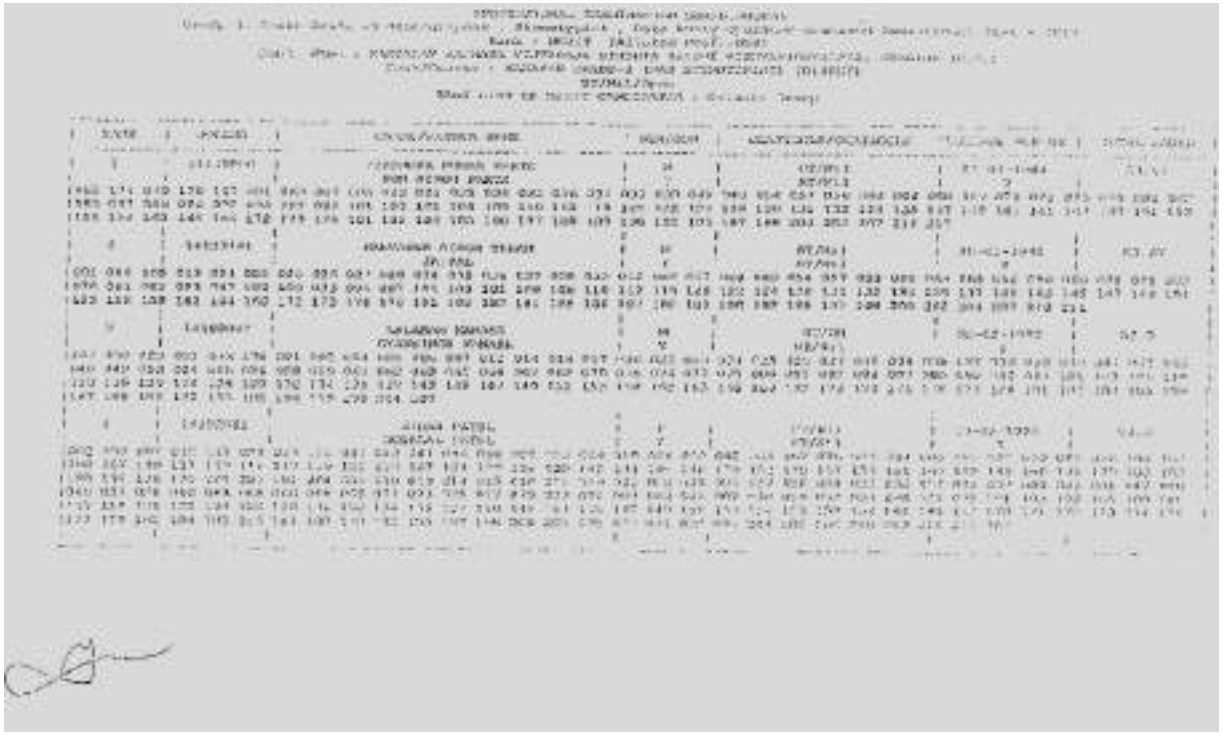

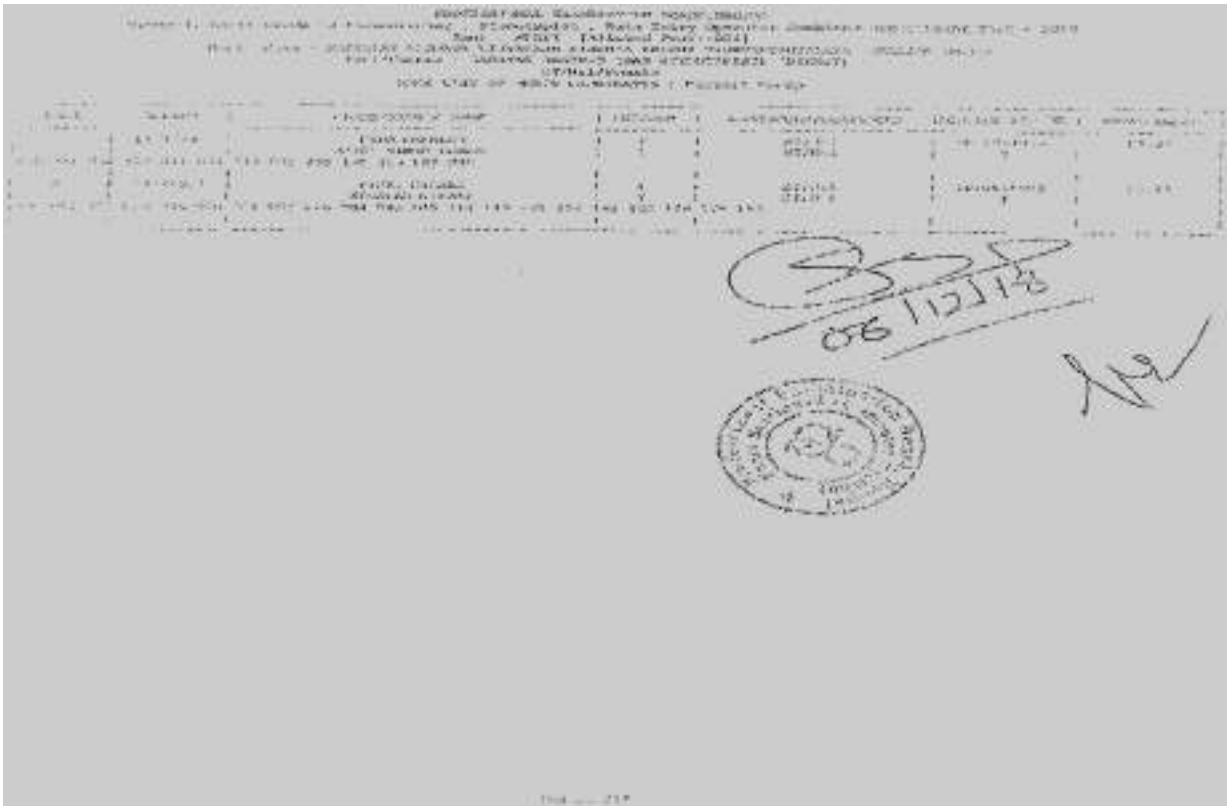

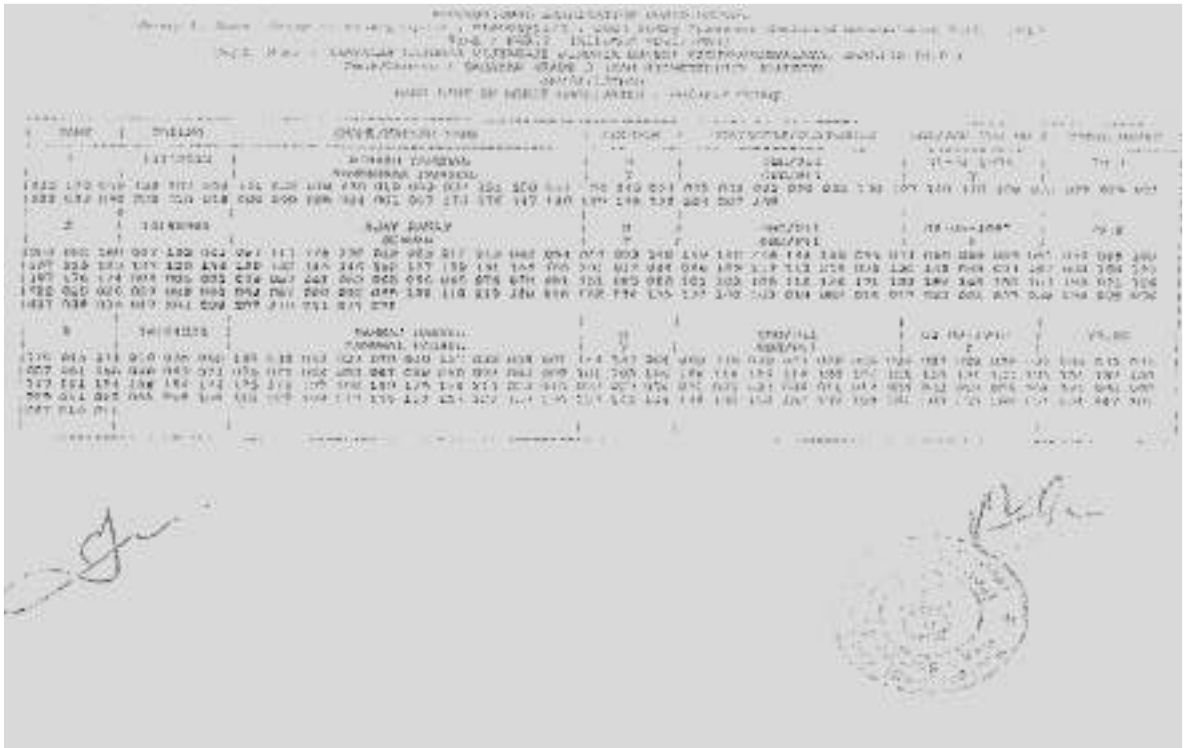

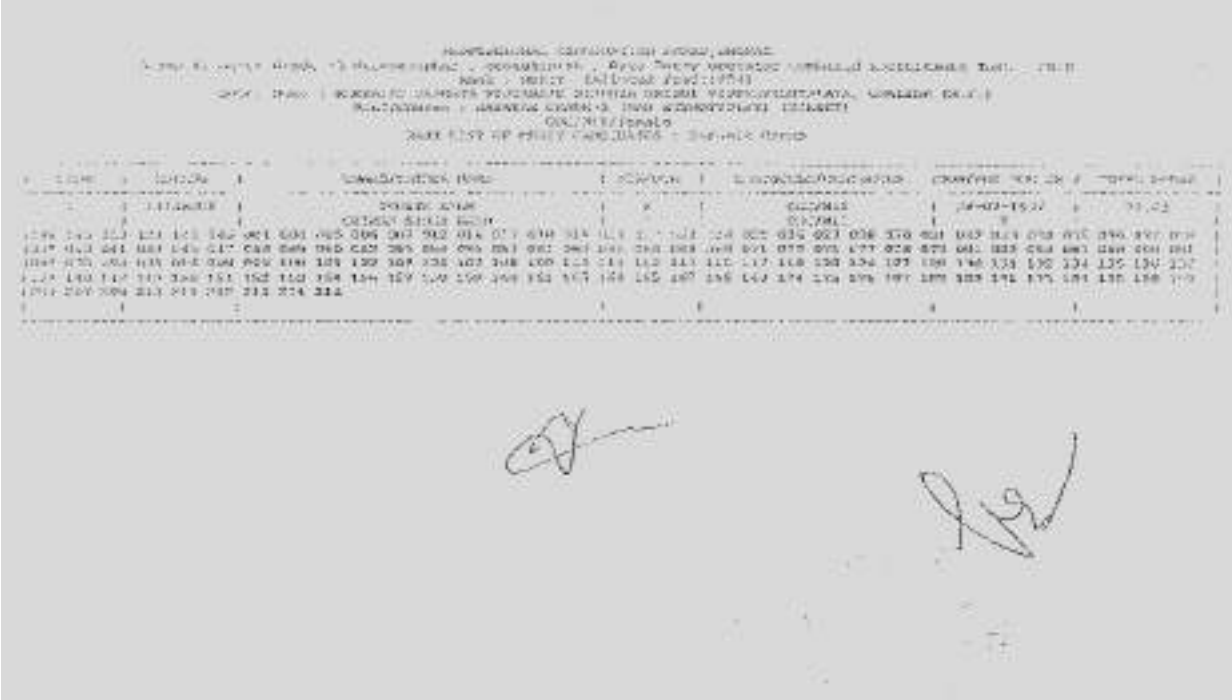

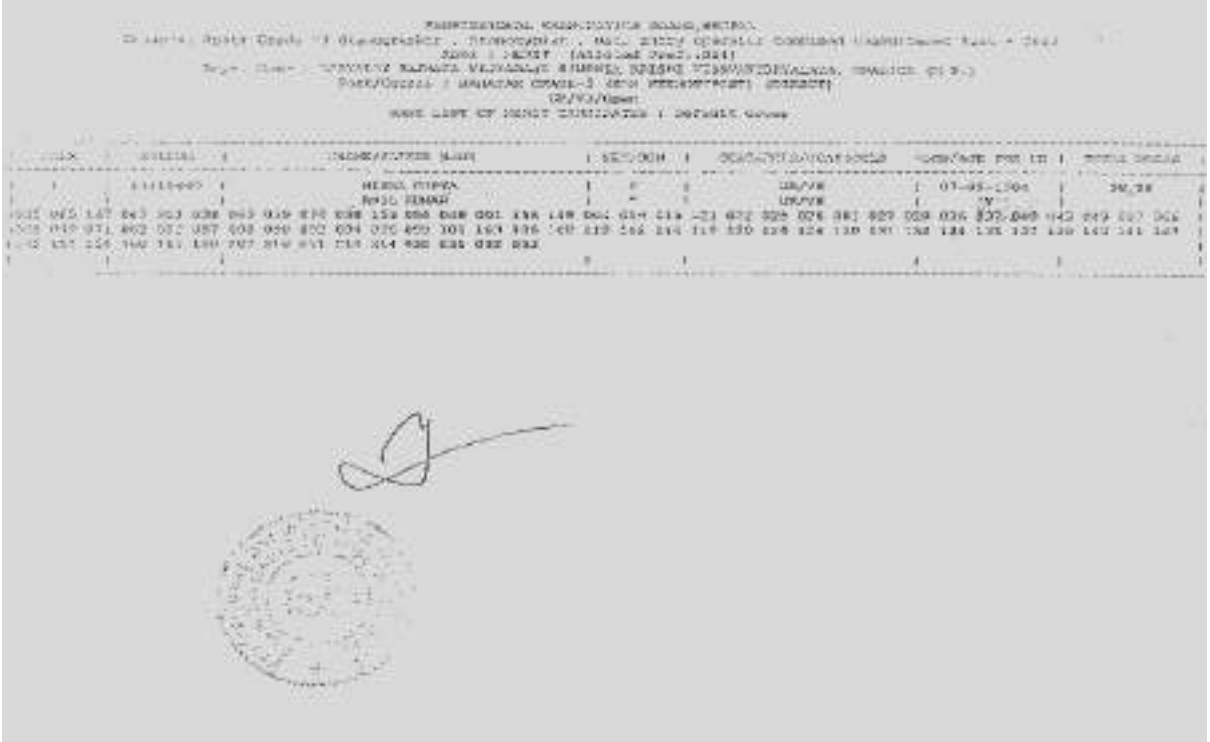

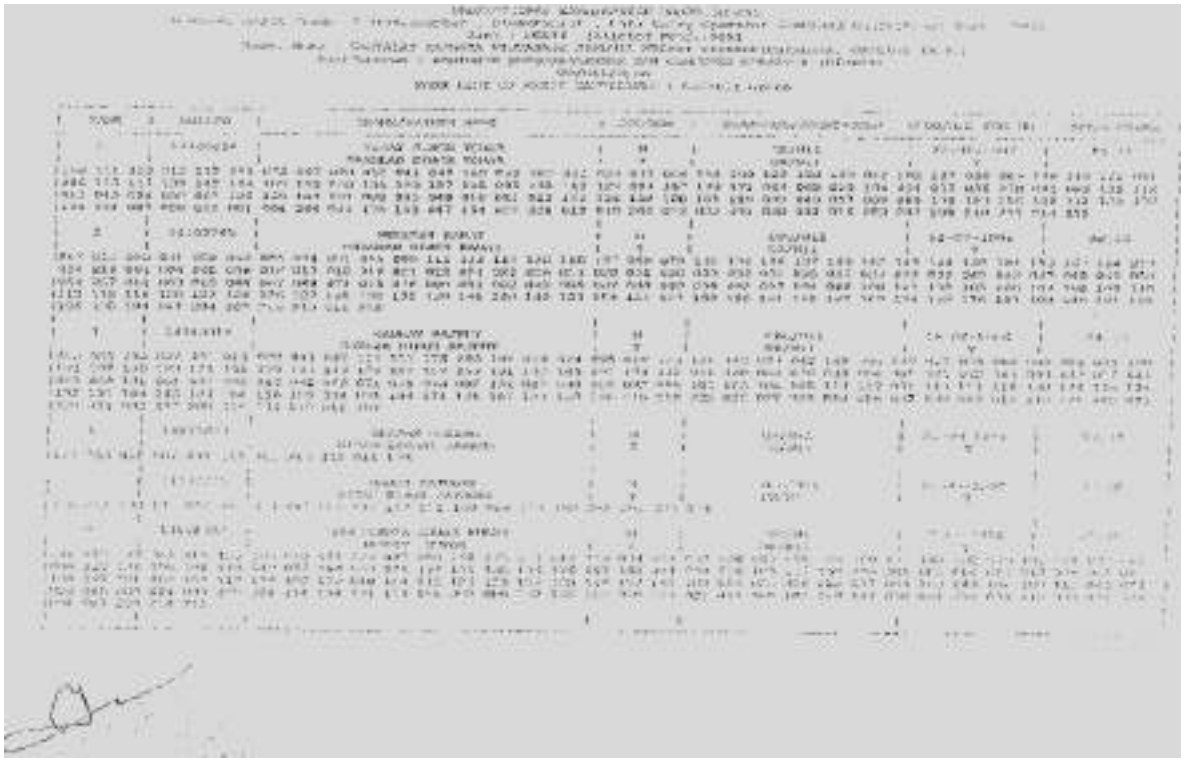

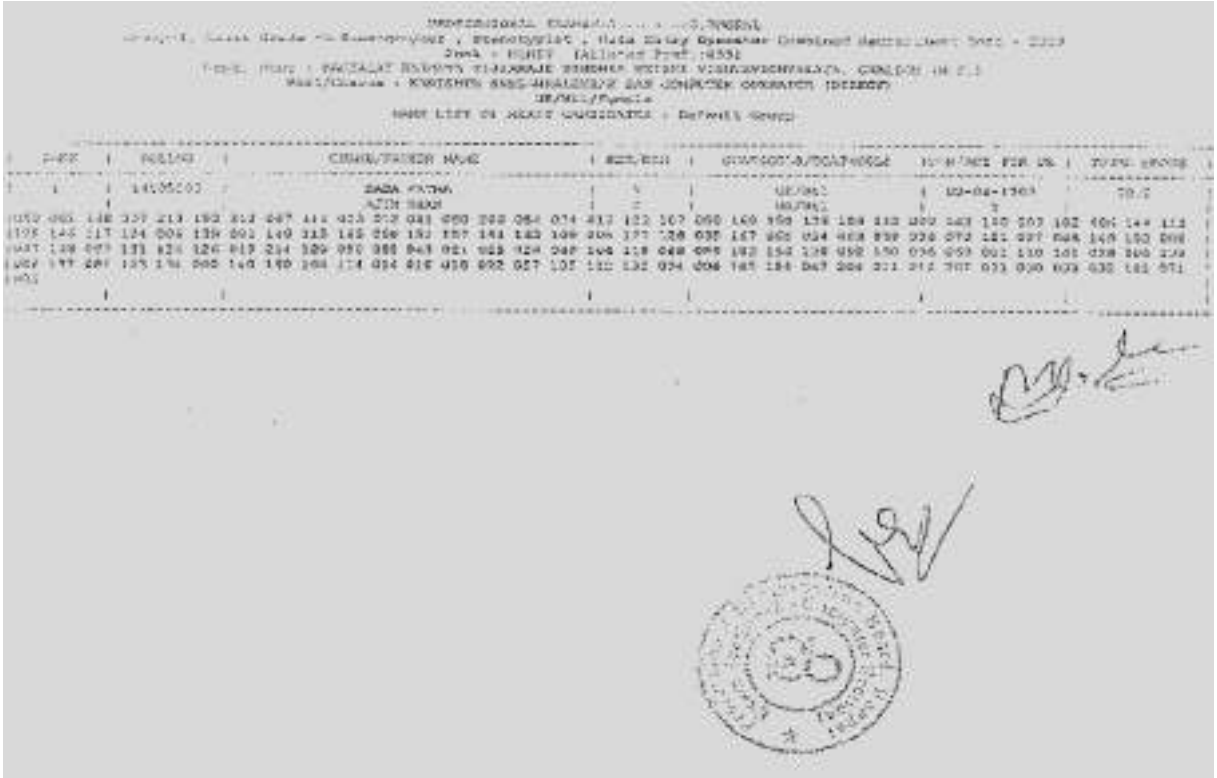

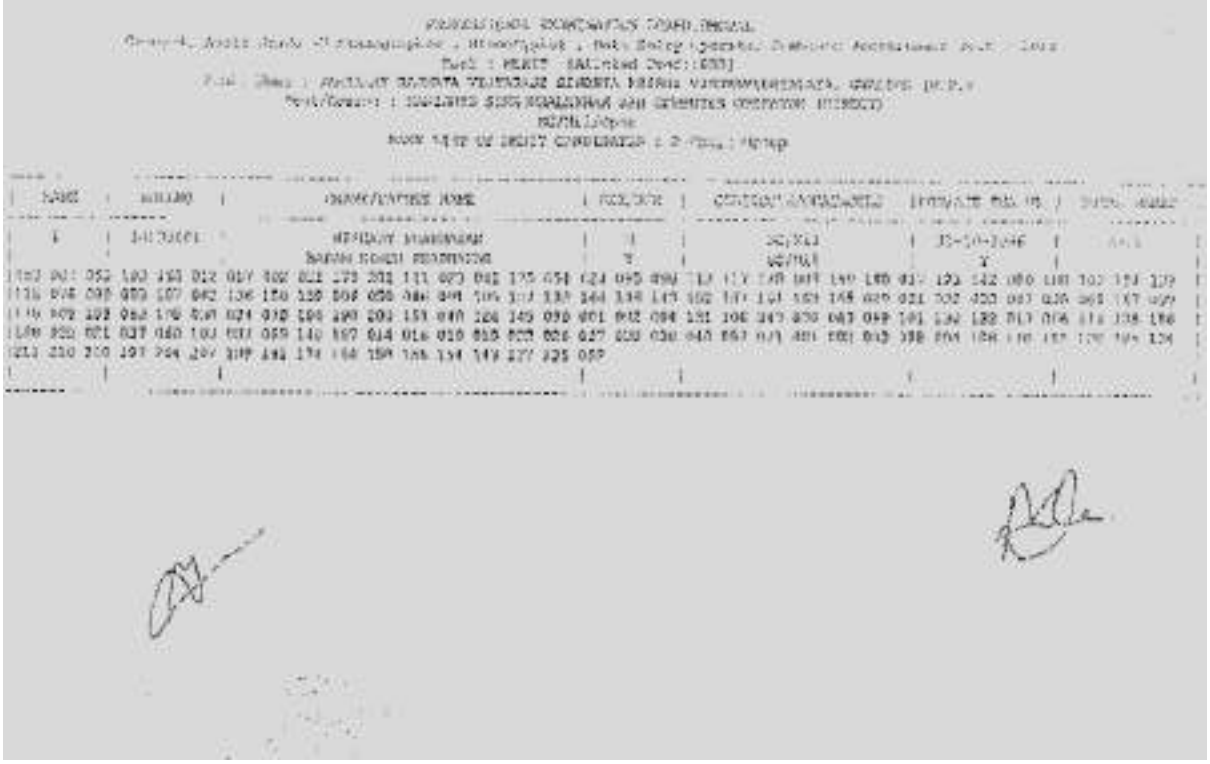

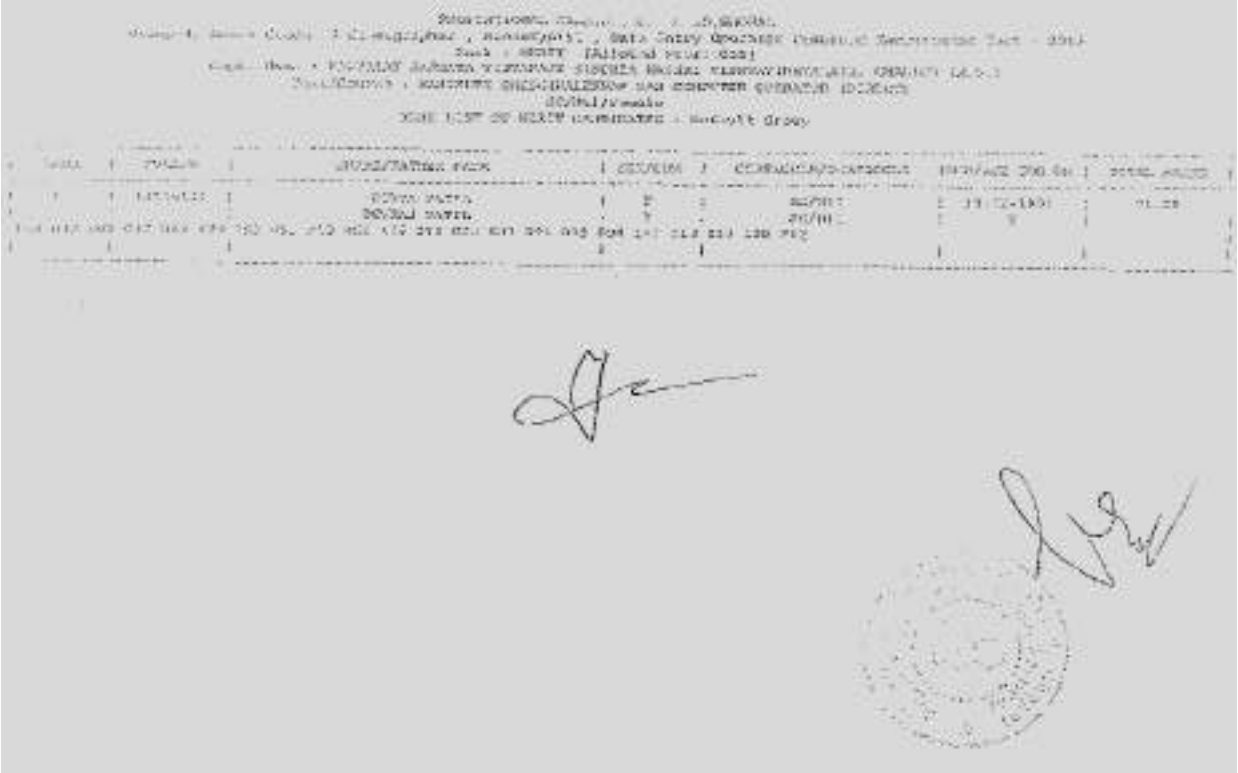

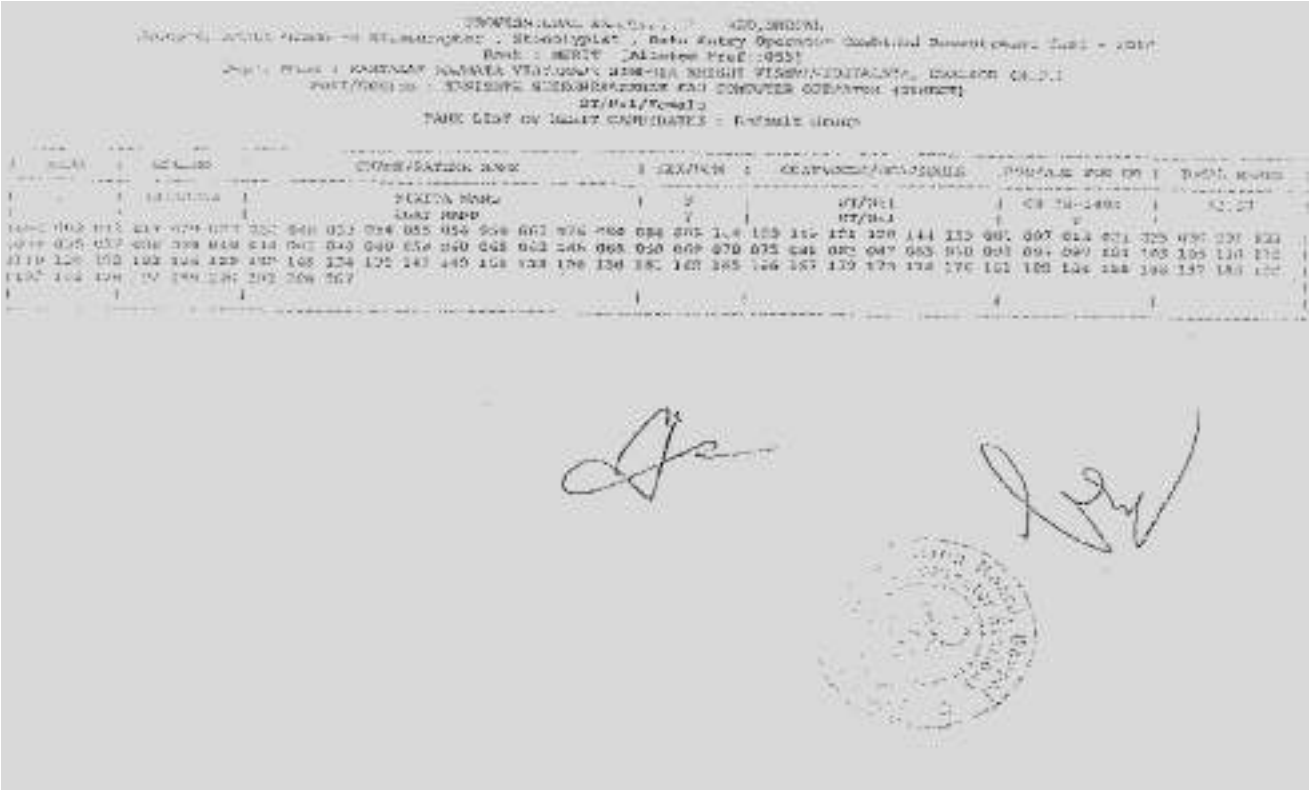

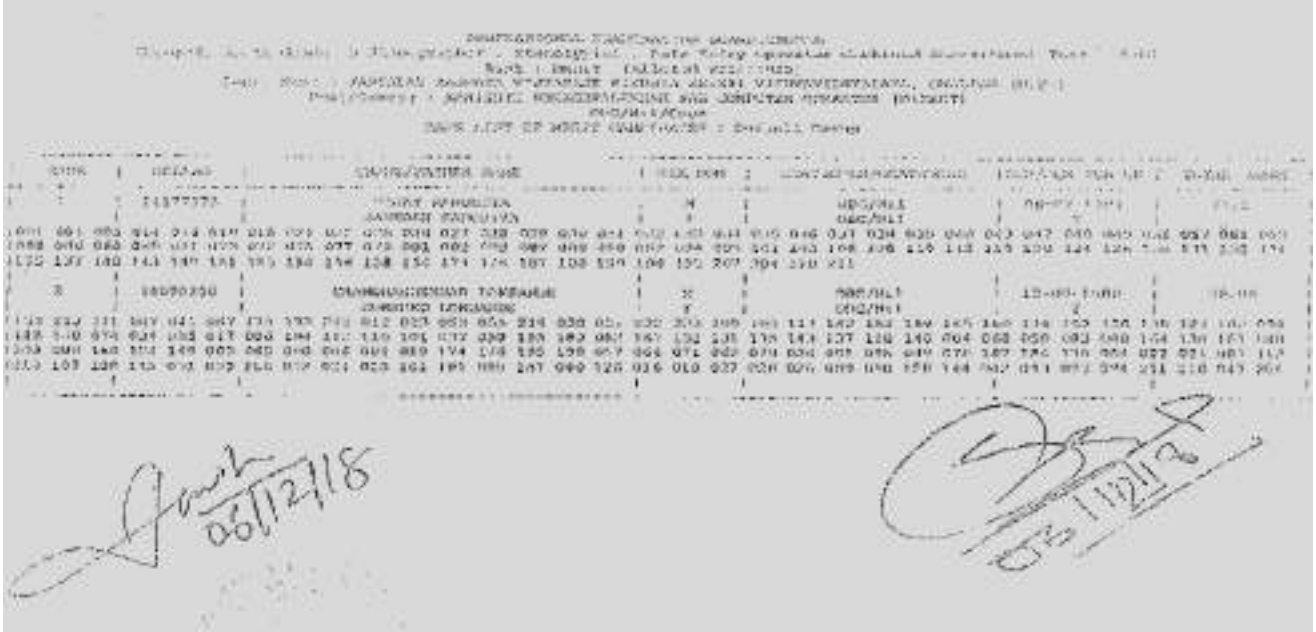

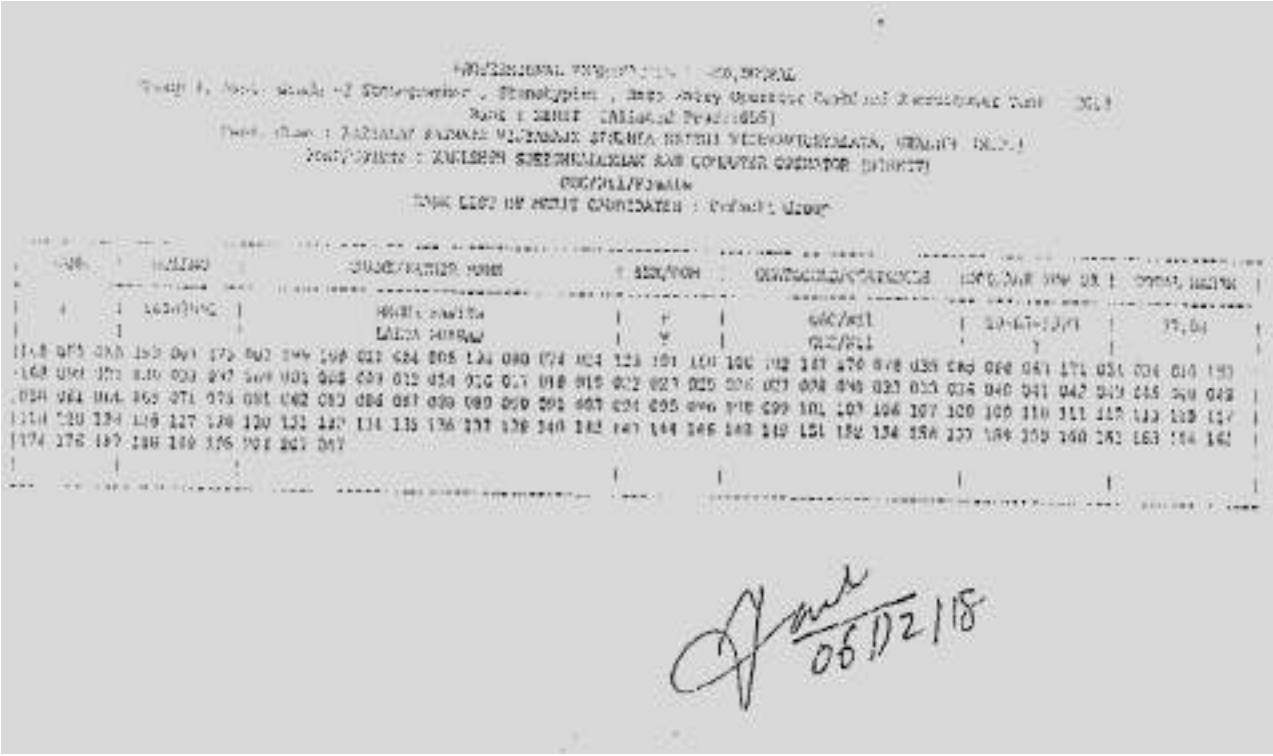

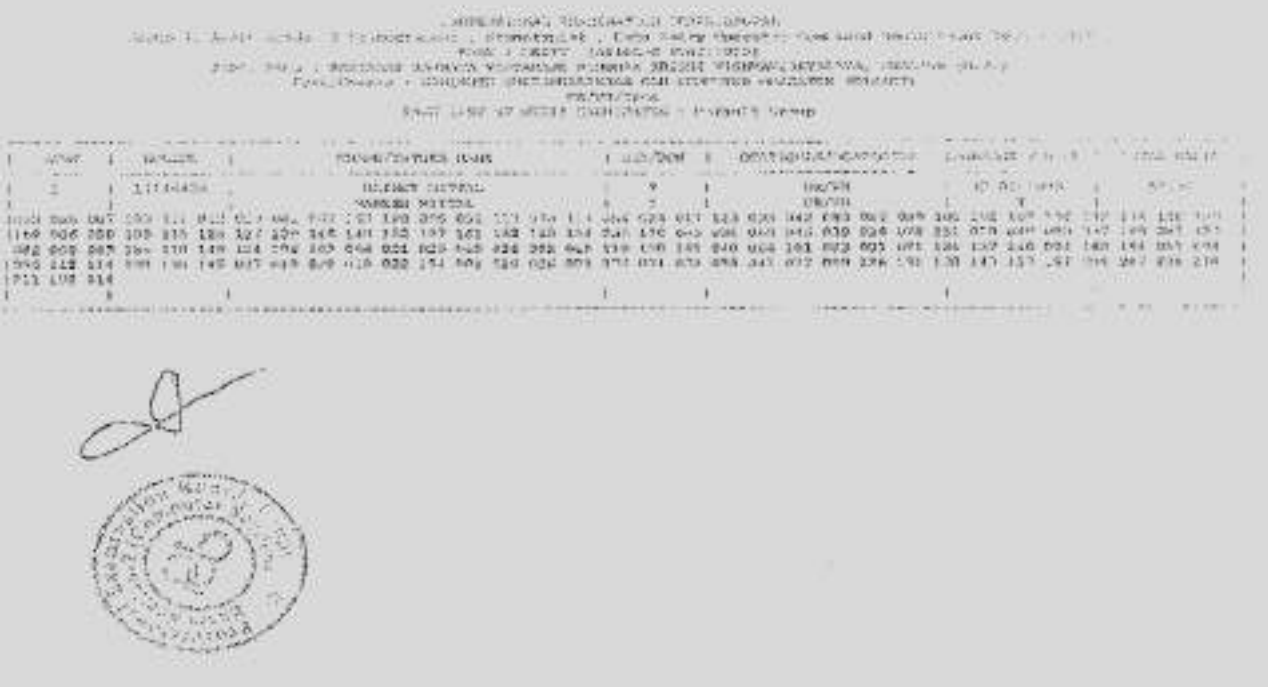

सहायक ग्रेड-03 सह कम्प्यूटर ऑपरेटर पोस्ट कोड-54

S NO.	CANDIDATE NAME	OFFICE NAME
1	Sh Praveer Dhakad	IEC
2	Ku. Shivani Rai	Comptroller
3	Sh. Ajay Rawat	Comptroller
4	Ku. Neha Vaidya	Registrar
5	Sh Pradeep Kashyap	Registrar
6	Ku Mohi Sharma	Registrar
7	Sh. Harvansh Singh Teekam	DES
8	Ku. Yogita Karn	PRO
9	Sh. Sarthak Sharma	DI
10	Anjul Saxena	Registrar
11	Maya Tiwari	Registrar
12	Jagendra Dhakar	Comptroller
13	Arti Rathor	Registrar
14	Harikrishan Dhakad	Registrar
15	Bhoopendra Argal	DI
16	Mohit Meshram	Comptroller
17	Pankaj Srivas	DFA
18	Megha Ashok Sharma	DES
19	Shailendra Singh Dodiya	Comptroller

वरीष्ठ लेखक ग्रेड-02(हिन्दी) पोस्ट कोड-53

S NO.	CANDIDATE NAME	OFFICE NAME
1	Abhishek Rathore	Registrar
2	Kuldeep Trivedi	Registrar
3	Sovrata Raikwar	Registrar
4	Santosh Singh	VC
5	Gaurav Rajoriya	DSS
6	Saurav Thehage	College
7	Rahul Sharma	DES
8	Subham Chauhan	College
9	Irshad Kurresh	College
10	Vikash Yadav	College
11	Avdesh Rajouriya	College
12	Neeraj Tyagi	College
13	Tarun Tiwari	College
14	Geetesh Dongre	College
15	Reena Goyal	College
16	Rakta Rajput	DES
17	Manoj Parihar	Comptroller
18	Poonam Chauhan	Comptroller
19	Shaan Pateria	Comptroller
20	Ritu Shakya	DFA

कनिष्ठ लेखक सह कम्प्यूटर ऑपरेटर पोस्ट कोड -55

S NO.	CANDIDATE NAME	OFFICE NAME
1	Shri Harsh Rathore	Agar Malwa
2	Shri Rakesh Aske	Mandsaur
3	Shri Chandrasekhar Lokhande	Jhabua
4	Shri Vishant Prabhakar	Mrgavar (Dhar)
5	Ku. Nikita Nand	Sajapur
6	Ku. Megna Savita	Aron (Guna)
7	Ku. Sba Fatma	Datia
8	Sh. Gaurav Rajput	Lahar (Bhind)
9	Ku. Nancy Mittal	Morena
10	Sh. Bhoopendra Kumar Kurmi	Dhar
11	Rahul Pavaiya	KVK, sheopur
12	Shashiraj Bhariya	KVK, Khargone
13	Pawan Kumar Rajput	KVK, Dewas

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

क्र./मु.स./स्था.जो/2019/1303 ग्वालियर, दिनांक 30/07/2019

//आदेश//

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर अंतर्गत पद क्रमांक-55 कनिष्ठ शीघ्रलेखक सह कम्प्यूटर ऑपरेटर पद पर सीधी भर्ती हेतु प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड, चयन भवन, भोपाल म0प्र0 द्वारा, समूह -4 के अंतर्गत प्राप्त प्राथमिकता सूची अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा गठित दस्तावेज सत्यापन समिति की अनुशंसा एवं कुलपति जी के अनुमोदनोपरान्त श्री चन्द्रशेखर लोखण्डे S/O श्री सुखदेव लोखण्डे, ग्राम व पोस्ट-तिवरखेड़, तहसील-मुलताई-460665 जिला बैतूल (म.प्र.) को कनिष्ठ शीघ्रलेखक सह कम्प्यूटर ऑपरेटर के पद पर वेतनमान रू 5200-20200+2800 ग्रेड पे (पुनरीक्षित सातवें वेतनमान लेवल-7 में मूल वेतन रू 28700 + विश्वविद्यालय नियमानुसार भत्ते) पर **अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी** के अंतर्गत चयन किया जाकर उक्त पद पर उपस्थित होने की दिनांक से अस्थाई रूप से **कार्यालय वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र झाबुआ** में निम्नलिखित शर्तों के अधीन पदस्थ किया जाता है-

2. नियुक्ति की शर्त एवं नियम निम्नानुसार होंगे --

1. यह नियुक्ति 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर की जा रही है। परिवीक्षा अवधि में अग्रिम वेतनवृद्धियाँ भी स्वीकृत नहीं की जायेंगी।

2. विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत म0प्र0 शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञाप क्रमांक एफ-सी-15/2012/1/3, दिनांक 24 नवम्बर 2012 के पश्चात नियुक्त अभ्यर्थी के चरित्र सत्यापन की प्रत्याशा में नियुक्ति आदेश जारी किये जा रहे हैं, अतः इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी शपथ पत्र उपस्थिति के समय निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। नव नियुक्त अभ्यर्थी का चरित्र सत्यापन शासकीय सेवकों पर लागू नियमों या अनुदेशों के आधार पर किया जायेगा। चरित्र के संबंध में किसी प्रतिकूल निष्कर्ष की दशा में नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा नियुक्त अधिकारी की सेवायें बिना कोई कारण बताये तत्काल रद्द कर दी जायेंगी।

3. आदेश जारी होने के दिनांक से एक माह के भीतर आवश्यक रूप से कार्यभार ग्रहण करेंगे, अन्यथा नियुक्ति आदेश स्वमेव निरस्त समझा जावेगा।

4. नियुक्त अभ्यर्थियों द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व उनकी शैक्षणिक अर्हता मान्यता प्राप्त संस्था का मूल प्रमाणपत्र, मूल अंकसूचियाँ, सक्षम अधिकारी द्वारा जारी आरक्षित श्रेणी का वैध जाति प्रमाणपत्र, म0प्र0 मूल निवासी प्रमाणपत्र तथा जन्मतिथि सत्यापन हेतु वांछित प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा, संबंधित अधिकारी द्वारा सभी प्रमाण-पत्रों की आप मूल दस्तावेजों के आधार पर सत्यापन स्थल पर की जायेगी। यदि प्रमाण-पत्रों में कोई विसंगति दिखाई देती है, तो कार्यभार ग्रहण कराने के पूर्व अभ्यर्थी आपकी नियुक्ति प्राधिकारी अर्थात् कुलसचिव राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर को ही जाकर उनसे परामर्श प्राप्त किया जायेगा एवं प्रस्तुत प्रमाणपत्र सही नहीं पाये जाने की स्थिति में नियुक्ति समाप्त की जा सकेगी।

5. अभ्यर्थी को शासकीय सेवा ग्रहण करने के दिनांक से वे सभी शर्तें म0प्र0 सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 एवं शासनादेश मान्य होंगे जो समय-समय पर शासन द्वारा जारी किए जा चुके हैं अथवा जारी किए जायेंगे जिन्हें विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत किया गया हो।

//2//

6. नियुक्त अभ्यर्थी को कार्यभार ग्रहण करने के समय मेडीकल बोर्ड से उपयुक्तता (फिटनेस) प्रमाण–पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

7. नियुक्त अभ्यर्थियों की वरिष्ठता विश्वविद्यालय में पी.ई.बी. भोपाल द्वारा जारी चयन सूची के मेरिट क्रम के अनुसार सधारित होगी।

8. अस्थाई नियुक्ति के दौरान उनकी सेवायें किसी भी समय उभय पक्ष द्वारा एक माह का नोटिस देकर समाप्त की जा सकेगी।

9. चयनित अभ्यर्थी द्वारा एक माह का नोटिस या उसकी एवज में एक माह का वेतन तथा भत्ते का भुगतान किया जाकर सेवा से त्यागपत्र दिया जा सकेगा। एक माह का वेतन तथा एक माह का नोटिस दिये बिना शासकीय सेवा छोड़ने पर उपरोक्त शर्तों के अनुसार देय रकम भू–राजस्व या बकाया देय राशि से वसूल की जा सकेगी।

10. नियुक्त अभ्यर्थियों को निर्देशित किये जाने पर समय–समय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उपस्थित होना अनिवार्य है, साथ ही विहित विभागीय परीक्षा आदि नियत समयावधि में उत्तीर्ण करना होगी। विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने पर एवं कार्यों के मूल्यांकन संतोषजनक पाये जाने पर म0प्र0 सिविल सेवा नियम 1961 के नियम 8(6) के अनुसार सेवायें नियमित की जाकर परिवीक्षा अवधि समाप्त होने पर ही वेतनवृद्धि की पात्रता होगी। परिवीक्षा अवधि में नियुक्ति पद का न्यूनतम वेतन देय होगा।

11. राज्य शासन के अधीन दिनांक 01.01.2005 अथवा इसके बाद नियुक्त होने वाले कर्मचारियों को परिभाषित अंशदान पेंशन प्रणाली लागू होगी। सेवा संबंधी अन्य मुद्दे नियमित शासकीय सेवकों को लागू किया जाये के अध्यधीन रहेगा।

12. विश्वविद्यालय द्वारा जारी नियुक्ति आदेश में प्रविष्ट पदस्थापना स्थल से अभ्यर्थी की सेवायें परिवीक्षा अवधि के दौरान स्थानान्तरित नहीं की जा सकेगी।

13. "यह नियुक्ति आदेश पुलिस चरित्र सत्यापन की प्रत्याशा में जारी किया जा रहा है, यदि पुलिस चरित्र सत्यापन की रिपोर्ट में कोई नियुक्त अभ्यर्थी शासकीय सेवा के अयोग्य पाया जाता है तो उसकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से समाप्त की जावेगी।" कार्यभार ग्रहण करने के तत्काल पश्चात निर्धारित प्रपत्र में अनुप्रमाणन प्रपत्र चरित्र सत्यापन हेतु एवं संलग्न शपथ पत्र प्रारूप में कार्यालय प्रमुख को प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

14. मध्यप्रदेश सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम, 1961 के नियम 6 के अनुसार शासकीय सेवा में नियुक्ति के लिए निम्नलिखित अभ्यर्थी अपात्र होंगे–

i. कोई भी अभ्यर्थी जिसकी एक से अधिक पत्नी जीवित हों, इसी प्रकार महिला उम्मीदवार जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो, जिसकी पूर्व से ही एक पत्नी जीवित हो, नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा/होगी तथा उसकी नियुक्ति निरस्त की जा सकेगी।

ii. कोई भी अभ्यर्थी जिसे महिलाओं/पुरूषों के अपराध के विरूद्ध किसी भी अपराध का सिद्धदोष ठहराया गया हो, नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा/होगी तथा उसकी नियुक्ति निरस्त कर दी जावेगी।

iii. चयनित अभ्यर्थी जिसने विवाह के लिए विहित की गई न्यूनतम आयु से पूर्व विवाह कर लिया हो, तो उसका/उसकी नियुक्ति आदेश निरस्त किया जा सकेगा।

iv. कोई भी अभ्यर्थी जिसकी दो से अधिक सन्तान हैं, जिनमें से एक का जन्म 26 जनवरी, 2001 को या उसके पश्चात हुआ है, परन्तु निरर्हित नहीं होगा। यदि एक सन्तान के जीवित रहते आगामी प्रसव में दो या दो से अधिक सन्तान का जन्म होता है उसकी नियुक्ति निरस्त की जा सकेगी।

//3//

15. अभ्यर्थी के शैक्षणिक/व्यावसायिक एवं अन्य प्रमाणपत्रों के प्रकरण में अपात्रता (अयोग्यता) की स्थिति प्रकट होती/पाती है, तो नियुक्ति निरस्त मानी जावेगी। जिस पर दावा पेश नहीं होगा।

16. अभ्यर्थी को कार्य पर उपस्थिति होने की तिथि से एक माह के अंदर विश्वविद्यालय द्वारा देय नियत मासिक चिकित्सा भत्ता प्राप्त करने हेतु विकल्प प्रस्तुत करना होगा अन्यथा उसे चिकित्सा क्षतिपूर्ति की सुविधा प्रदान नहीं की जावेगी।

17. नियुक्त अभ्यर्थी की सेवायें विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्रों के अतिरिक्त अन्य किसी इकाई में स्थानांतरित नहीं की जा सकेंगी एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों में पदस्थ कर्मचारियों की पृथक से वरिष्ठता संधारित की जावेगी।

18. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा यदि भविष्य में वेतनमान में कमी की जाती है तो उसी अनुसार आपके वेतनमान में भी कमी की जा सकती है।

मध्यप्रदेश लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों एवं अन्य पिछड़ा वर्गों के आरक्षण) अधिनियम 1994 (क्रमांक–21 सन् 1994) के उपबंधों और अधिनियम के उपबंधों के प्रकाश में सरकार द्वारा जारी अनुदेशों का अनुपालन किया गया है, तथा उक्त अधिनियम की धारा–6 की उपधारा (1) के उपबंधों का पूर्ण संज्ञान है।

माननीय कुलपति जी के आदेशानुसार

कुलसचिव
रा.वि.सि.कृ.वि.वि.,ग्वालियर

क्र./कु.स./स्था.दो/2019/1364 ग्वालियर, दिनांक:30/07/2019

प्रतिलिपि:–सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

1. अधिष्ठाता, कृषि संकाय, रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
2. निदेशक शिक्षण/अनुसंधान सेवायें/विस्तार सेवायें, रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
3. लेखानियंत्रक, रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
4. प्रभारी कार्यपालन यंत्री, रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
5. अधिष्ठाता, कृषि/उद्यानिकी महाविद्यालय, ग्वालियर, इन्दौर, सीहोर, खण्डवा एवं मंदसौर।
6. सह संचालक अनुसंधान, औ.कृ.अनु.केन्द्र, झाबुआ।
7. वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र, झाबुआ।
8. उप कुलसचिव (स्था.), रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
9. कार्यालय वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र झाबुआ कृपया नियुक्ति आदेश की निहित शर्तों के अनुसार चयनित अभ्यर्थी के सभी आवश्यक मूल दस्तावेजों की जाँच उपस्थिति लेने के पूर्व अपने स्तर से सुनिश्चित करें एवं वांछित उपयुक्त अभिलेखों के अभाव में आपने किसी अभ्यर्थी की नियुक्ति पश्चात् उपस्थित करा लिया है, जो कि नियमानुसार पात्रता नहीं रखता है, ऐसी स्थिति में आप व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
10. **श्री चन्द्रशेखर लोखण्डे S/O श्री सुखदेव लोखण्डे, ग्राम व पोस्ट–तिवरखेड़, तहसील–मुलताई–460665 जिला बैतूल (म.प्र.)** की ओर पालनार्थ, पदभार ग्रहण करने के पूर्व यदि किसी संस्था/विभाग में कार्यरत है तो उस संस्था/विभाग का अनापत्ति एवं कार्यमुक्त प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करें, अन्यथा कार्यभार ग्रहण करने की मान्यता नहीं होगी।
11. निज सचिव, माननीय कुलपतिजी, रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
12. व्यक्तिगत/आदेश/सुरक्षा नस्ती।

उप कुलसचिव (स्था.)
रा.वि.सि.कृ.वि.वि.,ग्वालियर

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

क्र./कु.स./स्था.वी/2019/1305 ग्वालियर, दिनांक 30/07/2019

//आदेश//

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर अंतर्गत पद कोड–55 कनिष्ठ शीघ्रलेखक सह कम्प्यूटर ऑपरेटर पद पर सीधी भर्ती हेतु प्रोफेशनल एप्लीकेशन्स ब्यूरो, धरना भवन, भोपाल म0प्र0 द्वारा, समूह–4 के अंतर्गत प्राप्त प्राथमिकता सूची अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा गठित दस्तावेज सत्यापन समिति की अनुशंसा एवं कुलपति जी के अनुमोदनोपरान्त कु. मेघा सविता D/o श्री लालता प्रसाद, शिव विहार कॉलोनी, उनाव रोड, दतिया– 475661 (म.प्र.)को कनिष्ठ शीघ्रलेखक सह कम्प्यूटर ऑपरेटर के पद पर वेतनमान रू 5200–20200+2800 ग्रेड पे (पुनरीक्षित सातवें वेतनमान लेवल–7 में मूल वेतन रू 28700 + विश्वविद्यालय नियमानुसार भत्ते) पर अन्य पिछड़ा वर्ग (महिला) श्रेणी के अंतर्गत चयन किया जाकर उक्त पद पर उपस्थित होने की दिनांक से अस्थाई रूप से कार्यालय वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र आरोन (गुना) में निम्नलिखित शर्तों के अधीन पदस्थ किया जाता है:–

2. नियुक्ति की शर्तें एवं नियम-निम्नानुसार होंगी –

1. यह नियुक्ति 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर की जा रही है। परिवीक्षा अवधि में अग्रिम वेतनवृद्धियाँ भी स्वीकृत नहीं की जायेंगी।

2. विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत म0प्र0 शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञाप क्रमांक एफ–सी–15/2012/1/3, दिनांक 24 नवंबर 2012 के तहत नियुक्त अभ्यर्थी के चरित्र सत्यापन की प्रत्याशा में नियुक्ति आदेश जारी किये जा रहे हैं, अतः इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी शपथ पत्र उपस्थिति के समय निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। नव नियुक्त अभ्यर्थी का चरित्र सत्यापन शासकीय सेवकों पर लागू नियमों एवं अनुदेशों के आधार पर किया जायेगा। चरित्र के संबंध में किसी प्रतिकूल निष्कर्ष की दशा में नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा नियुक्त अधिकारी की सेवायें बिना कोई कारण बताये तत्काल रद्द कर दी जायेगी।

3. आदेश जारी होने के दिनांक से एक माह के भीतर आवश्यक रूप से कार्यभार ग्रहण करेंगे, अन्यथा नियुक्ति आदेश स्वमेव निरस्त समझा जायेगा।

4. नियुक्त अभ्यर्थियों द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व उनकी शैक्षणिक अर्हता मान्यता प्राप्त संस्था का मूल प्रमाणपत्र, मूल अंकसूचियाँ, राजपत्रित अधिकारी द्वारा जारी आरक्षित श्रेणी का वैध जाति प्रमाणपत्र, म0प्र0 मूल निवासी प्रमाणपत्र तथा जन्मतिथि सत्यापन हेतु वांछित प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा, संबंधित अधिकारी द्वारा सभी प्रमाण–पत्रों की जांच मूल दस्तावेजों के आधार पर पदस्थापना स्थल पर की जायेगी। यदि प्रमाण–पत्रों में कोई विसंगति दिखाई देती है, तो कार्यभार ग्रहण कराने के पूर्व इसकी जानकारी नियुक्ति प्राधिकारी अर्थात् कुलसचिव राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर को दी जाकर उनसे परामर्श प्राप्त किया जायेगा एवं प्रस्तुत प्रमाणपत्र सही नहीं पाये जाने की स्थिति में नियुक्ति समाप्त की जा सकेगी।

5. अभ्यर्थी को शासकीय सेवा ग्रहण करने के दिनांक से वे सभी शर्तें म0प्र0 सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 एवं शासनादेश मान्य होंगे जो समय–समय पर शासन द्वारा जारी किए जा चुके हैं अथवा जारी किए जायेंगे जिन्हें विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत किया गया हो।

//2//

6. नियुक्त अभ्यर्थी को कार्यभार ग्रहण करने के समय मेडीकल बोर्ड से उपयुक्तता (फिटनेस) प्रमाण–पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

7. नियुक्त अभ्यर्थियों की वरिष्ठता विश्वविद्यालय में पी.ई.बी. भोपाल द्वारा जारी चयन सूची के मेरिट क्रम के अनुसार संधारित होगी।

8. अस्थाई नियुक्ति के दौरान उनकी सेवायें किसी भी समय उभय पक्ष द्वारा एक माह का नोटिस देकर समाप्त की जा सकेगी।

9. चयनित अभ्यर्थी द्वारा एक माह का नोटिस या उसकी एवज में एक माह का वेतन तथा भत्ते का भुगतान किया जाकर सेवा से त्यागपत्र दिया जा सकेगा। एक माह का वेतन तथा एक माह का नोटिस दिये बिना शासकीय सेवा छोड़ने पर उपरोक्त शर्तों के अनुसार देय रकम भू–राजस्व या बकाया देय राशि से वसूल की जा सकेगी।

10. नियुक्त अभ्यर्थियों को निर्देशित किये जाने पर समय–समय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उपस्थित होना अनिवार्य है, साथ ही विहित विभागीय परीक्षा आदि नियत समयावधि में उत्तीर्ण करना होगी। विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने पर एवं कार्यों के मूल्यांकन संतोषजनक पाये जाने पर म0प्र0 सिविल सेवा नियम 1961 के नियम 8(6) के अनुसार सेवायें नियमित की जाकर परिवीक्षा अवधि समाप्त होने पर ही वेतनवृद्धि की पात्रता होगी। परिवीक्षा अवधि में नियुक्ति पद का न्यूनतम वेतन देय होगा।

11. राज्य शासन के अधीन दिनांक 01.01.2005 अथवा इसके बाद नियुक्त होने वाले कर्मचारियों को परिभाषित अंशदान पेंशन प्रणाली लागू होगी। सेवा संबंधी अन्य मुद्दे नियमित शासकीय सेवकों को लागू किया जाये, के अध्यधीन रहेगा।

12. विश्वविद्यालय द्वारा जारी नियुक्ति आदेश में प्रविष्ट पदस्थापना स्थल से अभ्यर्थी की सेवायें परिवीक्षा अवधि के दौरान स्थानान्तरित नहीं की जा सकेगी।

13. "यह नियुक्ति आदेश पुलिस चरित्र सत्यापन की प्रत्याशा में जारी किया जा रहा है, यदि पुलिस चरित्र सत्यापन की रिपोर्ट में कोई नियुक्त अभ्यर्थी शासकीय सेवा के अयोग्य पाया जाता है तो उसकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से समाप्त की जावेगी।" कार्यभार ग्रहण करने के तत्काल पश्चात निर्धारित प्रपत्र में अनुप्रमाणन प्रपत्र चरित्र सत्यापन हेतु एवं संलग्न शपथ पत्र प्रारूप में कार्यालय प्रमुख को प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

14. मध्यप्रदेश सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम, 1961 के नियम 6 के अनुसार शासकीय सेवा में नियुक्ति के लिए निम्नलिखित अभ्यर्थी अपात्र होंगे–

   i. कोई भी अभ्यर्थी जिसकी एक से अधिक पत्नी जीवित हों, इसी प्रकार महिला उम्मीदवार जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो, जिसकी पूर्व से ही एक पत्नी जीवित हो, नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा/होगी तथा उसकी नियुक्ति निरस्त की जा सकेगी।

   ii. कोई भी अभ्यर्थी जिसे महिलाओं/पुरुषों के अपराध के विरुद्ध किसी भी अपराध का सिद्धदोष ठहराया गया हो, नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा/होगी तथा उसकी नियुक्ति निरस्त कर दी जावेगी।

   iii. चयनित अभ्यर्थी जिसने विवाह के लिए विहित की गई न्यूनतम आयु से पूर्व विवाह कर लिया हो, तो उसका/उसकी नियुक्ति आदेश निरस्त किया जा सकेगा।

   iv. कोई भी अभ्यर्थी जिसकी दो से अधिक सन्तान है, जिनमें से एक का जन्म 26 जनवरी, 2001 को या उसके पश्चात हुआ है, परन्तु निरर्हित नहीं होगा यदि एक सन्तान के जीवित रहते आगामी प्रसव में दो या दो से अधिक सन्तान का जन्म होता है उसकी नियुक्ति निरस्त की जा सकेगी।

//3//

15. अभ्यर्थी के शैक्षणिक/व्यावसायिक एवं अन्य प्रमाणपत्रों के प्रकरण में अनर्हता (अयोग्यता) की स्थिति प्रकट होती/बनती है, तो नियुक्ति निरस्त मानी जावेगी। जिस पर दावा पेश नहीं होगा।

16. अभ्यर्थी को कार्य पर उपस्थिति होने की तिथि से एक माह के अंदर विश्वविद्यालय द्वारा देय नियत मासिक चिकित्सा भत्ता प्राप्त करने हेतु विकल्प प्रस्तुत करना होगा अन्यथा उसे चिकित्सा क्षतिपूर्ति की सुविधा प्रदान नहीं की जावेगी।

17. नियुक्त अभ्यर्थी की सेवायें विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्रों के अतिरिक्त अन्य किसी इकाई में स्थानांतरित नहीं की जा सकेंगी एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों में पदस्थ कर्मचारियों की पृथक से वरिष्ठता संधारित की जावेगी।

18. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा यदि भविष्य में वेतनमान में कमी की जाती है तो उसी अनुसार आपके वेतनमान में भी कमी की जा सकती है।

मध्यप्रदेश लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों एवं अन्य पिछड़ा वर्गों के आरक्षण) अधिनियम 1994 (क्रमांक-21 सन् 1994) के उपबंधों और अधिनियम के उपबंधों के प्रकाश में सरकार द्वारा जारी अनुदेशों का अनुपालन किया गया है, तथा उक्त अधिनियम की धारा-6 की उपधारा (1) के उपबंधों का पूर्ण संधारण है।

माननीय कुलपति जी के आदेशानुसार

कुलसचिव
रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर

क्र./कु.स./स्था.दो/2019/1306
ग्वालियर, दिनांक: 30/07/2019

प्रतिलिपि:-सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

1. अधिष्ठाता, कृषि संकाय, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
2. निदेशक शिक्षण/अनुसंधान सेवायें/विस्तार सेवायें, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
3. लेखानियंत्रक, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
4. प्रभारी कार्यपालन यंत्री, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
5. अधिष्ठाता, कृषि/उद्यानिकी महाविद्यालय, ग्वालियर, इन्दौर, सीहोर, खण्डवा एवं मंदसौर।
6. वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र, आरोन (गुना)।
7. उप कुलसचिव (स्था.), रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
8. कार्यालय वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र आरोन (गुना) कृपया नियुक्ति आदेश की निहित शर्तों के अनुसार चयनित अभ्यर्थी के सभी आवश्यक मूल दस्तावेजों की जाँच उपस्थिति लेने के पूर्व अपने स्तर से सुनिश्चित करें एवं वांछित उपयुक्त अभिलेखों के अभाव में आपने किसी अभ्यर्थी की नियुक्ति पश्चात् उपस्थित करा लिया है, जो कि नियमानुसार पात्रता नहीं रखता है, ऐसी स्थिति में आप व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
9. कु. मेघा सक्सेना D/o श्री लालता प्रसाद, शिव विहार कॉलोनी, उनाव रोड, दतिया-475661 (म.प्र.) की ओर पालनार्थ, पदभार ग्रहण करने के पूर्व यदि किसी संस्था/विभाग में कार्यरत है तो उस संस्था/विभाग का अनापत्ति एवं कार्यमुक्त प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें, अन्यथा कार्यभार ग्रहण करने की पात्रता नहीं होगी।
10. निज सचिव, माननीय कुलपतिजी, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
11. व्यक्तिगत/आदेश/सूचना नस्ती।

30/07/19
उप कुलसचिव (स्था.)
रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

क्र./कु.स./स्थापना/2019/1225 ग्वालियर, दिनांक: 26/07/2019

//आदेश//

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर अंतर्गत पद कोड-53 शीघ्रलेखक श्रेणी-3 (हिन्दी) पद पर सीधी भर्ती हेतु प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड, [illegible] भोपाल म0प्र0 द्वारा, समूह-4 के अंतर्गत प्राप्त प्रतीक्षा सूची अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा गठित दस्तावेज सत्यापन समिति की अनुशंसा एवं कुलपति जी के अनुमोदनोपरान्त श्री राहुल शर्मा S/O श्री जगदीश प्रसाद शर्मा, 825 हरिओम भवन निम्बालकर की गली नं. 2 कम्पू, लश्कर, ग्वालियर-474001 (म.प्र.) को शीघ्रलेखक श्रेणी-3 (हिन्दी) के पद पर वेतनमान रु 5200-20200 + ग्रेड पे 2800 (पुनरीक्षित सातवें वेतनमान लेवल-7 में मूल वेतन रु 28700 + विश्वविद्यालय नियमानुसार भत्ते) पर अनारक्षित श्रेणी के अंतर्गत चयन किया जाकर पद पर उपस्थित होने की दिनांक से अस्थाई रूप से कार्यालय निदेशक विस्तार सेवाएं, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर में निम्नलिखित शर्तों के अधीन पदस्थ किया जाता है:-

2. नियुक्ति की शर्तें एवं नियम निम्नानुसार होंगे :-

1. यह नियुक्ति 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर की जा रही है। परिवीक्षा अवधि में अग्रिम वेतनवृद्धियाँ भी स्वीकृत नहीं की जायेंगी।

2. विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत म0प्र0 शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञाप क्रमांक एफ-सी-15/2012/1/3, दिनांक 24 नवंबर 2012 के तहत नियुक्त अभ्यर्थी के चरित्र सत्यापन की प्रत्याशा में नियुक्ति आदेश जारी किये जा रहे हैं, अतः मूल आदेश में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी अवधि पश्चात उपस्थिति के समय निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। नव नियुक्त अभ्यर्थी का चरित्र सत्यापन शासकीय सेवकों पर लागू नियमों या अनुदेशों के आधार पर किया जायेगा। चरित्र के संबंध में किसी प्रतिकूल निष्कर्ष की दशा में नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा नियुक्त अधिकारी को सेवारत बिना कोई कारण बताये तत्काल रद्द कर दी जायेगी।

3. आदेश जारी होने के दिनांक से एक माह के भीतर अनिवार्य रूप से कार्यभार ग्रहण करेंगे, अन्यथा नियुक्ति आदेश स्वतः निरस्त समझा जायेगा।

4. नियुक्त अभ्यर्थियों द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व उनकी शैक्षणिक योग्यता सम्बन्धित प्राप्त संस्था का मूल प्रमाणपत्र, मूल अंकसूचियाँ, स्थान अधिकारी द्वारा जारी आरक्षित श्रेणी का वैध जाति प्रमाणपत्र, म0प्र0 मूल निवासी प्रमाणपत्र तथा जन्मतिथि सत्यापन हेतु वांछित प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा, संबंधित अधिकारी द्वारा सभी प्रमाण पत्रों की जांच मूल दस्तावेजों के आधार पर पदस्थापना स्थल पर की जायेगी। यदि प्रमाण-पत्रों में कोई विसंगति दिखाई देती है, तो कार्यभार ग्रहण कराने के पूर्व इसकी जानकारी नियुक्ति प्राधिकारी अर्थात् कुलसचिव राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर को दी जाकर उनके निराकरण प्राप्त किया जायेगा एवं प्रस्तुत प्रमाणपत्र सही नहीं पाये जाने की स्थिति में नियुक्ति समाप्त की जा सकेगी।

5. अभ्यर्थी को शासकीय सेवा ग्रहण करने के दिनांक से वे सभी शर्तें म0प्र0 सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 एवं परिपत्रादेश मान्य होंगे जो समय-समय पर शासन द्वारा जारी किए जा चुके हैं अथवा जारी किए जायेंगे जिन्हें विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत किया गया हो।

//2//

6. नियुक्त अभ्यर्थी को कार्यभार ग्रहण करने के समय मेडीकल बोर्ड से उपयुक्तता (फिटनेस) प्रमाण–पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

7. नियुक्त अभ्यर्थियों की वरिष्ठता विश्वविद्यालय में ए.ई.बी. भोपाल द्वारा जारी चयन सूची के मेरिट क्रम के अनुसार संधारित होगी।

8. अस्थाई नियुक्ति के दौरान उनकी सेवायें किसी भी समय उभय पक्ष द्वारा एक माह का नोटिस देकर समाप्त की जा सकेगी।

9. चयनित अभ्यर्थी द्वारा एक माह का नोटिस या उसकी एवज में एक माह का वेतन तथा भत्ते का भुगतान किया जाकर सेवा से त्यागपत्र दिया जा सकेगा। एक माह का वेतन तथा एक माह का नोटिस दिये बिना शासकीय सेवा छोड़ने पर उपरोक्त शर्तों के अनुसार देय रकम भू–राजस्व या बकाया देय राशि से वसूल की जा सकेगी।

10. नियुक्त अभ्यर्थियों को निर्देशित किये जाने पर समय–समय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उपस्थित होना अनिवार्य है, साथ ही विहित विभागीय परीक्षा आदि नियत समयावधि में उत्तीर्ण करना होगी। विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण होने एवं कार्यों के मूल्यांकन संतोषजनक पाये जाने पर म0प्र0 सिविल सेवा नियम 1961 के नियम 8(6) के अनुसार सेवायें नियमित की जाकर परिवीक्षा अवधि समाप्त होने पर ही वेतनवृद्धि की पात्रता होगी। परिवीक्षा अवधि में नियुक्ति पद का न्यूनतम वेतन देय होगा।

11. राज्य शासन के अधीन दिनांक 01.01.2005 अथवा इसके बाद नियुक्त होने वाले कर्मचारियों की परिभाषित अंशदान पेंशन प्रणाली लागू होगी। सेवा संबंधी अन्य मुद्दे नियमित शासकीय सेवकों को लागू किया जाये, के अध्यधीन रहेगा।

12. विश्वविद्यालय द्वारा जारी नियुक्ति आदेश में प्रदिष्ट पदस्थापना स्थल से अभ्यर्थी की सेवायें परिवीक्षा अवधि के दौरान स्थानान्तरित नहीं की जा सकेंगी। परिवीक्षा अवधि समाप्ति पश्चात कर्मचारी की सेवायें विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाली किसी भी इकाई/योजना को स्थानांतरित की जा सकेगी।

13. "यह नियुक्ति आदेश पुलिस चरित्र सत्यापन की प्रत्याशा में जारी किया जा रहा है, यदि पुलिस चरित्र सत्यापन की रिपोर्ट में कोई नियुक्त अभ्यर्थी शासकीय सेवा के अयोग्य पाया जाता है तो उसकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से समाप्त की जावेगी।" कार्यभार ग्रहण करने के तत्काल पश्चात निर्धारित प्रपत्र में अनुप्रमाणन प्रपत्र चरित्र सत्यापन हेतु एवं संलग्न शपथ पत्र प्रारूप में कार्यालय प्रमुख को प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

14. मध्यप्रदेश सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम, 1961 के नियम 6 के अनुसार शासकीय सेवा में नियुक्ति के लिए निम्नलिखित अभ्यर्थी अपात्र होंगे–

i. कोई भी अभ्यर्थी जिसकी एक से अधिक पत्नी जीवित हों, इसी प्रकार महिला उम्मीदवार जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो, जिसकी पूर्व से ही एक पत्नी जीवित हो, नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा/होगी तथा उसकी नियुक्ति निरस्त की जा सकेगी।

ii. कोई भी अभ्यर्थी जिसे महिलाओं/पुरूषों के अपहरण के विरूद्ध किसी भी अपराध का सिद्धदोष ठहराया गया हो, नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा/होगी तथा उसकी नियुक्ति निरस्त कर दी जावेगी।

iii. चयनित अभ्यर्थी जिसने विवाह के लिए विहित की गई न्यूनतम आयु से पूर्व विवाह कर लिया हो, तो उसका/उसकी नियुक्ति आदेश निरस्त किया जा सकेगा।

//3//

iv. कोई भी अभ्यर्थी जिसकी दो से अधिक सन्तान है, जिनमें से एक का जन्म 26 जनवरी, 2001 को या उसके पश्चात हुआ है, परन्तु निर्वाचित नहीं होगा यदि एक सन्तान के जीवित रहते आगामी प्रसव में दो या दो से अधिक सन्तान का जन्म होता है उसकी नियुक्ति निरस्त की जा सकेगी।

15. अभ्यर्थी के शैक्षणिक/व्यवसायिक एवं अन्य प्रमाणपत्रों के प्रकरण में अनर्हता (अयोग्यता) की स्थिति प्रकट होती/बनती है, तो नियुक्ति निरस्त मानी जावेगी। जिस पर दावा पेश नहीं होगा।

16. अभ्यर्थी को कार्य पर उपस्थिति होने की तिथि से एक माह के अंदर विश्वविद्यालय द्वारा देय नियत मासिक चिकित्सा भत्ता प्राप्त करने हेतु विकल्प प्रस्तुत करना होगा अन्यथा उसे चिकित्सा क्षतिपूर्ति की सुविधा प्रदान नहीं की जावेगी।

मध्यप्रदेश लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों एवं अन्य पिछड़ा वर्गों के आरक्षण) अधिनियम 1994 (क्रमांक–21 सन् 1994) के उपबंधों और अधिनियम के उपबंधों के प्रकाश में सरकार द्वारा जारी अनुदेशों का अनुपालन किया गया है, तथा उक्त अधिनियम की धारा-6 की उपधारा (1) के उपबंधों का पूर्ण संधारण है।

माननीय कुलपति जी के आदेशानुसार

कुलसचिव
रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर

क्र./कु.स./स्था.दो/2019/1226 ग्वालियर, दिनांक: 30/07/2019

प्रतिलिपि–सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

1. अधिष्ठाता, कृषि संकाय, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
2. निदेशक शिक्षण/अनुसंधान सेवायें/विस्तार सेवायें, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
3. सह संचालक अनुसंधान (बीज एवं प्रक्षेत्र), रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
4. प्रभारी कार्यपालन यंत्री, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर
5. अधिष्ठाता, कृषि/उद्यानिकी महाविद्यालय, ग्वालियर, इन्दौर, सीहोर, छिन्दवाड़ा एवं मंदसौर।
6. लेखानियंत्रक, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
7. उप कुलसचिव (स्था.), रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
8. कार्यालय निदेशक विस्तार सेवायें, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर कृपया नियुक्ति आदेश की निहित शर्तों के अनुसार चयनित अभ्यर्थी के सभी आवश्यक मूल दस्तावेजों की जाँच उपस्थिति लेने के पूर्व अपने स्तर से सुनिश्चित करें एवं वांछित उपयुक्त अभिलेखों के अभाव में आपने किसी अभ्यर्थी की नियुक्ति पश्चात उपस्थित करा लिया है, जो कि नियमानुसार पात्रता नहीं रखता है, ऐसी स्थिति में आप व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
9. श्री राहुल शर्मा S/o श्री जगदीश प्रसाद शर्मा, 825 टरिशोम भवन गिम्पालकर की गली नं. 2 कम्पू लश्कर, ग्वालियर–474001 (म.प्र.) की ओर पात्रता, पदभार ग्रहण करने के पूर्व यदि किसी संस्था/विभाग में कार्यरत है तो उस संस्था/विभाग का अनापत्ति एवं कार्यमुक्ति प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करें, अन्यथा कार्यभार ग्रहण करने की पात्रता नहीं होगी।
10. निज सचिव, माननीय कुलपतिजी, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
11. व्यक्तिगत/आदेश/सूचना नस्ती।

30/07/19
उप कुलसचिव (स्था.)
रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

क्र./कु.स./स्था.दो/2019/1225 ग्वालियर, दिनांक 30/07/2019

//आदेश//

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर अंतर्गत पद कोड–53 शीघ्रलेखक श्रेणी–3 (हिन्दी) पद पर सीधी भर्ती हेतु प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड, चयन भवन भोपाल म0प्र0 द्वारा, समूह–4 के अंतर्गत प्राप्त प्रावीण्य सूची अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा गठित दस्तावेज सत्यापन समिति की अनुशंसा एवं कुलपति जी के अनुमोदनोपरान्त श्री धीरज राजौरिया S/O श्री नाताधीन राजौरिया, 4/421 मंदिर वाली गली न्यू वाटर टैंक के पास, पुराना भट्टा सुभाष नगर, मुरैना– 476001 (म.प्र.) को शीघ्रलेखक श्रेणी–3 (हिन्दी) के पद पर वेतनमान रू 5200–20200 + ग्रेड पे 2800 (पुनरीक्षित सातवें वेतनमान लेवल–7 में मूल वेतन रू 23700 + विश्वविद्यालय नियमानुसार भत्ते) पर अनुसूचित जाति श्रेणी के अंतर्गत चयन किया जाकर पद पर उपस्थित होने की दिनांक से अस्थाई रूप से कार्यालय निदेशक अनुसंधान सेवायें, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर में निम्नलिखित शर्तों के अधीन पदस्थ किया जाता है:–

2. नियुक्ति की शर्तें एवं नियम निम्नानुसार होंगी –

1. यह नियुक्ति 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर की जा रही है; परिवीक्षा अवधि में अग्रिम वेतनवृद्धियाँ भी स्वीकृत नहीं की जायेंगी;
2. विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत म0प्र0 शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञाप क्रमांक एफ–सी–15/2012/1/3, दिनांक 24 नवंबर 2012 के तहत नियुक्त अभ्यर्थी के चरित्र सत्यापन की प्रत्याशा में नियुक्ति आदेश जारी किये जा रहे हैं, अतः इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी शपथ पत्र उपस्थिति के समय निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। नव नियुक्त अभ्यर्थी का चरित्र सत्यापन शासकीय सेवकों पर लागू नियमों या अनुदेशों के आधार पर किया जायेगा। चरित्र के संबंध में किसी प्रतिकूल निष्कर्ष की दशा में नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा नियुक्त अधिकारी की सेवायें बिना कोई कारण बताये तत्काल समाप्त कर दी जायेंगी।
3. आदेश जारी होने के दिनांक से एक माह के भीतर आवश्यक रूप से कार्यभार ग्रहण करेंगे, अन्यथा नियुक्ति आदेश स्वमेव निरस्त समझा जावेगा।
4. नियुक्त अभ्यर्थियों द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व उनकी शैक्षणिक अर्हता मान्यता प्राप्त संस्था का मूल प्रमाणपत्र, मूल अंकसूचियाँ, सक्षम अधिकारी द्वारा जारी आरक्षित श्रेणी का वैध जाति प्रमाणपत्र, म0प्र0 मूल निवासी प्रमाणपत्र तथा जन्मतिथि सत्यापन हेतु वांछित प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा, सत्यापित अधिकारी द्वारा सभी प्रमाण–पत्रों की जांच मूल दस्तावेजों के आधार पर मूलस्थापना स्थल पर की जायेगी। यदि प्रमाण–पत्रों में कोई विसंगति दिखाई देती है, तो कार्यभार ग्रहण कराने के पूर्व इसकी जानकारी नियुक्ति प्राधिकारी अर्थात् कुलसचिव राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर को दी जाकर उनसे परामर्श प्राप्त किया जायेगा एवं प्रस्तुत प्रमाणपत्र सही नहीं पाये जाने की स्थिति में नियुक्ति समाप्त की जा सकेगी।
5. अभ्यर्थी को शासकीय सेवा ग्रहण करने के दिनांक से ये सभी शर्तें म0प्र0 सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 एवं शासनादेश मान्य होंगे जो समय-समय पर शासन द्वारा जारी किए जा चुके हैं अथवा जारी किए जायेंगे जिन्हें विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत किया गया हो।

//2//

6. नियुक्त अभ्यर्थी को कार्यभार ग्रहण करने के समय मेडीकल बोर्ड से उपयुक्तता (फिटनेस) प्रमाण--पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

7. नियुक्त अभ्यर्थियों की वरिष्ठता विश्वविद्यालय में पी.ई.बी. भोपाल द्वारा जारी चयन सूची के मेरिट क्रम के अनुसार संधारित होगी ;

8. अस्थाई नियुक्ति के दौरान उनकी सेवायें किसी भी समय उभय पक्ष द्वारा एक माह का नोटिस देकर समाप्त की जा सकेगी।

9. चयनित अभ्यर्थी द्वारा एक माह का नोटिस या उसकी एवज में एक माह का वेतन तथा भत्ते का भुगतान किया जाकर सेवा से त्यागपत्र दिया जा सकेगा। एक माह का वेतन तथा एक माह का नोटिस दिये बिना शासकीय सेवा छोडने पर उपरोक्त शर्तों के अनुसार देय रकम भू-राजस्व या वकाया देय राशि से वसूल की जा सकेगी।

10. नियुक्त अभ्यर्थियों को निर्देशित किये जाने पर समय-समय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उपस्थित होना अनिवार्य है, साथ ही विहित विभागीय परीक्षा आदि नियत समयावधि में उत्तीर्ण करना होगी। विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण होने एवं कार्यों के मूल्यांकन संतोषजनक पाये जाने पर म0प्र0 सिविल सेवा नियम 1961 के नियम 8(6) के अनुसार सेवायें नियमित की जाकर परिवीक्षा अवधि समाप्त होने पर ही वेतनवृद्धि की पात्रता होगी। परिवीक्षा अवधि में नियुक्ति पद का न्यूनतम वेतन देय होगा।

11. राज्य शासन के अधीन दिनांक 01.01.2005 अथवा इसके बाद नियुक्त होने वाले कर्मचारियों को परिभाषित अंशदान पेंशन प्रणाली लागू होगी। सेवा संबंधी अन्य मुददे नियमित शासकीय सेवकों को लागू किया जाये, के अध्यधीन रहेगा।

12. विश्वविद्यालय द्वारा जारी नियुक्ति आदेश में प्रविष्ट पदस्थापना स्थल पर अभ्यर्थी की सेवायें परिवीक्षा अवधि के दौरान स्थानान्तरित नहीं की जा सकेगी। परिवीक्षा अवधि समाप्ति पश्चात कर्मचारी की सेवायें विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाली किसी भी इकाई/योजना को स्थानांतरित की जा सकेगी।

13. "यह नियुक्ति आदेश पुलिस चरित्र सत्यापन की प्रत्याशा में जारी किया जा रहा है, यदि पुलिस चरित्र सत्यापन की रिपोर्ट में कोई नियुक्त अभ्यर्थी शासकीय सेवा के अयोग्य पाया जाता है तो उसकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से समाप्त की जायेगी।" कार्यभार ग्रहण करने के तत्काल पश्चात निर्धारित प्रपत्र में अनुप्रमाणन प्रपत्र चरित्र सत्यापन हेतु एवं संलग्न शपथ पत्र प्रारूप में कार्यालय प्रमुख को प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

14. मध्यप्रदेश सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम, 1961 के नियम 6 के अनुसार शासकीय सेवा में नियुक्ति के लिए निम्नलिखित अभ्यर्थी अपात्र होंगे–

i. कोई भी अभ्यर्थी जिसकी एक से अधिक पत्नी जीवित हों, इसी प्रकार महिला उम्मीदवार जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो, जिसकी पूर्व से ही एक पत्नी जीवित हो, नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा/होगी तथा उसकी नियुक्ति निरस्त की जा सकेगी।

ii. कोई भी अभ्यर्थी जिसे महिलाओं/पुरूषों के अपराध के विरूद्ध किसी भी अपराध का सिद्धदोष ठहराया गया हो, नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा/होगी तथा उसकी नियुक्ति निरस्त कर दी जावेगी।

iii. चयनित अभ्यर्थी जिसने विवाह के लिए विहित की गई न्यूनतम आयु से पूर्व विवाह कर लिया हो, तो उसका/उसकी नियुक्ति आदेश निरस्त किया जा सकेगा।

//3//

iv. कोई भी अभ्यर्थी जिसकी दो से अधिक सन्तान है, जिनमें से एक का जन्म 26 जनवरी, 2001 को या उसके पश्चात हुआ है, परन्तु निरर्हित नहीं होगा यदि एक सन्तान के जीवित रहते आगामी प्रसव में दो या दो से अधिक सन्तान का जन्म होता है उसकी नियुक्ति निरस्त की जा सकेगी।

15. अभ्यर्थी के शैक्षणिक/व्यवसायिक एवं अन्य प्रमाणपत्रों के प्रकरण में अनर्हता (अयोग्यता) की स्थिति प्रकट होती/बनती है, तो नियुक्ति निरस्त मानी जावेगी। जिस पर दावा पेश नहीं होगा।

16. अभ्यर्थी को कार्य पर उपस्थिति होने की तिथि से एक माह के अंदर विश्वविद्यालय द्वारा देय निपत नासिक चिकित्सा भत्ता प्राप्त करने हेतु विकल्प प्रस्तुत करना होगा अन्यथा उसे चिकित्सा क्षतिपूर्ति की सुविधा प्रदान नहीं की जावेगी।

मध्यप्रदेश लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों एवं अन्य पिछड़ा वर्गों के आरक्षण) अधिनियम 1994 (क्रमांक–21 सन् 1994) के उपबंधों और अधिनियम के उपबंधों के प्रकाश में सरकार द्वारा जारी अनुदेशों का अनुपालन किया गया है, तथा उक्त अधिनियम की धारा–6 की उपधारा (1) के उपबंधों का पूर्ण समाधान है।

माननीय कुलपति जी के आदेशानुसार

कुलसचिव
रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर

क्र./कु.स./स्था.दो/2019/1236 ग्वालियर, दिनांक 30/07/2019

प्रतिलिपि–सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

1. अधिष्ठाता, कृषि संकाय, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
2. निदेशक शिक्षण/अनुसंधान सेवायें/विस्तार सेवायें, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
3. सह संचालक अनुसंधान (बीज एवं प्रक्षेत्र), रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
4. प्रभारी कार्यपालन यंत्री, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
5. अधिष्ठाता, कृषि/उद्यानिकी महाविद्यालय, ग्वालियर, इन्दौर, सीहोर, खण्डवा एवं मंदसौर।
6. लेखानियंत्रक, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
7. उप कुलसचिव (स्था.), रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर
8. कार्यालय निदेशक अनुसंधान सेवायें, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर कृपया नियुक्ति आदेश की निहित शर्तों के अनुसार चयनित अभ्यर्थी के सभी आवश्यक मूल दस्तावेजों की जाँच उपस्थिति होने के पूर्व अपने स्तर से सुनिश्चित करें एवं वांछित उपयुक्त अभिलेखों के अभाव में आपने किसी अभ्यर्थी की नियुक्ति पश्चात् उपस्थित करा लिया है, जो कि नियमानुसार पात्रता नहीं रखता है, ऐसी स्थिति में आप व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
9. श्री गौरव राजौरिया S/o श्री मातादीन राजौरिया 4/421 मंदिर वाली गली न्यू वाटर टैंक के पास, पुराना भट्टा सुभाष नगर, मुरैना– 476001 (म.प्र.) की ओर पालनार्थ, कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व यदि किसी संस्था/विभाग में कार्यरत है तो उस संस्था/विभाग का अनापत्ति एवं कार्यमुक्त प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करें अन्यथा कार्यभार ग्रहण करने की पात्रता नहीं होगी।
10. निज सचिव माननीय कुलपतिजी, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
11. व्यक्तिगत/आवेदक/सुरक्षा नस्ती।

उप कुलसचिव (स्था.)
रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

क्र./कु.स./स्था.दो/2019/ 1227 ग्वालियर, दिनांक 30/07/2019

//आदेश//

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर अंतर्गत पद कोड–53 शीघ्रलेखक श्रेणी–3 (हिन्दी) पद पर सीधी भर्ती हेतु प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड, वल्लभ भवन भोपाल म0प्र0 द्वारा, समूह–4 के अंतर्गत प्राप्त प्रावीण्य सूची अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा गठित दस्तावेज सत्यापन समिति की अनुशंसा एवं कुलपति जी के अनुमोदनोपरान्त कु. निकिता राजपूत D/O श्री नारायणसिंह राजपूत, D/S विश्वविद्यालय परिसर पथरिया रोड,सागर–470003 (म.प्र.) को शीघ्रलेखक श्रेणी–3 (हिन्दी) के पद पर वेतनमान रू 5200–20200 + ग्रेड पे 2800 (पुनरीक्षित सातवें वेतनमान लेवल–7 में मूल वेतन रू 28700 + विश्वविद्यालय नियमानुसार भत्ते) पर अनारक्षित (महिला) श्रेणी के अंतर्गत चयन किया जाकर पद पर उपस्थित होने की दिनांक से अस्थाई रूप से कार्यालय निदेशक विस्तार सेवाऐं, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर में निम्नलिखित शर्तों के अधीन पदस्थ किया जाता है:–

2. नियुक्ति की शर्तें एवं नियम निम्नानुसार होंगी –

1. यह नियुक्ति 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर की जा रही है। परिवीक्षा अवधि में अग्रिम वेतनवृद्धियाँ भी स्वीकृत नहीं की जावेंगी।
2. विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत म0प्र0 शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञाप क्रमांक एफ–सी–15/2012/1/3, दिनांक 24 नवंबर 2012 के तहत नियुक्त अभ्यर्थी के चरित्र सत्यापन की प्रत्याशा में नियुक्ति आदेश जारी किये जा रहे हैं, अतः इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी शपथ पत्र उपस्थिति के समय निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। नव नियुक्त अभ्यर्थी का चरित्र सत्यापन शासकीय सेवकों पर लागू नियमों या अनुदेशों के आधार पर किया जायेगा। चरित्र के संबंध में किसी प्रतिकूल निष्कर्ष की दशा में नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा नियुक्त अधिकारी की सेवायें बिना कोई कारण बताये तत्काल रद्द कर दी जायेंगी।
3. आदेश जारी होने के दिनांक से एक माह के भीतर आवश्यक रूप से कार्यभार ग्रहण करेंगे, अन्यथा नियुक्ति आदेश स्वमेव निरस्त समझा जावेगा।
4. नियुक्त अभ्यर्थियों द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व उनकी शैक्षणिक अर्हता मान्यता प्राप्त संस्था का मूल प्रमाणपत्र, मूल अंकसूचियाँ, सक्षम अधिकारी द्वारा जारी आरक्षित श्रेणी का वैध जाति प्रमाणपत्र, म0प्र0 मूल निवासी प्रमाणपत्र तथा जन्मतिथि सत्यापन हेतु वांछित प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा, संबंधित अधिकारी द्वारा सभी प्रमाण–पत्रों की जांच मूल दस्तावेजों के आधार पर पदस्थापना स्थल पर की जावेगी। यदि प्रमाण–पत्रों में कोई विसंगति दिखाई देती है, तो कार्यभार ग्रहण कराने के पूर्व इसकी जानकारी नियुक्ति प्राधिकारी अर्थात् कुलसचिव राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर को दी जाकर उनसे परामर्श प्राप्त किया जायेगा एवं प्रस्तुत प्रमाणपत्र सही नहीं पाये जाने की स्थिति में नियुक्ति समाप्त की जा सकेगी।
5. अभ्यर्थी को शासकीय सेवा ग्रहण करने के दिनांक से वे सभी शर्तें म0प्र0 सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 एवं शासनादेश मान्य होंगे जो समय–समय पर शासन द्वारा जारी किए जा चुके है अथवा जारी किए जावेंगे जिन्हें विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत किया गया हो।

//2//

6. नियुक्त अभ्यर्थी को कार्यभार ग्रहण करने के समय मेडीकल बोर्ड से उपयुक्तता (फिटनेस) प्रमाण–पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

7. नियुक्त अभ्यर्थियों की वरिष्ठता विश्वविद्यालय में पी.ई.बी. भोपाल द्वारा जारी चयन सूची के मेरिट क्रम के अनुसार संधारित होगी।

8. अस्थाई नियुक्ति के दौरान उनकी सेवायें किसी भी समय उभय पक्ष द्वारा एक माह का नोटिस देकर समाप्त की जा सकेगी।

9. चयनित अभ्यर्थी द्वारा एक माह का नोटिस या उसकी एवज में एक माह का वेतन तथा भत्ते का भुगतान किया जाकर सेवा से त्यागपत्र दिया जा सकेगा। एक माह का वेतन तथा एक माह का नोटिस दिये बिना शासकीय सेवा छोडने पर उपरोक्त शर्तों के अनुसार देय रकम भू–राजस्व या बकाया देय राशि से वसूल की जा सकेगी।

10. नियुक्त अभ्यर्थियों को निर्देशित किये जाने पर समय–समय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उपस्थित होना अनिवार्य है, साथ ही विहित विभागीय परीक्षा आदि नियत समयावधि में उत्तीर्ण करना होगी। विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण होने एवं कार्यों के मूल्यांकन संतोषजनक पाये जाने पर म0प्र0 सिविल सेवा नियम 1961 के नियम 8(6) के अनुसार सेवायें नियमित की जाकर परिवीक्षा अवधि समाप्त होने पर ही वेतनवृद्धि की पात्रता होगी। परिवीक्षा अवधि में नियुक्ति पद का न्यूनतम वेतन देय होगा।

11. राज्य शासन के अधीन दिनांक 01.01.2005 अथवा इसके बाद नियुक्त होने वाले कर्मचारियों को परिभाषित अंशदान पेंशन प्रणाली लागू होगी। सेवा संबंधी अन्य मुद्दे नियमित शासकीय सेवकों को लागू किया जाये, के अध्यधीन रहेगा।

12. विश्वविद्यालय द्वारा जारी नियुक्ति आदेश में प्रविष्ट पदस्थापना स्थल से अभ्यर्थी की सेवायें परिवीक्षा अवधि के दौरान स्थानान्तरित नहीं की जा सकेगी। परिवीक्षा अवधि समाप्ति पश्चात कर्मचारी की सेवायें विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाली किसी भी इकाई/योजना को स्थानांतरित की जा सकेगी।

13. "यह नियुक्ति आदेश पुलिस चरित्र सत्यापन की प्रत्याशा में जारी किया जा रहा है, यदि पुलिस चरित्र सत्यापन की रिपोर्ट में कोई नियुक्त अभ्यर्थी शासकीय सेवा के अयोग्य पाया जाता है तो उसकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से समाप्त की जावेगी।" कार्यभार ग्रहण करने के तत्काल पश्चात निर्धारित प्रपत्र में अनुप्रमाणन प्रपत्र चरित्र सत्यापन हेतु एवं संलग्न शपथ पत्र प्रारूप में कार्यालय प्रमुख को प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

14. मध्यप्रदेश सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम, 1961 के नियम 8 के अनुसार शासकीय सेवा में नियुक्ति के लिए निम्नलिखित अभ्यर्थी अपात्र होंगे–

i. कोई भी अभ्यर्थी जिसकी एक से अधिक पत्नी जीवित हों, इसी प्रकार महिला उम्मीदवार जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो, जिसकी पूर्व से ही एक पत्नी जीवित हो, नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा/होगी तथा उसकी नियुक्ति निरस्त की जा सकेगी।

ii. कोई भी अभ्यर्थी जिसे महिलाओं/पुरूषों के अपराध के विरूद्ध किसी भी अपराध का सिद्धदोष ठहराया गया हो, नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा/होगी तथा उसकी नियुक्ति निरस्त कर दी जावेगी।

iii. चयनित अभ्यर्थी जिसने विवाह के लिए विहित की गई न्यूनतम आयु से पूर्व विवाह कर लिया हो, तो उसका/उसकी नियुक्ति आदेश निरस्त किया जा सकेगा।

//3//

iv. कोई भी अभ्यर्थी जिसकी दो से अधिक सन्तान है, जिनमें से एक का जन्म 26 जनवरी, 2001 को या उसके पश्चात हुआ है, परन्तु निरर्हित नहीं होगा यदि एक सन्तान के जीवित रहते आगामी प्रसव में दो या दो से अधिक सन्तान का जन्म होता है उसकी नियुक्ति निरस्त की जा सकेगी।

15. अभ्यर्थी के शैक्षणिक/व्यवसायिक एवं अन्य प्रमाणपत्रों के प्रकरण में अनर्हता (अयोग्यता) की स्थिति प्रकट होती/बनती है, तो नियुक्ति निरस्त मानी जावेगी। जिस पर दावा पेश नही होगा।

16. अभ्यर्थी को कार्य पर उपस्थिति होने की तिथि से एक माह के अंदर विश्वविद्यालय द्वारा देय नियत मासिक चिकित्सा भत्ता प्राप्त करने हेतु विकल्प प्रस्तुत करना होगा अन्यथा उसे चिकित्सा क्षतिपूर्ति की सुविधा प्रदान नहीं की जावेगी।

मध्यप्रदेश लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों एवं अन्य पिछड़ा वर्गों के आरक्षण) अधिनियम 1994 (क्रमांक-21 सन् 1994) के उपबंधों और अधिनियम के उपबंधों के प्रकाश में सरकार द्वारा जारी अनुदेशों का अनुपालन किया गया है, तथा उक्त अधिनियम की धारा-6 की उपधारा (1) के उपबंधों का पूर्ण संज्ञान है।

माननीय कुलपति जी के आदेशानुसार

कुलसचिव
रा.वि.सिं.कृ.वि.वि.,ग्वालियर

क्र./कु.स./स्था.दो/2019/1228 ग्वालियर, दिनांक:30/07/2019

प्रतिलिपि:-सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

1. अधिष्ठाता, कृषि संकाय, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
2. निदेशक शिक्षण/अनुसंधान सेवायें/विस्तार सेवायें, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
3. सह संचालक अनुसंधान (बीज एवं प्रक्षेत्र), रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
4. प्रभारी कार्यपालन यंत्री, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
5. अधिष्ठाता, कृषि/उद्यानिकी महाविद्यालय, ग्वालियर, इन्दौर, सीहोर, खण्डवा एवं मंदसौर।
6. लेखानियंत्रक, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
7. उप कुलसचिव (स्था.), रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
8. **कार्यालय निदेशक विस्तार सेवाये**, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर कृपया नियुक्ति आदेश की निहित शर्तों के अनुसार चयनित अभ्यर्थी के सभी आवश्यक मूल दस्तावेजों की जाँच उपस्थिति लेने के पूर्व अपने स्तर से सुनिश्चित करें एवं वांछित उपयुक्त अभिलेखों के अभाव में आपने किसी अभ्यर्थी की नियुक्ति पश्चात् उपस्थित करा लिया है, जो कि नियमानुसार पात्रता नहीं रखता है, ऐसी स्थिति में आप व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
9. कु. निकिता राजपूत D/O श्री नारायणसिंह राजपूत, D/9 विश्वविद्यालय परिसर पथरिया रोड,सागर-470003 (म.प्र.) की ओर पालनार्थ, पदभार ग्रहण करने के पूर्व यदि किसी संस्था/विभाग में कार्यरत है तो उस संस्था/विभाग का अनापत्ति एवं कार्यमुक्त प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें, अन्यथा कार्यभार ग्रहण करने की पात्रता नहीं होगी।
10. निज सचिव, माननीय कुलपतिजी, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
11. व्यक्तिगत/आदेश/सुरक्षा नस्ती।

उप कुलसचिव (स्था.)
रा.वि.सिं.कृ.वि.वि.,ग्वालियर

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

आ./कु.स./स्था.दो/2019/[2?1] ग्वालियर, दिनांक 25/07/2019

//आदेश//

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर अंतर्गत पद कोड-54 सहायक ग्रेड-3 सह स्टेनोटायपिस्ट पद पर सीधी भर्ती हेतु प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड, जयन भवन भोपाल म0प्र0 द्वारा, समूह-4 के अंतर्गत प्राप्त प्राथमिकता सूची अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा गठित दस्तावेज सत्यापन समिति की अनुशंसा एवं कुलपति जी के अनुमोदनोपरान्त **श्री हरवंश सिंह S/o श्री जयपाल, ग्राम घाट खारपड़िया, वार्ड नं. 24 घोरट रूगाल, तहसील केवलारी -480993 जिला सिवनी (म.प्र.)** को सहायक ग्रेड-3 सह स्टेनोटायपिस्ट के पद पर वेतनमान रू 5200-20200+1900 ग्रेड पे (पुनरीक्षित सातवें वेतनमान लेवल-4 में मूल वेतन रू 19500 + विश्वविद्यालय नियमानुसार भत्ते) पर **अनुसूचित जनजाति श्रेणी** के अंतर्गत चयन किया जाकर उक्त पद पर उपस्थित होने की दिनांक से अस्थाई रूप से **कार्यालय, निदेशक विस्तार सेवायें, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर** में निम्नलिखित शर्तों के अधीन पदस्थ किया जाता है--

2. नियुक्ति की शर्तें एवं नियम निम्नानुसार होंगी --

1. यह नियुक्ति 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर की जा रही है। परिवीक्षा अवधि में अग्रिम वेतनवृद्धियाँ भी स्वीकृत नहीं की जायेंगी।
2. विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत म0प्र0 शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञाप क्रमांक एफ-सी-15/2012/1/3, दिनांक 24 नवंबर 2012 के तहत नियुक्त अभ्यर्थी के चरित्र सत्यापन की प्रत्याशा में नियुक्ति आदेश जारी किये जा रहे हैं, अतः इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी शपथ पत्र उपस्थिति के समय निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। नव नियुक्त अभ्यर्थी का चरित्र सत्यापन शासकीय सेवकों पर लागू नियमों या अनुदेशों के आधार पर किया जायेगा। चरित्र के संबंध में किसी प्रतिकूल निष्कर्ष की दशा में नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा नियुक्त अधिकारी की सेवायें बिना कोई कारण बताये तत्काल समाप्त कर दी जायेंगी।
3. आदेश जारी होने के दिनांक से एक माह के भीतर आवश्यक रूप से कार्यभार ग्रहण करेंगे, अन्यथा नियुक्ति आदेश स्वमेव निरस्त समझा जायेगा।
4. नियुक्त अभ्यर्थियों द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व उनकी शैक्षणिक अर्हता मान्यता प्राप्त संस्था का मूल प्रमाणपत्र, मूल अंकसूचियाँ, सक्षम अधिकारी द्वारा जारी आरक्षित श्रेणी का वैध जाति प्रमाणपत्र, म0प्र0 मूल निवासी प्रमाणपत्र तथा जन्मतिथि सत्यापन हेतु वांछित प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा, संबंधित अधिकारी द्वारा सभी प्रमाण-पत्रों की जांच मूल दस्तावेजों के आधार पर पत्रसत्यापन स्थल पर की जायेगी। यदि प्रमाण-पत्रों में कोई विसंगति दिखाई देती है, तो कार्यभार ग्रहण कराने के पूर्व इसकी जानकारी नियुक्ति प्राधिकारी अर्थात् कुलसचिव राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर को दी जाकर उनसे परामर्श प्राप्त किया जायेगा एवं प्रस्तुत प्रमाणपत्र सही नहीं पाये जाने की स्थिति में नियुक्ति समाप्त की जा सकेगी।
5. अभ्यर्थी को शासकीय सेवा ग्रहण करने के दिनांक से ये सभी शर्तें म0प्र0 सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 एवं तत्पश्चात् संशोधन मान्य होंगे जो समय-समय पर शासन द्वारा जारी किए जा चुके हैं अथवा जारी किए जावेंगे जिन्हें विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत किया गया हो।

//2//

6. नियुक्त अभ्यर्थी को कार्यभार ग्रहण करने के समय मेडीकल बोर्ड से उपयुक्तता (फिटनेस) प्रमाण–पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

7. नियुक्त अभ्यर्थियों की वरिष्ठता विश्वविद्यालय में पी.ई.बी. भोपाल द्वारा जारी चयन सूची के मेरिट क्रम के अनुसार संधारित होगी।

8. अस्थाई नियुक्ति के दौरान उनकी सेवायें किसी भी समय उभय पक्ष द्वारा एक माह का नोटिस देकर समाप्त की जा सकेगी।

9. चयनित अभ्यर्थी द्वारा एक माह का नोटिस या उसकी एवज में एक माह का वेतन तथा भत्ते का भुगतान किया जाकर सेवा से त्यागपत्र दिया जा सकेगा। एक माह का वेतन तथा एक माह का नोटिस दिये बिना शासकीय सेवा छोड़ने पर उपरोक्त शर्तों के अनुसार देय रकम भू–राजस्व या बकाया देय राशि से वसूल की जा सकेगी।

10. नियुक्त अभ्यर्थियों को निर्देशित किये जाने पर समय–समय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उपस्थित होना अनिवार्य है, साथ ही विहित विभागीय परीक्षा आदि नियत समयावधि में उत्तीर्ण करना होगी। विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण होने एवं कार्यों के मूल्यांकन संतोषजनक पाये जाने पर म0प्र0 सिविल सेवा नियम 1961 के नियम 8(6) के अनुसार सेवायें नियमित की जाकर परिवीक्षा अवधि समाप्त होने पर ही वेतनवृद्धि की पात्रता होगी। परिवीक्षा अवधि में नियुक्ति पद का न्यूनतम वेतन देय होगा।

11. राज्य शासन के अधीन दिनांक 01.01.2005 अथवा इसके बाद नियुक्त होने वाले कर्मचारियों को परिभाषित अंशदान पेंशन प्रणाली लागू होगी। सेवा संबंधी अन्य मुद्दे नियमित शासकीय सेवकों का लागू किया जाये, के अध्यधीन रहेगा।

12. विश्वविद्यालय द्वारा जारी नियुक्ति आदेश में प्रदिष्ट पदस्थापना स्थल से अभ्यर्थी की सेवायें परिवीक्षा अवधि के दौरान स्थानान्तरित नहीं की जा सकेगी। **परिवीक्षा अवधि समाप्ति पश्चात कर्मचारी की सेवायें विश्वविद्यालय के अतंर्गत आने वाली किसी भी इकाई/योजना को स्थानांतरित की जा सकेगी।**

13. "यह नियुक्ति आदेश पुलिस चरित्र सत्यापन की प्रत्याशा में जारी किया जा रहा है, यदि पुलिस चरित्र सत्यापन की रिपोर्ट में कोई नियुक्त अभ्यर्थी शासकीय सेवा के अयोग्य पाया जाता है तो उसकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से समाप्त की जावेगी।" कार्यभार ग्रहण करने के तत्काल पश्चात निर्धारित प्रपत्र में अनुप्रमाणन प्रपत्र चरित्र सत्यापन हेतु एवं संलग्न शपथ पत्र प्रारूप में कार्यालय प्रमुख को प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

14. मध्यप्रदेश सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम, 1961 के नियम 6 के अनुसार शासकीय सेवा में नियुक्ति के लिए निम्नलिखित अभ्यर्थी अपात्र होंगे–

   i. कोई भी अभ्यर्थी जिसकी एक से अधिक पत्नी जीवित हों, इसी प्रकार महिला उम्मीदवार जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो, जिसकी पूर्व से ही एक पत्नी जीवित हो, नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा/होगी तथा उसकी नियुक्ति निरस्त की जा सकेगी।

   ii. कोई भी अभ्यर्थी जिसे महिलाओं/पुरूषों के अपराध के विरूद्ध किसी भी अपराध का सिद्धदोष ठहराया गया हो, नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा/होगी तथा उसकी नियुक्ति निरस्त कर दी जावेगी।

   iii. चयनित अभ्यर्थी जिसने विवाह के लिए विहित की गई न्यूनतम आयु से पूर्व विवाह कर लिया हो, तो उसका/उसकी नियुक्ति आदेश निरस्त किया जा सकेगा।

//3//

iv. कोई भी अभ्यर्थी जिसकी दो से अधिक सन्तान हैं, जिनमें से एक का जन्म 26 जनवरी, 2001 को या उसके पश्चात हुआ है, परन्तु निर्हित नहीं होगा यदि एक सन्तान के जीवित रहते आगामी प्रसव में दो या दो से अधिक सन्तान का जन्म होता है उसकी नियुक्ति निरस्त की जा सकेगी।

15. अभ्यर्थी के शैक्षणिक/व्यवसायिक एवं अन्य प्रमाणपत्रों के प्रकरण में जनहित (अयोग्यता) की स्थिति प्रकट होती/बनती है, तो नियुक्ति निरस्त मानी जावेगी। जिस पर दावा पेश नहीं होगा।

16. अभ्यर्थी को कार्य पर उपस्थिति होने की तिथि से एक माह के अंदर विश्वविद्यालय द्वारा देय नियत मासिक चिकित्सा भत्ता प्राप्त करने हेतु विकल्प प्रस्तुत करना होगा अन्यथा उसे चिकित्सा प्रतिपूर्ति की सुविधा प्रदान नहीं की जावेगी।

मध्यप्रदेश लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों एवं अन्य पिछड़ा वर्गों के आरक्षण) अधिनियम 1994 (क्रमांक-21 सन् 1994) के उपबंधों और अधिनियम के प्रावधानों के प्रकाश में सरकार द्वारा जारी अनुदेशों का अनुपालन किया गया है, तथा उक्त अधिनियम की धारा-6 की उपधारा (1) के उपबंधों का पूर्ण सज्ञान है।

माननीय कुलपति जी के आदेशानुसार

कुलसचिव
रा.वि.सिं.कृ.वि.वि.ग्वालियर

क्र./कु.स./स्था.दो/2019/ 1272 ग्वालियर, दिनांक 30/07/2019

प्रतिलिपि-सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

1. अधिष्ठाता, कृषि संकाय, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
2. निदेशक शिक्षण/अनुसंधान सेवायें/विस्तार सेवायें, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
3. उप कुलसचिव अनुसंधान (बीज एवं प्रक्षेत्र), रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
4. प्रभारी कार्यपालन यंत्री, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
5. अधिष्ठाता, कृषि/उद्यानिकी महाविद्यालय, ग्वालियर, इन्दौर, सीहोर, खण्डवा एवं मंदसौर।
6. लेखानियंत्रक, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
7. उप कुलसचिव (स्था.), रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
8. कार्यालय निदेशक विस्तार सेवायें, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर कृपया नियुक्ति आदेश की निहित शर्तों के अनुसार चयनित अभ्यर्थी के सभी आवश्यक मूल दस्तावेजों की जाँच उपस्थिति लेने के पूर्व अपने स्तर से सुनिश्चित करें एवं वांछित उपयुक्त अभिलेखों के अभाव में आपने किसी अभ्यर्थी की नियुक्ति पश्चात उपस्थित करा लिया है, जो कि नियमानुसार पात्रता नहीं रखता है, ऐसी स्थिति में आप व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
9. श्री हरवंश सिंह S/o श्री जयपाल, ग्राम घाट खारपढ़िया, वार्ड नं. 24 पोस्ट डगहल, तहसील कैदलारी -480993 जिला सिवनी (म.प्र.) की ओर पावनाथ पदभार ग्रहण करने के पूर्व यदि किसी संस्था/विभाग में कार्यरत है तो उस संस्था/विभाग का अनापत्ति एवं कार्यमुक्त प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें, अन्यथा कार्यभार ग्रहण करने की अनुमति नहीं होगी।
10. निज सचिव, माननीय कुलपतिजी, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
11. व्यक्तिगत/आदेश/सूचना नस्ती।

उप कुलसचिव (स्था.)
रा.वि.सिं.कृ.वि.वि.,ग्वालियर

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

क्र./एस./स्था.दो/2019/ 1269 ग्वालियर, दिनांक 30/07/2019

//आदेश//

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर अंतर्गत पद कोड–54 सहायक ग्रेड–3 सह स्टेनोटायपिस्ट पद पर सीधी भर्ती हेतु प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड, चयन भवन भोपाल म0प्र0 द्वारा, समूह–4 के अंतर्गत प्राप्त प्राथमिकता सूची अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा गठित दस्तावेज सत्यापन समिति की अनुशंसा एवं कुलपति जी के अनुमोदनोपरान्त कु. शिवानी राव D/O श्री रामेश्वर, **चुमेकी कालोनी ताल दरवाजा, टीकमगढ़–472001** (म.प्र.) को सहायक ग्रेड–3 सह स्टेनोटायपिस्ट के पद पर वेतनमान रू 5200–20200+1900 ग्रेड पे (पुनरीक्षित सातवें वेतनमान लेवल–4 में मूल वेतन रू 19500 + विश्वविद्यालय नियमानुसार भत्ते) पर अनुसूचित जाति (महिला) श्रेणी के अंतर्गत चयन किया जाकर उक्त पद पर उपस्थित होने की दिनांक से अस्थाई रूप से कार्यालय, लेखानियंत्रक राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर में निम्नलिखित शर्तों के अधीन पदस्थ किया जाता है:–

2. नियुक्ति की शर्त एवं नियम निम्नानुसार होंगी –

1. यह नियुक्ति 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर की जा रही है। परिवीक्षा अवधि में अग्रिम वेतनवृद्धियाँ भी स्वीकृत नहीं की जायेंगी।
2. विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत म0प्र0 शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञाप क्रमांक एफ–सी–15/2012/1/3, दिनांक 24 नवंबर 2012 के तहत नियुक्त अभ्यर्थी के चरित्र सत्यापन की प्रत्याशा में नियुक्ति आदेश जारी किये जा रहे हैं, अतः इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी शपथ पत्र उपस्थिति के समय निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। नव नियुक्त अभ्यर्थी का चरित्र सत्यापन शासकीय सेवकों पर लागू नियमों या अनुदेशों के आधार पर किया जायेगा। चरित्र के संबंध में किसी प्रतिकूल निष्कर्ष की दशा में नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा नियुक्त अधिकारी की सेवाएं बिना कोई कारण बताये तत्काल रद्द कर दी जायेंगी।
3. आदेश जारी होने के दिनांक से एक माह के भीतर आवश्यक रूप से कार्यभार ग्रहण करेंगे, अन्यथा नियुक्ति आदेश स्वमेव निरस्त समझा जावेगा।
4. नियुक्त अभ्यर्थियों द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व उनकी शैक्षणिक अर्हता मान्यता प्राप्त संस्था का मूल प्रमाणपत्र, मूल अंकसूचियां, सक्षम अधिकारी द्वारा जारी आरक्षित श्रेणी का वैध जाति प्रमाणपत्र, म0प्र0 मूल निवासी प्रमाणपत्र तथा जन्मतिथि सत्यापन हेतु वांछित प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा, संबंधित अधिकारी द्वारा सभी प्रमाण–पत्रों की जांच मूल दस्तावेजों के आधार पर पदस्थापना स्थल पर की जायेगी। यदि प्रमाण–पत्रों में कोई विसंगति दिखाई देती है, तो कार्यभार ग्रहण कराने के पूर्व इसकी जानकारी नियुक्ति प्राधिकारी अर्थात् कुलसचिव राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर को दी जाकर उनसे परामर्श प्राप्त किया जायेगा एवं प्रस्तुत प्रमाणपत्र सही नहीं पाये जाने की स्थिति में नियुक्ति समाप्त की जा सकेगी।
5. अभ्यर्थी को शासकीय सेवा ग्रहण करने के दिनांक से वे सभी शर्तें म0प्र0 सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 एवं शासनादेश मान्य होंगे जो समय–समय पर शासन द्वारा जारी किए जा चुके हैं अथवा जारी किए जायेंगे जिन्हें विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत किया गया हो।

//2//

6. नियुक्त अभ्यर्थी को कार्यभार ग्रहण करने के समय मेडीकल बोर्ड से उपयुक्तता (फिटनेस) प्रमाण--पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

7. नियुक्त अभ्यर्थियों की वरिष्ठता विश्वविद्यालय में ए.ई.बी. भोपाल द्वारा जारी चयन सूची के मेरिट क्रम के अनुसार संधारित होगी।

8. सफलाई नियुक्ति के दौरान उनकी सेवायें किसी भी समय उभय पक्ष द्वारा एक माह का नोटिस देकर समाप्त की जा सकेगी।

9. संबंधित अभ्यर्थी द्वारा एक माह का नोटिस या उसकी एवज में एक माह का वेतन तथा भत्ते का भुगतान किया जाकर सेवा से त्यागपत्र दिया जा सकेगा। एक माह का वेतन तथा एक माह का नोटिस दिये बिना शासकीय सेवा छोड़ने पर उपरोक्त शर्तों के अनुसार देय राशि भू-राजस्व या बकाया देय राशि से वसूल की जा सकेगी।

10. नियुक्त अभ्यर्थियों को निर्देशित किये जाने पर समय-समय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उपस्थित होना अनिवार्य है, साथ ही विहित विभागीय परीक्षा आदि नियत समयावधि में उत्तीर्ण करना होगा। विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण होने एवं कार्यों के मूल्यांकन संतोषजनक पाये जाने पर म.प्र.ए. सिविल सेवा नियम 1961 के नियम 8(6) के अनुसार सेवायें नियमित की जाकर परिवीक्षा अवधि समाप्त होने पर ही वेतनवृद्धि की पात्रता होगी। परिवीक्षा अवधि में नियुक्ति पद का न्यूनतम वेतन देय होगा।

11. राज्य शासन के अधीन दिनांक 01.01.2005 अथवा इसके बाद नियुक्त होने वाले कर्मचारियों को परिभाषित अंशदान पेंशन प्रणाली लागू होगी। सेवा संबंधी अन्य मुद्दे नियमित शासकीय सेवकों को लागू किया जाये, के अध्यधीन रहेगा।

12. विश्वविद्यालय द्वारा जारी नियुक्ति आदेश में प्रविष्ट पदस्थापना स्थल से अभ्यर्थी की संपादे परिवीक्षा अवधि के दौरान स्थानांतरित नहीं की जा सकेगी। परिवीक्षा अवधि समाप्ति पश्चात कर्मचारी की सेवायें विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाली किसी भी इकाई/योजना को स्थानांतरित की जा सकेगी।

13. "यह नियुक्ति आदेश पुलिस चरित्र सत्यापन की प्रत्याशा में जारी किया जा रहा है, यदि पुलिस चरित्र सत्यापन की रिपोर्ट में कोई नियुक्त अभ्यर्थी शासकीय सेवा के अयोग्य पाया जाता है तो उसकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से समाप्त की जावेगी।" कार्यभार ग्रहण करने के तत्काल पश्चात निर्धारित प्रपत्र में अनुप्रमाणन प्रपत्र चरित्र सत्यापन हेतु एवं संलग्न शपथ पत्र प्रारूप में कार्यालय प्रमुख को प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

14. मध्यप्रदेश सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम, 1961 के नियम 6 के अनुसार शासकीय सेवा में नियुक्ति के लिए निम्नलिखित अभ्यर्थी अपात्र होंगे--

i. कोई भी अभ्यर्थी जिसकी एक से अधिक पत्नी जीवित हो, इसी प्रकार महिला उम्मीदवार जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो, जिसकी पूर्व से ही एक पत्नी जीवित हो, नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा/होगी तथा उसकी नियुक्ति निरस्त की जा सकेगी।

ii. कोई भी अभ्यर्थी जिसे महिलाओं/पुरुषों के अपराध के विरुद्ध किसी भी अपराध का सिद्धदोष ठहराया गया हो, नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा/होगी तथा उसकी नियुक्ति निरस्त कर दी जावेगी।

iii. सफल अभ्यर्थी जिसने विवाह के लिए विहित की गई न्यूनतम आयु से पूर्व विवाह कर लिया हो, तो उसका/उसकी नियुक्ति आदेश निरस्त किया जा सकेगा।

//3//

iv. कोई भी अभ्यर्थी जिसकी दो से अधिक सन्तान है, जिनमें से एक का जन्म 26 जनवरी, 2001 को या उसके पश्चात हुआ है, परन्तु निरर्हित नहीं होगा यदि एक सन्तान के जीवित रहते आगामी प्रसव में दो या दो से अधिक सन्तान का जन्म होता है उसकी नियुक्ति निरस्त की जा सकेगी।

15. अभ्यर्थी के शैक्षणिक/व्यवसायिक एवं अन्य प्रमाणपत्रों के प्रकरण में अनर्हता (अयोग्यता) की स्थिति प्रकट होती/बनती है, तो नियुक्ति निरस्त मानी जावेगी। जिस पर दावा पेश नहीं होगा।

16. अभ्यर्थी को कार्य पर उपस्थिति होने की तिथि से एक माह के अंदर विश्वविद्यालय द्वारा देय नियत मासिक चिकित्सा भत्ता प्राप्त करने हेतु विकल्प प्रस्तुत करना होगा अन्यथा उसे चिकित्सा क्षतिपूर्ति की सुविधा प्रदान नहीं की जावेगी।

मध्यप्रदेश लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों एवं अन्य पिछड़ा वर्गों के आरक्षण) अधिनियम 1994 (क्रमांक-21 सन् 1994) के उपबंधों और अधिनियम के उपबंधों के प्रकाश में सरकार द्वारा जारी अनुदेशों का अनुपालन किया गया है, तथा उक्त अधिनियम की धारा-5 की उपधारा (1) के उपबंधों का पूर्ण संज्ञान है।

माननीय कुलपति जी के आदेशानुसार

कुलसचिव
रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर

क्र./कु.स./स्था.दो/2019/1270 ग्वालियर, दिनांक: 30/07/2019

प्रतिलिपि-सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

1. अधिष्ठाता, कृषि संकाय, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
2. निदेशक शिक्षण/अनुसंधान सेवायें/विस्तार सेवायें, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
3. सह संचालक अनुसंधान (बीज एवं प्रक्षेत्र), रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
4. प्रभारी कार्यपालन यंत्री, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
5. अधिष्ठाता, कृषि/उद्यानिकी महाविद्यालय, ग्वालियर, इन्दौर, सीहोर, खण्डवा एवं मंदसौर।
6. लेखानियंत्रक, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
7. उप कुलसचिव (स्था.), रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
8. कार्यालय लेखानियंत्रक, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर कृपया नियुक्ति आदेश की निहित शर्तों के अनुसार चयनित अभ्यर्थी के सभी आवश्यक मूल दस्तावेजों की जाँच उपस्थिति लेने के पूर्व अपने स्तर से सुनिश्चित करें एवं वांछित उपयुक्त अभिलेखों के अभाव में आपने किसी अभ्यर्थी की नियुक्ति पश्चात् उपस्थित करा लिया है, जो कि नियमानुसार पात्रता नहीं रखता है, ऐसी स्थिति में आप व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
9. कु. शिवानी राय D/o श्री रामेश्वर, कुमेडी कालोनी लाल दरवाजा, टीकमगढ़-472001(म.प्र.) की ओर पालनार्थ, पदभार ग्रहण करने के पूर्व यदि किसी संस्था/विभाग में कार्यरत है तो उस संस्था/विभाग का अनापत्ति एवं कार्यमुक्त प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें, अन्यथा कार्यभार ग्रहण करने की पात्रता नहीं होगी।
10. निज सचिव, माननीय कुलपतिजी, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
11. व्यक्तिगत/आदेश/सुरक्षा नस्ती।

30/07/19
उप कुलसचिव (स्था.)
रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

क्र. / कुल. / स्थापना / 2019 / 12-5,6 ग्वालियर, दिनांक 30 / 01 / 2019

/ / आदेश / /

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर अंतर्गत पद कोड–54 सहायक ग्रेड–3 सह स्टेनोटायपिस्ट पद पर सीधी भर्ती हेतु प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड, चयन भवन भोपाल म0प्र0 द्वारा, समूह–4 के अंतर्गत प्राप्त वरीयता सूची अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा गठित दस्तावेज सत्यापन समिति की अनुशंसा एवं कुलपति जी के अनुमोदनोपरान्त श्री प्रवीण धाकड़ S/O श्री बाईस राम धाकड़, 304 रामजानकी मंदिर के पास धाकड़ मौहल्ला पतेहपुर, शिवपुरी–473551(म.प्र.) को सहायक ग्रेड 3 सह स्टेनोटायपिस्ट के पद पर वेतनमान रू 5200-20200+1900 ग्रेड पे (पुनरीक्षित सातवें वेतनमान लेवल–4 में मूल वेतन रू 19500 + विश्वविद्यालय नियमानुसार भत्ते) पर अनारक्षित श्रेणी के आधार चयन किया जाकर उक्त पद पर उपस्थित होने की दिनांक से अस्थाई रूप से कार्यालय, कार्यपालन यंत्री, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, रेसकोर्स रोड मेला ग्राउण्ड के सामने, ग्वालियर में निम्नलिखित शर्तों के अधीन पदस्थ किया जाता है:–

2. नियुक्ति की शर्तें एवं नियम निम्नानुसार होंगी :–

1. यह नियुक्ति 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर की जा रही है। परिवीक्षा अवधि में अग्रिम वेतनवृद्धियाँ भी स्वीकृत नहीं की जायेंगी।
2. विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत म0प्र0 शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञाप क्रमांक एफ–सी–16 / 2012 / 1 / 3, दिनांक 24 सितंबर 2012 के तहत नियुक्त अभ्यर्थी के चरित्र सत्यापन की प्रत्याशा में नियुक्ति आदेश जारी किये जा रहे हैं, अतः इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी ज्ञापन पत्र उपस्थिति के समय निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। नव नियुक्त अभ्यर्थी का चरित्र सत्यापन शासकीय सेवकों पर लागू नियमों या अनुदेशों के आधार पर किया जायेगा। चरित्र के संबंध में किसी प्रतिकूल निष्कर्ष की दशा में नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा नियुक्त अधिकारी की सेवायें बिना कोई कारण बताये तत्काल समाप्त कर दी जायेंगी।
3. आदेश जारी होने के दिनांक से एक माह के भीतर आवश्यक रूप से कार्यभार ग्रहण करेंगे, अन्यथा नियुक्ति आदेश स्वमेव निरस्त समझा जायेगा।
4. नियुक्त अभ्यर्थियों द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व उनकी शैक्षणिक अर्हता मान्यता प्राप्त संस्था का मूल प्रमाणपत्र, मूल अंकसूचियाँ, संक्षम अधिकारी द्वारा जारी आरक्षित श्रेणी का वैध जाति प्रमाणपत्र, म0प्र0 मूल निवासी प्रमाणपत्र तथा जन्मतिथि सत्यापन हेतु वांछित प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा, संबंधित अधिकारी द्वारा सभी प्रमाण पत्रों की जांच मूल दस्तावेजों के आधार पर सत्यापन स्तर पर की जायेगी। यदि प्रमाण–पत्रों में कोई विसंगति दिखाई देती है, तो कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व इसकी जानकारी नियुक्ति प्राधिकारी अर्थात् कुलसचिव राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर को दी जाकर उनसे परामर्श प्राप्त किया जायेगा एवं प्रस्तुत प्रमाणपत्र सही नहीं पाये जाने की स्थिति में नियुक्ति समाप्त की जा सकेगी।
5. अभ्यर्थी को शासकीय सेवा ग्रहण करने के दिनांक से वे सभी शर्तें म0प्र0 सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 एवं शासनादेश मान्य होंगे जो समय समय पर शासन द्वारा जारी किए जा चुके हैं अथवा जारी किए जायेंगे जिन्हें विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत किया गया हो।

//2//

6. नियुक्त अभ्यर्थी को कार्यभार ग्रहण करने के समय मेडीकल बोर्ड से उपयुक्तता (फिटनेस) प्रमाण–पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

7. नियुक्त अभ्यर्थियों की वरिष्ठता विश्वविद्यालय में पी.ई.बी. भोपाल द्वारा जारी चयन सूची के मेरिट क्रम के अनुसार स्थापित होगी।

8. अस्थाई नियुक्ति के दौरान उनकी सेवायें किसी भी समय उनय पक्ष द्वारा एक माह का नोटिस देकर समाप्त की जा सकेगी।

9. चयनित अभ्यर्थी द्वारा एक माह का नोटिस या उसकी एवज में एक माह का वेतन तथा भत्ते का भुगतान किया जाकर सेवा से त्यागपत्र दिया जा सकेगा। एक माह का वेतन तथा एक माह का नोटिस दिये बिना शासकीय सेवा छोड़ने पर उपरोक्त शर्तों के अनुसार देय रकम भू–राजस्व या बकाया देय राशि से वसूल की जा सकेगी।

10. नियुक्त अभ्यर्थियों को निर्देशित किये जाने पर समय–समय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उपस्थित होना अनिवार्य है, साथ ही विहित विभागीय परीक्षा आदि नियत समयावधि में उत्तीर्ण करना होगी। विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण होने एवं कार्यों के मूल्यांकन संतोषजनक पाये जाने पर म0प्र0 सिविल सेवा नियम 1961 के नियम 8(6) के अनुसार सेवायें नियमित की जाकर परिवीक्षा अवधि समाप्त होने पर ही वेतनवृद्धि की पात्रता होगी। परिवीक्षा अवधि में नियुक्ति पद का न्यूनतम वेतन देय होगा।

11. राज्य शासन के अधीन दिनांक 01.01.2005 अथवा इसके बाद नियुक्त होने वाले कर्मचारियों को परिभाषित अंशदान पेंशन प्रणाली लागू होगी। सेवा संबंधी अन्य मुददे नियमित शासकीय सेवकों को लागू किया जाये, के अध्यधीन रहेगा।

12. विश्वविद्यालय द्वारा जारी नियुक्ति आदेश में प्रविष्ट पदस्थापना स्थल से अभ्यर्थी की सेवायें परिवीक्षा अवधि के दौरान स्थानान्तरित नहीं की जा सकेगी। परिवीक्षा अवधि समाप्ति पश्चात कर्मचारी की सेवायें विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाली किसी भी इकाई/योजना को स्थानांतरित की जा सकेगी।

13. "यह नियुक्ति आदेश पुलिस चरित्र सत्यापन की प्रत्याशा में जारी किया जा रहा है, यदि पुलिस चरित्र सत्यापन की रिपोर्ट में कोई नियुक्त अभ्यर्थी शासकीय सेवा के अयोग्य पाया जाता है तो उसकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से समाप्त की जावेगी।" कार्यभार ग्रहण करने के तत्काल पश्चात निर्धारित प्रपत्र में अनुप्रमाणन प्रपत्र चरित्र सत्यापन हेतु एवं संलग्न शपथ पत्र प्रारूप में कार्यालय प्रमुख को प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

14. मध्यप्रदेश सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम, 1961 के नियम 6 के अनुसार शासकीय सेवा में नियुक्ति के लिए निम्नलिखित अभ्यर्थी अपात्र होंगे–

i. कोई भी अभ्यर्थी जिसकी एक से अधिक पत्नी जीवित हों, इसी प्रकार महिला उम्मीदवार जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो, जिसकी पूर्व से ही एक पत्नी जीवित हो, नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा/होगी तथा उसकी नियुक्ति निरस्त की जा सकेगी।

ii. कोई भी अभ्यर्थी जिसे महिलाओं/पुरूषों के अपराध के विरूद्ध किसी भी अपराध का सिद्धदोष ठहराया गया हो, नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा/होगी तथा उसकी नियुक्ति निरस्त कर दी जावेगी।

iii. चयनित अभ्यर्थी जिसने विवाह के लिए विहित की गई न्यूनतम आयु से पूर्व विवाह कर लिया हो, तो उसका/उसकी नियुक्ति आदेश निरस्त किया जा सकेगा।

//3//

iv. कोई भी अभ्यर्थी जिसकी दो से अधिक सन्तान है, जिनमें से एक का जन्म 26 जनवरी, 2001 को या उसके पश्चात हुआ है, परन्तु निर्वहित नहीं होगा यदि एक सन्तान के जीवित रहते आगामी प्रसव में दो या दो से अधिक सन्तान का जन्म होता है उसकी नियुक्ति निरस्त की जा सकेगी।

15. अभ्यर्थी के शैक्षणिक/व्यवसायिक एवं अन्य प्रमाणपत्रों के प्रकरण में अनर्हता (अपात्रता) की स्थिति प्रकट होती/बनती है, तो नियुक्ति निरस्त मानी जावेगी। जिस पर दावा पेश नहीं होगा।

16. अभ्यर्थी को कार्य पर उपस्थिति होने की तिथि से एक माह के अंदर विश्वविद्यालय द्वारा देय नियत मासिक चिकित्सा भत्ता प्राप्त करने हेतु विकल्प प्रस्तुत करना होगा अन्यथा उसे चिकित्सा क्षतिपूर्ति की सुविधा प्रदान नहीं की जावेगी।

मध्यप्रदेश लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों एवं अन्य पिछड़ा वर्गों के आरक्षण) अधिनियम 1994 (क्रमांक–21 सन् 1994) के उपबंधों और अधिनियम के उपबंधों के प्रकाश में सरकार द्वारा जारी अनुदेशों का अनुपालन किया गया है, तथा उक्त अधिनियम की धारा–6 की उपधारा (1) के उपबंधों का पूर्ण संज्ञान है।

माननीय कुलपति जी के आदेशानुसार

कुलसचिव
रा.वि.सि.कृ.वि.वि.,ग्वालियर

क्र./कु.स./स्था.दो/2019/2566 ग्वालियर, दिनांक: 30/07/2019

प्रतिलिपि:–सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

1. अधिष्ठाता, कृषि संकाय, रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
2. निदेशक शिक्षण/अनुसंधान सेवायें/विस्तार सेवायें, रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
3. सह संचालक अनुसंधान (बीज एवं प्रक्षेत्र), रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
4. प्रभारी कार्यपालन यंत्री, रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
5. अधिष्ठाता, कृषि/उद्यानिकी महाविद्यालय, ग्वालियर, इन्दौर, सीहोर, खण्डवा एवं मंदसौर।
6. लेखानियंत्रक, रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
7. उप कुलसचिव (स्था.), रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
8. कार्यालय, कार्यपालन यंत्री, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, रेसकोर्स रोड गैला ग्राउण्ड के सामने, ग्वालियर कृपया नियुक्ति आदेश की निहित शर्तों के अनुसार चयनित अभ्यर्थी के सभी आवश्यक मूल दस्तावेजों की जाँच उपस्थिति लेने के पूर्व अपने स्तर से सुनिश्चित करें एवं वांछित उपयुक्त अभिलेखों के अभाव में आपने किसी अभ्यर्थी की नियुक्ति पश्चात् उपस्थित करा लिया है, जो कि नियमानुसार पात्रता नहीं रखता है, ऐसी स्थिति में आप व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
9. श्री प्रवीण धाकड़ S/o श्री बाईरा राम धाकड़, 934 रामजानकी मंदिर के पास धाकड़ मोहल्ला फतेहपुर, शिवपुरी–473551(म.प्र.) की ओर सूचनार्थ, पदभार ग्रहण करने के पूर्व यदि किसी संस्था/विभाग में कार्यरत है तो उस संस्था/विभाग का अनापत्ति एवं कार्यमुक्त प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें अन्यथा कार्यभार ग्रहण करने की पात्रता नहीं होगी।
10. निज सचिव, माननीय कुलपतिजी, रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
11. व्यक्तिगत/आदेश/सुरक्षा नस्ती।

उप कुलसचिव (स्था.)
रा.वि.सि.कृ.वि.वि.,ग्वालियर

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

क्र./कुस./स्था.वो/2019/[illegible] ग्वालियर, दिनांक [illegible]/11/2019

//आदेश//

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर अंतर्गत पद कोड–55 कनिष्ठ शीघ्रलेखाक सह कम्प्यूटर ऑपरेटर पद पर सीधी भर्ती हेतु प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड, चयन भवन, भोपाल म0प्र0 द्वारा, समूह–4 के अंतर्गत प्राप्त प्रावीण्य सूची अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा गठित दस्तावेज सत्यापन समिति की अनुशंसा एवं कुलपति जी के अनुमोदनोपरान्त श्री राहुल पवैया S/O श्री राजेन्द्र सिंह पवैया, खरगेश्वर मंदिर के पास, गणेश कॉलोनी, चार शहर का नाका, हजीरा, ग्वालियर–474003 (म.प्र.) को कनिष्ठ शीघ्रलेखक सह कम्प्यूटर ऑपरेटर के पद पर वेतनमान रू 5200–20200+2800 ग्रेड पे (पुनरीक्षित सातवें वेतनमान लेवल–7 में मूल वेतन रू 28700 + विश्वविद्यालय नियमानुसार भत्ते) पर अनारक्षित श्रेणी के अंतर्गत चयन किया जाकर उक्त पद पर उपस्थित होने की दिनांक से अस्थाई रूप से कार्यालय वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र, श्योपुर में निम्नलिखित शर्तों के अधीन पदस्थ किया जाता है:–

2. नियुक्ति की शर्तें एवं नियम निम्नानुसार होंगी --

1. यह नियुक्ति 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर की जा रही है। परिवीक्षा अवधि में अग्रिम वेतनवृद्धियाँ भी स्वीकृत नहीं की जायेंगी।
2. विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत म0प्र0 शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञाप क्रमांक एफ–सी–15/2012/1/3, दिनांक 24 नवंबर 2012 के तहत नियुक्त अभ्यर्थी के चरित्र सत्यापन की प्रत्याशा में नियुक्ति आदेश जारी किये जा रहे हैं, अतः इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी शपथ पत्र उपस्थिति के समय निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। नव नियुक्त अभ्यर्थी का चरित्र सत्यापन शासकीय सेवकों पर लागू नियमों व अनुदेशों के आधार पर किया जायेगा। चरित्र के संबंध में किसी प्रतिकूल निष्कर्ष की दशा में नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा नियुक्त अधिकारी की सेवायें बिना कोई कारण बताये तत्काल रद्द कर दी जायेगी।
3. आदेश जारी होने के दिनांक से एक माह के भीतर आवश्यक रूप से कार्यभार ग्रहण करेंगे, अन्यथा नियुक्ति आदेश स्वतः निरस्त समझा जावेगा।
4. नियुक्त अभ्यर्थियों द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व उनकी शैक्षणिक अर्हता मान्यतः प्राप्त संस्था का मूल प्रमाणपत्र, मूल अंकसूचियाँ, सक्षम अधिकारी द्वारा जारी आरक्षित श्रेणी का कास्ट जाति प्रमाणपत्र, म0प्र0 मूल निवासी प्रमाणपत्र तथा जन्मतिथि सत्यापन हेतु वांछित प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा, संबंधित अधिकारी द्वारा सभी प्रमाण–पत्रों की जांच मूल दस्तावेजों के आधार पर पदस्थापना स्थल पर की जावेगी। यदि प्रमाण–पत्रों में कोई विसंगति दिखाई देती है, तो कार्यभार ग्रहण कराने के पूर्व इसकी जानकारी नियुक्ति प्राधिकारी अर्थात् कुलसचिव राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर को दी जाकर उनसे परामर्श प्राप्त किया जायेगा एवं प्रस्तुत प्रमाणपत्र सही नहीं पाये जाने की स्थिति में नियुक्ति समाप्त की जा सकेगी।

क्रमशः.....2

//2//

5. अभ्यर्थी को शासकीय सेवा ग्रहण करने के दिनांक से वे सभी शर्तें म0प्र0 सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 एवं शासनादेश मान्य होगें जो समय–समय पर शासन द्वारा जारी किए जा चुके हैं अथवा जारी किए जावेंगे जिन्हें विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत किया गया हो।

6. नियुक्त अभ्यर्थी को कार्यभार ग्रहण करने के समय मेडीकल बोर्ड से उपयुक्तता (फिटनेस) प्रमाण–पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

7. नियुक्त अभ्यर्थियों की वरिष्ठता विश्वविद्यालय में पी.ई.बी. भोपाल द्वारा जारी चयन सूची के मेरिट क्रम के अनुसार संधारित होगी।

8. अस्थाई नियुक्ति के दौरान उनकी सेवायें किसी भी समय उभय पक्ष द्वारा एक माह का नोटिस देकर समाप्त की जा सकेगी।

9. चयनित अभ्यर्थी द्वारा एक माह का नोटिस या उसकी एवज में एक माह का वेतन तथा भत्ते का भुगतान किया जाकर सेवा से त्यागपत्र दिया जा सकेगा। एक माह का वेतन तथा एक माह का नोटिस दिये बिना शासकीय सेवा छोडने पर उपरोक्त शर्तों के अनुसार देय रकम भू–राजस्व या बकाया देय राशि से वसूल की जा सकेगी।

10. नियुक्त अभ्यर्थियों को निर्देशित किये जाने पर समय–समय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उपस्थित होना अनिवार्य है, साथ ही विहित विभागीय परीक्षा आदि नियत समयावधि में उत्तीर्ण करना होगी। विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने पर एवं कार्यों के मूल्यांकन संतोषजनक पाये जाने पर म0प्र0 सिविल सेवा नियम 1961 के नियम 8(6) के अनुसार सेवायें नियमित की जाकर परिवीक्षा अवधि समाप्त होने पर ही वेतनवृद्धि की पात्रता होगी। परिवीक्षा अवधि में नियुक्ति पद का न्यूनतम वेतन देय होगा।

11. राज्य शासन के अधीन दिनांक 01.01.2005 अथवा इसके बाद नियुक्त होने वाले कर्मचारियों को परिभाषित अंशदान पेंशन प्रणाली लागू होगी। सेवा संबंधी अन्य मुद्दे नियमित शासकीय सेवकों को लागू किया जाये, के अध्यधीन रहेगा।

12. विश्वविद्यालय द्वारा जारी नियुक्ति आदेश में प्रविष्ट पदस्थापना स्थल से अभ्यर्थी की सेवायें परिवीक्षा अवधि के दौरान स्थानान्तरित नहीं की जा सकेगी।

13. "यह नियुक्ति आदेश पुलिस चरित्र सत्यापन की प्रत्याशा में जारी किया जा रहा है, यदि पुलिस चरित्र सत्यापन की रिपोर्ट में कोई नियुक्त अभ्यर्थी शासकीय सेवा के अयोग्य पाया जाता है तो उसकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से समाप्त की जावेगी।" कार्यभार ग्रहण करने के तत्काल पश्चात निर्धारित प्रपत्र में अनुप्रमाणन प्रपत्र चरित्र सत्यापन हेतु एवं सलग्न शपथ पत्र प्रारूप में कार्यालय प्रमुख को प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

14. मध्यप्रदेश सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम, 1961 के नियम 6 के अनुसार शासकीय सेवा में नियुक्ति के लिए निम्नलिखित अभ्यर्थी अपात्र होंगे–

   i. कोई भी अभ्यर्थी जिसकी एक से अधिक पत्नी जीवित हों, इसी प्रकार महिला उम्मीदवार जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो, जिसकी पूर्व से ही एक पत्नी जीवित हो, नियुक्ति के लिए पात्र नही होगा/होगी तथा उसकी नियुक्ति निरस्त की जा सकेगी।

क्रमशः.....3

//3//

ii. कोई भी अभ्यर्थी जिसे महिलाओं/पुरूषों के अपराध के विरूद्ध किसी भी अपराध का सिद्धदोष ठहराया गया हो, नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा/होगी तथा उसकी नियुक्ति निरस्त कर दी जावेगी।

iii. चयनित अभ्यर्थी जिसने विवाह के लिए विहित की गई न्यूनतम आयु से पूर्व विवाह कर लिया हो, तो उसका/उसकी नियुक्ति आदेश निरस्त किया जा सकेगा।

iv. कोई भी अभ्यर्थी जिसकी दो से अधिक सन्तान है, जिनमें से एक का जन्म 26 जनवरी, 2001 को या उसके पश्चात हुआ है, परन्तु निरर्हित नही होगा यदि एक सन्तान के जीवित रहते आगामी प्रसव में दो या दो से अधिक सन्तान का जन्म होता है उसकी नियुक्ति निरस्त की जा सकेगी।

15. अभ्यर्थी के शैक्षणिक/व्यवसायिक एवं अन्य प्रमाणपत्रों के प्रकरण में अनर्हता (अयोग्यता) की स्थिति प्रकट होती/बनती है, तो नियुक्ति निरस्त मानी जावेगी। जिस पर दावा पेश नही होगा।

16. अभ्यर्थी को कार्य पर उपस्थिति होने की तिथि से एक माह के अदर विश्वविद्यालय द्वारा देय नियत मासिक चिकित्सा भत्ता प्राप्त करने हेतु विकल्प प्रस्तुत करना होगा अन्यथा उसे चिकित्सा क्षतिपूर्ति की सुविधा प्रदान नहीं की जावेगी।

17. नियुक्त अभ्यर्थी की सेवायें विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्रों के अतिरिक्त अन्य किसी इकाई में स्थानांतरित नहीं की जा सकेंगी एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों में पदस्थ कर्मचारियों की पृथक से वरिष्ठता संधारित की जावेगी।

18. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा यदि भविष्य में वेतनमान में कमी की जाती है तो उसी अनुसार आपके वेतनमान मे भी कमी की जा सकती है।

19. अभ्यर्थी का विश्वविद्यालय के बाहर समान पद पर आवेदन अग्रेषित नही किया जायेगा। साथ ही समान पद पर अन्य विभाग में नियुक्ति होने पर कार्यमुक्त भी नही किया जायेगा।

मध्यप्रदेश लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों एवं अन्य पिछड़ा वर्गों के आरक्षण) अधिनियम 1994 (क्रमांक-21 सन् 1994) के उपबंधों और अधिनियम के उपबंधों के प्रकाश में सरकार द्वारा जारी अनुदेशों का अनुपालन किया गया है, तथा उक्त अधिनियम की धारा-6 की उपधारा (1) के उपबंधों का पूर्ण संज्ञान है।

माननीय कुलपति जी के आदेशानुसार

कुलसचिव

रा.वि.सिं.कृ.वि.वि.,ग्वालियर

क्र./कु.स./स्था.दो/2019/1482 ग्वालियर, दिनांक: 19/11/2019

प्रतिलिपि-सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

1. अधिष्ठाता, कृषि संकाय, रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
2. निदेशक शिक्षण/अनुसंधान सेवायें/विस्तार सेवायें, रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
3. लेखानियंत्रक, रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
4. प्रभारी कार्यपालन यंत्री, रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर।

क्रमशः.....4

//4//

5. अधिष्ठाता, कृषि/उद्यानिकी महाविद्यालय, ग्वालियर, इन्दौर, सीहोर, खण्डवा एवं मंदसौर।
6. वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र, श्योपुर।
7. उप कुलसचिव (स्था.), रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
8. **कार्यालय वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र, श्योपुर** कृपया नियुक्ति आदेश की निहित शर्तों के अनुसार चयनित अभ्यर्थी के सभी आवश्यक मूल दस्तावेजों की जाँच उपस्थिति लेने के पूर्व अपने स्तर से सुनिश्चित करें एवं वांछित उपयुक्त अभिलेखों के अभाव में आपने किसी अभ्यर्थी की नियुक्ति पश्चात् उपस्थित करा लिया है, जो कि नियमानुसार पात्रता नहीं रखता है, ऐसी स्थिति में आप व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
9. **श्री राहुल पवैया S/O श्री राजेन्द्र सिंह पवैया, खरगेश्वर मंदिर के पास गणेश कॉलोनी, चार शहर का नाका, हजीरा, ग्वालियर–474003 (म.प्र.)** की ओर पालनार्थ, पदभार ग्रहण करने के पूर्व यदि किसी संस्था/विभाग में कार्यरत है तो उस संस्था/विभाग का अनापत्ति एवं कार्यमुक्त प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करें, अन्यथा कार्यभार ग्रहण करने की पात्रता नहीं होगी।
10. निज सचिव, माननीय कुलपतिजी, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
11. व्यक्तिगत/आदेश/सुरक्षा नस्ती।

उप कुलसचिव (स्था.)
रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर

RAJMATA VIJAYARAJE SCINDIA KRISHI VISHWA VIDYALAYA, GWALIOR

List of Assistant Professors/Scientist/Senior Scientist & Head Appointment 2016-17

S.No	Name	Post	Appointment Date
1	Dr. Deep Singh Sasode	Senior Scientist (Agronomy)	02.08.2016
2	Dr. Sandeep Singh Tomar	Senior Scientist (Agronomy)	02.08.2016
3	Dr. Dushyant vijay Bhagat	Senior Scientist (Agronomy)	02.08.2016
4	Dr. Greeshma Kumar Nema	Scientist (Agronomy)	18.05.2016
5	Ms. Ekta Joshi	Scientist (Agronomy)	18.05.2016
6	Dr. (Mrs.) Varsha Gupta	Scientist (Agronomy)	18.05.2016
7	Dr. Jaiprakash Mehra	Scientist (Agronomy)	18.05.2016
8	Dr. Janmejay Sharma	Scientist (Agronomy)	18.05.2016
9	Dr. Narendra Kumawat	Scientist (Agronomy)	18.05.2016
10	Dr. Ghanshyam Kulmi	Programme Coordinator (senior Scientist & Head)	10.10.2016
11	Dr. Devendra Kumar Shrivastava	Scientist (P B &G /Biotechnology)	27.08.2016
12	Dr. Mukesh Kumar Saxena	Scientist (P B &G /Biotechnology)	27.08.2016
13	Dr. Sushma Tiwari	Scientist (P B &G /Biotechnology)	27.08.2016
14	Dr. Jagendra Singh	Scientist (P B &G /Biotechnology)	27.08.2016

कार्यालय कुलसचिव,
राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय,
ग्वालियर (म.प्र.)

एम.आर. जोशी
कुलसचिव

Ph.: 0751-2467696 (O) 0751-2460008 (Res)
E-mail: registrar.rvskvv@gmail.com

क्र. / कु.स. / स्था. / 2016 / 3457.

दिनांक 27/11/2016

प्रति,

प्रमुख सचिव,
म.प्र. शासन,
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग,
मंत्रालय, भोपाल (म.प्र.)

विषय: रा.वि.सि.कृ.वि.वि. ग्वालियर के अधीनस्थ कृषि/उद्यानिकी महाविद्यालयों के अंतर्गत तृतीय/चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों को भरने की अनुमति विषयक।

विषयान्तर्गत लेख है कि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कार्यरत कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर, उद्यान, सीतापुर, अम्बिकापुर एवं उद्यानिकी महाविद्यालय, मंदसौर में शासन द्वारा स्वीकृत तृतीय/चतुर्थ श्रेणी के अधिकांश पद लम्बे समय से रिक्त है जिसके कारण महाविद्यालयों में शिक्षण, अनुसंधान एवं प्रक्षेत्रशाला संबंधी कार्यों पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। विभिन्न महाविद्यालयों में कार्यरत तृतीय श्रेणी के पद लेखपाल, मानचित्रकार, प्रक्षेत्र प्रबंधक, डेयरी प्रबंधक, फिटर, कारपेन्टर, कनिष्ठ शीघ्रलेखक, प्रयोगशाला तकनीशियन, प्रयोगशाला सहायक, विद्युतकार, वर्कशॉप असिस्टेन्ट, मैकेनिक, सब ओवरसीयर, कम्पाउन्डर, डेयरी कम्पाउन्डर, आर्टिस्ट, लोहार, प्रक्षेत्र विस्तार अधिकारी, उद्यानिकी सहायक, ट्रेक्टर चालक, वाहन चालक, इंजन ड्रायवर, सहायक कार्य-3, कीट संग्राहक, गैरा मिस्त्री, जूनियर इंजीनियरिंग, रागमालाल, नर्स मिस्त्री, तेल्वर, पम्प अटेन्डेन्ट, स्टोर कीपर (119) एवं चतुर्थ श्रेणी के पद चपरासी, सर्वेंट, प्रयोगशाला परिचारक, भृत्य, माली, मेसेंजर, चौकीदार, दफ्तरी, ट्रेक्टर क्लीनर, स्वीपर (91) कुल 210 पद रिक्त है। स्वीकृत एवं रिक्त पदों का विवरण संलग्न है।

अतः अनुरोध है कि उपरोक्त वर्णित परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए महाविद्यालयों के तृतीय/चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों को भरे जाने की अनुमति प्रदान करना चाहेंगे, ताकि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कार्यरत कृषि/उद्यानिकी महाविद्यालयों में शिक्षण एवं अनुसंधान कार्य सुचारू रूप से संचालित करवाया जा सके। रिक्त पदों की पूर्ति पर होने वाला व्यय भार विश्वविद्यालय को स्वयं उपलब्ध से ही किया जायेगा।

संलग्न- उपरोक्तानुसार (08 पृष्ठ)
(माननीय कुलपतिजी द्वारा अनुमोदित)

(एम.आर. जोशी)
कुलसचिव
दिनांक 27/11/2016

पृष्ठा. क्र. / कु.स. / स्था. / 2016 / 3458
प्रतिलिपि–सूचनार्थ
1. उप कुलसचिव (स्था.), रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
2. निजसचिव, माननीय कुलपतिजी, रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर।

कुलसचिव

नोट शीट

विषयः वि.वि. अन्तर्गत महाविद्यालयों एवं अन्य इकाईयों में रिक्त अशैक्षणिक पदों की शैक्षणिक योग्यता/अर्हता एवं रोस्टर तैयार किये जाने बाबत्।

कुलसचिव के आदेश क्रमांक कु.स./स्था./2017/151 दिनांक 23.06.2017 द्वारा वि.वि. अन्तर्गत महाविद्यालयों एवं अन्य इकाईयों में रिक्त अशैक्षणिक पदों की शैक्षणिक योग्यता/अर्हता एवं रोस्टर तैयार किये जाने हेतु समिति का गठन कर 10 दिवस में अपनी अनुशंसायें प्रस्तुत करने हेतु आदेशित किया गया था। तदानुसार समिति ने वि.वि. के कुलसचिव कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी एवं अभिलेखों के अनुसार स्वीकृत रिक्त एवं भरे पदों की जानकारी पदवार प्रपत्र-1 तृतीय श्रेणी एवं प्रपत्र-2 चतुर्थ श्रेणी में निम्नानुसार तथा विभिन्न पदों का आरक्षण नियमों के अन्तर्गत पदवार रोस्टर संबंधित पद की नस्ती में संलग्न है।

प्रपत्र 1 तृतीय श्रेणी (Annexure-1)

S.No.	Budget Head Designation (Re-Designation)	Pay Scales as per 01.01.2006	Total Post		
			S	F	V
1	Asstt. Account Officer	9300-34800+4200	1	0	1
2	Senior Officer	9300-34800+4200	1	0	1
3	Computer Operator	9300-34800+3200	1	0	1
4	Sub Engineer	9300-34800+3200	1	0	1
5	Mechanic	5200-20200+2800	2	1	1
		5200-20200+2400	1	0	1
		5200-20200+1900	1	0	1
6	Farm Manager/Farm supdt.	5200-20200+2800	3	0	3
7	Dairy Manager/ Dairy Asstt.	5200-20200+2800	3	0	3
8	A.E.O.	5200-20200+2800	2	1	1
9	Jr. Steno Grapher (Hindi)	5200-20200+2800	5	1	4
10	Steno Grapher (English)	5200-20200+2800	1	0	1
11	Asstt. Gr.-I	5200-20200+2800	7	3	4
12	Carpenter	5200-20200+2400	2	0	2
		5200-20200+1900	2	0	2
13	Black Smith	5200-20200+2400	4	0	3
14	Jr. Computer	5200-20200+2400	3	1	2
15	Artist	5200-20200+2400	2	0	2
16	Horticulture Asstt.	5200-20200+2400	10	4	6
17	Lab Technician	5200-20200+2400	27	12	15
18	Asstt. Gr.-2/Accountant	5200-20200+2400	11	9	2
19	Electrician	5200-20200+2400	3	0	3
		5200-20200+2100	2	1	1
20	DR Fieldman/Gin Mistry (F.T.O.)	5200-20200+2100	8	2	6
21	Tractor Driver	5200-20200+2100	4	0	4
22	Store Keeper	5200-20200+1900	1	0	1
23	Laboratory Asstt.	5200-20200+1900	8	0	8
24	Voc. Compounder	5200-20200+1900	1	0	1
25	Compounder	5200-20200+1900	4	0	3
26	Asstt. Gr.-3	5200-20200+1900	21	8	13
27	Driver	5200-20200+1900	13	2	11
28	Bus Driver	5200-20200+1900	1	0	1
		Total	155	45	111

Gen. 16

No.

R.V.S.K.V.V.
Gwalior

नोट शीट (3)

विषयः वि.वि. अन्तर्गत महाविद्यालयों एवं अन्य इकाईयों में रिक्त अशैक्षणिक पदों की शैक्षणिक योग्यता/अर्हता एवं रोस्टर तैयार किये जाने बाबत्।

प्रपत्र- ब ज.ने.कृ.वि.वि. जबलपुर से प्राप्त अर्हतायें

	तृतीय श्रेणी पदों का विवरण
1	Mechanic
2	Farm Manager/Farm supdt.
3	Dairy Manager/ Dairy Asstt.
4	A.E.O.
5	Black Smith
6	Jr. Computer
7	Horticulture Asstt.
8	Lab Technician
9	DK/Soldarian/Gas Minty (F.E.O.)
10	Tractor Driver
11	Store Keeper
12	Laboratory Asstt.
13	Vet. Compounder
	चतुर्थ श्रेणी पदों का विवरण
1	Lab Attendant

उल्लेखनीय है कि ज.ने.कृ.वि.वि. जबलपुर द्वारा उपलब्ध कराई गई शैक्षणिक योग्यताएं/अर्हताएं काफी पुरानी हैं। अतः वर्तमान परिस्थिति को दृष्टि-गत रखते हुये माननीय कुलपति जी यदि आवश्यक समझें तो इन अर्हताओं में आंशिक संशोधन अथवा पूर्ण परिवर्तन वि.वि. की प्रशासनिक परिषद् से अनुमोदन प्राप्त कर उपयोग में ला सकते हैं।

परिशिष्ट 'अ' में उल्लेखित पदों की शैक्षणिक योग्यता एवं अर्हता रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर द्वारा पूर्व के विज्ञापनों में उपयोग में लाई गई थी (पृष्ठ क्र. 01 से 02 तक संलग्न है) इसी तरह परिशिष्ट "ब" में उल्लेखित पदों की शैक्षणिक योग्यता/अर्हता ज.ने.कृ.वि.वि. जबलपुर द्वारा उपलब्ध कराई गई थी (पृष्ठ क्र. 03 से 04 तक संलग्न है)।

उपरोक्त-नुसार समिति की अनुशंसायें अवलोकन एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रस्तुत हैं।

श्री एस.आर. विश्वकर्मा, सेवानिवृत्त सहा.कुलसचिव ज.ने.कृ.वि.वि. जबलपुर	सदस्य	
श्रीमती रजनी सासौड़े, सहायक प्राध्यापक(पादप रोग), कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर	सदस्य	
श्री नसीम खान, सहा.वर्ग-2, कृषि महाविद्यालय, इन्दौर	सदस्य	29/6-17
डॉ. संजय सिंह सहा. कुलसचिव (स्था.), रा.वि.सि.कृ.वि. ग्वालियर	सदस्य सचिव	

समिति अध्यक्ष

डॉ. आर.एल.सिंह जादौन
सह संचालक अनुसंधान (निदेशक प्रक्षेत्र)
रा.वि.सि.कृ.वि.वि. ग्वालियर

Post-wise Total Number of Sanctioned, Filled & Vacant Post of Non Teaching Staff Class-III (Date- 25.07.2017)

(Annexure-4)

S.No.	Budget Head Designation (Re-Designation)	Pay Scales as per 01.01.2006	Total Post			B(a)-4 COA(NP) College of Agril. Indore			B(a)-3 COA(NP) College of Agril. Gwalior			B(a)-7 COA(NP) RAK College of Agril. Sehore			B(a)-10 COA(NP) RSM College of Agril. Khandwa			B(a)-11 COA,NP KNK College of Hort. Mandsaur		
			S	F	V	S	F	V	S	F	V	S	F	V	S	F	V	S	F	V
1	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
2	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
3	Computer Operator	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
4	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
5	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
6	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
7	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
8	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
9	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
10	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
11	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
12	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
13	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
14	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
15	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
16	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
17	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
18	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
19	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
20	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
21	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
22	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
23	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
24	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
25	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
26	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
27	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
28	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	Total		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

Note: Details of Post-wise reservation as indicated in the concerned cadre file.

Post-wise Total Number of Sanctioned, Filled & Vacant Post of Non Teaching Staff Class-IV(Date- 25.07.2017)

(Annexure-2)

S.No.	Budget Head Designation (Re-Designation)	Pay Scales as per 01.01.2006	Total Post			B(a)-4 COA(NP) College of Agril. Indore			B(a)-3 COA(NP) College of Agril. Gwalior			B(a)-7 COA(NP) RAK College of Agril. Sehore			B(a)-10 COA(NP) RSM College of Agril. Khandwa			B(a)-11 COA,NP KNK College of Hort. Mandsaur		
			S	F	V	S	F	V	S	F	V	S	F	V	S	F	V	S	F	V
1	Dairy Attendant/Pump Driver/Engine Driver (Pump Attendant)	5200-20200+1800	5	0	5	1	0	1	1	0	1	2	0	2	1	0	1	0	0	0
2	Peon/Attendant	5200-20200+1800	28	2	26	9	0	9	8	0	8	11	2	9	0	0	0	0	0	0
3	Helper/Mazdoor (Field Attendant)	4440-7440+1300	9	2	7	1	1	0	0	0	0	0	0	0	4	0	4	4	1	3
4	Library Attendant	4440-7440+1300	3	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	2	1	0	1
5	Library Sorter	4440-7440+1300	7	0	7	2	0	2	2	0	2	1	0	1	2	0	2	0	0	0
6	Peon/Chowkidar/Farash/(Peon/Messenger)	4440-7440+1300	29	13	16	6	4	2	7	5	2	5	2	3	11	2	9	0	0	0
7	Duftari/Sweeper (Daftari)	4440-7440+1300	3	0	3	0	0	0	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	0
8	Messenger	4440-7440+1300	3	0	3	2	0	2	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0
9	Sweeper	4440-7440+1300	4	0	4	2	0	2	1	0	1	1	0	1	0	0	0	0	0	0
	Total		91	17	74	23	5	18	20	5	15	22	4	18	21	2	19	5	1	4

Note: Details of Post-wise reservation as indicated in the concerned cadre file.

मध्यप्रदेश शासन
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग
मंत्रालय

विषय:– जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय एवं राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय की गंभीर आर्थिक स्थिति के समाधान हेतु दिनांक 02 जुलाई 2016 को उच्च स्तरीय बैठक का कार्यवाही विवरण।

———00———

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय एवं राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय दोनों कृषि विश्वविद्यालय की आर्थिक समस्याओं के निराकरण हेतु माननीय मुख्य सचिव महोदय की अध्यक्षता में दिनांक 2 जुलाई 2016 को बैठक आयोजित हुई, बैठक में संलग्न सूची अनुसार अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में सर्वप्रथम कुलपति जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर द्वारा विश्वविद्यालय की गतिविधियों एवं आर्थिक स्थिति के संबंध में पावरपाइंट प्रेजेन्टेशन प्रस्तुत किया गया।

1. देश की विभिन्न प्रदेशों में स्थापित कृषि विश्वविद्यालयों को वहा की सरकार द्वारा दिये जा रहे अनुदान की तुलना में मध्यप्रदेश कृषि विश्वविद्यालयों को दिया जा रहा अनुदान आधे से भी कम है। म.प्र.शासन द्वारा आयोजनेत्तर एवं आयोजना मद में विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराये जा रहे अनुदान की स्थिति निम्नानुसार है।

1.1 आयोजनेत्तर मद अन्तर्गत शासन द्वारा वित्तीय वर्ष 2015-16 एवं वर्ष 2016-17 में क्रमशः राशि रू. 2900.00 एवं राशि रू. 2900.00 लाख अनुदान के रूप में उपलब्ध करायी गई। जबकि इसके विरूद्ध विश्वविद्यालय द्वारा वित्तीय वर्ष 2015-16 एवं वर्ष 2016-17 में क्रमशः राशि रू. 3316.34 लाख एवं 3647.97 लाख वेतन भत्तों पर व्यय किया जावेगा।

1.2 इसी प्रकार आयोजना मद अन्तर्गत शासन द्वारा वित्तीय वर्ष 2015-16 एवं वर्ष 2016-17 में क्रमशः राशि रू. 5650.00 लाख एवं 4356.00 लाख अनुदान उपलब्ध कराया गया है, जिसके विरूद्ध विश्वविद्यालय जबलपुर द्वारा वित्तीय वर्ष 2015-16 एवं 2016-17 में क्रमशः राशि रू. 4752.69 लाख एवं 8600.00 लाख वेतन, भत्ते एवं अनुसंधान कार्य में व्यय होगा।

1.3 जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय की गंभीर आर्थिक समस्या का मुख्य कारण पेंशन भुगतान है। विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 55(2) के अन्तर्गत सेवा निवृत्त पेंशनर्स का भुगतान दायित्व शासन का है, इसी प्रकार स्ववित्तीय पेंशन का भुगतान दायित्व विश्वविद्यालय का था, आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण प्रकरण शासन स्तर पर लाया गया, मंत्रीपरिषद के निर्णय उपरांत 01.04.2014 से स्ववित्तीय पेंशन को छठवे वेतनमान के अनुसार लागू कर, शासन द्वारा इस मद के अन्तर्गत आवश्यकतानुसार राशि उपलब्ध कराई

जाने का निर्णय हुआ, किन्तु राशि आवश्यकतानुसार उपलब्ध नहीं कराई गई। वित्तीय वर्ष 2015–16 से 55(2) के पेंशन भुगतान एवं स्ववित्तीय पेंशन भुगतान हेतु क्रमश राशि रू. 2817.00 लाख एवं 2783.00 लाख की आवश्यकता थी, राशि उपलब्ध न होने से विश्वविद्यालय का भुगतान संतुलन प्रभावित हुआ। इसी प्रकार चालू वित्तीय वर्ष 2016–17 में 55(2) पेंशन के भुगतान हेतु राशि रू. 2360.00 लाख एवं स्ववित्तीय पेंशन भुगतान हेतु राशि रू. 2400.00 लाख की आवश्यकता विश्वविद्यालय को है।

1.4 पवारखेड़ा में स्थापित नवीन कृषि महाविद्यालय का शैक्षणिक सत्र जुलाई 2016 से प्रारंभ किया जाना है, इसके लिये वित्तीय वर्ष 2016–17 में शासन द्वारा स्वीकृत राशि रू. 1163.50 लाख की आवश्यकता विश्वविद्यालय को है, पवारखेड़ा कृषि महाविद्यालय को यह राशि आयोजना सामान्य मद के अन्तर्गत प्राप्त होगी।

1.5 अन्य लम्बित स्वत्वों के निराकरण हेतु राशि रू. 4580.41 लाख की आवश्यकता विश्वविद्यालय को है, जिसके अन्तर्गत अवकाश नगदीकरण, छठवे वेतनमान की 20 प्रतिशत राज्यांश राशि, भविष्य निधि में कमी, परियोजनाओं की उधारी, 55(2) पेंशन समेकन एरियर 26 माह की राशि, पदोन्नति/कमोन्नति एरियर, 25 प्रतिशत राज्यांश (भारतीय कृषि अनुसंधान परियोजनाओं का) एवं आडिट फीस का भुगतान शामिल है)।

उपरोक्त समस्त मदों के अन्तर्गत विश्वविद्यालय जबलपुर को वित्तीय वर्ष 2016–17 में राशि रू. 20384.91 लाख की नितांत आवश्यकता बतायी गई है।

1.6 बिन्दु क्रमांक 1.1 से 1.5 तक बैठक में निर्णय हुआ कि यह राशि रू. 20384.91 लाख प्रशासकीय विभाग द्वारा पुर्नविनियोजन के माध्यम से जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराई जावे। तथा वित्त विभाग द्वारा अनुपूरक अनुमान के माध्यम से भी आवश्यकतानुसार राशि उपलब्ध कराई जावेगी।

1.7 कुलपति जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय द्वारा संशोधित स्ववित्तीय पेंशन योजना के संबंध में अवगत कराया कि मंत्रीपरिषद निर्णय के अनुसार दिनांक 01.04.2014 से छठवे वेतनमान से स्वीकृत की गई है, तथा शासन द्वारा 1 जुलाई 2016 को जारी आदेश क्रमांक बी–4/14/2013/14–2 के संबंध में बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा 01.04.2014 के पूर्व से ही विश्वविद्यालयीन कर्मचारियों को छठवे वेतनमान से पेंशन निर्धारित कर पेंशन का भुगतान किया जा रहा है, तब ऐसी स्थिति मे 1 जुलाई 2016 के आदेशानुसार दिनांक 01.04.2014 के पूर्व 5 वे वेतनमान से पेंशन निर्धारित करने पर कठिनाईयाँ उत्पन्न होगी। इस पर विचारोपरांत वित्त विभाग द्वारा मामले का परीक्षण करने का निर्णय हुआ।

2. राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा पावर पाइंट प्रिजेन्टेशन प्रस्तुत किया गया जिसमें विश्वविद्यालय की आर्थिक स्थिति से अवगत कराया।

2.1 आयोजनेत्तर मद के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2014–15, 2015–16 एवं वर्ष 2016–17 से लगातार राशि रू. 1900.00 लाख स्वीकृत की जा रही है, जबकि विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2016–17 में राशि रू. 2210.00 लाख की आवश्यकता बताई गई है। अतः राशि रू. 310.00 लाख की अतिरिक्त आवश्यकता होगी।

2.2 आयोजना मद के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2015–16 में राशि रू. 2200.00 लाख शासन द्वारा उपलब्ध कराई गई थी, जिसमें अद्योसंरचना विकास हेतु राशि रू. 400.00 लाख प्रावधानित की गई थी, किन्तु वर्ष 2016–17 में अद्योसंरचना मद में कोई भी राशि उपलब्ध नही कराई गई है, तथा वेतन भत्ते हेतु राशि रू. 1800.00 लाख स्वीकृत की गई है, अतः इस मद अन्तर्गत राशि रू. 4021.95 लाख की आवश्यकता होगी।

2.3 अनुसूचित जाति उपयोजना अंतर्गत वित्तीय 2015–16 में राशि रू. 841.00 लाख उपलब्ध कराई गई थी, तथा वर्ष 2016–17 में राशि रू. 815.10 लाख उपलब्ध कराई गई है, वित्तीय वर्ष 2016 में विश्वविद्यालय को अतिरिक्त राशि रू. 256.41 लाख की आवश्यकता होगी। नवीन कृषि विश्वविद्यालय होने के कारण अद्योसंरचना विकास कार्य पूर्ण नही हो पा रहे है, ये कार्य पूर्ण करने हेतु विश्वविद्यालय को इस राशि की नितांत आवश्यकता है।

2.4 आदिवासी क्षेत्र उपयोजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2015–16 में राशि रू. 988.00 लाख उपलब्ध कराई गई थी, जिसमें अद्योसंरचना विकास हेतु राशि रू. 326.00 लाख सम्मिलित थी, किन्तु वित्तीय वर्ष 2016–17 में शासन द्वारा अद्योसंरचना विकास हेतु कोई भी राशि उपलब्ध नही कराई गई है, अतः इस मद के अन्तर्गत राशि रू. 391.00 लाख की आवश्यकता चालू वित्तीय वर्ष में होगी।

2.5 बिन्दु कमांक 2.1 से 2.4 के संबंध में निर्णय लिया गया कि राशि रू. 5169.36 लाख की व्यवस्था प्रशासकीय विभाग द्वारा पुर्नविनियोजना के माध्यम से राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराई जावे। तथा वित्त विभाग द्वारा अनुपूरक के माध्यम से भी आवश्यकतानुसार राशि उपलब्ध कराई जावेगी।

2.6 विभागीय आदेश बी 4/11/2005/14–2 दिनांक 12.09.2008 के अनुसार नवीन विश्वविद्यालय ग्वालियर की स्थापना हेतु राशि रू. 5469.23 लाख स्वीकृत की गई थी, किन्तु इस मद में अभी तक कोई भी राशि विश्वविद्यालय को उपलब्ध नही कराई गई है।

2.7 बिन्दु कमांक 2.6 के संबंध में निर्णय हुआ कि यदि इस राशि में से कोई भी राशि प्राप्त नहीं हुई है तब उक्त राशि मण्डी बोर्ड की अद्योसंरचना एवं विकास निधि के अर्जित ब्याज से उपलब्ध कराई जावेगी।

3. दोनों कृषि विश्वविद्यालयों के अन्तर्गत रिक्त शैक्षणिक पदो के संबंध मे दोनों कुलपति द्वारा बैठक में अवगत कराया गया, पदो के रिक्त होने से विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, अनुसंधान एवं प्रचार प्रसार कार्यक्रम प्रभावित हो रहे है। शैक्षणिक रिक्त पदो के संबंध मे निर्णय हुआ कि विश्वविद्यालय में शिक्षण/अनुसंधान आदि के सुचारू रूप से संचालन हेतु वैधानिक आवश्यकताओं अनुसार पदो की अद्यतन स्थिति, उनके वेतन व्यवस्था एवं पद भरने के प्रकिया एवं प्रकार का विस्तृत एकजायी प्रस्ताव शासन को प्रस्तुत करें। शासन स्तर पर नियमानुसार

15 दिवस में जानेगी।

पदो की स्वीकृती एव भरने के अनुमति प्रदान की जाने, अशैक्षणिक पदों के संबंध में विश्वविद्यालय नियमानुसार कार्यवाही कर पदो को भरे।

4. विश्वविद्यालय अपने स्तर पर आय वृद्धि की विधि अनुरूप संभावित गतिविधियों को विहित कर शासन को अवगत करावे।

अन्त में अध्यक्ष महोदय को धन्यवाद के साथ बैठक समाप्त हुई।

(मोहनलाल)
संचालक
किसान कल्याण तथा कृषि विकास

(कैप्टन अनिल कुमार खरे)
सलाहकार
राज्य योजना आयोग

(प्रेमचन्द मीना)
अपर मुख्य सचिव एवं कृषि उत्पादन आयुक्त

(ए.पी.श्रीवास्तव)
अपर मुख्य सचिव वित्त

(ॲन्टोनी डिसा)
मुख्य सचिव

पृष्ठांकन क्रमांक बी–4/24/2016/18–2 भोपाल दिनांक 10.08.2016

प्रतिलिपि:–

1. अपर मुख्य सचिव, म.प्र.शासन वित्त विभाग मंत्रालय भोपाल।
2. अपर मुख्य सचिव एवं कृषि उत्पादन आयुक्त मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल।
3. प्रमुख सचिव, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग भोपाल।
4. कुलपति जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर।
5. कुलपति राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर
6. संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विन्ध्याचल भवन भोपाल।
7. सलाहकार, राज्य योजना, आर्थिकी एवं सांख्यिकी विभाग विन्ध्याचल भवन भोपाल (म.प्र.)
8. उप सचिव, मुख्य सचिव कार्यालय, मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल।
9. वित्तीय सलाहकार, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विन्ध्याचल भवन भोपाल।

10/8/16
उप सचिव
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग
मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश शासन
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग
मंत्रालय भोपाल

क्रमांक/340/411/2016/14-2 भोपाल, दिनांक 23 फरवरी 2016

प्रति,

कुल सचिव
ज.ने.कृ.वि.वि.जबलपुर/रा.वि.सिं.कृ.वि.वि.ग्वालियर।

विषय:-राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के अंतर्गत कृषि/तकनिकी महाविद्यालयों के अंतर्गत कृषीय/चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों को भरने की अनुमति बाबत्।

संदर्भ:-कुल सचिव, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि.ग्वालियर का पत्र क्रमांक/कुस/स्था/2016/3407 दिनांक 27.1.2016.

महाविद्यालयों में सुचारू रूप से शिक्षण एवं अनुसंधान कार्य की वृद्धि से राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वारा विभिन्न वर्ग III एवं IV के 210 पदों की भर्ती करने की स्वीकृति चाही गई है। इस संबंध में कृपया संयुक्त हस्ताक्षर से निम्नानुसार जानकारी विभाग को उपलब्ध कराने का कष्ट करें:-

1. वर्ग III एवं IV में विश्वविद्यालय के विभाजन के पूर्व कुल स्वीकृत पद, विभाजन के उपरान्त विश्वविद्यालयवार हस्तान्तरित पद, विश्वविद्यालय के स्थानान्तरित पदों में से वर्तमान में रिक्त पद।

2. वर्तमान परिस्थितियों में से किन-किन पदों की औचित्यता समाप्त हो चुकी है, इसकी भी समीक्षा कर प्रस्ताव में सम्मिलित किया जावे।

(आर.के.गणेशे)
उपर सचिव
मध्यप्रदेश शासन
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग

क्रमांक/341/411/2016/14-2 भोपाल, दिनांक 22 फरवरी 2016

प्रतिलिपि-

निज सहायक, प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग।

उपर सचिव
मध्यप्रदेश शासन
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग

दिनांक 02.07.2016 को मुख्य सचिव महोदय की अध्यक्षता में दोनों कृषि विश्वविद्यालयों की गंभीर आर्थिक स्थिति के समाधान के संबंध में आयोजित बैठक में उपस्थित अधिकारियों की सूची

क्र.	अधिकारी का नाम	हस्ताक्षर
1	अपर मुख्य सचिव, म०प्र० शासन, वित्त विभाग	
2	अपर मुख्य सचिव एवं कृषि उत्पादन आयुक्त, म०प्र० शासन	
3	प्रमुख सलाहकार, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग	
4	कुलपति, ज०ने०कृ०वि०वि०जबलपुर	
5	कुलपति, रा०वि०रि०कृ०वि०वि० ग्वालियर	
6	उप सचिव, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग	
7	संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास	
8	वित्तीय सलाहकार किसान कल्याण तथा कृषि विकास	
9	लेखा नियंत्रक, ज०ने०कृ०वि०वि०जबलपुर	
10	लेखा नियंत्रक, रा०वि०रि०कृ०वि०वि० ग्वालियर	
11	उप-लेखा नियंत्रक, रा.वि.रि.कृ.वि.वि, ग्वालियर	
12	[illegible]	
13	सेवक अधिकारी जबलपुर	
14	सेवक अधिकारी रा वि. रि. कृ. वि वि ग्वालियर	
15		
16		
17		
18		
19		
20		

कार्यालय कुलसचिव,
राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय,
ग्वालियर (म.प्र.)

डी.एल.कनेरी
कुलसचिव

Ph. : 0751-2470619 (O) 0751-2467061 (Fax)
E-mail: registrar.rvsknvvv@gmail.com

क्र. / कु.स. / स्था. / 2019/3840 दिनांक 28/09/2019

प्रति,

प्रमुख सचिव
म. प्र. शासन
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग,
मंत्रालय, भोपाल

विषयः– राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर अन्तर्गत तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पद भरने बाबत्।

संदर्भः– आपका पत्र क्रमांक 825 / 2250 / 2017 / 14–2 दिनांक 3 अगस्त, 2018।

******

उपरोक्त संदर्भित पत्र के माध्यम से चाही गई जानकारी का बिन्दुवार विवरण निम्न है -

1. म.प्र. शासन द्वारा जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर की स्थापना वर्ष 1964 में की गई। जबकि कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर वर्ष 1950, सीहोर वर्ष 1952, इन्दौर वर्ष 1959 में इनकी स्थापना राज्य शासन के अंतर्गत हुई थी। शासन द्वारा संचालित उक्त कॉलेजों को जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर की स्थापना के पश्चात इसके अधीन संविलियन किया गया था। म.प्र. शासन द्वारा स्वीकृत पदों का विवरण संबंधी अभिलेख जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर से इस विश्वविद्यालय को प्राप्त नहीं हुए हैं, इसलिए संलग्न नहीं किये गये हैं। किन्तु राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर की स्थापना 2008 प्रमुख सचिव, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, भोपाल क्रमांक बी–4–11-2005–चौदह–2 दिनांक 20 फरवरी 2009 से संलग्न मध्यप्रदेश राजपत्र की धारा–57(2)(क) जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के वे कर्मचारी (एक) जो विश्वविद्यालय की अधिकारिता के भीतर स्थित महाविद्यालयों या अनुसंधान केन्द्रों में उक्त तारीख को कार्य कर रहे थे या उनसे संलग्न थे एवं (दो) अनुसार इस विश्वविद्यालय के कर्मचारी होंगे। **(संलग्न–परिशिष्ट–1 स.क. 1 से 4 तक)**

विश्वविद्यालय में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी पदों के भर्ती / पदोन्नति नियम पृथक से तैयार नहीं किये गये हैं म.प्र. शासन के भर्ती / पदोन्नति नियमों अनुसार सीधी भर्ती के पदों पर विश्वविद्यालय स्तर / पी.ई.बी. भोपाल के माध्यम से की जाती है तथा पदोन्नति भी म.प्र. शासन के पदोन्नति नियम अनुसार ही की जाती है। पूर्व में भेजे गये पदों में पदोन्नति से भरे जाने वाले पद सहायक वर्ग–1, सहायक वर्ग–2 एवं सहायक वर्ग–3 के 25 प्रतिशत पद पदोन्नति से भरे जाते हैं। उन्हें उक्त पदों के रिक्त पद विवरण में नहीं दर्शाया गया है। **(संलग्न–परिशिष्ट–2 स.क. 5)**

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर की स्थापना वर्ष 2008 के पश्चात ज.ने.कृ.वि.वि.जबलपुर द्वारा स्वीकृत पदों की हस्ताक्षरयुक्त जानकारी इस विश्वविद्यालय को प्रेषित की गई थी एवं ज.ने.कृ.वि.वि.जबलपुर से कृषि महाविद्यालय इन्दौर / खण्डवा एवं उद्यानिकी महाविद्यालय मंदसौर को स्वीकृत पदों का विवरण दिया गया था, जिसे आपको पूर्व में प्रेषित किया गया है।

क्रमशः.....2

कार्यालय कुलसचिव,
राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय,
ग्वालियर (म.प्र.)

कुलसचिव

Ph- : 0751-2970519 (O) 0751-2970522 (Fax)
E-mail- registrar.rvskvv09@gmail.com

क्र. / कु.स. / स्था. / 2017 / 4387 दिनांक 18/11/2017

प्रति,

अवर सचिव,
म.प्र. शासन,
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग,
मंत्रालय, भोपाल (म.प्र.)

विषय: रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर के अंतर्गत कृषि / उद्यानिकी महाविद्यालयों के अंतर्गत तृतीय / चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों को भरने की पदवार प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करने बाबत्।

संदर्भ: 1. अवर सचिव पत्र क्रमांक / 340 / 411 / 2016 / 14–2 भोपाल, दिनांक 23.02.2016
2. उप सचिव कार्यवाही विवरण पृष्ठांकन क्र. / वी–4 / 24 / 2016 / 14–2 दिनांक 10.08.2016
3. अवर सचिव पत्र क्रमांक / 1513 / 2290 / 2017 / 14–2 भोपाल, दिनांक 25.09.2017

******

विषयान्तर्गत निवेदन है कि संदर्भित पत्र क्रमांक 1513 / 2290 / 2017 / 14–2 दिनांक 25.09.2017 पैरा क्रमांक 2 एवं 3 में विश्वविद्यालय कुलसचिव, ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर के हस्ताक्षरयुक्त विभाजित पदों की सूची भेजने हेतु निर्देश प्राप्त हुये थे, निर्देशो के परिपालन में विश्वविद्यालय कुलसचिव, ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर द्वारा अंतिम पृष्ठ पर किये गये हस्ताक्षर अनुसार हस्तानांतरित पद की सूची संलग्न है। जिस अनुसार प्रस्ताव संशोधित कर पुनः प्रस्तुत किया जा रहा है।

1. महाविद्यालयों में अशैक्षणिक कर्मचारियों के रिक्त पदों का विवरण निम्नानुसार है:–
(अ) नवीन सूची अनुसार तृतीय श्रेणी के 108 पद रिक्त है। (संलग्न सूची 1)
(ब) नवीन सूची अनुसार चतुर्थ श्रेणी के रिक्त 74 पदों का विवरण। (संलग्न सूची 2)

अतः अनुरोध है कि विश्वविद्यालय के अंतर्गत महाविद्यालयों के शैक्षणिक कार्य सुचारू रूप से संचालित करवाने हेतु अशैक्षणिक पदों को भरने की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करने का कष्ट करें। रिक्त पदों की पूर्ति पर होने वाला व्यय भार विश्वविद्यालय को प्राप्त अनुदान से ही किया जायेगा।

संलग्न– उपरोक्तानुसार (20 पृष्ठ)
(माननीय कुलपतिजी द्वारा अनुमोदित)

(डी.एल. कोरी)
कुलसचिव

पृष्ठा. क्र. / कु.स. / स्था. / 2017 / 4388 दिनांक 18/11/2017

प्रतिलिपि:– सूचनार्थ
1. उप कुलसचिव(स्था.), रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
2. डॉ.सतीश वर्मा, सम्पर्क अधिकारी,रा.वि.सिं.कृ.वि.वि.,ग्वालियर।
3. निज सचिव माननीय कुलपतिजी, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर।

कुलसचिव

कार्यालय कुलसचिव,
राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय,
ग्वालियर (म.प्र.)

कुलसचिव:

Ph.: 0751-2970510 (O) 0751-2970511 (Res)
E-mail: registrar@rvskvv@gmail.com

क्र. / कुस / शा / 2017 / 3194 दिनांक 16/9/2017

प्रति,

प्रमुख सचिव,
म.प्र. शासन,
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग,
मंत्रालय, भोपाल (म.प्र.)

विषय: राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के अन्तर्गत कृषि/उद्यानिकी महाविद्यालय के अन्तर्गत कृषि/उद्यान के 5 रिक्त पदों की भरने की प्रक्रिया की स्वीकृति प्रदान करने बाबत्।

संदर्भ: 1. आपका पत्र क्र. / 3406 / कृ.वि. / 2016 / 16 भोपाल दिनांक 25.08.2016
2. आपका कार्यवाही विवरण पुस्तिका क्र. / 24 / 2016 / 14 दिनांक 10.06.2016

...2...

संदर्भ: संलग्न एवं सारणित पत्र के क्रम में विनम्र है कि वर्ग III एवं IV के रिक्त पदों को भरने की स्वीकृति के संबंध में निदेशालय, हिमाचल के माध्यम से विश्वविद्यालय की कुलसचिव, अ.वै.कृषि वि. कानपुर द्वारा जारी पत्र पर दिये गये दिशा-निर्देश अनुसार स्थानान्तरित पद की सूची संलग्न है। जिसे अनुसार पुनर्गठित प्रस्ताव तैयार कर भेजा रहा है।

1. महाविद्यालय के तृतीय श्रेणी के रिक्त पदों का विवरण निम्नानुसार है -
(अ) स्वीकृत पदों अनुसार तृतीय श्रेणी के 94 पद रिक्त है। (संलग्न सूची 1)
(आ) स्थानान्तरित अनुसार तृतीय श्रेणी के 14 पद रिक्त है। (संलग्न सूची 2) 94 - 14 = 108
(इ) सेवानिवृत्ति से होने वाले तृतीय श्रेणी के रिक्त पद 6 (संलग्न सूची 3)
(ई) वित्त मुख्य अनुसार चतुर्थ श्रेणी के रिक्त 24 पदों का विवरण। (संलग्न सूची 4)

2. वर्तमान परिस्थितियों को ध्यानित तृतीय श्रेणी के 108 एवं चतुर्थ श्रेणी के 24 कुल 132 पदों की भरने की स्वीकृति प्रदान करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया जा रहा है साथ ही स्थानान्तरित संबंधित पद के विरुद्ध क्रमांक 2 के रिक्त 14 निर्देशानुसार वर्तमान परिवेश में कुछ पदों की आवश्यकता न होने के कारण वर्तमान कार्यों के अनुसार नवीन पदों में भर्ती करने की सूची संलग्न की जा रही है। (संलग्न सूची 5)

अतः अनुरोध है कि विश्वविद्यालय के अन्तर्गत महाविद्यालयों में रिक्त पदों सुचारू रूप से संचालित किए जाने हेतु शासकीय नियम सूची अनुसार प्रस्तावित पदों को भरने की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करने का कष्ट करें। रिक्त पदों की पूर्ति पर जैसे ही हमें आप विश्वविद्यालय को प्राप्त अनुदान की सूचना प्राप्त होगी।

संलग्न— उपरानुसार (04 पृष्ठ)
(डॉ.एस. बोरी) प्रकार अनुसूची देखें)

(डी.एस. बोरी)
कुलसचिव
दिनांक 16/9/2017

पृष्ठ क्र. / कुस. / शा / 2017 / 3195 दिनांक 16/9/2017
प्रतिलिपि:- सूचनार्थ:
1. श्री कुलपति महोदय, रा.वि.वि.कृ.वि.वि. ग्वालियर।
2. निदेशक महाविद्यालय, कृषि/उद्यानिकी, रा.वि.वि.कृ.वि.वि. ग्वालियर।

कुलसचिव 16/9/17

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

Post-wise Total Number of Sanctioned, Filled & Vacant Post of Non Teaching Staff Class-III

(Annexure-I)

S.No.	Budget Head / Designation (Re-Designation)	Pay Scales as per 1.1.2016	Total Post			Budget Head (COA/NP) College of Agriculture			Budget Head (COA/NP) College of Agri., Gwalior			Budget Head (COA/NP) RVK College of Agri., Sehore			Budget Head (COA/NP) JM College of Agri., Morena			Budget Head (COA/NP) RVK College of Hort. Mandsaur		
			S	F	V	S	F	V	S	F	V	S	F	V	S	F	V	S	F	V
1	Computer Operator	9300-34800+3200	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1
2	Sub Engineer	9300-34800+3200	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1
3	Mechanic	5200-20200+1900	2	1	1	0	1	0	1	0	1	1	1	0	0	0	0	0	0	0
		5200-20200+2800	1	1	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		5200-20200+1900	1	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	0	1	1	1	0	0	0
4	Farm Manager/Farm mgrdt	5200-20200+2800	2	0	2	1	0	1	0	0	0	0	0	0	1	0	1	1	0	1
5	Dairy Manager/ Dairy Asstt.	5200-20200+2800	2	0	2	0	0	0	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	0
6	Agril. Overseer (A.E.O)	5200-20200+2800	2	1	1	1	0	1	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0
7	Jr. Store Keeper, Hindi	5200-20200+2800	5	1	4	1	0	1	1	0	1	1	1	0	1	0	1	1	0	1
8	Carpenter	5200-20200+2400	3	0	3	1	0	1	1	0	1	0	0	0	1	0	1	0	0	0
		5200-20200+1900	1	1	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0
10	Jr. Computer	5200-20200+2400	2	0	2	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	0	0	0	0
11	Horticulture Asstt.	5200-20200+2400	10	3	7	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	10	3	7
12	Lab. Technician	5200-20200+2400	27	10	17	9	6	3	5	0	5	9	4	5	0	0	0	0	0	0
13	Stenotypist	5200-20200+2400	4	0	4	1	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	0
		5200-20200+2400	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0
14	LDC-cum-Cum Notary (Jr. E.O.)	5200-20200+2400	9	2	7	3	0	3	2	0	2	4	2	2	0	0	0	0	0	0
15	Tractor Driver	5200-20200+2400	5	1	4	1	0	1	0	0	0	1	0	1	1	1	1	0	0	0
16	Store Keeper	5200-20200+1900	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1
17	Laboratory Asstt.	5200-20200+1900	8	0	8	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	8	0	8
18	Asstt. Gr.-I	5200-20200+1900	21	8	13	6	5	1	3	1	2	4	3	1	1	1	0	4	0	4
19	Driver	5200-20200+1900	13	2	11	1	0	1	2	0	2	2	0	2	0	0	0	2	0	2
20	Bus Driver	5200-20200+1900	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1
		Total	126	32	94	27	12	15	22	1	21	27	13	17	10	3	15	32	6	26

Note: Details of Postwise reservation is indicated in the concerned cadre file.

कोष्ठकों में भर्ती वाले पदों का विवरण

Post-wise Total Number of Sanctioned, Filled & Vacant Post of Non Teaching Staff Class-III

(Annexure-I)

S.No.	Budget Head / Designation	Pay Scales as per 01.01.2006	Total Post			B(a) 4 CO.A(NP) College of Agril.,Jabalpur			B(a) 3 CO.A(NP) College of			B(a) 7 CO.A(NP) RVSK College of			B(a) 10 CO.A(NP) RM College of Agril.			B(a) 11 CO.A,NP RVSK College of		
			S	F	V	S	F	V	S	F	V	S	F	V	S	F	V	S	F	V
1	Asstt. Account Officer	9300-34800+4200	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	0
2	Section Officer	9300-34800+4200	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	1	0	1
3	Asstt. Gr.-I	5200-20200+2800	7	3	4	1	0	1	1	0	1	1	1	0	2	0	2	2	1	1
4	Asstt. Gr.-II/Accountant	5200-20200+2400	11	9	2	2	2	0	4	4	0	1	1	0	2	2	0	2	0	2
	Total		20	12	8	3	2	1	5	5	0	2	2	0	5	2	3	5	1	4

Post-wise Total Number of Sanctioned, Filled & Vacant Post of Non Teaching Staff Class-IV(Date- 25.07.2017)

(Annexure-II)

S.No.	Budget Head / Designation (Re-Designation)	Pay Scales as per 01.01.2006	Total Post			B(a) 4 CO.A(NP) College of Agril., Jabalpur			B(a) 3 CO.A(NP) College of Agril., Gwalior			B(a) 7 CO.A(NP) RVSK College of Agril., Sehore			B(a) 10 CO.A(NP) RM College of Agril., Khandwa			B(a) 11 CO.A,NP RVSK College of Hort., Mandsaur		
			S	F	V	S	F	V	S	F	V	S	F	V	S	F	V	S	F	V
1	Pump Attendant/ Pump Driver (Engine Driver/Pump Attendant)	5200-20200+1900	5	0	5	1	0	1	1	1	1	2	1	2	1	0	1	0	0	0
2	Lab Attendant	5200-20200+1800	28	2	26	9	0	9	8	0	8	11	2	9	6	0	6	0	0	0
3	Hide & Skins (Chief Attendant)	4440-7440+1300	9	2	7	1	1	0	0	0	0	0	0	0	4	0	4	4	1	3
4	Library Attendant	4440-7440+1300	3	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	2	1	0	1
5	Library Sorter	4440-7440+1300	7	0	7	2	0	2	2	0	2	1	0	1	2	0	2	0	0	0
6	Peon/Chaukidar/Farrash (Peon/Messenger)	4440-7440+1300	29	13	16	6	4	2	7	5	2	5	3	2	12	2	9	3	4	0
7	Daftar/Varnadar (Daftar)	4440-7440+1300	3	0	3	0	0	0	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	0
8	Messenger	4440-7440+1300	3	0	3	2	0	2	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0
9	Sweeper	4440-7440+1300	4	0	4	2	0	2	1	0	1	1	0	1	0	0	0	0	0	0
	Total		93	17	74	23	5	18	20	6	14	22	4	18	28	2	26	5	1	4

Note: Details of Postwise reservation or indicated in the concerned cadre file.

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

पदनाम परिवर्तित करने वाले पदों का विवरण

Post-wise Total Number of Sanctioned, Filled & Vacant Post of Non Teaching Staff Class-III

(Annexure-I)

S.No.	Budget Head / Designation (Re-Designation)	Pay Scales as per 01.01.2006	Total Post			Budget 4 CO,A(NP) College of Agri.,Indore			Budget 5 CO,A(NP) College of Agri.,Gwalior			Budget 7 CO,A(NP) RAK College of Agri., Sehore			Budget 10 CO,A(NP) JPM College of Agri., Khandwa			Budget CO,A,NP KNK College of Agri. Berl, Mandsaur		
			S	F	V	S	F	V	S	F	V	S	F	V	S	F	V	S	F	V
1	Sr. Grapher - English(Computer Operator)	5200-20200+2800	1	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	0	1
2	Black Smith (Welder or Electrician)	5200-20200+2400	4	0	4	1	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	0
3	Artist (Digital Photo Grapher)	5200-20200+2400	2	0	2	0	0	0	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0	0
4	Compounder (ANM Nursing Female)	5200-20200+1800	4	0	4	1	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	0
5	Ver. Compounder Khandwa to (ANM Nursing Female) Transfer Horticulture Mandsaur	5200-20200+1800	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1
6	Incharge (Field Attender)	5200-20200+1800	2	0	2	0	0	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	0	0	0
	Total		14	1	14	2	0	2	4	0	4	4	0	4	2	0	2	2	0	2

Gwalior

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर के क्षेत्रान्तर्गत आने वाले अशैक्षणिक संवर्ग में स्वीकृत पदों की सूची।

GWALIOR

-1-

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर के क्षेत्रान्तर्गत दिनांक 18 अगस्त, 2008 की स्थिति में स्वीकृत पद

Head 1	Name of Post 2	S 3	F 4	V 5	Name of Emp. 6	D/B 7	First Appt. Date 10
					कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर		
B(A) 3 COA NP	डेयरी मैनेजर	1	0	1			
	सहा. ग्रेड-I	1	1	0	श्री बी.जे. सालवी	15.07.51	24.06.73
	सहा. ग्रेड-II	4	3	1	श्री डी.के. शर्मा	18.01.53	23.03.78
					श्री विवेक नायक (स.ग्रेड-III)	20.06.58	02.08.85
					श्री धीरज श्रीवास्तव (स.ग्रेड-III)	06.09.73	11.12.00
	सहा. ग्रेड-III	3	3	0	श्री डी.एस. भदौरिया	01.04.57	29.01.82
					श्री मति गीता कटारिया	01.07.56	29.01.82
					श्री रामकुमारी भार्गव	09.07.53	05.06.85
	मैकेनिक	1	0	1			
	पम्प चालक	1	1	0	श्री एम.एल. वर्मा	15.05.51	27.02.85
	लोहार	1	0	1			
	कनिष्ठ संधारक	1	1	0	श्रीमति सरोज गूर्जर	15.07.58	15.04.94
	सीधालेखक ग्रेड-I	1	0	1			
	गैस मिस्त्री	1	0	1			
	विद्युतकार	1	0	1	श्री गोविन्द कुमार	01.01.69	09.08.93
	आर्टिस्ट	1	0	1			
	एफईओ	1	1	0	श्री श्याम सिंह	01.10.55	05.09.85
	जीप चालक	2	2	0	श्री रामफयल	28.01.53	01.08.78
					श्री मुन्नालाल	28.01.53	01.08.78
	औषधि सहायक	1		1			
	कीट सहायक	1		1			
	कारपेंटर	1		1			
	उमादार	1		1			
	प्रयोगशाला सह.	9	2	9	कु. कल्पना कश्यप	17.05.80	24.07.03
					श्री ऐ.के. भालेराव (एफईओ)	19.10.51	24.06.82

-3-

Head	Name of Post	S	Y	V	Name of Emp.	DOB	First Appt. Date
	सहायक शोधक	2	1	1	सरेश राव पोटे (मृत्यु)	6.3.64	10.12.93
	प्रयोगशाला परि.	8	1	7	श्री लज्जाराम	01.07.49	31.05.69
	भृत्य/चौकीदार/फर्राश/सफाईवाला (6+1+1+1)	8	6	2	श्री अमर शंकर	02.04.56	18.09.81
					श्री भगवान सिंह	05.08.55	01.03.82
					श्री बरगाल सिंह	01.07.56	03.02.83
					श्री रमेश	22.08.62	22.08.84
					श्री इस्माईल खां	10.06.72	20.04.94
					श्री रामबहादुर	18.09.59	01.07.77
14 Pay Off.	सहा. ग्रेड-I	1	0	1			
	सहा. ग्रेड-II	3	2	1	श्री आर.एस. कुशवाह	15.11.49	02.12.78
					श्री एन.के. शर्मा	21.02.52	12.12.77
7(II) Works	सहायक यंत्री	1		1			
	उपयंत्री (वर्क चार्ज)	1	1		श्री आर.के. गुप्ता	08.08.64	04.04.84
	सब ओवरसियर	1		1			
	लेखापाल	1		1			
	वर्क मिस्त्री	1		1			
	हेल्पर	1		1			
	पम्पर	1		1			
	मालचिन्हपार	1		1			
	पम्प आपरेटर	1		1			
	सहा. ग्रेड-I	1		1			
	सहा. ग्रेड-III	1		1			
	भृत्य	1		1			
	चौकीदार	1		1			

-21-

Head	Name of Post	S	F	V	Name of Emp.	DOB	First Appt. Date
	कृषि विज्ञान केन्द्र, देवास						
	लेखापाल						
	कनिष्ठ लिपिक						
	वाहन चालक सह मैकेनिक				श्री लाल सिं सेंधव		08.07.08
					श्री हफीज खान		11.07.08
	भृत्य						

Indore

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर के क्षेत्रान्तर्गत आने वाले अशैक्षणिक संवर्ग में स्वीकृत पदों की सूची।

GWALIOR

- 10 -

Head	Name of Post	S	T	V	Name of Emp.	DOB	First App
					श्री सुरेश कुमार/मेश	02.04.50	21.04.
					श्री गुलशेरा पटेल	01.07.55	21.03.
					श्री रमेश अकारी (टी.एस.एस)	01.05.53	07.05.
					श्री महेश मदान (टी.एस.एस)	21.05.62	21.05.
					श्री [illegible] (टी.एस.एस)	01.08.60	30.05.
					श्री पूरन चंद एम (टी.एस.एस)	19.05.59	16.05.
					श्री अर्जुन [illegible] (टी.एस.एस)	09.02.58	16.05.
					श्री [illegible]	03.11.59	25.04.
					श्री [illegible] एम (टी.एस.एस)	01.08.54	25.04.
					श्री रमेश एल मोर्य (टी.एस.एस)	21.10.60	03.05.
					श्री जगदीश गुलशेरा (टी.एस.एस)	23.03.60	07.05.

कृषि महाविद्यालय, इंदौर

[illegible]	सहायक श्रेणी-I	1		1			
	फार्म मैनेजर			1			
	सहायक श्रेणी-II	2	2		श्रीमति [illegible] महेश्वरी	08.08.36	28.08.
					श्री एस.एस. खान	01.11.56	30.08.
	स्टोरकीपर ऑफ स्टोर्स	1		1			
	मैकेनिक	1	1		श्री [illegible] सिंह	03.01.61	02.01.
	लोहार	1		1			
	वाचमैन	1		1			
	कम्पाउण्डर फॉ मेल नर्स	1		1			
	प्रयोगशाला टेक्नीशियन	9	7	2	श्री आर.एस. भदौरिया	19.08.50	25.08.
					श्री एस.एल. [illegible]	07.11.58	05.03.
					श्री [illegible]	29.05.56	24.02.
					श्रीमति [illegible]	08.08.62	10.02.
					श्री [illegible]	21.02.79	01.08.
					श्री [illegible]	16.02.60	25.08.
					श्रीमति [illegible]	12.05.51	01.04.
	प्रयोगशाला टेक-III	[illegible]	1		श्री [illegible]	07.12.50	25.11.
	[illegible]	1	1		श्री [illegible]	20.10.56	05.06.
	[illegible]	1	1		श्री [illegible]	05.07.49	13.11.
	[illegible]	1	1		श्री [illegible]	01.08.59	02.09.

- 11 -

Head	Name of Post	S	F	V	Name of Emp.	DOB	First Appt. Date
	एकाउंट (सीधे)	2	2		श्री एल.डी. चावे	06.07.61	23.08.83
					श्री डी.ए. अंसारी	22.12.61	01.12.84
	ड्राइवर खालसा	1	1		श्री चुन्नीलाल	01.01.58	24.08.83
	वाहन चालक	1	1		श्री एस. गजलोई	15.06.51	28.09.74
	सहायक ग्रेड-III	6	6		श्री एच.के. जोशी	13.09.62	25.06.81
					श्री पी.आर. जैन	10.02.56	10.01.83
					श्री ए.के. पोद्दार	10.05.64	06.09.83
					श्री उदय देशमुखकर	05.03.59	07.10.83
					श्री नसीम खान	01.06.63	03.09.85
					श्री जावेद अंसारी	23.12.76	21.01.02
	मुख्य अकाउंट	1		1			
	प्रयोगशाला परिचर	9	3	7	श्री रामलाल शर्मा (फील्ड आर्टेर)	11.07.49	05.03.83
					श्रीमति पूनम कोलारी (मृत)	09.07.67	03.12.86
	मृत	6	0		श्री ए.एस. चौहान	02.01.56	25.08.06
					श्री आर.सी. उनी	10.12.53	11.08.82
					श्री बी.सी. चौबे	05.03.59	30.07.83
					श्री मिथलेश कुमार	01.01.67	12.09.86
					श्री जितेन सिंह	21.08.56	03.09.80
					श्री रामेश्वर	26.01.54	03.12.84
	भण्डारी खाली	2	1	1	डॉ. अनिल अनुरागी	20.06.77	21.07.03
	गार्ड चौकीदार	2	2		श्री बलदेव चौहान	04.10.52	24.06.81
					श्री वी.एस. सैनी	10.10.57	28.07.03
	सीपर	2	1	1	श्री रमेशचन्द्र	25.05.47	02.02.74
	फील्ड आर्टेर	1	1		श्री राजू पटेल	01.04.66	07.08.90
(3) Istt. Reg. Station (N.P.)	आर्टिस्ट	1		1			
	कनिष्ठ लेखापाल	1	1		श्रीमति [illegible]	23.09.62	28.08.80
	सहायक ग्रेड-II	2	2		श्री [illegible] (संलग्न [illegible])	17.10.57	24.08.80
					श्री [illegible] (संलग्न [illegible])	15.08.55	20.04.75
	एमटीएस	4	3	1	श्री [illegible] खान	18.05.59	01.12.84
					श्री [illegible] खान	04.07.62	21.02.83
					श्री [illegible] लोधा	01.07.61	01.12.84
	प्रयोगशाला परिचारक	3	1	2	श्री [illegible]	03.02.52	15.05.85
	मृत	2	2		श्री [illegible] बैरागी	05.11.73	08.12.06

- 21 -

Head	Name of Post	S	F	V	Name of Emp.	DOB	First Appt. Date
	कृषि विज्ञान केन्द्र, देवास						
	लेखापाल						
	कनिष्ठ स्टेनोग्राफर						
	वाहन चालक सह मैकेनिक				श्री लाल सिं सेंधव		08.07.05
					श्री हफीज खान		11.07.08
	मृत						

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर के क्षेत्रान्तर्गत आने वाले अशैक्षणिक संवर्ग में स्वीकृत पदों की सूची।

GWALIOR

- 14 -

Head	Name of Post	S	F	V	Name of Emp.	DOB	First Appt. Date
	भृत्य	1	1		श्री रामचन्द्र	04.06.55	08.12.78
C-2 Res. ICAR-P-53 ORP	सहायक ग्रेड-III	2	2		श्री ए.के. विजयवर्गीय	11.07.62	30.11.82
					श्रीमति मोनिका सारंगे	16.03.63	02.09.85
	वाहन चालक	1	1		श्री एच.बी. गुंजाल	01.07.53	23.08.80
	भृत्य	1	1		श्री हरी मुकाती	15.07.54	06.07.85
C-1 (19) Improvement of Crop Productivity under Rainfed fed area	प्रयोगशाला तकनीशियन	3	1	2	श्री राजेश बेरे	15.06.78	03.07.03
	भृत्य	1	1		श्रीमति गंगा बाई	20.05.47	01.12.81
कृषि महाविद्यालय, सीहोर							
सी-1(6ए) भाग-I	एसीएओ	1		1			
सी-4(4ए)आईईआरपी एसपी	जेएसओ	1		1			
बी(ए)7 एनपी	कनिष्ठ सहायक	1	1		श्री ए.के. श्रीवास्तव	09.11.55	01.10.83
	शीघ्रलेखक ग्रेड-I	1	1		श्रीमति लक्ष्मी कोरी	18.05.78	19.08.03
14 वी आफिस	सहा. ग्रेड-I	1	1		श्री ए.के. शर्मा	02.07.51	06.06.74
बी(ए)7 एनपी	सहा. ग्रेड-I	1	1		श्री आर.पी. तिवारी	01.01.51	13.03.75
सी-4(4ए)आईईआरपी एसपी	सहा. ग्रेड-I	1	-	1			
14 वी आफिस	सहा. ग्रेड-II	1	-	1			
बी(ए)7 एनपी	सहा. ग्रेड-II	1	1		श्री आर.एन. कौरविया	01.03.50	31.08.74
	सहा. ग्रेड-III	4	3	1	श्री आर.डी. चौकसे	19.07.60	14.06.85
					श्री बी.के. रजक	15.12.71	04.02.03
					श्री ए.के. व्यास	09.06.64	04.10.85
सी-2 सिस आईसीएआर	सहा. ग्रेड-III	1	1		श्रीमति दीपा खाडे	10.01.53	29.01.82

- 15 -

Head	Name of Post	S	F	V	Name of Emp.	DOB	First Appt. Date
सी-4/एस/आईईआरपी एसपी	स्टेनो टायपिस्ट	1		1			
बी(एंड) एसपी	एओई	1	1		डॉ अनिल कुमार जैन	07.08.60	08.02.83
	एफईओ	4	2	2	श्री आर.सी.एस. बागवेया	15.01.58	12.01.83
ई-1 एक्सटेंशन	एफईओ	3	3		श्री एन.के. गोस्वामी	01.04.61	30.12.80
					श्री ए.एन. तिवारी	01.01.51	11.01.71
					श्री एम.पी. यादव	20.10.48	28.09.66
सी-2 रिस आईसीएआर-27	एफईओ	4	4		श्री एम.एल. पारे	05.06.57	30.06.83
					श्री के.सी. पोरवाल	02.06.63	06.09.85
					श्री आर.सी. भलावी	02.01.65	13.09.85
					श्री के.पी. सिंह	01.01.61	03.03.84
सी-2 रिस आईसीएआर-266	एफईओ	1	1		श्री कमल सिंह	02.03.63	27.07.85
सी-2 रिस आईसीएआर-289	एफईओ	1	1		श्री सुनील कुमार दुबे	10.04.55	16.01.83
सी-1(3) स्टेट	एफईओ	2	1	1	कु. प्रीति गजभिये	12.06.79	17.07.07
बी(एंड) एसपी	प्रयोगशाला तक.	9	3	6	कु. सरिता गौतम	05.06.80	30.07.03
					श्री एस.एस. दैवरा	19.08.65	04.10.85
					श्री पी.एन. निरंजन	10.01.64	11.10.85
	डेयरी मैनेजर	1		1			
	आरपेटर	1	1		श्री डी.सी. नरगोरे	10.08.76	24.03.07
	वाहन चालक	2	1	1	श्री के.एस. खांडे	13.10.50	01.02.72
सी-2 रिस आईसीएआर-27	वाहन चालक	1		1			
सी-1(64) नार्प-1	वाहन चालक	1		1			
सी-4/एस/आईईआरपीएसपी	वाहन चालक	1		1			

- 16 -

Head	Name of Post	S	F	V	Name of Emp.	DOB	First Appt. Date
बी(ए)7 एनपी	एम्प अटेण्डेंट	2	1	1	श्री घनेलाल	15.01.55	11.01.83
	जू. इंस्ट्रक्टीशियन	1	1		श्री देवी सिंह	03.12.50	01.11.76
	इंजेक्ट सेंटर	1		1			
	लोहार	1		1			
	मैकेनिक	1		1			
	टेक्टर ड्राईवर	1		1			
	आर्टिस्ट	1		1			
	कम्पाउण्डर	1		1			
	लायब्रेरी शार्टर	1		1			
	प्रयोगशाला परि.	11	4	7	श्री आर.सी. मालविया	08.01.57	27.04.82
					श्री आर.एस. खांडे	04.07.77	05.08.03
					श्री आर.सी. यादव (पत्र वाहक)	25.06.50	01.05.78
					श्री बाबू खान (भृत्य)	01.11.74	20.07.94
सी-2 रिस. आईसीएआर-27	प्रयोगशाला परि.	3	2	1	कु. फरीदा बेक	25.11.72	14.08.03
					श्री कमल सिंह (कैटल अटेंडेंट)	01.07.58	17.11.87
सी-2 रिस. आईसीएआर-298	प्रयोगशाला परि.	1	1		श्री मुकेश बर्मन	15.07.80	07.08.03
सी-1(64) नार्प-1	प्रयोगशाला परि.	2	1	1	श्रीमति इशरत जाहन	01.01.56	13.12.93
बी(ए)7 एनपी	भृत्य	5	4	1	श्री मिश्रीलाल	07.05.48	11.01.83
					श्री हरी प्रसाद	21.05.50	25.01.69
					श्री शीतल प्रसाद परिहार	15.12.76	06.07.95
					श्री प्रहलाद सिंह	02.07.76	21.08.95
	पत्र वाहक	1		1			
सी-1(64) नार्प-1	भृत्य	1		1			
सी-2 रिस. आईसीएआर-299	भृत्य	1	1		श्री नारायण सिंह	01.08.54	04.10.85
बी(ए)7 एनपी	दफ्तरी	1		1			

- 17 -

Head	Name of Post	S	F	V	Name of Emp.	D/B	First Appt. Date
[illegible]	फील्ड असिस्टेंट	1		1			
[illegible]	स्वीपर	1	1		श्री [illegible]	16.05.48	01.04.80
	आंचलिक कृषि अनुसंधान केन्द्र, मुरैना						
	सहा. ग्रेड-I	1	1		श्री एम. शर्मा	01.02.78	09.10.06
[illegible]	एफईओ	4	3	1	श्री एस.एस. कुशवाह	12.10.55	25.08.80
					श्री एम.एस. [illegible]	14.02.59	24.02.83
					श्री एन.एस. तोमर	03.02.58	01.12.84
	प्रयोगशाला तक	1		1			
	वाहन चालक	1	1		श्री शेरवीर शर्मा	06.04.54	20.08.77
	प्रयोगशाला परि.	1	1		श्री आर. स्वरूप	15.07.67	27.09.90
	पत्रवाहक	1	1		श्री बी.एल. राजपूत	25.04.55	24.08.83
[illegible]	एफईओ	2	2		श्री के.एल. वर्मा	01.07.73	14.08.03
					श्री आर.एन. शर्मा	08.06.59	17.03.83
	सहा. ग्रेड-III	1	1		श्री यू.एस. तोमर	17.01.59	27.12.82
[illegible]	एफईओ	1	1		श्री [illegible] सिंह	02.07.54	02.08.82
	एओ	1		1			
	मैकेनिक	1		1			
	ट्रैक्टर चालक	1		1			
	वाहन चालक	1	1		श्री जय सिंह	05.08.55	25.07.84
	स्टोर कीपर	1		1			
	माली	1		1			
	पत्रवाहक	1	1		श्री मनीष [illegible]	10.03.84	05.04.05
	चौकीदार	2	1	1	श्री बी.एम. यादव	04.09.56	24.12.82
	कृषि विज्ञान केन्द्र मुरैना						
	सब्जेक्ट मेटर स्पेशलिस्ट				श्री के.के. यादव		16.09.05

- 21 -

Head	Name of Post	S	F	V	Name of Emp.	D/B	First Appt. Date
	कृषि विज्ञान केन्द्र, देवास						
	लेखापाल						
	कनिष्ठ प्रौद्योगिकी						
	वाहन चालक सह मैकेनिक				श्री लाल सिंह सेंगर		08.07.08
					श्री हफीज खान		11.07.08
	भृत्य						

कार्यालय कुलसचिव,
राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय,
ग्वालियर (म.प्र.)

बी.एल. कोरी
कुलसचिव

क्र. / कु.स. / स्था. / 2020 / 2313 दिनांक 01.11.2020

प्रति,

प्रमुख सचिव
म. प्र. शासन
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग,
मंत्रालय, भोपाल

विषयः राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर अन्तर्गत तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पद भरने बाबत्।

संदर्भः– आपका पत्र क्रमांक 97 / 2020 / 14(AGR) दिनांक 06 अक्टूबर 2020

उपरोक्त संदर्भित पत्र के माध्यम से चाही गई जानकारी का बिन्दुवार विवरण निम्न है:

1. म.प्र. शासन द्वारा स्वीकृत पदों का विवरण संबंधी अभिलेख जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर से इस विश्वविद्यालय को प्राप्त नहीं हुए हैं और न ही इस विश्वविद्यालय हेतु स्वीकृत पदों के शासन द्वारा कोई आदेश दिये हैं. विश्वविद्यालय अन्तर्गत कृषि / उद्यानिकी महाविद्यालयों के लिये स्वीकृत पदों की जानकारी इस विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 2008 के पश्चात जे.एन.कृ.वि.वि.जबलपुर द्वारा स्वीकृत पदों की दोनों विश्वविद्यालय के कुलसचिव के संयुक्त हस्ताक्षरयुक्त जानकारी प्रेषित की गई जो कि संलग्न कर आपकी प्रेषित है। (संलग्न–परिशिष्ट–1 स.क.01 से 15 तक) विश्वविद्यालय अधिनियम 2008 के अधिनियम क्रमांक 5 में की धारा–4 में उल्लेखित नियम एवं अन्य शर्तें संलग्न कर आपकी ओर प्रेषित की जा रही है। (संलग्न–परिशिष्ट–2 स.क.16 से 18 तक) विश्वविद्यालय में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी पदों के भर्ती / पदोन्नति विश्वविद्यालय अधिनियम / विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत शासन नियमानुसार की जाती है। विश्वविद्यालय अन्तर्गत महाविद्यालयों में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के स्वीकृत रिक्त एवं भरे पदों का विवरण एवं पदोन्नति हेतु स्वीकृत रिक्त एवं भरे पदों का विवरण संलग्न है। (संलग्न– परिशिष्ट 3 स.क. 19 से 22 तक)

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर की स्थापना, 2008 के पश्चात विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 की धारा–57(2)(ए) जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के वे कर्मचारी (एफ) जो विश्वविद्यालय की अधिकारिता के भीतर स्थित महाविद्यालयों या अनुसंधान केन्द्रों में उक्त तारीख को काम कर रहे थे या उनसे संलग्न थे एवं (दो) अनुसार इस विश्वविद्यालय के कर्मचारी होंगे। (संलग्न परिशिष्ट–4 स.क.23 से 25 तक) उक्त संबंध में किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, भोपाल क्रमांक बी–4 / 11 / 2005 / 14–2 दिनांक 28.02.2009 के बिन्दु क्रमांक 02 में वर्तमान में जितने भी शैक्षणिक, एवं गैर शैक्षणिक अधिकारी / कर्मचारी जहां एवं जिस पद एवं स्थान पर सम्बन्ध या पदस्थ हैं, वह जिस विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में आ गये हैं, उन्हें उसी विश्वविद्यालय को आवंटित माना जाये, जिसका उल्लेख जारी अधिसूचना के संलग्न अधिनियम के अध्याय–2 के बिन्दु क्रमांक–7 (2) में दिए गए विवरण अनुसार कार्य होने विभाजित किया गया है। (संलग्न -परिशिष्ट–5 स.क.26 से 30 तक)

क्रमशः... 2

//2//

2. महाविद्यालयों द्वारा कोई भी कार्य केवल सुरक्षा एजेंसी को छोड़कर आउटसोर्स नही किये गये, और न ही कर्मचारी को आउटसोर्स पर रखा गया एवं किसी भी कर्मचारी को पद विरूद्ध कार्य पर भी नही रखा गया है। किन्तु महाविद्यालयों का कार्य संचालन हेतु श्रमायुक्त, इंदौर द्वारा निर्धारित दैनिक दर पर कार्य की आवश्यकता को देखते हुए आकस्मिक निधि भुगतान के आधार पर आवश्यकता अनुसार कुशल/अकुशल श्रमिको से कार्य लिया जा रहा है, एंव सेवानिवृत्त कर्मचारियों को विश्वविद्यालय बोर्ड द्वारा अनुमोदित दर अनुसार एक निश्चित मानदेय पर रखकर कार्य लिया जा रहा है।

विश्वविद्यालय की नवीन स्थापना उपरांत आज दिनांक तक कृषि/उद्यानिकी महाविद्यालय के तृतीय एंव चतुर्थ श्रेणी के पूर्व से स्वीकृत पद रिक्त है। जिससे कि दिन प्रतिदिन कार्य मे बाधा उत्पन्न हो रही है। अतः आपसे अनुरोध है कि स्वीकृत पदो के विरूद्ध रिक्त पदों को भरने की प्रशासकीय स्वीकृति अनुमति प्रदान करने का कष्ट करें, जिससे महाविद्यालयों का कार्य सुचारू रूप से संचालित हो सके।

संलग्नः उपरोक्तानुसार।
(माननीय कुलपतिजी द्वारा अनुमोदित)

कुलसचिव

पृष्ठा. क्र./कु.स./स्था./2020/2370 दिनांक 05.11.2020
प्रतिलिपिः— सूचनार्थ

1. उप कुलसचिव (स्था.), रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर।
2. निज सचिव, माननीय कुलपतिजी, रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर।

कुलसचिव

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय,

ग्वालियर के क्षेत्रान्तर्गत आने वाले अशैक्षणिक संवर्ग में

स्वीकृत पदों की सूची।

GWALIOR

कृषि महाविद्यालय, इंदौर

बी (ए) व जनसंपर्क नवन स्थान	सहायक श्रेणी-I	1		1			
	थाने चैनजन	1		1			
	सहायक श्रेणी-II	2	1		श्रीमती आर.के. महाविद्या	08.08.56	28.08.
					श्री एल.एम. खान	01.11.56	30.08.
	एसी.कन्डर ऑपरेटिंग	1		1			
	मेकेनिक	1	1		श्री आर.के. सिंघा	03.01.61	02.01.
	लोहार	1		1			
	कारपेंटर	1		1			
	अध्यापकवर कम नेत्र मले	1		1			
	प्रयोगशाला तकनीशियन	8	1	1	श्री आर.एम. भारतिया	19.08.50	25.08.
					श्री एम.एस. चौहरी	07.11.58	05.03.
					श्री एस.के. गोयल	20.05.56	24.02.
					श्रीमती आशा रानी	04.08.62	10.02.
					श्री जय के. मुखर्जी	21.02.79	01.08.
					श्री डी.सी. मिश्रा	16.07.80	25.08.
					श्रीमती सुधा लखनी	12.05.51	01.04.
	प्रयोगशाला सहा-II	1	1		श्री मेहबूबदीन	07.12.50	25.11.
	इलेक्ट्रीशियन	1	1		श्री रमेश चौहान	20.10.56	05.06.
	कनिष्ठ अभियंता	1	1		श्री आर.एल. झा	05.07.49	13.11.
	ड्राइवर	1	1		श्री डी.डी. बोरी	01.08.59	02.09.

Indore

-11-

Head	Name of Post	S	F	V	Name of Emp.	DB	First Appt. Date
	[illegible]	2	2		श्री [illegible]	06.07.61	23.08.80
					श्री [illegible]	27.12.61	01.12.84
					[illegible]	01.01.58	24.08.83
	[illegible]	1	1		श्री [illegible]	15.06.51	28.09.74
	[illegible]	1	1		श्री [illegible]	13.09.62	25.06.81
	सहायक ग्रेड- III	8	8		श्री [illegible]	10.02.56	10.01.83
					श्री [illegible]	10.05.64	05.09.83
					श्री [illegible]	05.03.59	07.10.83
					श्री [illegible]	01.06.63	03.09.85
					श्री [illegible]	23.12.70	21.01.02
	[illegible]	1		1			
	[illegible]	9	2	7	श्री [illegible]	11.07.49	05.03.83
					श्रीमति [illegible]	09.07.47	01.12.86
					श्री [illegible]	02.01.56	24.08.05
	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	10.12.53	11.08.82
					[illegible]	05.03.55	30.07.83
					श्री [illegible]	01.01.67	12.09.86
					श्री [illegible]	21.08.58	03.09.80
					श्री [illegible]	26.01.54	03.12.84
					[illegible]	20.06.77	21.07.03
	[illegible]	2	1	1	[illegible]	04.10.52	24.06.81
	[illegible]	2	2		श्री [illegible]	30.10.57	28.07.05
					श्री [illegible]	25.05.47	02.02.74
	[illegible]	2	1	1	श्री [illegible]	01.04.66	07.08.90
	[illegible]	[illegible]	1		[illegible]		

-21-

Head	Name of Post	S	F	V	Name of Emp.	DB	First Appt. Date
	कृषि विज्ञान केन्द्र, देवास						
	तकनीकी						
	कनिष्ठ लिपिक						
	वाहन चालक सह मैकेनिक				श्री लाल सिंह		08.07.08
					श्री हफीज खान		13.07.08
	भृत्य						

K.V. Dewas Vikas Vidyalaya
Dewas

Gwalior

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर के क्षेत्रान्तर्गत आने वाले अशैक्षणिक संवर्ग में स्वीकृत पदों की सूची।

GWALIOR

Gwalior

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर के क्षेत्रान्तर्गत
दिनांक 18 अगस्त, 2008 की स्थिति में स्वीकृत पद

Head	Name of Post	S	F	V	Name of Incu.	DB	First Appt. Date
1	2	3	4	5	6	7	8
					कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर		
B(A)-3 COA NP	लेखपाल	1	0	1			
	सहा. ग्रेड-I	1	1	0	श्री बी.के. खरवे		
	सहा. ग्रेड-II	4	3	2	श्री डी.के. शर्मा	15.07.51	24.06.73
					श्री विवेक नायक (स.ग्रेड-III)	18.01.53	23.03.78
					श्री वीरेन्द्र श्रीवास्तव (स.ग्रेड-III)	20.06.58	02.09.83
	सहा. ग्रेड-III	3	3	0	श्री डी.एल. नर्वरिया	06.09.73	11.12.00
					श्री गोविंद सिंह कटारिया	01.04.57	29.01.82
					श्री रामकृष्ण गुप्ता	01.07.56	20.01.82
	मेकेनिक	1	0	1		09.07.53	05.06.85
	फार्म सुपरवा.	1	1	0	श्री एम.एल. वर्मा		
	खलासी	1	0	1		15.06.51	27.02.86
	जनिष्ठ सहायक	1	1	0	श्रीमती माधव गुप्ता		
	श्रीमतीसहा. ग्रेड-I	1	0	1		15.07.58	15.04.91
	गैस बिल्ली	1	0	1			
	विद्युतकार	1	0	1	श्री राजेन्द्र कुमार		
	ड्रॉईंग	1	0	1		01.01.69	09.08.03
	एकाईंडी	1	1	0	श्री श्यामलाल		
	जीप चालक	3	2	0	श्री रामभरोसे	01.10.55	06.09.85
					श्री मुन्नालाल	28.01.53	01.08.78
	प्रोमेटि मेकेनिक	1		1		28.01.55	01.08.78
	वीडियो चालक	1		1			
	सेलसमैन	1		1			
	चपरासी	1		1			
	सफाईवाला ठेका	9	2	9	सु. कल्पना बराबर		
					श्री ऐ.के. माहेश्वर (एकाईडी)	12.05.60	24.07.03
						19.10.51	24.06.82

Head	Name of Post	S	F	V	Name of Emp.	DOB	First Appt. Date
	लाभकेंद्र भाटा	2	1	1	संदीप राव पोटे (मृत्यु)	16.3.64	10.12.83
	अर्थसहायता भत्ते	3	1	7	श्री लखनलाल	01.07.49	31.05.80
	मृत्यु/सेवानिवृत्त/पदोन्नति/स्थानांतरण/स्वेच्छा [illegible]	8	6	3	श्री अमर सिंह	02.04.56	18.09.81
					श्री भगवान सिंह	05.06.55	01.03.82
					श्री परमल सिंह	01.07.56	13.10.83
					श्री रमेश	22.06.62	22.08.84
					श्री इस्माईल खां	16.06.72	20.04.94
					श्री रामबहादुर	18.09.59	01.07.77

Sehore

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर के क्षेत्रान्तर्गत आने वाले अशैक्षणिक संवर्ग में स्वीकृत पदों की सूची।

GWALIOR

- 21 -

Head	Name of Post	S	F	V	Name of Hrsg.	Div/B	First Appt. Date
	कृषि विज्ञान केन्द्र, देवास						
	लेखापाल						
	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचर						
	वाहन चालक सह मैकेनिक				श्री लाल सिं सेवा		08.07.88
					श्री हफीज खान		11.07.08
	कुल						

Registrar
R. V. Vijaya Vishwa Vidyalaya
Gwalior

Schedule

कृषि महाविद्यालय, सीहोर

सी-1(क) सहा.-I	एसोसिएट	1		1			
सी-4(क)/आईसीएआर एसोसि	एसोसिएट	1		1			
सीएएस इकाई	सहायक	1			श्री ए.के. श्रीवास्तव	09.11.55	01.10.82
	स्टेनोटाइपिस्ट ग्रेड-I	1	1		श्रीमती लक्ष्मी कोरी	18.05.78	19.06.03
स.प्र.अधिकारी	सहा. ग्रेड-I	1	1		श्री ए.के. जैन	02.07.51	06.06.74
सीएएस इकाई	सहा. ग्रेड-I	1	1		श्री आर.पी. सिंगरौल	01.03.51	13.03.75
सी-4(क)/कोई/आईसीएआर एसोसि	सहा. ग्रेड-I	1		1			
स.प्र.अधिकारी	सहा. ग्रेड-II	1		1			
सीएएस इकाई	सहा. ग्रेड-II	1	1		श्री [illegible]	04.03.50	31.08.79
	सहा. ग्रेड-III	1	1	1	श्री [illegible]	19.07.50	14.06.95
					श्री एच.के. रघुवंशी	15.12.78	04.08.03
					श्री एच.के. व्यास	09.06.64	04.10.85
सी-2 सिवि इंजीनियरिंग	सहा. ग्रेड-III	1	1		श्रीमति दीपा खांडे	10.01.52	29.01.82

Sehore

-15-

Head	Name of Post	S	F	V	Name of Emp.	DOB	First Appt. Date
सी–[illegible]आईसीएआरसी एपी	कंटेंगी सचिव	1		1			
बीएए एपी	एसोई	1	1		श्री अनिल कुमार जैन	07.08.60	08.02.83
	एसोई	4	2	2	श्री आर.सी.एस. बाजपेयी	15.01.58	12.01.83
ई–1 एक्सटेंशन	एसोई	3	3		श्री एम.के. गोस्वामी	04.04.61	30.12.80
					श्री ए.एन. तिवारी	01.07.51	11.01.71
					श्री एम.पी. यादव	20.10.48	28.09.66
सी–2 रिस. आईसीएआर–27	एसोई	4	4		श्री एम.एल. पारे	05.06.57	30.06.83
					श्री के.सी. गोयवाल	02.06.63	06.09.85
					श्री आर.सी. [illegible]	02.04.65	13.09.85
					श्री के.पी. सिंह	01.01.61	05.03.84
सी–2 रिस. आईसीएआर–280	एसोई	1	1		श्री कमल सिंह	02.03.63	27.07.85
सी–2 रिस. आईसीएआर–280	एसोई	1	1		श्री सुनील कुमार दुबे	10.04.53	14.01.83
सी–1(3) रेट	एसोई	2	1	1	कु. प्रीति [illegible]	12.06.79	17.07.07
बीएए एपी	प्रशिक्षण सहा.	9	3	6	कु. [illegible]	03.06.80	30.07.03
					श्री एस.एस. पैकरा	19.08.65	04.10.85
					श्री बी.एल. निरंजन	10.01.64	11.10.85
	डेपुटी मैनेजर	1		1			
	कम्प्यूटर	1	1		श्री डी.डी. [illegible]	10.08.76	24.03.07
	वाहन चालक	2	1	1	श्री [illegible]	13.10.50	01.02.72
सी–2 रिस. आईसीएआर–27	वाहन चालक	1		1			
सी–1(64) गार्ड–1	वाहन चालक	1		1			
सी–4(ई)आईईआर एसएसी	वाहन चालक	1		1			

Sehore

-16-

Head	Name of Post	S	F	V	Name of Emp.	DOB	First Appt. Date
बीएए एपी	एम. अटेंडेंट	2	1	1	श्री [illegible]	15.01.53	11.01.83
	कु. [illegible]	1	1		श्री देवी सिंह	03.12.50	08.11.76
	[illegible]	1		1			
	लेबोरेटरी	1		1			
	[illegible]	1		1			
	ट्रैक्टर [illegible]	1		1			
	[illegible]	1		1			
	[illegible]	1		1			
	[illegible]	1		1			
	[illegible] चौकीदार	71	4	7	श्री आर.सी. [illegible]	08.01.57	27.04.82
					श्री आर.एस. [illegible]	04.07.77	05.08.03
					श्री आर.सी. [illegible] (पंप चालक)	25.06.50	01.10.78
					श्री [illegible] (मृत)	01.11.34	20.07.94
सी–2 रिस. आईसीएआर–27	प्रयोगशाला परि.	3	2	1	[illegible]	25.11.72	14.08.03
					श्री कमल सिंह (कैटल अटेंडेंट)	01.07.58	17.11.87
सी–2 रिस. आईसीएआर–280	प्रयोगशाला परि.	1	1		श्री [illegible]	15.07.80	07.08.03
सी–1(64) गार्ड–1	प्रयोगशाला परि.	2	1	1	श्रीमति [illegible]	01.01.56	12.12.93
बीएए एपी	मृत	15	4	1	[illegible]	07.05.48	11.01.83
					श्री हरी प्रसाद	21.05.50	25.01.69
					श्री [illegible]	15.12.76	08.07.95
					श्री [illegible] सिंह	02.07.76	21.08.95
	पंप चालक	1		1			
सी–1(64) गार्ड–1	मृत	1		1			
सी–2 रिस. आईसीएआर–280	मृत	1	1		श्री नारायण सिंह	01.08.54	04.10.85
बीएए एपी	[illegible]	1		1			

परिशिष्ट—2.

(तीन) वह विश्वविद्यालय की लेखा तथा वित्त से संबंधित मामलों के संबंध में, जिनके कि लिए वह सीधे कुलपति के प्रति उत्तरदायी होगा, ऐसी अन्य शक्तियों का प्रयोग करेगा जैसी कि परिनियमों या विनियमों द्वारा विहित की जाएं या बोर्ड या कुलपति द्वारा समय-समय पर अपेक्षित की जाएं ;

(चार) वह अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (3) में परिकल्पित अपने उत्तरदायित्वों एवं कर्तव्यों के निर्वहन के प्रयोजन के लिए जब भी कभी आवश्यक हो, बोर्ड की बैठकों में उपस्थित होगा ;

(पांच) वह ऐसे अन्य कृत्यों का निर्वहन करेगा जैसे कि कुलपति द्वारा उसे समय-समय पर सौंपे जाएं।

(ग) विश्वविद्यालय को देय किसी धन के संबंध में लेखा नियंत्रक, बोर्ड द्वारा या इस संबंध में सम्यक् रूप से, लिखित में प्राधिकृत किसी व्यक्ति या किन्हीं व्यक्तियों द्वारा जारी की गई रसीद, ऐसी प्राप्ति के लिए जारी की गई रसीद समझी जाएगी।

परिनियम क्रमांक 5

चयन समिति की संरचना, चयन की प्रक्रिया तथा नियुक्ति की अन्य शर्तें

1. अधिकारी तथा अन्य कर्मचारिवृन्द :—

(1) विश्वविद्यालय के वे अधिकारी होंगे जो अधिनियम की धारा 12 के खण्ड (क) से (झ) में विनिर्दिष्ट हैं।

(2) अधिनियम की धारा 12 में विनिर्दिष्ट अधिकारियों के अतिरिक्त, विश्वविद्यालय का पुस्तकालयाध्यक्ष भी विश्वविद्यालय का अधिकारी होगा।

2. अधिकारियों के पदों के लिए अर्हताएं :— अधिनियम की धारा 12 में यथा विनिर्दिष्ट विश्वविद्यालय के अधिकारियों (कुलाधिपति तथा कुलपति से भिन्न) के पदों पर नियुक्ति हेतु अर्हताएं, विद्या परिषद् द्वारा की गई अनुशंसाओं पर सम्यक् रूप से विचार करने के पश्चात् बोर्ड द्वारा अधिसूचित की जाएंगी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वेतनमान वाले अध्यापकों/अधिकारियों के पदों के मामले में, अनुशंसाएं मुख्यतः भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा समय-समय पर दिए गए दिशा-निर्देशों के पैटर्न पर आधारित होंगी और अधिकारियों के शेष पदों के मामले में, जो मध्यप्रदेश सरकार द्वारा स्वीकृत वेतनमान वाले पद हैं अर्हता प्रशासनिक परिषद् द्वारा अधिसूचित की जाएगी:

परन्तु विहित अर्हता को, सम्यक् रूप से ऐसी रीति में, जैसी कि विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर विहित की जाए, सम्यक् रूप से प्रवर्तित किया जाएगा तथा चयन प्रक्रिया, मध्यप्रदेश सरकार से रिक्त पदों को भरने हेतु प्रशासकीय अनुमोदन अभिप्राप्त करने के पश्चात् ही, प्रारंभ होगी।

3. अधिकारियों, अध्यापकों एवं सेवा कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए चयन समिति का गठन :—

(1) कुल सचिव, प्रत्याशित रिक्तियों को भरने या विश्वविद्यालय के भवन को रिक्त पदों की पूर्ति करने के लिए कुलपति द्वारा यथोचित चयन समिति हेतु कार्यवाही प्रारंभ करेगा और यथोचित कदम उठाएगा।

(2) कालम (1) में दर्शाए गए विभिन्न पदों के लिए, कालम (2) में दर्शाए गए अनुसार निम्नलिखित चयन समितियां होंगी :—

(घ) महाविद्यालयों, अनुसंधान केन्द्रों तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों आदि में संवर्गों में प्रवेश के समय सहायक ग्रेड–तीन, क्षेत्र विस्तार अधिकारी, प्रयोगशाला तकनीशियन, कम्प्यूटर ऑपरेटर, स्टेनो–टाइपिस्ट, प्रयोगशाला सहायक तथा पुस्तकालय सहायक आदि लिपिकीय/अलिपिकीय फील्ड स्टाफ के पद.	(1) कोई भी निदेशक – अध्यक्ष (2) लेखा नियंत्रक (3) उस इकाई/विभाग के दो वरिष्ठ सदस्य जहाँ से पद भरे जाना है जो संबंधित संकायाध्यक्ष/निदेशक द्वारा नामनिर्दिष्ट किए जाएंगे। (4) किसी संकाय/संचालनालय/विभाग से एक सदस्य जो कुलपति द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जाएगा। (5) उप कुल सचिव सदस्य – सचिव होगा
(ङ) विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यालयों में तकनीकी (अलिपिकीय) पद जैसे वाहन चालक, फोटोग्राफर, मशीन आपरेटर, बेयरर, क्लीनर, वाइन्डर, कारपेन्टर आदि।	(1) कोई भी निदेशक – अध्यक्ष (2) कुलसचिव (3) लेखा नियंत्रक (4) कुलपति द्वारा नामनिर्दिष्ट एक उप कुल सचिव (5) कुलपति द्वारा नामनिर्दिष्ट एक सदस्य जो उस कार्यालय का हो जहाँ से पद भरे जाना है (6) किसी भी संकाय/संचालनालय/विभाग से कुलपति द्वारा नामनिर्दिष्ट दो अधिकारी (7) उप कुलसचिव सदस्य – सचिव होगा।

टीप :–

(क) यह समिति, सेवा में प्रवेश के समय, पदों पर नियुक्ति तथा उच्चतर पदों पर पदोन्नति से संबंधित कार्य भी करेगी, तथापि तकनीकी पदों पर पदोन्नति के मामले में, समिति का अध्यक्ष, जहाँ से पद भरे जाना है वहाँ के संबंधित संचालक/ संकायाध्यक्ष/ संबंधित अधिकारी होंगे,

(ख) प्रत्येक चयन समिति के लिए, सदस्यों की कुल संख्या की आधी संख्या (+) एक से गणपूर्ति होगी।

(ग) चयन समिति में, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों के नामनिर्देशिती, इस परिनियम के अधीन, मध्यप्रदेश सरकार के मार्गदर्शन के अनुसार भाग लेंगे।

(घ) विश्वविद्यालय, लिपिकीय, अलिपिकीय तथा तकनीकी पद जो वर्ग- तीन तथा वर्ग–चार के वर्गों में आते हैं, के समस्त पदों के लिए सेवा में प्रवेश के समय, समय-समय पर अधिकथित प्रक्रिया के अनुसार, योग्यता परीक्षा संचालित कर सकेगा।

4. चयन की प्रक्रिया

(1) अधिनियम की धारा 12 के अधीन यथा विनिर्दिष्ट विश्वविद्यालय के अधिकारियों के समस्त पद (कुलाधिपति, कुलपति तथा संकायाध्यक्ष को छोड़कर) तथा अधिनियम की धारा 2 (ट) के अधीन यथा परिभाषित पुस्तकालयाध्यक्ष एवं अध्यापक और समतुल्य प्रवर्गों के पद, योग्यता के आधार पर और अखिल भारतीय विज्ञापन से चयन द्वारा भरे जाएंगे :

कुलसचिव – धारा 20 के उपबंधों के अनुसार, कुलसचिव, राज्य सरकार द्वारा, संचालनालय, किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के अपर संचालकों में से नियुक्त किया जाएगा।

लेखा नियंत्रक – बोर्ड, विश्वविद्यालय के हित में, लेखा नियंत्रक का पद, मध्यप्रदेश शासन से बिना विलम्ब के ऐसे अपर संचालक की सेवाएं प्रतिनियुक्ति पर अभिप्राप्त करने पर भी विचार कर सकेगा जिसे समुचित अनुभव हो और जो योग्य हो।

(16)

(2) आचार्य, राष्ट्र आचार्य, सहायक आचार्य या किसी समतुल्य पद, विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, क्रीड़ा अधिकारी के पद पर नियुक्ति के लिए अपेक्षित न्यूनतम अर्हताएं ऐसी होंगी जैसी कि विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर विहित की जाएं और वह कि केवल वे ही अभ्यर्थी जिन्होंने न्यूनतम अर्हताएं पूर्ण करने के अलावा आई.सी.ए.आर. या यू.जी.सी./सी.एस.आई.आर. द्वारा संचालित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एन.ई.टी.) में अर्हता प्राप्त की हो, सहायक आचार्य या समतुल्य पद पर चयन और नियुक्ति के लिए पात्र होंगे। पी.एच.डी. उपाधि धारण करने वाले अभ्यर्थियों के लिए राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एन.ई.टी.) की अर्हता अनिवार्य नहीं होगी, तथापि अन्य बातें समान होने पर, ऐसे अभ्यर्थियों को जिन्होंने पी.एच.डी. की है तथा आई.सी.ए.आर. या यू.जी.सी./सी.एस.आई.आर. द्वारा संचालित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एन.ई.टी.) उत्तीर्ण की हो, वरीयता में अधिमान दिया जाएगा। ऐसे मामलों में जहां उन विषयों में, जिनमें आई.सी.ए.आर. या यू.जी.सी./सी.एस.आई.आर. के द्वारा राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एन.ई.टी.) संचालित नहीं की गई हो, रिक्तियों की पूर्ति, विश्वविद्यालय की भर्ती प्रक्रिया का अनुसरण करते हुए की जाएगी :

परन्तु पशु चिकित्सा विज्ञान तथा पशुपालन संकाय के अन्तर्गत आने वाले पदों के लिए भारतीय पशुचिकित्सा परिषद् द्वारा कोई मानदण्ड अधिकथित किए गए हों, तो सहायक आचार्य तथा उसके समतुल्य पद पर नियुक्तियों के लिए भी वे लागू होंगे।

(3) विश्वविद्यालय के ऐसे कर्मचारी जो अपेक्षित अर्हता या अन्य शर्तें (यदि कोई हों) पूरित करते हैं, आवेदन करने के लिए पात्र होंगे और उनके आवेदन अन्य अभ्यर्थियों के साथ विचारण में लिए जाएंगे।

(4) अधिनियम तथा इस परिनियम के किसी उपबंध में किसी प्रतिकूल बात के अन्तर्विष्ट होते हुए भी सहायक आचार्य तथा राष्ट्र आचार्य के प्रवर्ग में अध्यापकों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् तथा मध्यप्रदेश सरकार द्वारा समय-समय पर अधिकथित किए गए मानदण्डों के अनुसार योग्यता पदोन्नति स्कीम के अधीन क्रमशः राष्ट्र आचार्य तथा आचार्य के पदों पर पदोन्नत किया जा सकेगा :

परन्तु ने अध्यापक जिन्होंने जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर में सेवा करते हुए योग्यता पदोन्नति स्कीम के अधीन पदोन्नति/नियुक्ति के लिए विकल्प दिया है वे दिनांक 27.07.1999 तक, वे उसी स्कीम द्वारा शासित होते रहेंगे तथा योग्यता पदोन्नति स्कीम के अधीन उसमें विहित वेतनमान के लिए हकदार होंगे।

(5) विश्वविद्यालय के अध्यापक यदि वे विकल्प देते हैं, तो कैरियर अभिवर्धन स्कीम के लाभ जोकि मध्यप्रदेश सरकार, कृषि विभाग के आदेश क्रमांक –बी–4–39/87/14–2, दिनांक 9 मार्च, 1989 में अन्तर्विष्ट है तथा जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्/मध्यप्रदेश सरकार तथा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर उपांतरित किए जाएं या संशोधित किए जाएं, प्राप्त करने के भी हकदार होंगे।

(6) वृत्ति अभिवर्धन स्कीम, विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष तथा क्रीड़ा अधिकारी तथा उनके समतुल्य समस्त पदों को भी लागू होगी।

(7) वृत्ति अभिवर्धन स्कीम के अधीन चयन के लिए विचारण में लिए जाने वाले मामलों के लिए चयन समिति का गठन किया जायेगा तथा छंटनी/चयन, मध्यप्रदेश सरकार, कृषि विभाग के आदेश क्रमांक –बी–4–39/87/14–2, दिनांक 9 मार्च, 1989 में अंतर्विष्ट तथा समय-समय पर यथा उपांतरित या संशोधित किए गए उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(8) विश्वविद्यालय सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) सेवा में प्रवेश के समय को छोड़कर विनियम में विनिर्दिष्ट वर्ग–एक, वर्ग–दो तथा वर्ग–तीन के रूप में परिभाषित गैर अध्यापन सेवा कार्मिक के पद पर भर्ती, विश्वविद्यालय के कर्मचारियों में से वरिष्ठता-सह-योग्यता के आधार पर 80 प्रतिशत तक पदोन्नति द्वारा भरे जाएंगे तथा शेष 20 प्रतिशत पद विश्वविद्यालय के पात्र स्टाफ में से जो उन पदों के लिए अपेक्षित अर्हता रखते हैं, विभागीय परीक्षा संचालित कर वरीयता योग्यता के आधार पर विज्ञापन और चयन द्वारा भरे जाएंगे :

परन्तु गैर अध्यापन सेवा कार्मिक के पदों पर भर्ती, विज्ञापन तथा खुली प्रतियोगिता के माध्यम से ऐसी प्रक्रिया के अनुसार जैसी कि विश्वविद्यालय के बोर्ड द्वारा समय-समय पर अधिकथित की जाए की जाएगी :

(17)

परन्तु यह और कि विश्वविद्यालय की कार्यशाखा के वर्ग-दो तथा अन्य सभी पदों के लिए, विश्वविद्यालय के कर्मचारियों में से पदोन्नति हेतु 80 प्रतिशत कोटा नियत किया जाएगा तथा 20 प्रतिशत कोटा विज्ञापन के माध्यम से सीधी भर्ती के लिए नियत किया जाएगा। यदि रिक्त पद की प्रकृति ऐसी है कि वांछित प्रकार के व्यक्ति की नियुक्ति या तो पदोन्नति कोटा से या विज्ञापन के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा करने में विश्वविद्यालय असमर्थ है, तो कुलपति मध्यप्रदेश सरकार से उपयुक्त व्यक्ति की सेवाएं प्रतिनियुक्ति पर अभिप्राप्त कर सकेगा।

(9) गैर अध्यापन सेवा वार्षिक, मध्यप्रदेश सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञापन क्रमांक एफ–11/1/से.आ.प्र./99 दिनांक 17.03.1999/19.04.1999 में विहित समयों के अनुसार क्रमोन्नति योजना के तथा समसमान जैसा कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किया जाए, के लाभों को प्राप्त करने के भी हकदार होंगे।

(10) विज्ञापन के माध्यम से सीधी भर्ती के मामले में, विज्ञापन के अवतरण में प्राप्त आवेदनों की, सर्वप्रथम, कुलपति द्वारा नियुक्त की गई समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी जो उन आवेदकों के नामों की, जिन्होंने उस पद के लिए विचार करने हेतु विहित अर्हताओं को पूर्ति की है, अनुशंसा कुलपति को करेगी। उक्त समिति द्वारा सिफारिश किए गए तथा कुलपति द्वारा अनुमोदित आवेदकों को चयन समिति द्वारा साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा। आचार्य, सह-आचार्य तथा उसके समतुल्य अध्यापन पदों के चयन के मामले में, चयन समिति द्वारा स्वविवेक से ऐसे आवेदकों की अभ्यर्थिता पर जो कि साक्षात्कार की तारीख को विदेश में हों, अनुपस्थिति पर भी विचार करेगी।

(11) चयन समिति, कुलपति को प्रत्येक रिक्ति के लिए योग्यता के क्रम में रखे गए तीन से अनधिक नामों के पैनल की अनुशंसा करेगी।

(12) सीधी भर्ती के मामलों में, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों के नागरिकों के साथ-साथ महिलाओं के पक्ष में (एक) मध्यप्रदेश लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण) अधिनियम, 1994 (क्रमांक 24 सन् 1994) तथा (दो) मध्यप्रदेश सिविल सेवा (महिलाओं की नियुक्ति हेतु विशेष उपबंध) नियम, 1997 तथा उनमें समय-समय पर किए गए संशोधनों के अनुसार, पदों में रिक्तियां आरक्षित रखी जाएंगी;

(13) वर्ग-दो, वर्ग-तीन तथा वर्ग-चार प्रवर्गों के जो पद सीधी भर्ती के माध्यम से भरे जाना है मध्यप्रदेश सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञापन क्रमांक एफ-8-2/96/पंद्रह दिनांक 30.05.1997 तथा तत्पश्चात उक्त प्रवर्गों में आरक्षण को विनियमित करने हेतु समय-समय पर जारी किये गए निर्देशों के अनुसार छह प्रतिशत पद अंधे, गूंगे तथा अन्य शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए आरक्षित रखे जाएंगे।

(14) विश्वविद्यालय के कर्मचारियों में से पदोन्नति द्वारा भर्ती के मामले में विश्वविद्यालय प्रत्येक प्रवर्ग का, जिसमें पदोन्नति द्वारा नियुक्ति की जानी हो, अध्यारण करेगा जो कैडर कैडर कहलाएगा। चयन समिति केवल उन कर्मचारियों के नामों पर विचार करेगी जिन्होंने कैडर कैडर में अपेक्षित न्यूनतम सेवा अवधि पूर्ण कर ली हो। पदोन्नति, मध्यप्रदेश लोक सेवा (पदोन्नति) नियम, 2002 उक्त समय-समय पर उसमें किए गए संशोधन के अनुसार की जाएगी।

1. नियुक्ति की प्रक्रिया :–

(1) इस परिनियम के अनुसार सह आचार्य तथा उसके समतुल्य पदों तथा की श्रेणी के समतुल्य अधिकारियों तथा अध्यापन पदों के लिए सिफारिश किए गए व्यक्तियों की सूची कमानुसार तैयार करेगी, कुलपति द्वारा अपनी रायें की अभिलिखित सिफारिशों के साथ विनिश्चय के लिए बोर्ड को प्रस्तुत की जाएगी।

(2) बोर्ड, सिफारिशों को स्वीकार और अनुमोदित कर सकेगा या सिफारिशों को अनुमोदित करने से इन्कार करने के लिखित में कारण देते हुए लौटा देगा। ऐसे मामले में कुलपति, योग्यता क्रमानुसार सिफारिश किए गए व्यक्तियों की एक अन्य सूची सम्यक् अनुक्रम में बोर्ड को प्रस्तुत करेगा।

(3) इस परिनियम के उपबंध 4 के उपबंधों के अनुसार न्यूनतम अर्हता की पूर्ति के अध्यधीन रहते हुए कुलपति आपात स्थिति में कुछ मास की अनधिक अवधि के लिए किसी अध्यापन पद पर तदर्थ नियुक्ति करेगा। छह मास की अवधि के परे ऐसी तदर्थ नियुक्ति के विस्तार के लिए बोर्ड का अनुमोदन अपेक्षित होगा।

(18)

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

Post-wise Total Number of Sanctioned, Filled & Vacant Post of Non Teaching Staff Class-III

(Annexure-I)

S.No.	Budget Head / Designation (Re-Designation)	Pay Scales as on 01.01.2006	Total Post			B(a)-I CO-I(NP) College of Agri. Lahore			B(a)-II CO-II(NP) College of Agri. Gwalior			B(a)-V CO-V(NP) RVSK College of Agri. Sehore			B(a)-III CO-III(NP) ZVM College of Agri. Khandwa			B(a)-IV CO-IV(NP) RVSK College of Hort. Mandsaur		
			S	F	V	S	F	V	S	F	V	S	F	V	S	F	V	S	F	V
1	Computer Operator	9300-34800+3200	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1
2	Sub Engineer	9300-34800+3200	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1
3	Mechanic	5200-20200+2800	2	1	1	0	0	0	1	0	1	1	1	0	0	0	0	0	0	0
		5200-20200+2800	2	1	0	2	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		5200-20200+1900	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	0
4	Farm Manager/Farm Supt.	5200-20200+2400	3	0	3	1	0	1	0	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1
5	Dairy Manager/Dairy Asstt.	5200-20200+2800	3	0	3	0	0	0	1	0	1	2	0	1	1	0	1	0	0	0
6	Agril. Overseer (A.E.O.)	5200-20200+2800	2	1	1	1	0	1	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0
7	Jr. Steno-Typist, Hindi	5200-20200+2800	5	1	4	1	0	1	1	0	1	1	1	0	1	0	1	1	0	1
9	Computer	5200-20200+2400	3	0	3	1	0	1	1	0	1	0	0	0	1	0	1	0	0	0
		5200-20200+1900	1	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0
10	Jr. Computer	5200-20200+2400	3	0	3	1	0	1	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0
11	Horticulture Asst.	5200-20200+2400	10	3	7	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	10	3	7
12	Lab Technician	5200-20200+2400	27	10	17	9	6	3	9	3	6	9	4	5	0	0	0	0	0	0
13	Electrician	5200-20200+2400	4	0	4	1	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	0
		5200-20200+2100	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0
14	Oil Fuel Lubricant/Gas Mistry (F.L.G.)	5200-20200+2100	9	2	7	3	0	3	2	0	2	4	2	2	0	0	0	0	0	0
15	Tractor Driver	5200-20200+2000	5	1	4	1	0	1	1	0	0	1	0	1	2	1	1	1	0	0
16	Store Keeper	5200-20200+1900	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1
17	Laboratory Asst.	5200-20200+1900	5	0	5	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	5	0	5
18	Asstt. Gr-3	5200-20200+1900	21	8	13	6	5	1	3	1	2	4	0	4	1	1	0	4	1	3
19	Driver	5200-20200+1900	13	2	11	1	0	1	2	0	2	2	0	2	6	1	5	2	1	1
20	Bus Driver	5200-20200+1900	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1
		Total	136	32	105	27	12	15	22	1	21	27	10	17	10	3	15	22	6	16

Note: Details of Positive reservation or indicated in the concerned cadre file.

पदनाम के भरे जाने वाले पदों का विवरण

Post-wise Total Number of Sanctioned, Filled & Vacant Post of Non Teaching Staff Class-III

(Annexure-I)

S.No.	Budget Head / Designation	Pay Scales as per 01.01.2006	Total Post			B(a) 4 COA(NP) College of Agril., Gwalior			B(a) 2 COA(NP) College of			B(a) 7 COA(NP) RAK College of			B(a)10 COA(NP) JNI College of Agril.			B(a)11 COA,NP KNK College of		
			S	F	V	S	F	V	S	F	V	S	F	V	S	F	V	S	F	V
1	Asstt. Account Officer	9300-34800+4200	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1
2	Section Officer	9300-34800+4200	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	0
3	Asstt. Gr.-I	5200-20200+2500	7	3	4	1	0	1	2	2	0	1	1	0	2	0	2	2	1	1
4	Asstt. Gr.-III (accountant)	5200-20200+2400	11	9	2	2	2	0	4	4	0	1	1	0	2	2	0	2	0	2
	Total		20	12	8	3	2	1	5	5	0	2	2	0	5	2	3	5	1	4

Registrar

Post-wise Total Number of Sanctioned, Filled & Vacant Post of Non Teaching Staff Class-IV(Date- 25.07.2017)

(Annexure-I)

S.No.	Budget Head / Designation (Re-Designation)	Pay Scales as per 01.01.2006	Total Post			B(a) 4 COA(NP) College of Agril., Indore			B(a) 3 COA(NP) College of Agril., Gwalior			B(a) 7 COA(NP) RAK College of Agril., Sehore			B(a)10 COA(NP) JNI College of Agril., Khandwa			B(a)11 COA,NP KNK College of East Nimar		
			S	F	V	S	F	V	S	F	V	S	F	V	S	F	V	S	F	V
1	Group Attendant/ Pump Driver (Tractor Driver/ Oil Seed Attendant)	5200-20200+1800	5	0	5	1	0	1	1	0	1	2	0	2	1	0	1	0	0	0
2	Lab Attendant	5200-20200+1900	28	2	26	9	0	9	8	0	8	11	2	9	5	0	5	0	0	0
3	Hamal & Malin (Field Attendant)	4440-7440+1300	8	1	7	1	1	0	0	0	0	3	0	0	4	0	4	4	1	3
4	Library Attendant	4440-7440+1300	3	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	2	1	0	1
5	Janitor/ Sweeper	4440-7440+1300	7	1	7	2	0	2	2	0	2	1	0	1	2	0	2	0	0	0
6	Peon/Chokidar/Farash (Farm Messenger)	4440-7440+1300	28	12	16	6	4	2	7	5	2	5	1	3	10	1	9	0	0	0
7	Daftari/Farrash (Daftari)	4440-7440+1300	3	1	2	0	0	0	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	0
8	Messenger	4440-7440+1300	3	0	3	2	0	2	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0
9	Sweeper	4440-7440+1300	4	0	4	2	0	2	1	0	1	1	0	1	0	0	0	0	0	0
	Total		91	17	74	23	5	18	20	5	15	22	4	18	25	2	23	5	1	4

Note: Details of Postwise reservation are indicated in the concerned entire file.

Registrar

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग

भोपाल, दिनांक 20 फरवरी 2009

[illegible]

[illegible] 2009 [illegible] – [illegible] 2009 [illegible] 4 [illegible] 2009 [illegible] 12 फरवरी [illegible] 2009 [illegible]

[illegible] 2009 [illegible] – In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 51 of the Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishwavidyalaya Adhiniyam, 2000 (No. 4 of 2000), the State Government hereby specifies the [illegible] as the date for purpose of the said sub-section.

[illegible] – [illegible] कृषि विश्वविद्यालय अधिनियम, 2000 (क्रमांक 4 सन् 2000) की धारा 51 [illegible] 12 फरवरी सन् 2009 को उक्त अधिनियम के प्रयोजनार्थ [illegible]

[illegible] – In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 51 of the Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishwavidyalaya Adhiniyam, 2000 (No. 4 of 2000), the State Government hereby [illegible] Research and [illegible] work undertaken [illegible] of the said Act [illegible] specified in sub-section (1) of said Section of the said Act [illegible] of the Vishwavidyalaya.

[illegible]

[illegible]

(22)

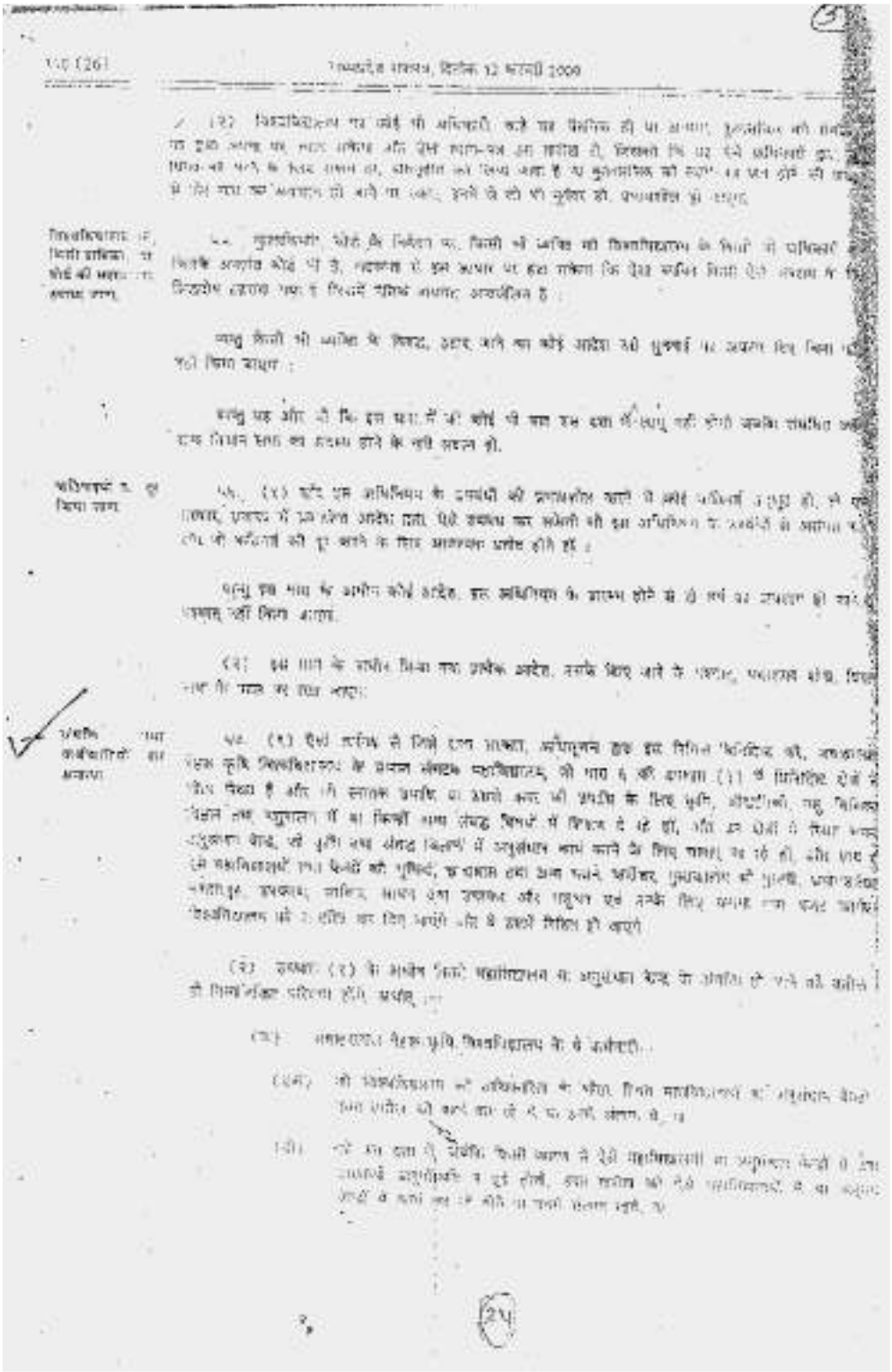

मध्यप्रदेश राजपत्र, दिनांक 12 फरवरी 2009 192 (27)

(4)

(ग) उन कर्मचारियों को छोड़कर जिनके पदों औद्यानिकी महाविद्यालय, चंदवाड़, कृषि महाविद्यालय, टीकमगढ़ और पशुचिकित्सा विज्ञान और पशुपालन महाविद्यालय, रीवा में सृजित पृथक् [illegible] पदों के विरुद्ध की गई हैं, जो विश्वविद्यालय में स्थानान्तरण का विकल्प देते हैं और जो इस प्रयोजन के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित समिति द्वारा उस स्थान की संख्या का उस सरकार द्वारा तथा विश्वविद्यालय के बीच अनुपात स्थिर करने;

विश्वविद्यालय के कर्मचारी को [illegible] और राज्य सरकार, विश्वविद्यालय के अधीन सेवाओं को समाप्त करने [illegible] द्वारा शासित हों.

परन्तु ऐसे कर्मचारियों के विश्वविद्यालय की सेवा में, उसके मुख्यालय के परिवर्तनकरण, विश्वविद्यालय द्वारा [illegible] निबंधन तथा शर्तें, नियमावली [illegible] शर्तों से कम अनुकूल नहीं होंगी जो ऐसे कर्मचारियों को उनकी [illegible] के पश्चात् थी.

(घ) ऐसी किसी अधिकारिता, निर्णय अधिकार, कार्यवाही या दायित्व के, जो जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय द्वारा [illegible] महाविद्यालय या अनुसंधान केन्द्र के संबंध में अर्जित किए गए हों, उसी प्रकार हुए, हो या उसके द्वारा उपगत किए गए हों, संबंधित यह समझा जाएगा कि वह विश्वविद्यालय [illegible] अधिकारिता, प्रोद्भूत या उपगत किया गया अधिकार, निर्णयाधिकार, कार्यवाही या दायित्व है.

(ङ) जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय द्वारा महाविद्यालय, महाविद्यालय या अनुसंधान केन्द्र के संबंध में की गई [illegible] के संबंध में यह समझा जाएगा कि वह विश्वविद्यालय द्वारा की गई समझी है.

(2) इस धारा में किसी बात [illegible] यह नहीं समझा जाएगा कि वह उपधारा (1) के अधीन विश्वविद्यालय [illegible] किए गए किसी महाविद्यालय या अनुसंधान केन्द्र की किसी भूमि या भवन को, उस सरकार की पूर्व [illegible] के बिना, बेचने, गिरवी पर देने, [illegible] निकाल करने या अन्यथा संक्रामण करने के लिए विश्वविद्यालय को [illegible] करती है.

(3) यदि राज्य सरकार का [illegible] समाधान हो जाए कि विश्वविद्यालय में कुप्रशासन या निहित कुप्रबंध के [illegible] परिस्थिति उत्पन्न हो गई है [illegible] कि विश्वविद्यालय की निर्धारित विनियम अनुपालित नहीं हो रहे हैं, तो वह [illegible] द्वारा यह घोषित कर सकेगी कि [illegible] विश्वविद्यालय की ऐसी व्यवस्था राज्य सरकार के नियंत्रण के अध्यधीन होगी.

राज्य सरकार अधिसूचना परिस्थितियों में जिलीय नियंत्रण प्रदान करेगी

(4) उपधारा (3) के अधीन [illegible] की गई अधिसूचना के प्रभाव में रहने की कालावधि के दौरान, राज्य सरकार [illegible] प्रशासक द्वारा विस्तार द्वारा [illegible] कर सकेगा कि वह उक्त विश्वविद्यालय को ऐसे निदेश दे सकेगी कि [illegible] विशेष अधिकार के ऐसे [illegible] जो कि निदेश में विनिर्दिष्ट हैं, अनुपालन करे और ऐसी अन्य निदेश [illegible] जिन्हें कि राज्य सरकार उस [illegible] के लिए आवश्यक या समीचीन समझे.

(5) इस अधिनियम में संलग्नित [illegible] के होते हुए भी, किसी ऐसे निदेश के अनुसरण कोई ऐसा अध्यधीन [illegible]—

(एक) [illegible] यह है कि चयन मंडलों के लिये [illegible] सरकार को प्रस्तुत किया जाए;

(25)

परिशिष्ट 5-5

मध्यप्रदेश शासन
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग
मंत्रालय

क्र. पी 4/11/5/14-2 भोपाल, दिनांक 28 फरवरी 2009

प्रति,

1. कुलपति
जे.एन.के.वि.वि. जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
2. कुलपति
राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

विषय :- राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, अधिनियम 2009 के द्वारा ग्वालियर में कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना बाबत।

संदर्भ :- इस विभाग का समसंख्यक पत्र दिनांक 10/09/2008

कृपया संदर्भित पत्र का अवलोकन करें। ग्वालियर कृषि विश्वविद्यालय अध्यादेश 2008 के द्वारा दिनांक 19 अगस्त 2008 से ग्वालियर में नवीन कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है। अध्यादेश के स्थान पर राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, अधिनियम 2009 दिनांक 12/02/2009 से राजपत्र में प्रकाशित किया गया है। अधिनियम की धारा 6 (1) में नवीन कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के क्षेत्राधिकार का उल्लेख किया गया है।

नवीन कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर की स्थापना हेतु बजट, निधियों का हस्तांतरण, शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के आवंटन आदि के संबंध में मंत्रि परिषद की बैठक दिनांक 05 अगस्त 2008 में आदेश प्राप्त किया गया है। मंत्रि परिषद आदेश दिनांक 05 अगस्त 2008 के परिपालन में कृपया निम्नानुसार कार्यवाही तत्काल सुनिश्चित करें :-

1. राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर की स्थापना के फलस्वरूप उनके क्षेत्राधिकार में जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के जिन महाविद्यालय/ अनुसंधान/ कृषि विज्ञान केन्द्र स्थानान्तरित हुए हैं उनके समस्त पद, उन पर वर्तमान में पदस्थ अमला एवं बजट सहित राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर को आवंटित/हस्तांतरित किया जाये।
2. राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में जितने भी शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक अधिकारी/कर्मचारी जहां एवं जिस पद एवं स्थान पर संलग्न या पदस्थ हैं, वह जिस विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में आ गये हैं उन्हें उसी विश्वविद्यालय को आवंटित माना जाये। उनकी समस्त अभिलेख तत्काल सूची बनाकर ग्वालियर कृषि विश्वविद्यालय को हस्तांतरित किये जाये।

रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर
आवक क्रमांक 1260
दिनांक 4/3/09

(26)

(8)

3. जिन वैज्ञानिकों/कर्मचारियों के द्वारा उक्त आवंटन के विरुद्ध विकल्प दिये जाते हैं, तो उन विकल्पों पर उनके मूल निवासी, अचल संपत्ति एवं अन्य सर्वसुगम पारिवारिक कारणों तथा पदों की उपलब्धता के आधार पर विचार कर पुनर्वितरण किया जा सकेगा। यह कार्यवाही प्रथमतः दोनों कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति आपसी सहमति से करें तथा जिन प्रकरणों पर सहमति नहीं बनती है उनका पुनर्वितरण समिति की अनुशंसा पर किया जावे।

4. भविष्य निधि, पेंशन निधि एवं अन्य निधियां आदि का बटवारा — विभाजन उपरान्त स्थानान्तरित/आवंटित अधिकारियों/कर्मचारियों की भविष्य निधि, पेंशन निधि आदि की राशि संबंधित विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराई जावे। साथ ही विभाजन उपरान्त दोनों विश्वविद्यालयों के कार्यालय में संलग्न/पदस्थ हुए संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों की दिनांक 19 अगस्त 2008 के बाद सेवा निवृत्ति पर पेंशन, ग्रेच्युटी इत्यादि का भुगतान संबंधित विश्वविद्यालय द्वारा ही देय होगा।

5. बजट एवं आवश्यक अनुदान के बंटवारे का भी विवरण की तैयार कर कार्यवाही की जावे।

कृपया उपरोक्त बिन्दुओं पर प्रथमतः कार्यवाही दोनों विश्वविद्यालय की संयुक्त समिति गठित कर एक माह में पूर्ण कर ली जावे तथा जिन प्रकरणों पर सहमति नहीं बनती है या अन्य विवाद है, उन प्रकरणों को राज्य शासन द्वारा गठित समिति को अंतिम निर्णय हेतु संदर्भित किया जावे।

(प्रवेश शर्मा)
प्रमुख सचिव
मध्यप्रदेश शासन
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग

पृ. क्र. वि.—4/ /05/14-2 भोपाल, दिनांक 28 फरवरी 2010

प्रतिलिपि —

1. राज्यपाल के सचिव, राजभवन, भोपाल।
2. सचिव मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश शासन, मंत्रालय, भोपाल।
3. अपर मुख्य सचिव, सह कृषि उत्पादन आयुक्त, मध्यप्रदेश मंत्रालय, भोपाल
4. प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन, पशुपालन/आदिम जाति कल्याण उद्यानिकी, वित्त विभाग, मंत्रालय, भोपाल
5. महालेखाकार, मध्यप्रदेश ग्वालियर
6. आयुक्त एवं संचालक, बीमा तथा स्थानीय निधि सम्परीक्षा, म.प्र. ग्वालियर
7. संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास/पशुचिकित्सा सेवाएं, भोपाल
8. कुलसचिव/संयुक्त निबंधक, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर/ग्वालियर

1. निज सचिव, मंत्री, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, भोपाल

उप सचिव, मध्यप्रदेश शासन
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग

(24)

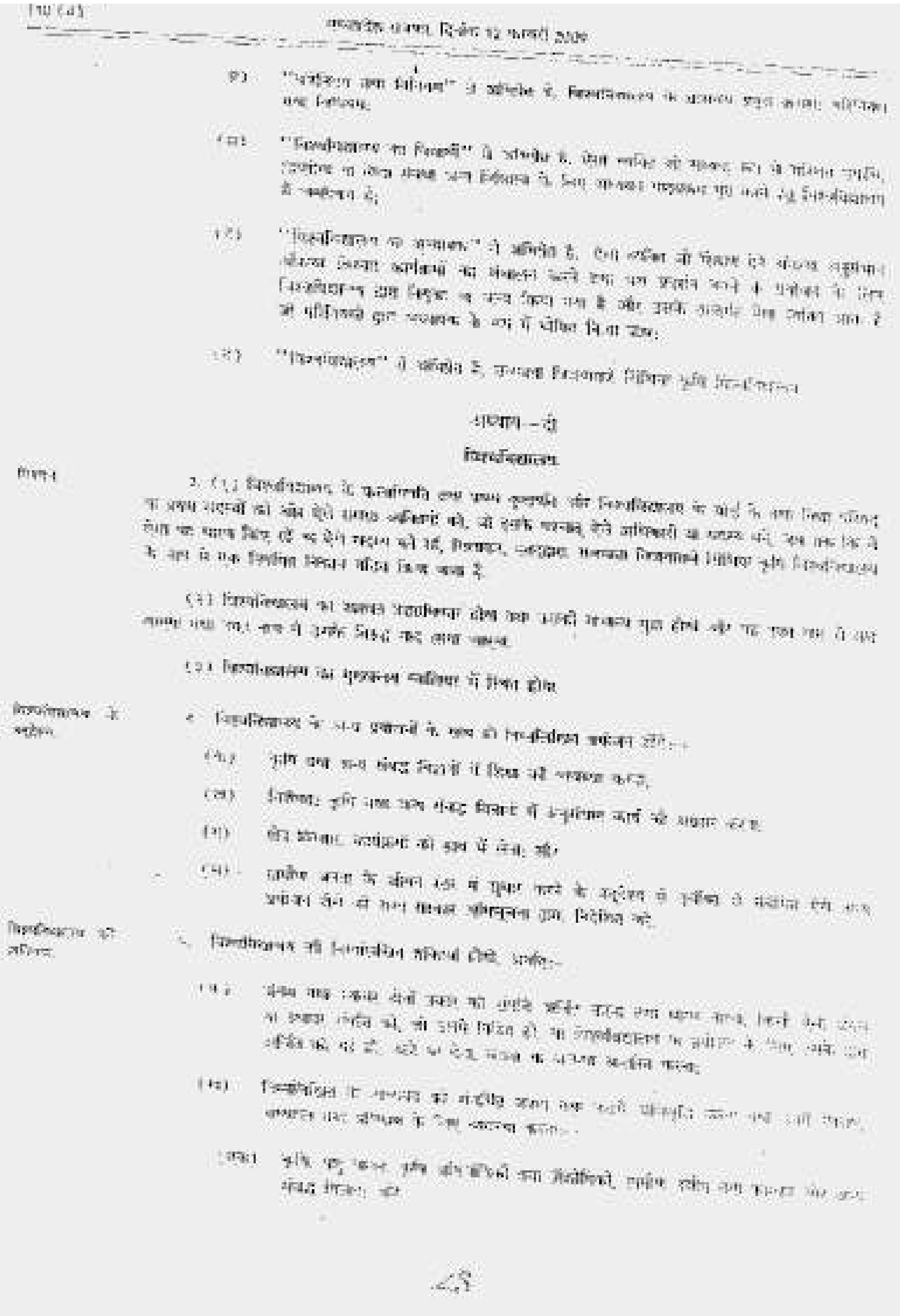

मध्यप्रदेश राजपत्र, दिनांक 12 फरवरी 2009

(घ) ''विश्वविद्यालय'' से अभिप्रेत है, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय.

अध्याय — दो

विश्वविद्यालय

(3) विश्वविद्यालय का मुख्यालय ग्वालियर में स्थित होगा.

(क) कृषि तथा अन्य संबद्ध विज्ञानों में शिक्षा की व्यवस्था करना;

(ग) और ऐसे कार्यकलापों को हाथ में लेना; और

5. विश्वविद्यालय की निम्नलिखित शक्तियां होंगी, अर्थात्:—

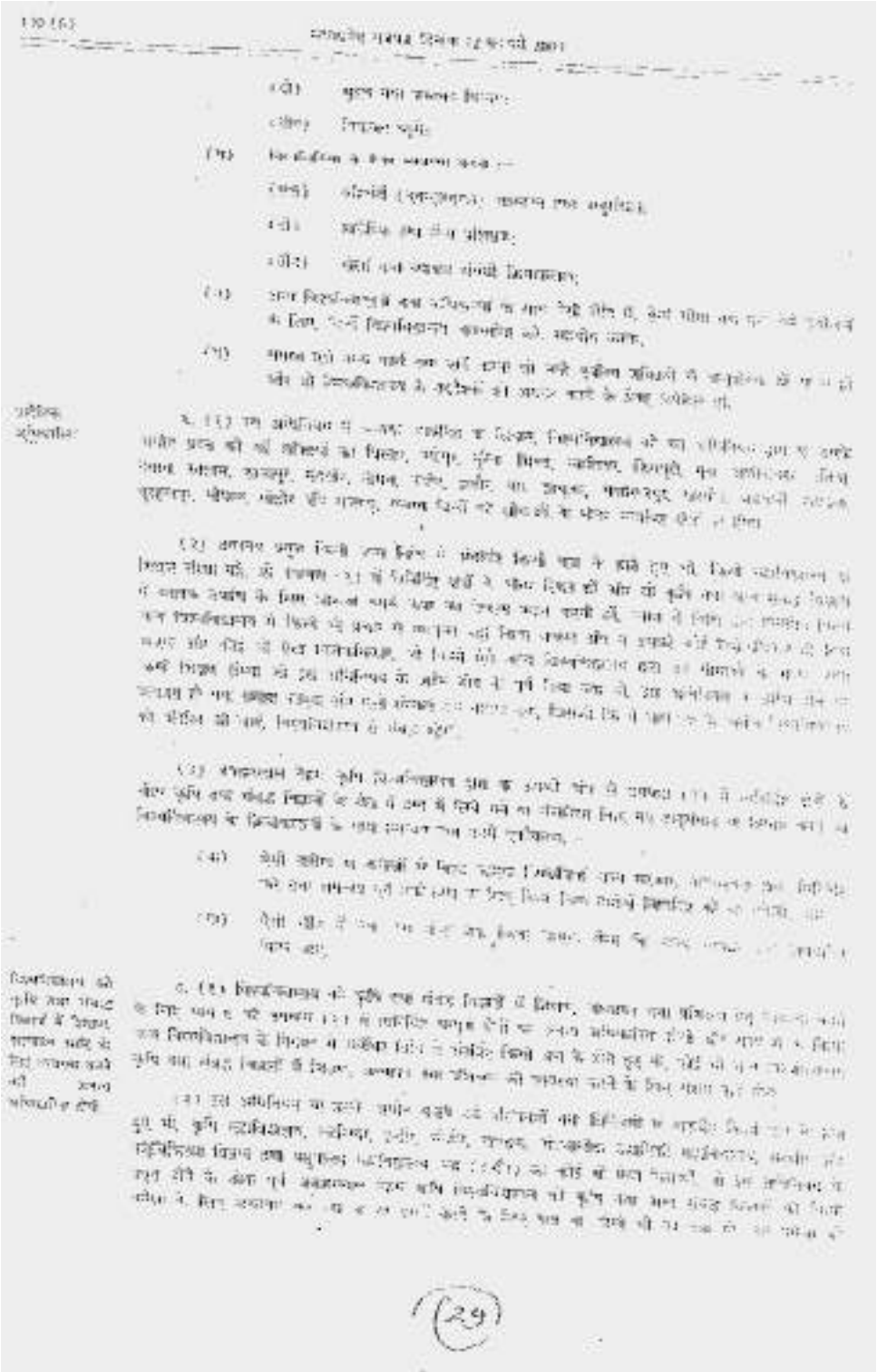

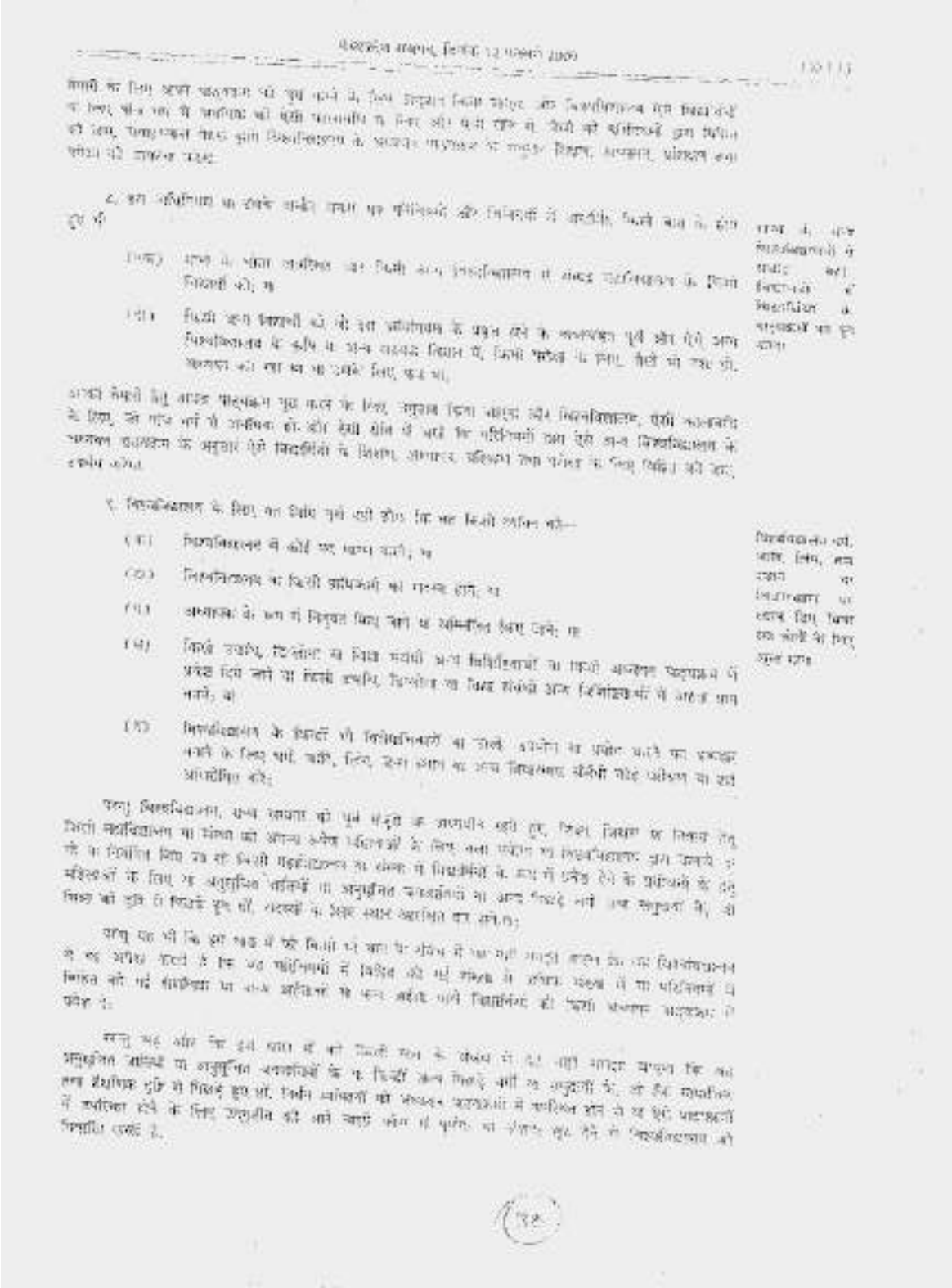

6.6.5.2. Participation of Faculty in Symposia/Workshops:

FOR THE YEAR 2015-16

Research papers/Abstract (Presented & Published)/Books/Book Chapters/ Teaching Manual/ Popular Articles etc.

S. No.	Category of publication	Nos
1	Research paper presented in the seminar/ Souvenir	60
2	Abstract Published in Seminar/Symposia/Conferences	133

1 Research papers presented in the seminar/ Symposium:

1. Arora, Asha (2015). Evaluation of leaching behavior of metribuzin under two irrigation levels. 25th Asian-Pacific Weed Science Society Confeence on weed sceince for sustainable agriculture, environment and biodiversity, Hyderabad, India duing 13-16 October, 2015, pp 438.
2. Bharvey, H. C. and Kanpre, R. N. (2015). Study of M.Sc. Theses in floriculture and landscape architecture, department at K.N.K. College of Horticulture Mandsaur, (M.P.). National conference on contrivance of academic library in digital era 2015.
3. Dwivedi, S. K. (2015). Processing and value addition in seed spices, onion and garlic in proceeding of District level seminar conducted by spices board of India during 02-03 December 2015.
4. Dwivedi, S. K.; Pandey, A.; Pandey, G. N. and Mishra, S. N. (2015). Development of protocol for preparation and preservation of ginger flavored Aonla candy for nutritional and biochemical evaluation. In proceeding during First International conference on advances in food science and technology (ICAFST-2015) during November 20-22, 2015 at Kottayam. P1.
5. Dwivedi, Shailendra Kumar; Tiwari, Rajesh and Pandey, Ankit (2016). Studies on preparation, packaging and storage stability of nutritionally rich fruit leather of bael and aonla pulp. Published in Abstract Book of Global Ravine Conference on Managing Ravines for Food and Livelihood Security organized by RVSKVV, Gwalior during March 07 to 10, 2016 at Gwalior (M.P.) pp 89.
6. Gorana, Hemlata; Singh, Om; Gallani, R.; Singh, Richa and Singh, Pratiksha (2016). Effect of zinc and boron on growth and yield of different cultivars of garlic (*Allium sativum* L.) International seminar by Samagra Vikas Welfare Society, Lucknow, India during 09-10 January 2016.
7. Gurjar, Lal Singh; Barholia, P.K.S.; Haldar, A.K. and Shrivastava, A. (2015). Effect of organic manures and inorganic fertilizers on growth and flower yield of marigold (*Tagetes erecta* L.) var. Pusa Narangi Gainda. The paper was presented in 3rd Internal Conference on Environmental Friendly Agriculture & Horticulture in planning of a smart city, held on 12-14 Dec. 2015. Sponsored by MANIT, EPCO, NHB, MPCST, JMBVSS & Sus Tran Con (USA). Organized by JANPARISHAD at Bhopal (M.P.) India. Abstract p 170.

8. Gurjar, Lal Singh; Barholia, P.K.S.; Lekhi, A.K.; R. Vasure, Narendra and Haldar, A. (2016). Effect of plant growth regulators on cucumber (*Cucumis sativus* L.) under protected cultivation in gird zone of M.P. Paper was presented in poster session of Global Ravine Conference on Managing ravines for food and livelihood security (GRC 2016). March 7-10-2016. Abstract p 217.
9. Jain, A. K.; Kushwah, S. S.; Patidar, H. and Mishra, S. N. (2016). Studies on combining ability in pea (*Pisum sativum* L.). Poster presented in National symposium on vegetable legumes for soil and human health organized from 12-14 February at IIVR, Varanasi by ISVS, Varanasi, APIV, Varanasi and ISPRD, Kanpur.
10. Kasana, B.S.; Dixit, J.P.; Tripathi, M.L. and Sharma, J. (2015). Importance of organic amelioration for sustaining the soil health under changing climate scenario. Paper presented in national seminar on organic ameliorants for soil resilience and environmental security at RVSKVV, Gwalior during 19 – 21 August, 2015. P.91.
11. Kasana, B.S.; Gupta, S.; Dixit, J.P. and Prajapati, B.L. (2015). Agromet advisory services – A safe gourd to extreme weather event. Paper presented in National seminar on climate change and smart agriculture technologies at RVSKVV, Gwalior during 13 – 14 June, 2015. P. 123.
12. Khan, K. A. (2015). Presented Poster in 50thConvention and Symposium of Indian Society of Agricultural Engineers (ISAE) organized by College of Ag. Engg. & Tech., OUAT, Bhubaneswar, Odisha on 19-21 January, 2016.
13. Khan, K. A. (2015). Youth ready for climate change organized by Indian institute of forest management, Bhopal on 28-29 July, 2015.
14. Khan, K. A. and Nema, P.K. (2015). Packaging of fruits and vegetables in retail packages for super markets" published in commodityIndia.com**15**.
15. Kushwah, G.; Sharma, R. K.; Kushwah, S. S. and Mishra, S. N.(2016). Effect of different organic manures, inorganic fertilizers and the varieties, on growth, yield and quality of carrot (*Daucus carota* L.). International seminar on indigenous technologies for sustainable agriculture and better tomorrow (09-10 January 2016) at NBRI, Lucknow (U.P.): 145.
16. Kushwah, S. S.; Choudhary Jitendra.; Singh, O. P. and Naruka, I. S. (2016). Evaluation of morphological, growth, yield and quality traits in Indian bean germplasm. Poster presented in national symposium on vegetable legumes for soil and human health" organized from 12-14 February at IIVR, Varanasi by ISVS, Varanasi, APIV, Varanasi and ISPRD, Kanpur.
17. Kushwah, S. S.; Maida, S.K.; Singh, O. P. and Naruka, I. S. (2015). Influence of mulching on yield, economics and water use efficiency in cauliflower (*Brassica oleracea* L. var. *botrytis*). Poster presented in National Seminar on organic ameliorants for soil resilience and environmental securities organized from 19-21 August at Gwalior by RVSKVV, Gwalior.
18. Kushwah, S.S.; Kharje, S.; Singh, O. P. and Naruka, I. S. (2015). Protected cultivation and growth regulators to mitigate the adverse climatic conditions for summer squash cultivation. Poster presented in national seminar on climate change and smart agriculture technologies organized from 13-14 June at Gwalior by RVSKVV, Gwalior.
19. Kushwah, S.S.; Singh, O. P.; Naruka, I. S. and Sharma, R. K. (2016). Annual drumstick cultivation- an option for livelihood under ravine ecosystem. Oral paper presented in

Global Ravine Conference on managing ravine for food and livelihood security organized from 7-10 March at Gwalior by RVSKVV Gwalior.

20. Mujalde, S.; Sharma, A.K. and Ranade, D.H.(2015). Seed priming: Anew technology for improve early seed emergence and establishments of crops in rainfed conditions of India: Silver jubilee national seminar on dry land agriculture in vidarbha association for research technology and development in agriculture and rural sectors (VART-DARS).
21. Pandey, Ankit; Somvanshi, S.P.S.; Tiwari, Rajesh and Tripathi, M.K. (2015). Impacts of climate change and adaptation strategies for Horticultural crops in Madhya Pradesh. Published in Abstract Book of National Seminar on Climate change and Smart Agriculture Technologies organized by RVSKVV, Gwalior during 13 to 14 June 2015 at Gwalior (M.P.) pp72-73.
22. Pandey, G. N.; Patidar, B. K.; Patel, R. P. and Patidar, D. K. (2016). Study on integrated management of Ashwagandha (*Withania somnifera*) poster presented in Global ravine conference on managing ravines for food and livelihood security held at RVSKVV Gwalior. March 7-10, 2016.
23. Parsai, S.K. and Moghe, Vinay (2015) Evaluation of insect insecticides against major sucking pest of cotton paper presented in National symposium on future Technologies: Indian cotton in the Next Decade held at Acharya Nagarjuna University, Guntur, December 17-19, 2015
24. Patel, R. P.; Patidar, B.K.; Pandey G.N. and Tripathi M. K. (2015). Effect of temperature and R.H. on stem gall disease of coriander (*Protomyces macrosporus*). Poster presented on National seminar on climate change and smart agriculture technologies, held at RVSKVV Gwalior. June 13-15, 2015
25. Patel, R. P.; Tripathi, M. K.; Tiwari, R.; Pandey, G. N. and Patidar, B. K. (2016). Effect of temperature, relative humidity and rain fall on powdery mildew disease spread in mhaneem (*Ailanthus excelsa*) caused by *Pseudoidium ailanthi* poster presented in Global ravine conference on managing ravines for food and livelihood security held at RVSKVV Gwalior during March 7-10, 2016.
26. Patidar, H.; Mishra, S. N.; Pandey, G. N. Chundawat, R. S.; Patidar, B. K. and Patidar, D. K. (2016) "Evaluation of genetic diversity of ashwagandha (*Withania somnifera*)" poster presented in Global ravine conference on managing ravines for food and livelihood security held at rvskvv Gwalior during March 7-10, 2016.
27. Rajput, A.S.; Kumar, Anuj; M., Vidhya Sankar and Mishra, S. N. (2016). Effect of nitrogen and phosphorus on growth and flowering of French marigold (*Tagetes patula* L.) cv. Pusa Arpita under Malwa region of Madhya Pradesh. Souverir-cum-abstract-international Seminar on indigenous technologies for sustainable agriculture and better tomorrow. (NBRI, Lucknow).
28. Ramnivas, Sharma; Bharvey, H. C. and Dixit, Pradeep Kumar (2016). Study of M.Sc. Theses in Department of Agriculture Economics and Agronomy at JNKVV, Jabalpur (M.P.). 61stInternational conference of Indian library association (ILA) on sustaining the excellance: transforming libraries through technology, innovation and value added services in google era to be held at Sauransthara university library, Saurasthra University, Rajkot.

29. Ranade, D.H. (2016). Sustainable agriculture through natural resource management in a national conference on new horizons in biological sciences organized by Boston College for Professional Studies, Gwalior during 28 -29 January 2016.
30. Ranade, D.H., (2016). Sustainable agriculture through natural resource management in a national conference on new horizons in biological sciences organized by Boston College for professional studies, Gwalior during 28 -29 January 2016.
31. Ranade, D.H., Mujalde, S. and Swarup, Indu (2015). Increasing irrigation water availability through water harvesting tank – a certain way to mitigate adverse climatic condition in Malwa region. National seminar on climate change and smart agriculture technologies, 13-14 June 2015 at RVSKVV, Gwalior (M.P.).
32. Ranade, D.H., Mujalde, S. and Swarup, Indu (2016). Conversion of wasted land to water storage tank and its utilization for increasing the crop productivity in Malwa region – a case study. Global Ravines Conference, 7-10 March, 2016 at RVSKVV Gwalior (M.P.).
33. Ranade, D.H., Mujalde, S. and Swarup, Indu (2016). Conversion of wasted land to water storage tank and its utilization for increasing the crop productivity in Malwa region – A case study. Global Ravines Conference, 7-10 March, 2016 at RVSKVV, Gwalior (M.P.).
34. Sharma, R.; Singh, Om and Gallani R. (2016). Effect of integrated nutrient management practices on growth, yield and quality of coriander (*Coriandrum sativum* L.). International Seminar by Samagra Vikas Welfare Society, Lucknow, India, 09-10 January, 2016.
35. Sharma, S.K.; Chauhan, N.S.; Upadhyay, D.; Singh, V.P.; Shikarwar, R.; Tomar, S.S. (2016). Evaluation of biological interactions in acacia-rice agro-forestry system. Abstract, published in the proceedings of Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood security.p106.
36. Sharma, S.K.; Chouhan, N.; Dwivedi, B. S.' Ken Taniwaki, Ken. N.Ae.; Tomar, Sudeep (2016). Rhizosphere Effect on Phosphorus Availability to Soybean Crop in Vertisols of Central India. Abstract published in the proceedings of Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood security. p145.
37. Sharma, S.K.; Siddaqui, S.; Chauhan, N., Singh, V.P.; Shikarwar, R.; Tomar, S.S. (2016). Microbial Decomposition in Detrital of Agroforestry Ecosystem under Wastelands. Abstract, published in the proceedings of Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood security pp117.
38. Sharma, S.K.; Sushama, Parmar; Tomar, Sudeep K.; Tomar, R.S.S.; Girothia, A.; Shikarwar, R., Singh, V.P. (2016). Trends of climate change and estimations of rainfall probabilities, soil erodability and suitable strategies for mitigation and adaptation to sustain soil and crop productivity in western M.P. Abstract, published in the proceedings of Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood security.pp156.
39. Sharma, S.K.; Tomar, S.S.; Shikarwar, R., Singh, V.P.; Tomar, R.S.S.; Chauhan, N., Girothia, A. (2016). Managing vertisols for enhanced soybean production central India. Abstract, Published in the proceedings of Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood security pp105.

40. Shrivastava, S.C.; Tripathi, M.K.; Naruka, I.S. and Tiwari, R. (2015). Information technologies and climate change: The adaptation and mitigation dimensions. Published in Abstract Book of National Seminar on Climate change and Smart Agriculture Technologies organized by RVSKVV, Gwalior during 13 to 14 June 2015 at Gwalior (M.P.) pp137-138.
41. Singh K. V, Bhadauria S.S., Singh Pradyumn, Naruka I.S., Kureel M.and Hada Neeraj (2015). Market Potential of Underutilized Plant Species. Third International Symposium on "Underutilized Plant Species" (Exploration and Conservation for Future Generation) at KVK, AC & RI, Madurai, Tamil Nadu, India during August 5-8, 2015, Abstracts & Souvenir. SAP-23.
42. Singh, Anil Kumar, Verma, S.K. and Singh, Akhilesh (2016). Greening of ravine: a stragegy for mitigation to climate change. Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood securities 7-10 March, 2016 RVSKVV, Gwalior (M.P.) India p23-33.
43. Singh, Om; Hemlata, G.; Gallani, R. and Kushwah, S.S. (2015). Effect of zinc and boron on growth and yield of different cultivars of garlic (*Allium sativum* L.). A souvenir and conference book of national conference on global research initiatives for sustainable agriculture & allied sciences. 12-13 December, 2015.
44. Singh, Pratiksha; Bihari, Shyam; Singh, Om and Singh, Richa (2016). Strengthening nutritional status of rural women through nutritional kitchen gardening. International Seminar by Samagra Vikas Welfare Society, Lucknow, India. 09-10 January, 2016
45. Singh, Ranjit; Debbarma, R.; Singh, S. and Khan, K. A. (2015). Effect of Different Roasting Temperature and Time on Mechanical Properties of Whole Soybean.*Soybean Research Journal* special issue no **2**. NAAS Rating: 3.04.
46. Soni, O.P. and Vani, D.K. (2016) Sinchai Suvidhao ka Sadupayog paper presented in National Seminar: भारत मे कृषि क्षेत्र की ज्वंलत समस्याए– कारण एवं निदान, 13-14 Feb 2016 organized by Gramin Kalyan Sansthan, Lucknow Venue : New Delhi.
47. Soni, O.P.; Gupta, M.K.; Vani, D.K; and Kumar, Devendra (2015). A cost saving approach to assess run off from watershed in Chambal basin of Madhya Pradesh.Global Ravines Conference, 7-10 March, 2016 at RVSKVV Gwalior (M.P.).
48. Sonkar, Priyamvada; Kanpure, R. N. and Patel, R. P. (2015). Problems and prospectus of citrus in Mandsaur. National symposium on Sustainable citrus production: Way forward, 27-29 Nov., 2015 at Central Citrus Research Institute, Nagpur: 110-111.
49. Swarup, Indu, Ranade, D.H., and Mujalde, S. (2016). Mitigating adverse climatic conditions through crop diversification using water harvesting tank in farmer's field. Global Ravines Conference, 7-10 March, 2016 at RVSKVV Gwalior (M.P.).
50. Tikle, A.N. (2015). Conservation and utilization of cytoplasmic male sterile lines for development of short and medium duration pigeon pea hybrids. Presented in National Seminar on Harmonizing biodiversity and climate change challenges and opportunity held at Central Inland Agricultural Research Institute, Port Blair, Andaman & Nicobar, India- April 17-19, 2015.
51. Tilgam, Monika; Yadav, K.S.; Sharma, Janmejay and Prajapati, B.L. (2015). Effect of weed management practices on yield and economis of blackgram. 25th Asian-Pacific Weed Science Society Confeence on weed sceince for sustainable agriculture, environment and biodiversity, Hyderabad, India duing 13-16 October, 2015, pp 247.

52. Tiwari, Rajesh; Shrivastava, S.C.; Pandey, Ankit and Dwivedi, Shailendra Kumar (2016). Performance of fruit based cropping system in low productive environments. Published in Abstract Book of Global Ravine Conference on Managing Ravines for Food and Livelihood Security organized by RVSKVV, Gwalior during March 07 to 10, 2016 at Gwalior (M.P.) pp 101.
53. Tomar, V.S. and Verma, S.K. (2016). Ravine land: Current status, challenges and perspectives. Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood securities 7-10 March, 2016 RVSKVV, Gwalior (M.P.) India. p34-41
54. Tripathi, M.K.; Baghel, R.S.; Tiwari, R.; Tiwari, G; Ahuja, A.; Baghel, B.S.; Patel, R.P. and Verma, S. K. (2016). Role of biotechnology for conservation of biodiversity of plants appropriate for degraded lands. Published in Abstract Book of Global Ravine Conference on Managing Ravines for Food and Livelihood Security organized by RVSKVV, Gwalior during March 07 to 10, 2016 at Gwalior (M.P.) pp 135.
55. Tripathi, M.L.; Dixit, J.P.; Kasana, B.S.; and Prajapati, B.L. (2015). Optimum irrigation requirement of spring sown rajma under urd rajma cropping system in sandy soil of Chambal Command Area. Paper presented in National Seminar on Organic Ameliorants for soil resilience and environmental security at RVSKVV, Gwalior during 19 – 21 August, 2015. P130.
56. Tripathi, M.L.; Dixit, J.P.; Prajapati, B.L. and Kasana, B.S. (2015). Crop diversification under oilseed crops to mitigate the climate change in Chambal region of Madhya Pradesh. Paper presented in National Seminar on Climate change and Smart Agriculture Technologies at RVSKVV, Gwalior during 13 – 14 June, 2015. P64-65.
57. Verma, S.K.; Singh, Akhilesh and Tomar, P.S. (2016). Reclamation Technologies for Chambal Ravines. Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood securities 7-10 March, 2016 RVSKVV, Gwalior (M.P.) India. 23-33
58. Vibhute, Megha; Tripathi, M.K.; Tiwari, R. and Patel, R.P. (2015). Standardization of efficient In vitro plant regeneration system in citrus through coloured nodal segments. Published in Abstract Book of National Seminar on Climate change and Smart Agriculture Technologies organized by RVSKVV, Gwalior during 13 to 14 June 2015 at Gwalior (M.P.) pp100-101.
59. Yadav, K.S.; Dixit, J.P.; Jaulkar, A.M.; Prajapati, B.L. and Kasana, B.S. (2015). Effect of herbicides with and without surfactant against weeds in wheat. 25thAsian-Pacific Weed Science Society Confeence on weed sceince for sustainable agriculture, environment and biodiversity, Hyderabad, India duing 13-16 October, 2015, pp 149.
60. Yadav, Shashi S.; Singh, Akhilesh; Bhadouria, Sudhir and Sharma, Janmejay (2015). Suitability assessment of chickpea and wheat growing soils of Shivpuri district, Madhya Pradesh, India. National seminar on sustainable management land resources for livelihood security held at Nagpur on January 28-30, 2015, pIII/056.

2. Abstract published in various conference/souvenir:

1. Ahuja, A., Tripathi, M.K., Baghel, R.S. and Omar, R.S. (2016). Plant tissue culture technology: sustainable option for mining high value pharmaceutical compounds. Abstract published in Global Ravines Conference 2016 managing ravines for food and livelihood security held at RVSKVV, Gwalior (MP) during 7-10 March 2016, pp 144.
2. Ahuja, A., Tripathi, M.K., Singh, A.K. and Sharma, A.K. (2016). Intellectual property rights in biotechnology. Abstract published in Global Ravines Conference 2016 managing ravines for food and livelihood security held at RVSKVV, Gwalior (MP) during 7-10 March 2016, pp143.
3. Soni, Anoop, Kushwah, Munesh Kumar and Kandalkar, V. S. (2016). Combing ability analysis for agro-morphological characters in bread wheat (*Triticum aestivum* L) Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood security held at RVSKVV, Gwalior. March 7-10, 2016.
4. Tomar, Avinash; S., Prajapati; B. L. and Rajput, B. K. (2016). Impact of integrated nutrient management on growth, yield attributes and yield of wheat (*Triticum aestivum* L)- Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood security, 7-10 March, 2016 RVSKVV, Gwalior (M.P.) India. P 58.
5. Banafar R.N.S. and Singh K.V. (2015). Effect of climate change on horticulture-impacts and adaptation strategies. National Seminar on "Climate Change and Smart Agricultre Technologies" at RVS Krishi Vishwavidyalaya, Gwalior during June 13-14, 2015, Abstract Book pp. 153.
6. Bhadauriya, Jaideep Singh; Trivedi, S. K.; Verma, S. K.; Prajapat, B. L. and Sharma, Janmejay (2016). Effect of integrated nutrient management on quality of wheat in alluvial soils of Northern Madhya Pradesh- Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood securities 7-10 March, 2016 RVSKVV, Gwalior (M.P.) India, Pp 31.
7. Bharti, Omprakash; Bobade, Ashish and Pandya, R. K. (2015). Comparative effect on Amritjal and fungicides on management of *Sclerotinia sclerotium* under In-vitro. National seminar on Contextual Relevance of ITKs in plant protection, 28-29th of October, 2015.Pp 91.
8. Burman, Abhinav; Kanpure, R.N.; Anjnave, S.R. and Haldar, A. (2015). Effect of bio fertilizers and growth regulators on rooting and growth of hardwood cutting of grape vine (Vitis vinifera L.) cv. Thompson seedless. 3rd International conference on environmental friendly agriculture & horticulture in planning of Smart city at Bhopal (MP). Jointly organized / supported by Janparishad, MNIT, NHB, EPCO, MPCST, JMBVSS, IARA and Sus Tran Con (USA). An international proceeding book, ISBN No.978-93-5196-081-2.
9. Chandna, S. Ashok; Jain, S.K. and Narvariya, R. (2015). Problems and prospects of crop diversification in Indore District of Madhya Pradesh. Global Ravine Conference on managing ravine for food and livelihood security organized from 7-10 March at Gwalior by RVSKVV Gwalior.
10. Dwivedi, Shailendra Kumar; Tiwari, Rajesh and Pandey, Ankit (2016). Studies on preparation, packaging and storage stability of nutritionally rich fruit leather of bael and aonla pulp. Published in Abstract Book of Global Ravine Conference on Managing

Ravines for Food and Livelihood Security organized by RVSKVV, Gwalior during March 07 to 10, 2016 at Gwalior (M.P.) pp 89.

11. Gallani, R. and Sharma, S. K. (2015). Nutrient dynamics under organic and inorganic farming systems in Malwa region of western M.P.' Abstract published in proceeding of National seminar on organic ameliorants for soil resilience and environmental securities' held at RVSKVV, Gwalior during 19-08-2015 to 21-08-2015.
12. Gallani, R; Sharma, S.K. and Joshi, O.P. (2016). Effect of organic and inorganic farming conditions on biological properties of Vertisols under soybean – wheat cropping system. Research paper has been accepted for publication and it will appear in 2016 issue. *Soybean Research*14 (1): Acceted.
13. Gupta, J.C.; Tomar, S.S.; Tripathi, M. K.; Tiwari V.K.; Sharma, N.K. and Awasthi, D. (2015). Management of mustard diseases by deliberated application of micronutrients in alluvial soils of Madhya Pradesh National seminar on Organic ameliorants for soil resilience and environmental securities held at RVSKVV, Gwalior during 19-21 August 2015, pp: 57-58
14. Gupta, J.C.; Tomar, S.S.; Tripathi, M. K.; Tiwari, V.K. and Sharma, N.K. (2015) Management of mustard diseases as spreaded by changing weather conditions by integrated disease management in gird zone of Madhya Pradesh. National seminar on climate change and smart agriculture technologies held at RVSKVV, Gwalior during June 13-14, pp 98-99.
15. Gupta, M.K. and Narvariya, R. (2016) "कृषि क्षेत्रों में प्रगति रोध (Stagnation) कारण व निदान" National seminar on problems of Indian Agriculture causes and remedial measures. Organised by gramin kalyan sansthan Luknow from 13-14 Feb. 2016.
16. Gupta, S. C. and Singh, P. (2015). Economizing chemical P fertilizer by using P solublizing microorganisms in chickpea. Abstract published in Abstract book of National Seminar on Climate change and smart agriculture technologies, held at RVSKVV, Gwalior, from June 13-14th, 2015. pp. 81.
17. Gupta, S. C., Singh, P. and Gautam., S. S. (2015). Management of crop residues for mitigating climate change. Extended summary published in Abstract book of National Seminar on Climate change and smart agriculture technologies, held at RVSKVV, Gwalior, from June 13-14th, 2015. pp. 8-10.
18. Gupta, S. C., Trivedia, B. and Singh, P. (2015). Effect of organics, Bio fertilizers and Molybdenum application with different levels of fertilizers on yield attributes, yield and nutrient uptake of chickpea in vertisol. Abstract published in Abstract book of National Seminar on Organic Ameliorants for soil resilience and environmental securities, held at RVSKVV, Gwalior, from August 19th-21st, 2015. pp.53.
19. Gupta, S. C.; Singh, P. and Gautam, S. S. (2015). Management of crop residues for mitigating climate change. Extended summary published in Abstract book of National Seminar on Climate change and smart agriculture technologies, held at RVSKVV, Gwalior, from June 13-14th, 2015. pp. 8-10.
20. Gupta, S. C; Trivedia, B. and Singh, P. (2015). Effect of organics, Bio fertilizers and Molybdenum application with different levels of fertilizers on yield attributes, yield and nutrient uptake of chickpea in vertisol. Abstract published in Abstract book of National Seminar on Organic Ameliorants for soil resilience and environmental securities, held at RVSKVV, Gwalior, from August 19th-21st, 2015. pp.53.

21. Gurjar, P.K.S.; Singh, Lakhan; Jatav, C.B.S., Kumar, Amit and Hada, N. (2015). Varietal diversification for viral tolerance in okra cultivation. National Seminar on organic ameliorants for soil resilience and environmental securities, 19-21 August: 169.
22. Gurjar, P.K.S.; Singh, Lal; Gurjar, L.S.; Jatav, C.B.S. and Haldar, A. (2015). Farmer's response on Kisan Mobile Advisory: 3rd international conference, 12-14 December: 172.
23. Jain, A.K.; Kushwah, S.S.; Patidar, H. and Mishra, S.N. (2016). Studies on combining ability in pea (Pisum sativum L.). Abstract in Souvenir & Abstracts of "National Symposium on Vegetable Legumes for Soil and Human Health" organized from 12-14 February at IIVR, Varanasi by ISVS, Varanasi, APIV, Varanasi and ISPRD, Kanpur. pp 288-289.
24. Jain, M.P.; Bhadoria, H.S.; Ranjeet, Nema; R.S. and Kishore, K.K. (2016). "Structure sustability for soil conservation in Chambal ravines" during (GRC 2016) held at RVSKVV, Gwalior 7-10 March, 2016.
25. Jain, R.C. (2015). Effect of lime based integrated nutrient management and mulching on nodulation, nutrient ontents and yield of soybean in vertisol. Abstract published in Abstract book of National Seminar on Organic amelioration for soil resilience and environmental securities, held at RVSKVV, Gwalior, from August, 19-21, 2015. pp. 90.
26. Jain, R.C. and Bhadoriya, N.S. (2015). Response of soybean [*Glycine max* (L.) Merrill] to lime based integrated nutrient management and mulching on growth, root length and grain yield of soybean in clay loam soil. Abstract published in Abstract book of National Seminar on Organic amelioration for soil resilience and environmental securities, held at RVSKVV, Gwalior, from August, 19-21, 2015. pp. 47.
27. Jain. R.C. (2015). Response of soybean to integrated nutrient management and mulching on nodulation, nutrient contents and yield in clay loam soil. Abstract published in Abstract book of National Seminar on Climate change and smart agriculture technologies, held at RVSKVV, Gwalior, from June 13-14th, 2015. pp. 77.
28. Jatav, S. K.; Kaur, Shamandeep; Kachouli, B.; Sikarwar, R. S.; Kuswah, Munesh; Kandelkar, V. S. and Yadav, Sanjay Kumar (2015). Genetics analysis for grain yield and its component under water stress condition in wheat National seminar on climate change and smart technologies organized in RVSKVV, Gwalior.
29. Jaya, Rathore, Singh, A. K.; Yadav, S.K. and Awasthi, Dinesh (2016). Clusterbean: A boon for food industry in Chambal ravines Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood security held at RVSKVV, Gwalior, March 7-10, 2016.
30. Jaya, Rathore; Singh, A. K.; Singh, S.S. and Shyam, Chitralekha (2015). Influence of climate change on pulses National conference on global research initiatives for sustainable agriculture & allied sciences (GRISAAS2015) during December 12-13, 2015, pp188-189.
31. Jaya, Rathore; Singh, A.K.; Shyam, Chitralekha; Awasthi, D. (2016). Application of plant tissue culture tools for development of drought resisitance variety of pulses National Conference on organing farming and National food security (NCOF-2016) 19-20 Feb,2016, ITM University, Gwalior
32. Joshi, Priyanka and Yasin, M. (2015). Pea shape RILs: A successful breakthrough in chickpea improvement programme. Abstract published in Brain Storming meeting on

promotion of Pulses in Indo-Gangetic Plains of India held at PAU, Ludhiana August 31st, 2015.

33. Kanpure, R. N.; Kachouli, B.; Mandloi, D.S.; Ajnave, S. R. and Haldar, A. (2016). Impact of foliar feeding of phosphorous and micronutrients on growth, yield and quality of Guava (*Psidium guajava* L.). Global ravine conference on managing ravines for food and livelihood security. Organized at RVSKVV, Gwalior, Madhya Pradesh. Pp.37.
34. Kashyap Arjun, Raghuwanshi Kalyan Singh, Lekhi R., Singh, K.V. and Prajapati B.L. (2016). Renewable Energy Potential in India: An Overview. 4th National Conference on "Recent Advances in Chemical & Environmental Science: Emphasis on Material Science [RACE-2016]" at ITM University, Gwalior during March 4-5, 2016, pp. 8.
35. Kaur, Arvind; Singh, Reeti; Kushwaha, Raj Singh; Gupta, J.C. and Singh, S.K. (2016). Use of signaling molecules in minimizing post-harvest losses of fruits." 6th Int. Conference: Technology innovation and management for sustainable development, ITM Univ, Gwalior, M.P. India held on dated 11-13 Feb 2016.
36. Khambalkar, P.; Tomar, P.S.; Trivedi, S. K., Verma, S.K.; Rajput, Sunil and Priyadarshni (2016). Effect of different fertility treatment on yield and nutrient use efficiency of wheat in ravine lands. Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood securities 7-10 March, 2016 RVSKVV, Gwalior (M.P.) India, P36.
37. Khambalkar, P.; Verma, S.K.; Sharma, Janmejay Sadawarti and Murlidhar, J. (2016). Effect of INM on organic carbon pools, nutrient dynamics, physico-chemical properties and productivity of pearlmillet (*Pennisetum glaucum*) – mustard (*Brassica juncea*) cropping sequence- Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood securities 7-10 March, 2016 RVSKVV, Gwalior (M.P.) India. Pp 29.
38. Khambalkar, P.A.; Verma, S.K.; Tomar, P.S. (2015). Fertility status and physico-chemical properties of alubial soil affected by inm and their relationship with productivity of pearl millet- mustard croping sequesnce. Organic ameliorants for soil resilience and environmental securities, 19-21 August, 2015. Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishwa Vidyalaya, Gwalior. P35.
39. Kool, Y.M.; Verma, S.K.; Bhadoria, H.S.; Singh, Akhilesh Kumar and Kishore, Kaushal (2016). Field studies on various aspects of ravines reclamation in Chambal region of Madhya Pradesh during GRC 2016 held at RVSKVV, Gwalior 7-10 March, 2016.
40. Kushwah, G.; Sharma, R. K.; Kushwah, S. S. and Mishra, S. N. (2016). Effect of different organic manures, inorganic fertilizers and the varieties, on growth, yield and quality of carrot (*Daucus carota* L.). International seminar on indigenous technologies for sustainable agriculture and better tomorrow (09-10 January 2016) at NBRI, Lucknow (U.P.) p.145.
41. Kushwah, Munesh Kumar; Parmar, Sagar and Kandalkar, V. S. (2016). Genetic analysis through different generation means for grain yield and attributing traits in bread wheat (*Triticum aestivum* L.). Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood security held at RVSKVV, Gwalior, March 7-10, 2016.
42. Kushwah, Munesh Kumar; Soni, Anoop and Kandalkar, V. S. (2016). Gene effect for grain yield and attributing traits in four crosses of bread Wheat (*Triticum aestivum* L.) Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood security held at RVSKVV, Gwalior. March 7-10, 2016.

43. Kushwah, S. S.; Kharje, S.; Singh, O. P. and Naruka, I. S. (2015). Protected cultivation and growth regulators to mitigate the adverse climatic conditions for summer squash cultivation. National seminar on climate change and smart agriculture technologies at RVSKVV Gwalior from 13-14 June 2015.
44. Kushwah, S. S.; Prabhakar, V.; Singh, O. P. and Naruka, I. S. (2016). Collection, evaluation and characterization of spine gourd (*Momordica dioica* Roxb. Ex. Willd.) Germplasm. Abstract in Abstract book of Global ravine conference on managing ravine for food and livelihood security" organized from 7-10 March at Gwalior by RVSKVV Gwalior. pp 129.
45. Kushwaha N.K., Singh Akhilesh and Gupta Rajesh (2016). Study of biomass to understand the carbon stock in some important tree species. Global Ravine Conference on "Managing Ravines for Food and Livelihood Securities" 7-10 March, 2016 RVSKVV, Gwalior (M.P.) India.
46. Mandloi, D. S.; Kanpure, R. N.; Ajnawe, S. R.; Kachouli, B. and Sonkar, P. (2016). Quality of pomegranate fruits influenced through pre-harvest spray of chemicals. Global ravine conference on managing ravine for food and livelihood security organized from 7-10 March at Gwalior by RVSKVV Gwalior. Pp.196.
47. Mujalde, S.; Ranade, D.H. and Swarup, Indu (2016). Solving dual problems of water logging and irrigation water scarcity through natural resource management in nimar region. Global ravine conference on managing ravine for food and livelihood security organized from 7-10 March at Gwalior by RVSKVV Gwalior.
48. Naruka, I. S.; Waskela, Prakash; Singh, O. P.; Kushwah, S. S. and Srivastava, S.C. (2015). Effect of row spacing and level of N P K on growth and seed yield of fennel (*Foeniculum vulgare* Mill.). National seminar on organic ameliorants for soil resilience and environmental securities organized from 19-21 August 2015 at Gwalior by RVSKVV, Gwalior. pp 59.
49. Narvariya, R. (2016) National seminar on problems of Indian agriculture causes and remedial measures. Organised by gramin kalyan sansthan Luknow from 13-14 Feb. 2016.
50. Narvariya, R., Narvariya, D. and Gupta, M.K. Rainwater management and constraint in Bandhanala bio – industrial watershed project area of Narsinghpur district and its impact on live stock population.
51. Narvariya, R.; Sharma, H.O. and Narwariya, Dharmendra. Analysis of market arrivals and price of wheat (*Triticum aestivum*) in Jabalpur regulated market of Madhya Pradesh.
52. Parihar, M. S.; Chakraborty, S.; Barde, P.; Haldar, A.; Kanpure, R. N. and Verma, K. S. (2015). Time of grafting operation on success, growth and survival of mango grafts in Madhya Pradesh. National seminar on climatic change and smart agriculture technologies. Organized at RVSKVV, Gwalior, Madhya Pradesh. Pp.95.
53. Patel, R.P.; Jhankare, A.; Tripathi, M.K.; Tiwari, G.; Pandey, G. and Patidar, B.K. (2015). In vitro selection in ashwagandha (*Withania somnifera* (L.) Dunal) against leaf blight disease. National Symposium on Germplasm to Genes :Harnessing Biotechnology for Food Security and Health held at National Agricultural Science Centre Pusa New Delhi, India during 9-11 August 2015.pp 64

54. Patel, R.P.; Tripathi, M.K.; Ajanawe, S.R.; Manloi, D.S. and Haldar, A. (2015). Study of appearance of leaf and stem spot disease on chandrasur (*Lepidium sativum* L.) under epiphytotic condition caused by *Alternria alternata* (FR.) Keisser National conference on Global Research Initiatives for sustainable agriculture & allied sciences (GRISAAS2015) during December 12-13, 2015, pp209-210.
55. Patel, R.P.; Tripathi, M.K.; Tiwari, R. and Pandey, G.N. (2016). Identification of *Cercosporella tinosporae* responsible for *Cerosporrella* leaf spot disease of giloy (*Tinospora cordifolia*): a medicinal plant suitable for degraded land in Malwa region of Madhya Pradesh. Abstract published in Global Ravines Conference on managing ravines for food and livelihood security held at RVSKVV, Gwalior (MP) during 7-10 March 2016. pp 130
56. Patel, R.P.; Tripathi, M.K.; Tiwari, R.; Pandey, G.N. and Patidar, B.K. (2016). Disease spread in mahaneem (*Ailanthus excelsa*) caused by *Pseduoidum ailanthic*. Abstract published in Global Ravines Conference on Managing ravines for food and livelihood security held at RVSKVV, Gwalior (MP) during 7-10 March 2016. pp 155.
57. Patidar, S. L., Tripathi, M. K., Tiwari, G., Patel, R. P. and Tomar, S.S. (2015). Development of effectual plant regeneration protocol through cell suspension cultures for development of transgenics in *Plumbago zeylanica*. National Seminar on climate change and smart agriculture technologies held at RVSKVV, Gwalior during June 13-14. pp 91.
58. Raghuwanshi Kalyan Singh, Kashyap Arjun, Singh, K.V., Dangi Ajay and Kumar Sandeep (2016).Growth and yield of potato as influenced by different level of sulphur and potash under Gird region of M.P. Global Ravine Conference 2016 On "Managing Ravines for Food and Livelihood Security" held at RVSKVV, Gwalior during March 7-10, 2016.
59. Raghuwanshi Kalyan, Singh, K.V., Kashyap Arjun and Dangi Ajay (2016). Impact of Various Levels of Sulphur and Potash on Yield Attributes and Yield of Potato. National Conference on "Organic Farming & National Food Security NCOF-2016" at ITM University, Gwalior during February 19-20, 2016, Souvenir cum Abstract pp. 88.
60. Rajput, B. K.; Tomar, A. S.; Pachori, Amita and Sharma, Om Prakash (2016). Agroforestry: As a measure for improving soil health and pruductivity in ravinous land- Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood securities 7-10 March, 2016 RVSKVV, Gwalior (M.P.) India. Pp. 107.
61. Ranade, D.H. (2015). Impact of Natural Resource conservation technologies for increasing productivity in black soils of Malwa region. International Conference on natural resource management for farming systems and rural livelihood organized by Soil Conservation society at New Delhi during 10-13 February, 2015.
62. Ranade, D.H. (2016). Sustainable agriculture through natural resource management in national conference new horizons in biological sciences. Organized by Boston College for Professional Studies, Gwalior during 28 -29 January 2016.
63. Ranade, D.H., Mujalde, S. and Swarup, Indu (2015). Increasing irrigation water availability through water harvesting tank – a certain way to mitigate adverse climatic condition in Malwa region. National seminar on climate change and smart agriculture technologies, 13-14 June 2015 at RVSKVV Gwalior (M.P.).

64. Ranade, D.H., Mujalde, S. and Swarup, Indu (2016). Conversion of wasted land to water storage tank and its utilization for increasing the crop productivity in Malwa region – A case study. Global Ravines Conference on managing ravines for food and livelihood securities 7-10 March, 2016 at RVSKVV Gwalior (M.P.).
65. Sharma O.P. (2015). Indian Myth, Drama and Kathakali in Arundhati Roy's The God of Small Things, IUAES2015.Bangkok,Thailand
66. Sharma, R. K.; Nandle, Nisha; Kushwah, S. S. and Gallani, R. (2016). Effect of irrigation regimes and different varieties on growth, yield and quality of onion (*Allium cepa* L.). Abstract in Abstract book of Global ravine conference on managing Ravine for Food and Livelihood Security organized from 7-10 March at Gwalior by RVSKVV Gwalior. pp 91.
67. Sharma, R. K.; Singh, Om; and Gallani, R. (2015). Effect of integrated nutrient management practices on growth, yield and quality of coriander (Coriandrum sativum L.). Abstract published in proceeding of International seminar on Indigenous technologies for sustainable agriculture and better tomorrow held at CSIR-NBRI, Lucknow during 09-10 January 2016.
68. Sharma, S. K.; Chauhan, N.; Upadhyay, S. D.; Singh, V. P.; Shikarwar. R.; Tomar S.S. (2016). Evaluation of biological interactions in Acacia-rice agro-forestry system. Abstract, Published in the proceedings of Global Ravine Conference on Managing ravines for food and livelihood security, pp106.
69. Sharma, S. K.; Chouhan, N.; Dwivedi, B. S., Ken Taniwaki, N. Ae. and Tomar, Sudeep. (2016). Rhizosphere Effect on Phosphorus Availability to Soybean Crop in Vertisols of Central India. Abstract, published in the proceedings of global ravine conference on managing ravines for food and livelihood security, pp145.
70. Sharma, S. K.; Parmar, Sushama; Tomar, Sudeep K.; Tomar, R. S.S., Girothia, A.; Shikarwar, R.; Singh, V. P. (2016). Trends of climate change and estimations of rainfall probabilities, soil erodability and suitable strategies for mitigation and adaptation to sustain soil and crop productivity in western M.P. Abstract, published in the proceedings of Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood security, pp156.
71. Sharma, S. K.; Siddaqui, S.; Chauhan, N., Singh, V. P., Shikarwar, R.; Tomar, S. S., (2016). Microbial Decomposition in Detrital of Agroforestry Ecosystem under Wastelands. Abstract, published in the proceedings of Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood security, pp117.
72. Sharma, S. K.; Tomar, S. S.; Shikarwar, R.; Singh, V. P., Tomar, R. S. S.; Chauhan N. and Girothia, A. (2016). Managing vertisols for enhanced soybean production central India. Abstract, Published in the proceedings of Global Ravine Conference on Managing ravines for food and livelihood security, pp105.
73. Sharma, S.K.; Jain, M.P.; Singh, V.P., Tomar, S.S.; Sikarwar, R.S. (2015). Conjunctive use of organic bio-fertilizers, rock phosphate and fertilizer nutrients for enhancing crop productivity of soybean based cropping system of rain-fed vertisols. Abstract: Published in the proceedings of National Conference on organic ameliorants for soil resilience and environmental securities, held at RVSKK, Gwalior (2015). pp 82.
74. Sharma, S.K.; Solanki, Kuldeep; Tomar, Sudeep Singh; Singh, V.P. (2015). Soil quality, crop productivity and economics of organic and inorganic farming systems practiced

in two villages of Indore district of Western Madhya Pradesh. Abstract: Published in the proceedings of National Conference on organic ameliorants for soil resilience and environmental securities, held at RVSKK, Gwalior (2015). pp157.

75. Shrivastava, S.P.; Shukla, S.S. and Dubey, Brajlata (2016). Optimization of process parameters of membrane technology for production of mahua juice and its utilization in food products viz Halwa & Puri. Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood securities 7-10 March, 2016 RVSKVV, Gwalior (M.P.) India.
76. Shyam, Chitralekha; Singh, A.K.; Rathore, Jaya, (2015). Enhacment of yield through correlation and path coefficient analysis in Wheat National Conference on global research initiatives for sustainable agriculture & allied sciences (GRISAAS2015) during December 12-13 2015, pp188-189.
77. Singh Akhilesh, Verma S.K., Yadav Shashi S. and Tomar A.S. (2015). Impact of management practices on soil erosion in highly disordered ravine land. National Symposium on Scientific order Disorder Concept Leading to Socio-Economical Development of India" organized by International Disordered System Associates Society (INDIAS) from 17-18th October 2015 at Allahabad.
78. Singh K.V, Bhadauria S.S., Singh Pradyumn and Hada Neeraj (2015). Climate Change Scenario and Food Security. National Seminar on "Organic Ameliorants for Soil Resilience and Environmental Securities" at RVS Krishi Vishwavidyalaya, Gwalior during August 19-21, 2015, Abstracts pp. 136.
79. Singh, Akhilesh Verma S.K., Rajput Sunil,. Yadav Shashi S, Bhadauria H.S. and. Tomar A.S. (2016). Structure suitability for soil conservation in chambal ravines- - Global Ravine Conference on "Managing Ravines for Food and Livelihood Securities" 7-10 March, 2016 RVSKVV, Gwalior (M.P.) India. Pg. 24
80. Singh, Akhilesh, Verma, S.K., Yadav, Shashi S., Singh, Akhilesh, Tomar, P.S., Tomar, A.S. and Rajput, B.K. (2015) Present Status of Ravine Lands in Northern Part of Madhya Pradesh Using Satallite Data. Yadav. Organic Ameliorants for Soil Resilience and Environmental Securities 19-21 August, 2015. Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishwa Vidyalaya, Gwalior. Pg. 151.
81. Singh, Akhilesh; Verma, S.K.; Rajput, Sunil; Yadav, Shashi S.; Bhadauria, H.S. and Tomar, A.S. (2016). Structure suitability for soil conservation in Chambal ravines- - Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood securities, 7-10 March, 2016 RVSKVV, Gwalior (M.P.) India. Pp. 24.
82. Singh, Akhilesh; Verma, S.K.; Rajput, Yadav; S, Shashi; Bhadoria, H.S.; Tomar, A.S. (2016). Structure sustability for soil conservation in Chambal ravines. Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood securities, 7-10 March, 2016 RVSKVV, Gwalior (M.P.) India.
83. Singh, Akhilesh; Verma, S.K.; Yadav, Shashi S.; Singh, Akhilesh; Tomar, P.S., Tomar, A.S. and Rajput, B.K. (2015). Present status of ravine lands in northern part of madhya pradesh using satallite data. yadav. Organic ameliorants for soil resilience and environmental securities 19-21 August, 2015. Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishwa Vidyalaya, Gwalior. Pp. 151.
84. Singh, Bhagyashree, Pandya, R.K.; Singh, A.K.; Bobade, Ashish; Singh, Reeti (2016). Comparative efficacy of metalaxyl with bioagent and chitosan for the management of

pearl millet downy mildew Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood security held at RVSKVV, Gwalior. March 7-10, 2016.

85. Singh, H. P.; Singh, O.P.; Singh, Durga; Shaktawat, R. P. S.; Chundawat, G. S. and Somvanshi, S. P. S. (2015). Impact analysis of front line demonstration in soybean on technology transfer, productivity and profitability in Mandsaur district of Madhya Pradesh. National Seminar on Climate Change and Smart Agriculture Technologies at RVSKVV Gwalior from 13-14 June 2015.
86. Singh, Lal; Gurjar, P.K.S.; Barholia, A.K.; Lekhi, R. and Jatav, Rajesh (2015). Off season cucumber production under protected cultivation in girds zone of M.P. National Seminar on organic ameliorants for soil resilience and environmental securities, 19-21 August, pp164.
87. Singh, Lal; Gurjar, P.K.S.; Barholia, A.K.; Lekhi, R.; Vasure, Narendra and Haldar, Ajay (2016). Effect of plant growth regulator's on cucumber (Cucumis sativus L.) under protected cultivation in grid zone of M.P. Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood security – 7-10 March, 2016,pp 217.
88. Singh, Lal; Gurjar, P.K.S.; Shrivastava, A. and Singh, Mukesh (2016). Assessment of improved variety of cluster bean in M.P. under Malwa plateau zone. Global Ravine Conference on Managing ravines for food and livelihood security – 7-10 March, 2016: 205.
89. Singh, Lal; Gurjar, P.K.S.; Shrivastava, A; Singh, Mukesh; Suryawanshi, Dilip K. and Jatav, Rajesh (2016). Effect of growth regulators on control of fruit drop in Nagpur mandarin in Rajgarh district under Malwa pleteau zone. Global Ravine Conference on Managing ravines for food and livelihood security – 7-10 March, 2016: 216.
90. Singh, Om; Richa, Singh; Sanjay, Pathak and Singh, Pratiksha (2015). Evaluation of sugar stevia ratio and standardization of recipe for preparation of low calorie beverages. Women empowerment during xii five year plan through agricultural mechanization, College of Home Science, Chandra Shekhar Azad University of Agriculture &Technology, Kanpur (U.P.).
91. Singh, Richa; Singh, V.K.; Singh, Suresh; Singh, S.K. & Singh, Om (2015). Strengthening rural women through nutritional kitchen gardening in rural areas of Sitapur district. Women empowerment during xii five year plan through agricultural mechanization, College of Home Science, Chandra Shekhar Azad University of Agriculture &Technology, Kanpur (U.P.).
92. Soni, O. P. (2016). सिंचाई सुविधाओं का सदुपयोग : राष्ट्रीय विचार गोष्ठी : भारत में कृषि क्षेत्र की ज्वलंत समस्याएँ – कारण एवं निदान (13-14 Feb. 2016) Orgainzed by Gramin Kalyan Sansthan, Lucknow, Venue: New Delhi.
93. Soni, O.P.; Gupta, M.K.; Vani, D.K. and Kumar, Devendra. A cost saving approach to assess runoff from a watershed in Chambal basin of Madhya Pradesh: (Theme 2/58) : Natural Resource conservation and soil health management.
94. Sonkar, Priyamvada; Kanpure, R. N. and Patel, R. P. (2015). Problems and prospectus of citrus in Mandsaur. National symposium on sustainable citrus production: Way Forward, 27-29 Nov., 2015 at Central Citrus Research Institute, Nagpur. pp. 110-111.
95. Surage, H., Lekhi, R.; Vasure, N., Jatav, R.; Lal Singh, and Gurjar, P.K.S. (2015). Effect of inorganic nutrients and combine effect of inorganic and organic sources of nutrients

on growth, yield and quality of guava. National conference on global research initiatives for sustainable agriculture & allied sciences, 12-13 December: 196.

96. Tikle, A.N. (2016). Pigeon pea crop for ravine and wasteland management. Presented in Global Ravine conference on managing Ravines for food and livelihood security held at RVSKVV, Gwalior – March 7-10, 2016.
97. Tiwari, R.; Sharma, A.K and Kumar, B (2016). Molecular characterization of inbreds in Maize (Zea mays L.). Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood security held at RVSKVV, Gwalior.
98. Tiwari, R.; Sharma, A.K.; Kumar, B and Jatav, Sunil Kumar (2015). Combining ability analysis for yield and its component trait in maize (*Zea mays* L.) over three environments National conference on Global Research Initiatives for sustainable agriculture & allied sciences organized by Astha Foundation, held at RVSKVV, Gwalior. March 7-10, 2016.
99. Tiwari, R.; Shrivastava, S. C.; Pandey, A. and Dwivedi, S. K. (2015). Study on Fruit based cropping system in low productive environments. Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood security held at RVSKVV, Gwalior.
100. Tomar, A. S.; Prajapati, B. L.; Singh, Jagendra; Rajput, B.K.; Bhadauria, V.S. and Bhadauria, D.S. (2016). Impact of integrated nutrient management on growth, yield attributes and yield of pearl millet (*Pennesetum glaucum* L)- Global Ravine Conference on managing Ravines for food and livelihood securities 7-10 March, 2016 RVSKVV, Gwalior (M.P.) India. Pp. 57.
101. Tomar, A. S., Verma, S. K., Singh, Akhilesh, Yadav, Shashi S. and Rajput, Sunil (2016) Agronomical measures to check nutrient losses in Deep Ravines of Chambal. Global Ravine Conference on "Managing Ravines for Food and Livelihood Securities" 7-10 March, 2016 RVSKVV, Gwalior (M.P.) India. Pg. 72
102. Tomar, A. S.; Verma, S. K.; Singh, Akhilesh; Yadav, Shashi S. and Rajput, Sunil (2016). Agronomical measures to check nutrient losses in Deep Ravines of Chambal - Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood securities 7-10 March, 2016 RVSKVV, Gwalior (M.P.) India. Pp. 72.
103. Tomar, P. S.; Gupta, Naresh; Verma, S. K.; Bhadouruia, D. S. and Bansal, K. N. (2016). Impact of continuous use of inorganic and organic manure on soil properties and productivity under pearl millet (*Pennisetum glaucum*) - mustard (*Brassica juncea*) intensive cropping - Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood securities 7-10 March, 2016 RVSKVV, Gwalior (M.P.) India. Pp 63.
104. Tomar, S.S.; Sharma, N.K., Tripathi, M. K., Gupta, J.C., Tiwari V.K. and Awasthi, D. (2015). Effect of different weather conditions on yield and net income in mustard. National Seminar on climate change and smart agriculture technologies held at RVSKVV, Gwalior during June 13-14, pp 39-40.
105. Tomar, S.S.; Singh (2015) 'Management of Weed': A Threat under Changing Climate Situation-"National Seminar on Climate Change and Smart Agriculture Technologies" orgabized by RVSKVV, Gwalior from 13-14 June, 2015.
106. Tomar, S.S.; Singh, Akhilesh; Bhadauria, S.S. and Paliwal, D.K. (2016). Plant 'Diversity of ravine affected area of Madhaya Pradesh' Global Ravine conference on managing Ravines for food and livelihood security (GRC-2016) held at RVSKVV, Gwalior – March 7-10, 2016.

107. Tomar, S.S.; Tripathi, M. K.; Gupta, J.C.; Tiwari, V.K.; Sharma, N.K. and Awasthi, D. (2016). Temporal adjustment for mustard cultivation: an important crop suitable for ravines areas. Abstract published in Global Ravines Conference 2016. Managing ravines for food and livelihood security held at RVSKVV, Gwalior (MP) during 7-10 March 2016. pp 59.
108. Tomar, S.S.; Tripathi, M. K.; Tiwari V.K.; Gupta, J.C.; Sharma, N.K. and Awasthi, D. (2015). Temporal adjustment for enhancing mustard productivity in changing climatic scenario national seminar on organic ameliorants for soil resilience and environmental securities" held at RVSKVV, Gwalior during 19-21 August 2015. pp: 123.
109. Tomar, S.S.; Tripathi, M. K.; Tiwari V.K.; Gupta, J.C.; Sharma, N.K. and Awasthi, D. (2015). Effect of management of long- term fertility levels on seed yield and oil content in mustard National seminar on organic ameliorants for soil resilience and environmental securities held at RVSKVV, Gwalior during 19-21 August 2015. pp: 42.
110. Tomar, S.S.; Tripathi, M. K.; Tiwari, V.K.; Gupta, J.C. and Sharma, N.K. (2016). Efficacy of tillage practices and irrigation frequencies on yield and oil quality of Indian mustard in ravine Chambal command area of Madhya Pradesh. Abstract published in Global Ravines Conference on managing ravines for food and livelihood security held at RVSKVV, Gwalior (MP) during 7-10 March 2016. pp 113.
111. Tripathi, M. K. and Tomar, S.S. (2015). Biotechnological strategies for improvement of Brassica species under climate change. National seminar on climate change and smart agriculture technologies held at RVSKVV, Gwalior during June 13-14, 2015, pp 80-81.
112. Tripathi, M. K., Sharma, P., Tiwari, G. and Patel, R.P. (2015). Micro cloning of liquorice (*Glycyrrhiza glabra* L.) through leaf disc and nodal segment cultures National Conference on global research initiatives for sustainable agriculture & allied sciences (GRISAAS2015) during December 12-13 2015. pp191.
113. Tripathi, M. K.; Tomar, S.S.; Gupta, J.C.; Patel, R. P.; Verma, S.K. and Tomar, A.S. (2015). Role of biotechnology to combat against different abiotic stresses National Seminar on organic ameliorants for soil resilience and environmental securities" held at RVSKVV, Gwalior during 19-21 August 2015. pp63-65.
114. Tripathi, M. K.; Tomar, S.S.; Singh, A.K.; Patel, R.P. and Verma, S.K. (2016). Biotechnological strategies to combat against different abiotic stresses. Abstract published in Global Ravines Conference on managing ravines for food and livelihood security held at RVSKVV, Gwalior (MP) during 7-10 March 2016. pp 214.
115. Tripathi, M.K.; Baghel, R.S.; Tiwari, R.; Tiwari, G.; Ahuja, A.; Baghel, B.S.; Patel, R.P. and Verma, S.K. (2016). Role of biotechnology for conservation of biodiversity of plants suitable for degraded lands. Abstract published in Global Ravines Conference on managing ravines for food and livelihood security held at RVSKVV, Gwalior (MP) during 7-10 March 2016. pp 135.
116. Tripathi, M.K.; Bele, D.; Tiwari, G.; Patel, R.P and Tomar, S. S. (2015). Development of effectual plant regeneration protocol for development of transgenics in sandalwood (*Santalum album* Linn.) National Symposium on germplasm to genes :harnessing biotechnology for food security and health" held at National Agricultural Science Centre, Pusa New Delhi, India during 9-11 August 2015.pp 7.

117. Tripathi, M.K.; Bimal, S.S.; Ahuja, A. and Singh, A.K. (2016). Intellectual property rights for medicinal and aromatic plants in India. Abstract published in International Conference on recent advances in Biotechnology and Nan biotechnology held at AMITY University, Gwalior (MP) during 10-12 Feb 2016.pp 30.
118. Tripathi, M.K.; Tiwari, R.; Ahuja, A. and Baghel, B.S. (2015). Application of biotechnological interventions in improvement of horticultural crops National Conference on " Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture & Allied Sciences (GRISAAS2015) during December 12-13 2015, pp188-189
119. Tripathi, M.K.; Tiwari, R.; Ahuja, A.; Baghel, B.S. and. Patel, R.P. (2016). Application of plant tissue culture strategies in medicinal plants National Conference on " Agro technology, Commerce and sustainable use of Medicinal and Aromatic plants held at NASC complex, New Delhi during 6-7 Feb 2016
120. Trivedi, S. K.; Verma, S. K.; Tomar, P. S.; Yadav, Shashi S.; Rajput, Sunil; Rajput, Brajkishor and Bhadauria, D. S. (2016). Nitrogen dynamics under different fertility treatments and farmers practice of wheat in ravine - Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood securities 7-10 March, 2016 RVSKVV, Gwalior (M.P.) India. pp74.
121. Uikey, D. S.; Tripathi, M. K.; Tiwari, G.; Patel, R. P. and Tomar, S.S. (2015). Development of viable in vitro plant regeneration protocol through cell suspension cultures for commercial production and conservation of Rauvolfia serpentina. National seminar on climate change and smart agriculture technologies held at RVSKVV, Gwalior during June 13-14, pp.99-100.
122. Verma S.K., Singh Akhilesh, Yadav Shashi S., Tomar P.S. and Bhadoria H.B. (2015). Effect of ravine lands on climatic variability in the Gird region of Madhya Pradesh. National Syposium on Scientific order Disorder Concept Leading to Socio-Economical Development of India" organized by International Disordered System Associates Society (INDIAS) from 17-18th October 2015 at Allahabad.
123. Verma, S. K., Singh, Akhilesh, Tomar, P.S. and Rajput, Sunil (2016). Soil water energy balance and mechanism of formation of deep chambal ravines. Global Ravine Conference on "Managing Ravines for Food and Livelihood Securities" 7-10 March, 2016 RVSKVV, Gwalior (M.P.) India. Pg. 8
124. Verma, S. K.; Singh, Akhilesh; Tomar, P.S. and Rajput, Sunil (2016). Soil water energy balance and mechanism of formation of deep chambal ravines. Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood securities, 7-10 March, 2016 RVSKVV, Gwalior (M.P.) India. Pp 8.
125. Vibhute, M.; Tripathi, M.K.; Tiwari, R. and Patel, R.P. (2015). Standardization of efficient in vitro plant regeneration system in citrus through cultured nodal segments National Seminar on climate change and smart agriculture technologies held at RVSKVV, Gwalior during June 13-14, 2015. pp 100-101.
126. Yadav, S.K.; Singh, A.K.; Sharma, A.K.; Rathore, Jaya and Awasthi, Dinesh (2016). Finger millet: A potential crop for ravines management Global Ravine conference on managing ravines for food and livelihood security held at RVSKVV, Gwalior. March 7-10, 2016.
127. Yadav, Shashi S., Arya, Vinay, Singh, Akhilesh, and Bhadouria, Sudhir S. Morphology, origin and soil conservation methods for gulley control- Global Ravine Conference on

"Managing Ravines for Food and Livelihood Securities" 7-10 March, 2016 RVSKVV, Gwalior (M.P.) India. Pg. 10

128. Yadav, Shashi S., Singh, Akhilesh, Tomar, Avinash S., Bhadouria, Sudhir S. and Singh, P.D. 2016) Ravines: Formation characteristics, and rehabilitation. Global Ravine Conference on "Managing Ravines for Food and Livelihood Securities" 7-10 March, 2016 RVSKVV, Gwalior (M.P.) India. Pg. 9
129. Yadav, Shashi S., Verma, S.K., Singh, Akhilesh, and Bhadouria, Sudhir S. (2015). Land Suitability Analysis for Sustainable Agricultural Land Use Planning in Morena District of Madhya Pradesh. Organic Ameliorants for Soil Resilience and Environmental Securities 19-21 August, 2015. Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishwa Vidyalaya, Gwalior. Pg. 52.
130. Yadav, Shashi S.; Arya, Vinay; Singh, Akhilesh and Bhadouria, Sudhir S. (2016). Morphology, origin and soil conservation methods for gulley control- Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood securities, 7-10 March, 2016 RVSKVV, Gwalior (M.P.) India. Pp 10.
131. Yadav, Shashi S.; Singh, Akhilesh; Tomar, Avinash S.; Bhadouria, Sudhir S. and Singh, P.D. (2016). Ravines: Formation characteristics and rehabilitation. Global Ravine Conference on managing ravines for food and livelihood securities, 7-10 March, 2016 RVSKVV, Gwalior (M.P.) India. Pp 9.
132. Yadav, Shashi S.; Verma, S.K.; Singh, Akhilesh and Bhadouria, Sudhir S. (2015). Land suitability analysis for sustainable agricultural land use planning in Morena district of Madhya Pradesh. Organic ameliorants for soil resilience and environmental securities, 19-21 August, 2015. Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishwa Vidyalaya, Gwalior. Pp 52.
133. Yagya Dev Mishra, Reeta Mishra, K.V. Singh and Amit Chatterjee (2015). Information based extension system: Present stats and future dimension. National Conference on "Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture and Allied Sciences (GRISASS-2015)" at RVS Krishi Vishwavidyalaya, Gwalior during December 12-13, 2015, pp. 229.

For the Year 2016-17

Research papers/Abstract (Presented & Published)/Books/Book Chapters/ Teaching Manual/ Popular Articles etc.

S. No.	Category of publication	Nos
1	Research paper presented in the seminar/ Souvenir	11
2	Abstract Published in Seminar/Symposia/Conferences	66

1 Research papers presented in the seminar/ Symposium:

S. No	Author (s)	Title	Conference Proceedings	Page No.	Year	National / International
1	Jatav, Rajesh, Kanpure, R.N. and Barholia, Arun Kumar	Effect of foliar spray of urea and zinc sulphate on morphological yield and quality attributes of guava (*Psidium guajva* L.) cv. Apple Colour. Poster No. 06, ACK No. 155	Indian Horticulture Congress 2016.	292-293	2016	National
2	Dhakar, Dinesh, Barholia, Arun Kumar, Jatav, Rajesh, Vasure, Naredra and Singh, Lal	Effect of phosphorus and zinc sulphate on vegetative growth and physiological attributes of guava (*Psidium guajava* L.) cv. Gwalior-27.	International conference on Science, Technology, women studies, business and social sciences, Goa -2016	58	2016	National
3	Yadav, Sangeeta, Barholia, A.K. Singh D.K. and Singh S.K.	Assessment of yield gap and socio-economic constraints in coriander in Indian climate changing scenario.	Souvenir and Seminar Book, ISEE National Seminar	232	2016	National
4	Fatehpria P.K., Gupta.V, Sasode S. Rajni,Chobe .R. Devashish and Reeti singh	Evaluation of fungicide against*S. sclerotiorum*under *in-vitro* condition	Presented in 3rdNational *Brassica*Conference held at IARI 16-18 feb 2017.Society for Rapeseed Mustard Res, Bharatpur. Rajasthan	-	2017	National
5	Asha Arora	Leaching behaviour of butachlor in soil as affected by FYM amendment.	International Conference on Contamination Site Remediation, "CleanUp India 2016".Dec 13-16, 2016, Directorate of NRM, TNAU, Coimbatore.	-	2016	International
6	Arora, Asha, Yadav, K.S., Sasode, D.S., Kasana, B.S. and Dixit J.P	Evaluation of herbicide combinations to control the complex weed flora in wheat	National Symposium on "Agrochemicals Research and Education in India: Appraisal and Road Map for Future". November 15-17, 2016, ICAR-IARI, New Delhi. Abstract No. 34.	-	2016	National
7	Arora Asha, Yadav KS, Sasode DS and Dixit JP	Management of Orobanche in Mustard	Biennial Conference of ISWS "Doubling Farmers' Income by 2022: The Role of Weed Science" 1-3 March, 2017, MPUAT, Udaipur, Rajasthan	-	2017	National
8	Varsha Gupta, Deep Singh Sasode, Shriram Osari and	Effect of weed management practices to control the problematic weeds in green gram	--	-	2017	National

	Asha Arora					
9	Varsha Gupta, Deep Singh Sasode Asha Arora and Ekta Joshi	Effect of weed management practices to control the problematic weeds in Black gram	The National Forage Symposium 2017" at RVSKVV, Gwalior on March, 3-4, 2017	34	2017	National
10	R.N. Kanpure	SEED Spices: A Heritage of India	Lead Paper in National Conference AGRAT 2017	1	2017	National
11	Rejani R., Rao K.V., Ranade D.H., Argal S.K., Chary G.R., Gopinath K.A., Osman M., Sammi Reddy K. and Srinivasa Rao Ch.	Spatial and Temporal Estimation Runoff under Changing Climate Scenarios at Indore.	Proceedings of 4th National Conference on Water, Environment & Society	525	2017	National

2. Abstract published in various conference/souvenir:

S. No.	Author (s)	Title	Conference Proceedings	Page No.	Year	National / International
1	Varsha Gupta, Deep Singh Sasode, Shriram Osari and Asha Arora	Effect of weed management practices to control the problematic weeds in green gram	XXIV Annual Review Meeting of AICRP-WM at MPUA&T Udaipur (Rajasthan) on February 26-28, 2017	175	2017	National
2	Deep Singh Sasode, Varsha Gupta, Asha Arora and Ekta Joshi	Evaluation of herbicide combinations to control the complex weed flora in wheat	XXIV Annual Review Meeting of AICRP-WM at MPUA&T Udaipur (Rajasthan) on February 26-28, 2017	177	2017	National
3	Ekta Joshi, Deep Singh Sasode and Varsha Gupta	Effect of Nutrient omission on productivity and economics of maize (Zea mays L.) in maize – wheat cropping system	The National Forage Symposium 2017" at RVSKVV, COA, Gwalior on March, 3-4, 2017	30	2017	National
4	Deep Singh Sasode, Ekta Joshi and Varsha Gupta	Nutrient Management in Forage Intercropping Systems	The National Forage Symposium 2017" at RVSKVV, Gwalior on March, 3-4, 2017	03	2017	National
5	Varsha Gupta, Deep Singh Sasode Asha Arora and Ekta Joshi	Effect of weed management practices to control the problematic weeds in Black gram	The National Forage Symposium 2017" at RVSKVV, Gwalior on March, 3-4, 2017	34	2017	National
6	Varsha Gupta, Deep Singh Sasode, Asha Arora and Ekta Joshi	Effect of integrated weed management practices on growth and yield of wheat crop	National Conference on "*Advances in Global Research in Agriculture and Technology*" (AGRAT 2017) at Agra (UP) on March 19-20, 2017	123	2017	National
7	Fatehpuria, P.K., Gupta,V., Chobe, D.R., and Sasode Rajni	Studies on the field evaluation of *Brassica* germplasm/varieties against *S. sclerotiorum* under inoculated condition	Proceedings of the international conference on science, Technology, Women *Stu., Busi. & Social Sci.*, Goa	58	2016	National

S. No.	Author (s)	Title	Conference Proceedings	Page No.	Year	National / International
8	Gupta,V.; Chobe, D.R.; Fatehpuria, P.K.; Kaur, A. and Sasode Rajni	Management of seedling not rot of chilli caused by *Rhizoctonia solani* using *Trichoderma* spp	14th International Workshop on Trichoderma and Gliocladium		2016	International
9	Sharma, Satish; Kaur, Arvindar; Pachori, Amita; Sharma, Omprakash; Singh, Reeti. and Pandya, R.K.	Powdery mildew as a major biotic constraint in cluster bean	Nat. Sym. New Directions in Managing. Forage Resources and livestock productivity in 21stCentury: Challenges and Opportunities. Held on 3-4 march 2017 at RVSKVV, COA, Gwalior	4-2	2017	National
10	Sharma, Satish., Kaur, Arvindar., Pachori., Amita., Shamra Omprakash and Singh, Reeti	Fruit tree based agro Forestry system for livelihood security in Gird Zone	National Conference on Diversification of Agric. For Food and Nutrition security held at School of Agriculture, ITM University, Gwalior feb 27-28,	53	2017	National
11	Kaur, A., Singh Reeti , Kushwaha S.R. , Gupta J.C and Singh S.K	use of signaling molecule in minimizing post harvest losses of fruit	6thInternational Conference on Technology Innovation and Management for Technology Innovation and Management For Sustainable Development. ITM univ. Gwalior M.P. India held 11-13 feb.		2016	International
12	Pachori, A., Sharma O.P., Rai, A., Singh , R. and Pandya ,R.K.	Anthracnose of clusterbean on guar (*Cyamopsis tetragonaloba*) as a cause of biotic stress	National Symposiumon new directions in Managing Forage Resources and Livestock Productivity in 21st century: Challenges And Opportunities. Held on 3-4 March 2017, at RVSKVV, COA, Gwalior		2017	National
13	Sasode S. Rajni., Chobe, D.R., Fatehpuria, P.K., and singh , Reeti	Effect of different combinations of fertilizers on disease intensity of Alternaria blight of cluster bean	International conference on Sustainable Natural Resource Management: from Science to Practice (SNRMSP) January 12-13	84	2017	International
14	Gupta,V., Kaur, A., Fatehpuria, P.K., Bobde, A., Chobe,D.R., and Singh, Reeti	Performance of different chilli varieties /genotypes against major diseases of chilli (Anthracnose, Leaf curl, Damping off and Dieback) under natural condition	International conference on Sustainable Natural Resource Management: from Science to Practice (SNRMSP) January12-13	75-66	2017	International
15	Fatehpuria, P.K., Chobe, D.R., Gupta,V., Sasode, S. Rajni and Singh, Reeti	In-vitro evaluation of culture media against *Sclerotinia Sclerotiorum*	International conference on Sustainable Natural Resource Management: from Science to Practice (SNRMSP) January12-13	67	2017	International
16	Dhakar, S. Lokendra., Gupta ,	In-Virto evaluation of different culture media against	3rd National Brassica Conference (NBC 2017) "Enhancing Oilseed	243	2017	National

S. No.	Author (s)	Title	Conference Proceedings	Page No.	Year	National / International
	J.C. Fatehpuria, P.K., Chobe, D.R., Gupta,V., and Sasode, S. Rajni	Sclerotiorum causing sclerotinia blight of mustard	Brassica Production Through Climate-Smart Technologies" Feb. 16-18, 2017, ICAR-IARI, New Delhi, India.			
17	Fatehpuria, P.K., Gupta,V., Sasode, S. Rajni., Chobe, D.R., and Singh, Reeti	Evaluaton of fungicides against mycelial growth of Sclerotinia sclerotiorum under in –vitro conditions	3rd National Brassica Conference (NBC 2017) "Enhancing Oilseed Brassica Production Through Climate-Smart Technologies" Feb. 16-18, 2017, ICAR-IARI, New Delhi, India	245	2017	National
18	Chandel, Shivram., Gupta , J.C. Fatehpuria, P.K., Chobe, D.R., Singh B., and Sasode, S. Rajni	Evaluation of fungicides against mycelia growth of *Alternaria brassicae* under *in-vitro* condition	3rd National Brassica Conference (NBC 2017) "Enhancing Oilseed Brassica Production Through Climate-Smart Technologies" Feb. 16-18, 2017, ICAR-IARI, New Delhi, India	246	2017	National
19	Fatehpuria, P.K., Gupta,V.,Sasode, S. Rajni., Chobe, D.R., and Singh, Reeti	Effecacy of Different Inoculation Techniques for Testing the Pathogenicity of *Sclerotinia sclerotiourum* causing Sclerotinia Blight of *Brassica juncea*	International Seminar on Oilseed Brassica (ISOB 2017) Feb. 23-27, 2017. State Institute of Agriculture Management, Jaipur, Rajasthan (India)	141	2017	International
20	Fatehpuria, P.K., Gupta,V.,Chobe, D.R, Singh, Bhagyashree and Sasode, S. Rajni	Studies on Survey of Sclerotinia rot of crucifer in in Northern Madhya Pradesh	ISMPP 38th Annual Conference & National Symposium-2016. Challenges towards Plants Health for Sustainable Agriculture Nov. 24-26, 2016. Indian Society of Mycology and Plant Pathology, RCA, MPUAT, Udaipur-313001 (Rajasthan) India.	30	2016	National
21	Sasode, S. Rajni., Fatehpuria, P.K., Chobe, D.R, and Patidar S.	Studies on *Bipolaris sorokiniana* (Sacc.) Shoemaker Causing Leaf Blight of Wheat.	National Conference on Advance in Global Research in Agriculture and Technology (Agrat 2017) March 19-20, 2017 Society of	39	2017	National
22	Fatehpuria, P.K., Chobe, D.R.,Gupta,V., Singh, Sasode, S. Rajni	Evaluation of Botanicals against Sclerotinia Blight of Mustard Caused by *Sclerotinia Sclerotiorum* Under In-Vitro Condition	National Conference on Advance in Global Research in Agriculture and Technology (Agrat 2017). March 19-20, 2017 Society of Human Resource and Innovation, Agra (U.P.) India	*49*	*2017*	National
23	Chetan M. Bondre	Population dynamics of Helicoverpa armigera (Hubner) on Chickpea	Advance in Global Research in Agriculture and Technology	86	2017	National
24	Khandkar, U.R., Tiwari, S.C., Sharma,R.K. and Verma, S.K.	Relative efficiency of amendments in reclamation of sodic Vertisols and their effects on crop production	National Seminar on Climate Resilient Saline Agriculture : Sustaining Livelihood Security,21-23,January 2017 held at S.K.R.A. University, Bikaner (Rajasthan)	-	2017	National
25	Deepa Ahirwar, A.K. Sharma and	Effect of sowing date on oil content and yield of safflower	--	20-	2016	International

S. No.	Author (s)	Title	Conference Proceedings	Page No.	Year	National / International
	Devendra Patil	cultivars		21		
26	N.S. Thakur, B.B. Kushwaha, Devendra Patil and A.K. Sharma	Integrated nutrient management in *kharif* sorghum [*Sorghum bicolor (*L.) Moench]	--	357-358	2016	International
27	Deepika Patel, M.P. Jain, O.P. Girothia and Devendra Patil	Diminishing effect of aberrant weather condition through foliar spray of chemicals, Extended Summaries	--	23-24	2016	International
28	O.P. Girothia, H.S. Thakur And Devendra Patil	Contingent crop practices under aberrant monsoon condition of *Malwa* region Summaries	--	50-51	2016	International
29	H.S. Thakur , Devendra Patil and O.P. Girothia	Bioefficacy of different herbicides for control of weed flora in soybean Summaries	--	316-317	2016	International
30	Surendra Kumar Rahangdale, M.P. Jain And Devendra Patil	Weed management in soybean [*Glycine max* (L.) Merrill] under dryland condition of Vertisol in Malwa Plateau of Madhya Pradesh Summaries	--	354-355	2016	International
31	S.K. Choudhary, N.K. Sinha, Devendra Patil and Dharna Yede	Effect of method of tillage, nutrient management and mulch practices on different cropping systems Summaries	--	959-961	2016	International
32	Sharam S.K., Girothia A., Singh V.P., Sikarwar R., Chouhan N,. and Tomar S.S.	climate variability and trends at Indore district of Malwa Agro climatic zone of western Madhya Pradesh.	Development in soil Science-2016" during 81th convention which was held at RVSKVV, Gwalior.		Oct-20-23, 2016.	National
33	Chouhan N, Sharma S.K., Gupta D., Girothia A., Singh V.P.,.Sikarwar R and Taniwaki K.	Evaluation of Response of Applied - P to Soybean Grown in Vertisols and Influence of Rhizosphere on its Availability.	Development in soil Science-2016" during 81th convention which was held at RVSKVV, Gwalior.		Oct-20-23, 2016.	National
34	Sharma S.K., Sikarwar R, Singh V.P., Chouhan N , Girothia A and Taniwaki K.	Subsoiling for enhanced soybean production in Vertisol.	Development in soil Science-2016" during 81th convention which was held at RVSKVV, Gwalior.		Oct-20-23, 2016.	National
35	S.K. Sharma, *S.S.Tomar, R.*	Managing vertisols for enahanced	Global Ravine Conference on Managing Ravine for Food and	105	March 07-10,	International

S. No.	Author (s)	Title	Conference Proceedings	Page No.	Year	National / International
	Shikarwar, V.P.Singh, R.S.S.Tomar, N. Chauhan, A. Girothia	soybean production central India	Livelihood Security .		2016	
36	*S.K. Sharma, N. Chouhan, S.D.Upadhyay, V.P. Singh, R. Sikarwar, S.S. Tomar*	Evaluation of biological interactions in acacia-rice agro-forestry system.	Global Ravine Conference on Managing Ravine for Food and Livelihood Security March 07-10, 2016	106	2016	International
37	S. K. Sharma, S.Siddaqui, N. Chuhan, V.P. Singh, R.Shikarwar, S.S.Tomar	Microbial Decomposition in Detrital of Agroforestry Ecosystem under Wastelands.	Global Ravine Conference on Managing Ravine for Food and Livelihood Security March 07-10, 2016	117	2016	International
38	S.K.Sharma, N.Chouhan, B.S.Dwivedi, N. Ae, Ken Taniwaki and Sudeep Tomar	Rhizosphere Effect on Phosphorus Availability to Soybean Crop in Vertisols of Central India.	Global Ravine Conference on Managing Ravine for Food and Livelihood Security March 07-10, 2016	145	2016	International
39	S.K. Sharma, Sushama Parmar, Sudeep S. Tomar, R.S.S. Tomar, A.Girothia, R.Shikarwar and V.P.Singh	Trends of climate change and estimations of rainfall probabilities, soil erodability and suitable strategies for mitigation and adaptation to sustain soil and crop productivity in western M.P.	Global Ravine Conference on Managing Ravine for Food and Livelihood Security March 07-10, 2016	156	2016	International
40	Singh, S.B., Ahirwar, Annu, Patel, R. P. and Upadhyay, S. N.	Meteorological caudation of cotton whitefly, Bemisia tabaci (Gennadius) in Bt and non Bt cotton in Malwa region	Conference	170-71	2017	National
41	Dwivedi, Shailendra K.	Development of Nutritionally Rich karonda fruit beverages for self life study.	In proceeding of International Conference on Nutraceuticals and Functional Foods. The Challenges and Opportunities and XIII Convention of The Indian Society of Agricultural Biochemists, Kanpur (ICNFF-16-ISAB) Held At Anand Agricultural University, Anand-388 110.	Nil	2016	National
42	Jayashri, Barcchiya and Kushwah S.S.	Effect of integrated nutrients management on growth, yield and quality of seed in french bean (*Phaseolus vulgaris* L.).	Poster presented in An International meet on 7th Indian Horticulture Congress-2016 "Doubling farmers income through horticulture" organized by *Horticultural Society of India*, New Delhi from 15-18 November	Nil	2016	National

S. No.	Author (s)	Title	Conference Proceedings	Page No.	Year	National / International
			2016 at IARI New Delhi.			
43	Kanpure, R.N.; Kumar, Puneet; Singh, H.P. and Patel, R.P.	Studies on floral biology fruit setting and fruit development in different cultivars of guava under Malwa plateau conditions of Madhya Pradesh.	National conference on Advances in Global Research in Agriculture and Tecchnology (AGRAT-2017) March ,19-20,2017 , organised by *Society of human resource and innovation*, AGRA (U.P.) India in collaboration with Gramin Vikash Avam Prasar Samit, Agra and Samaj Kalyan Avam Samannivit vikash Santha, Ajmer(Raj.) at Hotel solitaire,Agra. Souvenir cum lead/abstracts proceeding book.	184-185	2016	National
44	Kanwar, Jyoti; Bhati, Singh, Arvind; Naruka, I.S; Sanjay and Singh, Om	Response of Plant Growth Regulators and Zinc on Fruiting and Yield Parameters of Acid Lime (*Citrus aurantifolia* Swingle) Cv. Kagzi Lime.	7th Indian Horticulture congress 2016 Doubling Farmers Income through Horticulture. *ICAR, Horticultural Society of India*, Ministry of Agriculture & Farmers Welfare	271	2016	National
45	Khan, K. Alam; Sarkar, Anwesha; Pandey, G.N.; Mishra, S.N.	Application of Sensors for Determination of Non-Destructive Quality of Foods.	Poster presented in 51st Annual Convention of *Indian Society of Agricultural Engineers* (ISAE) & National Symposium on "Agricultural Engineering for Sustainable and Climate Smart Agriculture" organized by College of Agricultural Engineering and Technology, CCS HAU, from16-18 February 2017 at Hisar, India.	Nil	2017	National
46	Kushwah, S.S.; Choudhary, Jitendra; Singh, O.P. and Naruka, I.S.	Evaluation of Morphological, Growth, Yield and Quality Traits in Indian Bean Germplasm.	National Symposium on vegetable legumes for soil and human health organized by *Indian institute of vegetable research*, Varanasi from February 12-14,2016	Nil	2016	National
47	Kushwah, S.S.; Guptam Sourav; Narukam I.S and Singhm O.P.	Effect of nitrogen levels on growth and yield of different varieties of kharif onion (*Allium cepa* L.)	2nd National Symposium on Edible Alliums: Challenges and future strategies for sustainable production organized by ICAR-Directorate of Onion and Garlic Research, Rajgurunagar,Pune and Beej Sheetal Bio- Science Foundation, Jalna from 7-9 Nov. 2016	Nil	2016	National
48	Kushwahm S.S.; Singhm O.P.; Naruka, I.S. and Sharma, R. K.	Collection, evaluation and characterization of spine gourd (*Momordica dioica* Roxb.Ex.Willd.)germplasm	Global Ravine Conference on Managing Ravines for Food and Livelihood security (GRC 2016)- at RVSKVV, Gwalior from March 7-10,2016	Nil	2016	National

S. No.	Author (s)	Title	Conference Proceedings	Page No.	Year	National / International
49	Kushwahm S.S.; Singhm O.P.; Narukam I.S. and Sharmam R.K.	Annual drumstick cultivation- an option for livelihood under ravine ecosystem	Global Ravine Conference on Managing Ravines for Food and Livelihood security (GRC 2016)- at RVSKVV, Gwalior from March 7-10,2016	Nil	2016	National
50	Malviya, N.; Naruka, I.S.; Gallani, R. and Singh, O.P.	Effect of Integrated nutrient management practices on growth, yield and quality of Ashwagandha.	Oral presentation at National Symposium organized by *Society for Advancement of Human and Nature* (SADHNA) at Goa, 15-17 FEBRUARY 2017.	Nil	2017	National
51	Nagar, Gopal;, Kushwah, S.S.; Sharma, R. K.; Gallani, R.and Singh, O.P.	Effect of varieties and nutrient levels on yield and economics of knolkhol (*Brassica oleracea* var. *gongylodes* L.) in Malwa region of Madhya Pradesh	Abstract in 7th Indian Horticulture Congress, Platinum jubilee of HSI an International meet, Doubling farmer's income through horticulture held from November 15-18, 2016 at New Delhi.	Nil	2016	National
52	Naruka, I. S.; Yadav, H.S.; Somkuwar, R.G. Singh, O.P. and Kanwar, Jyoti	Evaluation of colour seedless varieties of Grapes under The Malwa Plateau Conditions of Madhya Pradesh.	National conference on fruit breeding tropics & subtropics- *an Indian Perspective* 27-29 April, 2016.	Nil	2016	National
53	Pandey, G.N.; Chundawat, R.S.; Patel, R.P.; and Patidar, D.K.	Effecacy and selected fungicide against leaf blight disease of chandrasur caused by *Alternaria alternata* .	December 10-11 2016 at Prof. Jayashankar Telangana State Agricultural University Rajendranagar, Hyderabad (Telangana) Souvenir & conference book ICAAS-2016	PP-227-228.	2016	National
54	Pardhi, Seema; Sharma, R. K.; Kushwah, S. S. and Gallani, R.	Effect of varieties and integrated nutrient management on growth, yield and quality of seed in cowpea (*Vigna unguiculata* L.) .	Oral presentation in the National Symposium on "Advances in Agriculture through Sustainable Technologies and Holistic Approaches (AASTHA)" organized from 15-17 February 2017 at International Centre Dona Paula, Goa, India by *Society for Advancement of Human and Nature* (SADHNA) Dr YS Parmar University of Horticulture and Forestry, Nauni Solan, Himachal Pradesh, India	Nil	2017	National
55	Patel, R.P.; Kanpure, R.N.; Pandey, G.N.; Singh, O.P. and Patidar, B.K.	Occurrence of Fig rust (*Cerotelium fici* E. Butler) Arthur in Western Madhya Pradesh	Abstract in 7thIndian Horticulture Congress,Platinum jubilee of HSI an International meet,Doubling farmers income through horticulture held from November 15-18, 2016 at New Delhi.	Nil	2016	National
56	Patel, R.P.; Pandey, G.N.; Patidar,B.K.and	Survey of cumin disease in Malwa Plateau of Madhya Pradesh.	National conference on Advances in Global Research in Agriculture and Tecchnology (AGRAT-2017)	171-172	2016	National

S. No.	Author (s)	Title	Conference Proceedings	Page No.	Year	National / International
	Patidar,D.K.		March ,19-20,2017 , organised by Society of human resource and innovation,AGRA (U.P.) India in collaboration with Gramin Vikash Avam Prasar Samit, Agra and Samaj Kalyan Avam Samannivit vikash Santha, Ajmer(Raj.) at Hotel solitaire,Agra. Souvenir cum lead/abstracts proceeding book.			
57	Patel, R.P.; Tripathi, M.K.; Kanpure, R.N. and Haldar, Ajay	Effect of environmental factors of occurrence of leaf spot disease in giloy (*Tinospora cordifolia*) Miers Ex Hook.F.Thomas.	National conference on Innovative and current advances in Agriculture & Allied Sciences. December 10-11, 2016 at Prof. Jayashankar Telangana State Agricultural University Rajendranagar, Hyderabad (Telangana)	96-97	2016	National
58	Patle, Chandni; Kushwah, S.S.; Singh, O.P. and, Naruka, I.S.	Effect of weed management practices in rabi onion (*Allium cepa* L.)	2nd National Symposium on Edible Alliums: Challenges and future strategies for sustainable production organized by ICAR-Directorate of Onion and Garlic Research,Rajgurunagar,Pune and Beej Sheetal Bio- Science Foundation, Jalna from 7-9 Nov. 2016.	Nil	2016	National
59	Singh, O.P. and Kushwah, S.S.	Climate change impacts on vegetable Cultivation in Madhya Pradesh	National Conference on Innovative and Current Advances in Agriculture & Allied Sciences organized by SSDAT, Meerut (U.P.) at Prof.JTSAU Rajendranagar, Hyderabad from 10-11 Dec. 2016.	Nil	2016	National
60	Singh, Om	Development and shelf Life Evaluation of Therapeutic Ready to Serve (RTS) beverages Prepared from Blending of Aonla Pulp and *Aloe vera* Gel.	Post Harvest technology of Agricultural Produce for Sustainable Food and Nutrition Security. *U.P. Council of Agricultural Research (PUCAR) and Integral University*.	Nil	2016	National
61	Singh, S.B.; Ahirwar, Annu; Patel, R.P. and Upadhya, S.N.	Meterological caudation of cotton whitefly Bamisia tabaci (Gennadius) in BT and non BT cotton in Malwa region of Madhya Pradesh.	National conference on Advances in Global Research in Agriculture and Tecchnology (AGRAT-2017) March ,19-20,2017 , organised by Society of human resource and innovation,AGRA (U.P.) India in collaboration with Gramin Vikash Avam Prasar Samit, Agra and Samaj Kalyan Avam Samannivit vikash Santha, Ajmer(Raj.) at Hotel solitaire,Agra. Souvenir cum	170-171	2016	National

S. No.	Author (s)	Title	Conference Proceedings	Page No.	Year	National / International
			lead/abstracts proceeding book.			
62	Thakur, Riya; Kushwahm S.S.; Sharmam R. K. and Singhm O.P.	Effect of environmental conditions and varieties on growth, yield and quality parameters of Broccoli (*Brassica oleracea* var. italicaL.)	Abstract in 7thIndian Horticulture Congress, Platinum jubilee of HSI an International meet, Doubling farmer's income through horticulture held from November 15-18, 2016 at New Delhi.	Nil	2016	International
63	Sushma Tiwari, Ekta Joshi, R S Sikarwar, M K Tripathi, Reshu Tiwari and R S Tomar	Thrust areas of research for exploiting the potential yield of the groundnut using molecular and conventional breeding approaches	International Conference on Emerging trends in Allied & Applied Biotechnology-2017 held at Orchha (M.P.) from 1-2 April 2017.	87	2017	International
64	R N Kanpure , H P singh	Effect of foliar spray of Urea and Zinc sulphate on Physiological and quality parameters of Guava	National Conference AGRAT 19-20 March 2017	33	2017	National
65	H P Singh , S S Tomar	Impact analysis of production productivity and economics of Black Gram through FLD	National Conference 19-20 March 2017	183	2017	National
66	R N Kanpure ,H P Singh	Studies on floral Biology Fruit setting and fruit development in different cultivators of Guava.	National Conference 19-20 March 2017	183	2017	National

For the Year 2017-18

Research papers/Abstract (Presented & Published)/Books/Book Chapters/ Teaching Manual/ Popular Articles etc.

S. No.	Category of publication	Nos
1	Research paper presented in the seminar/ Souvenir	16
2	Abstract Published in Seminar/Symposia/Conferences	25

1 Research papers presented in the Seminar/Symposium:

1. Chaturvedi, Roopesh. 2018. Political Cynicism and Mass Migration: An overview of the Novels of Displaced Sensibility' in 62nd All India English Teachers' Conference at Hyderabad from Jan.18-20, 2018.
2. Dubliya, Yogesh; Sankar, Vidhya, M.; Kumar, Anuj and Gallani, Roshan. 2018. Evaluation of different INM practices on growth and productivity of tuberose (*Polianthes tuberosa*) in Malwa region of M.P." National conference on *"Innovative technological interventions for doubling farmers' income''* at SKUAST Jammu (J&K).'
3. Dwivedi, S.K. 2017. Fruit based fermented beverages. In Proceeding of ICAR-Winter school on "Hi-Tech interventions in fruit production towards hastening productivity, nutritional quality and value addition" organized by Department of fruit science, College of horticulture and forestry, Agriculture University- Kota.
4. Dwivedi, S.K. and Singh, Om. 2018. Preparation and Evaluation of Ready to Serve Beverages from Jamun fruits. During International Conference on *Invigorating Transformation of Farm Extension towards Sustainable Development: Futuristic Challenges and Prospects* - INTFES – 18. In Proceeding organized by Tamilnadu Agriculture University, Coimbatore, Tamilnadu during 9-10 March 2018.
5. Haldar, A.; Nagaich, K.N.; Meena, K.C.; Patidar, D. K., and Thakur, R. 2017. Response of variety, spacing and nitrogen on growth and tuber yield of potato with special reference to economics. International conference on *Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture & Allied Sciences* (GRISAAS-2017) during 02-04 December 2017 at Maharana Pratap University of Agriculture & technology, Udaipur, Rajasthan.
6. Khan, K. A.; Patel, M.B. and Kapur, Tarun. 2018. Study of Suspended Particulate Matter in Traditional Seed Spices Cleaning-Grading Industry. 52nd Annual Convention of *Indian Society of Agricultural Engineers* at AAU, Anand from 8-10 January 2018.
7. Meena, A. K.; Kumar, Anuj; Sankar, Vidhya M. and Gallani, Roshan. 2017. Effect of Potassium on Growth and Flowering of French marigold (*Tagetes patula*) cv. Pusa Arpita under Malwa Region of Madhya Pradesh. International conference on *Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture & Allied Sciences* (GRISAAS-2017) at MPUAT, Udaipur, Rajasthan.

8. Meena, K.C; Haldar, A.; Patidar, D. K.; Soni, N. and Nagaich, K.N. 2017. Quantification of physiological traits and mechanisms in pigeonpea (*Cajanus cajan*) genotypes after recovery from waterlogging. *International Conference on Advances in Agricultural and Biodiversity Conservation for sustainable development* at C.C.S University, Meerut, Uttar Pradesh, India.
9. Pandey, Ankit. 2017. Effect of different drying methods on the quality of tomato powder. International conference on *Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture & Allied Sciences* (GRISAAS-2017) during 02-04 December 2017 at Maharana Pratap University of Agriculture & technology, Udaipur, Rajasthan.
10. Pandey, G.N.; Patel, R.P.; Patidar, B. K. and Patidar, D. K. 2017. Assessment of losses of leaf blight disease in chandrasur caused by *Alternaria alternate*. Symposium on *challenges and opportunities: Management of plant diseases under weather changes*, December,14-15, 2017, JNKVV, Jabalpur, (M.P.) India.
11. Pandey, G.N.; Patidar, B.K.; Patidar, D. K. and Patel, R. P. 2017. Management of anthracnose disease of safed musali (*Chlorophytum borivilianum*) caused by *Colletotrichum chlorophyti*. Symposium on challenges and opportunities: Management of plant diseases under weather changes, December,14-15,2017, JNKVV,Jabalpur, (M.P.) India.
12. Patel, R.P.; Pandey, G.N., D Padidar, K. and Pandey, Ankit 2018. Effect of climate change on severity of downy mildew caused by (*Peronospora arborescens* (BERK.) of opium poppy (*Papaver somniferm* L) in Mandsaur District of M.P. and Adjoining area of Rajasthan. National Conference on *"Current Trends in Plant Science and Molecular Biology for food Security and Climate Resilient Agriculture.*Rajmata Vijayaraje Sciendia Krishi Vishwa Vidyalaya, Gwalior & National Environmental Science Academy (NESA), New Delhi 15-16 February, 2018.
13. Patel, R.P.; Pandey, G.N., Pandey, Ankit and Patidar D.K. 2017. Green Mould observed on cultivated oyster mushroom beds caused by *Trichoderma* Spp. In Mandsaur District of MP. International conference on *Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture & Allied Sciences* (GRISAAS-2017) during 02-04 December 2017 at Maharana Pratap University of Agriculture & technology, Udaipur, Rajasthan (India).
14. Singh, Om; Choudhary, Deepak; Dwivedi, S.K., Patidar, B.K. and Rathore, G.P.S.. 2017. Studies on Development and selflife of therapeutic ready to serve beaverages prepared from blending of Aonla pulp and *Aloe vera* gel. International Conference on Sustainability of Smallholder Agriculture in Developing Countries under Changing Climatic Scenario.14th -17th February 2018. Jointely organized by the Society of Agricultural Professonals and Chandra Shaker Azand Univesity of Agriculture and technology, Kanpur (India).
15. Sonkar, Priyamvada; Chouhan, Anil; Kanpure, R.N.; Anjanaew, S.R. and Barde, Pravin. 2017. Effect of foliar application of urea, boronand 2,4-Don growth,quality and yield

of Acid Lime (*Citrus aurantifolia* Swingle). International Conference on *Advance Research in Applied Science, Environment Agriculture & Entrepreneurship Development,* December 4-6, 2017 at Bhopal (M.P.).

16. Tripathi, M.K. 2017. Climate change and approaches to mitigate climatic adversities in Madhya Pradesh agriculture. *International Conference on Global Research Initiatives for Sustainable and Allied Science* (GRISAAS) , MPUA&T Udaipur during December02-04, 2017.

2. Abstract published in various conference/souvenir:

S.No	Author (s)	Title	Conference Proceedings	Page No.	Year	National / International
1	Ekta Joshi and Varsha Gupta	Nutrients omission study for better nutrient uptake and enhanced nutrient efficiencies in maize (Zea mays L.) under maize-wheat cropping system	National Seminar on Developments in Soil Science, 82nd Annual Convention December 11-14, 2017 Amity University, Kolkata.		2017	National
2	Varsha Gupta, Ekta Joshi and D.S. Sasode	Weed management in potato crop under organic farming	National Seminar on Developments in Soil Science, 82nd Annual Convention December 11-14, 2017 Amity University, Kolkata		2017	National
3	Ekta Joshi, Deep Singh Sasode and Varsha Gupta	Effect of nutrient omission on growth, yield, profitability and water productivity of wheat in maize – wheat cropping system	Third International Conference on 'Bioresource and Stress Management' held at State Institute of Agriculture Management, Jaipur, Rajasthan, India during 8-11th November, 2017.		2017	National
4	Ekta Joshi, Varsha Gupta and D.S. Sasode	Crop geometry and plant nutrition effect on productivity and profitability of groundnut in Gwalior region	International Conference on Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture & Allied Sciences (GRISAAS-2017) during 02-04 December 2017 at Maharana Pratap University of Agriculture & Technology, Udaipur, Rajasthan (India)	125	2017	International
5	Sushma Tiwari, Narendra Kumar, R.S.	Marker Assisted Breeding for Improvement of	International Conference on Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture & Allied Sciences (GRISAAS-	238	2017	International

	Tomar, R.S. Sikarwar and Ekta Joshi	Groundnut	2017) during 02-04 December 2017 at MaharanaPratap University of Agriculture & Technology, Udaipur, Rajasthan (India)			
6	Sushma Tiwari, Ekta Joshi, R S Sikarwar, M K Tripathi, Reshu Tiwari and R S Tomar	Thrust areas of research for exploiting the potential yield of the groundnut using molecular and conventional breeding approaches	International Conference on Emerging trends in Allied & Applied Biotechnology-2017 held at Orchha (M.P.) from 1-2 April 2017.		2017	International
7	Patidar, Payal and Bajpai, Rashmi	Integrated nutrient management on yield of brinjal (Solanum melongena) cv. NDBH-6	-		2017	International
8	Patidar, Payal, Bajpai, Rashmi and Agrawal, S.	Effect of integrated nutrient management in Brinjal cv. NDBH-6	-	254	2017	National
9	Singh, H. and Bhadoria, H.S.	Response of coriander to integrated nutrients management.	National Conference on "Managing Soil Health for Sustainable and Nutritional Food Production" organized by JNKVV, Jabalpur during October 28-29, 2017		2017	National
10	Bhadoria, S.K.S., H. Bhadoria, H.S. and Singh	Effect of Irrigation regimes and fertility levels on growth, yield, water use efficiency and economics of potato.	National Conference on "Managing Soil Health for Sustainable and Nutritional Food Production" organized by JNKVV, Jabalpur during October 28-29, 2017		2017	National
11	Bhadauria, S.K.S. and Bhadoria, H.S.	Effect of irrigation schedules and ferlity levels on growth, yield, water use efficiency and economics of brinjal.	20th Indian Agricultural Scientists & Farmers Congress" held at BRIATS, Allahabad during Feb. 17-18, 2018		2018	National
12	JayaRathore, A.K.Singh, Narendra Kumar,Ashok Ahuja and Sushma Tiwari	Gamma Radiation effects on Proline content in Different genotypes of Cluster bean. National Conf. in Plant science and Molecular Biology for food security and	International Conference on Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture & Allied Sciences (GRISAAS-2017) during 02-04 December 2017 at MaharanaPratap University of Agriculture & Technology, Udaipur,	pp:97	15-16 Feb.2018	National

		climate resilient agriculture	Rajasthan (India)			
13	S.K.Yadav, A.K.Singh, R.K.Sharma, Sushma Tiwari and Asha Kushwah	Genetic and genomic diversity analysis using SSR molecular marker in Small millet. National Conf. in Plant science and Molecular Biology for food security and climate resilient agriculture,	International Conference on Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture & Allied Sciences (GRISAAS-2017) during 02-04 December 2017 at MaharanaPratap University of Agriculture & Technology, Udaipur, Rajasthan (India)	pp:98	15-16 Feb.2018	National

14. Damar, Usha; Sharma, R. K.; Kushwah, S. S. and Singh, O. P. 2017. Effect of varieties, organic manures and inorganic fertilizers on growth, yield and quality of okra (*Abelmoschus esculentus* L.). International conference on *Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture & Allied Sciences* (GRISAAS-2017) during 02-04 December 2017 at Maharana Pratap University of Agriculture & technology, Udaipur, Rajasthan.:244.
15. Meena, Y.; Sharma, R.K.; Kushwah, S. S.; Gallani, R. 2017. Effect of varieties and nutrient levels on growth and yield of cauliflower (Brassica oleracea var. botrytis). Abstract in international conference on "Global research initiatives for sustainable agriculture & allied sciences (grisaas-2017)":526-527.
16. Nargave, Krishnkant; Sharma, R. K.; Kushwa, S. S. and Singh; O. P. 2018. Effect of varieties and fertility levels on growth, yield and quality of radish (Raphanus sativus L.). Abstract in National Conference on "Innovative Technological Interventions for Doubling Farmers Income" (NaCITI-2018).:17.
17. Pandey, G.N.; Patel, R.P.; Patidar,B.K. and Patidar,D.K. .2017. Assessment of losses of leaf blight disease in chandrasur caused by Alternaria alternata. Symposium on challenges and opportunities: Management of plant diseases under weather changes, December,14-15,2017, JNKVV,Jabalpur, (M.P.) India. Abstract pp-88
18. Pandey, G.N.; Patidar, B.K.; Patidar, D. K. and Patel, R.P. 2017. Management of anthracnose disease of safed musali (*Chlorophytum borivilianum*) caused by Colletotrichum chlorophyti. Symposium on challenges and opportunities: Management of plant diseases under weather changes, December, 14-15, 2017, JNKVV,Jabalpur, (M.P.) India. Abstract. pp-89
19. Patel, R.P.; Pandey, G.N.; Patidar, D.K. and Pandey, Ankit. 2018. Effect of climate change on severity of Doeny mildew caused by (Peronospora arborescens (Berk.) of Opium poppy (Papaver somniferm L.) in Mandsaur district of Madhya Pradesh and adjoining area of Rajashthan. National conference on current trends in plant science and molecular biology for food security and climate resilient agriculture 15-16 ,February, 2018, RVSKVV,Gwalior, M,P, Souvenir & abstracts. pp 154.
20. Patel, R.P.; Pandey, G.N.; Pandey, Ankit and Patidar, D.K. 2017. Green mould observed on cultivated oyster mushroom beds caused by Trichoderma spp. In Mandsaur district of Madhya Pradesh of India. International conference on *Global research initiatives for sustainable agriculture and allied sciences* (GRISAS-2017) during 2-6

December 2017 at Maharana Pratap University of Agriculture & Technology, Udaipur, Rajasthan (India). Souvenir & Conference book pp 540

21. Patidar, H.; Pandey, G.N.; Chundawat, R.S.; Mishra, S.N. Patel, R.P. and Patidar, D.K. 2018. Evaluation and characterization of asalio/chandrashur (*Lepidium sativum* L.) germplasm in Malwa Plateau of Madhya Pradesh. National conference on current trends in plant science and molecular biology for food security and climate resilient agriculture 15-16 ,February, 2018, RVSKVV,Gwalior, M,P, Souvenir & abstracts. pp 167.
22. R.P.S. Shaktawat, S.P.S Somvanshi, H.P. Singh, G.S. Chundawat, Durga Singh and G.S. Kulmi. 2017. Assessment of Weed Management Treatments on Yield of Soybean (*Glycine max* L.) and it's Weed Malwa Plateau zone of Madhya Pradesh. International Conference on Global Research Initiatives for sustainable Agriculture and Allied Science (GRISAAS – 2017) during 02-04 December 2017 at Maharana Pratap University of Agriculture & Technology, Udaipur, Rajasthan (India) organized by Astha Foundation, Meerut (U.P.) in Collobration with MPUAT, Rajasthan, and CSAUAT, Kanpur (U.P.: UAS, Raichur (Karnataka) & SSDAT, Meerut (U.P.):292.
23. Sharma, R.K.; Sen, Satish; Kushwah, S.S. and Dubey, R. 2017. Effect of different weed management practices on growth and yield of cauliflower (*Brassica oleracea* var. *botrytis* L.). An international conference on "Global research initiatives for sustainable agriculture & allied sciences (grisaas-2017):159
24. Sonkar, Priyamvada; Chouhan, A.; Kanpure, R. N.; Anjanawe, S. R. and Birde, P. 2017. Effect of foliar application of urea, boron and 2,4-D on growth, quality and yield of acid lime. ARASEAED 2017 5th International Conference on Advance Research on Applied science, Environment, Agriculture and Enterpreneurship Development, Dec. 4-6, 2017 in Bhopal. pp. 0047.

For the Year 2018-19

S. No.	Category of publication	Nos
1	Research paper presented in the seminar/ Souvenir/ Symposia/ Conferences	33

S.No	Author (s)	Title	Conference Proceedings	Page No.	Year	National / International
1	Fatehpuria Pramod K*, Pandya R.K., Sasode. R. S., Patidar J.K., Gupta. J.C. and Singh Reeti	Oxalic acid production among *Sclerotiniasclerotiorum* isolate of grid zone of Madhya Pradesh.	ISMPP 38th Annual Conference & National Symposium on Plant and Soil Health Management: New Challenges and opportunities, Indian institute of pulses	PP 287	Nov. 16-18 **2018**	National
2	FatehpuriaPramod K*, Pandya R.K., Gupta. J.C., Sasode. R. S., Patidar J.K. and Singh Reeti	*In-vitro* evaluation of*Sclerotiniasclerotiorum*isolates grid zone of M. P. under five selective media	**4th National Brassica Conference (NBC-2019). CSAUA & T, Kanpur**	PP 66	Feb. 01-03. 2019	National
3	Khambalkar Priyadarshani Arun, Shashi S. Yadav and S. K. Verma	Biofertilizers – key player for sustainable agriculture	Strategies for Soil Health Management: Achievements & Researchable Issues		2018	National
4	M.K. Tripathi, S.P.Singh, Sushma Tiwari, Nishi Mishra, Shikha Upadhyay, Akash Sharma, Jyoti Singh1, Shagun Nehra1, R.S. Sikarwar, V.S. Kandalkar and A.K. Singh	Role of biotechnology to combat against different abiotic stresses.	International Journal of Advance and Innovative Research proceeding of conference held at Vijayraje Institute of Science & Management, Gwalior (M.P.) during 20-21 December 2018	78-81	2018	International
5	Sushma Tiwari, Neha Gupta and M. K. Tripathi	Genomics Assisted Molecular Breeding for Crop Improvement: Status and Prospects.	International Journal of Advance and Innovative Research proceeding of conference held at Vijayraje Institute of Science & Management, Gwalior (M.P.) during 20-21 December 2018	27 – 30	2019	National
6	M. K. Tripathi, Sushma	Role Of Tissue Culture	International Journal	11 –	2019	National

	Tiwari, Nishi Mishra, Neha Gupta, Aakash Sharma, Shagun Nehra, Jyoti Singh, Chitrlekha Shyam, Sonali Singh, Shikha Upadhyay, Tinee Adlak, Vinod Shahu, Punam chand Bhawar, Avitash Parmar, M. S. Rathore, Rahul Verma, Sunil Yadav, Sivani Singh Rana, M. L. Chaudhary, Sanjeev Sharma, R. S. Sikarwar, Ashok Ahuja, V. S. Kandalkar and A. K. Singh	In Conservation Of Biodiversity And Crop Improvement.	of Advance and Innovative Research proceeding of conference held at Vijayraje Institute of Science & Management, Gwalior (M.P.) during 20-21 December 2018	26		
7	Pradeep Kumar Yadav, Neha Gupta, Sushma Tiwari, M K Tripathi and V S Kandalkar	Approaches and Applications of Bioprospecting of Genes for Crop Improvement	International Journal of Advance and Innovative Research proceeding of conference held at Vijayraje Institute of Science & Management, Gwalior (M.P.) during 20-21 December 2018	59 - 62	2019	National
8	Sonali Singh, M. K. Tripathi, Sushma Tiwari and Ashok Ahuja	Giloe (Tinospora Cordifolia Willd.): Multi-Efficacious Plant of Medicinal Value.	International Journal of Advance and Innovative Research proceeding of conference held at Vijayraje Institute of Science & Management, Gwalior (M.P.) during 20-21 December 2018	117 – 124	2019	National

9. Chouhan G.S., Kushwah S.S., Singh O.P. and Sharma R.K. (2018) presented research paper on 'Genetic variability, Heritability and Genetic advance for yield and yield attributing traits in Bottle gourd *[lagenaria siceraria* (Mol.) Standl.]' in the National conference on arid horticulture for enhancing productivity & economic empowerment organized by Indian Socity for arid horticulture from 27-29 October 2018 at ICAR-Central Institute for Arid Horticulture, Bikaner.
10. P.S. Dhakad and Om Singh presented research paper on Effect of weed management practices on 'weed control efficiency, growth, yield and economics of coriander (Coriandrum sativum L.)' Climate Change and Adaptive Crop Protection for Sustainable Agri-horticulture Land Scape. 2018 ICAR- NRCSS, Tabiji, Ajmer (Raj.) & Society of Plant Protection Sciences ICAR-NCIPM, Pusa Campus, New Delhi

11. Dr. S.K. Dwivedi presented expert talk on topic " Fermentation Technology for value addition in underutilized fruit crops" dated 04/08/2018 during summer school organized by SKUAST- Shalimar- Srinagar, J&K (July-6 Aug 2018)
12. Khan, Khursheed A presented *invited lecture* on '*Food Processing Techniques and their Impacts on Nutritive Value'.* in National conference on "Indigenous foods: How to promote it" organized by Department of food processing technology at Bilaspur university, Bilaspur from 19-20 April, 2018.
13. Kumar, Anit; Sehrawat, Rachna; Khan, Khursheed A; Upadhyay, Ashutosh; Babar, Onkar; Nigan, Shubhangi. 2018. *Natural colorants: Enhancement of extraction yield from wastage of grapes pomace using micro-fluidization.* Poster presented in 18th International Conference on Recent Advances in Food Processing Technology at Indian Institute of Food Processing Technology, Thanjavur, Tamil Nadu, India.
14. Patel, R.P; Pandey, G.N; Patidar, B.K; Singh S.B. and Chundavat. G.S.(2019) presented research paper on 'Severity of powdery mildew on okra (*Abelmoschus esculentus* L. Moench) caused by (erisiphe cichoracearum DC) in shaded and non shaded field in Mandsaur district of Madhya Pradesh' at 8th Indian Horticulture Congress-2019 (IHC) at Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya , Raipur Chhattishgarh 17-21 January,2019.
15. G.S. Chouhan, S.S. Kushwah, O.P. Singh and R. K. Sharma (2018). Genetic variability, heritability and genetic advance for yield and yield attributing traits in bottle gourd [*Lagenaria siceraria* (Mol.) Standl.]. E-book of abstracts, Saroj, P.L., Sharma, B.D. and Reddy, S.V.R. (Ed.), National Conference on Arid Horticulture for Enhancing Productivity & Economic Empowerment during 27-29 October 2018 at ICAR-Central Institute for Arid Horticulture, Bikaner.:17.
16. Mukesh Dawar, Anuj Kumar, Vidhya Sankar M. and Roshan Gallani (2018). Effect of biofertilizers on growth and flowering of tuberose (Polianthes tuberosa L.) under Malwa Plateu of M.P. Abst. National Conference on Ornamental Horticulture to Uplift Rural Economy (11-13 January, 2019) at RCA, MPUAT, Udaipur (Raj.).
17. Asha Rokade, Vidhya Sankar M. and Kumar Anuj (2018). Response of in French marigold cv. Pusa Arpita to Biofertlizers. Abst. National Conference on Ornamental Horticulture to Uplift Rural Economy (11-13 January, 2019) at RCA, MPUAT, Udaipur (Raj.) p. 89
18. Bhandari, J and Kanpure, R.N. 2019 Effect of INM on growth, yield and quality of Acid lime (*Citrus aurantifolia* Swingle). National seminar on technological advancement in horticulture for 21st century during 18-19 February 2019 at College of Horticulture and Forestry, Jhalawar (Raj.) pp 285.
19. Nargave Krishnkant, Sharma R.K., Kushwah S.S. and Singh O.P. (2018) Effect of varieties and fertility levels on growth,yield and quality of radish(*Raphanus sativus* L.) Under Malwa region of Madhya Pradesh.National conference on Innovative technological interventions for doubling farmer's income held from February 08-

10,2018 organized by Society for integrated development of agriculture,veterinary and ecological sciences at Sher-e-Kashmir university of agricultural sciences and technology of Jammu(J&K)

20. Kumrawat D., Kanpure R.N.,SinghO.P., Bhandari J,and Kachouli B. (2018)Effect of integrated nutrient management on quality and yield parameters of guava (*Psidium Guajava L.*)CV,1-49. International Conference on Global Research Initatives for Sustainable Agriculture & Allied Sciences (GRISAAS-2018) during 28-30 October 2018 at Rajasthan Agricultural Research Institute, Durgapura, Jaipur, Rajasthan
21. Chouhan G.S., Kushwah S.S., Singh O.P. and Sharma R.K. (2018) Genetic variability, Heritability and Genetic advance for yield and yield attributing traits in Bottle gourd *[lagenaria siceraria* (Mol.) Standl.] National conference on arid horticulture for enhancing productivity & economic empowerment organized by Indian Socity for arid horticulture from 27-29 October 2018 at ICAR-Central Institute for Arid Horticulture, Bikaner
22. Veerbhadreswar, Kushwah S.S.,Sharma R.K., and Singh O.P. (2018) Studies on genetic variability, Heritability and Genetic advance for growth, yield and quality traits in bush type Indian bean. National conference on arid horticulture for enhancing productivity & economic empowerment organized by Indian Socity for arid horticulture from 27-29 October 2018 atICAR-Central Institute for Arid Horticulture, Bikaner
23. Haldar, A., Meena KC, Patidar, D.K., and Soni, N. (2018). Miricle Plant Fenugreek: A review, on the occasion of 2nd International Conference on Advances in Agricultural, Biological and Applied Sciences for Sustainable Future (ABAS 2018) during 20-22 October, 2018 at Sardar Patel Auditorium Swami Viviakanand Subharti University, Meerut, Uttar Pradesh, India. Published by Shri Gyan Sagar Publications, Indra Nagar I, Meerut, (ISBN: 978-81-937106-7-8)
24. Soni Nitin, Meena Kilash Chandra , Haldar Ajay, Patidar Dharmendra K., Tiwari Rajesh and Patil Prakash *(2018) Valuation Of Different Colored Varieties Grapes Under Nontraditional Area Malwa Plateau : A Thin Line Tool For Doubling The Farmer Income" 8th Indian Horticulture Congress-2018 to January 17-21, 2019 at IGKV, Raipur(CG) :595*
25. Soni Nitin, Pandey S.K., Singh S.S.,Meena Kilash Chandra , Haldar Ajay and Patidar Dharmendra K. *(2018) "Influence of growing media and Indole Butyric Acid on clonal propagation through stem cutting in Guava (Psidium guajava L.) Allhabad Safeda"8th Indian Horticulture Congress-2018 to January 17-21, 2019 at IGKV, Raipur(CG) :596*
26. Haldar, A., Meena KC, Patidar, D.K., and Soni, N. (2018). Miricle Plant Fenugreek: A review, on the occasion of 2nd International Conference on Advances in Agricultural, Biological and Applied Sciences for Sustainable Future (ABAS 2018) during 20-22 October, 2018 at Sardar Patel Auditorium Swami Viviakanand Subharti University, Meerut, Uttar Pradesh, India. Published by Shri Gyan Sagar Publications, Indra Nagar I, Meerut, (ISBN: 978-81-937106-7-8)

27. Saniya khan, Jyoti kanwar, Naruka I.S and Singh P.P (2018). Genetic variability and association among colour and white seedless genotypes of grape (*Vitis vinifera*). *Indian Journal of Agricultural Sciences*, 88(5):737-45
28. Abdulrazaq Bepari, Naruka I.S, Meena K.C, Haldar A and Nayma S (2018). Effect of Sulphur and Zinc on growth, yield and quality of Coriander (Coriandrum sativum L.) cv.RCr-436. *International Journal of Chemical Studies*, 6(5): 2479-2483.
29. Singh, S.B.; Patel, R.P. and Chundavat. G.S.2018. Reaction of Bt cotton hybrids against sucking insect pests in Malwa region of Madhya Pradesh. International Conference on Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture and Allied sciences (GRISAAS-2018) at RAU, Durgapura, Jaipur, from 28-30, October, 2018.
30. Dawar, M.; Kumar, A.; M Vidhya Sankar. and Gallani, R. (2019) Effect of biofertilizers on growth and flowering of tuberose (*Polianthes tuberosa* L.) under Malwa Plateau of M. P. Book of Abstracts National Conference on Ornamental Horticulture to Uplift Rural Economy. Organized by ISOH, New Delhi and MPUAT, Udaipur, Rajasthan: pp 78
31. Asha, R.; Vidhya Sankar. M and Kumar, A. (2019). Response of French marigold cv. Pusa Arpita to biofertilizers. Book of Abstracts National Conference on Ornamental Horticulture to Uplift Rural Economy. Organized by ISOH, New Delhi and MPUAT, Udaipur, Rajasthan: pp 89
32. Parihar, R.; M. Vidhya Sankar and Kumar, A. (2019). Performance of spray chrysanthemum (*Dendranthema grandiflora* Tzvelev.) cultivars in the Malwa region of Madhya Pradesh. Book of Abstracts National Conference on Ornamental Horticulture to Uplift Rural Economy. Organized by ISOH, New Delhi and MPUAT, Udaipur, Rajasthan: pp 105
33. H.C. Bharvey, R.N. Sharma and R.P. Patel presented research paper on "Analytic study of M.Sc. (Horticulture) thesis under the department of plantation, spices, medicinal and aromatic crops at KNK College of Horticulture, Mandsaur (M.P.)" In International conference on Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture and Allied sciences (GRISAAS-2018) at RAU, Durgapura, Jaipur, from 28-30, October, 2018.

For the Year 2019-20

Research papers/Abstract (Presented & Published)/Books/Book Chapters/ Teaching Manual/Popular Articles etc.

S. No.	Category of publication	Nos
1	Abstract published in various conference/souvenir	30

1. **Abstract published in various conference/souvenir:**

S. No	Author (s)	Title	Conference Proceedings	Page No.	Year	National / International
1	**Sasode D.S,** Gupta Varsha, Kasana B.S, Joshi Ekta, Singh Y.K. and Bhadauria V.P.S.	Management of *Cuscutaa reflexa* by different herbicides and its impact on yield of berseem (*Trifolium alexandrinum* L.) fodder crop.	ISWS Biennial Conference, 5-7 Feb. 2020 at ICAR- Central Coastal Agricultural Research Institute, Old Goa		**2020**	
2	**Sasode D.S,** Joshi Ekta, Gupta Varsha	Weed flora dynamics, growth and yield response of mustard (Brassica juncea L.) under conservation. Tillage and weed management practices	National Conference on Resource for soil Security and Jalshakti :, February 3-5, 2020 at ICAR-IISWC Research Centre, Datia (M.P.)		**2020**	
3	Gupta Varsha, **Sasode Deep Singh,** Joshi Ekta, Kasana B.S., Singh Y.K. and Bhaduaria V.P.S.	Weed management in sweet corn in maize based non-chemical cropping system.	ISWS Biennial Conference, 5-7 Feb. 2020 at ICAR- Central Coastal Agricultural Research Institute, Old Goa		**2020**	
4	Rawat, G.S., **Sharma, Janmejay** and Sasode Rajni	Seed Yield of clusterbean of as influenced by tillage and nutrient management	National Seminar on Strategies for Soil Health Management		**2019**	

		practices.	Achievements & Researchable Issues March, 02-03, 2019.			
5	**Sharma, Janmejay**, Tomar, S.S., Singh Ajay	Effect of weed control and nutrient management practices on NPK uptake by weed and crop in wheat.	National Seminar on Strategies for Soil Helth Management Achievements & Researchable Issues March,02-03, 2019.		**2019**	
6	Bharat lal, Bhaduaria n.s., **Tomar s.p.s.** and devendra vishvkarma	Seasonal incidence of sucking insect pests in brinjal and their natural in gird region of Madhya Pradesh, India.	GIASE- 2019	260	2019	**International**
7	**Dr. Shashi S. Yadav, Dr. Priyadarshani A. Khambalkar and Dr. S. K. Trivedi**	**Improve the livelihood of farmers of Madhya Pradesh via good quality fodder production**	**Symposium on "Physiological approaches to address environmenta l challenges for increasing animal productivity and farmer`s income" (18-19 February, 2020**	**136**	**2019**	**National**
8	**Jaya Rathore**	**Genetic Manipulation through induced mutation for high praline and high gum content**	MPCST, 34th MP. Young Scientist Congress, Bhopal	**09**	**2019**	**National**
9	**SushmaTiwar i**	Morpho-physiological and molecular Assessment for foliar disease and oleic acid content using gene based SSR markers in groundnut	**Plant Genomics**	**41**	**2019,Jun e 13-14, 2019**	**International at Berlin Germany**

		(*Arachishypogea* L.)				
10	**Sushma Tiwari,** R S Tomar and M K Tripathi	Characterization and development of superior minor millets varieties for climate resilient adaptation	global conference on our biodiversity, our food and our health	Page 278	21 and 22 May 2019.	National botanical survey of India, Prayagraj (UP) during
11	Madhurjit Singh Rathore, **Sushma Tiwari,** M K Tripathi, Neha Gupta, S K Pooniya, Sunil Yadav and R S Sikarwar	Screening of groundnut genotype for early leaf spots and correlation with chlorophyll content	Recent Advances in Biotechnology and Nano biotechnology (Bionano-2020)	Page 26	25th February 2020	National Conferencehel d at Amity University, , Gwalior.
12	Mohan Lal Choudhary, M K Tripathi, **Sushma Tiwari**	Screening of Blast Disease in Pearl Millet (*Pennisetumglaucum* L.)	Recent Advances in Biotechnology and Nano biotechnology (Bionano-2020)	Page 27	25th February 2020	National Conference held at Gwalior.
13	Sajjan Kumar Pooniya, Sunil Yadav, Madhurjeet Singh Rathore, M K Tripathi, R S Sikarwar and **Sushma Tiwari**	Screening of Groundnut Germplasm for Early Leaf Spot Disease under Kharif field conditions	Recent Advances in Biotechnology and Nano biotechnology (Bionano-2020)	Page 31	25th February 2020	National Conference held at Gwalior.
14	Sunil Yadav, **Sushma Tiwari**, Neha Gupta, M K Tripathi, S K Pooniya, Madhurjit Singh Rathore and R S Sikarwar.	Biochemical estimations of groundnut germplasms for sugar, chlorophyll and carotenoid content	Recent Advances in Biotechnology and Nano biotechnology (Bionano-2020)	Page 33	25th February 2020	National Conference held at Gwalior.

15	Shivani Rana, Neha Gupta, M K Tripathi and **Sushma Tiwari**	Biochemical analysis of different Millet varieties for nutritional improvement	Recent Advances in Biotechnology and Nano biotechnology (Bionano-2020)	Page 33	25th February 2020	National Conference held at, Gwalior.
16	Kirad, K.S.,Barche, S and Gathiye,G.	Doubling the farmer's income byadopting the suitable tomato-cucurbit polyculture on the raised bed with drip system in the tribal dominating areas under Dhar district of Madhya Pradesh	22nd Agricultural Scientists & Farmers Congress (22-23 Feb,2020) on PHT and Management for Empowering the Rural Society and Employment Generation published in organized by Bioved Res. Institute of Agric. Tech & Sci. Prayagraj, U.P	-	2020	National
17	Gupta, A., Upadhyay, D and Barche,S	Standardization ofrecipe and preparation of mixed vegetable pickle	, published in 22nd Agricultural Scientists & Farmers Congress (22-23 Feb,2020) on PHT and Management for Empowering the Rural Society and Employment Generation 22-23 Feb,2020 Souvenir & Abstracts	29	2020	National

18	Gour, S.,Patel, S and Barche, S	Standardization of different ingredients in spinach juice recipe	SAME	98	2020	National
19	Jitendra Patidar	Effect of early-post-emergence herbicides against weeds in soybean in Madhya Pradesh.	35th M. P. Young Scientist Congress. Souvenir	5	2020	National
20	Jitendra Patidar, M.L. Kewat and Shobha Sondhia	Residue concentration, persistence and dissipation of fomesafen in soybean crop and soil.	Indian Society of Weed Science Biennial Conference on *"Weed Management for Enhancing Farmers' Income and Food Security"*. Proceedings	97	2020	National
21	Kunika Silodiya and Jitendra Patidar	Mitigation and management of herbicide residue in soil – A review	Indian Society of Weed Science Biennial Conference on *"Weed Management for Enhancing Farmers' Income and Food Security"*. Proceedings	265	2020	National
22	M.P. Sahu, M.L. Kewat, J.K. Sharma, A.K. Jha, Jitendra Patidar and L. Badole	Effect of weed control practices and crop mulch against weeds in chickpea.	Indian Society of Weed Science Biennial Conference on *"Weed Management for Enhancing Farmers' Income and Food Security"*. Proceedings	185	2020	National

23. Singh S. B. and Patel R. P. 2019. Management of chilli insect pests by using different doses ofEmamectin Benzoate3.7% + Difenthiuron 46.3% WP. International conference

on Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture & Allied Sciences(GRISAAS-2019) during 20-22 October, 2019 at ICAR-National Academy Of Agricultural Research Management, Hyderabad, Telangana (India).

24. Patel R. P; Singh S. B; Kanpure, R. N. and Patidar, B. K. 2019. Effect of abiotic factors on occurrence of fruit rot disease on ambebahar guava(*Psidiumguajava* L) caused by PhytophthoranicotianaeVarParasitica (Dastur) Waterhouse. International conference on *Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture & Allied Sciences* (GRISAAS-2019) during 20-22 October, 2019 at ICAR-National Academy Of Agricultural Research Management, Hyderabad, Telangana (India).
25. Kanpure, R. N; Patel R. P; Singh O. P; Bhandari, J; Kacholi, B; and Patidar, D. K. 2019. Influence of foliar nutrition of Urea, Borex and Zinc Sulphate on growth yield and quality of guava (*Psidiumguajava* L) CV. Rewa-72. International conference on *Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture & Allied Sciences* (GRISAAS-2019) during 20-22 October, 2019 at ICAR-National Academy Of Agricultural Research Management, Hyderabad, Telangana (India).
26. Kushwah, L.; Sharma, R.K.; Kushwah, S.S. and Singh, O.P. (2019). Influence of organic manures, inorganic fertilizers and their combinations on growth and yield of radish (Raphanussativus L.). Abstract in National seminar on doubling income through sustainable and holistic agriculture (DISHA) held at YSP Uni. of Hort. and Forestry, Solan (HP) INDIA from 05-07 June, 2019.
27. Priyamvada Sonkar, Shailendra K. Dwivedi and Raju Dohre. 2019. Impact of post-harvest treatments on shelf life and quality of guava (*Psidiumguajava L.*) cv. Allahabad Safeda. National seminar on Biochemical and Molecular Biology Intervention for Nutritional Security and Food Safety at NAU, Navsari, Gujrat: 203.
28. Shailendra K Dwivedi. 2019. Production and assessment of anthocyanins precipitated at different pH values. National seminar on Biochemical and Molecular Biology Intervention for Nutritional Security and Food Safety at NAU, Navsari, Gujrat. 265.
29. Khan, K. A.; Katiyar S.K. and Nema P.K. 2019. Drying Kinetics, Colour Characterization and Water Activity of TinosporaCordifolia Drying. 10th Asia-Pacific Drying Conference at Vadodara, Gujarat from 14-17 December 2019.
30. Choudhary, Deepak and Singh, Om. 2019. Storage studies of blended ready-to-serve (RTS) beverages prepared by aonla pulp and aloe vera gel. National Seminar on Doubling income through sustainable and holistic agriculture, during 05-07 June, 2019 at Y.S. Parmar University of Horticulture and Forestry, Solan, H.P., India.:169.

6.6.5.3. Incentives for Excellence/Faculty Recognition.

कार्यालय कुलसचिव,
राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय,
ग्वालियर (म.प्र.)

डी.एल. कोरी
कुलसचिव

Ph- : 0751–2970519 (O) 0751–2970522 (Fax)
E-mail- registrar.rvskvv09@gmail.com

क्र./कु.स./स्था./2018/343 दिनांक: 27/4/018

//परिपत्र//

विश्वविद्यालय प्रमण्डल की अधिसूचना क्र./कु.स./स्था./अ.सू./2016/4429, दिनांक 18.04.2016 द्वारा विश्वविद्यालय के शिक्षकों/वैज्ञानिकों/विस्तार विशेषज्ञों/प्रक्षेत्र प्रबंधकों एवं अन्य को उत्कृष्ट कार्य हेतु अवार्ड दिये जाने के दिशा–निर्देश प्रसारित किये गये हैं। वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक (SOM) में लिये गये निर्णय अनुसार उक्त अधिसूचना के अनुक्रम में वर्ष 2017 के लिए विश्वविद्यालय में कार्यरत शिक्षकों/वैज्ञानिकों/विस्तार विशेषज्ञों/प्रक्षेत्र प्रबंधकों एवं अन्य को उत्कृष्ट कार्य के लिए अवार्ड दिये जाने हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन निर्धारित प्रारूप में दस्तावेजों सहित उचित माध्यम से अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में दिनांक 16.06.2018 तक जमा किये जा सकते है।

विश्वविद्यालय मुख्यालय एवं अन्य इकाईयों के प्रमुख उक्त परिपत्र के संबंध में समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों को आवश्यक रूप से अवगत करावें।

संलग्न: दिशानिर्देश एवं आवेदन का प्रारूप (कुल पृष्ठ -36)

माननीय कुलपतिजी के आदेशानुसार

कुलसचिव 27/4/18

पृष्ठा. क्र./कु.स./स्था./2018/344 दिनांक: 27/4/018

प्रतिलिपि– सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु:–

1. अधिष्ठाता कृषि संकाय, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि.,ग्वालियर।
2. निदेशक अनुसंधान/विस्तार सेवायें/शिक्षण एवं छात्र कल्याण, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि.,ग्वालियर।
3. प्रभारी कार्यपालन यंत्री, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि.,ग्वालियर।
4. अधिष्ठाता, कृषि/उद्यानिकी महाविद्यालय, ग्वालियर, इंदौर, सीहोर, खण्डवा, मंदसौर।
5. सह संचालक अनुसधान, ऑचलिक कृषि अनुसंधान केन्द्र, मुरैना, झाबुआ, खरगौन।
6. वरिष्ठ एवं प्रमुख, समस्त कृषि विज्ञान केन्द्र।
7. उप कुलसचिव (स्था.) रा.वि.सिं.कृ.वि.वि.,ग्वालियर।
8. सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि.,ग्वालियर।
9. पोर्टल प्रभारी, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि.,ग्वालियर उक्त परिपत्र को विश्वविद्यालय की वैबसाइट पर अपलोड करावें।
10. निजसचिव, माननीय कुलपतिजी, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि.,ग्वालियर।
11. विश्वविद्यालय नोटिस बोर्ड।
12. सुरक्षा नस्ती।

कुलसचिव 27/4/18

GUIDELINES FOR RVSKVV BEST TEACHER AWARD

1. **Name of the Award**

   RVSKVV, Best Teacher Award.

2. **Sponsor**

   RVSKVV, Gwalior

3. **Objectives of the Award**

   (i) To recognize outstanding teaching in agriculture education

   (ii) To provide incentives to teachers for excellence in agriculture education.

4. **Nature of the Award**

   The award is proposed exclusively for teacher in recognition of his outstanding teaching contribution / innovation in agriculture sciences and allied sector. The awards are meant for individual teacher independently offering a full course or part of an integrated course. An individual award will promote innovation in teaching across the country.

5. **Frequency:** Every year

6. **Eligibility Criteria:**

   All teachers are eligible provided they take on an annual average of at least 96 lectures in University (including practical) at undergraduate/post-graduate teaching while an independent teaching experience for a minimum of five academic years in the particular subject area. The awards are primarily meant for individual teachers independently teaching a course or part of an integrated course. The teaching work submitted for the award must have been done during the five years preceding the year of the award.

   The person against whom any disciplinary/punitive action has been awarded by the competent authority of the V.V. or by any court of law during the preceding five year of the award shall not be eligible for the award.

7. **Administration of the Award:**

   The award will be administered by the University. There will be a Judging Committee consisting of 3 or 5 eminent agricultural educationists including the Chairman including provision to appoint an expert. All the members and the chairperson will be nominated by the Hon'ble Vice Chancellor of the University. The Judging Committee will evaluate the nominations, identify outstanding teachers in various subject areas and make recommendations to the University. If no outstanding entries have been identified, no award will be given in the particular subject area.

8. Evaluation Criteria:

The focus will be on ability to teach and integrate, efforts made in using new education technology tools, support and guidance provided to students, and over all following efforts made in institutional education improvement:

- Design and development of instructional programme.
- Design and development of individual courses to meet specified learning objectives and to develop specific competencies
- Design, development and use of quality/advanced instructional materials required for effective teaching
- Duration of teaching and lectures taken annually (For the last 5 years)
- Development and use of appropriate and efficient teaching techniques
- Rating by students who have completed the UG/PG/Ph.D. Degree programmes.
- Mentoring of students.
- Performance of the students in examination specifically competitive exams.
- Quality of research as judged by national award like Jawaharlal Nehru Award, etc.
- Quality of papers published in National and International journals out of thesis under guidance.
- Award won by faculty.
- Communication skills and interest in participation in various co-curricular activities including games and sports.
- Discipline and punctuality.
- Participation in seminars of students.
- Efforts made for practical skill transfer to students at advanced level.

9. Procedure: Applications for the award will be invited during **September/October** of the year of the award. Applications made in the prescribed form, obtainable from the College Dean, will be accepted up to the **end of November /December** of the year of the award. The University Judging Committee will evaluate the nominations, identify best entries, and make recommendations to the University along with the draft citations. If no outstanding entries have been identified, no award will be given in the concerned subject areas.

APPLICATION FORM FOR RVSKVV BEST TEACHER AWARD

PHOTO

1. Name of teacher for assessment……
2. Date and place of birth……
3. Designation……
4. Place of Posting……
5. Department ……
6. Postal address & Bank A/c No with MICR & IFC code……..
7. Telephone, Telex, Fax, etc……..
8. Year of assessment……..
9. **Educational qualifications:**

Name of the Degree	Name of the University or other examining body	Percentage of marks/OCGA obtained	Division obtained	Year of passing	Subject (s) (Major)

10. Employment record:

Name of post	Organization	Pay scale	Period		Total Duration	Remarks if any
			From	To		

11. Marks distribution to the activities for best teacher award:

Step-I: Nomination of one teacher by student/Dean Faculty of Agriculture / Director Instructions):

S. No.	Criteria	Maximum Marks	Marks given	Remarks
Step I	**Nomination of one teacher by each student of respective class 1st, 2nd. 3rd & 4th and M.Sc., Ph.D. (20 Marks)**			
	♦ Commitment to excellence in Teaching	04		
	♦ Classroom Practical Teaching	04		
	♦ Coverage of course contents	03		
	♦ Effectiveness of teaching	03		
	♦ Teaching materials used including Audio Visual aids	03		
	♦ Relationship with the student	03		
	Total	**20**		

Step-II: Evaluation of teacher by the committee (To be filled by the Screening Committee):

S. No.	Criteria	Maximum Marks	Marks given	Remarks
STEP II	**Teachers, who have been nominated by the students, are now evaluated on basis of their professional achievements and professional recognition (60 Marks)**			
A	**Professional achievement (Teaching/Research/Extension Experience)**			
	♦ Teaching Experience (Years) and lectures taken annually (For the last 5 years)	05		
	♦ P.G. Thesis guidance as major Guide	03		
	♦ Publication of Practical Manuals	02		
	♦ Publication of Book/Chapter(IBBN/ISSN)	02		
	♦ Publication of research articles(NAAS rated)	03		
	♦ Research projects handled as principal Investigator (External funding project exceeding Rs. 10 lakhs	03		
	♦ Professional experience in Farm and Extension Activities	02		
	♦ Design and development of instructional programme	03		
	♦ Design and development of individual courses to meet specified learning objectives and to impart specific competencies	03		
	♦ Design, development and use of quality instructional materials required for effective teaching	04		
	♦ Development and use of appropriate and efficient teaching techniques	03		
	♦ Communication skills and interest in participation in various co-curricular activities including games and sports.	02		
	♦ Discipline and punctuality	02		
	♦ Participation in seminars of students	02		
	♦ Efforts made for practical skill transfer to students	02		
B	**Professional Recognition**			
	♦ Awards/Honors/Resource person	-		
	(i) National	03		
	(ii) State level	02		
	♦ Conference Organized/Conference Attended	02		
	♦ Innovations/ Resource material developed	02		
	♦ Institutional building	05		
	♦ Any other information in support of outstanding contribution if not covered earlier/above	05		
	Total	**60**		

Step-III: Extempore Presentation by the teacher:

Step III	Selection of Teachers (Minimum 60 percent mark scored in step I & II for further screening to select Teachers for presentation) at V.V. head Quarter (Evaluation by screening committee)/faculty members of that particular field.			
	Criteria	**Maximum Marks**	**Marks given**	**Remarks**
	(A) Extempore Presentation (Subject/Discipline)	10		
	(B) Extempore Presentation (General Topics)	10		
	Total	**20**		

FINAL SUMMARY SHEET

S. No.	Criteria	Maximum Marks	Marks given	Remarks
Step I	Nomination of one teacher by each student of respective class 1st, 2nd. 3rd & 4th and M.Sc., Ph.D.	20		
Step II	Teachers, who have been nominated by the students, are now evaluated on basis of their professional achievements and professional recognition (To be filled by the Screening Committee)	60		
Step III	Selection of Teachers (Minimum 60 percent mark scored in step I & II for further screening to select Teachers for presentation) at V.V. head Quarter (Evaluation by screening committee)**/faculty members of that particular field.**	20		
	Total	**100**		

Member **Member** **Member** **Chairman**

6.6.5.4. Capacity Building and Training:

As a component of capacity building, training & exposure visits have assumed greater significance in recent times. Training of agricultural education and extension professionals has emerged as an important intervention to improve their competencies, Capacity building and increase in productivity with a purpose to accelerate the rate of agricultural development.

Objectives:

- To enhance the performance level of various actors involved in Extension setup for better management of Agricultural Technology System.
- To adopt new technologies for increasing crop production and productivity.
- To share their experience with other farmers regarding technology adoption.

Specific Objectives:

- To improve the techno- managerial skills of the extension professionals.
- To improve knowledge, attitude and practice of extension professionals on the management skills like planning, communication, motivation, leadership, time management etc.
- To enable the extension functionaries for effective and efficient dissemination of technology to the farming community.
- To redefine the role and responsibilities of the Agriculture Extension Machinery by suitably up-scaling the up-to-date technical knowhow of the field extension set up
- To enhance the sustainable net income of the farmer by taking all the enterprises on the farm into consideration, integrating them and treating the whole farm as one unit.

6.6.6. STUDENT DEVELOPMENT

6.6.6.1. Scholarships/Stipend:

S. No.	PARTICULARS	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
1	**Students Performance/Scholarship**					
	JRF	24	04	-	19	2
	SRF	1	-	-	-	1
	ARS	-	-	-	-	-
	National Talent Scholarship	26	34	29	63	66
	Scholarship of Vikramaditya Yojna	24	23	18	11	6
	Scholarship of Gaon Ki Beti Yojna	3	2	2	-	1

6.6.6.2. Extra and Co-curricular Activities:

Colleges, within the universities are important community organizations. The strength of any organization lies in its students. The RVSKVV is a dynamic institution with its five colleges spread across Madhya Pradesh. This office provides a meaningful forum to the younger generation with thrusts for new challenges and aspires to scale new heights. The Students Welfare section of the University carries the responsibility of overall personality development of students through extracurricular activities like sports, games, literary competitions, cultural activities, NCC etc. The office also provides information and counseling on job opportunities for their career development.

Tutorial Cell

The faculty members of the university take extra classes regularly and guide students for JRF, SRF and NET examination of ICAR and several other competitions. Each department has developed model question bank to help the students in this direction. In addition to above said the students are also subjected to:

i. Training on Skill Improvement
ii. Training on personality development communication skill
iii. Mock-interviews-group discussions
iv. Interview-specific trainings
v. Job-Oriented trainings

Student's World

Awards & Honours

- Shri Madhurjit Singh, Ku. Natarajan Arathi, Ku. Yashaswini Gargav & Ku. Shrishtika Rajpoot student from College of Agriculture, Gwalior under R.V.S. Krishi Vishwa Vidyalaya participated in the National level Business Plan Competition Organized by

IIM, Bangalore on August 11, 2019 and secured **Second position** in competition & received Rs. 15000 as reward price.

- Inter University Debate Competition on **"The present education system of the country is fully capable of generating employability skills among the youth"** was held at G.B. Pant University of Agriculture & Technology, Pantnagar (Uttarakhand) from 22 to 23 February, 2020. The Vishwavidyalaya Team participated in the competition. Mr. Shivansh won the "Best Content" award in this National level competition and won laurels for the Vishwa Vidyalaya at National level.

INSPIRE FELLOWSHIP

- Ku. Neelam Singh, Ph.D. student in Dept. of the Agronomy was awarded the **"Innovation in Science Pursuit for Inspired Research (INSPIRE) Fellowship"** during July 2019.

UGC FELLOWSHIP

- Mr. Roop Singh Dangi, Ph.D. student of the Dept. of Agronomy, Mr.Vikas Mandloi, Ph.D. student in Dept. of Horticulture, Mr. Pramod Kumar Yadav, Ph.D. student in Dept. of the Dept. of Plant Breeding & Genetics were awarded **UGC "National Fellowship"** for the selection year 2018-19.

All India Competitive Examinations

S. No.	Name of Exam	Years				Total
		2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	
1.	NET (ICAR/UGC)	39	18	05+01	20	83
2.	ARS (Pre.)	04	-	-	-	04
3.	M.P.P.S.C (Pre.)	10	04	-	-	14
4.	Entrance Exam JNU/BHU/ Others	05	-	08	-	13

6.6.6.3. Health Facilities: The colleges provide health care facility to the students by providing First-Aid and other basic facilities and when required a separate room is earmarked . Doctors are available on call whenever the need arises. Medical facility is also extended to the physical education department of the college at the time of matches like volleyball, cricket, table tennis etc.

Furthermore at the time of college outings first-aid facility is made available to the students. College health-service programs provide low-cost, primary medical care for the students on college campuses. Just as modern medicine has changed, so too has the scope of services provided by college health centers. Medical developments are allowed for most injuries and illnesses to be treated by ambulatory clinics, and this same trend is seen in most college health centers. These centers often provide care for acute illnesses and injuries on an outpatient basis, while also meeting the needs of students with continued and chronic illnesses and providing wellness education to the campus community.

Staffing: College health-service staffs vary widely in the range and level of services they provide. Once directed mainly by full-time medical doctors, most college health centers are now lead by Licensed Nurse Practitioners (LPNs), Registered Nurses (RNs) or Physician Assistants (PAs). Some health centers continue to have full-time physicians on staff (particularly at larger universities and institutions with medical centers), while others maintain part-time relationships with local doctors to staff particular hours each week. Health centers with less comprehensive services (usually at smaller, private colleges) often act as a link to services in the immediate community.

Services: The most common, and a primary focus of college health-service programs, is that of intervention and health, or wellness, education. Although all student health centers concern themselves with the immediate healing of ill students, most will also work to educate students about approaches to healthier lifestyles in order to prevent future illness or injury. Wellness themes exhibited on many college campuses are health and nutrition, stress management, eating disorder awareness, smoking cessation and prevention, time management, alcohol abuse prevention, strategies to avoid depression, and issues around sexually transmitted diseases and their prevention. Some colleges maintain twenty-four-hour care for students; however, most colleges maintain regular weekly hours during the academic year with a system for emergency assistance when needed.

Payment: Many college health centers are funded through fees students pay to the college or university and subsidized with institutional resources. Sometimes these fees are included within the tuition charges of a college or university, while other institutions may charge a separate student health fee in addition to the college tuition. Prepayment for student health services ensures that students have access to the treatment and services needed while at school. At many colleges, basic and most common services are offered to full-time students at little or no charge.

Accidental-Insurance

All the students of the university are covered under the personal accident insurance scheme, which has been sponsored by the New India Assurance Company Ltd. The students have been insured for a sum of Rs. 1 lac each.

6.6.6.4. Sports and Cultural Facilities:

- RVSKVV organized three days Inter Collegiate games Badminton/Table Tennis/Carrom/Volleyball and Kho-Kho competition during December 12-14, 2019 at College of Agriculture, Khandwa.


- The University organized three days Inter Collegiate games Kabbadi and Athletics competition during January 15-17, 2020 at College of Agriculture, Gwalior.


- A Youth festival and cultural competition programmes was organized at College of Agriculture, Gwalior during January 09-11, 2020. The students of College of Agriculture, Gwalior received Music, Theatre, Dance and "Sahitya Shiromani Award". The students of College of Agriculture, Indore received "Latit Kala Shiromani Award". The students of College of Agriculture, Gwalior received "Over all Best Performance Award".


Participation of the students in National Events

Games & sports: Inter collegiate sports/cultural meets have served to link together the five colleges of the university paving the way for participation at national level. The students have participated in **Eleven** inter university **agriunisports** and **Ten youth festivals** during 2008 to 2020. The performance of the students in various sports and cultural meets has been admired.

AGRIUNISPORTS

- Forty-Three Students (30 boys and 13 girls) of RVSKVV, Gwalior participated in XIX All India Inter Agricultural University Sports and Games meet "AGRIUNISPORTS 2019" organized at Punjab Agricultural University, Ludhiana from 02 to 05 January, 2019 and their performance was lauded by all and sundry.


Inaugural function of XIX All India Inter Agricultural University Sports and Games Meet at Punjab Agricultural University, Ludhiana

- Forty Students (28 boys and 12 girls) of RVSKVV, Gwalior participated in XX All India Inter Agricultural University Sports and Games meet "AGRIUNISPORTS 2020" organized at Sri Venkateswara Veterinary University, Tirupati (A.P.) during 01st to 05rh March, 2020 and received **Gold Medal in High Jump.**


Inaugural function of XX All India Inter Agricultural University Sports and Games Meet at Sri Venkateswara Veterinary University, Tirupati (A.P.)

AGRIUNIFEST

- 19th All India Inter Agricultural University Youth Festival was organized by Sardarkrushinagar Dantiwada Agricultural University, Sardarkrushinagar, Dist: Banaskantha, Gujarat during 03rd to 07th February, 2019. Students (22) of this university actively participated in the events.


The opening and closing ceremony of 19th All India Inter Agricultural University Youth Festival at Sardarkrushinagar Dantiwada Agricultural University, Sardarkrushinagar

- Twenty-Two Students (08 boys and 14 girls) of RVSKVV, Gwalior participated in 20th All India Inter Agricultural University Youth Festival organized at Indira Gandhi Krishi Vishwa Vidyalaya, Raipur (Chhattisgarh) during 08 to 12 February, 2020 and received **Silver Meda**l in Patriotic Song (Indian) and **Fourth Position** in Clay Modeling & Cartooning competitions.

The opening and closing ceremony of 20th All India Inter Agricultural University Youth Festival at Indira Gandhi Krishi Vishwa vidyalaya, Raipur (Chhattisgarh)

6.6.6.5. Student counseling and Placement Cell:

The Placement Cell organizes campus interviews and seminars for career advancement. The university produces highly skilled, competent and qualified human resource every year.

Academic year 2008 onwards, different institutions, e.g., nationalized banks, government departments, cooperatives, NGOs, corporate sector, agro-based MNCs etc have selected our students **(over 2214 in number)** who were pursuing their graduate degree and post-graduate degree in different subjects. Year wise list of placed students in given below:

- **133 students have been placed in 2015-16**
- **216 students have been placed in 2016-17**
- **180 students have been placed in 2017-18**
- **161 students have been placed in 2018-19**
- **106 students have been placed in 2019-20**

Glimpses of Placement Activities


Campus interview being conducted for the placement of students

6.6.6.6. Disabled Friendly Facilities: Admission of differently abled person in various courses providing educational diversity.

- Provide special skill development programmes
- Provide guidance and counseling to differently abled persons
- Taking care of general issues concerning their learning
- Assist to gain successful employment in the public as well as private sectors

Facilities include:

- Easy access to classrooms by providing ramps, rails and lifts
- Special care facility like wheel chairs, ambulance.
- Disabled friendly washrooms
- Enquiry and information human assistance, reader, Scribes
- Assistive facilities like signposts.
- Scholarship for disabled students.

6.6.7. INFRASTRUCTURE

6.6.7.1. Physical facilities including administrative building and lands:

Ref. Letter No. 4194 dated 18.12.2020

S. No.	Description of Works	Plinth Area	Const. (Rs. In Lakhs)
1.	Admin Block at RVSKVV, Gwalior	1191.00 (G+2)	1993.81
2.	Library & Computer Centre for RVSKVV, Gwalior	800.00 (G+3)	817.80
3.	VC Bangalow at RVSKVV, Gwalior	400.00 (G+1)	112.98
4.	Dean/Professor Residence for RVSKVV, Gwalior	300.00 (G+1)	202.80
5.	Gate Complex at RVSKVV, Gwalior	100.00	148.70
6.	Class III & IV Residence at RVSKVV, Gwalior	55.00 (G+2)	112.71
7.	Biotechnology Lab/Centre at RVSKVV, Gwalior	329.17 (G+1)	861.52
8.	International Hostel	-	-
9.	Agricultural Science Museum	-	-
10.	Auditorium	under Construction	
11.	ATIC	under Construction	

SALIENT FEATURES:

The University has started PH.D. Programmers in department of Agronomy, Horticulture, Soil Science and Plant Breeding and Genetics under faculty of agriculture science Modern Laboratories, Modern Class Room, Library, Sports Facilities etc. are being developed.

Renovation of Colleges research laboratories modernization of Four Threshing Floor, Implement Shed & Seed Stores etc. have been performed similarly works have been performed in different Research programs on crop improvement such as wheat, chickpea,soybean pearl millet, mustard, pigeon pea, cotton, sorghum, safflower medicinal and aromatic plants grapes and spices etc. natural resources management such as soil, water and forest etc. plant protection, fodder crops, horticulture crops, farm machinery and equipment and veterinary and animal husbandry are in progress. Five Zonal Agriculture Research Station are Morena, Khargone,Jhabua, Sehore and Indore and Four Regional Research Station are in Ujjain, Gwalior, Mandsour, Khandwa One Agriculture Research Station Bagwai and One Fruit Research Station is in Entkhedi Bhopal, One Horticulture Research Station Jaora (Ratlam) or One Salt Affected Soils Research Station is at Badwaha.

The Administrative Building/Farmers Guest House/Staff Quarters is addition and other facilities have been created at different colleges/centers.

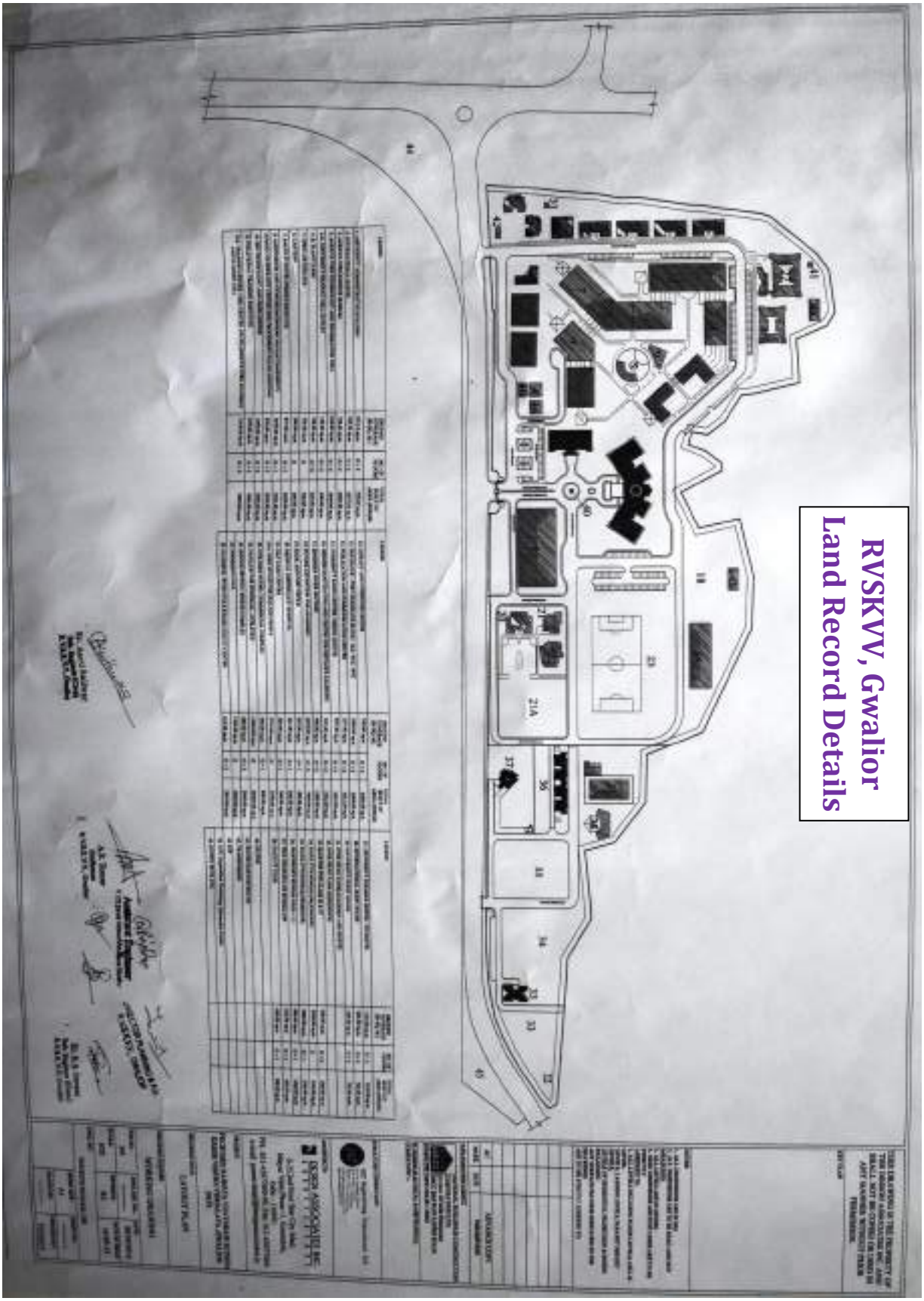
RVSKVV, Gwalior
Land Record Details

Land & Infrastructure in formation College of Agriculture Gwalior:

S.N.	Name of Building	Unit sqfit
1.	Land Area (land Record as per contour map)	21.00 Hectare (210200.06 sqm)
2.	Boundary wall length	1949 Mtr.
3.	Main College Buiding Gound Floor First Floor Library Old KVK Building	 40100 39900 6234 8160
4.	Bank & Dairy	4777
5.	Zym Building	1124
6.	Hostel No.-1 Ground floor First Floor	 11655 8368
7.	Hostel No.-2 Ground floor First Floor	 13237 10412
8.	Hostel- 3	5075
9.	Department of Plant molecular biology and Biotechnology	7230
10.	PHM Building	3762
11.	ELP Unit Building	3213
12.	New Building front of Biotechnology Building	4889
13.	New store	1639
14.	Canteen	1843
15.	M.B.A. Building	5562

Sub Engr
COA Gwalior


COLLEGE OF AGRICULTURE, GWALIOR (M.P.)
L.N.I.P. COLLAGE

R.A.K. College of Agriculture, Sehore

Details of Land utilisation pattern R.A.K. CoA, Sehore:

Particulars	Area (ha)
Total land	147
Land in Possession	147
Irrigated Land	18
Rainfed	72
Land Under Buildings/ Roads/ Play Ground/ Hills	57

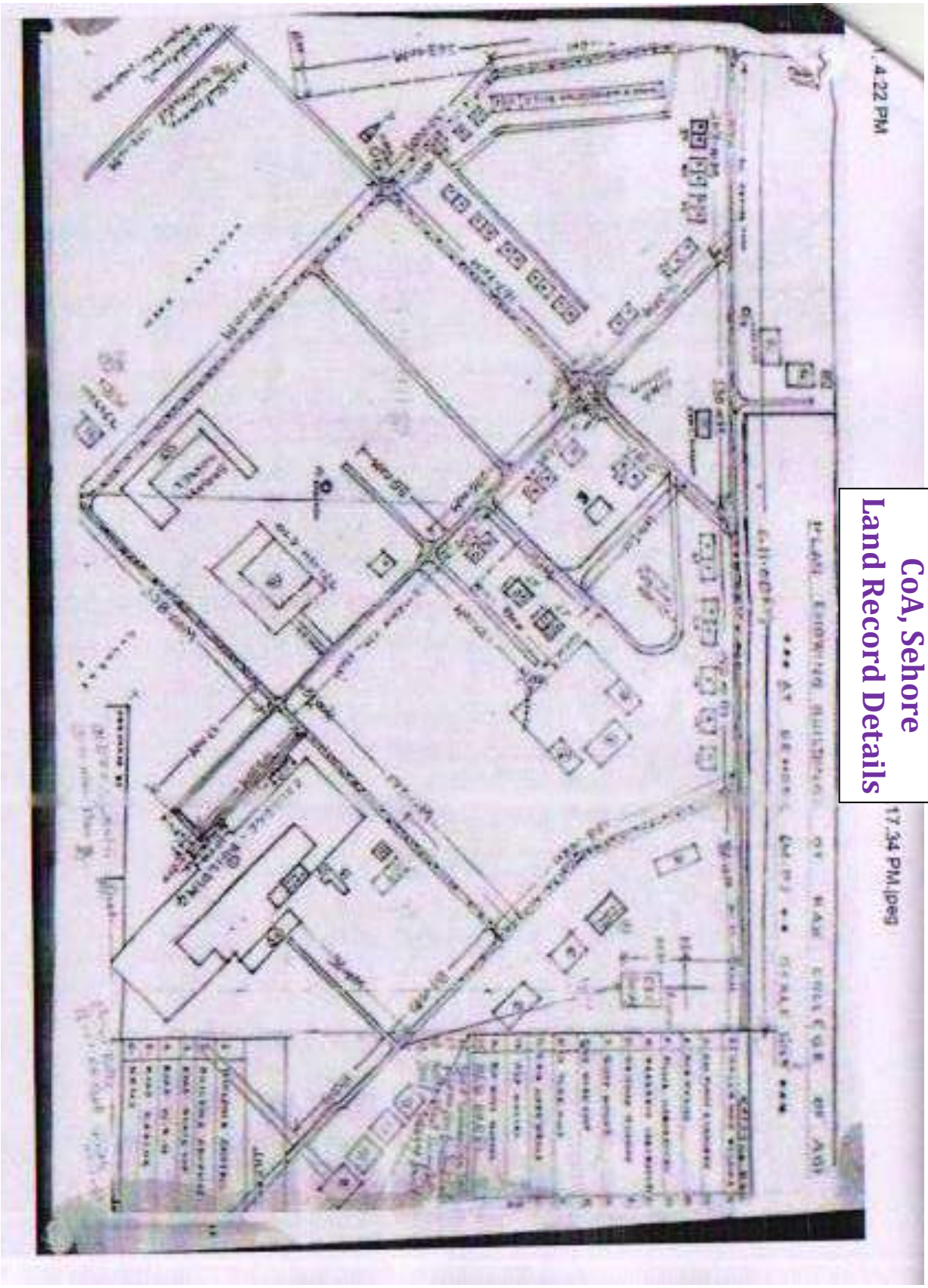

CoA, Sehore
Land Record Details


Farm Map 1, Sehore
Land Record Details
LOTIA NALA
PRIVATE
COLLEGE
Existing Institution
1. College + Ion building
2. Geoplex Centre
3. Sub-station
4. Field lab (Pulses)
5. Rest Lab
6. Dormitory
7. Rest House
7A, 7B, 9. K. Shop
18, 16, 25, Tube well
26, 27, 28, open well
31, 32, 33, 34
13. old Hostel
14. Ex Boys Hostel
15. New Hostel
17. Dean Bungalow
19. Hot air unit
20. Sugarcane Res. lab
21. Glass House
22. Trainee Hostel
23. Admin lab building
24. ATC
32. Farm office
33. Farm Store
34. Farm Auditor
35. T.D. Art
36. Farm Hut
37. Implement shed
38. Tractor shed
39, 40. Fodder Store
42, 43. Bullock shed
44. Plant nursery
45. Observatory
A1. Dairy
I. 3 Type Qrs
H. 4 Type Qrs
G. 2 Type Qrs
F. 1 Type Qrs
E. 6 Type Qrs

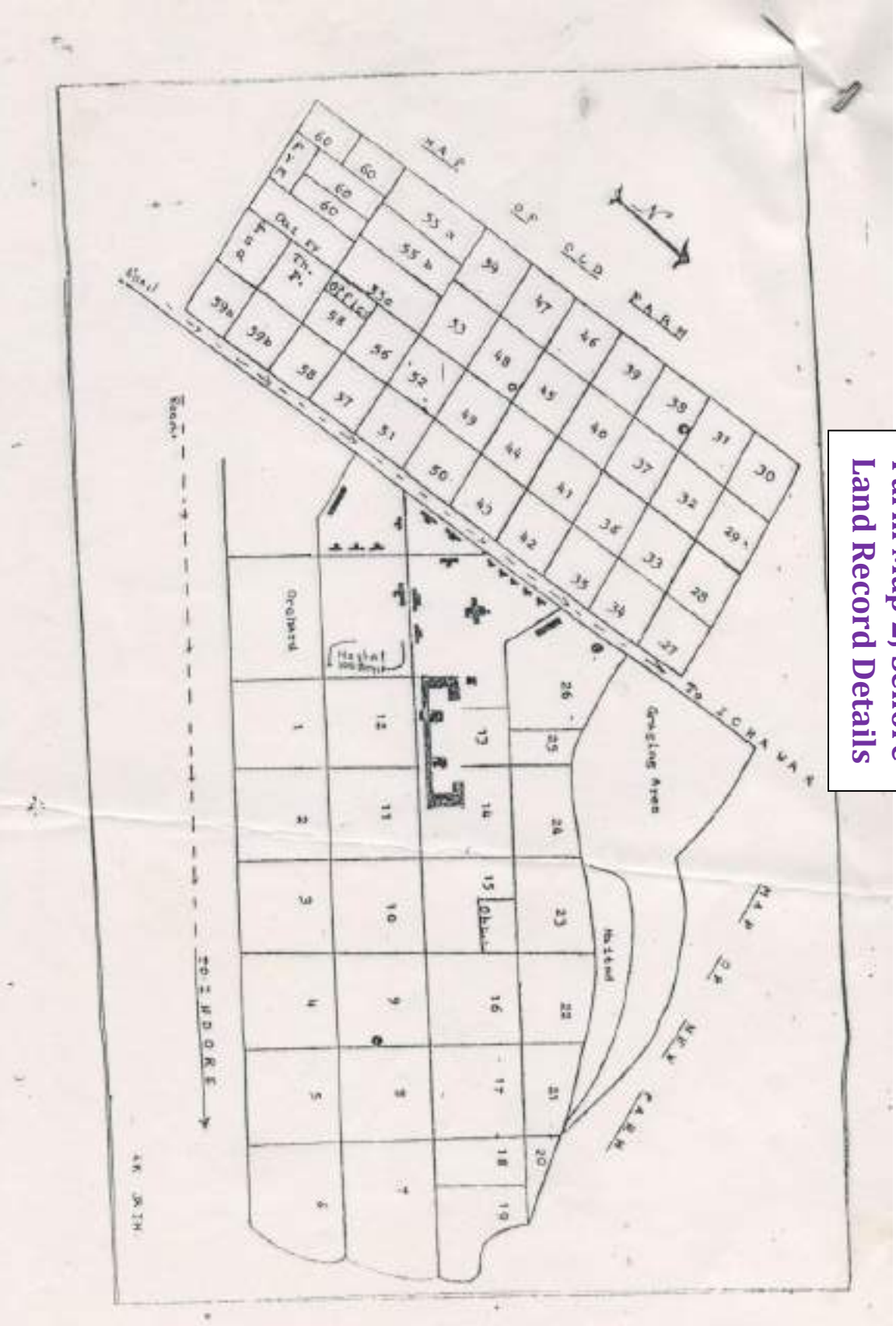

Farm Map 2, Sehore Land Record Details

Farm Map 3, Sehore
Land Record Details

B. M. College of Agriculture, Khandwa

Details of Farmland of the College (hectare)

S. No	Total Land	Area in hectare
1	Land in Hand	98.90
2	Academic campus	15.21
3	Farm (Cultivated area)	55.00
4	Irrigated land in ha (Per cent of Total Farm)	48.00 (87.27)

Buildings and Infrastructures available

Facility	Area (ha/ m^2)
Academic building (College Building+ Cotton Lab)	3472 m^2
Students hostels (Girls 1, Boys 1)	1306 m^2
Housing for staff	1172 m^2
Play-ground	1.0 ha
Administrative building (RARS, Farm)	579 m^2
Open spaces	1.8 ha
Gardens and farm	57 ha
Cattle shed	84 m^2
Library	560 m^2
irrigation infrastructure	4000 m^2
Farm buildings/ infrastructure (Excluding cotton off, cotton lab, IREP, staff qr.etc.)	1627 m^2

RAJMATA VIJAYARAJE SCINDIA KRISHI VISHWA VIDYALAYA GWALIOR

KNK COLLEGE OF HORTICULTURE, MANDSAUR (M.P.)

E-mail:- dean.mandsaur@rvsk.ac.in
Telephone No. 07422-297178

No. Dn/2021-22/ 2373 Date 18/01/2022

To,

Dean, Faculty of Agriculture
R. V. S. Krishi Vishwa Vidyalaya
Gwalior (M.P.)

Subject: - Information regarding land record and utilization of land at the College of Horticulture, Mandsaur.

Please find the information of land record and its utilization as appended below.

Details of total land:-

Total area (ha.)	Road Building & etc (ha.)	Fallow permanent (Pond) (ha.)	Plantation (Fruit) (ha.)	Medicinal Garden (ha.)	Cultivated area (ha.)
90.61	19.50	13.00	20.00	01.00	37.10

Details of total cultivated area:-

Total cultivated land (ha.)	Research/ Project/CPC trail/ Dairy		Cropped area seed production (ha.)
	Kharif (ha.)	Rabi (ha.)	
37.10	9.50	11.50	27

18/1/22

Dean
College of Horticulture
Mandsaur

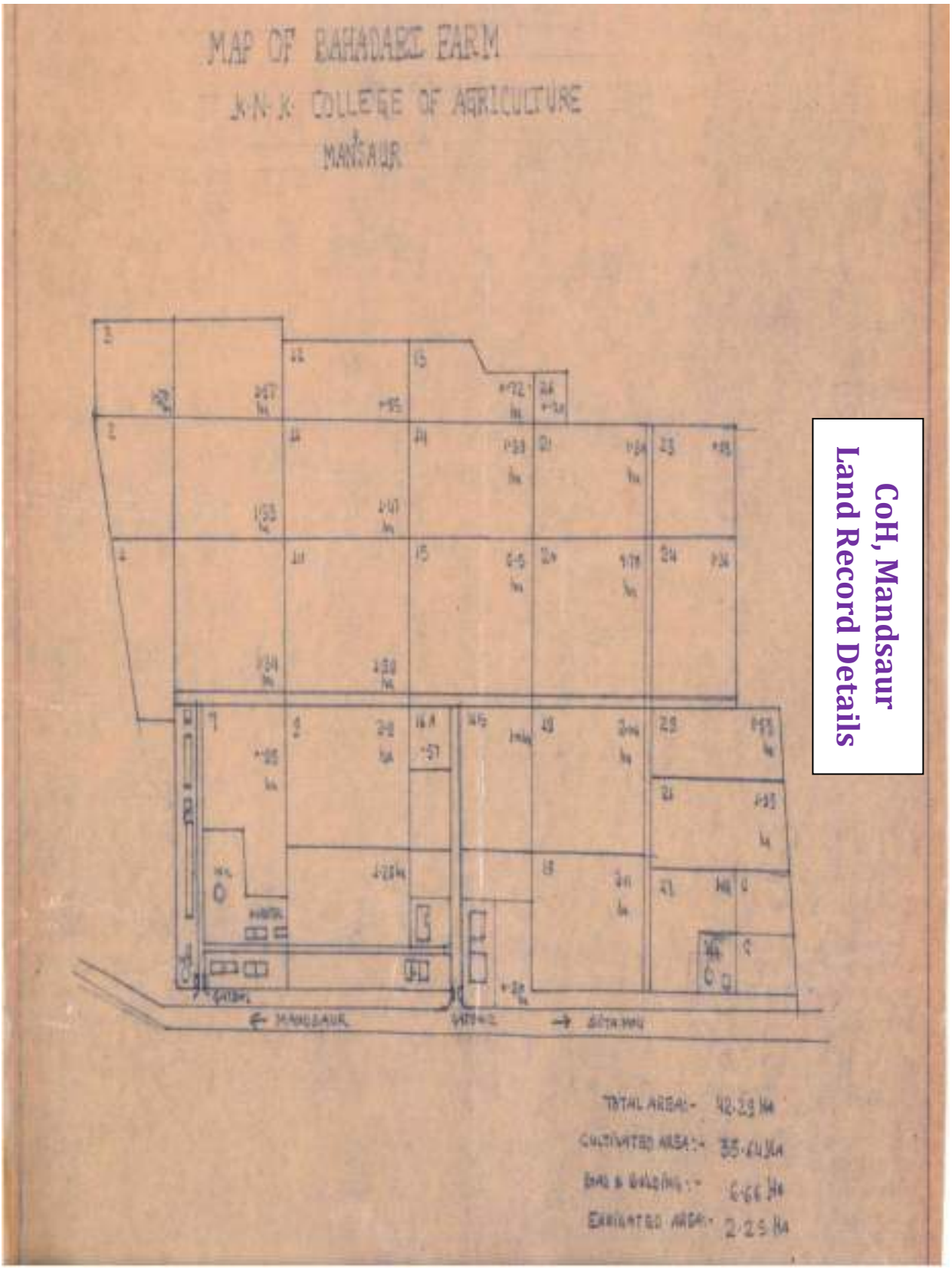

CoH, Mandsaur Land Record Details

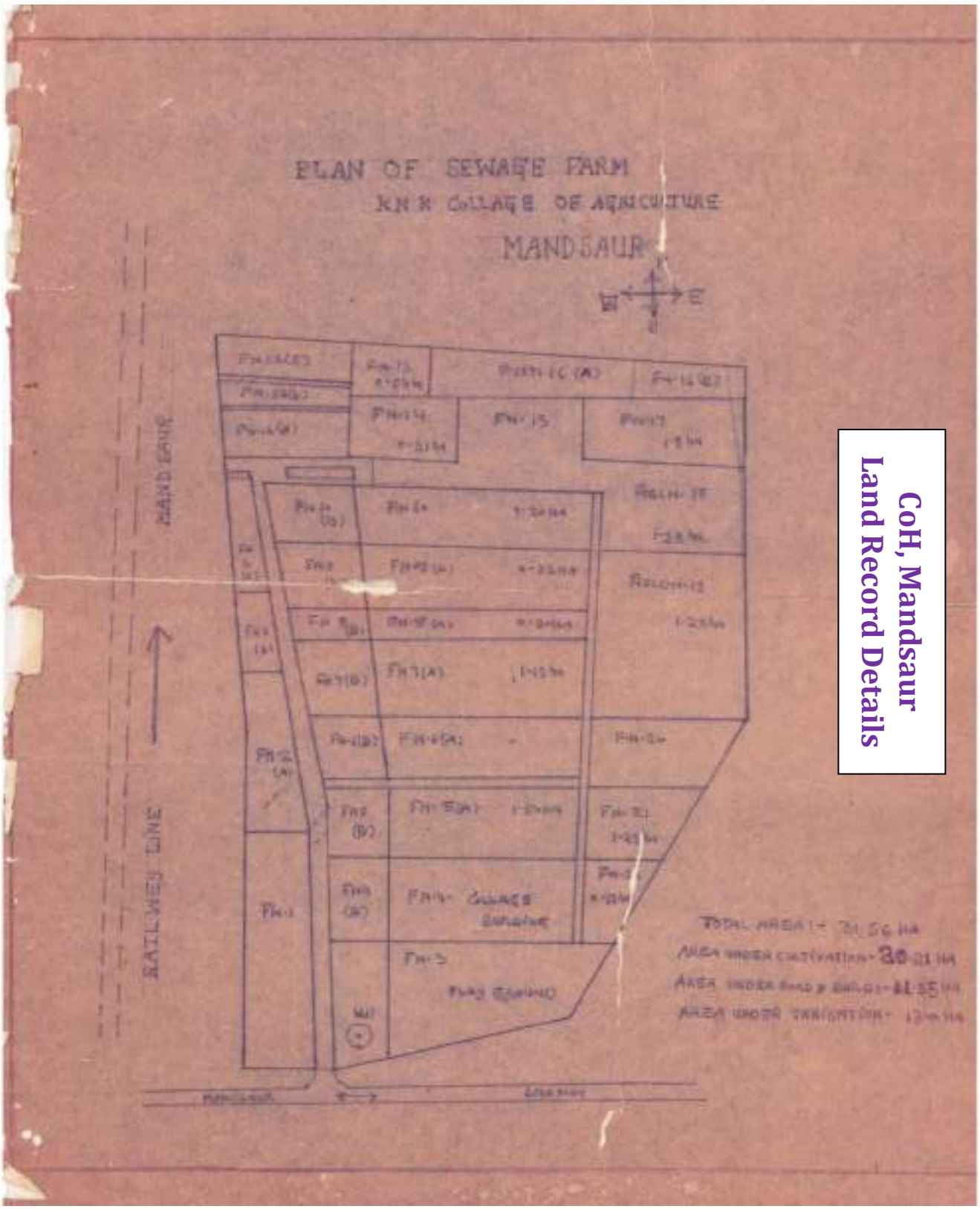

CoH, Mandsaur Land Record Details

6.6.7.2. IT Infrastructure:

University ARIS Cell :
The University has well established Agricultural Research Information SYSTEM (aris), in all the constituents colleges by ICAR. At present the ARIS cell is interconnected all the departments in the constituents colleges.

All the Research Stations, Colleges located in different places of Madhya Pradesh and KVKs are also well connected with headquarters.

An independent ARIS Cell was established in the college for computer work for students as well as faults one member.

The colleges have well equipped laboratories, libraries, instructional farms, ARIS cells linked with global information system, class-room facilities and qualified faculty.

Wi-Fi/internet facilities:
Modern teaching aids like computer, LCD Projectors and internet facilities are available for the students .

Workshops Organized :

University in collaboration with Department of Agro-meteorology, Ministry of Earth Sciences, Government of India had organized 13th Annual Review Meeting of Gramin Krishi Mausam Sewa (GKMS) during December 18-20, 2019. Director General of IMD Dr. M. Mohapatra inaugurated the workshop in the chairmanship of Hon'ble Vice Chancellor Prof. S.K. Rao. More than 330 delegates from all the Indian states participated and presented their report in several technical sessions. The emerging issues of climate change and challenges for agro-advisories in the future were discussed through panel discussion and invited lead papers from renowned experts in the field.

The annual programme of 130 campuses under GKMS was reviewed in the meeting besides presentations of Dr. K.K. Singh and Dr. Manish Bhan in the house for effective uploading of meteorological information for timely issues of weather based advisories to the farmers in their respective areas. A one day training programme for the scientists and technical staff of District Agro Meteorological Unit (DAMU) was also organized on 21st December, 2019.

6.6.7.3. Students and Staff Amenities:

SPORTS & OTHER CURRICULAR ACTIVITIES:

- The student get ample opportunity to participate in various co-curricular and extracurricular activities for better personality development, through Inter collegiate and Inter university games sports and cultural meet.

- Travel Facilities : To facilitate, travelling by students going to their homes during the semester break and to undertake study tours in different parts of India, railway concession orders are arranged for them.
- Celebration of National Festival: Independence Day, Republic Day etc. are celebrated in a befitting manner.
- Picnic and Hiking: A few picnics to the place of scenic beauty away from the campus are arranged as and when desired and feasible.

FACULTY DEVELOPMENT:

- The quality education is the top most priority for which.
- It is necessary to improve the infrastructure and teaching capabilities of the faculty under HRD.
- The teachers, scientist and subject matter specialist of the university are allowed to obtain trainings from national and international institutions to update their knowledge.
- Faculty also participate in national and international seminars, symposia, conferences, workshops, group meetings, travelling workshops etc. in order to get acquainted with new technologies, innovative approaches and strengthen the linkages and coordination
- The colleges have well equipped laboratories, libraries, instructional farms, ARIS cells linked with global information system, class-room facilities and qualified faculty. Faculty also participate in national and international seminars, symposia, conferences, workshops, group meetings, travelling workshops etc. in order to get acquainted with new technologies, innovative approaches and strengthen the linkages and coordination
- The colleges have well equipped laboratories, libraries, instructional farms, ARIS cells linked with global information system, class-room facilities and qualified faculty.

TUTORIAL CELL:

- The faculty members of the university take regular extra classes for providing guidance to students for JRF, SRF and NET examination of ICAR and several other examinations.
- Each department has developed model question bank to help the students. In addition to the above, the students are also subjected to:
  1. Training on Skill Improvement
  2. Training on Personality development and communication skill
  3. Mock Interviews and Group discussions
  4. Interview specific trainings
  5. Job Oriented trainings

6.6.8. Financial Resource Management:

6.6.8.1. Budget allocation:

6.6.8.1. Financial Resource Management:										
6.6.8.1. Budget Allocation College Wise for Salary, Contingency in Last Five Years:										
										Fig. in lakhs
	CoA, Gwalior		CoA, Indore		CoA, Sehore		CoA, Khandwa		CoH, Mandsaur	
Year	Salary	Cont.	Salary	Cont.	Salary	Cont.	Salary	Cont.	Salary	Cont.
2019-20	1116.84	90.96	1004.51	103.47	690.42	100.75	296.04	73.85	537.65	60.55
2018-19	1079.18	119.98	923.98	126.50	598.45	139.98	527.27	97.20	415.56	80.4
2017-18	1721.68	120.06	1934.89	126.65	1664.58	58.75	627.5	94.35	404.39	79.85
2016-17	1302.59	102.59	1454.51	120.59	1250.3	124.36	463.85	95.34	354.42	83.82
2015-16	1027.80	99.25	1181.15	127.32	1068.16	113.87	252.97	118.2	299.34	83.25

6.6.8.2. Finance Committee: Provide the schedule of the meetings of the financial committee held in last five years. **N/A**

6.6.8.3. Internal Resources Generation:

RAJMATA VIJAYARAJE SCINDIA KRISHI VISHWA VIDYALAYA

Raja Pancham Singh Marg, Gwalior-474002 (M.P.)

No. Compt./Fin./2020/..2018 **Dated: 28/09./2020**

Total Revenue Generated in last five years (Rs. In Lakh)

		2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20(up to .....)
		Rs. in Lakh				
S.No.	Revenue Generated					
	Total Budget of the University	11192.64	13594.18	12982.42	12946.52	11030.10
1.	Consultancies	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2.	Certification	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3.	Testing	112.59	98.32	116.09	113.11	144.70
4.	Tuition Fees	325.93	578.30	357.56	446.50	468.94
5.	Licensing	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
6.	Training	2.00	2.00	1.50	0.75	1.00
7.	Sale of inputs	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
8.	Commercialization of Technology	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
9.	Any others (Tender/charge/receipt	0.00	0.00	0.00	0.00	16.55
9.1	College/KVK etc. Receipt	271.08	160.36	193.56	253.27	881.74
9.2	BSP Unit (Revolving Fund)	0.00	92.00	0.00	0.00	114.56
9.3	FDR interest	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
9.4	E.E. Receipt	0.00	0.00	15.55	28.01	7.25
9.5	Information Fees	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
9.6	Rent Room	3.90	3.90	3.90	3.90	3.90
9.7	Asst. Registrar Gen. Sec.	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
9.8	Gate Pass	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
9.9	Pension Farm	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
9.10	Electricity Charges	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
9.11	Vehicle Charges	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
9.12	Misc. Receipt	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
9.13	Book Bank Charges	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
10.	Misc./Civil receipt	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
11.	Total revenue generated	715.50	934.97	684.26	841.64	1638.64
12.	Percentage revenue generated	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00

These details are to be dully certified and signed by the comptroller of the university the university the list should not include the fund received through external and competitive grants.

Comptroller
R.V.S.K.V.V., Gwalior

6.6.8.4. External Funding:

Year	Year	GoI (ICAR &KVk,S)	MPCST	Seed Hub	Cluster	Farmar First	FLD	RKVY	Total
2015-16	Pay	255151613	0		0	0	0	0	**255151613**
	Cont.	47198406		0	0	0	743542	0	**47941948**
2016-17	Pay	229738000	0	0	0	0	0	0	**229738000**
	Cont.	87503000	0	20000000	0	5544000		99400000	**212447000**
2017-18	Pay	300780000	0	0	0		0	0	**300780000**
	Cont.	34780000	0	27000000	6823000	2693604	948321	0	**72244925**
2018-19	Pay	319591669	0	0	0	0	0	0	**319591669**
	Cont.	59022580	0	11500000	8117719	2023639	742000	12900000	**94305938**
2019-20	Pay	307168000	0		0	0			**307168000**
	Cont.	146177000	440000	20750000	3282547	1800000	492257	30510000	**203451804**

6.6.8.5. Financial Powers Delegation to Deans/Heads:

Nature of Power	Registrar	Comptroller	Deans of Faculties	Directors Research Extension Instruction Farms	Deans of colleges/ Dean Student Welfare	Head of Deptt/ Dir Instrument/ ADR Ex. Engineer Principle Scientist/ Senior Scientist Principal Investigator of Adhoc Project	Equivalent post of Associate Professor/ Sr. Scientists I/c of Independen t Schemes/ Farms	Scientist I/c of Schemes located outside Colleges Managers LSF Agril Farms Asstt. Lib KVK Centres
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.
Withholding of increments	*All powers vested with Vice Chancellor*						Nil	Nil
Recovery from pay	*Full powers in respect of employees working in his administrative control. Losses above Rs. 10,000/- which are attributed to the negligence of failure to observe proper rules to be reported to the University.*						Nil	Nil
Recurring expenditure	*Full powers within budget allotment*							
Nonrecurring items costing not more than each*	Rs. 1 lakh	Rs. 1 lakh	Rs. 5lakh	Rs. 5 lakh	Rs. 2 lakh	0.50 lakh	Rs 10,000/-	Rs. 3,000/-
	**subject to budget allotment & observance of store purchase rules*							
Purchase of feed & fodder*	Nil	Nil	Upto 50,000/-	Upto 50,000/-	Upto30,000/-	Upto20,000/-	Upto10,000/-	Upto 5,000/-
	** During the financial year per item subject to budget allotment and observance of store purchase rules.*							
Counter signature on TA/Medical reimbursement	Staff under him	Staff under him	Staff under him and Deans	Staff under him and ADRs	Staff working under him	Staff working under him	Staff working under him	Nil
Expenditure on: repairs to Motor vehicles, only in a financial year. Motor Cycle	Upto Rs. 25,000/-	Upto Rs. 25,000/-	Upto Rs. 25,000/-	Upto Rs. 25,000/-	Upto Rs. 20,000/-	Upto Rs. 15,000/-	Upto Rs. 15,000/-	Upto Rs. 10,000/-
	per vehicle excluding replacement of tire, tubes & batteries Motor Cycle Rs. 5000							
Repair of graders, tractors, pump, power tillers, agril-machineries, buses etc.	Nil	Nil	Nil	upto Rs. 40,000/- [Dir. Farms]	upto Rs. 25,000/-	upto Rs. 15,000/-	upto Rs. 15,000/-	Nil
	Per vehicle in a financial year excluding replacement of tire, tubes & batteries. Subject to budget allotment & standing instruction & rules.							

6.6.8.6. Finance Utilization:

6.6.8.6

(6)

OFFICE OF THE COMPTROLLER, RAJMATA VIJAYARJA SCINDIA VISHWA VIDYALAYAGWALIOR (M.P.) 474002

No./Compt./Fin./Powers/2008/ 118 Dated : 12/12/2008

//ORDER//

In accordance with the authorization as per section 50 (2) f of Gwalior Agriculture, University Ordinance published in State Govt. Gazette No. 507 dated 19/08/2008, the Vice-Chancellor is pleased to delegate administrative and financial powers to the various officers of the Vishwa Vidyalaya to manage their day-to-day work on smooth lines as indicated in the enclosed statement.

While exercising the various administrative powers, it is necessary to follow the rules prescribed by the Vishwa Vidyalaya. Transfer of all types of staff should be done only in the months of April to June. If for any specific reason, transfer of an employee is very essential in the other months, the concerned officers should obtain the previous approval of the Vishwa Vidyalaya. No transfer or deployment should be effected in anticipation of sanction during this period.

While exercising the various financial powers delegated to different officers, care should be taken to ensure that all expenditure is within the financial allocation made to each officers under different schemes in operation. In case a situation arises, where the expenditure tends to be more than the budget allocation under different items, it is necessary obtain the prior approval of the Vishwa Vidyalaya before exceeding the allotments. Specific care should be taken to observe all standards of financial proprieties while spending Vishwa Vidyalaya funds.

The delegation of administrative and financial powers contained in the letter has been made to ensure efficient working of different institutions/schemes. It is expected that this would bring about greater efficiency in the working of the Vishwa Vidyalaya as a whole.

By order of the Vice - Chancellor

This will come in to force with immediate effect.

(Dr. Rajiv Saxena)
Comptroller

No./Compt./Fin./Powers/2008/ 118 Dated : 12/12/2008

Copy to:-

1- The Registrar, R.V.S.K.V.V.,Gwalior.
2- All Dean of Faculties, R.V.S.K.V.V.,Gwalior.
3- All Directors, R.V.S.K.V.V.,Gwalior.
4- All Dean, College of Agriculture,/Vety.Sci.& A.H. Agril.Engg. College/Student welfare, R.V.S.K.V.V.,Gwalior.
5- All Associate Directors of Research/ Principal Scientists of Zonal Res. Station./Regional Res. Station.
6- All Head of Departments/Director Instrumentation /Director, Bio-Technology Center.
7- Dy. Rigistrar,/Executive Engg./Asstt. Registrar/Asstt. Comptroller/IPRO/Asstt. Librarian, R.V.S.K.V.V.,Gwalior
8- All Training Organizer of K.V.K.'s
9- All D.D.Os
10- Asstt. Accounts Officer/All Section Officers, R.V.S.K.V.V.,Gwalior.
11- Dy. Director [Resident] Local Fund Audit, R.V.S.K.V.V.,Gwalior.
12- P.S. To Vice-Chancellor, R.V.S.K.V.V.,Gwalior.
13- Guard File.

Comptroller

3

6.6.8.6

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय को मध्यप्रदेश शासन से प्राप्त अनुदान

वर्ष 2015–16 से 2019–20 (पाँच वर्ष) वित्त उपयोगिता प्रमाण पत्र के आधार पर आय– व्यय की जानकारी

बजट का नाम	वर्ष 2015–16		वर्ष 2016–17		वर्ष 2017–18	
आयोजना PLAN	प्राप्त राशि	व्यय	प्राप्त राशि	व्यय	प्राप्त राशि	व्यय
संधारण अनुदान	1800.00	1735.35	1800.00	1993.40	1800.00	2239.08
अधोसंरचना	400.00	400.00	500.00	500.00	0.00	0.00
आदिवासी जनजाति उपयोजना TSP						
संधारण अनुदान	662.00	420.86	972.40	1198.37	972.40	947.24
अधोसंरचना	326.00	326.00	0.00	0.00	0.00	0.00
अनुसूचित जनजाति उपयोजना SCP						
संधारण अनुदान	556.77	487.07	545.10	507.94	545.10	542.10
अधोसंरचना	274.23	274.23	270.00	270.00	270.00	270.00
अयोजनेत्तर NON- PLAN	1900.00	2010.89	1900.00	2140.74	2090.00	2186.12
Total	**5919.00**	**5654.40**	**5987.50**	**6610.45**	**5677.50**	**6184.54**

बजट का नाम	वर्ष 2018–19		वर्ष 2019–20	
आयोजना PLAN	प्राप्त राशि	व्यय	प्राप्त राशि	व्यय
संधारण अनुदान	1850.00	2187.99	1350.00	2438.82
अधोसंरचना	0.00	0.00	0.00	0.00
आदिवासी जनजाति उपयोजना TSP				
संधारण अनुदान	1050.00	997.34	1150.00	1170.57
अधोसंरचना	0.00	0.00	0.00	0.00
अनुसूचित जनजाति उपयोजना SCP				
संधारण अनुदान	600.00	622.41	550.00	704.62
अधोसंरचना	300.00	300.00	181.86	181.86
अयोजनेत्तर NON- PLAN	2290.00	2362.79	1236.66	2317.81
Total	**6090.00**	**6470.53**	**4468.52**	**6813.68**

6.6.9. ACCOMPLISHMENTS

6.6.9.1. Awards for the University: The detailed list of Regional, National and International Awards received by the University in last five years:

AWARDS AND RECOGNITIONS

- **Participation in Kisan Mela 2016 at SKUAT-Jammu** A stall on new technologies was put up by University in Kisan Mela 2016 which is organized by SKUAT-Jammu during 18-19 March, 2016. University Stall got Second Prize among all stalls and First prize in Institutional categories.

- **FARMERS HONOURED**

  Mr. Gangaram Baghel of Lahar and Mr. Narain Singh Batham from Gohad awarded 'Rajya Stariya Sarvotam Krishak Puraskar' along with Prize money 50,000/- (Fifty thousand) only to each farmer by Hon'ble Chief minister of M.P Shree Shivraj Singh Chauhan on May 25, 2015 for their better farming in crop production and vegetable production in the district Bhind respectively.

- Workshop on Gender sensitization (Women Empowerment) was organized on March 11th, 2016 at CoA, Gwalior.
- Two days workshop on "Moving towards Climate Smart Agriculture in Madhya Pradesh: Technology, Policy and Farmers" at RVSKVV, Gwalior during April 17-18, 2015.
- Two day training on mushroom production technology was organized on August 13-14, 2015; September 21-22, 2015 and January 13-14, 2016.
- One day Mushroom training at KVK, Ujjain on January 18, 2016 (Pathology) was also organized.
- Organic Ameliorants for Soil Resilience and Environmental Securities 19-21 August, 2015. Organized by Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishwa Vidyalaya, Gwalior.
- Global Ravine Conference on "Managing Ravines for Food and Livelihood Securities March 7-10, 2016 organized by RVSKVV, Gwalior (M.P.) India.
- National Conference on "Global Research Initiative for Sustainable Agriculture and Allied Sciences (GRISAAS-2015) jointly organized by Astha Foundation, Meerut and

RVSKVV, Gwalior at College of Agriculture, RVSKVV, Gwalior during December 12-13, 2015.

- Annual Group Meeting (Workshop) of Safflower organized on August 26-29, 2015 at College of Agriculture, Indore

AWARDS AND RECOGNITIONS FOR THE YEAR 2016-17

AWARDS AND RECOGNITION

- KVK, Dhar was conferred with the **"Best KVK of the Zone VII"** award on July 16, 2016 by Union State Minister for Agriculture Shri Purushottam Rupala. The award was given to Hon'ble Vice Chancellor Prof. A. K. Singh and KVK team.

- The Mandsaur centre awarded as **Best AICRP centre** at all India level for the year 2015-16 during annual Review workshop held at Dr. Y.S. Parmar University of Horticulture and Forestry, Solan Himachal Pradesh during September 28 to October 1, 2016.

- Dr. D.H. Ranade, College of Agriculture, Indore received **Best Research Article Award** in Journal of Agriculture research and technology volume 39(2014) at PDKV Akola on May 28, 2016.
- Dr. V K Tiwari, Scientist, Plant Breeding, ZARS, Morena has been awarded by **the "Certificate of Excellence" in the 4th Science and Technology Awards-16** for the recognition of his crop improvement work of rapeseed and mustard and soybean by the Research & Branding Review Committee at Education Expo-TV, Bangalore on June 12, 2016.
- **Reviewer Excellence Award** was awarded to Dr. S.S. Tomar as Reviewer of Indian Journal of Agricultural Research and Legume Research- An International Journal on Nov. 17, 2016. In recognition of significant and outstanding contribution to the journals for the last so many years.

- Dr. Swati Barche have conferred upon the award of Distinguished Faculty for contribution and achievement in the field of Fruit Science on July 9, 2016 by Venus International Foundation ISO-9001 Chennai, Tamil Nadu, India

FARMER AWARDS

- First Pandit Deen Dayal Upadhyay Antyoday Award to Shri Balaram Patidar, Petlavad, Jhabua on Sept. 15, 2016.

AWARDS AND RECOGNITIONS FOR THE YEAR 2017-18

AWARDS AND RECOGNITIONS

- Shri Radha Mohan Singh, Hon'ble Union Minister of Agriculture and Farmers Welfare, Govt. of India awarded Dr. I.S. Tomar, ADR, ZARS and Senior Scientist & Head of Krishi Vigyan Kendra, Jhabua and Dr. R.K. Yadav, Scientist with, **"Fakhruddin Ali Ahemad Award-2016"** in the gracious presence of Shri Sudarshan Bhagat, Hon'ble Union Minister of State, Agriculture and Farmers Welfare, Govt. of India and Prof. Trilochan Mohapatra, Hon'ble Secretary, DARE and DG, ICAR, New Delhi on the occasion of 89th Foundation Day of ICAR, New Delhi **on July 16, 2017.**

- Dr. S.C. Gupta, Principal Scientist (Soil Science), AICRP-Chickpea main centre Sehore has been conferred Indian Society of Pulses Research and Development (ISPRD) **recognition award for the year 2017** for his outstanding contribution in the field of NRM at ICAR-IIPR, Kanpur on Dec. 2, 2017.

- 33rd M.P. Young Science Congress of M.P. Council of Science & Technology was organized at Rani Durgawati University, Jabalpur during 15th-16th March, 2018, in which Smt. Pooja Singh, Assistant Professor, RVSKVV, RAK College of Agriculture Sehore has been awarded as the M.P. Young Scientist (1st prize) in the field of Agricultural Sciences.

OTHER AWARDS-

S. No.	Name of Person	Name of the Award	Awarding Organization
1	Dr. G.S. Rawat	Krish iVigyan Gaurav(2017)	Bhartiya Krishi Anushandha Samiti, Karnal
2	Dr Ekta Joshi	Best poster award	International conference on GRISAAS-2017 during 02-04 December 2017 held at MPUAT, Udaipur (Rajasthan)
3	Dr Ekta Joshi	Scientist of the year award	International Conference "GRISAAS" held at MPUAT, Udaipur during 2–4 December, 2017

4	Dr. Deep Singh Sasode	Distinguished Scientist Award	All India Agricultural Student Association (AIASA) during 2nd National Agriculture Convention on "Agricultural Skill Development for Doubling Farmers Income" on 7th October, 2017 at RAJUVAS, Bikaner (Rajasthan).
5	Ekta Joshi, Deep Singh Sasode and Varsha Gupta	Best poster award	The National Forage Symposium 2017" at RVSKVV, Gwalior on March, 3-4, 2017

6. **R. K. Singh** received certificate of fellowship by Indian society of pulse research and development on Dec, 04, 2017.
7. **R. K. Singh** received best poster award in national symposium on challenges and opportunities management of plant disease under weather change and central zone meet of IPS held on Dec. 14-15, 2017 organized by JNKVV, Jabalpur and Indian Phyto pathological society, New Delhi.
8. **Dr. S.C. Gupta,** Principal Scientist received the ISPRD recognition award for outstanding contribution in pulses research under National Resource Management Category through IIPR (ICAR), Kanpur.
9. **Smt. Pooja Singh,** Assistant Professor, received the M.P. Young Scientist award (1st prize) 2018, in the field of Agricultural Sciences from M.P. Council of Science & Technology.
10. **Dr. P.P. Shastry, Dean, COA, Khandwa** was honoured with ***"Professional Excellence Award"*** for his outstanding contribution in Cotton research by the Hon'ble Governor of Meghalaya, Shree Ganga Prasad in an International Congress, organized by Cotton Research & Development Association, Hisar, at Barapani, Meghalaya on 20th February, 2018. Dr Shastry has devoted 28 years in cotton research & development and also played an important role in the introduction of Bt Cotton in M.P.

11. Excellence in Extension Award to Dr D.K.Vani at International Conference on Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture & Allied Sciences (GRISAAS-2017) held at MPUAT, Udaipur (Raj.), 02-04 December. Organized by Astha Foundation, Meerut (U.P.)
12. Excellence in Extension Award to Dr Mukesh Gupta at International Conference on Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture & Allied Sciences (GRISAAS-

2017) held at MPUAT, Udaipur (Raj.), 02-04 December. Organized by Astha Foundation, Meerut (U.P.)

13. Young Scientist Award to S. K. Arsia at International Conference on Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture & Allied Sciences (GRISAAS-2017) held at MPUAT, Udaipur (Raj.), 02-04 December. Organized by Astha Foundation, Meerut (U.P.) and Society of Scientific Development in Agriculture and Technology, Meerut, U.P.
14. Young Scientist Award to M.K. Kureel at International Conference on Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture & Allied Sciences (GRISAAS-2017) held at MPUAT, Udaipur (Raj.), 02-04 December. Organized by Astha Foundation, Meerut (U.P.) and Society of Scientific Development in Agriculture and Technology, Meerut, U.P.
15. Scientist Associate Award to Dr Rashmi Shukla at International Conference on Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture & Allied Sciences (GRISAAS-2017) held at MPUAT, Udaipur (Raj.), 02-04 December. Organized by Astha Foundation, Meerut (U.P.)
16. Young Scientist Award to Ashish Bobade at International Conference on Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture & Allied Sciences (GRISAAS-2017) held at MPUAT, Udaipur (Raj.), 02-04 December. Organized by Astha Foundation, Meerut (U.P.)
17. Excellence in Teaching (English) Award to Dr. O.P. Sharma at International Conference on Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture & Allied Sciences (GRISAAS-2017) held at MPUAT, Udaipur (Raj.), 02-04 December. Organized by Astha Foundation, Meerut (U.P.) and Society of Scientific Development in Agriculture and Technology, Meerut, U.P.
18. Young Scientist Award to Dr. Sourav Gupta at International Conference on Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture & Allied Sciences (GRISAAS-2017) held at MPUAT, Udaipur (Raj.), 02-04 December. Organized by Astha Foundation, Meerut (U.P.) and Society of Scientific Development in Agriculture and Technology, Meerut, U.P.
19. Best Oral Presentation Award to Dr. Sourav Gupta at International conference on advances in agricultural and applied sciences for promoting food security, Kathmandu, Nepal, 13-15 May. Organized by SAID, Ranchi (Jharkhand)
20. Best M.Sc. (Ag.) Entomology Thesis award to Dr. Shahin Khan during 02 to 04 December 2017 by SSDAT, Meerut on the occasion of International conference on Global research Initiatives for sustainable agriculture at Udaipur.
21. Dr. R.K. Sharma received "Young Scientist Award" in the field of Vegetable Science by Astha Foundation on the occasion of International Conference on "Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture & Allied Sciences (GRISAAS-2017)" during 2-4

December, 2017 held at MPUAT, Udaipur (Raj.)

22. Dr. R.P. Ptel received excellent in teaching award on occasion of International conference on Global research initiatives for sustainable agriculture & allied science (GRISAAS-2017) DURING 02-04-December, 2017 held at Maharana Pratap University of Agriculture & Technology, Udaipur, Rajasthan (India)

23. Dr. K.C. Meena received Young Scientist award 2017 on the occasion of International Conference on Advances in Agricultural and Biodiversity Conservation for sustainable development (ABCD-2017) during 27-28 October, 2017 at C.C.S University, Meerut, Uttar Pradesh, India.

24. Dr. K.C. Meena received Young Scientist award 2017 on the occasion of International Conference on Advances in Agricultural and Biodiversity Conservation for sustainable development (ABCD-2017) during 27-28 October, 2017 at C.C.S University, Meerut, Uttar Pradesh, India.

25. Second best poster award- Damar, Usha; Sharma, R. K.; Kushwah, S. S. and Singh, O. P (2017). Effect of varieties, organic manures and inorganic fertilizers on growth, yield and quality of okra (Abelmoschus esculentus L.). Abstract in international conference on "Global research initiatives for sustainable agriculture & allied sciences (GRISAAS-2017)" held from 02–04 December 2017 at MPUAT, Udaipur, Rajasthan by Astha Foundation, Meerut (Uttar Pradesh) India.

26. Dr. Anuj Kumar received 2nd prize in poster presentation at GRISAS, 2017 by Astha Foundation, Meerut on 02 to 04 Dec, 2017. at MPUAT, Udaipur (Raj)

27. Dr. Roshan Gallani received the best poster presentation award titled "Effect of varieties and nutrient levels on growth, yield, quality and nutrient uptake of cauliflower (Brassica oleracea var. botrytis L.) at Malwa region of M.P." at International seminar on "Global research initiatives for sustainable agriculture and allied science" held at MPUAT, Udaipur during December, 02-04, 2017.

28. Dr. K.C. Meena received Best Poster presentation Award 2017 in an International conference on global research initiatives for sustainable agriculture & allied sciences (GRISAAS-2017) during 02-04 December 2017 at Maharana Pratap University of Agriculture & Technology, Udaipur, Rajasthan.

29. Er. Rajesh Gupta, Scientist, KVK, Mandsaur received "Distinguished Scientist Award 2017" from Green Reap Welfare Society at Indian Institute of Rice Research (IIRR), Rajendranagar, Hyderabad.

30. Er. Rajesh Gupta, Scientist, KVK, Mandsaur received KVK Scientist Award 2018 from Samagra Vikas Welfare Society at Babasaheb Bhimrao Ambedkar University, Lucknow (U.P.).

AWARDS AND RECOGNITIONS FOR THE YEAR 2018-19

University Ranking:

ICAR Ranking: University is ranked Number 10 amongst Agricultural Universities.


INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH

Ranking of Agricultural Universities 2017

This is to certify that

Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishwavidyalaya, Gwalior

is ranked Number 10 amongst Agricultural Universities

India Today Ranking:

University is ranked Number 26 amongst Indian Universities and ranked Number 02 amongst Agriculture Universities.

- Dr. I.S. Tomar, Principal Scientist and Head, Krishi Vigyan Kendra, Jhabua conferred with Swami Sahajanand Saraswati Award-2017 on the occasion of Foundation Day of ICAR at New Delhi on July 16, 2018.

College of Agriculture, Gwalior:

S. No.	Name of person	Name of the Award	Awarding Organization
1	Dr. P.D. Singh	Certificate of Appreciation conferred in the Inter-Collegiate Cultural Meet "Anugoonj"	College of Agriculture, Gwalior (M.P.)
2	Dr. R. Lekhi	Best Poster Presentation	Rajmata Vijayraje Scindia Krishi Vishwa Vidyalaya, Gwalior, Madhya Pradesh
3	Dr. R. Lekhi	Best Poster Presentation	Department of Horticulture Jawaharlal Nehru Krishi Vishwa Vidyalaya, Jabalpur, Madhya Pradesh
4	Dr. R. Lekhi	Krishi Vigyan Gaurav	Bhartiya Krishi Anusandhan Patrika

KNK, College of Horticulture, Mandsaur:

- Dr. Vidhya Sankar, received Bharat Ratna Indira Gandhi Gold Medal Award By Global Economic Progress And Research Association (GEPRA), NEW DELHI on the occasion of 62nd National Unity Conference on "National Economic Growth through Individual Contribution" on 9th March 2019 at Bangalore.
- Dr. S.B. Singh received Excellence in Research Award for outstanding contribution in the field of entomology on the occasion of International Conference on Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture and Allied sciences (**GRISAAS-2018**) at RAU, Durgapura, Jaipur, from 28-30, October, 2018.
- Dr. R.P. Patel conferred member of organizing committee of International Conference on Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture and Allied sciences (**GRISAAS-2018**) at RAU, Durgapura, Jaipur, from 28-30, October, 2018.
- Dr. R.P. Patel received Excellence in Research Award for outstanding contribution in the field of Plant Pathology on the occasion of International Conference on Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture and Allied sciences (GRISAAS-2018) at RAU, Durgapura, Jaipur, from 28-30, October, 2018.
- Shri H.C. Bharvey received best research paper poster award on "Analytic study of M.Sc. (Horticulture) thesis under the department of plantation, spices, medicinal and aromatic crops at KNK College of Horticulture, Mandsaur (M.P.)" Authored by H.C. Bharvey, R.N. Sharma and R.P. Patel. (2018). In International conference on Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture and Allied sciences (GRISAAS-2018) at RAU, Durgapura, Jaipur, from 28-30, October, 2018.
- Dr. S.B. Singh, received best research paper poster award on "Reaction of Bt cotton hybrids against sucking insect pests in Malwa region of Madhya Pradesh" Authored by S. B. Singh, R. P. Patel, and G. S. Chundavat (2018). In International conference on Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture and Allied sciences (GRISAAS-2018) at RAU, Durgapura, Jaipur, from 28-30, October, 2018.

AWARDS AND RECOGNITIONS FOR THE YEAR 2019-20

(1) College of Agriculture, Gwalior-

S. No.	Name of Scientists	Name of award	Name of Society/ Agency
1	Dr.V.S. Kandalkar	Best teacher award of the year	Gwalior Vikas Samiti,Gwalior
2	Dr Sushma Tiwari	Chaudhary Charan Singh Award	Global Environment and Social association (GESA), New Delhi
3	Dr Sushma Tiwari	Fellow Award	

(2) College of Agriculture, Indore- Dr. Swati Barche get BIOVED YOUNG SCIENTIST ASSOCIATE AWARD 2020 on the 22nd Agricultural Scientists and Farmers Congress on PHT & Management for empowering the rural society and Employment Generation on 22-23 Feb, 2020 at Prayagraj.

(3) KNK, College of Agriculture, Mandsaur-

1. Dr. Rajiv Dubey received Best Participant Award in ICAR sponsored 21 days (03-23 October, 2019) training (based on evaluation tests and training performance) organized by Department of Soil and Water Engineering, College of Technology and Engineering, MaharanaPratap University of Agriculture and Technology, Udaipur (Rajasthan) at MPUAT, Udaipur, Rajasthan.
2. Patel R. P; Singh S. B; Kanpure, R. N. and Patidar, B. K. received second poster award with title of poster effect of abiotic factors on occurrence of fruit rot disease on ambebahar guava (PsidiumguajavaL) caused by PhytophthoranicotianaeVarParasitica (Dastur) Waterhouse on the occasion of International conference on Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture & Allied Sciences (GRISAAS- 2017) during 20-22 October, 2019 at ICAR-National Academy Of Agricultural Research Management, Hyderabad, Telangana (India).
3. Patel R. P. awarded with Fellow award for outstanding contribution in the field of Plant Pathology by Society for Scientific Development in Agriculture and Technology, on the occasion of International Conference on GRISAAS-2019 during 20-22 October, 2019 heldat ICAR-National Academy of Agricultural Research Management, Rajendranagar, Hyderabad, Telangana, India
4. Dr. S.K. Dwivedi awarded with "Young Scientist Award-2019" in the field of Post-Harvest & Technology. During "1st Foundation Day Program was organized during 20 June 2019 at the auditorium of ICAR-Indian Institute of Sugarcane Research (IISR), Lucknow, Uttar Pradesh.
5. H C Bharvey awarded with Excellence in Communication Award given by (SSDAT) GRISAAS -2019 during 20-22 October, 2019 held at ICAR-National Academy of Agricultural Research Management, Rajendranagar, Hyderabad Telangana, India.

6.6.9.2. Accreditation Report from ICAR/Other Agencies: Whether the University and its Colleges were accredited by the ICAR and other agencies in the past? What was the recommendation of the accreditation agencies? Whether the University has taken the action taken report and submitted the reply to the accreditation agencies? Provide the detailed action taken report for each observation.

	Recommendation of NAEAB	Action Taken
1.	Implementation of ICAR Model Act in the university of Madhya Pradesh	The matter is under consideration with the Government of Madhya Pradesh
1.4	Board of Studies	It exists in the name of 'Faculty' with the same function i.e., academic affairs and constitution in RVSKVV, Act. With the recommendation of the Board its nomenclature is changed from Faculty to Board of Studies
1.5	College Level Committee on Teaching	It is established at all the constituent Colleges
1.6	Internal Quality Assurance Cell (IQAC)	The establishment is in the process
1.7	Quality Instruction Material (PME Cell)	Guidelines to publish Quality Instruction material from the fund allotted under Development Grant by ICAR has been established (PME Cell)

6.6.9.3. Inter Institutional Standings: Status of the University in the ranking announced by agencies for academics, research, extension, sports/games, cultural events etc.

- **ICAR Ranking: University is ranked Number 10 amongst Agricultural Universities**.

- **India Today Ranking:** University is ranked Number 26 amongst Indian Universities and ranked Number 02 amongst Agriculture Universities

- *A world bank funded project of National Higher Education Project (International Development Plan) on **"Reinforcement of the Brand Value of University for Designing Market Ready Graduates for Entrepreneurship and Development Generation"** have been sanctioned by the NC, ICAR, NAHEP having a budget outlay of Rs. 2441.00 lakhs.*

6.6.9.4. Socio-economic Impact:
Madhya Pradesh has emerged as grain bowl of India by immense contribution in the nation's grain basket with 33.45 million tons (11.74%) of total production of 284.83 million tons in the country during 2017-18. Madhya Pradesh is the only state to have won the Krishi Karman Award in the total food grain production consecutively for five times since the institution of award in 2010-11. The State has been showing a strong growth of above nine percent since 2009-10. In the year 2013-14, Madhya Pradesh has created history by posting the highest ever agricultural growth rate of 24.99 per cent. This rate was 20.16 per cent in year 2012-13 and 18.17 per cent in year 2011-12. Presently (2016-17) it is in double digit (20.40%).

The role of Agriculture University in both social and economic development of an economy is vital. Agriculture University a light house to society is seen as the mainstay or back bone of socio-economic development. The contribution of Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishwa Vidyalaya, Gwalior towards socio-economic development is immense in terms of technology development, technology dissemination at grass root level and development of demand driven human resources for serving the farming community of the state.
6.6.9.5. International Collaboration: The list of collaboration taken place during last five years with international agencies/universities/institutes for academic, research and others:

LIST OF MOU INTERNATIONAL ORGANIZATIONS WITH RVSKVV, GWALIOR

S.No.	MOU	Effective Date
1	Wageningen University , Netherland	16.11.2015
2	Strategic Marketing & Communication ICRISAT, Patancheru - Telangana	27.10.2016
3	Borlaug Institute for south Asia (BISA), Jabalpur	02.01.2019
4	Research Institute for Organic Agriculture (FiBL), Switzerland	04.10.2019
5	Dalhousie University, Canada	17.11.2020

6.6.9.6. Fund Raising through CSR: The university has collected fund from corporate sector for on- farm research and extension and other related activities in last five years:

Under product testing 1472 products of private agencies were tested during last five year i.e. 2015-16 to 2019-20. Highest numbers 339 products were tested during 2017-18 and minimum 262 during 2015-16. Under product testing total Rs. 1450.11 revenue generated during last five years:

Details of product testing trails conducted in last five years:

S.No.	Year	Trails conducted	Revenue generated (in Lakh)
1.	2015-16	262	246.96
2.	2016-17	272	298.74
3.	2017-18	339	238.17
4.	2018-19	295	320.85
5.	2019-20	304	345.39
Total		**1472**	**1450.11**

6.6.9.7 Alumni Support:

The university has well establishment active Alumni Association to support a network of former graduates who will, in turn, help to raise the profile of the university. Alumni association succeeds the members so that they may help the association and university as successful graduates. Variety of career services provided by the association is the great tools for building career or finding ways to maximize earning potential of the member. Even after graduation, many students continue to feel connected to the university by special alumni social events. The association makes sincere efforts to arrange programme and to strengthen association-ship.

The university organized first alumni meet during 16-17th February, 2019 at RVSKVV, College of Agriculture, Gwalior. On this occasion various events were organized for the benefit of the Staff, Students and ex-students of the university. During the meet ex-students who have now achieved in significant position as well as retired faculty shared rememberabale memories. A Souvenir and Directory of Alumni Meet (RAM-2019) was also published during the event. The ex-students, Faculty, existing students highly praised the efforts of the university in bringing all the stake holders on a platform

6.6.9.8. Academic Activities during pendemic of COVID 19

Whatsapp Group of the Students: Whatsapp group created for all the classes (UG,PG &Ph.D.) separately for each constituents colleges.

Class Wise Lecture Notes: Class wise lecture notes prepared by all the class teachers of all the constituent colleges were uploaded on the University website.

Online Workshop: The University has organized a several online workshop under NAHEP IDP project.

Faculty Development Porogramme: Two day online faculty development programme on Teaching was organized by RVSKVV with collaboration of virtuallity India IIT, Delhi total 50 faculty participated.

Guest Lecture Series: The University has organized International Guest Lecture Series involving best available resources at International level in the subject of each Department. Total 06 online lecture were organized.

The RVSKVV organized several online courses on entrepreneurship, skill, personality developmet and communication skill developmet under NAHEP project.
Information about Webinars conducted at Colleges/ Directorates/ Offices from Feb. 2020 to till date under NAHEP project are given below:

Detail of Webinars Conducted:

S.No.	Date	Topic	Output/ Recommendations
1.	31/01/2020	"Sankalp ki Shkati"	Students and faculties are benefited in terms of confidence building
2.	29/04/2020 To 02/05/2020	" Achievement of Motivation for Entrepreneurship Development "	Students and faculties are benefited in terms of Entrepreneurship building
3.	29/04/2020 To 04/05/2020	"Personality Development"	Students and faculties are benefited in terms of Personality Development
4.	05/05/2020 To 09/05/2020	"Enhancing Communication Skills for Professional Success"	Students and faculties are benefited in terms of Communication Skills
5.	11/05/2020	"Refining Personality"	Students and faculties are benefited in terms of Personality Development
6.	12/05/2020	"Turn Obstacle into opportunity"	Focus On Your Strengths, Not Weaknesses
7.	12/5/2020 To 13/05/2020	"Opportunities in food processing and agro based industries with investment up	Student learn about the food processing

		to 10 lacks and opportunity in food processing and agro based industries with investment from 10 lakh to 1 crore"	Startups
8.	12/05/2020 To 16/05/2020	"Sky is the Limited"	Benefited in terms of confidence building
9.	14/05/2020	"Employability Skills"	Identify sources of conflict and take steps to minimize or overcome disharmony.
10.	15/05/2020 To 21/05/2020	"Entrepreneurship Development "	Know the parameters to assess opportunities and constraints for new business ideas
11.	18/05/2020 To 21/05/2020	"Personality Development"	Self-Awareness, Personal Development, and Life Skills
12.	19/05/2020 To 23/05/2020	"Employability Skills"	Benefited in terms of Problem-solving and decision-making
13.	25/05/2020	"Personality Development and Grooming"	Students and faculties are benefited in terms of confidence building
14.	25/05/2020 To 29/05/2020	"Landscape Development"	Student learn about the demand of landscape Development in India and Abroad
15.	26/05/2020 To 30/06/2020	"Momentum"	Student learn about to decide goal and how to achieve it
16.	28/05/2020	"Career opportunities in Agriculture: An Interactive session for Agri-Graduates"	Will help for better placement of student
17.	05/06/2020	"Positive Impact of Lockdown on Environment in India"	Student aware about Environmental changes
18.	06/07/2020	Soil Health: Role of Microorganism and soil organic matter"	Student learn about the role of Microorganism and SOM empower the health of soil and its play vital role to increase the fertility of soil
19.	08/06/2020 To 12/06/2020	"Personality Development"	Self-Awareness, Personal Development, and Life Skills

20.	09/06/2020 To 13/06/2020	"Startups Initiative and Entrepreneurship in Agri. and Food processing Domains "	Student learn development of startup concepts for self-employment
21.	29/06/2020 To 01/07/2020	"Innovative Food Processing Technologies: Value Addition, Food Safety and Security"	Student learn about the processing , packing , PHT related to food industry
22.	07/07/2020	"Business opportunities in bamboo value chain"	Develop Entrepreneurship in students
23.	16/07/2020	"Entrepreneurship opportunities through alternate horticulture based farming system"	Student develop entrepreneurship skills in horticulture sector
24.	20/07/2020	"IOT & AI Application in Agriculture"	Understand the potential of IOT in Agriculture and implement efficient technologies
25.	13/08/2020	"Nature, Extent and management of problematic soils for sustainable agriculture"	Student learn about management of problematic soil
26.	17/08/2020	"Hi-Tech Interventions for Agriculture Development & Catalyzing Agri-Startup"	Student learn about new innovations for agri. startups
27.	14/10/2020	"Computer Skill –Basic Excel"	Create an excel workbook and navigate you way around the basic applications
28.	23/10/2020 To 31/10/2020	"Online Teaching and Learning Practices"	Effective strategies that can enhance universities and faculty success in transitioning to teach online
29.	25/11/2020 TO 1/12/2020	"Online Teaching and Learning Practices "	Effective strategies that can enhance universities and faculty success in transitioning to teach online
30.	10/12/2020	"How to Use E-resources for JRF and SRF Exam"	Learn about different digital resources
31.	11/12/2020	"Empowering the Rural Youth for Livelihood Security "	Awareness for self-employment

32.	12/12/2020	"On Preparing Corporate Ready Students"	Development of soft skills for industries
33.	14/12/2020	"Establishment of small Scale Food Processing Industries: Way to Entrepreneur Skill Development "	Develop Entrepreneurship in students
34.	15/12/2020	"On presentation of JRF/SRF/ARS Exams and Role of Fruit and Vegetable in Human Mind and Body"	Learn the importance of fruits and vegetables
35.	17/12/2020	"Canopy Management for the Production of Quality Grapes"	Learn about training and pruning aspect in grapes
36.	18/12/2020	"Avenues in Horticulture Sector"	Learn about landscape
37.	18/12/2020	"Scope For Overseas Education in Agriculture and Allied Science"	Awareness among student for abroad education

ANNEXURE

FOR

ACCREDITATION OF THE UNIVERSITY

(RVSKVV, GWALIOR)

Annexure-I

6.6.3.3 Technologies developed and its adoption:

- **Varieties developed including area coverage under Variety.**

Crop	Name of Variety (Noti. No.& Date)	Maturity days	Avg. yield (kg/ha)	Special Characteristics	Adaptability zone	Area Coverage as per BSP(ha)
A. Pulse crops						
Chickpea	RVG 202 (SO 268 (E) 28.01.2015)	100-105	1800 – 2000	Large seeded Desi chickpea variety and resistance to Fusarium wilt, MR to dry root rot and color rot	M.P., Chhattisgarh, Maharashtra, Gujarat, U.P. and Rajasthan	267469
	RVG 204 (SO 3220 (E) 06.09.2019)	111	2300-2500	Long plant, bold seeded, Resistant to wilt and tolerance to pod borer, suitable for mechanical harvesting	Madhya Pradesh	1266
	RVG 205 (SO 3220 (E) 06.09.2019)	107-118	2000-2500	First green seeded variety of M.P., Long plant, pink flower, bold seeded, Resistant to wilt and tolerance to pod borer	Madhya Pradesh	2391
	RVKG 111 (SO 3220 (E) 06.09.2019)	117	20-22	Smooth creamy medium sized seeds with owl's head shape (26.12 g/100 seed). Resistance to moderately resistance reaction against *Fusarium* wilt, Dry Root Rot (DRR) and tolerant to pod borer (*Helicoverpa*) and pulse beetle.	Madhya Pradesh	
	RVKG 151 (SO 3220	104-113	20-21	extra large size seeds, average 100	Madhya Pradesh	

	(E) 06.09.2019)			seed weight (54.3 g) with oval head shape. Resistance to moderately resistance reaction against *Fusarium* wilt and tolerant to pod borer (*Helicoverpa*) and pulse beetle.		
	RVG 210 03.06.2019	109	1805	early maturing variety (109 days), round seed shape, bold seeded size (26.7 g hundred seed weight), average yield potential 1805 kg/ha and resistant to *Fusarium* wilt.	Madhya Pradesh	
	RVKG 121 03.06.2019	114	1970	matures in 114 days, having bold seed size (26.30 g hundred seed weight), average yield potential 1970 kg/ha. Resistance to *Fusarium* wilt tolerance to pod borer *(Helicoverpa armigera*) and pulse beetle	Madhya Pradesh	
Lentil	RVL 11-6 (SO 1007 (E) 30.03.17)	116	1600-1800	Bold seed, drought tolerance	M.P., Chhattisgarh, Maharashtra, Gujarat, U.P. and Rajasthan	24000
	RVL 13-7 (SO 3220 (E) 06.09.2019)	102	1200	Plant type is semi erect, medium height (36-40cm) and branches with broad leaf which is very much suitable for intercropping Large seed size of 3.2 g/100 seed Tolerant to Wilt,	Timely sown conditions of M.P.	1500

				shattering resistant and escape the drought		
	RVL 13-5 (SO 3220 (E) 06.09.2019)	106	1400	Its plant type is semi erect, Maturity duration is 106 days, medium height and branches with broad leaf which is very much suitable for intercropping and potential yield is 14 qt/ha.	M.P., Chhattisgarh, Maharashtra, Gujarat, U.P. and Rajasthan	27000
	RVL 15-1	100	1700	plant type is semi erect, medium height and branches with broad leaf which is very much suitable for intercropping. Large seed size of 3.05 g/100 seed, resistant to wilt, shattering resistant and escape the drought.	Madhya Pradesh	-
B. Oilseed crops						
Soybean	RVS 2002-4 (SO 1007 (E) 30.03.17)	92	2300	Early maturing, Resistance to YMV, chorcol rot	Madhya Pradesh	58331
	RVS 2001-18 (SO 2805 (E) 25.08.2017)	96	1905	Medium maturity, Resistance to YMV, chorcol rot, root rot and stem fly	M.P., Chhattisgarh, Maharashtra, Gujarat, U. P. and Rajasthan	1097
	RVS 2007-6 VIC 17.04.18	101	2068	Plant type semi erect spreading type, medium height (70-75 cm) and branches with broad pointed leaf, medium maturing variety, multiple	M.P., Chhattisgarh, Maharashtra, Gujarat, U. P. and Rajasthan	

				resistance charcoal rot, target leaf spot, stem fly, stem borers and defoliators		
Rapeseed & Mustard	RVM 1 (SO 3540(E) 22.11.16)	98-121	1400-2000	Moderately resistant to Alternaria, powdery mildew, downy mildew and *Sclerotinia* stem rot	Madhya Pradesh	36000
	Raj Vijay Mustard 3	125-139	1800-2800	plant height (182-228cm), Yellow Flower, Dark brown to reddish brown Seed colour, 1000 seed wt (g): 3.7-4.4 g, Oil content 37-42 %, Moderately resistance to Alternaria leaf light blight, Powdery mildew and downy mildew & white rust, and tolerant to resistant for Sclerotinia stem rot.	Madhya Pradesh	10400
Toria	RVT 1 (SO 2805 (E) 25.08.2017)	90-105	1654	Tolerance to Alternaria and powdery mildew, drought tolerance oil content 42.08 to 44 %	Madhya Pradesh	8000
	RVT 2 SVRC 23.05.2017	108-09	1700-2400	Brown seeded, Tolerance to Alternaria and powdery mildew, drought tolerance, oil content 42 to 44 %	Madhya Pradesh	
	RVT 3 SVRC 09.05.2018	93-99	1300	Plant medium (118-138cm) spreading, Angle of branching is obtuse, Leaves: sessile, green, seed is small to medium, Flowers: bright yellow in colour,	Suitable for rainfed and irrigated conditions of Madhya Pradesh	

				Tolerance/ resistance to white rust, *Alternaria* leaf blight on pods, powdery mildew, downy mildew and *Sclerotinia* stem rot, less infestation of aphids		
Safflower	Raj Vijay Safflower – 14-1	121	1800-2200	plant type is spiny and big capitulum and Colour of flower is orange red, plant height 80-100 cm, Oil content 29-30%, lodging resistant, shattering resistant, Moderately tolerant to wilt.	Madhya Pradesh	
C. Food Crops						
Sorghum hybrid	RVICSH 28 (SO 3540(E) 22.11.16)	110	65-68 t/ha (Fodder)	High sugar content (17 %) Resistance to lodging and ability to tolerate the drought	Madhya Pradesh	
Sorghum	RVJ 1862 (SO 3540(E) 22.11.16)	111	35-40 q/ha (grain) and Fodder yield (118 q/ha)	Tolerance to leaf spot and moderately tolerant to grain mold and Moderately tolerant to shoot fly and stem borer.	Madhya Pradesh	17250
D. Fibre crops						
Cotton	RVK 67 (SO 6318 (E) 26/12/2018)	145-160	1600-2000	Tolerance against jassid and bollworms	Madhya Pradesh	
	RVK 11 (SO 3220 (E) 06.09.2019)		2404	Medium maturity group, and found tolerant to sucking pests (below ETL) and for diseases were on par with	South Zone (Tamil Nadu, Karnatka, and Andhara	

				the check varieties, in rainfed production system system.	Pradesh)	
E. Medicinal and Aromatic crops						
Safed Musali	RVSM-412 SVRC, 26.09.19	85-95	3000-3400	Herbasius stemless plant with 3 to 4 flowering scape, Non lodging type, fasciculated root/ha, Root powder content 1.15 % sapogenine and 9.2 % steroidal saponine and resistant to fasciculated root rot	Madhya Pradesh	
Asalio (Chandrasoor)	Raj Vijay Asalio 1007 (VIC 14.11.2017)	118	1522		Central Zone	
	Raj Vijay Asalio-1001 SVRC, 26.09.19	110-115	1800-1900	Narrow leaf, Plant height (92.41 cm), No. of Branch/Plant(14.27), 100 seed weight 1.9g, oil content 20 % and Resistant to Alternaria leaf blight	Madhya Pradesh	
	Raj Vijay Asalio-1016	121-126	1800-1900	Plant height (92.75 cm), No. of Branch/Plant(14.0), 100 seed weight 1.93 g, oil content 20 % and resistant to alternaria leaf blight	Madhya Pradesh	
Guava	Gwalior-Bahar	125-130	85-90 kg/plant	This variety fruits are oblong in shape and have higher fruit weight, fresh thickness, fruit yield and total soluble sugars. Fruit weight 244g, length 7.80cm, width 7.40	Madhya Pradesh	

				cm, flesh thickness 1.53 cm, TSS 8.3^{0}b, Number of seeds/100 g pulp277,weight of seeds/100g pulp1.7g.		
	Gwalior-8	118-125	88-95 kg/plant	Seedlings, fruits are medium to medium large with cream white, thick flesh, few seeds, acid sweet, good quality and heavy bearer, fruits are mostly round shaped. Fruit weight 282 g, length 7.50 cm, width 8.30 cm, flesh thickness 2.53 cm, TSS 9.07^{0}b, Number of seeds/100 g pulp 138, weight of seeds/100g pulp1.40g	Madhya Pradesh	
	Gwalior-21	120-125	85-90 kg/plant	Seedlings, fruits are medium to medium large with cream white, thick flesh, few seeds, acid sweet, good quality and heavy bearer, fruits are mostly round shaped. Fruit weight 301.5 g, length 7.29 cm, width 8.10 cm, flesh thickness 1.78 cm, TSS 9.02^{0}b, Number of seeds/100 g pulp 142, weight of seeds/100g pulp1.77g	Madhya Pradesh	
	Gwalior-27	120-125	85-90 kg/plant	Seedlings, fruits are medium to medium large with cream white, thick flesh, few seeds, acid	Madhya Pradesh	

				sweet, good quality and heavy bearer, fruits are mostly round shaped. Fruit weight 279.67 g, length 7.72 cm, width 7.14 cm, flesh thickness 1.62 cm, TSS 11.92^{0}b, Number of seeds/100 g pulp 163, weight of seeds/100g pulp1.37g.		

Title of the technology	:	A success story on Biological control of water hyacinth by *Neochetina* s
Project and centre	:	AICRP-Weed Management, Gwalior
Year in which technology developed	:	2019
Recommendation domain:	:	District- Morena (Madhya Pradesh)
Existing practice:	:	Farmers were not practicing before. But after getting success in controlling water hyacinth by biological means, they are practicing now.
Detail of Improved technology:	:	• Two ponds (3-4 acre size) were selected in September 2016 by the team of AICRP-WM, Gwalior centre to control the spreading infestation of water hyacinth in district Morena. One part of the dam was thoroughly covered by the water hyacinth which affected water utility and water holding capacity of the ponds. The water hyacinth density of the selected ponds where weevil released was 15 /m^2. • *Neochetina* spp. has controlled water hyacinth in two large ponds namely Pilua dam Morena and Tal (pond) of Morena after their introduction in September, 2016. In Pilua dam, the water hyacinth has been controlled effectively and reoccurrence of water hyacinth has not been observed yet. People in the surrounding areas of the pond appreciated the efforts of the scientists AICRP-WM, RVSKVV, Gwalior in controlling of water hyacinth problem by *Neochetina* spp. which was persisting since long time period. • The effect of weevils was first seen in January, 2018 after about 17 months. Dr. P.K. Singh, Director of ICAR-DWR, Jabalpur visited RVSKVV, Gwalior with his team on 29th January, 2018 and instructed to monitor the progress of the control. By the end of June, 2018, 50 per cent of the water hyacinth becomes dry corresponding to the increase of weevil population. Weevils were

		collected from the pond to further multiply in earthen pots filled up with water and water hyacinth for further release in other ponds. By December 2018, about 75 per cent water become visible and water hyacinth remained in 25 per cent area only. Complete control of water hyacinth was observed by the month of April 2019.
Performance:	:	• The *Neochetina* spp, is a potential bio-agent to control the water hyacinth. Biological control is the most economical and practical way to keep the weed under check. Biological control of water hyacinth occurs in cycles. Significant control of water hyacinth was achieved within 17 months after introduction of the bio-agents, when about 50 per cent area of the pond was controlled and complete control of water hyacinth was achieved in 30 months. Adult weevils scalp the leaf surface and destroy the growth buds of the weeds. Grubs puncture the stalk due to which water start to enter inside and die back symptoms appear. Gradually, weeds start to disintegrate and sink down. Thus water becomes clear.
Impact and up scaling:	:	• For an effective control of water hyacinth by biological means, the number of weevils will be as high, than benefit will be more. For example, to control water hyacinth for an acre, about one lakh insects require, but it is not possible to culture such number of insects. Therefore, at least such quantity of insects should be cultured which can further reproduce and increase their number by their own to destroy the invasive weed. For an acre, about 500-1000 weevils are required for an effective control. Divide the water body into two equal parts and laid on about 100 weevils in each part for their multiplication and for effective control.

Good quality photographs

Aquatic body (Pilua dam, Morena)
The same ponds were cleared from water hyacinth by the weevils in 2019

Title of the technology	:	Weed management in pearlmillet – mustard – cowpea cropping system under conservation agriculture
Project and centre	:	AICRP-Weed Management, Gwalior
Year in which technology developed	:	2019
Recommendation domain:	:	Gird zone of Madhya Pradesh
Existing practice:	:	Weed management through FLD, OFR, *Kissan goshthi, Kisan mela* and awareness programme etc.
Detail of Improved technology:	:	Studies were conducted from 2014 to 2018 to find out the long term effect of conservation tillage and weed management practices on weed flora, growth and yield of pearlmillet, mustard and cowpea under pearlmillet-mustard-cowpea cropping system.

Performance:	:	In pearlmillet crop integrated weed management practice (atrazine 500 g/ha PE with one HW at 30 DAS) significantly reduced the weed population and dry weight of weeds and resulted in significantly higher pearlmillet yield (3.58 t/ha). The maximum B:C ratio was obtained with the same treatment. Under conservation tillage practices the highest grain yield was obtained in conventional tillage in *kharif* followed by zero tillage in *rabi* and fallow in summer season (CT-ZT-F).
Impact and up scaling:	:	**Economics:** Maximum net returns of Rs.31143/ha was obtained in conventional tillage in *kharif* and zero tillage in *rabi* and summer (CT-ZT-ZT) followed by conventional tillage in both season *kharif* and *rabi* (CT-CT) and zero tillage with residue of previous crop during both *kharif* and *rabi* season and without redidue during summer (ZT+R-ZT+R-ZT). Similarly the maximum net returns of Rs 34531/ha was obtained in integrated weed management method where atrazine with one HW was applied followed by atrazine + 2,4-D (Rs 25764/ha). The B:C ratio was highest with treatment atrazine with one HW (2.38) followed by atrazine + 2,4-D (2.31). **Cost of Technology** Rs.3,000-3500/ha. (Herbicide and application costs) **Impact and Benefit** Application of atrazine 500 g/ha PE + one HW at 30 DAS resulted in saving in weeding cost to the extent of Rs 2500-3500 or saving in man days to the extent of 15-20/ha It helps to overcome the labour problem during peak periods and relieves pressure on human labour for weeding.

Good quality photographs

Weedy situation in pearlmillet

Application of Atrazine 500g/ha with HW at 30 DAS in pearlmillet

Title of the technology	:	Weed management in pearlmillet – mustard – cowpea cropping system under conservation agriculture
Project and centre	:	AICRP-Weed Management, Gwalior
Year in which technology	:	2019

developed		
Recommendation domain	:	Gird zone of Madhya Pradesh
Existing practice	:	Weed management through FLD, OFR, *Kissan goshthi, Kisan mela* and awareness programme etc.
Detail of Improved technology	:	Studies were conducted from 2014 to 2018 to find out the long term effect of conservation tillage and weed management practices on weed flora, growth and yield of pearlmillet, mustard and cowpea under pearlmillet-mustard-cowpea cropping system.
Performance	:	In mustard integrated weed management practice where oxyfluorfen 230g/ha with one HW at 30 DAS was applied gave maximum seed yield (1.81 t/ha) as well as reduced the weed density and dry weight of weeds followed by pendimethalin 1.0 kg/ha PE. Under tillage practices conventional tillage in *kharif* and *rabi* (CT-CT) gave maximum seed yield (1.96 t/ha) as compared to other tillage practices. Similarly, highest B:C ratio was also recorded in (CT-CT) tillage practices (3.91). In case of weed management practices the highest B:C ratio was obtained in pendimethalin (3.65) followed by IWM practices (3.56).
Impact and up scaling:	:	**Economics:** Maximum net returns of Rs 62463/ha was obtained where previous crop residue was applied in all the seasons (ZT+R–ZT+R–ZT+R) followed by conventional tillage during both the seasons *kharif* and *rabi* (CT-CT). Similarly the B:C ratio (4.20) was also maximum in (ZT+R–ZT+R–ZT+R) followed by (CT-CT) conventional tillage practices (3.84). The lowest B:C ratio (3.32) was found where zero tillage was applied in all three seasons (ZT-ZT-ZT). In weed management practices the maximum net returns of Rs 61101/ha was obtained in integrated weed management practice where oxyfluorfen 0.23 kg/ha was applied with one HW at 30 DAS and it was followed by oxyfluorfen 0.23 kg/ha as PE (Rs.60056/ha) while maximum B:C ratio was obtained with the application of oxyfluorfen 0.23 kg/ha as PE (3.94) followed by oxyfluorfen 0.23 kg/ha as PE with one HW at 30 DAS (3.68). **Cost of Technology** Rs.2500-3000/ha. (Herbicide and application costs) **Impact and Benefit** Application of oxyflorfene 230g/ha PE with one HW resulted in saving in weeding cost to the extent of Rs 2500-3500 or saving in man days to the extent of 15-20/ha It helps to overcome the labour problem during peak periods and relieves pressure on human labour for weeding.
Good quality photographs		

Weedy situation in mustard crop in mustard crop

Oxyflorfene 0.23kg/ha with one HW at 30 DAS

Title of the technology	:	Weed management in pearlmillet – mustard – cowpea cropping system under conservation agriculture
Project and centre	:	AICRP-Weed Management, Gwalior
Year in which technology developed	:	2019
Recommendation domain:	:	Gird zone of Madhya Pradesh
Existing practice:	:	Weed management through FLD, OFR, *Kissan goshthi, Kisan mela* and awareness programme etc.
Detail of Improved technology:	:	Studies were conducted from 2014 to 2018 to find out the effect of conservation tillage and weed management practices on weed flora, growth and yield of pearlmillet, mustard and cowpea under pearlmillet-mustard-cowpea cropping system.
Performance:	:	In cowpea, under all the tillage conditions, zero tillage with previous crop residue application during both *kharif* and *rabi* season and only during *rabi* for four years significantly increased the grain yield by 49 and 18%, gross returns by 43 and 14% and reduced the total weed biomass by 48 and 32%, respectively with higher weed control efficiency compared to zero tillage without residue application. Among different weed flora, zero tillage with residue application during both *kharif* and *rabi* season and only during *rabi* reduced the narrow leaved weeds population by 40 and 19%, broad leaved weeds by 23 and 8%, respectively. All the tillage conditions had not significantly controlled sedges. On the other hand, among different weed management practices, the pre emergence application of pendimethalin + imazethapyr 1.0 kg/ha with one hand weeding at 20-25 DAS resulted in the significant reduction of total weed biomass, highest grain yield, weed control efficiency and gross returns. The integrated weed management approach reduced the narrow leaved weeds by 49%, broad leaved weeds by 52% and sedges by 59% compared to herbicides application alone. However, the

		interaction effect of tillage practices and weed management approach was not significant except for the total weed biomass at harvest.
Impact and up scaling:	:	**Cost of Technology** Rs.1,000-1200/ha. (Herbicide and application costs) **Impact and Benefit** Application of pendimethalin + imazethapyr 1.0 kg/ha PE + one HW resulted in saving in weeding cost to the extent of Rs 3000-3500 or saving in man days to the extent of 15-20/ha It helps to overcome the labour problem during peak periods and relieves pressure on human labour for weeding.

Good quality photographs

Zero tillage in cowpea

Effect of pendimethalin+imazethapyr *fb* 1 HW in cowpea

Title of the technology	:	Weed management with pre- and post-emergence herbicides in blackgram
Project and centre	:	AICRP-Weed Management, Gwalior
Year in which technology developed	:	2015
Recommendation domain	:	Gird zone of Madhya Pradesh
Existing practice	:	Weed management through FLD, OFR, *Kissan goshthi, Kisan mela* and awareness programme etc.
Detail of Improved technology	:	Two year trials were executed during 2014 and 2015 to find out the effect of pre-and post emergence herbicides on problematic weed flora, growth and yield of blackgram.
Performance	:	In blackgram crop two hand weeding at 20 and 40 DAS were found to be very efficient in controlling the dominant grassy weeds and gave maximum seed yield (924 kg/ha) followed by ready mix herbicides *i.e.* imazethapyr + imazamox 80 g/ha as PoE (905 kg/ha) and pendimethalin + imazethapyr 1000 g/ha as PE (879 kg/ha). Net returns and B:C ratio were the highest for the application of pendimethalin + imazethapyr (1000 g/ha PE) (3.32) followed by application of imazethapyr + imazamox (80 g/ha PoE) (3.11). Among various ready-mix (RM) herbicides the pre-emergence application of

		pendimethalin + imazethapyr (pre-mix) 1000 g/ha was the most effective and recorded 92.6, 95.8 and 87.1% suppression of grassy, BLWs and sedges, respectively compared to weedy check. The application of post-emergence imazethapyr + imazamox 80 g/ha was equally effective in reducing weed density and dry weight of weeds. Minimum weed dry matter accumulation was achieved with two hand weeding at 20 and 40 DAS. Among various pre-mix applications of herbicides, minimum weed dry matter accumulation was recorded with pendimethalin + imazethapyr applied as pre-emergence 1000 g/ha, which was at par with imazethapyr + imazamox applied as post-emergence 80 g/ha. Whereas, among alone application of imazethapyr 70 g/ha as post-emergence followed by its respective higher dose applied 80 g/ha was found more effective in reducing the dry matter accumulation of weeds. Twice hand weeding was found most effective in reducing the dry matter accumulation of weeds. However, all the weed control treatments were proved to be significantly superior to weedy check.
Impact and up scaling	:	**Cost of Technology** Rs.1,000-1200/ha. (Herbicide and application costs) **Impact and Benefit** Application of pendimethalin + imazethapyr 1.0 kg/ha PE + one HW resulted in saving in weeding cost to the extent of Rs 2000-2500 or saving in man days to the extent of 15-20/ha It helps to overcome the labour problem during peak periods and relieves pressure on human labour for weeding.
Good quality photographs		
 **Imazethapyr + imazamox PoE 80 g/ha**		

Title of the technology	:	Management of diverse weed flora of wheat by herbicide combinations
Project and centre	:	AICRP-Weed Management, Gwalior
Year in which technology developed	:	2015
Recommendation domain	:	Gird zone of Madhya Pradesh
Existing practice	:	Weed management through FLD, OFR, *Kissan goshthi, Kisan mela* and awareness programme etc.
Detail of Improved technology	:	The trial was executed in two seasons 2014-15 and 2015-16 to evaluate the bio-efficacy of different herbicides to control diverse weed flora especially *Phalaris minor* in wheat
Performance	:	The lowest weed dry weight was recorded in cultural method of

		weed control where two hand weedings were done at 30 and 60 DAS. The highest weed control efficiency of 91.74 and 93.31% was recorded with two hand weedings at 30 and 60 DAS. It was followed by the herbicide combinations as mesosulfuron + idosulfuron (87.61%) and pinoxaden + metsulfuron (89.75%). The reatments where sulfosulfuron applied individually gave highest WCE 80.0% . It is mainly because sulfosulfuron is a selective, systemic sulfonyl urea herbicide, absorbed through both roots and leaves. It translocates throughout the plant and acts as an inhibitor of amino acid biosynthesis, hence stopping cell division and plant growth.
Impact and up scaling	:	**Cost of Technology** Rs.1,000-1200/ha. (Herbicide and application costs) **Impact and Benefit** The herbicide pinoxaden + metsulfuron has potential for post-emergence control of of broad and narrow leaved weeds in wheat Further, chemical weed management saves time and labour for weeding, avoid loss of nutrients and reduces cost of weeding. Due to timely weed management, wheat yields increased by 25-30%.

Title of the technology	:	**Chemical and non-chemical methods of weed control in potato**
Project and centre	:	AICRP-Weed Management, Gwalior
Year in which technology developed	:	2019
Recommendation domain	:	Gird zone of Madhya Pradesh
Existing practice	:	Weed management through FLD, OFR, *Kissan goshthi, Kisan mela* and awareness programme etc.
Detail of Improved technology	:	Potato is one of the most important commercial vegetable crops in India and on an average this crop is affected by weeds damage which should be prevented by various control methods. Cultural operations and mulches are non-chemical methods of weed control in sustainable agricultural systems.
Performance	:	The minimum dry weight production of weeds was found under one hand weeding at 20 DAP with straw mulching 5t/ha at 25 DAP which was closely followed by two hand weeding at 20 and 40 DAP. The minimum dry weight at 60 DAP was found with two hand weeding at 20 and 40 DAP followed by one hand weeding at 20 DAP with straw mulching 5t/ha at 25 DAP. The maximum weed control efficiency (73.46%) was recorded in one hand weeding with straw mulch followed by two hand weeding (72.45%). Application of two hand weeding at 20 and 40 DAP fetched significantly higher net returns (Rs.318346/ha) followed by one hand weeding at 20 DAP with straw mulching 5t/ha at 25 DAP (Rs. 286549/ha) and straw mulching 5 t/ha at 5 DAP (Rs.254241/ha). Similarly, the maximum B:C ratio of 3.40 was also obtained with two hand weeding at 20 and 40 DAP followed by one hand weeding at 20 DAP with straw mulching 5 t/ha at 25 DAP (2.94) which was at par with straw mulching 5 t/ha at 5 DAP (2.84).

Impact and up scaling	:	In terms of economic benefit straw mulch was beneficial over polythene mulch as the B:C ratio was higher with straw mulches when compared to polythene. Further the residues of straw added to the organic matter status in the soil. **Cost of Technology** Rs.1,000-1200/ha. (straw mulch and application costs) **Impact and Benefit** The straw mulch was used of greengram which was taken as previous crop under cropping system. Weed management saves time and labour for weeding, avoid loss of nutrients and reduces cost of weeding. Due to straw mulch, potato yields increased by 40-45%.
Good quality photographs		

One HW at 20 DAP with straw mulching 5t/ha at 25 DAP in potato field

Title of the technology	:	Application of lagoon sludge and spent wash for reclamation of sodic Vertisols
Project and centre	:	AICRP on Management of Salt Affected Soils and Use of Saline Water in Agriculture, College of Agriculture, Indore – 452 001
Year in which technology developed	:	2014-15
Recommendation domain	:	Malwa Nirmar Regions of Madhya Pradesh and those areas having sodic Vertisols
Existing practice	:	Farmers are not using any amendments for reclamation of salt affected soils
Detail of Improved technology	:	Addition of lagoon sludge @ 5.0 t/ha along with raw spent wash (RSW) @ 2.5 lakh litre per hectare is highly effective for reclamation of salt affected black soils. Paddy – Wheat cropping sequence be successfully taken up after reclamation through use of spent wash along with lagoon sludge.
Performance	:	The application lagoon sludge @ 5.0 t/ha along with

		raw spent wash (RSW) @ 2.5 lakh litre per hectare significantly enhanced the grain yield of paddy and wheat by 67.69 and 57.50 % over Gypsum 75%. It also helps in reduction of ESP from 40.1 to 16.1 after 3 years of experimentation.
Summary Table (showing comparison)	:	Average data of 3 years

Treatment	Paddy grain yield (t/ha)	Wheat yield (t/ha)	ESP after harvest of wheat
Control	1.30	2.00	36.1
Gypsum @ 75 % GR	2.18	3.15	21.2
LS @ 5 t/ha +RSW @ 2.5 lakh L/ha	2.70	3.63	16.1

Impact and up scaling	:	By this technology farmer was reclaimed around 60 ha in Nimar Regions of Madhya Pradesh. The technology can be used in vicinity of the distillery industries.
Good quality photographs		
	:	

Title of the technology	:	**Growing and in situ incorporation of dhaincha as green manuring for reclamation of sodic soils**
Project and centre	:	AICRP on Management of Salt Affected Soils and Use of Saline Water in Agriculture, College of Agriculture, Indore – 452 001
Year in which technology developed	:	2016
Recommendation domain	:	Malwa Nirmar Regions of Madhya Pradesh and those areas having sodic soils
Existing practice	:	Farmers are not using any amendments for reclamation of salt affected soils
Detail of Improved technology	:	Two green manures (sunhemp and daincha) and FYM @10 t/ha was taken for reclamations of sodic soils. Both the green

		manire was in situ incorporated before planting of paddy in sodic soils. FYM was also applied 15 days before sowing of crop.
Performance	:	Incorporation of Dhaincha as green manures before planting of paddy in sodic black clay soils have increased grain yield of paddy and wheat by 35.40 and 57.79%, respectively over control. The ESP values were reduced from 25±2, 35±2, 45±2 and 50±2 to 14.95, 21.54, 27.92 and 29.76 respectively after 11 years.
Summary Table (showing comparison)	:	Average data of 11 years

Treatment	Paddy grain yield (t/ha)	Wheat yield (t/ha)
Control	1.76	1.62
FYM @ 10 t/ha	2.00	1.97
Sunhemp	2.16	2.34
Dhaincha	2.38	2.55

Impact and up scaling	:	By this technology farmer was reclaimed around 150 ha in Nimar Regions of Madhya Pradesh. The technology can be used in areas where sodic soils are available.
Good quality photographs		
	:	

Title of the technology	:	**Performance of drip irrigation under different discharge rate and schedules for growing vegetable crop in sodic black soils**
Project and centre	:	AICRP on Management of Salt Affected Soils and Use of Saline Water in Agriculture, College of Agriculture, Indore – 452 001
Year in which technology developed	:	2017
Recommendation domain	:	Malwa Nirmar Regions of Madhya Pradesh
Existing practice	:	Farmers are adopting flood irrigation for irrigating to vegetables crop in sodic Vertisols
Detail of Improved technology:	:	(i) Discharge rates (Three - 1.3, 2.4 and 4.0 LPH) - Q_1, Q_2 and Q_3 (ii) Schedule of irrigation (Three – Daily, alternate and every 3rd day) – S_1, S_2 and S_3 Volume of irrigation water applied was kept uniform irrespective of the discharge rates of drippers as well as different schedules.

Performance:	:	The highest curd yield 16223 kg/ha was obtained in case of drip irrigation system scheduled daily with 1.3 LPH dripper discharge rate, while the lowest curd yield of 9076 kg/ha in case of drip irrigation system scheduled every third day with 4.0 LPH dripper discharge rate. However, the water productivity was observed highest 297.68 kg/ha-cm in case of drip irrigation system scheduled every day with 1.3 LPH dripper discharge rate followed by 281.50 kg/ha-cm in case of drip irrigation system scheduled every alternate day with 1.3 LPH dripper discharge rate. The results of study indicates that drip irrigation of 3 cm depth with daily frequency basis was found most effective and promising for growing cabbage crop in sodic black soils.
Summary Table (showing comparison)	:	

Discharge rates (LPH)	Curd yield (kg/ha)	WP kg/ha-cm
$Q_1 S_1$	16223	297.68
$Q_1 S_2$	15049	281.50
$Q_1 S_3$	14854	269.44
$Q_2 S_1$	12444	228.34
$Q_2 S_2$	12008	224.61
$Q_2 S_3$	11574	209.95
$Q_3 S_1$	10323	189.42
$Q_3 S_2$	9761	182.59
$Q_3 S_3$	9076	164.62

Impact and up scaling:	:	The light and frequent irrigation found beneficial and more remunerative for cultivation of cabbage crop under sodic Vertisols.
Good quality photographs		

:

Rain water Management

Name of the technology : **Drip irrigation and mulch in guava and aonla**

Recommendation domain : Malawa plateau agro-climatic zone of M.P.

Traditional practice : Flood/ basin

Improved practice : Drip irrigation

Performance : Water saving and high productivity

Impact & Upscaling : The area is increasing in the zone with availability of subsidized drip irrigation system in the state.

Name of the technology planting	:	Broad Bed Furrow system and/or Ridge Furrow system of
Recommendation domain	:	Flat terrain of Malawa plateau agro climatic zone of M.P.
Traditional practice	:	Flat system of sowing of soybean
Improved practice	:	BBF/RF
Performance	:	Excellent drainage, moisture conservation, improved nodulation, aeration, growth & development of plant and seed productivity water saving and high productivity
Impact & Upscaling	:	60 percent of soybean grown area of the domain districts area covered under RF/BBF.

Name of the technology	:	Enhancing water productivity in micro –watershed through efficient utilization of harvested water
Recommendation domain	:	Indore, Dhar, Ujjain, Dewas, Ratlam, Rajgarh, Mandsaur, Jhabua, Sehore and Shajapur districts of M.P.
Traditional practice	:	In this region, it is hypothesized that a construction of water harvesting tank in the farmer's field is not economically viable and the farmers do not get any direct or indirect additional benefit except ground water recharge. Further, the construction of tank would (i) increase the cost of production; (ii) submerge a portion of cultivable/degraded land without any extra benefit and (iii) prevent the farmers to pay the loan installment if he borrows the loan for the construction of the tank.
Improved technology	:	The construction of water harvesting tank on farmers' field leads to availability of water for crop production. Once there is availability of water leads to develop confidence to raise crops and other components of farming system like poultry farming, fish rearing, crop diversification *etc.* The efficient cropping sequences • Sweet corn– Vegetable • Sweet corn –Tomato

Rabi crops were managed through drip irrigation system by using harvested rain water in tank.

Performance : The highest monitory return was obtained by Sweet corn– Vegetable which gave total net return Rs.1,51,646/- per hectare with B: C ratio 4.05 followed by Sweet corn –Tomato system (Rs.1,23,964/-with B: C ratio 2.77) whereas, traditional cropping sequence of Soybean–chickpea recorded (net return of Rs.55,008/ha).

Cropping	Crops	Yield	Gross	Cost of	Net	B: C

Sequence		Kg/ha	Return (Rs/ha)	Cultivation (Rs/ha)	Return (Rs/ha)	ratio
Sweet corn-Tomato	Sweet corn (K)	7737	77370	25000	52370	3.09
	Tomato (R)	11660	116600	45000	71 600	2.57
Total				**70000**	**123964**	**2.77**
Sweet corn-Vegetable	Sweet corn (K)	7737	77366	25000	52366	3.09
	Sponge gourd / Bottle gourd	6214	36214	25000	99280	4.97
Total				**50000**	**151646**	**4.03**
Soybean-Chick pea	Soybean (K)	902	36077	18000	18077	2.00
	Chick pea (R)	1248	49931	13000	36931	3.84
Total				**31000**	**55008**	**2.77**
* (K)=*Kharif* (R)=*Rabi*						

Note: Market rate (Rs./kg): Soybean- Rs. 30/-; Sweet corn – Rs. 10/-(K.): Tomato Rs. 10 / kg and Chickpea – Rs. 40/- Bottle gourd (Legenaria siceraria), Sponge gourd (Luffa operculata)- Rs.20/-

Impact & Up-scaling: Medium to small farmers from the villages nearer to the highways or which are well connected with local *mandi* of nearby city can practice this technology. It can be up-scaled further in the zone with extension efforts and demonstrations through KVKs, ATMA and under special schemes like ISOPOM. RKVY *etc*.

Name of the technology: Cultivation of vegetables on the bunds of farm tank improves profitability under dryland Situations

Recommendation domain: Malawa plateau agroclimatic zone of M.P. (On farmers field who have constructed water harvesting tanks / ponds in their fields in the region.)

Traditional practice: Fallow

- Improved practice : Vegetable cultivation on the bunds of farm tank. Vegetables namely, Bottle gourd, Snake gourd, Bitter gourd, Sem *etc.,* climbers were planted on the bunds of farm tanks/ponds.
- The water collected in tanks will be recycled and utilized in vegetable cultivation.
- There will be increase in profitability.
- This helps in reducing soil erosion.
- Performance : The cultivation of vegetable crops on bunds showed advantages like:
- The root system of plants acts as a binding agent and reduces soil erosion.
- The stored rainwater in tanks will recycle and judiciously utilized for vegetable production.
- Increases productivity and profitability under dryland situation.
- **Impact & Upscaling**: It can be upscaled further in the zone with extension efforts and demonstrations through KVKs, ATMA and under special schemes like ISOPOM. RKVY *etc.*

Name of the technology : Cultivation of sweet corn for green cob

Recommendation domain : Malawa plateau agroclimatic zone of M.P. (In fields, near to cities where green cobs can be marketed. vegetable growers)

Traditional practice : Sole soybean

Improved practice : cultivation of sweet corn for green cobs

Performance : More profit than other *kharif* crops in the region

Impact & Upscaling : The area is increasing in the zone with availability of excellent cob hybrids in the market from private sector. The second crop can successfully be raised on residual soil moisture. So that assured double cropping was make possible under dryland situation

Name of the technology : Sunflower as contingent crop in very delayed sown conditions

Recommandation Domain : Malawa plateau agroclimatic zone of M.P

Traditional practice : Kept field fallow in case monsoon is delayed beyond third week of July

Improved practice : Sowing of sole sunflower (45 cmx15 cm space) or green gram + sunflower (4:2 rows at 30 cm inter row space) with 20% higher seed

Performance : Sunflower gave seed yield of1343 kg/ha) and net returns of Rs 46152 /-ha with B:C ratio 4.46 and RWUE 1.43 kg/ ha mm

- Impact & Upscaling : This technology is important as contingent crop planning in very delayed on set of monsoon or failure of timely sown crop due to draught or any other adverse conditions,
- Strengthen by seed bank concept in villages
- ATMA (Agricultural Technology Management Agency)
- KVK's (Krishi Vigyan Kendra).

Name of the technology : Foliar spray to mitigate draught conditions /Mid season corrections in dryland areas

Recommendation domain : Malawa plateau agroclimatic zone of M.P : Indore, Dhar, Ujjain, Dewas, Ratlam, Rajgarh, Mandsaur, Jhabua, Sehore & Shajapur districts of M.P.

Traditional practice : At present no any recommendation for foliar spray to reduce the effect of abnormal weather conditions during Kharif. Thus, the Kharif crops adversely affected due to moisture stresses in the region.

Improved practice : During Aberrant monsoon conditions, mitigating treatments viz., VAM-C 50 % SL Chlormequate chloride @ 375

		ml/ha,Potassium Sol.@ 2%, Thiourea @ 250 g/ha in Soybean, Maize, Urd and Hoursegram at 25-30 and 60-65 DAS.
Performance	:	73.0, 19.8, 27.9 and 33.2% higher yield of soybean, maize, urd, h-gram, respectively by spray of VAM-C than control. Other treatments also favorably affected the crops
Impact & Upscaling	:	The farmers can spray these chemicals and reduce the loss of productivity in bad season . It can be upscaled further in the zone with extension efforts and demonstrations through KVKs, ATMA and under special schemes like ISOPOM. RKVY*etc*.

Name of the technology	:	Compatibility of different agro-chemicals in dryland conditions
Recommendation domain	:	Malawa plateau agroclimatic zone of M.P
Traditional practice	:	Application of mixture(tank mixed) of different chemicals without knowing their compatibility.
Improved practice	:	Spraying of compatible chemicals
Performance	:	Results revealed that the treatment foliar spray of thiourea, KNO3 KCl alone or mixed with trizophos @ 600 ml/ha at before flowering and pod initiation stage of soybean crop were found equally effective to combat the drought situation
Impact & Upscaling	:	Farmers using the technology at large scale.

Name of the technology	:	**Alternate crop for the region**
Recommendation domain	:	Indore, Dhar, Ujjain, Dewas, Ratlam, Rajgarh, Mandsaur, Jhabua, Sehore Shajapur and,Agar Malawa districts of M.P.
Traditional practice	:	Generally the farmers grow only one crop, soybean, maize or cotton, during *Kharif* season. The performance of these crops was greatly influenced by monsoon activities like; on-set, withdrawal and distribution of rainfall. In *vertisols,* the possibility of second was very less due to non-availability of soil moisture after the harvesting of *kharif* crops.
Improved practice	:	Maize for grain recorded high productivity and profitability and proved suitable alternative of soybean from economic return point of views.
Performance	:	The maximum net returns (Rs. 26812/- ; B: C ratio 2.68) recorded with Maize - Hy. Patidar-999 followed by Maize Hy.555 (Rs. 13562/- ; B: C ratio 2.04

Treatment	Seed (kg/ha)	C.C	Gross	Net	B: C Ratio
Maize (Patidar 999)	2854	16000	42812	26812	2.68
Maize hy. 555	1971	16000	29562	13562	1.85
Soybean (JS 95-60)	1072	18000	32153	14153	1.79
Note: Market Rate: (Rs./Kg): Maize 15/-; Soybean=30/-					

Impact & Upscaling: Sweet corn and baby corm can be cultivated in limited area only and that to in areas which are well connected to *mandi* and near high ways as shelf-life of these products is less and the produce should reach to outlet of sell immediately after harvest. Medium to small farmers from the villages nearer to the highways or which are well connected with local *mandi* of nearby city, were practicing cultivation of seet corn /baby corn However for larger area and general farmer the cultivation maize is good alternative to soybean. It can be upscaled further in the zone with extension efforts and demonstrations through KVKs, ATMA and under special schemes like ISOPOM. RKVY*etc*.

Technology : **Chemical weed control in soybean**

Recommendation domain : Malawa plateau agroclimatic zone of M.P

Existing practice : Sprayed number of chemicals available in market

Improved technology : Imazamox 35 % WG + Imazethapyr 35% WG @ 75 g ai/ha as PoE (Odyssey) Fluazifop-P- Butyl 12.5% + Fomesafen 12.5% @ 250 g ai/ha as PoE (Fusiflex25 % SL) are Most effective chemical against the prevailing weed flora in soybean

Performance : The Odyssey, fusiflex gave highest weed control efficiency.

- Impact and upscaling : This technology is important as contingent crop planning in very delayed on set of monsoon or failure of timely sown crop due to draught or any other adverse conditions,
- Strengthen by seed bank concept in villages
- ATMA (Agricultural Technology Management Agency)
- KVK's (Krishi Vignana Kendra).

Name of the technology : **Integrated nutrient management in soybean**

Recommendation domain : Malawa plateau agroclimatic zone of M.P i.e. Indore, Dhar, Ujjain, Dewas, Ratlam, Rajgarh, Mandsaur, Jhabua, Sehore and Shajapur, Agar malawa districts of M.P.

Traditional practice : In this region, farmers were using chemical fertilizers continuously for last so many years causing adverse effects on the microbial population, organic carbon, humus and low availability of nutrients in soil. This results in low crop productivity.

- Improved practice : Application of integrated organic and chemical forms of nutrients *i.e.,* 50% RDF *via* organic and 50% *via* chemical fertilizers were at par to the 100% RDF *via* chemical fertilizer

- Performance : Highest seed yield (1974 kgha^{-1}) was obtained by treatment 50% of RDF through chemical fertilizer + 50% through organics, followed by (1912 kgha^{-1}), RDF through chemical fertilizer (40N + 60P_2O_5 + 20K_2O ha^{-1}). These treatments were at par with each other and gave significantly higher yield as compared to control where no fertilizer was applied and Farmers practices (50 kg DAP ha^{-1}).

Impact & Upscaling : 20% area covered; The technology has impact as the use of organics in long run improves the bio-physical-chemical properties of soil further saving of 50% chemical fertilizers. It can be upscaled further in the zone with extension efforts and demonstrations through KVKs, ATMA and under special schemes like ISOPOM. RKVY*etc*

Name of the technology : Direct and residual effects of Sulphur on yield, quality and S use efficiency in Soybean-Chickpea cropping system

Recommendation domain : Malawa plateau agroclimatic zone of M.P.

Traditional practice : Continuous sowing of soybean in same field, Use of DAP which is devoid of S content, No application Sulphur containing fertilizers and manures

Improved practice : The significant improvement due to application of Sulphur @ 60kg/ha only to soybean or to both crops in equal splits in soybean-chickpea sequence.

Performance : Grain yield of soybean linearly increased up to the application of sulphur @ 60- kg/ha for both the crops in cropping system. Thus, residual effect of Sulphur applied in soybean was observed in subsequent chickpea crop.

Impact & Upscaling : The increased use of gypsum in the zone indicate use of S in the soybean-chick pea sequence

Name of the technology : Studies for efficient management of micronutrient application for soybean-chickpea crop sequence

Recommendation domain : Malwa plateau agro climatic zone of M.P

Traditional practice : Unbalanced dose of nutrient application; No application of micro nutrients and very low availability organic manure

Improved practice : Application of RDF +Mo (Soil Application)0.5 kg ha^{-1}(Amm. Molybdate as basal dose).

Performance : The application of micro-nutrient significantly improved the yield of both the crops *i.e.,* soybean and chickpea. The highest seed yield of soybean (1654 kg/ha) and chickpea (2113 kg/ha)

was recorded when RDF +Mo (Soil Application)0.5 kg ha^{-1}(Amm. Molybdate as basal dose). Control gave the lowest yield of 877and 723 kg $ha^{-1}$of soybean and chickpea, respectively with and B: C ratio 2.43.

Impact & Upscaling : Only progressive farmers take care off the technology as it increased the cost of cultivation. It can be upscaled further in the zone with extension efforts and demonstrations through KVKs, ATMA and under special schemes like ISOPOM. RKVY*etc*

Name of the technology : INM in sweet corn- chick pea crop sequence

Recommendation domain : Malwa plateau agro climatic zone of M.P

Traditional practice : Un balanced dose of nutrient application; low application of organic manure

- Improved practice : Application of FYM 12 t /ha + 50% RDF (60:30:30 NPK /ha), or Vermicompost 5 t/ ha + 50% RDF (60:30:30 NPK /ha)
- Performance : The maximum sweet corn green cob yield of 9129 kg /ha was recorded by T6 *i.e.,* FYM 12 t /ha + 50% RDF (60:30:30 NPK /ha), followed by T4 *i.e.,* Vermicompost 5 t/ ha + 50% RDF (60:30:30 NPK /ha) (8312 kg /ha) and T2 *i.e.,* RDF (120:60:60 NPK /ha). The lowest yield of 4462 kg $ha^{-1}$was observed for control. The Chickpea yield varied from 913 to 1319 kg /ha. The Sweet corn variety, Sugar queen (7982 kg /ha) and Chickpea JG 412 (1393 kg /ha) exhibited maximum yields. The highest total net return for Sweet corn - Chickpea cropping sequence of Rs. 84036 /ha with B:C ratio of 6.71 was observed by the INM treatment T6 *i.e.,* FYM 12 t ha^{-1}+ 50% RDF (60:30:30 NPK /ha), followed by T2 *i.e.,* RDF (120:60:60 NPK ha^{-1})(Rs.78161 /ha; B:C R 7.12) and T5 *i.e.,* FYM 12 t /ha (Rs. 76072 /ha; B:C R 7.09). The least net return of Rs.37349 /ha; B:C ratio5.08 was recorded by control.

Impact & Upscaling : Only progressive farmers take care off the technology as it incresed the cost of cultivation. It can be upscaled further in the zone with extension efforts and demonstrations through KVKs, ATMA and under special schemes like ISOPOM. RKVY*etc*

Name of the technology :Development of suitable Agri-horticulture production system for medium deep Vertisols of Malwa plateau

Recommandation Domain : Malawa plateau agroclimatic zone of M.P

Traditional practice : Soybean-chick or soybean -fallow crop sequence

Improved practice : Aonla as fruit crop planted at 6m x6 m and between the inter row space crops soybean+ pigeon pea in 4:2 rows ratio.

Performance	:	Good profit received by the system
Impact & Up scaling	:	Farmers of Jhabua and Dhar district adopted the technology.

Name of the technology	:	**Cultivation of Improved variety of soybean and chickpea**
Recommande Domain	:	Indore, Dhar, Ujjain, Dewas, Ratlam, Rajgarh, Mandsaur, Jhabua, Sehore Agar malawa and Shajapur districts of M.P.
Traditional practice	:	The farmers were not aware of the high yielding varieties of Soybean and chickpea. They were still cultivating obsolete cultivars for long time. These cultivars are long duration, ans susceptible to insect-pest diseases.
Improved practice	:	Adoption of Soybean variety JS 95-60 & JS 93-05, RVS 2001-4: and chickpea variety *Viz.,.,* JG 16, JAKI-9218 Vishal, JG-412 JG-130.. The high yielding varieties of Soybean and chickpea are introduced and their performance on farmer's field was noticed and is liked by farmer as they observed good yield and were benefited by the adoption of high yielding varieties.
Performance	:	Farmers' perception regarding crop varieties

SOYBEAN

- JS–335: it takes 10-12 days more to mature and has ability to face the adverse conditions. Farmers liked this variety but terminal draught and increasing infestation of yellow mosaic reduced the yield.
- JS 95-60: It was an early maturing, high yielding and showed capacity to with stand well against terminal drought conditions up to some extend by the mechanism of escaping the adverse conditions created by early withdrawal of rains.
- JS 93-05: It was an early maturing, high yielding and showed capacity to with stand well against terminal drought conditions up to some extend by the mechanism of escaping the adverse conditions created by early withdrawal of rains.
- RVS 2001-4: It matures in 85 – 90 days, possesses three seeds per pod, broad leaves, white flowers, profuse flowering and podding. Tollarate to water logged and draught situation. Due to early maturing, profuse flowering and podding and its tolerant to moisture stress this variety was liked by farmers very much.
- Local check: Farmers liked this genotype due to its ability to adjust its life span under an early / timely / late withdrawal of monsoon conditions. But its productivity is low as against the other varieties.

CHICKPEA

- JG 16: It matures in 90 – 95 days, bold seeded (S.I. 20-22 g), high yielding, profuse pods bearing and tolerance to *Fusarium* wilt.

- JAKI-9218: It matures in 100 days, bold seeded (SI 25.0 g), attractive seed colour and high yielder and resistance to *Fusarium* wilt.
- Farmers' Check entry: It matures in 100-105 days, extra bold seeded (S.I. 45-50 g.), cultivated in large area under irrigated conditions.
- Impact & Upscaling : It can be upscaled further in the zone with extension efforts and demonstrations through KVKs, ATMA and under special schemes like ISOPOM. RKVY*etc*

Title of the technology	:	Management of sowing window under climate change situation of sorghum genotypes
Project and centre	:	AIC Sorghum Improvement Project ,College of Agriculture, Indore – 452 001
Year in which technology developed	:	2017
Recommendation domain	:	Madhya Pradesh
Existing practice:	:	In general sowing of jowar is practiced by the growers after onset of monsoon which is adversely affected by the attack of sorghum shoot fly and some times more than 50% seed lings are lost &plant population reduced resulting low yield of sorghum grain and fodder.
Detail of Improved technology:	:	Dry sowing of sorghum before onset of monsoon (Sowing windows) i.e.15th June or before pre- monsoon activities
Performance:	:	**Effect of date of sowing**–Sowing of sorghum by 15th June is found ideal time for sowing and recorded 108.3% higher grain yield than yield of 30th June sowing. 30th June of sowing also gave significantly superior yields as compared to July sowings. **Response of genotypes**: Sorghum genotypes, CSH 16 and CSH 23 are found promising genotypes and they gave significantly higher yields and returns over CSV 23 and CSV 17.
Summary Table (showing comparison)	:	Average data of 2 years

SN	Treatment	Yield kg ha^{-1}		Monetary returns Rs. ha^{-1}		B: C ratio
		Grain	Fodder	Gross	Net	
A	**Date of sowing:**					
1	D1-15th June	3577	12913	45103	30745	3.16
2	D2-30th June	1717	9718	25902	11610	1.81
3	D3-15th July	1300	5837	17577	3285	1.23
4.	D4-30th July	721	2233	8720	-5572	-5.12
	SEm±	62	345	423	421	0.08
	CD (5%)	180	997	1223	1216	0.24
B	**Genotypes:**					
1	CSV 17	1464	4775	17994	3702	-0.33
2	CSV 23	1442	12609	25583	11225	0.22
3	CSH 16	2293	6636	27273	12981	0.70
4	CSH 23	2115	6681	26453	12161	0.50
	SEm±	62	345	423	421	0.08
	CD (5%)	180	997	1223	1226	0.24

Impact and up scaling:	:	By this technology farmers obtaining more than 50% higher yield of grain and fodder of sorghum with low incidence of shoot fly in MP
Good quality photographs		

	:	15th June 30th July 30th June	

Title of the technology	**(1)** 1(a), Diversification and Intensification in major cropping system of the Malwa plateau zone of M. P. under different land configuration **(2)** Development of innovative farming practices to mitigate the effect of climate change **(3)** Effect of land configuration with methods of sowing on major cropping sequence of Malwa region of Madhya Pradesh. (4) Identification of cropping systems for different farming system **(5)** Developement of IFS module for indorecentre
Project and centre	IFSR Sub Centre College of Agriculture, Indore
Year in which technology developed	**2012-2017** **1.** Inclusion of maize as intercrop in soybean –wheat **2.** Soybean +maize –wheat under minimum tillage with mulch and 75% RDF +25% vermicompost **3.** Adoption of minimum tillage **4.** Diversification of the existing system (soybean wheat), Soybean-Potato-late Wheat is identified as more productive and remunerative under irrigated conditions . **5.** Crop intensification through Soybean + Maize - Wheat is more profitable system than the existing system of soybean- wheat. **6.** Soybean-Onion-Okra/ Soybean+ Maize- Potato-Onion cropping system was found to be more productive and remunerative than other systems including the existing system of soybean –wheat. **7.** The application of fertilizer based on soil test in Soybean- Wheat cropping system, the savings of nutrients to the tune of 10 kg of P_2O_5 and 12 kg of K_2O per annum. **8.** Theme based treatment: Check (Existing system) -2 Soil health- 2 Family nutrition - 2 Livestock nutrition -2 Income enhancement - 2
Recommendation domain:	**Nimar Zone -**Indore, Dhar(Tirla,Nalcha,Sardarpur,Badnawar) **Malwa Zone -**Ratlam,Ujjain,Dewas,Sajapur,Agar-malwa,Jhabua(Petlabad)
Existing practice:	1. Soybean –Gram/wheat 2. Conventional tillege practices 3. Imbalance fertilizan

	4. Traditaional implements 5. Local and some improved varieties used 6. Mono cropping (Mostly) 7. No intercropping 8. No water management practices 9. No mulch practies 10. Flate sowing
Detail of Improved technology: .	1. Different tillage practices – Zero tillage, Conventional tillage, Minimum tillage 2. Different land configuration – Ridge-Furrow , BBF System 3. Different Cropping system used 4. Intercropping system used 5. C3 and C4 plant used for higher production 6. Crop diversification and Intensification 7. Balanced fertilization 8. Use of organic material (Vermi compost etc) 9. Use of mulch practices 10. Need based cropping system for existing farming system 11. Development of farming system model 12. Survey work of farming system 13. Use of IWM, INM, and IPM Technique 14. Use of high yielding varieties 15. Use of early, medium and late duration varieties according to cropping system 16. Soil health management , Family nutrition, Livestock nutrition and Income enhancement cropping system
Performance:	**(1)** (1a). Crop sequence soybean + maize – wheat on flat bed (Rs 0.94 lakh) had the highest net returns and BCR (25.33% and 2.39%) as compared to predominant cropping system soybean- wheat (Rs 0.75 lakh and 2.51 BCR). **(2)** (IF). Soybean + maize-wheat cropping system planted under minimum tillage with mulching and 75% RDF +25% Vermi-compost resulted highest net returns and BCR (30.4% and 10.4%) as compared to soybean – wheat under conventional tillage with RDF and without mulching (Rs. 23538/ and 2.07 BCR). **(3)** (LC). Maize –wheat cropping system under minimum tillage was found to be most productive (16.47%) and remunerative (35.93% and 25.94%) than soybean –wheat (SEY -3309 kg/ha, NR- 0.64 lakh and BCR- 2.12), respectively. **(4)** Cropping system involving vegetable and high value crop for income enhancement i.e. Baby corn + Brinjal (1:1)– Onion – Okra was found to be the most productive and remunerative (Gross, Net returns and BCR- Rs. 404743, 240698 and 2.47) due to: **(5)** Inclusion of Vegetable and high value crops in system is profitable. **(6)** The intercropping system is more productive and remunerative than sole systems. **(7)** On the basis of pooled data, the Soybean + Maize –Wheat or Soybean – Wheat system under flat bed was found to be the most productive and remunerative,

	(8) On the basis of pooled data, Arhar + Jowar Fodder (1:1) –Wheat under minimum tillage with RDF and without mulch was found most productive and remunerative, hence it is recommended for Malwa Plateau.
Summary Table (showing comparison)	**Economics of the cropping systems**

TretNo.	Crop sequence	Gross returns (Rs/ha)	Net returns (Rs/ha)	B:C ratio
1	Soybean -Wheat	1,35,275	73,306	2.18
2	Soybean – Chick pea	1,28,713	65,018	2.02
3	Soybean + Sesbania (1:1) - Wheat (PI) + Chick pea (2:4) – Green gram	1,66,317	81,234	1.95
4	Maize + Sesbania (1:1) - Chick pea – Cowpea (Green manure)	1,71,325	92,410	2.17
5	Soybean + maize (4:2) –Wheat + Mustard-Green Gram	2,14,451	1,19,092	2.25
6	Maize + black gram (1:1)-Mustard – Black gram	1,73,371	90,692	2.10
7	Pigeon pea + Hybrid bajra fodder (1:1)-Barseen- Sorghum	1,64,701	90,034	2.21
8	Soybean + maize fodder (4:2)-Barseen+ Maize-Hy. Bajara	1,16,309	41,832	1.56
9	Soybean + Baby corn (4:2)-Potato-Green Chaulai	3,42,251	1,93,653	2.30
10	Baby corn + Brinjal (1:1)-Onion- Okra	4,04,743	2,40,698	2.47

Impact and up scaling:	(1) The inclusion of short duration soybean varieties led to increase the cropping intensity from 110 to 167% in Madhya Pradesh. (2) The inclusion of vegetables in cropping systems increased the remuneration. (3) Integrated nutrient system improves the soil health. (4) The recommended practices reduce the risk even under adverse weather conditions. (5) The cropping system (3-4 crops/annum) generate the employment of labour round the year and also economically viable. (6) The recommended practices are eco-friendly. (7) State Deportment of Agriculture, NGOs and end users (8)
Good quality photographs	

Title of the technology	:	Response of *kharif* groundnut to plant geometry and fertility levels
Project and centre	:	AICRP on Groundnut, College of Agriculture, Gwalior – 474002
Year in which technology developed	:	2015-18
Recommendation domain	:	Gird Regions of Madhya Pradesh (Zone VIII).
Existing practice	:	Sowing at 30x10 cm spacing (3.33 lakh plants/ha) with 20:60:20 kg/ha of NPK (100 percent RDF).
Detail of Improved technology	:	Sowing at 30x10cm spacing (3.33 lakh plants/ha) with application of 25:75:25 kg/ha of NPK (125 percent RDF).
Performance:	:	Mallika (ICHG-00440) at 30x10 cm spacing with application of 25% higher dose of NPK increased pod yield by 3.1%, kernel yield by 13.1%, harvest index by 17.2%, net returns by 5.2 % and BC ratio by 7.6 %.
Summary Table (showing comparison)	:	Average data of 3 years

Treatment	Pod yield (t/ha)	Kernel yield (t/ha)	Harvest Index	Net returns (Rs/ha)	BC ratio
Farmers Practice	2.39	1.57	0.21	69193	2.21
Improved technology	2.47	1.77	0.25	71756	2.38

Impact and up scaling:	:	Sowing Mallika (ICHG-00440) at 30x10 cm spacing with application of 125 percent NPK increased pod yield by 3.1%, kernel yield by 13.1%, harvest index by 17.2%, net returns by 5.2 % and BC ratio by 7.6 %.

Title of the technology	:	Application of bio-formulations in *kharif* groundnut production
Project and centre	:	AICRP on Groundnut, College of Agriculture, Gwalior – 474002
Year in which technology developed	:	2016-19
Recommendation domain	:	Gird Regions of Madhya Pradesh (Zone VIII).
Existing practice	:	Application of 20 kg/ha N; 60 kg/ha P_2O_5 and 20 kg/ha K_2O with no biofertilizers application.
Detail of Improved technology	:	Seed treatment with NPK liquid formulation (250 ml ha^{-1}) + Zn solubilizing bacteria (125 ml ha^{-1}) + 75% RDF application.
Performance:	:	Groundnut variety "JGN 3" performed best when seeds are treated with NPK liquid formulation (250 ml ha^{-1}) + Zn solubilizing bacteria (125 ml ha^{-1}) + 75% RDF application. This treatment increased the pod yield by 8.4%, kernel yield by 3.2 %, harvest index by 7.4%, B:C by 17.6%, net returns by 13.9%, soil available N by 2% and soil organic carbon content by 6%. On other hand it reduced the electrical conductivity of

		soil by 11%.
Summary Table (showing comparison)	:	Average data of 3 years

Treatment	Pod yield (t/ha)	Harvest Index	Net returns (Rs/ha)	BC ratio
Control (25% RDF with no biofertilizer)	1.90	0.24	55705	1.68
Farmers Practice	2.33	0.26	73871	2.07
Improved technology	2.53	0.28	84142	2.41

Impact and up scaling:	:	Groundnut variety "JGN 3" performed best when seeds are treated with NPK liquid formulation (250 ml ha^{-1}) + Zn solubilizing bacteria (125 ml ha^{-1}) + 75% RDF application. It resulted in the highest pod yield, harvest index, B:C, net returns as well as higher soil available N, P, K and organic carbon content and better quality *i.e.* higher sugar, oil and protein content in groundnut crop.

Title of the technology	:	**Productivity of crops with tillage and relaying of *berseem*in Mustard- Pearlmillet system**
Project and Centre	:	AICRP-Irrigation Water Management, Zonal Agricultural Research Station, Morena-476 001, Madhya Pradesh
Year in which technology developed	:	2014-18.
Recommendation domain**:**	:	For whole area of Mustard growing area of Central India.
Existing practice:	:	Pearlmillet-Mustard cropping system has been showing signs of diminutive and a decline in soil health and total system productivity.
Detail of Improved technology:	:	The treatment of tillage practices were traditional tillage without *berseem*(TT-B), traditional tillage with *berseem*(TT+B), minimum tillage with *berseem*(MT+B) and zero tillage with *berseem*(ZT+B) organized in a on farm trial. After the establishment of 30-35 days of mustard, *berseem* (var.-Wardan) was sown by uniform broadcasting 20 kg/ha seed before the first irrigation of mustard in each year.
Performance:	:	Relayed *berseem* residues provided surface cover in ZT system and the needed organic carbon sponge for microbial actions for improvements in the soil properties. As compared with ZT-B practice, the grain yield of pearlmillet and mustard increased by 18 and 52% with ZT+B, respectively. Similarly, the grain yield increased by 14% of *berseem* with ZT as compared with TT.Among the treatments of tillage, ZT seeding in pearl millet – mustard cropping system with relayed *berseem* had greater soil properties and productivity, thus is considered the best practice to maintain

		soil health, food security and profitability.
Summary Table (showing comparison)	:	Average seed yield (tha^{-1}), mean of 3 years

Treatment	Pearlmillet	Mustard	*Berseem*
TT-B	2.39	1.5	-
TT+B	2.72	1.97	0.52
RT+B	2.75	2.17	0.58
ZT+B	2.83	2.28	0.59

Impact and up scaling:	:	In scarce irrigation environments, even small change in the amount of in situ soil moisture storage is likely to make a difference to the profitability of the agriculture. Inclusion of the relay cropping of legume *berseem* fodder crop in the mustard-based system which leaves residues seems to be a very profitable proposition in some groundwater/canal water support and technology spread over in all area of Chambal division approximate more than 20 thousand ha. The relayed *berseem* technology also support of beekeeping practices in Chambal region in summer season.
Good Quality Photographs	:	

Egyptian clover in relay cropping

Egyptian clover after harvest of mustard with ZT

Title of the technology	:	**Pre-irrigation and seeding of wheat (*Triticumaestivum*) after clusterbean on yield, water productivity and soil properties**
Project and centre	:	AICRP-Irrigation Water Management, Zonal Agricultural Research Station, Morena-476 001, Madhya Pradesh
Year of technology developed	:	2014-17
Recommendation domain:	:	Alluvial plain zone
Existing practice:	:	The seeding of wheat is delayed due to harvesting of clusterbean from last week of November to whole month of December. The extreme winter in month of December field takes 10-15 days after pre-irrigation to come up condition for seeding. The seeding of wheat was further delayed due to seeding after 5 to 8 tillage operations performed after pre-irrigation for seed bed preparation.
Detail of Improved technology:	:	The treatments were consisted of two irrigation timing for wheat establishment, *viz*. dry seeding (DS) just after harvest of clusterbean and irrigation for germination and pre-irrigation (PI) after harvest of clusterbean, and three tillage and seeding methods- conventional tillage (CT), minimum tillage (MT) and

		zero tillage (ZT). The practices were followed in CT (2 ploughings with disc harrow + 2 passes of cultivators and planking in last ploughing). In CT, wheat was seeded by single box seed drill in two pass *e.g*. one for drilling of fertilizer and one for seeding. In MT crop established after 2 ploughings by cultivator and planking in last ploughing followed by seeding with seed cum fertilizer drill. In ZT, seeds were directly drilled with fertilizers using zero till seed cum fertilizer drill with inverted 'T' tynes.
Performance:	:	The average grain yield of wheat was increased by 9% with DS and 7% with ZT over conventional practices, respectively. The significantly higher production cost was recorded with CT compared to ZT. Out of total production cost, higher expenditure (22%) on tillage and seeding with CT, whereas with MT and ZT was 12% and 4%, respectively. The study reveals that improved yield, economic benefits, water productivity, soil physicochemical properties, saved energy and resources with DS of wheat after clusterbean harvest with ZT seeding and irrigation for germination in late sown conditions.
Summary Table (showing comparison)	:	Average data of 3 years

Treatments	Grain yield of wheat (tha^{-1})
Pre-irrigation timing	
PI	4.12
DS	4.47
Seeding methods	
CT	4.13
MT	4.15
ZT	4.43

Impact and up scaling:	:	Under late sown conditions dry seeding of wheat with ZT just after harvest of clusterbean is the most promising option and as per RRA data this technology adopted in more than 15 thousand ha in Morena district alone till 2019.

Cluster bean crop in month of October

Wheat crop in ZT after Cluster bean in DS

Title of the technology	:	**Effect of irrigation and sowing methods on Pigeon pea – Wheat cropping system on growth, yield and water productivity in alluvial soils.**
Project and Centre	:	AICRP-Irrigation Water Management, Zonal Agricultural Research Station, Morena-476 001, Madhya Pradesh
Year in which technology developed	:	2014-18.
Recommendation domain**:**	:	For whole area of low economic benefit cropping areas, soil fertility and upland rice-wheat growng area of Central India.
Existing practice:	:	The seeding of pigeon pea crop after 5–7 tillage operations in pigeon pea, and similar wheat seeding after 6-8 tillage on flat bed. Seeding is done in flat bed and uncontrolled flood irrigation which is prone to water logging resulting in plant mortality and higher incidence of diseases of pigeon pea and lodging of wheat during reproductive period.
Detail of Improved technology:	:	The experiment was conducted with precise tillage and seeding methods *viz*. shallow tillage (ST) and zero tillage seeding with happy seeder (ZT) in main plots, two methods of irrigations- boarder strip (BS) and drip irrigation (DI) through inline drippers, and two irrigation schedule- as per IW/CPE ratio- 0.6 and 0.8 for pigeon pea and wheat.
Performance:	:	The results of ZT seeding and irrigation with DI methods were significantly enhanced the yield and its attributes as compared with traditional practices. It may be mentioned that planting of pigeonpea with ZT and DI method of irrigation gains in productivity by 10% and 11% as compared with ST and BS, respectively. Similar compared with 0.60 IW/CPE ratio, the grain yield of the 0.8 IW/CPE was7% higher. The gain in grain yield of wheat with ZT wasgreater by 7% as compared with ST. The gain in grain yield increased by 20% with DI as compared to BS treatment. Irrigation at 0.8 IW/CPE of wheat grain yield increased by 14% as compared with 0.6 IW/CPE ratio was observed.Results indicated that ZT method of seeding, irrigation with DI at 0.8 IW/CPE ratio can be made more sustainable production, water use efficiency and ameliorate soil health and save irrigation water of pigeon pea – wheat system in dry conditions.
Summary Table (showing comparison)	:	Average seed yield (tha^{-1}), mean of 3 years

Treatment	Pigeonpea	Wheat
Seeding methods		
ST	1.94	4.48
ZT	2.14	4.80
Irrigation methods		
BS	1.97	4.13
DI	2.19	4.94
Irrigation scheduling (IW/CPE ratio)		

		0.6	2.11	4.56	
		0.8	2.25	5.18	

Impact and up scaling:	:	Pigeon pea is a naturally plughing deep routed crop. The overall improvement on growth, yield, water use efficiency and soil health was followed the order: ZT > ST in seeding and also with irrigation DI > BS. This technology gave higher yield and economic benefit has been adopted by farmer of ORP area as well as ATMA. Dept. of Agriculture, KVK through demonstrations, training, etc. As secondary data and RRA survey technology of pigeonpea-wheat spread over more than 30 thousand ha in Chambal division of Madhya Pradesh.

	
Pigeon pea crop in ZT method	ZT seeding and DI irrigation method of wheat

Title of the technology	:	**Improving productivity, soil health and water balance with tillage and irrigation techniques of rice-mustard system in dry areas**
Project and centre	:	AICRP-Irrigation Water Management, Zonal Agricultural Research Station, Morena-476 001, Madhya Pradesh
Year of technology developed	:	2014-17
Recommendation domain:	:	Alluvial plain zone
Existing practice:	:	The rice crop grown during the rainy season and after harvest of rice left a massive fallow cropland in limited irrigation available areas. The rice-fallow cropland areas can support low water-consuming, short-duration winter season crops, but are unsuitable for growing wheat due to lack of moisture/water to sustain these high water-consuming, relatively long-growing season (>3 month) crops. Greater cultivation cost of transplanted rice, tillage operations included two dry-harrowing followed by three paddling and one leveling with a wooden planking during rain for water impounded. After harvest of rice crop seeding of mustard after intensive tillage practices

		followed by farmers and irrigation of mustard crop were 35 and 60 days after sowing (DAS), respectively.
Detail of Improved technology:	:	The experiment was conducted with tillage and crop establishment methods *viz*. transplanting (TP), conventional seeding (CS) and zero tillage seeding with residue by happy seeder (ZT) in main plots, three methods of irrigations- flood (FI), drip (DI) and drip with fertigation (DIF) of nitrogenous fertilizer through inline drippers with two irrigation schedule- as per IW: CPE ratio- 1.0 (I_1) and 1.2 (I_2) for rice and 0.4 (I_1) and 0.6 (I_2) for mustard.
Performance:	:	In individual crops, the rice TP gave higher yield and WUE followed by DS and lowest with CS. However, between irrigation methods, DIF at 1.0 IW: CPE gave significantly highest yield, income and water use-efficiency (WUE), whereas at par with 1.2 IW: CPE ratio and also saving 63% of irrigation water in paddy. For mustard, the research results showed that DS in zero-till condition just after harvest of paddy in conserved moisture and DIF at 0.4 IW: CPE more beneficial in terms of productivity, saving 45% irrigation water, improving WUE and soil health. Although in all crop establishment and irrigation methods, system based DS of rice followed by mustard irrigation with DIF at IW: CPE- 1.0 for rice and 0.4 for mustard, whereas in FI at IW: CPE- 1.2 for rice and 0.6 for mustard, gave highest rice equivalent yield, net income and WUE, saving irrigation and improvement of soil health.
Summary Table (showing comparison)	:	Average data of 3 years

Treatments	Grain yield of Rice (t/ha)	Seed yield of Mustard (t/ha)	Rice equivalent system productivity (t/ha)
Establishment methods			
TP	5.14	1.67	9.13
CS	4.41	1.99	8.99
DS	4.72	2.16	9.77
Irrigation methods			
FI	4.30	1.72	8.29
DI	4.75	1.96	9.33
DIF	5.36	2.12	10.30
Irrigation scheduling			
I_1	4.66	1.88	8.29
I_2	4.95	1.97	9.33

Impact and up scaling:	:	In scanty irrigation water available areas, DS establishment and DIF method of rice-mustard cropping

		system are very reliable solution for obtaining higher productivity, benefit, water use efficiency and soil health. Farmers having limited irrigation are adopting this technology in larger area (> 2000 ha)in Chambal division as per availability of resources.

	
Rice at transplanting stage with DIF irrigation	Rice at maturity stage with DIF irrigation
	
Mustard in CS method irrigation with DIF irrigation	Mustard of DS and DIF field at pod development stage

Title of the technology	:	Enhancing Chickpea (Gram) productivity through Molybdenum supplementation @ 1g ammonium molybdate /kg seed with *Rhizobium*+PSBinoculation in Madhya Pradesh
Project and centre	:	AICRP on Chickpea, RAK COA,Sehore,M.P
Year in which technology developed	:	2012-15
Recommendation domain	:	All Chickpea growing districts of M.P
Existing practice	:	Mostly farmers are using 50 kg DAP/ha with seed inoculation with bio fertilizers*(*Meagre use 10% farmers)
Detail of Improved technology	:	Use of 100 kg DAP/ha+ use of Ammonium molybdate @ 1g/kg seed with*Rhizobium*+PSB seed inoculation
Performance	:	Yield advantage ranged from 20 to 30 % with on an average of 27% over no use of molybdenum which ranged from 3-5 quintals/ha with a monetary benefit of about Rs 7000/ha
Summary Table (showing comparison) **Table 1. Effect of bio fertilizers and micronutrients (Molybdenum as ammonium molydate) supplementation on seed yield and economics of chickpea**		

Treatments	Grain Yield Kg/ha	Grain yield Kg/ha	Mean Grain yield Kg/ha	% increase in yield	Economic viability	
					Additional cost over control (Rs)	Additional net return over control (Rs)
T_1. Control (RDF)	1520	985	1253	-	-	-
T_2. RDF+ *Rhizobium(Rh)*+PSB	1645	1127	1386	10.6	50	2344
T_3. RDF+0.5 kg AM/ha **in soil**+ *(Rh)*+PSB	1890	1390	1640	30.9	1050	5946
T_4. RDF+1.0 kg AM/ha **in soil** + *(Rh)*+PSB	2003	1503	1753	39.9	2050	6950
T_5. RDF+0.5 g AM/kg **seed** + *(Rh)*+PSB	1820	1247	1534	22.4	130	4928
T_6 RDF+1.0g AM/kg seed + *(Rh)*+PSB	**1945**	**1373**	**1659**	**32.4**	**210**	**7098**
T_7.RDF+0.5 g AM +1.0g $FeSO_4$/kg **seed**+*(Rh)*+PSB	1900	1263	1582	26.3	146	5776
T_8. RDF+1.0 g AM +1.0g $FeSO_4$/kg **seed**+*Rh)*+PSB	1980	1387	1684	34.4	226	7532
C.D.5%	11	120	114	-		
C.V. (%)	8.0	11.3	9.8			

Cost of inputs:AM =Ammonium molybdate Commercial Grade Rs 2000/Kg,*Rhizobium*&PSB inoculants Rs 50/ha, $FeSO_4$ RS.200/Kg,Cost of Produce :Gram grain Rs 1800/Quintal

Table2. Overall effect of microbialinoculants (*Mesorhizobium*+PSB) inoculation and supplementation of Molybdenum either in soil or with seed of chickpea in Madhya Pradesh **(Multilocation)**

S.No	Treatments	**Mean of all four Centers (Sehore,Indore,Gwalior,Ujjain)**			
		Nodule dry wt.(mg/p)	N Uptake kg/ha	Grain Yield Kg/ha	% increase over control
1	Control(RDF)	41	81.3	1870	
2	RDF+*Rhizobium(Rh)*+PSB	60	94.9	2045	9.3
3	RDF+0.5kg AM/hainsoil+*(Rh)*+PSB	69	111.7	2279	21.9
4	RDF+1.0 kgAM/ha insoil+*(Rh)*+PSB	**77**	114.9	2359	26.2
5	**RDF+1.0gAM/kgseed+*(Rh)*+PSB**	**73**	**115.3**	**2370**	**26.7**
6	RDF+2.0gAM/kgseed+*(Rh)*+PSB	130	116	2331	24.7

*Meanofthreecentres;RDF=Recommendeddoseoffertilizer;*Mr=Mesorhizobium;*PSB=Phosphatessolubilizingbacteria;AM=ammoniummolybdate

Title of the technology	**:**	**Irrigation management for chickpea under different land configuration**
Project and centre	:	AICRP-Chickpea, Sehore
Year in which technology developed	:	2015
Recommendation domain	:	For central zone of India
Existing practice	:	Presently farmers using irrigation as and when required and there are no standard practices.
Detail of Improved technology	:	Sowing of chickpea crop in BBF + One row of intercrop (wheat- Sujata). Two irrigations (pod development and branching stages) sowing of chickpea crop in BBF + One row of intercrop (wheat-Sujata) with two irrigation first at pod development stage and 2nd at branching stage is recommended.
Performance	:	The average data revealed that the sowing of chickpea crop in BBF + One row of intercrop (wheat-Sujata) recorded significantly higher yield of 2564 kg/ha (28 %) over flat bed sowing 1829 kg/ha. Two irrigation (pod development and branching stages) gave significantly higher grain yield (2468 kg/ha) over one irrigation. sowing of chickpea crop in BBF + One row of intercrop (wheat- Sujata) with two irrigation first at pod development stage and 2nd at branching stage is recommended.
Impact and up scaling	:	With the availability of limited irrigation and sowing of wheat as intercrop is helpful in increasing the chickpea equivalent yield.
Photo		

Title of the technology	**:**	**B**iofortification of Zn and Fe in chickpea through agronomic intervention
Project and centre	:	AICRP-Chickpea, Sehore
Year in which technology developed	:	2019
Recommendation domain:	:	For central zone of India
Existing practice:	:	Application of recommended dose of fertilizer
Detail of Improved technology	:	RDF + Soil application of ZnSO4 @ 25 kg/ha
Performance	:	Average 2387 Kg/ha chickpea yield can be obtained with this technology, gaining an advantage of 489 Kg/ha yield over RDF
Impact and up scaling	:	The recommended cropping system has helped the farmers of the state to increase productivity of the crop.

Title of the technology	**:**	**Effect of land configuration and Irrigation management treatments on seed yield of chickpea.**
Project and centre	:	AICRP-Chickpea, Sehore
Year in which technology developed	:	2015
Recommendation domain	:	For central zone of India
Existing practice	:	Presently farmers using irrigation as and when required and there are no standard practices.
Detail of Improved technology	:	Sowing of chickpea crop in BBF + One row of intercrop (wheat-Sujata). Two irrigations (pod development and branching stages) sowing of chickpea crop in BBF + One row of intercrop (wheat-Sujata) with two irrigation first at pod development stage and 2nd at branching stage is recommended
Performance	:	The average data revealed that the sowing of chickpea crop in BBF + One row of intercrop (wheat- Sujata) recorded significantly higher yield of 2564 kg/ha (28 %) over flat bed sowing 1829 kg/ha. Two irrigation (pod development and branching stages) gave significantly higher grain yield (2468 kg/ha) over one irrigation. sowing of chickpea crop in BBF + One row of intercrop (wheat- Sujata) with two irrigation first at pod development stage and 2nd at branching stage is recommended.
Impact and up scaling	:	With the availability of limited irrigation and sowing of wheat as intercrop is helpful in increasing the chickpea equivalent yield.

Annexure-II

6.6.3.4. Research Publication:

List of research articles (NAAS ranking 5.00 or more) published in National and International Journals during last five year (only based on the work conducted in the University).

1. Barche, Swati and Kirad, K. S. (2015). Effect of planting dates on growth and yield of Garlic (*Allium sativum*). *Eco. Env. & Cons* 21 (2):855-857.
2. Barche, S.; Nair, R. and Jain, P. K. (2015). A review of mulching on vegetable production. *Eco. Env. & Cons* 21(2): 859-866.
3. Bohane, Lesha; Tiwari, Rajesh and Gautam, K.K. (2015) Integrated nutrient management in Ber (*Zizyphus mauritiana* lamk.) cv. Gola under Malwa plateau conditions of Madhya Pradesh. *Indian Journal of Horticulture* 73 91)-128-132.
4. Dilip. B. and RAMGIRY, S. R. (2015). AMMI analysis to comprehend genotype by environment (GXE) interactions in rainfed grown soybean (*Glycine max*. (L) Merrill). *Indian J. Agric. Res*. 49 (1) 2015: 39-45.
5. Sudhanshu Jain, Srivastava S.C., Singh S.K., Indapurkar Y. M. and Singh B.K.(2015) "Studies on genetic variability, character association and path analysis for yield and its contributing traits in soybean [*Glycine max* (L.) merrill]" *Legume Research*, 38 (2) 182-184
6. Joshi, Priyanka and Yasin, M. (2015). Interrelationship among yield and yield contributing traits in RILs and their parents in chickpea (*Cicer arietinum*). *Indian J. Applied & Pure Bio*. 30(1): 97-100.
7. Khapediya, H. L.; Sharma, S.K.; Bhat, N.A.; Kumawat, D.M. and Sikarwar, R.S. (2015). Effect of copper and cadmium toxicity on growth indices of wheat (*Triticum aestivum* L.). *The Ecoscan*7: 189-192.
8. Lodhi, P. S.; Singh, P. P.; Naruka, I. S.; Kushwah, S. S.; and Singh, Awani K. (2015). Genetic variability, correlation and path analysis in fenugreek (*Trigonella foenum-graecum* L.). *Indian Journal of Horticulture* 72 (3): 429–433.
9. Narvariya, Rita Kapil.; Ashok, C.S.; Shahu, M. and Narvariya, D. (2015). Profitability in cultivation of soybean production in narmadapuram division of madhya pradesh. Ecology, environment and conservation, Pune. Supplement issue.
10. Narvariya, Rita Kapil.; Sharma, A.; Patidar, A.; Raghuvanshi, J. S. and Narvariya, D. (2015). Resource use efficiency in wheat production in Narmadapuram division of Madhya Pradesh. *Ecology, Environment and Conservation*, Pune. Supplement Issue.
11. Narvariya, Rita Kapil; Naik, R. N.; Nandaragi, R. P.; Sharma, H. O. and Narvariya, D. (2015). Analysis of market arrivals and price of chick pea (cicer arietinum) in Jabalpur

regulated market of Madhya Pradesh. *Ecology, Environment and Conservation,* Pune. Supplement issue.

12. Pawar, Kirti; Mishra, S.P. and Singh, R. K. (2015). Influence of different varieties and storage conditions on occurrence of seed borne fungi in soybean. *J. Food Legumes,* 28:185-188.
13. Rawat, U.; Rajput, R. L.; Rawat, G. S. and Garg, S. K. (2015). Effect of Vermicompost and varieties on yield, qualitative attributes and nutrient uptake of clusterbean [*Cyamopsis tetragonoloba* (L.)] in Gird region. *Eco. Env. & Cons* 21(1): 183-187.
14. Sharma, B.K., Yadav, K.S., Rajput, R.L., Gupta Naresh and Gurjar, Narendra Singh (2015). Root parameters and nutrient uptake by rainfed mustard as influenced by sowing time and moisture conservation practices in an alluvial soil. *Eco. Env. & Cons*. 21 (3):1-5.
15. Sharma, S. K.; Hardaha, M. K. and Ranade, D. H. (2015). Estimation of soil loss using artificial neural networks for kalidevi watershed of Dhar, Madhya Pradesh, India. *Indian J. Soil Conservation* 43(2): 135-141.
16. Sharma, S.K.; Panwar, Praveena; Tomar, Sudeep S. and Singh, V. P. (2015). Soil fertility evaluation of Nignoti village of Indore district. *The Ecoscan.*VII: 167-176.
17. Singh, Ajay; Yadav, K. S.; Bhadauria, J. S.; Bhadauria, Nisha; Prajapati, B. L. and Sharma, J. (2015). Effect of sowing dates and integration of nutrients on yield attributes and root characters of soybean. *Eco. Env. & Cons*. 21 (August Suppl.): AS137-AS140.
18. Tyagi. S.K.; Jain, R.C. and Tiwari, D.K. (2015). Effect of plastic mulching on growth, yield and economics of water melon (*Citrullus lanatus*) under tropical climate of Madhya Pradesh. *International Journal of Agricultural and Statistical sciences,* 11(1): 35-38.
19. Jaswani, Nancy, Tembhre, Deeksha , Agrawal, Smita , Kadwey, S., Prajapati, Sunil and Dadiga Ashwini (2015) Characterization of genetic resources and Identification of suitable brinjal (solanum melongena L.) Genotypes in malwa plateau region of Madhya Pradesh *The Bioscan* 10 (2), 831-836
20. Krishnamurthy S. L., Sharma S. K., Kumar V., Tiwari S., Singh N. K. (2015) Analysis of genomic region spanning Saltol using SSR markers in rice genotypes showing differential seedlings stage salt tolerance. J. Plant Biochem. Biotechnol. DOI 10.1007/s13562-015-0335-5. (NAAS impact factor 7.04, citations 19).
21. Tiwari K, Singh A, Pattnaik S, M Sandhu, Kaur S, Jain S, Tiwari S, *et al*. (2015). Identification of a minicore of indian rice germplasm using morphological traits and microsatellite markers. Plant Breeding. doi:10.1111/pbr.12252
22. Choudhary, Jitendra; Kushwah, S. S.; Singh, O. P. and Naruka, I. S. (2016). Studies on genetic variability and character association in Indian bean *(Lablab Purpureus* (L.) Sweet). *Legume Research - An International Journal*. 39(3):336-342.:
23. Dhanalakshmi, B. R.; Upadhyay, S. N.; Choudhary, R. K.; Singh, S. B.; Ambia, D. and Sharma, M. (2016). Evaluation of insecticidal spray schedules against sucking pests of chilli. *Annals of Plant and Soil Research.* 18 (1): 47-50.

24. Dangi, Ajay, Tomar, K.S., Kashyap, Arjun, Raghuwanshi, Kalyan and Jat, Rakesh (2016) Response of different concentrations of Groth regulators on rooting and growth of acid lime [*Citrus aurantifolia* (Christm.) Swingle] air layers under Gird region of M.P. *Eco. Env. & Cons,* 22 S169-S172
25. Jatav, Pratibha, Barholia, A.K., Kashyap, Arjun, Raghuwanshi, Kalyan Singh and Bauskar, Ankit (2016) Response of different concentration of hormones and rooting media on growth and survivability of air layers in guava (*Psidium guajava* L.) cv. Gwalior-27, *Eco. Env. & Cons.* 22 S157-S168
26. Kashyap, Arjun, Raghuwanshi, Kalyan Singh, Lekhi, R., Dangi, Ajay and Prajapati, B. L. (2016) Response of different concentration of indole butyric acid and combinations rooting media on growth and survivability of air layers in acid lime [*Citrus aurantifolia* (Christm.) wingle] var. Kagzi lime *Eco. Env. & Cons* 22 S35-S38
27. Yadav, Sangeeta, Barholia, Arun Kumar and Yadav, A.S. (2016) Comparative efficiency of stability for seed yield in coriander. *Int. J. Agricult. Stat. Sci* 12, 81-84.
28. Fatehpuria. P.K., Gupta.; V., chobe., D. R. and Sasode. , R.S.,(2016) Evaluation of Botanicals against mycelium growth of *Sclerotinia sclerotiorun* under *in-vitro* condition, *The Bioscan,* 11
29. Shahin Khan (2016) Effect of insecticides on mustard aphid (Lipaphis erysimi) kalt. and their Toxicity to the beneficial insects, Eco. Env. & cons. ,22(4), 2027-2030
30. Uikey, D.S., Tripathi, M.K., Tiwari, G., Patel, R.P. and Ahuja, A., (2016) Embryogenic cell suspension culture induction and plantlet regeneration of *Rauvolfia serpentina* (L.) Benth.: influence of different plant growth regulator concentrations and combinations ,*Medicinal Plants - International Journal of, Phytomedicines and Related Industries*, 8 (2), 158-167
31. N.S. Thakur, B.B.Kushwaha, O.P. Girothia, N.K. Sinha And J.S. Mishra(2016) Effect of integrated weed management on growth and yields of rainy-season sorghum (*Sorghum bicolor*) rainfed conditions", *Indian Journal of Agronomy,* 61 (2), 217-222.
32. Jyotimalasahu* and N. S. Thakur. (2016), Response of date of sowing on yield and yieldattributes of safflower cultivars, *The Bioscan*11(1) 503-507
33. N. S. Thakur*, B. B. Kushwaha, Devendra Patil and O. P. Girothia, (2016), Evaluation of weed management practices for recently released sorghum cultivars (sorghum bicolor (l.) moench) under rainfed condition ,*The Bioscan*11(4), 2355-2358
34. D.H. Ranade, S. Mujalde and I. Swarup(2016), Mitigating adverse climatic condition through wasted harvesting tank in Malwa reagion, Indian J. Dryland Agri. Res. & Dev, 31, 44-50
35. Choudhary, Jitendra; Kushwah, S.S.; Singh, O.P. and Naruka, I.S. (2016), Studies on genetic variability and character association in Indian bean [*Lablab purpureus* (L.) Sweet]. *Legume Research* ,39 (3), 336-342

36. Uikey, D.S.; Tripathi, M.K; Tiwari, Gyanendra; Patel, R.P.; and Ahuja, Ashok, (2016), Embryogenesis cell suspension culture induction and plantlet regeneration of *Rauvolfia serpentine* (L.) Benth: Influence of different plant growth regulator concentration and combinations, *Medicinal Plants,* 8 (2), 158-167.
37. Uikey, D.S., Tripathi, M.K., Tiwari, G., Patel, R.P. and Ahuja, A (2016), Embryogenic cell suspension culture induction and plantlet regeneration of Rauvolfia serpentina (L.) Benth.: influence of different plant growth regulator concentrations and combinations, Medicinal Plants - International Journal of Phytomedicines and Related Industries, 8 (2), 158-167
38. Choudhary Jitendra, Kushwah S.S., Singh O.P. and Naruka I.S. (2016), Studies on genetic variability and character association in Indian bean [*Lablab purpureus* (L.) Sweet, Legume Research, 39 (3) 336-342
39. Bhati A.S., Kanwar J., Naruka I.S., Tiwari R., Gallani R and Singh OM, (2016), Effect of plant growth regulators and zinc on fruiting and yield parameters of acid lime (*Citrus aurantifolia* Swingle) under Malwa plateau conditions, The Bioscan, 11 (4) 2665-2668
40. Tiwari S, SL Krishnamurthy, Kumar V, Singh B, Rao A, Mithra SV A, Singh A K, Singh N K. (2016) Mapping QTLs for Salt Tolerance in Rice (*Oryza sativa* L.) by Bulked Segregant Analysis of Recombinant Inbred Lines Using 50K SNP Chip. PLoS ONE 11(4): e0153610. doi:10.1371/journal.pone.0153610 (NAAS impact factor 8.78), Citations 78
41. Tomar RS, Sushma Tiwari, Vinod, Bhojaraja K Naik, Suresh Chand, Rupesh Deshmukh, Niharika Mallick, Sanjay Singh, Nagendra Kumar Singh, S. M. S. Tomar (2016). Molecular and Morpho-Agronomical Characterization of Root Architecture at Seedling and Reproductive Stages for Drought Tolerance in Wheat. PLoS ONE 11(6): e0156528. doi: 10.1371/journal.pone.0156528
42. Jyoti Kanwar, Kaul M.K., Shaktawat R.P.S. and Naruka I.S., (2017), In vitro multiple shoots induction from nodal explants of Sour orange (Citrus *aurantium* L.) The Bioscan, 12 (1) 31-35
43. Saniya, Jyoti Kanwar and Naruka I.S., (2017), Studies on Genetic Variability Parameters and Character Association among Yield and Yield Contributing Traits in Grape (*Vitis vinifera* L.), Int. J. Curr. Microbiol. App. Sci., 6(8) 150-154
44. Kushwah, Artika Singh, Rawat, G.S., Gupta, Sourav, Patil, Devendra and Prajapati Neelima, (2017), Production and profitability assessment of clusterbean based intercropping system under different row aggangement, Legumes Research, 40 (5), 916-919
45. Gupta, Varsha, Sasode, Deep Singh, Kansana, B.S., Arora, Asha, Joshi Ekta and Dixit J.P. (2017), Effect of pre and post emergence herbicides on weed flora in Black gram, Indian Journal of Weed Science, 49 (3), 256-259

46. Sasode, D.S., Gupta Varsha, Joshi Ekta, Arora Asha, Dixit. J. P. and Panse Raju, (2017), Management of composite weed flora of wheat (Triticumaestivum L.) by herbicide mixtures, Indian Journal of Weed Science, 49 (2), 147-150.
47. Priyadarshani A. Khambalkar, Narendra singh, S.K. Verma, and Shashi S Yadav, (2017), Influence of integrated nutrient management on soil fertility and properties of sandy clay loam and relationship with productivity of pearlmillet (Pennisetum glaucum)-mustard (Brassica juncea) cropping sequence, International Journal of Chemical Studies, 5(5), 1237-1243, 5.31.
48. Dhakad, Hemlata., Yadav Shashi S., Jamra Sweta and Arya Vinayand Gaur, Dharmendra, (2017), Status and Distribution od different forms of Potassium in Soils of Gwalior district sequence, International Journal of Chemical Studies, 5(5), 1161-164,
49. Arya Vinay and Yadav Shashi S, (2017), Status of NPK and protein in multicut forage sorghum varieties under different fertility levels, International Journal of Chemical Studies, 5 (5), 920-924, 5.31
50. PS Tomar, Naresh Gupta, Narendra Singh Gurjar, SK Verma and KN Bansal, (2017), Long term effect of fertilizers and manure on K-fractions in inceptisol under pearl millet-mustard cropping system, International Journal of Chemical Studies, 2017, VOL. 5, ISSUE 6, 948-952,
51. Fatehpuria, P. K., Sasode, R.S., Pandya, R. K. and Singh, Reeti., and Gupta J.C. (2017), Efficacy of different inoculation techniques for testing the pathogenicity of Sclerotiniasclerotiorum causing Sclerotinia blight of Brassica juncea, Int. J. Chem. Studies, 5(5), 1937-1940,
52. Thakur, Rahul, Khandkar, U. R., Devbrata, Nath, Patidar, Rohit K. and Patidar, Narendra K., (2017), Documentation on enhancing nutrient uptake and yield of rice with application of sewage sludge and different fertility levels on sodic Vertisols, International journal of current microbiology and applied sciences, 6(10), 2986-2998,
53. Parveen G. Ansari, R. K. Singh, Shruti Kaushik, Ashok Krishna, T. Wada and H. Noda., (2017), Detection of symbionts and virus in the whitefly Bemisia tabaci (Hemiptera: Aleyrodidae), vector of the Mungbean Yellow Mosaic India Virus in central India, Appl. Entomol. Zool, 52 (4), 567-579.
54. Dubey, S.C., Singh, B., Gupta, Om, Saxena, D.R., Sharma, 0. P., Kohire, 0. D., Anadani, V. P., Singh, R. K., and Tripathi, A, (2017), Management of wilt and root rots of chickpea (Cicer arietinum) using Trichoderma harzianum in India, Indian Journal of Agricultural Sciences, 7 (10), 1283-1287,
55. Nisar A. Bhat,Amritbir Rair, Aketi Ramesh, Sanjeeda Iqbal, Mahaveer P. Sharma, Sanjay Kumar Sharma, G.B. Bhullar, (2017), Soil biological Activity Contributing to Phosphorus Availability in Vertisols under Long –Term Organic and Conservational Agricultural Management. Front.Plant Sci., 8, 1523,

56. Singh P.K., K.K.Singh, K.k.Gill, Ramniwas, R.S. Singh and Sanjay Sharma, (2017), Dry biomass partitioning of growth and development in wheat (triticum aestivum.L.) crop using CERES-wheat in different agro-climatic zones of India, Current Science, 11 (4), 750-766.
57. Nisar A. Bhat; S. Iqbal , S.K.Sharma, (2017), Nutrient stats in relation to organic farming status: A Review, International J. Res. & Review, 4(8), 27-33.
58. Arsia, S.K., Mishra, S.P. and Saxena, Moly, (2017), In vitro evaluation of bioagents and agrochemicals against Fusarium udum. J. Pharmacognosy and Phytochemistry, 5.21
59. Dubey, S.C., Singh, B., Gupta O.M., Saxena, D.R., Sharma, O.P., Kohire, O.D., Anadani, V.P., Singh, S.K. and Tripathi, A., (2017), Management of wilt and root rots of chickpea (Cicer arietinum) using Trichoderma harzianum in India. Ind. J. Agric. Sci., 6
60. Parihar, A.K., Basandrai, A.K., Saxena, D.R., Kushwaha, K.P.S., Chandra, A, Sharma, K., Singha, K.D., Singh D., Lal H.C. and Sanjeev Gupta, (2017), Biplot evaluation of test environments and identification of lentil genotypes with durable resistance to Fusarium wilt in India, Crop & Pasture Science, 7.44.
61. P Banjarey, P Kumari, Verma S, Tikle AN, Malik R, Sarkar A and Verma RPS, (2017), Comparative analysis of Agro-morphological and molecular variations in Huskless Barley (Hordeum vulgare L.) under central Agro-climatic Zone of India, Int. J Curr. Microbiol. App. Sci.
62. Singh, M., Rana, J.C., Singh, B., Kumar, S., Saxena, D.R., Saxena, A., Rizvi, A.H. and Sarkar, A., (2017), Comparative Agronomic Performance and Reaction to Fusarium wilt of Lens culinaris, L. orientalis and L. culinaris x L. ervoides derivatives, Front. Plant Sci, 10.3
63. Barcchiya, Jayashri and Kushwah, S.S. (2017). Influence of integrated nutrient management on growth, yield parameters and yield in French bean (*Phaseolus vulgaris* L.). *Legume Research*. 40 (5):920-923.
64. Bhandari, J.; Kanpure, R.N.; Singh, O.P.; Kachouli, B. and Patidar, D.K. 2017. Effect of organic and inorganic nutrient sources growth, yield and quality of acid lime (*Citrus aurantifolia* Swingle). *International journal of chemical studies*. 6(1):1635-1639.
65. Gupta, Sangeeta; Kushwah, S.S.; Sharma, R.K. and Singh, O.P. 2017. Effect of Irrigation regimes and nutrient levels on growth, yield and quality of drip irrigated Broad bean (*Vicia faba*). *Indian Journal of Agricultural Sciences*. 87 (10): 314-319.
66. Meena, Y.; Sharma, R.K.; Kushwah, S.S. and Gallani, R. 2017. Effect of varieties and nutrient levels on growth and yield of cauliflower (*Brassica oleracea* var. botrytis L.). *The Bioscan*. 12(3): 1731-1734.
67. Mishra, P. K.; Jamaliya, Ghanshyam and Gallani, Roshan. 2018. Effect of Zinc and Sulphur fertilization on growth, yield and economics of wheat crop. *Int. J. Curr. Microbiol. App.Sci.* Special Issue-7:3480-3484.

68. Singh, Om; Choro, H., Katine; Kanwar, Jyoti; Dwivedi, S. K. and Singh, Richa. 2017. Formulation, nutraceutical profile and storage stability of aloe gel & ginger juice functional beverage blend. *The Pharma Innovation Journal*. 6(12):373-379.
69. Singh, Om; Deepak, Choudhary; Dwivedi, S.K.; Patidar, B. K. and Singh, Richa. 2017. Development and shelf life evaluation of therapeutic ready to serve (RTS) beverages prepared from blending of aonla pulp and aloe vera gel. *The Bioscan* (An International Journal. 12(2):909-912.
70. Gangrade, D., Bajpai, R., Vasure, N. and Kumar, G. (2018), Effect of foliar spray of urea and boron on growth parameters of guava(Psidium guajava L.) var. Shweta, Multilogisticin science, VII special issue 343-344
71. Patidar, Payal and Bajpai, Rashmi (2018), Effect of integrated nutrient management on growth parameters of Brinjal cv. NDBH-6, Multilogistic in science, VII special issue, 360-362
72. Khan Shahin, Tomar SPS and Raghuwanshi Pawan Kumar, (2018), Effect of number of spray and time of application of monocrotophos for the control of mustard aphid Lipaphis erysimi (Kalt.) On mustard, International Journal of Chemical Studies, Volume 6 ; 2, 665-666
73. Khadse Sachin Ramesh, Khandwe Nanda, Sinha Sandhya and Tomar SPS, (2018), Studies on correlation of gram pod borer, Helicoverpa armigera (Hubner) with abiotic factors by pheromone traps, International Journal of Chemical Studies, Volume 6 ; 2, 872-875.
74. Singh, Balkrishan, Bhadouria,R.S., Barholia.A.K. and Singh K.V. (2018), Influence of Foliar application of Urea, Potassium, Sulphate & Borax on the Fruit Quality of Guava, International Journal of current Microbiology and Applied Science. ISSN:2319-7692, Special Issue-6,
75. Shukla, Rashmi, Shukla ,Y.K.and Pathak , Smita, (2018), Studies on preparation and packaging of Guava Cheese, International Journal of Current Microbiology and Applied Science ISSN:2319-7706, 7(2),
76. Shukla, Rashmi, Shukla ,Y.K.and Pathak , Smita, (2018), Sensory Evaluation of Guava Cheese prepared from different varities, International Journal of current Microbiology and Applied Science.ISSN: 2319-7706, Vol.7(2)
77. Shukla, Rashmi, Shukla ,Y.K.and Pathak , Smita, (2018), Standardization and preparation of Guava Cheese from different cultivars, International Journal of current Microbiology and Applied Science.ISSN:2319-7706, Vol.7(3)
78. Khan, Shahin, Tomar, SPS and Raghuwanshi, P.K., (2018), Effect of number of spray and time of application of Monocrotophos for the control of Mustard Aphid9 Lipaphis erysimi (Kalt.) on Mustard, International Journal of Chemical Studies, Vol.6(2),
79. Artika Singh Kushwah, G.S. Rawat, Sourav Gupta, Devendra Patil and Neelima Prajapati (2018) Production and profitability assessment of clusterbean

(CyamopsistetragonolobaL.Taub.) based intercropping systems under different row arrangement, Legume Research, 40(5): 916-919/2017/

80. Bhandari, J.; Kanpure, R. N.; Singh, O.P.; Kachouli, B. and Patidar, D.K. (2018). Effect of organic And inorganic nutrient sources on growth, yield and quality of acid lime (*Citrus aurantifolia* Swingle).*International Journal of chemical studies*. 6(1):1635-39.
81. Dubey, Rajiv; Patel, R.P.; Kachouli, Basant and Patidar, Dharmendra 2018. Floristic composition of weeds in opium grown under climatic condition of Malwa Plateau of Madhya Pradesh. *International journal of current microbiology and applied sciences*. 7(02):3794-3753
82. Kurve, Giteshwari; Sankar, Vidhya M.; Kumar, Anuj and Singh, O.P. 2018. Effect of pre soaking of bulbs in plant growth regulators on flowering and vase life of Tuberose (*Polianthes tuberose* Linn.). *International Journal of chemical studies*. 6(1): 1485-1490.
83. Singh, Pradeep; Naruka, I. .S.; Gallani, R. and Singh, O.P. 2018. Effect of different INM practices on Productivity of Dill (*Anethum sowa* Roxb) and on post –harvest soil properties in vertisol. *Int.J.Curr.Microbiol.App.Sci.* Special Issue-7:3632-3637.
84. Prahalad Mandloi, Tomar S.P.S., Pradyumn Singh, N.K.S. Bhadauria and N.S. Bhadauria, (2018), Study of chickpea varieties against pulse beetle (callosobruchuschinensis) in storage, *Flora And Fauna,* 24; 2, 228-230.
85. PrahaladMandloi, Pradyumn Singh, Tomar S.P.S., N.K.S. Bhadauria And V.K. Shrivastava, (2018), Evaluation of morphological characters and protein content of chickpea (cicerarietinum) in realtion to resistance against pulse beetle (callosobruchuschinensis), *Flora And Fauna,* 24; 2, 255-262.
86. Mandloi S., Suryawanshi D.K., Tomar S.P.S., Singh P.D., and Singh U.C, (2018), Impact of biotic factors on the incidence of insect pest of okra., *Intern. J. Agri. Sci,* 10; 19, 7324-7327.
87. Singh Y.P., Tomar SPS and Singh Sudhir, (2018), Impact of biotic stress management technologies on yield, economics, and energy indices of pigeon pea (*Cajanuscajan*) grown in Central India, *Legume Research online,* 6.12
88. Khan Shahin, Tomar SPS and RaghuwanshiPawan Kumar, (2018), Effect of number of spray and time of application of monocrotophos for the control of mustard aphid Lipaphiserysimi (Kalt.) On mustard, *International Journal of Chemical Studies*., 6 ; 2, 665-666
89. KhadseSachin Ramesh, Khandwe Nanda, Sinha Sandhya and Tomar SPS, (2018), Studies on correlation of gram pod borer, *Helicoverpaarmigera*(Hubner) with abiotic factors by pheromone traps, *International Journal of Chemical Studies*., 6 ; 2, 872-875.
90. Gurjar, Lakan Singh; Daipuria, O.P.; Sharma, Prashant; Sharma, Prabhakar and Patel, M.M., (2018), Constraints Faced by Beneficiaries of front line Demonstration in Adoption of improved pulse production Technology, Journal of community Mobilization and Sustainable Development, 13 (2), 313-316.

91. Rawat, Reena; Prabhakar, Sharm; Sharma, P. and Singh, Arvind Kumar, (2018), A study on the assessment of constraints in effective credit utilization pattern and repayment behavior in Datia district of Madhya Pradesh, International Journal of Chemical Studies, 6 (6), 2510-2512.
92. Yadida, Mannasa and Singh, Reeti, (2018), Field evaluation of chemicals and botanicals against *Alternariacyamopsidis* causing Alternaria blight of clusterbean, *Multilogic in Science,* 8:, 196-197, 5.20
93. Sasode. , R.S, Pandya, R.K., and Fatehpuria. P. K, (2018), Management of Pearl millet downy mildew by the application of bio-agents, chemicals and botanicals., *Inter. J. Chem. Studies,* 6(1):, 606-608,
94. Sasode. , R.S, Fatehpuria. P. K, A. patidar, and Pandya, R.K., (2018), Reaction of pearl millet genotype against Downy mildew disease, International Journal of Pure and Applied Bioscience, .6(2):, 1158-1162
95. Kushwah, Artika Singh, Choudhary, S.K., Rawat, G.S. and Sinha, N.K.(2018) System productivity and economic returns of differnet cropping system under Malwa conditions of M.P., Indian Research Journal of Extension Education, 19 (1), 84-86, 4.81
96. Patidar, J.K.; Kashyap, V.; Singh, P. K.; Singh, Reeti and Singh R.K, (2018),. Bio-control potential of native strains of *Trichoderma*against *Rhizoctoniabataticola*causing dry root rot of chickpea, International Journal of Agriculture Science, 10(2)-, 5066-5068.
97. Pachori, Amita; Sharma, O.P. and Singh, Reeti, (2018), Evaluation of mycotoxicity of commercial fungicides against *C. capsici* f. sp. *Cyamopsicola,* Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry, 7(1): 2816-2817`.
98. Joshi Ekta, Sasode, D.S., Sikarwar, R.S., Gupta Varsha&Kasana B.S., (2018), Optimizing crop geometry and nutrient management for yield, water productivity and economics of Kharif groundnut, Legume Research, LR-4053, 1-4.
99. Singh Neelam, Joshi Ekta, Sasode D.S, Sikarwar, R.S. and Rawat, G.S., (2018), Liquid Biofertilizer and inorganic nutrients effect on physiological, quality parameters and productivity of kharif Groundnut, International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences, 7 (09), 729-735
100. M.S. Argal, S.K. Verma and Sunil Rajput, (2018), Ameliorating effects of nutrient management on different form of nitrogen and Nutrient Use efficiency in Chambal Ravine of Madhya Pradesh, *International Journal of Pure & Applied Bioscience,* 6, No.-6180,
101. Jamra Shweta, S.K. Trivedi, Jitendra Patidar, Hemlata Dhakad, and Priyanka Jadon, (2018), Effect of levels and sources of phosphorus on yield and uptake of nutrients in black gram (*Phaseolusmungo* L.). *An* Special Issue ICAAATSD, *Journals of science,Agriculture & Engineering,* Vol. VII, PP 311-313.,
102. Radha Gupta, Shashi S. Yadav, S. K. Verma and S. K. Dubey (2018), Siderophore Production and Biocontrol Potential of Rhizobium Isolated from Non- Traditional

Leguminous Crop in M.P., International journal of pure and Applied Bioscience, 6 (2), 142- 145

103. MeenaB,singh A.. yadav S.S. bhadauriaS.Ds. and khambalkar P A., (2018), Pedological perspective of ravine erosion sites with in gird region of madhyapradesh, International Journal of Agriculture Sciences, 10, 6687-6690.
104. Bhadouria A, Yadav Shashi S,GuptaSubhash,P A Khambalkar and singhAkhilesh, (2018), Effect of various Integrated management practices on growth and yield of Pearlmillet crop grown on Typicustochrepts Soils of Gwalior region in Madhya oradesh, International Journal of Chemical Studies, 6(6), 958-962.
105. Jadon,priyanka.,Seladurai,R., Yadav Shashi S., Munuswamy,V.C., (2018), Enhancing plant growth , yield and Nitrogen Use Efficiency of Maize through application of coated urea fertilizers, International Journal of Chemical Studies, 6(6), 2430-2437.
106. Khan Sjita,SinghAkhilesh,bhadouriaS.S.,Yadav S.S. Manoj Kumar, Verma SK, Priyadarshani A Khambalkar, Asha Arora and Narendra Singh, (2018), Influence of tillage practices and weed control methods on organic carbon pools and physical properties of sandy clay loam soil in north central India, International Journal of Chemical Studies, 6(6), 1699-1705.
107. Yadida, Mannasa and Singh, Reeti, (2018), *In vitro* evaluation of botanicals against *Alternariacyamopsidis*causing Alternaria blight of clusterbean, International Journal of Current Microbiology and Applied Science, 7(9):, 3060-3063.
108. Sushma Tiwari, Sanjeev Kumar Yadav, Vinod Kumar Sahu and M.K. Tripathi, (2018), Current Status and Future Prospects of Marker Assisted Breeding for Genetic Improvement of Minor Millets, International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences, 7(12):, 2587-2590.
109. R K Singh, Sunil Silavat, Jagdish Kumar Patidar and Vivek Kashyap(2018), Influence of date of sowing and chickpea varieties on occurrence of collar rot and variability among isolates of SclerotiumrolfsiiShyamLata Pal, Ashok Krishna, RK Singh and Narendra Birla, International Journal of Chemical Studies, 6, 240-243.
110. Mujalde, S., Choudhary, S.K., Ranade, D.H. and Ranjeet (2018), Seed priming: a new technology for improving early seed emergence & establishments of crops in rainfed conditions of India, Int. J. Curr. Microbiol. App. Sci, 7, 3638-3641,
111. Jain, NR., Barche, S and Ranjeet, (2018), Effect of germination and seedling vigour for the most ideal soil media of different varieties of drumstick (Moringaoleifera L) under net house condition, Int. J. chem. Stud, 6(5), 1827-1830.
112. Dhakad S.S, Asati K.P., Chouhan S.S., Badaya, A.K. Kirar K.S. and Ambawatia G.R. (2018), FLD on the yield and economics of ciceraeritinum L. in tribal area of M.P., India, IJCMB AS, 7 (5), 3662-3666,

113.Nisha, N.; Sharma, R.K.; Kushwah, S.S. and Gallani, R. (2018).Effect of irrigation regimes and varieties on growth, bulb yield and quality of onion (*Allium cepa*L.). *International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences*7 (5): 1104-1111.

114.Punasya, A.; Kanwar, J. and Dubey, R. (2018). IBA and Rooting Media Influenced Survival, Rooting and Vegetative Growth in Air Layering of Guava (*Psidiumguajava* L.) cv. L-49. *Int. J. Curr. Microbiol. App. Sci*. 7(8): 1505-1510

115.Choudhary, R.C.; Kanwar, J.; Chouhan, G.S.; Singh, P. and Tanwar, D.R. (2018). Effect of ga3 and growing media on seedling growth of papaya (Carica papaya L.) cv. pusaNanha. *International Journal of Chemical Studies* 6(6): 1008-1012

116.Kanchan K.K.; Kushwah, S.S. Kushwah;, Mishra, S.N.; Naruka, I.S. and Singh, P.P (2018). Studies on seed production of pea (*Pisumsativum*L.) varieties with phosphorus levels under Malwa Plateau conditions. *Legume Research*, 41(5): 722-727.

117.Sirwaiya, Sonam and Kushwah, S.S. (2018). Assessment of different sowing dates and varieties on growth, yield and quality of seed in garden pea (*Pisumsativum*L.). *Int. J. Curr. Microbiol. App. Sci*,7(3): 1387-1396.

118.Kumrawat, D.; Kanpure, R.N.; Singh, O.P.; Bhandari, J. and Kachouli, B. (2018). Effect of integrated nutrient management on quality and yield parameters of guava (*Psidiumguajava*L.) cv. L-49. *Pharmacognosy and Phytochemistry*, 7 (5):1668-1670.

119.Tirkey, N.R.; Kanpure, R.N.; Kachouli, B.K.; Bhandari, J. and Patidar, D.K. (2018) Effect of foliar nutrition of Zinc sulphate, borax and NAA on yield and quality of guava (*Psidiumguajava*L.) *cv*. Allahabad Safeda. *International Journal of Chemical Studies,* 6 (4): 2295-2298.

120.Kurve, G.;VidhyaSankar M. ; Kumar, A.and Singh, O.P. (2018). Effect Of pre soaking of bulbs in plant growth regulators on flowering and vase life of Tuberose (*Polianthes tuberose* Linn.). *International Journal of Chemical Studies*, 6(1):1485-1490

121.Bhandari, J.;Kanpure, R. N.; Singh, O.P. ;Kachouli, B. and Patidar, D.K. (2018). Effect of organic And inorganic nutrient sources on growth,yield and quality of acid lime (*Citrus aurantifolia*Swingle). *International Journal of chemical studies* 6(1) :1635-39

122.Sharanya, B.R.;Naruka, I. S.; Shaktwat, R.P.S.;Kushwah, S.S. ; Singh O.P. and Singh D. (2018). Effect of plant geometry on growth, yield and quality of different varieties of fenugreek (*Trigonellafoenum-graecum* L.). *Indian Journal of Agricultural Research,* 52(3): 323-326

123.Shambhu, Meena, K.C.; Haldar, A.; Patidar, D.K. and Abdul, R. (2018). Effect of Sowing Time and Plant Geometry on Growth, Yield and Quality of Chandrasur (*Lepidiumsativum*L.), *Int. J. Curr. Microbiol. App. Sci*(2019) *8*(3): 1985-1991.

124.Monu, Naruka, I. S.; Meena, K.C.; Haldar, A. and Singh P. P. (2018). Effect of potassium and zinc on growth, yield and quality of garlic (*Allium sativum* L.). *India Journal of Arid Horticulture*, 13 (1-2):74-78.

125.Chouhan, A, Sonkar, P. and S. R. Anjanawe (2018). Effect of foliar application of urea, boron and 2,4-D in acid lime (*Citrus aurantifolia*Swingle) under MalwaPlateau conditions. *Bulletin of Environment, Pharmacology and Life Sciences*. Volume 7 (6): 41-44.

126.Jain, Nimisha Raj, Sukla, Anita and Jain R.C.(2018) Effect of graded doses of N,P and bio-fertilizer on nutrient composition (NPK & S) Of fenugreek in vertisol of central India.*Int.J. Agricult.Stat.Sci*.Vol.14(2),PP.599-600

127.Pawan Kumar, Swati Pratap, RP.S. Verma, A.N. Tikle and Rekha Malik (2018) Diversity assessment of hulled barley (*Hordeumvulgare*L.) accessions of ICARDA in Indian condition using cluster analysis *Indian J. Agric. Res*., 52(4): 429-433.

128.Gupta, S.C., Trivedia, B and Singh, P. (2018).Effect of diverse nutrient application on symbiotic traits, yield attributes, nutrient uptake, microbial population, DHA activity and productivity of Chickpea in black soils. *Legume Res.*(online IISN:0976-0571).

129.MandaleP., B.L.Lakariya, S.C. Gupta, A.B.SinghS.B.Aher and SonamSirwaiya (2018). Growth and yield response of maize cultivars to organic farming in central India. *The Pharma Innovation.7 (10): 138-142.*

130.Mandale,P. B.L.Lakariya ,S.B.Aher,A.B.Singh and S.C. Gupta (2018).Performance evaluation of maize cultivars for organic production. *Journal of pharmacognosy and phytochemistry*. 7(5): 2433-2440.

131.SimaiyaVidya; Vyas, M.D. (2018) Efficacy of tank mixed herbicides with Insecticides in growth and yield of soybean (*Glycine max.* (L.) Merrill) *Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry*; 7(2): 3933-3940

132.Saxena, D.R., Saxena, M. & Tiwari, N. (2018). Morphological and cultural variability in Fusarium oxysporumf. sp. Lentis causing wilt of lentil. Indian Phytopathology https://doi.org/10.1007/s42360-018-0087-y.

133.Purnima Singh Sikarwar and K. S. Tomar (2018), Nutrient management study in sweet orange (*Citrus sinensis* L) cv. Mosambi, Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry, 7(2), 2217-2219

134.Purnima Singh Sikarwar and K. S. Tomar(2018), Effect of micronutrients on growth, yield and quality parameters of Sweet Orange (*Citrus sinensis* L.) cv. Mosambi, International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences, 7(4), 1-9.

135.Neelesh Raypuriya, SB Das ,AK Bhowmick and Vibha (2018), Compatibility of M.anisopliae with various adjuvants, Journal of Entomology and Zoology studies, 544-547.

136.G. S. Anil Kumar, K. S. Vinutha, Devendra Kumar Shrivastava, S. Jain, B. A. Syed, B. Gami, S. Marimuthu, A. Yuvraj, H. S. Yadava, S. C. Srivastava, K. Yadagiri, V. Ansodariya, P. Prasuna, J. Vishwanath, S. R. Anand, Abhishek Rathore, A. V. Umakanth and P. Srinivasa Rao (2018) Identification of Ideal Locations and Stable High Biomass Sorghum Genotypes in semiarid Tropics, *Sugar Tech* (May-June 2018) 20(3):323–335

137.Shailendra Sharma, J.S. Raghuwanshi and Srivastava, S.C. (2018) "An Economic analysis of costs and returns of Rapeseed and Mustard production in Morena District of Madhya Pradesh." *Journal of Community Mobilization and Sustainable Development* 13(03), 475-482

138. Gautam S., Tomar S.P.S., Singh P.D., Suryawanshi D.K., and Singh U.C., (2019), Screening of brinjal (solanummelongena L.) varieties against insect pest complex., Intern. J. Agri. Sci., Volume 11(07), 8180-8182.

139. *Tarun Kumar, SPS Tomar, Pradyumn Singh, NKS Bhadauria, and NS Bhadauria, (2019), Seasonal incidence of major insect pests of soybean in gird region central India, Journal of Entomology and Zoology Studies, 7 (1):. 447-450,*

140.Tarun Kumar, SPS Tomar, NKS Bhadauria, Pradyumn Singh and NS Bhadauria (2019), "Efficacy of insecticides against major insect-pests of soybean in gird region at central India". *International Journal of Chemical Studies,* 7 ; 2, 13-18

141.Bharat Lal, N.S. Bhadauria and S.P.S. Tomar, (2019), Biology and Morphometics of Plume Moth, Exelastisatomosa (Wals.) on Pigeonpea Variety- Saket under Laboratory Conditions in Gwalior, Madhya Pradesh Region, India". *Int.J.Curr.Microbiol.App.Sci,* 8(2), 1880-1886

142.Yadav, A.; Gupta S.; Sharma, P. &Sikarwar, (2019),Analytical study of level of knowledge beneficiary and non-beneficiary farmers regarding potato production technology, Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry issue-I419-421

143.Patidar, J. K.; Singh, P. K.; Kashyap, V.; Singh, Reeti and Patidar, S., (2019),Screening of chickpea lines against dry root rot of chickpea caused by *Rhizoctoniabataticola*(Taub.), Journal of Pharmacognosy and8(1):, 1030-1032.

144.Singh, Prashant Kumar; Patidar, Jagdish Kumar; Singh, Reeti; Roy, S. and Pandya, R.K,(2019), Evaluation of culture media for the growth of *Rhizoctoniasolani* causing black scurf of potato, *Internat. J. Chem. Stud.*, 7(2):, 2189-2192., 5.31

145.Verma, Deepak Kumar; SasodeRajni Singh; Harne, A.R. and Singh, Reeti, (2019), Survey for severity of anthracnose of cluster bean in northern Madhya Pradesh, Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry, 8(1):, 1043-1044

146.Fatehpuria. P. K., Pandya. R.K., Sasode. R.S., Patidar. J.K and Singh. Reeti, (2019), Screening and *in-vitro* comparative evaluation of different isolates of *Sclerotiniasclerotiorum*under five selective media, International J. Chemical Studies, 7(1):, 849-852

147.Neelesh Raypuriya, SB Das ,AK Bhowmick and Vibha(2019), Mass multiplication of M. anisopliae on various substrates, Journal of Entomology and Zoology studies, 7(2), 614-616

148.AnushreePramanik, Sushma Tiwari, M.K. Tripathi, R.S. Tomar and A. K. Singh, (2019), Molecular characterization of groundnut (*Arachishypogaea* L.) germplasm lines for yield attributed traits, Indian J. Genet, 79 (1), 56-65

149.TineeAdlak, Sushma Tiwari, M. K. Tripathi, Neha Gupta, Vinod Kumar Sahu, PunamchandBhawar and V. S. Kandalkar, (2019), Biotechnology: An Advanced Tool for Crop Improvement, Current Journal of Applied Science and Technology, 33(1), 1-11.

150.Bele, D., Mishra, Nishi, Tiwari, Sushma Tripathi, M.K. and Tiwari, G., (2019), Massive *in vitro* cloning of sandalwood (*santalum album* linn.)*Via* cultured nodal segments, *Current Journal of Applied Science and Technology, 33(1) :, 1-14.*

151.Tripathi, M.K., Mishra, Nishi, Tiwari, S.,Singh, S.,Shyam, C.and Ahuja A., (2019), Plant tissue culture technology: sustainable option for mining high value pharmaceutical compounds, *Intrnational Journal of Current Mcrobiology and applied sciences (IJCMAS).,* 8(2)10, 2-110,

152.Tripathi, M.K. Tiwari, S. Mishra, N. Sharma, A. and Ahuja, A, (2019), Bioprospection for Bioactive Molecules of Pharmaceuticals Importance, Indian Journal of Biotechnology and Pharmaceutical Research, 6(4):, 22-24,

153.R K Singh, Sunil Silavat, Jagdish Kumar Patidar And VivekKashyap, (2019), Development of chickpea wilt (Fusariumoxysporum f. sp. ciceri) incidence in relation to soil edaphic and aerial environments, Indian Journal of Agricultural Sciences, 89, 215-9,

154.Kumawat, A., Gupta, N.K., Jain, NR and Nayama, S (2019), Studies on the effect of PGRs and micronutrient on okra cv. ParbhaniKranti, IJCMB AS, 9 (1), 3216-3223

155. Gallani, R.; Wankhede, R. and Pandey, A. (2019). Assessment of economic sulphur doses of soybean (Glycine max Merill L.) in Malwa region of western M.P. *Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry: SP2: 440-442.*

156.Soni, N.; Patil, P.; Meena, K.C.; Haldar, A.; Patidar, D.K. and Tiwari, R. (2019). Evaluation of different coloured varieties of grapes under nontraditional area of Malwa Plateau: A Thin Line Tool for Doubling the Farmer Income. *Int. J. Curr. Microbiol. App. Sci* 8(3): 1968-1976.

157.Pandey, A.; Dubey, N. and Dwivedi, Shailendra K. (2019). Effect of pre-harvest treatments on storage quality of aonla cv. NA – 7 and Chakiya. *Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry.* 8(2): 785-789.

158.Bhardwaj, N. and Singh, S.B. (2019). Weather factors affecting insect pests' activities on soybean in Malwa region of Madhya Prades, India. *Int. J. Curr. Microbiol. App. Sci.* Special Issue, 8:89-93

159.Verma, B.; Bhardwaj, N.; Singh, S.B. and Sharma, M. (2019). Alternation of insecticidal sprays for the management of thrips (*Thripstabaci* Lindeman) and whitefly (*Bemisiatabaci*Gennadius) pest of Bt cotton in Malwa region of Madhya Pradesh. *Int.J.Curr.Microbiol.App.Sci* 8(2): 2293-2300.

160. Gupta Varsha, Joshi Ekta, Sasode Deep Singh, Singh Lakhan, Kasana B.S. and Singh Y.K. (2019), The Effect of Chemical and Non-Chemical control methods on weeds and yield in potato (*Solanum tuberosum* L.) cultivation under potato based organic cropping system, *International Journal Current Microbiology and Applied Sciences,* 8 (7), 2737-2747
161. Gupta V, Sharma S, Sasode D.S., Joshi E, Kasana BS and Joshi N. (2019), Efficacy of herbicides on weeds and yield of greengram, Indian Journal of Weed Science, 51(3), 262–265.
162. Bobde A., PP Shastry P. P. , Patidar J. K., Singh Reeti and Pandya(2019), Survey of anthracnose of chilli: A potential threat to chilli crop in major chilli growing districts of Madhya Pradesh, International Journal of Chemical Studies, 7(5), 1917-1919.
163. Singh P. K, Patidar J K, Singh R., Roy S and Pandya RK (2019), Evaluation of culture media for the growth ofRhizoctoniasolani causing black scurf of potato, International Journal of Chemical Studies 2019; 7(5): 1917-1919, 7 (5), 2189-2192.
164. Singh Priyanka, ParhiarPrerana and Pandya RK(2019), Management of Pearl millet through foliar application of cow urine, selective chemicals and botanicals, *Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry,* 8 (4), 546-547.
165. Singh Priyanka, ParhiarPrerana and Pandya RK (2019), Evaluation of culture media for the growth of *Pyriculariagrisea* causing blast of pearl millet, *International Journal of Chemical Studies,* 7(3), 831-833.
166. Harne Amol , Singh Reeti and Verma Deepak Kumar(2019), Integrated management of dry root rot of clusterbean incited by *Rhizoctoniabataticola* (Taub.) Butler, International Journal of Chemical Studies, 7(5), 72-74.
167. HarneAmol , Singh Reeti and Verma Deepak Kumar(2019), Bioefficacy of antagonist on mycelial growth of *Rhizoctoniabataticola* by dual culture technique, International Journal of Chemical Studies, 7(3), 4849-4851
168. Verma, D.K. Sasode, S. Rajni and Harne A.R. (2019), Screening of promising genotypesof Clusterbean against *Colletotrichumcapsici* f.sp. *cyamopsicola* under field condition, *Inter. J. Curr. Microbiol. App. Sci., 8* (2), 3002-3004.
169. Verma, D.K. Sasode, S. Rajni and Harne A.R. and Singh Reeti (2019), Survey forseverity of anthracnose of cluster bean in northern Madhya Pradesh, *J. Pharmacognosy and Phytochemistry,* 8 (1), 1043-1044
170. Parihar, P.; Singh, P. and Pandya,R.K(2019), Survey of northern Madhya Pradesh pearl millet, *Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry,* 8(5), 412-413
171. Parihar,P.; Singh,P. and Pandya R.K(2019), Performance of promising hybrids and varieties of pearl millet against blast (*Pyriculariagrisea), International Journal of Chemical Studies,* 7(1), 1837-1838.
172. Deepa Bhatt, Karan Vir Singh, A.K. Barholia and Devendra Vishvkarma (2019) Effect of fertilizer application and spacing on the Growth and yield of Taro (*Colocasia esculenta*

(L.) Schott, International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences, 8(12), 2857-2865.

173. Deepa Bhatt, Karan Vir Singh, A.K. Barholia and Devendra Vishvkarma(2019), Effect of different levels of fertilizer and plant spacing on the quality parameters of Taro (*Colocasia esculenta* (L.) Schott, Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry, 8(6), 481-483.
174. Bharat Lal,N.S. Bhadauria,Pradyumn Singh and S.P.S. Tomar (2019), Seasonal incidence of sucking insect pests in brinjal and their natural enemies in gird region of Madhya Pradesh, India, Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry, 8(4), 2077-2079
175. Tarun Kumar, SPS Tomar, Pradyumn Singh, NKS Bhadauria, and NS Bhadauria(2019), Seasonal incidence of major insect pests of soybean in gird region central India, *Journal of Entomology and Zoology Studies,* 7 (1), 447-450,
176. Tarun Kumar, SPS Tomar, NKS Bhadauria, Pradyumn Singh and NS Bhadauria (2019), Efficacy of insecticides against major insect-pests of soybean in gird region at central India, *International Journal of Chemical Studies*, 7 ; 2, 13-18
177. Bharat Lal, N.S. Bhadauria and S.P.S. Tomar(2019), Biology and Morphometics of Plume Moth, Exelastis atomosa (Wals.) on Pigeonpea Variety- Saket under Laboratory Conditions in Gwalior, Madhya Pradesh Region, India, *Int.J.Curr.Microbiol.App.Sci,* 1880-1886
178. Sulekha Kesari, Shashi S Yadav, PA Khambalkar(2019), Effect of fertility levels and varieties on growth and forage yield of cluster bean (Cyamopsis tetragonolobus L., Int. J. Chem. Stud., 7 (4), 1066-1071
179. Priyadarshani A. Khambalkar, Shashi S Yadav(2019), Soil health: importance and assessment., Journal of Experimental Zoololgy India, 20 (4), 1-4,
180. Rajkumar Deshlehra, Karan Veer Singh, Rajesh Lekhi and S.K. Singh(2019), Effect of growth regulators, micronutrients and chemicals on yield attributes and economics of acid lime cv- Vikram in Ambebahar under high density planting system (*Citrus aurantifolia* Swingle), Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry, 8(6), 549-551
181. Rajkumar Deshlehra, Karan Veer Singh, Rajesh Lekhi and Jagati Yadagiri(2019), Effect of growth regulators, micronutrients and chemicals on reproductive and quality of acid lime cv- Vikram in Ambebahar under high density planting system (*Citrus aurantifolia* Swingle), Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry, 8(6), 552-554
182. Richa Pyasi, A.K. and R.P. Singh (2019), Effect of different levels of NPK and FYM on growth and yield of potato, International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences, 8(10), 2713-2718.
183. Richa Pyasi, A.K. and R.P. Singh(2019), Effect of inorganic fertilizer and biofertilizers on growth, yield and quality of potato, International Journal of Chemical Studies, 7(5), 1773-1776.

184.Bhoopendra Singh et al. (2019), Elevated CO2 Chlorpyrifos and biochar influence nitrification and microbial abundance in the rhizosphere of wheat cultivated in a tropical vertisol, Rhizosphere, 10, 1-8.

185.Adlak T, Sushma Tiwari, Tripathi MK, Neha Gupta, Vinod Kumar Sahu, Punamchand Bhawar, Kandalkar VS. Biotechnology (2019), An advanced tool for crop improvement, Current Journal of Applied Science and Technology, 33(1), 1-11

186.Kaur I. B:, Barche. S.: Kaur, M and Asati, K.P(2019), Assessment of the Correlation and Path Analysis with Association of Growth and Yield Characteristics in Okra., IJCMB AS, 8(5), 2331-2338.

187.Kaur I. B:, Barche. S.: Kaur, M and Asati, K.P. (2019), Study of different parameters of genetic variability and performance of various genotypes in Okra, International Journal of Chemical Studies, 7(3), 382-384.

188.Bhanuja Dwivedi, Garima Diwan and K.P.Asati(2019), of PGR's and theirmethods of applicationon growth of kharif OnionCv.ADR, IJCMB AS, 8 (9), 1597-1610.

189.Bhanuja Dwivedi and K.P.Asati(2019), Effect of PGR's and theirmethods of applicationon yield , quality and economics of kharif OnionCv.ADR, The pharma Innovation journal, 8 (10), 70-73.

190.Aakash, Lalita Bhayal, N.S. Thakur, Sudheer Kumar Kirar and S.K. Choudhary(2019), Energetics of maize production system as influenced by varieties and nitrogen scheduling, Journal of Experimetal Biology and Agricultural Sciences, 7(5), 462-467.

191.Khandkar, U.R., Tiwari, S.C. Kumawat N., Awani K. A., Bangar K.S. and Singh S.P. (2019), Response of micronutrients, organics and biofertilizers on growth and yield of soybean under Vertisols, *Journal of Experimental Zoology,* 20 (10), 108-111.

192.Kumawat N., Tiwari S.C., Bangar K.S., Khandkar U.R., Awani K. Ashok and Yadav, R.K. (2019), Influence of different sources of plant nutrients on soil fertility, nutrient uptake and productivity of soybean under Vertisols, *Legume Research,* DOI: 10.18805/LR-4164.

193.Ali, S.A., Jaiswal, R.K., Niwariya, Jayashri, Uikey, Shushmita (2019) Effect of different organic manure on growth and yield of radish (*Rahanus sativus* L.) *International Journal of Chemical studies,* 7(6):1397-1401.

194.Singh R., Jain, Aruna., Jain, Nimisha and Jain, R C(2019). Influence of P&K with and without Rhizobium japonicum and phosphorous solubilizing Bacteria on growth and Yield Sustainability of soybean in Black Soil. Int.J.Pure App. Biosci.7(2) 224-227.

195.Saxena, D.R.,Saxena, M. and Tiwari, N. (2019). Morphological and cultural variability in *Fusarium oxysporum* f. sp. *lentis*causing vascular wilt of lentil. *Indian Phytopath*. 72: 665-673.

196.Mukherjee, P.K., Mehetre, S.T., Sherkhane, D., Muthukathan, G., Ghosh, A., Kotasthane, A.S., Khare, N., Rathod, P., Sharma, K.K., Nath, R., Tewari, A.K., Bhattacharyya, S., Arya, M., Pathak, D., Wasnikar, A., Tiwari, R.K.S. and Saxena, D.R. (2019). A Novel Seed-

Dressing Formulation Based on a Improved Mutant Strain of *Trichodermavirens* and its Field Evaluation. *Front. Microbiology* 30 https://doi.org/10.3389/frmicb.2019 01910

197. Sharma, M., Gosh R., Tarafdar, A., Kumar, A.V., Chobe, D.R., Gaur, P.M., Samineni, S., Gupta, Om Singh, N.K., Saxena, D.R., Safiualla, M., Pithia, M.S., Ghante, P.M., Mahalinga, D.M., Upadhayay, J.B. and Harer, P.N. (2019). Exploring the Genetic Cipher of Chickpea (*Cicerarietinum* L.)Through identification and multi-environment Validation of Resistant Sources Against Fusarium Wilt(*Fusariumoxysporum* f. sp. *ciceris)*.Front. Sustain. Food Syst.Doi.10.3389/fsufs 2019.00078
198. Alex Greenlon, peter L chang, Zehara Mohammed Damtew , Atsde Mueta, Noelia Carrasquilla- Garcia, Donghyun Kim, Hien P. Nguyen ,Vasantika Suryawanshi, Chirtopher ,Pkieg, Sudeer Kumar Yadav, Jai Singh Patel, Arpan Mukharjee, Sripada udupa, Imane benjelloun, Thami-AlMI, Mohammad Yasin Bhvaneshwara Patil, sarvjeet Singh, Brinchi Kumar Sharma , Eric J B von Wettberg, Abdulla Kahraman, Bekir Bukun, fassil Assefa , Kassahun , tesfaye, Asnake Fikre and Douglas R Cook. Global-level population genomics reveals differential effects of geography and phylogeny on horizontal gene transfer in soil bacteria. (2019). Published in PNAS USA. NAAS rating 15.0
199. Sanjay Kumar, H. S. Kushwaha and Paliwal, D. K. (2019). Productivity and system profitability of diversified soybean [Glycine max (L.) Merrill] based cropping systems in Malwa Plateau of Madhya Pradesh. Ann. Agric. Res. New Series Vol. 40 (4) : 248-252
200. KushwahLalit,Sharma R.K.,Kushwah, S.S. and Singh, O.P. 2019.Influence of organic manures,inorganic fertilizers and their combinations on growth and quality of radish (*Raphanussativus*L.) *International Journal of Chemical Studies*,7(6): 2972-2974.
201. Gami, J.Sonkar, Priyamvada.Haldar, A and Patidar, D.K. 2019. Effect of prte harvest spray of $ZnSO_4$, KNO_3 and NAA on growth, yield and quality of ber (*Zizyphusmauritiana*Lamk.) cv. Seb under Malwa Plateau conditions.*International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences,*8(3): 1977-1984.
202. Gallani, R. Wankhede, R and Pandey, A. 2019. Assessment of economic sulphur doses of soybean (*Glycine max Merill L.*) in Malwa region of western M.P. *Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry*,SP2: 440-442.
203. Gehlot, Y. Aakash, Gallani, R. Bangar, K.S. and Kirar, S.K. 2019. Nature of soil reaction and status of EC, OC and macro nutrients in Ujjain Tehsil of Madhya Pradesh. *Int. J. of Chemical studies*,7(6): 1323-1326.
204. Singh, S. B. and Patel, R. P. 2019. Management of chilli insect pests by using different doses of Emamectin Benzoate3.7% + Difenthiuron 46.3% WP.*Journal of Plant Development Sciences*, 10 (9): 499-504.
205. Kushwah, G. Sharma, R. K.Kushwah, S. S. and Mishra, S. N. 2019. Effect of organic manures, inorganic fertilizers and varieties on growth, yield and quality of tropical carrot. *Indian J. Hort.*,76(3): 451-456.

206.Verma, Bhavna. Soni, Ravikant.Singh, S.B. and Choudhary, R.K. 2019. Efficacy Assessment of Insecticidal Alternation for the Management of Jassid (Amras cabiguttula biguttula Ishida) and Aphid (*Aphis gossypii* Glover) Pest of Bt Cotton. *Int.J.Curr.Microbiol.App.Sci*.,8(11): 2342-2349.

207.Patidar, Rahul.Singh, S.B.Kamde, Narendra and Patidar, Rajesh. 2019. Reaction of different sorghum hybrids against sorghum insect pestinfestation.*Journal of Entomology and Zoology Studies*,7(5): 13-21.

208.Ankit, Pandey.Neeru, Dubey.and Shailendra, K.Dwivedi. 2019. Standardization of suitable time of harvest Aonla (*Emblicaofficinalis*garten.) cvs. NA-7 and Chakaiya fruit on storage and quality. *Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry*,SP2: 781-784.

209.Ankit, Pandey.Neeru, Dubey and Shailendra, K.Dwivedi. 2019. Effect of pre-harvest treatments on storage quality of aonla cv. NA – 7 and Chakiya. *Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry*,SP2: 785-789.

210.Basant, kachouli. Singh,A.K.Jatav, S.K. and Kushwah, S.S. 2019. Combining ability analysis for yield and yield attributes character in brinjal (solanummelongena). *J.Pharmacognosy& Phytochemistry*, 8(3): 4009-4012.

211.Basant, kachouli. Singh,A.K. Patidar, H. and Sikarwar, R.S. 2019. Stability analysis for yield and quality attributes in brinjal (*solanum melongene*). *Int.J.Chemical Stus*.,7(2): 4458-4464.

212.AnushreePramanik, Sushma Tiwari, R.S. Tomar M.K. Tripathi, and A. K. Singh. (2019) Molecular characterization of groundnut (*Arachishypogaea* L.) germplasm lines for yield attributed traits. *Indian J. Genet*., 79(1): 56-65.

213.Shailendra Sharma, J.S. Raghuwanshi, A.M. Jaulkar and Srivastava, S.C. (2019) "Constraints in Production, Marketing and Processing in Rapeseed-Mustard Cultivation and Suitable Measures to Overcome these constraints. *International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences* 8(01)

214.Sasode, D.S, Joshi Ekta, Gupta Varsha, Kasana B.S. and Singh Y.K. (2020), Weed flora dynamics and growth response of green gram (*Vigna radiata* L.) to weed management practices, *International Journal Current Microbiology and Applied Sciences,* 9 (4), 365-370.

215.Joshi Ekta, Sasode D.S., Sikarwar R.S., Gupta Varsha and Kasana B.S. (2020), Optimizing crop geometry and nutrient management for yield, water productivity and economics of kharif groundnut (*Arachis hypogaea* L.), *Legume Research,* 42 (5), 676-679.

216.Tomar Bhavna, Sasode D.S., Bhadauria S.S., Tomar Sudeep Singh and Tomar Shobhana (2020), Effect of different dates of sowing on growth and yield of pearlmillet (*Pannisetum glaucum* L.) varieties under semi-arid region, *International Journal of Chemical Studies,* 8 (1), 2198-2202.

217.Singh Neelam, Joshi Ekta, Sasode D.S., Roop Singh Dangi and Namrata Chouhan, (2020), Soil fertility, macro and micro nutrients uptake and their use efficiencies under

integrated nutrient management in groundnut (*Arachis hypogaea* L.), *International Journal of Chemical studies,* 8(1), 1983-1987.

218. Sasode D.S., Joshi Ekta, Jinger Dinesh, Sasode Rajni Singh, Gupta Varsha and Singh Y.K., (2020), Conservation tillage and weed management practices effect on weeds, yield and profitability of cowpea (*Vigna unguiculata*), *Indian Journal of Agricultural Sciences,* 90 (1), 86-90.
219. Anupriya, Sasode, S. Rajni and Prahlad (2020), Management of *Alternaria cucumerinavar. cyamopsidis* through plant extracts, bio products and fungicides *in vitro* and *in-vivo*, Inter. J. Curr. Microbiol. App. Sci., 9(3).
220. Vikas Baghel,Jyoti Kumar Thakur,Shashi S. Yadav,Madhab Chandra Manna,Asit Mandal,Abhay Omprakash Shirale,Poonam Sharma,Nishant K. Sinha,Monoranjan Mohanty,Amar Bahadur Singh &Ashok K. Patra (2020), Phosphorus and Potassium Solubilization From Rock Minerals by Endophytic Burkholderia sp. Strain FDN2-1 in Soil and Shift in Diversity of Bacterial Endophytes of Corn Root Tissue with Crop Growth Stage, Geomicrobiology Journal,) Volume 37, - Issue 6, 550-563,
221. Bhawar, P. C., Tiwari, S.,Tripathi, M. K., Tomar, R. S., & Sikarwar, R. S., (2020) Screening of Groundnut Germplasm for Foliar Fungal Diseases and Population Structure Analysis Using Gene Based SSR Markers, Current Journal of Applied Science and Technology, 39(2), 75-84.
222. Bharat Singh, Shweta Pawar, Ashok Sharma, N.S. Thakur and Rini Shrivas(2020), Effect of organics and inorganics on soil properties - A step towards nutrient management in Vertisols of Malwa Region, International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences, 10, 1-10.
223. Shweta Pawar, Bharat Singh, N.S. Thakur, Ashok Sharma, and Rini Shrivas(2020), Integrated Nutrient Management – A remedy for enhancing the lives of Microbes in soil, International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences, 10, 11-15.
224. Shweta Pawar, Bharat Singh, Ashok Sharma, N.S. Thakur and Rini Shrivas(2020), Nutrient Management Practices for Enhancing Soybean Production in Rainfed condition, International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences, 10, 16-23.
225. Rini Shrivas, Bharat Singh, N.S. Thakur, Ashok Sharma and Shweta Pawar(2020), Reduced tillage and use of organics: A progressive manoeuvre towards conservation of resources and improvement in soil intrinsic properties, International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences, 10, 24-35.
226. Singh A.K., Singh R.S., Singh A.K., Kumar R., Kumawat N., Singh N.K., Singh, S.P. and Shanker R. (2020), Effect of weed management on weed interference, nutrient depletion by weeds and production potential of long duration pigeonpea (*Cajanus cajan* L.) under irrigated, *International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences,* 9(1), 676-689.

227.Kumawat N., Yadav R.K., Singh M., Dudwe T.S. and Tomar I.S. (2020), Effect of phosphorus and bioinoculants and their residual effect on succeeding chickpea (*Cicer arietinum*) cropping system, *Indian Journal of Agricultural Sciences,* 90 (2), 320-325.

228.Kumar R. Deka, B.C., Kumawat N. and Thirugnanavel A(2020), Effect of integrated nutrition on productivity, profitability andquality of french bean (*Phaseolus vulgaris*), *Indian Journal of Agricultural Sciences,* 90 (2), 431-435.

229.Raidas DK, Ramgiry SR and Khandwe Rupendra (2020). Effect of water logging condition on growth, physiology and yield characteristics of soybean genotypes (*Glycine max* L Merrill). *Ind J Pure and App Biosci.* 8(2) 496-500.

230.Patidar,R.Mohanty,M.,Sinha,N.K.Gupta,S.C.Somasundram,R.S.,Chaudhary,R.Soliya,R.,Hati,K.M.Prabhakar,M,Sammi Reddy,K.,Patra,A.K and Shrinivas Rao Ch ((2020) Potential impact of future climate change on maize (*Zea mays L.*) under rainfed condition in central India. *Journal of Agrometerology*22 (1): 18-23

231.Jaiswal, R.K., Ali, S.A., Niwariya, Jayashri, Mewara, Nidhi (2020) .Effect of sulphur and Zinc on growth and yield of Kharif Onion (*Allium Cepa* L.)*The Pharma Innovation Journal* ; 9(1) :359-362.

232.Vinod Kumar Sahu, Sushma Tiwari*, Neha Gupta, M K Tripathi and M Yasin (2020) Evaluation of physiological and biochemical contents in Desi and Kabuli chickpea. Legume Research: Doi 10.18805/LR-4265

233.Sanjay Kumar, H. S. Kushwaha and D. K. Paliwal (2020). Biomass Production and Production Efficiency of Different Soybean [*Glycine max* (L.) Merrill] based Cropping Systems in Malwa Plateau of Madhya Pradesh. Int. J. Curr. Microbiol. App. Sci. 2020. 9(1): 1353-1359.

234.Jamra, Ranjeet, Kanwar, Jyoti, Dubey, Rajiv and Choudhary, Ramesh. Chandra. 2020. Effect of integrated nutrient management practices on growth, productivity and profitability of aonla. *International Journal of Chemical Studies*,7(6):960-962.

235.Yadav, Alka. Kanwar, Jyoti.Dubey, Rajiv. and Megha,Upadhyay. 2020. Effect of foliar application of urea, zinc sulphate and borax on flowering, fruiting and yield of acid lime (*Citrus aurantifolia*Swingle) vari. Kagzi lime under Malwa Plateau conditions. *Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry*,9(2):483-485.

236.Yadav, Alka. Kanwar, Jyoti. Singh, Om. and Patidar, Megha. 2020. Effect of foliar spray of urea and micro-nutrients on yield and quality of acid lime (Citrus aurantifoliaSwingle) cv. Kagzi lime. *International Journal of Chemical Studies*, 8(2): 208-211.

237.Jamra, Ranjeet. Kanwar, Jyoti.Dubey, Rajiv. And Choudhary, Ramesh. Chandra. 2020. Effect of integrated nutrient management practices on growth, productivity and profitability of aonla. *International Journal of Chemical Studies*,7(6):960-962.

238.Vinod Kumar Sahu, Sushma Tiwari*, M. K. Tripathi, Neha Gupta, R. S. Tomar and M Yasin (2020) Morpho-physiological and biochemical traits analysis for Fusarium wilt

disease using gene-based markers in desi and Kabuli genotypes of chickpea (*Cicer arietinum* L.)" Indian J. Genet., 80(2) 163-172

239. Rachit K. Saxena, Anil Hake, Anupama J. Hingane, C. V. Sameer Kumar, Abhishek Bohra 3 , Muniswamy Sonnappa, Abhishek Rathore, Anil V. Kumar, Anil Mishra, A. N. Tikle, Chourat Sudhakar, S. Rajamani, D. K. Patil, I. P. Singh, N. P. Singh and Rajeev K. Varshney (2020) "Translational Pigeonpea Genomics Consortium for Accelerating Genetic Gains in Pigeonpea (*Cajanus cajan* L.)" Agronomy, 10, 1289

240. Sunil Chaudhari, Ashok Narayan Tikle, Suyash Bhimgouda Patil, Sameer Kumar and Kulbhushan Saxena (2020) Genotype 3 Environment Interaction for Fertility Restoration and Yield Traits in Pigeonpea (Cajanus cajan) Hybrids, Agric Res, https://doi.org/10.1007/s40003-020-00468-1

Annexure-III

6.6.3.5: Innovation and Best Practices:

A. Patents obtained,

S.No.	Patent Title	Patent Number	Date of patent granted	Name of the Scientist
1	Rotary three dimensional variable volume machine usable as pump, compressor, turbine and internal combustion engine	298999	06.07.2018	Dr. Arvind Kumar Sharma

B: Varieties developed, released and notified (2015-2020)

Crop	Name of Variety (Noti. No.& Date)	Maturity days	Avg. yield (kg/ha)	Special Characteristics	Adaptability zone	Breeder seed produced (qtls) 2019-20
A. Pulse crops						
Chickpea	RVG 202 (SO 268 (E) 28.01.2015)	100-105	1800 – 2000	Large seeded Desi chickpea variety and resistance to Fusarium wilt, MR to dry root rot and color rot	M.P., Chhattisgarh, Maharashtra, Gujarat, U.P. and Rajasthan	1902
	RVG 204 (SO 3220 (E) 06.09.2019)	111	2300-2500	Long plant, bold seeded, Resistant to wilt and tolerance to pod borer, suitable for mechanical harvesting	Madhya Pradesh	9.0
	RVG 205 (SO 3220 (E) 06.09.2019)	107-118	2000-2500	First green seeded variety of M.P., Long plant, pink flower, bold seeded, Resistant to wilt and tolerance to pod borer	Madhya Pradesh	17.0

	RVKG 111 (SO 3220 (E) 06.09.2019)	117	20-22	Smooth creamy medium sized seeds with owl's head shape (26.12 g/100 seed). Resistance to moderately resistance reaction against *Fusarium* wilt, Dry Root Rot (DRR) and tolerant to pod borer (*Helicoverpa*) and pulse beetle.	Madhya Pradesh	
	RVKG 151 (SO 3220 (E) 06.09.2019)	104-113	20-21	extra large size seeds, average 100 seed weight (54.3 g) with oval head shape. Resistance to moderately resistance reaction against *Fusarium* wilt and tolerant to pod borer (*Helicoverpa*) and pulse beetle.	Madhya Pradesh	
	RVG 210 03.06.2019	109	1805	early maturing variety (109 days), round seed shape, bold seeded size (26.7 g hundred seed weight), average yield potential 1805 kg/ha and resistant to *Fusarium* wilt.	Madhya Pradesh	
	RVKG 121 03.06.2019	114	1970	matures in 114 days, having bold seed size (26.30 g hundred seed weight), average yield potential 1970 kg/ha. Resistance to *Fusarium* wilt tolerance to pod borer *(Helicoverpa armigera*) and	Madhya Pradesh	

				pulse beetle		
Lentil	RVL 11-6 (SO 1007 (E) 30.03.17)	116	1600-1800	Bold seed, drought tolerance	M.P., Chhattisgarh, Maharashtra, Gujarat, U.P. and Rajasthan	16
	RVL 13-7 (SO 3220 (E) 06.09.2019)	102	1200	Plant type is semi erect, medium height (36-40cm) and branches with broad leaf which is very much suitable for intercropping Large seed size of 3.2 g/100 seed Tolerant to Wilt, shattering resistant and escape the drought	Timely sown conditions of M.P.	02
	RVL 13-5 (SO 3220 (E) 06.09.2019)	106	1400	Its plant type is semi erect, Maturity duration is 106 days, medium height and branches with broad leaf which is very much suitable for intercropping and potential yield is 14 qt/ha.	M.P., Chhattisgarh, Maharashtra, Gujarat, U.P. and Rajasthan	18
	RVL 15-1	100	1700	plant type is semi erect, medium height and branches with broad leaf which is very much suitable for intercropping. Large seed size of 3.05 g/100 seed, resistant to wilt, shattering resistant and escape the drought.	Madhya Pradesh	-
B. Oilseed crops						
Soybean	RVS 2002-4 (SO 1007	92	2300	Early maturing, Resistance to YMV,	Madhya Pradesh	319

	(E) 30.03.17)			chorcol rot		
	RVS 2001-18 (SO 2805 (E) 25.08.2017)	96	1905	Medium maturity, Resistance to YMV, chorcol rot, root rot and stem fly	M.P., Chhattisgarh, Maharashtra, Gujarat, U. P. and Rajasthan	6.0
	RVS 2007-6 VIC 17.04.18	101	2068	Plant type semi erect spreading type, medium height (70-75 cm) and branches with broad pointed leaf, medium maturing variety, multiple resistance charcoal rot, target leaf spot, stem fly, stem borers and defoliators	M.P., Chhattisgarh, Maharashtra, Gujarat, U. P. and Rajasthan	
Rapeseed & Mustard	RVM 1 (SO 3540(E) 22.11.16)	98-121	1400-2000	Moderately resistant to Alternaria, powdery mildew, downy mildew and *Sclerotinia* stem rot	Madhya Pradesh	36
	Raj Vijay Mustard 3	125-139	1800-2800	plant height (182-228cm), Yellow Flower, Dark brown to reddish brown Seed colour, 1000 seed wt (g): 3.7-4.4 g, Oil content 37-42 %, Moderately resistance to Alternaria leaf light blight, Powdery mildew and downy mildew & white rust, and tolerant to resistant for Sclerotinia stem rot.	Madhya Pradesh	10.4

Toria	RVT 1 (SO 2805 (E) 25.08.2017)	90-105	1654	Tolerance to Alternaria and powdery mildew, drought tolerance oil content 42.08 to 44 %	Madhya Pradesh	8
	RVT 2 SVRC 23.05.2017	108-09	1700-2400	Brown seeded, Tolerance to Alternaria and powdery mildew, drought tolerance, oil content 42 to 44 %	Madhya Pradesh	
	RVT 3 SVRC 09.05.2018	93-99	1300	Plant medium (118-138cm) spreading, Angle of branching is obtuse, Leaves: sessile, green, seed is small to medium, Flowers: bright yellow in colour, Tolerance/ resistance to white rust, *Alternaria* leaf blight on pods, powdery mildew, downy mildew and *Sclerotinia* stem rot, less infestation of aphids	Suitable for rainfed and irrigated conditions of Madhya Pradesh	
Safflower	Raj Vijay Safflower – 14-1	121	1800-2200	plant type is spiny and big capitulum and Colour of flower is orange red, plant height 80-100 cm, Oil content 29-30%, lodging resistant, shattering resistant, Moderately tolerant to wilt.	Madhya Pradesh	
C. Food Crops						
Sorghum hybrid	RVICSH 28 (SO 3540(E) 22.11.16)	110	65-68 t/ha (Fodder)	High sugar content (17 %) Resistance to lodging and ability to tolerate	Madhya Pradesh	

				the drought		
Sorghum	RVJ 1862 (SO 3540(E) 22.11.16)	111	35-40 q/ha (grain) and Fodder yield (118 q/ha)	Tolerance to leaf spot and moderately tolerant to grain mold and Moderately tolerant to shoot fly and stem borer.	Madhya Pradesh	0.69
D. Fibre crops						
Cotton	RVK 67 (SO 6318 (E) 26/12/2018)	145-160	1600-2000	Tolerance against jassid and bollworms	Madhya Pradesh	
	RVK 11 (SO 3220 (E) 06.09.2019)		2404	Medium maturity group, and found tolerant to sucking pests (below ETL) and for diseases were on par with the check varieties, in rainfed production system system.	South Zone (Tamil Nadu, Karnatka, and Andhara Pradesh)	
E. Medicinal and Aromatic crops						
Safed Musali	RVSM-412 SVRC, 26.09.19	85-95	3000-3400	Herbasius stemless plant with 3 to 4 flowering scape, Non lodging type, fasciculated root/ha, Root powder content 1.15 % sapogenine and 9.2 % steroidal saponine and resistant to fasciculated root rot	Madhya Pradesh	
Asalio (Chandrasoor)	Raj Vijay Asalio 1007 (VIC 14.11.2017)	118	1522		Central Zone	
	Raj Vijay Asalio-1001	110-115	1800-1900	Narrow leaf, Plant height (92.41 cm),	Madhya Pradesh	

	SVRC, 26.09.19			No. of Branch/Plant(14.27), 100 seed weight 1.9g, oil content 20 % and Resistant to Alternaria leaf blight		
	Raj Vijay Asalio-1016	121-126	1800-1900	Plant height (92.75 cm), No. of Branch/Plant(14.0), 100 seed weight 1.93 g, oil content 20 % and resistant to alternaria leaf blight	Madhya Pradesh	
Guava	Gwalior-Bahar	125-130	85-90 kg/plant	This variety fruits are oblong in shape and have higher fruit weight, fresh thickness, fruit yield and total soluble sugars. Fruit weight 244g, length 7.80cm, width 7.40 cm, flesh thickness 1.53 cm, TSS 8.3^{0}b, Number of seeds/100 g pulp277,weight of seeds/100g pulp1.7g.	Madhya Pradesh	
	Gwalior-8	118-125	88-95 kg/plant	Seedlings, fruits are medium to medium large with cream white, thick flesh, few seeds, acid sweet, good quality and heavy bearer, fruits are mostly round shaped. Fruit weight 282 g, length 7.50 cm, width 8.30 cm, flesh thickness 2.53 cm, TSS 9.07^{0}b, Number of seeds/100 g pulp	Madhya Pradesh	

				138, weight of seeds/100g pulp1.40g		
	Gwalior-21	120-125	85-90 kg/plant	Seedlings, fruits are medium to medium large with cream white, thick flesh, few seeds, acid sweet, good quality and heavy bearer, fruits are mostly round shaped. Fruit weight 301.5 g, length 7.29 cm, width 8.10 cm, flesh thickness 1.78 cm, TSS 9.02^{0}b, Number of seeds/100 g pulp 142, weight of seeds/100g pulp1.77g	Madhya Pradesh	
	Gwalior-27	120-125	85-90 kg/plant	Seedlings, fruits are medium to medium large with cream white, thick flesh, few seeds, acid sweet, good quality and heavy bearer, fruits are mostly round shaped. Fruit weight 279.67 g, length 7.72 cm, width 7.14 cm, flesh thickness 1.62 cm, TSS 11.92^{0}b, Number of seeds/100 g pulp 163, weight of seeds/100g pulp1.37g.	Madhya Pradesh	

6.6.10. Certificate

I, the Registrar of the Agricultural University ***Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishwa Vidyalaya, Gwalior*** *here by certify that the information contained in the sections 6.4, 6.5 and 6.6.1 to 6.6.9.7 are furnished as per the records available in the University.*

Place: *Gwalior (M.P.)*
Date: *19/08/2021*

Registrar
Signature of the Registrar
with official seal

SELF STUDY REPORT

OF

THE CONSTITUENT COLLEGES

Under

(RVSKVV, GWALIOR)